



कविनामावली ।

(श्री)

शोधर (प्राचीन)

शोधर (बाबू भाभा)

शोधपति

शोधलाल

(श)

शमरेव

शमभद

शमवेस

शालम

शानद

शानदधन

(ई)

ईस

ईसर

(छ)

छधव

छदेनाथ

छदेस

(क)

कविन्द

कमल

कमलापति (हनुमानकविके शिष्य)

कामीराम

किसोर

किसोदास

कण्ठलाल

(ख)

खमान

खुबो

(ग)

गनेस (काशीराज के कवि)

गवाल

गुलाब (काशीराज के कवि)

गिरधारी

गिरधरदास (हरीचन्द के पित)

गोकुलनाथ (रघुनाथ के पुत्र)

गंधर

गंग

गोपीनाथ (गोकुलनाथ के पुत्र)

(घ)

घनस्याम

घामीराम

(च)

चन्दन

चिरजीवी

कविनामावली ।

छपाकर		देवमनि
द्वितीयाथ	४२	देवकीनदन
छिम	संस्कृत	देवकीनदन सिंह
(ज)		दौलत
जय रस		(घ)
जलेश		धनेस
जवाहिर		धनीराम (ठाकुर की पुत्र)
जसवन्त (महाराजजीधपुर प्राचीन		धुरंधर
(ठ)		(न)
ठाकुर		नरोत्तम
ठगठाकुर		नबी
(त)		नवीन (नामा के क०)
तरङ्ग		नदलाख
तारा		नागर
तिहरी		नाथ
तीर्थ		नियाज
तीर्थनिधि		नीलकण्ठ
(द)		नूर
दयानिधि		नैन
दयादेव		नेहरी
दामोदर		नन्दन
दत्त		नृपसंभु
द्विज (महाशाल मर्मा)		(प)
द्विजदेव(महाराजमानसिंघधरधर)		परमानन्द
द्विजराज		पदमाकर
दुसह		परसराम
दिनेश		परबत
देव		परसाद

कविनामावली ।

परताप	भीन
पञ्चमेस	भोलानाथ
पद्मनाभ	भंजन
पुण्डरीक	(म)
पूषो	मनमा
पण्डित	मनिकंठ
पण्डितप्रदीप	मकरन्द
प्रवीण	मतिराम
(व)	मणिजु
वलदेव	मणिदेव (काशिराज के
वल्लभद्व	महाकवि
वल्लभ (कुमारों के पं०)	महबूब
वल्लभन्द	मनसाथ
मह्य (राजाधीरवल्ल)	मान
वन्दो	मदनगोपाल
विजयानन्दजी पं०	मीरन
वीर	मिश्र
विधाता	मोतीराम
विनी	मोहन
विनीरवीर	मुबारक
विनिधि	मुकुन्दनाथ (रघुनाथ के पु०)
वसुधेश्वर	रुद्रन
(भ)	मखिल
वरवी	मंषाराम
वसन्त	(र)
वृद्ध	रघुनाथ (श्रीमन्महाशयजी के
वृद्ध	रघुनाथ (काशिराज के पं०)
वृद्ध	वदरम

कविनामावली ।

रसरज	सेवक (धनीराम के पुत्र)
रसिकविहारीजी	सन्तान
रतन	संकर (सेवक के भ्राता)
रमिककवि	सोमनाथ
रसखानि	सेनापति
रसिया नजीबखानाजी	सेखर (पटियाला के कवि)
राय	सेप (रङ्गरञ्जन)
रामकवि	सोभ
रावराजा (जोधपुर के क०)	सोभन
रामिनाथ (ठाकुर के पिता)	सूरत
(ल)	सूरज
सच्चीराम	सुन्दर
सीताधर	सुखदेव
काल (काशिराज के क०)	सुमेर
(म)	सुमेरहरी (मायासुमेरसिंहजी-
शिव	खामसुन्दर साहबजादे)
शिवराज	(इ)
शिवराम	हरिकेश
शिवदीन	हनुमान (काशिराज के क०)
शिवराई	हरि
शिवदत्त	हरीचन्द (बाबूभारतेन्दु)
शिवदास	हरिजन (सरदार के पिता)
(न)	हरलाल
सरदार (काशिराज के कवि)	हरिदेव
संभु	हेमदुति
संभुराज	हेमचंद्र

॥ सङ्गारसुधाकर ॥

७२
संस्कृत

श्रीगणेशायनमः ॥ दोहा ॥ सकलसिद्धिसहजहिंमिलत
उपजतनीकोज्ञान ॥ धरुमनजुगुलकिसोरके जुगुलचर-
नकोध्यान ॥ १ ॥ गलधौहींदोऊदिये विहरतसुमननि-
कुंज ॥ मोरमनोरधमंजुधर तेपुजबहुछविपुंज ॥ २ ॥
आलंघनसृंगारके राधामाधवदेव ॥ बिनउनकृपान
पाइपत उज्जलरसकोभेव ॥ ३ ॥ श्रीशृपमानसुलाहि-
ली प्रानप्रियाहरिकेरि ॥ प्रथमतासुनखसिखकरत मै
रसग्रंथनहेरि ॥ ४ ॥ पुनिपाछेसबभेवजुत कहिहौं हावबि-
भाव ॥ जिहिंपदिरसिनकेहिये हूँहैपरमउछाव ॥ ५ ॥

॥ पद्य घनाचरी कविल—चरन वर्णन ॥

कैधौं मानसरकेबिमलकमलदोऊ सोहैंजपाजाय-
कसुरंगअनुहारीके ॥ कैधौं सुरतरुकेसुपल्लवबिमलराजै
कैधौं पेविराजै भानुभ्रमतमहारीके ॥ द्विजकहैकैधौं रति-
पतिकेमुकुटवारी छालमनिमानिकअमितगुनभारीके ॥
छीभितरहतमनमोहनकोजामै ऐसेसोझितचरनशृपमान

कीदुलारीके ॥ १ ॥ सुमननिकेतलालजावकसमेत की-
 नकौनसुखदेतमानकरतनिहोरीके ॥ ललितअनपमवि-
 राजैवलदेवकवि विमलसकलकमलनिछविछोरीके ॥
 मेहँदीसुरंगरंगेनखरुचिचंदजगे पगेगजमनिगतिहंसन
 कीजोरीके ॥ अंकुसपताकाचारुरेखनललितलसँ घसै
 मनमेरोजुगचरनकिसोरीके ॥ २ ॥ कैधौ यहकोमलअम-
 लताकीरंगभूमि कैधौ यहआंगनहैसोभाकेसदनको ॥ अ-
 रुनदलनपरकीनोकैतरनिकोप जीत्योकैधौ रजोगुनरा-
 जिवकेगनको ॥ पलपलप्रनयकरतकीधौ केसोदास लां-
 गिरह्यो पूरवानुरागपियमनको ॥ एरीवृषभानकीकुमारी
 तेरेपायसोहै जावककोरागकोसुहागसौतिजनको ॥ ३ ॥
 कोहरऔबिंबइन्द्रवधूकेवरनजीते मेहँदीकेमौजनकीशु-
 लकसहलकी ॥ सहजैसुरंगदारजावककेरंगभार होतन
 सँभारउरभारतीकीललकी ॥ श्रीधरअरुनछविछायछह-
 रायजाय छितिपैविछाईमनौपौखुरीकमलकी ॥ ज्यों
 ज्योंप्यारीमंदमंदपायनधरतआवै, पौघसीपरतिआवैत्यो
 त्योमखमलकी ॥ ४ ॥ प्यारीकेपगनपाईएतीअरुनाई
 जामैमुगधवधूनदिनसाँझकरिभाख्योहै ॥ वागवहैकद्वति
 जाकेसिसिरलतानहूँ के किसलयतोरिवेको मनअभिला-
 ख्योहै ॥ चिन्तामनिआयेँजाकेचांदनीविछौनापर ला-
 उमखमलकीविछौनाजनुनाख्योहै ॥ चरनधरतजाके
 गनफाटिकचंदमानोलालविद्रुमदलनिबोधिाराख्यो
 ५ ॥ तेरेपगमालकैधौ जावकदयोहैलाल कैधौ पौ-

यपखोहैसोहागसौतिजनको ॥ कहैसंभुराजकैधौं किस-
 लैललितपर बिछोहैपरागआइजपाकेसुमनको ॥ कै-
 धौं पाकेकोहरयैधूककेदलनमूदे ताहपरउपमानआवैम-
 नतनको ॥ जानिनिधिवासमरेजानकरिआसवस्थो कं-
 जआंसपासअनुरागलुघधनको ॥ ६ ॥ कामकेतुनीरवि-
 विपल्लवपटीरकीधौं विद्रुमकीपीठपरवारिजवरनहैं ॥
 जानुजुगनालफूलेसुंदरसरोजदोज अतिहीसुदेसमहाम-
 नकेहरनहैं ॥ उन्नतअंगूठानखआभाआंगुरीनपर चं-
 दकलाआइकीधौं राहुकेडरनहैं ॥ हौं हूंचलिहारीरीशेर-
 सिकविहारी हंसगतिअनुसारीकीधौं प्यारीकेचरनहैं ॥ ७ ॥
 अरुनकमलनखचंदहैंसमीपतातें जोन्हकोप्रकासफैल्यो
 अद्भुतधरनिमै ॥ सौतिनकेतालकोतखतरिक्तवारकहैं दे-
 खेदुतिहोतजातविद्रुमवरनमै ॥ चौंदनोकीचादरबनात
 केबिछोनाहोत चलैअलवेलीछविछायाकेपरनमै ॥ अखो
 अनुरागयासुहागकेसोधागखिल्यो चलनसकतचित्तचु-
 भ्योहैचरनमै ॥ ८ ॥ मंदहीचपतइन्दयधूकेवरनहोत प्या-
 रीकेचरननयनीतहूतैनरमै ॥ सहजललाइवरनीनजा-
 यकासीराम बाकीगतिदेखिदेखिमरीमतिभरमै ॥ ए-
 डीठकुराइनकीनाइनगहतिजब इंगुरसोरंगदौरिआवै
 दरवरमै दियोहैकिदीवेहैविचारसोचधारवार धावरीसी
 हूरहीमहावरीलैकरमै ॥ ९ ॥ अरुनकमलअरुणोदय
 परममित्र तिनहुंकोलालीतैलजावतहैअंगतू ॥ उदैना-
 थइंगुरगुलाउगुइहरलाल निदरतलालपेसैकरतप्रसंग

तू ॥ याजतननूपुरकहतचरननछूछू जामैसुखपावैहरि
सोईकरिदंगतू ॥ पायनमैमेहैदीलगाईराधेकीनकाज
सहजललाईकोधिगारैजनिरंगतू ॥ १० ॥

॥ पदपौगुरी वर्णन ॥

कैधौ विधिजावककरंगसां रंगीनकरि सुधासौ सुधारि
कलाराखीसुधाकरकी ॥ सोमाकेसमुद्रमाझविद्रुमलता
सीलसै पेखियतपल्लवप्रभानपटतरकी ॥ सूधीसूधीसुन्द-
रसुभाइहैसुरंगअंग कंजकलिकासीसुभसोभसरवरकी ॥
प्यारीतेरेपाइजुगआंगुरीविराजै मानोपंकजनिखंगस-
रपातिपंचसरकी ॥ ११ ॥ अरुनकमलपगपौखुरीकीपौ-
तिलसै सरससघनसोभामनकेहरनकी ॥ दीरघनलघुता-
ईपातरीसुहावनीहैं देखेदुतिहोतजातविद्रुमवरनकी ॥
नखकीनिकाईनीकीआरसीसीसोहतिहै जामैदेखीजा-
तिसोभासौतिकेसरनकी ॥ भरमीसुकविकहिआवतिन
मेरीमति पौगुरीभईहैलखिआंगुरीचरनकी ॥ १२ ॥
दसहूँदिसाकीमानोदेवतासीसोभियत कैधौ दिगपालन
कीछरीहैंसुहावनी ॥ कैधौ दसौँ इन्द्रिनकेबाँधिवेकीक-
छकोऊ कैधौ दसदिसाकीयेउपजीवसावनी ॥ कैधौ
मनमधिवेकीमघनीबनाईकाम कैधौ पदआंगुरीहैंचि-
तललचावनी ॥ कैधौ काममुकुटकेसोभितकैंगूराचारु
कैधौ तरकसभरीतिकुलीहैंभावनी ॥ १३ ॥ रूपकीअ-
धिमानीकंजकिसलयसद छविचितचीकनीनमाखन
कीओटैहै ॥ पियअनुरागकेनियासकोनयीनभास आ-

भाअरुनाईकौतिमानकानजोटैहै ॥ पौगुरीभईहैमति
 अँगुरीनिहारिचारु उपमानआनऐसोबुद्धियोचपेटैहै ॥
 देखिपदनखनउजालीतेरीमेरीआली आजपरीचाँदनी
 धरनिपरलोटेहै ॥ १४ ॥

॥ चय गुलफ वर्णन ॥

करैगोकहातूहगअंजनदैराधे पगमंजनकैहरोबुद्धिन-
 दकेदुलारेकी ॥ लालनखलालअँगुरीनलखिलीनभयो
 लालीलखिलालवाकेचरनकिनारेकी ॥ तरवासुरंगएडी
 इंगुरेकरंगरंगी छविहैतरंगअंगवारिचटकारेकी ॥ गोरी
 तेरेगोरेगोरेगोलगुलफनपर नजरनिगोड़ीगड़ीजुलुफन
 वारेकी ॥ १५ ॥ चरनकमलकरहाटककीसोभादेत प-
 रीमनिमानोलटनागिनीउलुफकी ॥ रंभातरुउलटिकपू-
 रपूरसाखिबेकी कोठीहैजुगुलसमकामकेकुलुफकी ॥ राज-
 तसुदेसगोठिगिरीहैदिनेसकैथौ रेसप्रसेकीरूपभूपकेसु-
 लुफकी ॥ एहिंसोआइराजैपायनदुहविराजै अति
 छविछाजैलालगोरीकेगुलुफकी ॥ १६ ॥

॥ चय पिंडुरी वर्णन ॥

सारधनसारकोलकेसरकनकचूर सानिसुधासलिलसै-
 धारीहैकिसोरीकी ॥ चीकनीकरजहीसो करीहैधिरंचिपु-
 नि तातैतैसीभईहैजुगुतिनाहिंधोरीकी ॥ रंभाछविछी-
 नलीन्हीरंभाछविछीनकीन्ही चिन्तामनितिलोत्तमारति
 मतिभोरीकी ॥ जेहरिकेउरवसोजेहरिसोअतिलसी ऐ-
 सीगोरीगोरीगोलपोंदुरीहैगोरीकी ॥ १७ ॥ कैथौवैसवे-

लिवेकांवेलनवनायोविधि सांभाधरसुधरसकलसुखदा-
इकी ॥ फोमलअमलदलकेतकीकेकलिकाधी केसरकला-
इमानोमनमथराइकी ॥ कंधौं बलिभद्रसाधिसकलसो-
हागगुन सुचिरुचिरचीसचीपीढीद्वैवनाइकी ॥ आभा-
सौतिखंडनकीऐपनसों माड़ीताते कंधौं पदमिनितेरी
पिंडुरीसुभाइकी ॥ १८ ॥

॥ अथ जंघ वर्णन ॥

भायेंमहानैनमनभायेंमैनकुंभकार पायेकोटिरंगअंग
कंचनचमेलीके ॥ सेवकभनतपटयाहिरकदतआव मह-
तावजाग्रिधिफनूसरंगमेलीके ॥ घरनिनजायअतिसो-
भनिसुभायकढ़ी कालिंदीसो न्हायसंगसोहनीसहेलीके ॥
गौनकोंकरतिपरगौनकोंहरति ऐसेकीनेधिधिकीन्हेजं-
घजुगुलनवेलीके ॥ १९ ॥ सकुचसमेतहूँ कैसुंदरसमेति
सुंदरगाहतहीरहततद्वागवनकोनेके ॥ करभकहानीक-
हाअतिहीअसारसेत सानेतरुकलिकेलुकानेडरहोनेके ॥
भनतदिनेसअतिकोमलजुगुलजंघ हेरतहीहोतजैसेवस
मनटोनेके ॥ मोहनीमहलसुखछावनकेहेतुमानो का-
रीगरमदनवनायेखंभसोनेके ॥ २० ॥ फोमलकमलमु-
खीतिरेयेजुगुलजान्हु मेरेवलवीरजूकेमनहोहरतहैं ॥ सी-
रभसुभायसुभरंभाफोसदनअरु केसवंधकरभहूकीसोभां
निदरतहैं ॥ कीटिरतिराजसिरतांजघ्रंजराजकीसों देखि
देखिगंजराजलाजनिमरतहैं ॥ मोचमोचमंदरुचिसक-
लसकोचसाच सुधिआयेसुंदनकीकुंढलीकरतहैं ॥ २१ ॥

मोहनकेमनकेहैंयेहोअवलंबआली चित्रमैलिखेतजांत
चकितचितेरेहैं ॥ कंचनकेखंभनकेदंभदूरकरिवेको की-
न्हेकरतारऐसेकहूंकहूँहेरेहैं ॥ रूपहीकीइँडुरीहैपिंडु
रीदिनेसजामे लघुनविसाललालचाहिभयेचेरेहैं ॥ सू-
खीसद्यसौतिमनसोचनंसकोचनतें सोचमदमोचनजुग-
लजानुतेरेहैं ॥ २२ ॥ रूपरसआसनकैकामकेसिँघासन
हैं फेलिकलाकौतुककीजीतमनआनिये ॥ सौतिनकेग-
रयगयेहैंदखिदेखिजिन्है कदलीकेखंभदोऊडलटिप्रमा-
निये ॥ भरमीसुकविगजसुंदसकुचनलागे सौगुनीकर-
भहूतेंसोभासरसानिये ॥ सुघरसुदारयेसँवारैहैं विरंचि-
कैधौ जंघनलवेलीकेअनूपजुगजानिये ॥ २३ ॥

॥ अंगनमैकैधौ जंघअंगनगरयगोठ कुचगिरिहेतदीज
हितमंदचाएके ॥ कटिरधचक्रकीआकृतियामेपाइयत
कलिकलाघैठकरसरसिकरसालके ॥ यिपरीतमंडितजघन
खंभनिम्प्रकैधौ ॥ लाहकीगिरदगादीमैनमहिपालके ॥
अमृतसों सानीकीधौ सोनेकीसरसपीढी सोहतहैं सुंदर
सुभगप्रोनीयाएके ॥ २४ ॥ लाशरंगवारघेरदारघाघरे
सों घिरे नेकनउधारभारेसुखमासमूलहैं ॥ जगजीतवार
पतिप्रीतरीतवारकैधौ ॥ कामकेनगारेउलटारिक्तपेफूल
हैं ॥ उपमाअनूलयापिछोहीमंतिभूलचेत मनसाकहे
तेकरेकधिनकूलहैं ॥ निरखेनितंघनीकेपानितंघनीके
मानो ॥ जुगजंघकंदलोकेयंभपूलभूलहैं ॥ २५ ॥ चहुं

ओरचिंतचोरचाकचक्रमनि । सुंदरसुंदरसनदरसन
 होनेहें ॥ दितिसुनसुखनिघटाइवेकों सुखरुख सुरनय
 दाइवेकोंकेसबप्रधानहैं ॥ सबहोकेमननिहरनकरिह-
 रिहूके मनमधिवेकोंमनमथहाथलीनेहैं ॥ रुचिसुचि
 सकुचिसकेलिकैतरुनितेरे काहूनयेचतुरनितंवचक्रकीने
 हैं ॥ २६ ॥ पियरतिसमताकेयमिवेकीठौरकीधौं रुप
 केनगारेमैनउलटिकैराखेहैं ॥ कैधौं काममाउताकीना-
 लसीसिखतसिखी कैधौं पीठिदेवीताकेसुदृधरभाखेहैं ॥
 कैधौं चक्रचतुराईताहीकहैंआगेधरे कीबदकेमारिवेकों
 नूरअभिलाखेहैं ॥ सोभासबजगकोसँवारिकैधरोहैकैधौं
 तरुनीकेनीकेयेनितंदरचिराखेहैं ॥ २७ ॥ कैधौं द्वारमार
 जूकेदोजचारुचौतराहैं कैधौं चक्रबाकचितचोरसुरना
 केहैं ॥ चामीकरचक्रचीन्हेजातइहिंचिन्तनाते चितये
 चपलनैनीजीनकरनीकहैं ॥ रतिकेसहायकहैंतोपसुख-
 दायकहैं राखिवेकों लायकअगरचरनीकहैं ॥ संवरा-
 रिरागीजूकेराजततमूराकैधौं ; मैनहीकेतंयुकेनितंवतरु-
 नीकहैं ॥ २८ ॥ घनअतिजघननितंवपृथुपेखियत क-
 टिघटिकेहरिकुमारकैसोमापहै ॥ विंध्यकैसेसिखरउभ-
 रेहैंउरोजउर मानोबलिभद्रआचरजकैसोलापहै ॥ मि-
 टेवेदविधिबालापनकेबिनीदसय कलदईविगयरसनाकी
 अनुलापहै ॥ सोनिनकीगुरुतासुलघुताईलंकभयो धा-
 रहैंयरिसगुरुसिंहकीमिलापहै ॥ २९ ॥ तोतनमनोजही
 कीफौजहैसरोजमुखी हावभावसायकरहेहैं सरसायकै ॥

तापरसलोनीतेरेबसहेगोविंदप्यारो मैनहूँकेबसभयेते-
रेठिगआयकै ॥ तिनहूँगोविंदलैसुदरसनचक्रएक की-
न्हेयसभुवनचतुर्दसयनायकै ॥ काहेनाजगतजीतिवैको
मनराखैमैन दुर्लभदरसद्वैनितंवचक्रपायकै ॥ ३० ॥

॥ छुद्रघंटिका वर्णन ॥

रागिनीकीमंडलीरचीहैकामदेवकैधौँ रागिनीसमेत
रचनाहैचित्तचोरीकी ॥ कैधौँनाभिकूपकीरहटघरीरूप
भरी ठरीअनठरीहैविचित्रभौँतिभोरीकी ॥ कैधौँहैदि-
नेसअलियेसकोऊमोहनीको मोहनकोमोहैमनयेनुधुनि
पीरीकी ॥ कैधौँबरयाजनेधिराजतनितंथाढेंग छाजत
छथीलीछुद्रघंटिकाकिसोरीकी ॥ ३१ ॥ कैधौँनाभिसरके
निकटहीसुधाकेहेत समरखरेटीगुंजिरहींमालसीगुही ॥
कैधौँसंभुराजकेडमरुकेकमरयोध सैलतनयाकीधौंधी
घुघुरसुधामुही ॥ प्यारीजूकेकिङ्किनीकीढोलनिधजनि
सो धरानैजोइध्यावैगनपतिसारदातुही ॥ कलपलता
पैयसोजानिकैप्रभातमनो धोलियोलिनाचतीकनफकी
चुहचुही ॥ ३२ ॥ कैधौँछुद्रघंटिकारतनकीललितसंभु
राजतकलकलतातराधिकाकेधरपर ॥ घाघरोमढीकेपर
किङ्किनीकनफकी कलसतरलसैकैधौँरूपरूपधरपर ॥
चलतइलतकैधौँपौनतेहुलततातें धोलियोलिउचतीहैं
जायसापअरपर ॥ पौंजरेजराऊटंगोयुलसुलजलमानो
फरलापराखीहैनिकटनाभोसरपर ॥ ३३ ॥

॥ पय कटि वर्णन ॥

कीन्हे। कमलासन कलानिधिवदन तेरो सकुच्यो कमल
 सारवासरनिसरिगो ॥ भयो है उताल रचिवे कौंति हिंका-
 लवाल बाहस बिडरिवाको साहसनिसरिगो ॥ टेढ़ीकी-
 ह्नीमौ है कचकीन्हे कुटिलौ है फेरि कलिका भये तैंवाको
 आसनखसरिगो ॥ गोपजनि जानो ख्याल जगत जनायो
 यह यातैंवाको कटिको बनावो विसरिगो ॥ ३४ ॥ भू-
 तकी मिठाई जैसी साधुकी फुठाई जैसी स्यारकी ठिठाई ऐ-
 सी छीन छहू रितु है ॥ धीरा कै सोहास के सो दास दासी कै सो
 सुख सूर कै सो संक अंकरंक कै सो वितु है ॥ सूम कै सो दान
 महामूढ़ कै सो ज्ञान गौरी गौरा कै सो मान मेरे जान समुदि-
 त है ॥ कोने है सँवारी वृषजान की कुमारी यह तेरी कटिनि-
 पट फपट कै सो हितु है ॥ ३५ ॥ सिंहिनी की फरिहँ। तैं छीन
 कंजनाल कस्यो कंजनाल हूतें नाग बेलि जन घटि है ॥ नाग-
 बेलि हूतें छीन जानो गुन बत गुन गुन हूतें छीन दारदार कस्यो
 घटि है ॥ दार हूतें छीन तार चंदन विचार कर तार मकरी
 कोर च्यो सुछमनि पट है ॥ मकरी के तार हूतें चार सुकुमा-
 र जति फरी कर तार यातिया की छीन कटि है ॥ ३६ ॥ सु-
 नियत कटि सो तो सुछमनि पट तेंही प्रगट दरस कहौ सपनेन
 पोरिये ॥ पचिहारे चतुराचिते रेहू विचारि सद्य बाको स-
 हीचि प्रकहू कंजु जन लेखिये ॥ कहै सो सदेह नाहिं देह मै
 सँदेह नाहिं गिरा अंनु मान तातें मन अवरोखिये ॥ फुंटी
 गहिन्या परह्यो विधि ललचाइ जाइ विधि हुन देख्यो ताहि
 कीन विधि देखिये ॥ ३७ ॥ सुमन मै या सजै सुमन मै आ-

वैकैसें नाहीं कह्यो जात नाहीं हां कह्यो चहत है ॥ सुरसरि
 सूरजामै सरस्वतिसो है जैसे वेदके यवनवाँचे सौँचे निवहत
 है ॥ परिवाके इन्दु की कला है जैसे अंबरमे परवाकों अच्छ
 परतच्छनालहत है ॥ जैसे अनुमानतें प्रमान परब्रह्म तैसे
 कामिनी की कटिक बिमोरन कहत है ॥ ३८ ॥ हारीहार भा-
 र उर भार त्यों उरो ज भार यौवन मरोर जोर दावे दलियतु है ॥
 परग परग परय है जिय होत संक टूटि ना परत की न पुन्य फ-
 लियतु है ॥ कोऊ कहै खरोखी न कोऊ कहै कटिहीन मदन गो-
 पाल ऐसे चित चलियतु है ॥ काहू को न मानै सौँक कहत ही
 आई नाक ऐसे खीने लौँक पै उलौँक चलियतु है ॥ ३९ ॥ ता-
 र सोत गासो बारलीक सो लुकंजन सो जादू को सो छंद कहि-
 ये मै छलियतु है ॥ चितै ना परति चौँ कि जाति है चितौनि
 जहाँ नैनन की गतिको गुमान दलियतु है ॥ पगन धरत ध-
 रकत हियो बलिभद्र डगनि भरत डगडग हलियतु है ॥ क-
 चकुच भार चीर योरन के भारो भार ऐसे खीने लौँक पै नि-
 सौँक चलियतु है ॥ ४० ॥ लरकी लरक पर भौँह की फर-
 क पर नैन की ढरक पर भरि भरि डारिये ॥ हरिकेस अमल
 कपोल विहँसनि पर छाती उकसनि पर वेस कनिहारिये ॥
 गहिरो ही गति पर गहिरो ही नाभी पर हौँ नवरजति प्यारे
 नेक निरवारिये ॥ एक प्रान प्यारीजू की कटिल चकीली पर
 ढीली ढीली नजर सँभारि लालं डारिये ॥ ४१ ॥

॥ अथ नाभी वर्णन ॥

अंधकार मध्य मुनिमैन की गुफा है कै धौँ, रूप ठग का जहेरु

धीचतमकूपहै ॥ सामरीतमाललताकाहैआलयालकैधौं
 प्यालकोबिबरअतिसुभगसरूपहै ॥ चिन्तामनिकैधौंनी-
 लमनिकीसुभसोपान धौंधिभूमिग्रहरघ्योमनसिजभूप
 है ॥ अतिहोगैभीररोमराजीकेनिकटकैधौं तरुनीकी
 नाभीकुंडलसतअनूपहै ॥ ४२ ॥ कैधौं यहपरमअनूपरूप
 सरिताको भ्रमतभँवरजीरभवैपियमानहै ॥ सहजसिं-
 गारकीगुफाहैजहाँमैनघैठि ऐसेमंत्रजपैसंभुदंभदैयिकान
 है ॥ कैधौं मनिकंठयहआनदभवनगेह जाहिदेखियेही
 प्रानसौतिकोनिदानहै ॥ वारीहौंतिहारीघड़भागमैनि-
 हारीठारी कैधौं प्रानप्यारीतेरीनाभीनिरमानहै ॥ ४३ ॥
 सोभाकीतरंगनीकेतोयकोभँवरकीधौं सोनेकीभूमिम-
 थ्यसदनकीटकीनोहै ॥ पियनैनगोलककेखेलकीखलेल
 कीधौं बलिभद्रपारखीसुलाखकामदीनोहै ॥ राख्यो
 करिअचलसचलताधिसारिसय हेरिचितचंचरीकरंधर-
 सभानीहै ॥ नाभीतेरीतरुनीनिवासकीधौं मोहनीकी
 मेरेमनमोहनकोमनहरलीनोहै ॥ ४४ ॥ राजतगैभीररु-
 मावलीबनतीरमन तीरपहुंचेतेभूलेत्रिघलीडवरमै ॥
 भूरिभीरभारीछविछलकसिंगारपानी कालिदासदेखत
 भँवरक्यौंनभरमै ॥ ऊनीनेकहीमैडूधिगईलरिकाईतातें
 रहियेछपायसखीयाहिरनगरमै ॥ चंचलगोपालखेलेंगो-
 कुलकीगलीवीच बड़ीकरधरतेरीनाभीसरवरमै ॥ ४५ ॥
 सिसुताकेभाजियेकीगहिरीगुफाहैकैधौं रसकीतरंगि-
 नीमैतौंरमज्जधारकी ॥ लच्छनवतीसहूकेसोभाकीभँ-

डारयह सौतिनकीगरधगयोहैएकवारको ॥ कैधौ सु-
धाकुंडदेखिगहरेगईहैमति उपमानआवतिनपावतिवि-
चारको ॥ रूपकोनगरकामभूपनैवसायोतामैं नाभीरस-
कूपमनमोहैरिक्तवारको ॥ ४६ ॥

॥ सुंदर वर्णन ॥

कोमलअमलदलकमलनवलकैधौ कीनीहैविरंचि
सुचिछयिकोसहेटहै ॥ उदितप्रभाकरकीदुतिआनछाई
कैधौ ॥ धमकतचारुखातलोचनरपेटहै ॥ सुंदरधलीहै
भलीमदनधिराजियेकी जाकेसमकीन्हैहोतउपमांतरेट
है ॥ चीकनोपरममखमलतेनरमऐसो प्यारीजूकोपेट
उत्तमनको लपेटहै ॥ ४७ ॥ नूररसछलकैसुनाभीभी-
रक्तलकै निहारेलालललकैलगयोधौ लोभसंरहै ॥ धि-
बलीतरंगहैरुमाधलीसैं वारसंग मकरअनंगकहैंनागरी
सुनरहै ॥ मुखसुधासरमध्यमनिहृगदेखिदेखि भरकै
परसकीसरसवारिधरहै ॥ हंसकुंजकोलहारमोतिनकी
मालगरे उदरकृसोदरोकीमानोमानसरहै ॥ ४८ ॥ को-
मलधिमलकामभूपकीसुरंगभूमि पानकीसोदलचलदल
कैसोपातहै ॥ मोहनकेमनकेमनोरथकीमोहनीकै सौ-
तिकेसताइयेकीसांभासरसातहै ॥ नाभिरसकूपकीसुधा-
टमिलिसीढ़ीढारी ठरतनढीठनीठनीठदरसातहै ॥ भर-
मीसुकधिरामराजीकीधिराजीछवि उदरअनूपऐसासु-
भगसोहातहै ॥ ४९ ॥ प्यारीनैननटनकेनाटकीअखारोनूर
धंसदुतितामैरोमराजीअभिरामकी ॥ सुरतिसैंगारर-

सताहीकोपलनकीधौँ सेवतहै जाहिअभिलापलाखवा-
मकी ॥ रूपरासमंडलमैमूरतिमनोजकैसी राखीहैवसा-
यसोभात्रिवलीत्रिधामकी ॥ लालमनमृगकोविलासवा-
सबेलिमूल प्यारीतेरेपेटकीअखेटभूमिकामकी ॥ ५० ॥
ललितवलितलोटैपरीजाकेबीचकैधौँ लहरैवढावतस-
रूपपाराधारहै ॥ नाभिसरतटन्हानजानकों विमलहेम
सीदीधैधवाइमैननृपतिउदारहै ॥ लीलाधरदरसपरस
सुखकारीजामै चरसिधरसिछविछलकप्रचारहै ॥ मुंदर-
तिवारोऐसोउदरतिहारोरचें कुदरतवारोकहिंयतकरता-
रहै ॥ ५१ ॥

॥ अथ विमली वर्णन ॥

कैधौँमैनभूपतिकेरथकंसुचक्रचले तिनहोंकीलीकै
उरभूपैजानतीनहै ॥ कैधौँमनठगकीयेगलीभलीठगि-
येकी कैधौँरूपनदीहैतिधारकियोगीनहै ॥ ऐसीछवि
देखितेरीमोहेमनमोहनजू यातेंमैहूँजानीयहीमोहिधेकी
भीनहै ॥ एकबलीसबहीकोंयसकरिराखतहै त्रिवलीजो
करैयसजचरजकीनहै ॥ ५२ ॥ अमलअनंगकेअनंदकी
उदितभूमि जीतिपिययाजीदगायाजीसीपसारीहै ॥ क-
नककेपानसेउदरमैउदिनदुति त्रिवलीतिहारीमैनिहा-
रीमतिहारीहै ॥ रूपगुनचातुरीसोंमुरनरनागनके जी-
तेमनिकंठाधिधिसोहैरेखसारीहै ॥ सौतिमुखउतरैकोपि-
यप्रेमचदियेकों कुंदनकीप्यारीपैरकारीसीसैंधारीहै ॥ ५३ ॥
पाराधाररूपकोतरंगतुंगग्रलिप्तद्र यौवनजहाजजलजि-

यहिलिजांतहै ॥ ग्यानिनको ग्यानयोगध्याननिनको ध्या-
 नछूटै मुनिमनसाऊडांडाढोलीढगुलातहै ॥ जामेती-
 नोलोकनकेतरुनीकीसोभासव सहजसलिलगामैनील
 लीं समांतहै ॥ चौधिकरखलीकीत्रिबलीतेरीतियकैधौं
 छीनकटिजानिदीनीकंचनकीपातहै ॥ ५४ ॥ अंगगोरे
 गोरेभौतिदेखिफिलिमिलीकैंति कछुउठीरोमपैंतिवैनी
 कीसीकोइहै ॥ रघुनाथतनमनमानोनितनितनई नैन-
 नकीकोरकॉनओरलगिआइहै ॥ कंजकलीकैसेकुचअ-
 लिकैसोकृसलैंक प्रियलीकीतीनोरेखसरलसुहाइहै ॥
 सिसुताउतरियेको यौवनकेचढ़वेको मानोकामका-
 रीगरसीद्धीसीयनाइहै ॥ ५५ ॥ मनहंसवसियेको रूप
 कीनदीमैकैधौं निकसीपुलिनपैंतिकैंतिहेमलोनेकी ॥
 सैसवसोंलरियेको यौवनमहीपकैधौं कीनीमेहमोरचे
 कीसांधजीतहोनेकी ॥ नैनवसकरियेको कहैकविरघु-
 नाथ प्रियलीतियाकीकीधौं तीनरेखटोनेकी ॥ कुच
 झारघरियेको देखिअंतिछामकटि कैधौं कामयांधीहै
 यनायदामसोनेकी ॥ ५६ ॥

॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥

यौवनसरोवरमैअलकझलककैधौं नेहनववेलीना-
 भीकूपतेंविराजीहै ॥ खंजननयनहरिवैंधिबेकीघट्टीकै-
 धौं राजतसुदेसमहावैंकीछेयिछाजीहै ॥ उदरअमृ-
 तनिकसतरयामसूतमुख महाअग्निरामकामकीनीकैधौं
 धाजीहै ॥ राखीअवरेखहियेंमोहनीदिनेसदेखि रोम-

रोमराजीतातेनामरोमराजीहै ॥ ५७ ॥ कैधौ यापा-
 नपरखसीकरनमंत्रलिख्यो देखिछविमोहैकोनबिद्याप-
 चसरकी ॥ हृदयसरोवरसिं गाररसजलकैधौ उमड़ि
 चल्योहैनाभीकुंडिकागहरकी ॥ छोटेछोटेआखरनज-
 बलालिखायेयाते आपनीसबलताईसुरतिसमरकी ॥
 जिन्हैदेखिनैननकीगतिमतिभाजी यहतेरीरोमराजीकै-
 धौ बाजीबाजोगरकी ॥ ५८ ॥ कैधौ कामबागवानधो-
 इंपासिं गारखेलि सींचकैबढ़ाईनाभीकूपमनमोहिये ॥
 कैधौ हरिनैनखंजरीटनकेशंखिलवेकी भूमिकेसीदासन-
 खपंकरेखरोहिये ॥ कैधौ चलदलपातपियकोकपटज-
 र छूटियेकोमंत्रलिखलोचननिजोहिये ॥ सुंदरउदरसु-
 भसुंदरीकीरोमराजी कैधौ चितचातुरीकीचोटीचासो-
 हियं ॥ ५९ ॥ चिन्तामनिचौकीरुयाममनिकेमयूपनकी
 फौडंसीफलकतमसोभाएकसाजीहै ॥ अंगनतेबालपन
 गुनननिकारेसीई आयनूसछरीकीसीछविदिख्यछाजीहै ॥
 अमलरतनहारजोतिउरनाभिगुफा पैठिबंकीअंधकार
 धारमानोभाजीहै ॥ तैसेआभरनमनिदीपनकेदीपतिसी
 काजरकीरेखसीधिराजीरोमराजीहै ॥ ६० ॥ कैधौ का-
 मचोपद्वारकेसरिकीभूमिपर छरीआयनूसकीधरीहैप्या-
 रीजीपकी ॥ कैधौ मंत्रमोहनोकीपोतिहैसुत्रेपकीधौ मर-
 कतरेखपाटोकंचनजरीयकी ॥ कहैकयिरघुनायशसत
 नरेरुक्षारी हारोहैजरीयनापियेकीरसरीयकी ॥ हियघर
 छोड़िछरिकाईभागीताकीराह ॥ राजतिहैनोसीरोमरा-

जीकैधौ तीयकी ॥ ६१ ॥ मेरुमध्यमंदनमलगकोयसन
 नील कनककीसिलापैभुजंगिनीचिराजीहै ॥ मिटीमुग-
 धईताकीमध्यसेखरेखरही नृभीविरहागिकीधौ मगछ-
 यिछाजीहै ॥ रसराजकैधौ द्वैरपूरवविचारिचित काम
 यधिवेकोहरऔगसोंगसाजीहै ॥ कैधौ कूचविहंगसिका-
 रकोतुफंगताने कैधौ रमनीकीरमनीयरोमराजीहै ॥ ६२ ॥
 विपकीलतासीयिनपानिभानुदुहितासी आसीविषअ-
 लपासीभामिनीकीभौतिहै ॥ कुचचकडोरीकीकिडोरी
 मखतूलकीकि ताकिअमीचटनिचढीपिपीलिपौतिहै ॥
 जंठरअंगिनिआभाडोरीनाभिकूपकीकि चतुरचितोनि
 सैचिहूँटिअहटातिहै ॥ अलपउदरपरतेरीरोमराजीकै-
 धौ बलिभद्रवानीकीविपंचीहीकीतौतिहै ॥ ६३ ॥ सी-
 गीकरेजोगीऔधियोगीसद्यभोगीकरे रोगीकरेसाधुंगपा-
 नेधोमदयोवारिकै ॥ खगमृगमीनसंभुनागऔअसुरसुर
 हारेतीनोपुरसोसकलजोतेभारिकै ॥ तेरीरोमराजीमन
 मोहिबेमेराजीहोत जाकीरुचिताजीमेमधुपरहेहारिकै ॥
 दैकैजगतापनिजभुजनिकेदापमानो राखीकामेचापपेर
 पनिचउतारिकै ॥ ६४ ॥ सीनजुहीचंपककनककीचन-
 करंग कुकुमतनकभावलियेजाकेअंगकी ॥ संभुराजरा-
 धारचौरूपहीकीनिधियाहि विनकरिसकेसुरतरुभान-
 भगकी ॥ बड़ेबड़ेमोतिनकेहारनकेबीचबीच रोमरा-
 जीउसतिवसानैवाहिरंगकी ॥ मानोबढ्योदिननअंगीज
 फूटिकढ्योएक अंडनकेमंडलनयालकभुजंगकी ॥ ६५ ॥

गवनिगयंदगूजरटीगुरुगुननकी गलीमैमिलीज्योदेमि
 वेकोतरसांनोहै ॥ कहैरघुनांथवाकेमुखकीमरीचीअ
 चिलकजोन्हाईकीनचंदसरसांनोहै ॥ चारुकुचकलि
 ललितरोमेराजीरांजी साजीकविसमताविनोदंवरसा
 है ॥ उरछविसागरमैसिंधुरधंस्थोहैमैन दूहिगयोधर
 रकुंभखुल्योमानोहै ॥ ६६ ॥ जंगकरियेकोठानठानी
 अनंगराख्यो अंगनाकेअंगनिसिलहखानीकरिकै ॥
 सिकातुंनोरलखेकेसरिकेतोरसंभु भृकुटीधनुपजवैसे
 प्रानहरिकै ॥ सुलंसेनयनहैनितंयचारुचक्रकैसे ठास
 उरोजराख्योएकफूलधरिकै ॥ रोमराजीसजिएसीर
 कटूअज मानोधरीगजकरिकैतुपकनाभीभरिकै ॥ ६७
 फीजहेमसोंगैचढ़ीयानिसकसीसेरुहै कोजनाभीया
 य्यालीविपमकढ़ीसीहै ॥ कोऊछविसागरतेसरितांसि
 गारयारी तरलतरंगेंचारुसुखमाघढ़ीसीहै ॥ उपमारसी
 रोमराजीकीरसिकछवि छीछिछीछिकविमतिहायनग
 ढीसीहै ॥ छिखीहेमपहिकापैपोंतिमंत्रमोहनीकी जादू
 गरकामघनेफूंकनपढ़ीसीहै ॥ ६८ ॥

॥ कुच तराटी पर्वन ॥

घनकीघटाभीनीलकंचुकीचहकिरही मोतिनकीमा
 सुरसरोठाटहैठटी ॥ कविमकरंदरोमपोंतियमुनाकीभाति
 घसीनाभीकुंहुधैनुदीटिदेसिकैठटी ॥ परमपुनीतभूमि
 रचीहैपिधानायह रिपिराजकामदेयतपकाजहैठटी ॥
 कुचनिकेनीचनीचकैमीछविछाजतिहै जमीकदुराजति

मेरुकीतरहटो ॥ ६९ ॥ अटकेललंनरूपहटकेसकोचनमै
 लटकेविरतरीक्षियूक्षियों परतहै ॥ छविर्सी छवीलीढी-
 ठिचिंतैहरिआरफिरि चातुरीकीढोरीचकढोरीसीभरत
 है ॥ नीलकंठअंगरातअंचलकेफहरात छविछांतियामै
 कछुऐसीउघरतहै ॥ गंगाजलभीतरसुमेरुकेसमीपकैसी
 मेरेजानिकनककीभूमिपसरतहै ॥ ७० ॥

॥ पय कुच वर्णन ॥

जोधननृपतिजाकेपरसपुनीतभयो दरसतेंजाकेसर-
 सतचितचेतहै ॥ कालिदासआसपासअमलअनूपसोहै
 पानिपकोपूरीमहाछविकोनिकेतहै ॥ दिनदिनदूनीमई
 ओपकीउमंगहेरि जाकीरचनाकीरचियेकीहरिहेतहै ॥
 तनिकसीगुटिकासौ कनककलसभये आलीतेरोउरकै-
 धी सौचोकुरुखेतहै ॥ ७१ ॥ पारदकेगुटिकासँवारेकाम-
 सिद्धजुने धातुवेधियेकीकहागातवेधिजातहै ॥ नेकहूछु-
 एतेंअंगअंगरंगऔरैहोत दोऊगुनपूरनसुरूपसरसातहै ॥
 भरमीसुंकीविकोऊधनितूरसाइनीहै जाकेउरविद्याफल
 ऐनदरसातहै ॥ तेरेकुचदेखेरुचिमोहनकेयादतिहै मेरे
 जानिआलीतेरोरूपउफनातहै ॥ ७२ ॥ मुकुलसरोजके
 द्वैउलहेहियेमैकैधौ उपजेमनोजहीकेचोजयेकछुकसे ॥
 कंधनकलसकरीकुंजहूकहाँहैंकोक आनंदभरेसेआछेक-
 धिनकेतुकसे ॥ कैधौ महामोहनीकेमठहीवनायेविधि
 प्रीषकहूरेहेरिसुरमुनिसुकसे ॥ अवहींदुलहियाकेने-
 ककरलावतही कंदुकसेउरमेउरोजआनिउकसे ॥ ७३ ॥

हैं ॥ अचिन्तामनि ठौर ठौर आपनो दुहाई फेरि अंगी प्रति-
 पलक ते सिंगरे उढा से हैं ॥ नूतन वहि क्रम मे नूतन प्रगट भये
 उर मे उरो जऐ से सुख मो सो भा से हैं ॥ निधि से निरखि चि-
 न्ह अनुपम लच्छु भरे मानो विवि कंचन के कलस निका से हैं
 ॥ ७८ ॥ कै धौ विवि नील कंठ वसत सु मेर पर मधुकर मा-
 ते कै धौ संपुट सरोज हैं ॥ उलटे अलि द्वताल श्री फल स-
 ल कै धौ जो घन के बाले जुग जने ए करी ज हैं ॥ पिय घो गा-
 न के नि सान कै धौ तारा कवि ॥ तू धातरु नाई संधु तरिये
 कौ चोज हैं ॥ कुंजर के कुंभ के कलस जुग कंचन के म-
 न के मठ कै धौ कठिन उरो ज हैं ॥ ७९ ॥ श्री फल सरोज कै धौ
 कोमल करारे कुच कलिका कुसुम कै धौ भरे रस मे न के ॥ आ-
 नंद के कंद कै धौ जो घन के भैया धंधु ॥ नारंगो सुरंग कै धौ संभु
 सुख देन के ॥ कंचन के डार कै धौ सोने के पहार परे चक्रवा की
 तां के कै धौ छत्र पति मे न के ॥ गाढ़े गुदिल कंठ कै धौ सो भित-
 हिया के श्री चंदौलंत जती के कै धौ मोनी दिन रैन के ॥ ८० ॥
 सोने के सैंधोरा कै धौ श्री फल सरोज कै धौ सोने हो के कलस
 पियू पर स भर हैं ॥ कै धौ करि कुंभ कै धौ संतु जुग स्याम को धौ
 कनक के तरये उतार यिधि धरे हैं ॥ सोहत सु मेरु पे सु भगवि-
 विकंचन के कंचन की फूली घेलि कंचन के फरे हैं ॥ सूरज वि-
 मोही ये गुंज से उर ज देखि मोहि की नग नै मुनि हूँ के मन हरे
 हैं ॥ ८१ ॥ कै धौ मनोहर मनिहार दिति सुत खेले ॥ यो घन
 कलस कुंभ सो भनंद रस हैं ॥ मोहनो के मठ कै धौ इंदिरा के
 मंदिर की इंदो यर इन्दु मुखी सौर भसर स हैं ॥ आनंद के

कंदकीर्णों अंगदों अनंगही के घाढ़त जुके सो दास वर सवर स
 हैं ॥ एरीमान प्यारी सुकुमारी तेरे कुच कीर्णों रूप अनुरूप
 पजातरूप के कल सहैं ॥ ८२ ॥ कैर्णों रति जंग के सुभट
 जुगराज सो हैं कंचुकी सुरंग कसे उन्नत अमाने हैं ॥ हृग
 कमनैत के कटाच्छ सरछाढ़ि वेंकों मानो ये धिरांचर चरचि-
 रनिसाने हैं ॥ कैर्णों द्वै कलिन्दी कूल को कसुभ सो भंकीर्णों
 उरें जउतंग लखि कान्ह मन माने हैं ॥ जाधन महीप अंग
 आंगम सुगम जान मदन फरास कैर्णों तबू जुगता ते हैं ॥ ८३ ॥
 सोहत सुरंग मुखरंग मैदुरंग सो है जिनरंग सो हैं रंग को है
 नारंगो पके ॥ सुकविरतन सरय सो भरे उर वंसी तरय सो
 करे उर वंसी के समीप के ॥ चमकनि चीकने कपूर मनि कै-
 सी ओप लोपत धिलोकत विवेक ज्ञान दीप के ॥ सरस सरो-
 ज मुखी तेरे ये उरो जमूंगा मोरम सलदी मानो मदन महीप
 के ॥ ८४ ॥ कैर्णों उर आनद के मंदिर सिखर बंद कैर्णों
 काम की रतिलता के कंद जाने मै ॥ कैर्णों चित चाहै को जुगु-
 ल के दिहि यम ते यौवन जवाहिरी के सपुटे समाने मै ॥ ए-
 रीति यतेरे अति उन्नत उरो ज कीर्णों दुंदुभीयु गुल घरे भूप-
 तिके पाने मै ॥ कैर्णों साल ठोपे हेम कुभ द्वै गुलाब भर म-
 दन नयावजू के आबदार खाने मै ॥ ८५ ॥ इन्दिरा के मं-
 दिर अमंद दुतिक दुकसे धंधुर बिनोद भरे जुग धौ विरद
 के ॥ तारा पति ललित लता के स्वच्छ गुच्छ कीर्णों श्री फ-
 लानि अनंद के ॥ कैर्णों चक्र वाक आनि

सुभंगसरोजसे उरोजतेरेओजभरे ॥ कैधौमीरफरसमनो
 जमंसनदके ॥ ८६ ॥ रूपकीनदीतैनिकसतमंदमंदकै-
 धौ जीधनगयंदरूपसोभनसरसहैं ॥ दुंदुभीदिनेसकरि
 कंचनकेकारीगर उंटटिधरेहैंदोऊदेखतदरसहैं ॥ सुमं-
 नकेगुच्छनकेस्वच्छदुतिदोनाकैधौ कामकाछीधरेप्रा-
 नप्यारीकेपरसहैं ॥ उंचतउरोजकैधौ मुद्रितसरोजजुग
 सिखरसुमेरुकेकैसीनेकेकरसहैं ॥ ८७ ॥ स्वामताईज-
 टाजालिसुरसरीमोतीमाल ॥ ससिकलाभालनखध्यालके
 संकालहैं ॥ मलयधिभूतिस्यामकचुकीसोरघुनांधपफने
 टीकफलीकैगजखालगरेघालहैं ॥ यनकयिलोकिंयिकी
 धरनैकहालौ पर एतिकंकहतसेवैताकेबड़ेतालहैं ॥ पा-
 लहैंमनीजइन्हैमेकरिआलेप्यारी सकरसोतरेकुंचस-
 करनिरोलेहैं ॥ ८८ ॥ आंगीरांतीललितयनतचहुंओर
 लागी कारचोपढेकीउमगतउमगाइकै ॥ श्रीपतिसुक-
 धिछयिसांचेकैमफारंदारे ॥ कारीगरयीयनसैवारेचित-
 लाइकै ॥ जाहिदेखिअजरिभजतदुखखलदल ॥ भपक-
 पहरेखितसुखसोअघाइकै ॥ जीतिकैसकलजंगउरज
 धिजैनगारे ॥ मदननगारचीधरेहैंऔघाइकै ॥ ८९ ॥
 कैसेकहौ कोकवेतोसोकमैहीरहतनिसि ॥ येतोससिमुखी
 सदाआनदसोहेरेहैं ॥ कैसेकहौ करिकुंभवेतोकारेकरक-
 सयेतोचारुचीकनेसुहारहीसोधरेहैं ॥ कैसेकहौ कोलवेतो
 पकरेयिधुरिजात येतोगोरेगांढेआलैठांढेआपनेरेहैं ॥
 याहीहैप्रमानतोपउपमानआनप्यारी तरुनाईतरुताके

हैनीलकंठकेतंदेखेअनदेखेपैन काहूरूपवतीनिजरूपदे
 छुड़ायोहै ॥ निपटकठिनठीरफायतनजापैजोर ऊँचो
 चहुँओरकाहूमारगनलायाहै ॥ कौनसोगुनाहप्यारीमेरो
 मनमनमय तेरेकुचगढ़गवालियरपैचढ़ायोहै ॥ ९५ ॥ कै-
 सेरतिरानीकैसेंधोराकबिश्रीपतिजू जैसेकलधौँ तकेस-
 रोरुहसँवारेहैं ॥ कैसेकलधौँ तकेमरोरुहसँवारेकहि जै-
 सेरूपनटकेघटासेछविधारेहैं ॥ कैसेरूपनटकेघटासेछ-
 विधारेकहि जैसेकामभूपतिकेउलटेनगारेहैं ॥ कैसेकाम
 भूपतिकेउलटेनगारेभारे जैसेप्रानप्यारीऊँचेउरजतिहारे
 हैं ॥ ९६ ॥ कैसेकरिकुंभजैसेकंचनकेकुंभ कैसेकंचनकेकुं-
 भजैसेगिरिसृंगओजहैं ॥ कैसेसृंगओजजैसेसंभुराजजोग
 कैसे संभुराजजोगजैसेकाममठखोजहैं ॥ कैसेमठखोज
 जैसेश्रीफलकेचोज कैसेश्रीफलकेचोजजैसेचक्रयाकमो-
 जहैं ॥ कैसेचक्रयाकमोजजैसेहैंसरोज कहोकैसेहैंसरोज
 जैसेप्यारोकैउरोजहैं ॥ ९७ ॥ लाललालरेसमकीढोरसोंय-
 नाइजाल धौंध्योतकसीरखंदजानिकैसेरासरी ॥ फटिक
 कीभूमिमाहेंदैदैमाखोदारदार ज्योंज्योंवाउछारेत्योंत्यों
 सीसपैपरापरी ॥ सऊरेसोनिलजयिचारैनहोंहारजीत
 कुचनकोसमतामैनजरखराखरी ॥ नैननसीहेरिहेरिफह-
 तहैयेरयेर गेंददइमारोफेरकरिहैधराधरी ॥ ९८ ॥

। कुचपय साक्षिमा धौं सामता वर्चन ॥

सरदके घनमैज्योंअरुनउदोतदुति सतीगुनमाफ़ल-
 पेंराजसकोछलकै ॥ फटिकपहारनमैसंध्यासोफ़लकरही

सुरसरीमाहिंसोभासारदकेजलकै ॥ क्लीनीसेतकंचुकीमें
 अरुनउरोजआजा जाहिदेखिपूखीमनलालनकोलकै ॥
 कैधौहैं।सअंतरअनूपअनुरागराजै कैधौसेतसारीमैकु-
 सुंभरंगफलकै ॥ १९ ॥ कैधौउदयाचलउदोतराकायौव-
 नको अस्ताअस्तकीधौंसिसुताहंभानुगतिहै ॥ अंतरको
 रागकीधौंवाहरप्रगटभयो कैधौं मुखरागकीफलकफल-
 कतिहै ॥ कैधौंवंदवंदनकीवंदनगयंदकुंभ कैधौंउभैभा-
 लराजैशिवकीसकतिहै ॥ कैधौंबलिभद्रजामीमूरिद्वैस-
 जीवनकी ऐसीकुचअग्रताकीलालिमालसतिहै ॥ १०० ॥
 संकरकेमुखमैहलाहलकीडरीमानो करिकुंभमधुहेतुभौर
 लपटानोहै ॥ सोनेकेबटामैस्याममनिसीजरीहैमानो यौ-
 वनयुजमैसिंगारकैसोयानोहै ॥ नीलकौलपाँखुरीको
 रंचकसुभगभाग मुखचक्रवानकेसनेहकरिभानोहै ॥ तरे
 कुचअग्रऐसीस्यामतालसतनीकी सिखरसुमेरपियमन
 कोनिसानोहै ॥ १०१ ॥ अवलंबअलिननलिनहीकेको-
 रिकाकी अमीकुंभऊपरअनंगछापदीनीहै ॥ कैधौंसि-
 तिकंठकंठराजतिगरलदुति कनकगिरिनमनिमंजरीन-
 वीनीहै ॥ सिसुताकीतनुतातनकतनधरितन तामसकी
 रीतितेतरुनितेजकीनीहै ॥ स्यामाकेअनूपकुचअग्रनकी
 स्यामताहं कैधौंबलिभद्ररसराजछविछीनीहै ॥ १०२ ॥
 कैधौंगिरिराजकेसुहायेविविसृंगकैधौं सुधाकेफलस
 भरेकंचनकरंगके ॥ कैधौंसंभुरांजफूलेश्रीफलललित
 कैधौं ऐंठेमदगलितसिपाहीरतिजंगके ॥ कैधौंप्यारी

कुचनपैस्यामतालसतकैधौ मरकतमनिकैकलसजं चे
सुंगके ॥ कैधौकंजमंजुपैमधुपआइअरेकैधौसरआर
गड़ेभटूलटूहैअनंगके ॥ १०३ ॥ कैधौतेरेकुचनपैस्याम-
तासुहाईप्यारी कैधौसिद्धजूरायौध्योवारनसमेठिकै ॥
कैधौसंभुश्रीफलमेविषकेकनूकाघरे कैधौकंजऊपरम-
धुपरहेसेठिकै ॥ कंचनकलसकैधौसारसरपोसमूदे याहू
तैसरसलसैउपमानमेठिकै ॥ कैधौरोमराजीतारहठकै
चढ़ायोमंजु सुरनमिलायोचारुखूंटिनलपेठिकै ॥ १०४ ॥

॥ अथ कंचुकी सहित कुच वर्णन ॥

कैधौसिसुताइकेपयानसामियानेताने सुंदरसुधार
पटकुटिकाहैलाजकी ॥ कोकसालाकपकीकिकामहींकी
सुखशाला बलिभद्रकोमलकुलहवाजकामकी ॥ मोहनी
कंठारीहैअंध्यारीमनमथमानो ऐसिहीविराजैकैधौजो
धनगजराजकी ॥ गोरेगोरेगोलकुचतेरेनीलकंचुकीमें
पहिरेसिलहरतिरनकैसमाजकी ॥ १०५ ॥ कैधौगिरि
सुंगनिमैतासकैवितानतने जरीयानपोसमूदिराखेखर
बूजासे ॥ कैधौविविश्रीफलनकनककटोराढांपे कंच-
नमठनकैकरतसंभुपूजासे ॥ पदुमकेपातकैधौपीरेभेप-
रागलंगि ताकेतरदविरहेचक्रयाकचूजासे ॥ कुचनपैकं-
चुकीकरेरीकरिकसीकैधौ कनककेकागदनकामकंदकू-
जासे ॥ १०६ ॥ कोऊकहैलाजनतेकंचुकीसेकुचमूदे को-
ऊकहैबांधिराखेबठाद्वैमलयके ॥ कोऊकहैकुंभिनकेकुं-
भपैअंध्यारीठारी संभुराजभारीजेअवधिहैमलयके ॥

कंचनके संपुटनमूदेहरकहैकोऊ पहिरंसिलाहकैयेभट्ट
 दलयके ॥ जैसेसिधतीजोभालनैनमूदिराख्यो मेरंजान
 काममूदेविधिछोचनप्रलयके ॥ १०७ ॥ आईजलकेलिकै
 नवेलीरतिरंगभरी अंगअंगभूपनअनंगरंगरसते ॥
 कहतकिसोरमुखधोयपोछिआंचरसों टाढीभईतीरपैछ-
 योलीउरजसते ॥ भुजउलटायकैकंधापरवहैआंगोवंद
 गहिरहिगईदेखिलाललाजयसते ॥ सनमुखसबलवि-
 छोकिरनधीरमानो खैंचतसुभटथीरतीरतरकसते ॥ १०८ ॥
 घनकीघटासीपटयिज्जुललतासीआय छविकैछटासी
 उचटतअंगअंगते ॥ अमीकीसीझीनतमीपतिकैव-
 रनवेल विबरनहोतसुयरनतनअंगते ॥ प्रातर्कपहर
 अलसानीठाढीमंजनकों जागीसधरैनिसुखपागीपिय
 संगते ॥ कचुकीकेवंदतियखोलतिहैआपकर मानो
 पंचसरसरखैंचतनिखंगते ॥ १०९ ॥ पियमनकामना
 कोंसंकरबिराजमान देखियेकठोरताकेश्रीफलसेवारे
 हैं ॥ चितहितखेलिवेकोंगोलाचौगानकेहैं चंचरीकधो
 पिवेकोंपंकजविचारेहैं ॥ कहैसिधदीनमोहिवेकोंमन
 यचक्रम कंचुकीकेसंपुटरतनउरधारेहैं ॥ धारेहैंसुत्र-
 तिगर्वसौतिनविदारेहैं ऐसेछविधामवामउरजतिहा-
 रेहैं ॥ ११० ॥ मानोकामलतासीसैंवारीकामनीहैनूर
 नूतनअनूपताकेपातसरसतहैं ॥ कैधौंसिधसीसपरअं-
 इके सदादिनरेनचैनकामवरसतहैं ॥ निप-
 नगढ़केसमानकुच तिनकेकंगूरनकीछविप-

रसतह ॥ कचुकोक ऊपरविराजंतहैं वंदकीधौं मदनम-
हीपकेनिसानदरसतहैं ॥ १११ ॥ प्यारीसुकुमारीताके
उरजयदृतआवैं सुखसरसावैंसुकुमारजलजत्ताके ॥ कं-
चुकोकसततैसीसुखमालसतताते कहैकवितोषघनस्था-
ममनरत्ताके ॥ नोकेहैंबरोरुबढ़ेबाहकसजोरुतनं अ-
तिहीफठोरहैंधधैयाकामकत्ताके ॥ सिसुतागनीमके
निकासियेकेकाजआये टोपीदारएलचीसुजीवनचक-
त्ताके ॥ ११२ ॥

॥ भय भुज वर्णन ॥

कंचनलतासीचपलासीनाहनेहफाँसी मदनयिलासी
कामकेलियेलियादीहै ॥ परसतकीमलजमलमखमलहू
तें दरसतलागतदिनेसदुतिगादीहै ॥ हीरामनिलालकी
जैगूठीजैगुरीनराजै मोहनकेसाधमहामोहनीसीठादी
है ॥ भुजनिनिहारिअनुहारिलैमृनाउनकी सुभगसँवारि
कैमनोजजनुकादीहै ॥ ११३ ॥ पीतमकोमनतेरेहाथन
जयोहँरहै अंकउरफाँनीरसवेलिसरसतहैं ॥ कोकनद
नालदोऊरुपकेसरोवरमें देखिदेखिसौतिनकेमनतरसत
है ॥ भरमीसुकविजैचिधिधिनेधनार्हंतोकी व्याकुलस-
वेननीबलेकउरसमें ॥ नैजकीअवतिसरसकेसँसत

चेऊंचेजासनवनायेकरियसहैं ॥ तेरेभुजमूलतूलंतरनी
 नकोऊभूल तातेलाललालचौरहतप्यारीवसहैं ॥ ११५ ॥
 तनतरुवरकोउभयसाखाबलिभद्र सुंदरसुठारअतिगोल
 समतूलहैं ॥ सोचेभरिठारेविधिदामिनीकेदोऊठूक द-
 मकतिदुतिनाहोदुरतदुकूलहैं ॥ सुखकेसरोवरकेपोखेहैं
 मृनालमानो फूलेकरअग्रकोकनककैसेफूलहैं ॥ कामकुंद
 हेरेभायकुन्दनकनकदंड कैधौ भोरीभामिनीकेगोरेभुज-
 मूलहैं ॥ ११६ ॥ हरनैनआगिजरेमैनकोजिआवैयेतो वे-
 तोधिरहीको देखेमरनकेदानोहैं ॥ अतिहीअमलअंसमूल
 इनकोहैयेतो पंकमेजयेहैं यहसयजगजानोहै ॥ यामया-
 हुयदनसुधाधरमरीचीसींची कनकसरूपकामलतामैन
 मानोहै ॥ कैमेकरिसरिपायेउनकीमृनालबेलि विपज-
 ॥ ११७ ॥ गोरीगोरीगोल
 ॥ ११८ ॥ रूपरससानीदोऊविधिनाथ-
 ॥ चलतहलतकोटिकोटिप्राणदानदेत सुधाकी
 ॥ ११९ ॥ कान्हकाममूरतिकेकन्धेपरहो-
 ॥ तयकहैपुहुपकमानमोचदाहैं ॥ ताकोउपमाहै
 कान्होकिनिमोमैजान याहीतेमृनालनाललाजनन-
 याहैं ॥ १२० ॥ कैधौहैंयेकमलकीललितमृनालनाल
 विपमनकैमिबेकीकैधौयहपावहैं ॥ गौनिनमोसुहाग
 दंडलोवेकाजमैजान नाकीयाहदंडविधिकीन्हीसोभा
 रासहैं ॥ कैधौहैंयमनाभारमकेलरकिआहुं मूरजा-
 नेसंजननकोसुधानहैं ॥ नागरनयदलाजयनेनि-

हारीनेक तेवतेन प्रानंकी परतिकटू आस है ॥ ११९ ॥ रा-
 धिका के भुजनंकी भूरिदुतिलखोलाल सबतें विसाल जा-
 की जोतियों रही है वहै ॥ केसरिकनक सोन जुही चंपा कोन
 काज संभुराज जा कोरंग देखत चलत चवै ॥ कोऊ कहै साखा
 हरिचंदन की चंदन की मंदन की मति या की उपमा सकत है ॥
 मेरे जानरस की तरंगिनी के तरिवे को कंचन की तरिनी मैं
 बांधो किल यारै द्वै ॥ १२० ॥

॥ पद्य कर दर्शन ॥

कमल की सोभा सो समाइ रहो प्यारी सुनि लाठी नवद-
 लन की आनिस रसाई है ॥ रेखागन गनित की गनि हाथ करी
 छवि, अंग अंग नित सोभा भावती को भाई है ॥ करिकै परे-
 खो कहा बैठति है पीठ दैदै साहिबी सोहाग की लिखाइनूर
 लाई है ॥ सौतिन के आगे यों सिंगार जनिकै प्यारी जगत
 की सोभा सब तेरे हाथ आई है ॥ १२१ ॥ इंगुर अगिन जरै
 कंज अरु नाइं डरै गिरिगिरि परत बंधूक समताईं को ॥ वि-
 द्र मकटावत गहावत उपाय ओप सानहूं चढेत पकरत न
 ललाई को ॥ देखि देखि लाली उर दाहिम दर कि गयो त-
 वहूं न पायो ने करंगू कहलाई को ॥ ऐसे तेरे करन की कौन
 पटतर दीजै जपायिं वसो है जा सुपावैं मलिमाईं को ॥ १२२ ॥
 पायै जो परसता को होत है सरस भग पावन दर सजा की जा-
 नो अनुसार है ॥ रमनीय वेपन की लीला धर पेखन की ल-
 लित सुरेखन की प्रगटोप सार है ॥ यहि क्रम बूढ़ी करि चि-
 न्ता चित गूढ़ी करि रचना ऊढ़ी विधिविधिविचार है ॥

कथनकथेरीलोकचौदहौंमथेरी परतेरीयाहथेरीकीनपा-
ईअनुहारहै ॥ १२३ ॥ कंचनकेपल्लवमैछोटीबड़ीलोक
मानो लिख्योहैउचाटमंत्रविधिमोहसोंमयो ॥ सुधाको
खवतमनिमानिकलसतसोहै आंगुरीकिरनज्योंप्रभाकर
उदैभयो ॥ मेहंदीरचितनखकैधोंमैनपंचवान खरसान
धरेसोनोपानीतिनकोदयो ॥ आंचरकीओटतेंअचान-
कहोडीठपखो तेरेहाथदेखेमनमेरोहाथतेंगयो ॥ १२४ ॥
नूतहूकेनूतनसरससुकुमारपात जातहैलजातजैवैनिपट
उपरके ॥ कोसमकीकोसमकरतकिसलयकहा होतना
धरायरीनयीनपातधरके ॥ कहैसंभुराजदूजोसमकोंनदे-
ख्योऔर पेखिपेखिरेखासोललितप्यारीकरके ॥ जाव-
कसरसविधिपारसीहरफलिखे कंजकेदलनमैप्रबंधपंच-
सरके ॥ १२५ ॥ लालकरतलकरगहिकैनवेलीकेसु दे-
खतसहेलीकोऊपरमभयानीहै ॥ काछिदासकौनसकैसु-
जसधखानिकर इन्दिराकीखानिसोतोहमपहिचानीहै ॥
पतिकोनगेहलिख्योस्यामसोंसनेहसुनि सखीकेवचनवि-
धुमुखीमुसुकानीहै ॥ एरीठकुराइनिसुतेरीयाहथेरीधींच
भीतिचेरीलिखीसयरेखनितेजानीहै ॥ १२६ ॥ देखेअन-
जेतेहरितजवनजंकतेरी यिमलमयंकमुखीमोहेकोटिनि-

॥ काछिदासरीक्तिरीक्तिकरतसराइप्यारी पर्याप्त
है ॥ छुटागैयेरिनिकांधिपलों ॥ लालकुरविंदअरविंद
हंदयधूरी ॥ विट्टमलछाईनीचेकरिरासीहृमुखी ॥ तेरे
करनसकीप्रभुकीकोंधिछोकिउठै सीतिनकेसनसकीजा-

गिनखसिखलौं ॥ १२७ ॥ हाथहंसिदीन्होभीसिअंतरपर-
 सिप्यारी हाथसाथछकीमतिनायकप्रवीनकी ॥ निक-
 स्योक्तरोखाव्हैकैविकस्यांकमलजैसे ललितअँगूठीतामै
 चमकचुनीनकी ॥ कालिदासतैसीलालीमेहँदीकेधुंदनकी
 चारुनखचंदनकीलालअँगुरीनकी ॥ तैसीछविछलकत
 छापकीछलानहूकी कंचनचुरीनकीजराऊपहुँचीनकी
 ॥ १२८ ॥ सुंदरसुरंगगोलसोभाकरपल्लवकी कैधौँइंद्र
 गोप्रजानिघैठीधीचयालके ॥ कैधौँलोलकुंदनकीअधि-
 कअमोलतामै स्वातीकीसीधूँदैबहरानीहेरसालके ॥ कै-
 धौँनगपौतिनकीकैतिदुतिसाँहतकी मदनकीमालहुन्न
 दच्छिनकीचालके ॥ भरमोसुकविछविबरनीनजातिमो-
 पै कामिनीकेनखकैनगीनाकामलालके ॥ १२९ ॥ मा-
 नोअधिगुंजिकासेचंचुकचकीरचख चावकचमकधीज
 बिद्रुमतमालके ॥ चेटककेचिन्हकैधौँनाटककेसुन्नकैधौँ
 हाटककेहुन्नदेसदच्छिनकीचालके ॥ जटितजरायमध्य
 नायकअमोलमोल गोलगोलमोतीमानोमनिहँधियाल
 के ॥ अँगुरीअनीकीनीकीकनककनोसीकैधौँ कामि-
 नीकेनखकीनगीनाकामलालके ॥ १३० ॥

॥ अथ पीठ वर्णन ॥

आरसीयिमलपरनारीसीसँधारीकैधौँ रूपकेप्रवाह
 कामभूपचत्पोजातहै ॥ कैधौँकलधौँतकीसीभूमिसुर-
 मारगमें मानकोसुभावकैधौँकदलीकेपातहै ॥ कैधौँ
 यहभोडरेकेतधकतिलौँछिधरे भरमोसुकविकोऊउप-

मानेआतहै ॥ सरसंसुघाटसुखआनदकीयांठकैधौं प्या-
 रीतेरीपीठिदेखिदीठिनसमातहै ॥ १३१ ॥ कैधौंयहके-
 संभेसरसकोनरेसवाकै देसकीसुदेसभमिसोभारसभीनी
 है ॥ कैधौंयहमदनकीपाटीमंत्रपट्टियेकी सूरतसुकवि
 यनीहाटकनवीनीहै ॥ जोयनकेमंदिरकीभीतिहैसुठार
 कैधौं राजरतिराजरुचिसोंयनायकीनीहै ॥ एरीमेरी
 तेरीयहपीठनेकदीठपरी देखतहीइंठसयहीकोंपीठदी-
 नीहै ॥ १३२ ॥ जोयनमहीपतिकोसेयकमदनतोहि ति-
 यतनवसिधेकोंजंगहबनाइहै ॥ चिन्तामनिजानतसोनं-
 दकेकुंमारजाते भइंअंगअंगमैअनंगकीदोहाइहै ॥ रु-
 पकोसँवारीचारुराधिकाकीपीठपत्र तातँवेनीवरवरना-
 वलीलिखाइहै ॥ दुहूँओरयाकेदिंगपारसरहतताते मेरे
 जानिसोनेकीसोहाइंदरसाइहै ॥ १३३ ॥ कैधौंहैत्रिगुन
 रूपकैनककीपाटीलिख्यो कैधौं कामभपरयसावगीसु-
 भाइहै ॥ कैधौंयहबेनीजूकोवारापारदेखियत कैधौं
 कोलिकोंमनकीसीवसुखदाइहै ॥ कैधौंमैनमूरतियह
 कियोहैविचित्राचित्र कैधौंमैनकाकीदेहयापनासुहाइ
 है ॥ कैधौंयहगोरीकीजुसेजसुभराजतिहै पीठिकेलिप-
 त्रदुतितमकीदुराइहै ॥ १३४ ॥ सोचेतेनिकारीभरिप्या-
 रीकीललितपीठिनीठिविधिइंठकीसुघातिकेरिगढ़ीहै ॥
 कैधौंतोपंपुरटकीपाटीहैअनूपजामैपरमप्रवीनताइपं-
 ख्यानपढ़ीहै ॥ तैसीछविघरनीनजातमुखकरनीकेह-
 रिनीनयनपरजेतीछविबढ़ीहै ॥ तैसीसुखदेनीवेनीभली

हरली सनेह मानो नागलंछी कदली के दल चढ़ी है ॥ १३५ ॥

सुख को सदन देखि मदन मुदित होत, चारि जवरन सुभ

नाल सीध से खिये ॥ चारों रीति नवीर सहाव भाव की प्रतीत

छवि सों लपेटि हेम पीठी के उरे खिये ॥ कैधों मनि कंठ तीन

लोक की तरुनि जीति दुति तेही भौति भौति तीनों रस ले खि-

ये ॥ कनक के कंधु कमनीय ता के अंधु भेटे आनंद की सीध के

अमोल ग्रीव देखिये ॥ १३६ ॥ सुंदर सुढौल आछी भौति सों

सुधारि करी हरि कर कंधु सो भाव आरि फेरि डारिये ॥ को-

किल पारावत हू करि न सकत सरि जंगमे न और उपमा त सो

विचारिये ॥ सोभा की सी सीध नूर कहि धरन त भेद्य रा-

तो दिन पीत मरहत चित धारिये ॥ जाके कंठ मध्य पीक दु-

ति ऐसी सो हियत जैसे सी सीमा हिरंग जायक को डारिये

॥ १३७ ॥ तेरे मुख गावत गोपाल जूके गुन गन सारदा हर-

हति है उर मे उरे खिये ॥ जिन के वें मंढेन फाटि कमल हार

हैं स हिये पर ते ईंधे सिंगार करि ले खिये ॥ तेरे नेक बोल स-

तों सुर को सुहाग को क मीठे राग सुनि रीति रीति करि ले खि-

ये ॥ तोरि डारी तीनों तौति मेरे जानि वीन की तैं प्यारी ते-

रे गरम वैती नोली कले खिये ॥ १३८ ॥ सुधा के पयोधिक रिमज्जन अरु न अंग के सरि के रंग की

बन क जय गहै गो ॥ सुक विधुर धर सकल रूपे सागर की सी

भा को सकेल काम के लिपुनि लहै गो ॥ सोरहों कलानि पूरि

पूरनकलंकधिन निसदिनसदा एकरूपजधरहेगो
 चंदसरदकेराधेकेबदनसम
 कहैगो ॥ १३९ ॥ अ
 छोलाहीते मोहनकेमानसकोंचोरैहै ॥ दूजोतसो
 कोंचाहतधिरंचिनित ससिकोंधनावैअजौमनकों
 रैहै ॥ फेरैहैसानआसमानपैचढ़ायफेरि पानिपचड़ा
 कोंधारिधिमेयोरैहै ॥ राधिकाकेआननकेसमनाधित
 पातें दूकदूकतोरैपुनिटुकदूकजोरैहै ॥ १४० ॥ कोमल
 कंजते गुलायते सुगंधलंकै चंदतैप्रकासलैकेउदितउज
 है ॥ रूपरतिआननसोंचातुरीसुजाननसों नीरलैविषा
 मनमोंकीतुकनिधेरैहै ॥ ठाकुरविचारकैधनायोविधि
 कारीगर रचनानिहारिकोनहीतचितचेरोहै ॥ सोनेसों
 गुरंगलेनपादलेमुघाकी धमुघाकोसुखलूटिकैधनायोमु
 रांरोहै ॥ १४१ ॥ गोरोमुखगोलहरै हैसतकपोलबड़े छौ
 धनधिआंगुलीछोनीलियेलाजपर ॥ छौभालगेलालह
 सिमोंभाकईदेवकधि गोभामेंउठनरूपगोभाकैसमांजप
 र ॥ बादलाकीमारोदरदाशनकिनारी जगमगीजरतारी
 तिमोलागलिकेमांजपर ॥ मोमोलगेकोरनधमकचहुंओ
 रतमों मोमननियमकोनामीद्विजराजपर ॥ १४२ ॥ वे
 लोनेजरोमावलीबहंगकालिमाई कहनकलंकमृगजंतो
 रोरैयोरैहै ॥ मरवाअधरनमअनयमएतो भौजम
 मीकरोमामेदेसिदेदुखीहै ॥ बाहिकहादेहीअकाममे
 दहमदहि सहीकिनजाहिजाने ॥ जयाहै ॥ ध्या

रीकीयनायविधिहाथधोयेताकोरंग जमिभयोचंदहाथ-
 फ्तारेभयेतारेहैं ॥ १४३ ॥ सुखमाकेसिंधुकोंसिंगारमनम-
 न्दरते मयिकैसरूपसुधासुखसोंनिकारेहैं ॥ करिउपचा-
 रताकीस्वच्छताउतारतामै सौरभसुहागजुनहांसरसहा-
 रेहैं ॥ कथिरंसरंगताकोसारजानिथास्योतासीराधिको
 यदनयेसविधिनेमँवारेहैं ॥ सुधरसँवारिकैजोहाथधोइ
 डारे सोहैजलभयोचन्दहाथफ्तारेभयंतारेहैं ॥ १४४ ॥ को-
 ऊंकहैहैकलंककोऊकहैसिंधुपंक कोऊकहैछायाहैतमोगु-
 नकेभांसकी ॥ कोऊकहैमृगमदकोऊकहैराहुरद कोऊ
 कहैनीलगिरिसोभाआसपासकी ॥ भंजनजुमेरेजानच-
 द्रमाकीछीलिविधि प्यारीकीधनायोमुखसोभाकेधिलां-
 सकी ॥ तादिनतेछातीछेदभयोहैछपाकरके वारंपार
 दीखनहैनीलिमाअकासकी ॥ १४५ ॥ सुंदरवरनराधेसों-
 भाकीसदनतेरो यदनयनायोचारयदनयनायकै ॥ ता-
 कीरुचिलेनकोंउदितभयोरेनपति राख्योमतिमूढ़निजक-
 रघगरोयकै ॥ कहैकविचिन्तामनिताहिनिसिचोरजानि
 दईहैसजायपाकसासनरिसायकै ॥ यातेंनिसिफेरैअमं-
 रावतीकेआसपास मुखमैकलंकमिसिकारिखलगायकै
 ॥ १४६ ॥ घूँघुटखुलतअवैउलटवहैजैहैदेव उंदुतमेनोज
 जगजुहुजूटिपरैगो ॥ ऐसीनसरोकसिधकोफहैअलीक
 भांत लोकतिहुँलोककीलुनाईलूटिपरैगो ॥ दैयनंदुराय
 मुखनतरुतरैयनकी मंडलतेमठकिचंटाकछूटिपरैगो ॥
 तोचितैसकोचिसोचिमोचिमृदुमूरछिन्है छोरतेंछपाकर

छतासोटूटिपरैगो ॥ १५७ ॥
 केसांदासरागरांगनीनकीकिअंगराग कैधीद्विजसेवतहैं
 संध्याभलीभोरकी ॥ अरुनरदनबहुरतनकोखानिकेधौ
 तिनकीकलकछलकनिचहुआरकी ॥ कैधीरेखाभूपनके
 मननकीचांकचेकुरेलेतिचित्तंचालतेरचितधारकी ॥
 लांगिरह्योअनुरागकैधीनाहनैननिकी कैधीरुचिरांचीते-
 रतरुनीतमोरकी ॥ १५८ ॥ कैधीकमलाकेगेहकमेलकी
 लालमालदिवाकरताकीताकिफलकतरंगहैं ॥ कैधीअनु-
 रागरह्योफैलयानीरानोजूकी ॥ जयकाहूकाहूप्रतिकरतप्र-
 संगहैं ॥ कैधीआलीतेरलालओठनकीलोलीछाई ॥ मन
 भाईमेरेयनमालीजूकेसंगहैं ॥ मोहतअनंगकैधीसोभा
 कीसुभंगअंग कैधीप्यारीतेरेमुखपाननकोरंगहैं ॥ १५९ ॥
 कैधीअनुरागरागराजसकोरूपनिज ॥ कैधीप्रानपंकजप-
 रागद्विजेन्हायेहैं ॥ तनतरुनाईकीअरुत्ततोउदीतकीधी
 प्रीकेगेहसिरीखंडकुसुमेयिछायेहैं ॥ सोभाहीतेसोभिय-
 देखिमनमोहिंयततीनोलोकनारिननिरखिनैननायेहैं ॥
 तेयतेरेबदनतमोलरुचिराचीकैधी थलिभद्रधानीकीय-
 ननपहिरायेहैं ॥ १६० ॥ हरीसारीसोहतकिनारीवारी
 महभीनी देहकेयरनसुधरमहुतिपीरीकी ॥ केल्लानिधि
 द्वादोआँगीकुचउंचकनेआयी कंचनकेभारलेचैकटिज्यों
 की ॥ मासेहीकीनयगंजमुक्तातमासेहीकेनास-
 की ॥ लहलहीलालीआली

अधरनपाननको फावीरीनिकाईतेरे दसननवीरीकी १५१

मदमसुकानउ- ॥ अथ, दोसी सुसुकाग वर्णन ॥

आरकोकनदंकलीजैसेखिलतवयारलागे, मंदमुसुकानउ-
सकानहैचमेलीकी ॥ आरसीमैभानुकेप्रकासकाउजास
होत, जिसेदीपमालदिपैदीपतिहवेलीकी ॥ भरमीसुकधि
दुतिदामिनिसीकौंधतिहै चाँदनीसीचहूँ ओरघातमैसहे-
लीकी ॥ चंदक्रीचमकचक्रौंधतिदसनदुति पियमनव-
सनहसनअलपेलीकी ॥ १५२ ॥ गुलगुलकंदकैसुमंदक-
रिदाखनकों, देखहुदुचंदकलामन्दकीकमाईसी ॥ कहै
पदमाकरत्योंसाहर्षासुधाकीसयै, व्रजप्रसुधामैसोकहाँ
धौंपरीपाईसी ॥ खारिखरीकोमधुरीकामाधुरीकीस्व-
च्छ, सरदासिरीकोमिसिरीकोलूटलाईसी ॥ सौवरीस-
लोतीकैसलोनेअधरानहीमै मंजुमुसक्यानभरीमंजुलमि-
ठाईसी ॥ १५३ ॥ कोमलकमलकोसकमलायसतताकै भू-
पतकीजोतिकीधौंजगतप्रकासीहै ॥ कैधौंचमलाकैचख
खौंधिवेकोंदयानिधि, कीन्हीतुघनैननिजुगुतिअतिखासी
है ॥ कैधौंमहिमोहनीकैमोहिवेकोंमोहमई, चतुरधिरंचि
नईजातुरीनिकासीहै ॥ कामकोंसुधासोचलचिह्ननकों
फाँसीकीधौं एरोमानप्यारीयामधुरतुषहाँसीहै ॥ १५४ ॥
मदनमहीपतिकीकैधौंजयकीरतिहै कैधौंप्रियप्रेमतरुअं-
कुरकीसोचिका ॥ कैधौंमुखचन्द्रचारुचंद्रिकाप्रकासमा-
न कैधौंरूपकुंदलकरसकीउलीचिका ॥ कैधौंअतिचारु
सुधारसकेसरोवरकी, जोयनसमीरकैपरसमृद्धीचिका ॥

भारतीयसनसुखरासयिलसनमुख, राजेमंदहैसनसुदसन
 मरीचिका ॥ १५५ ॥ रसनाललितकलयाणीजूकाआस-
 नहै दसनलसनकीनसकतयखानिहै ॥ फालिदासलाह
 अधरनपरवारोंलाल लसतिअमोलमृदुघोलनिकीयानि
 है ॥ सुधरगोविंदकेरिक्काइवेकोंहंदुमुखी रचीएकरच-
 नाअनंगविधिआनिहै ॥ कैसीमुखमाहिंखुलीसुखमाकी
 खानि जहैंमहामांहमईनिरमईमुसुकानिहै ॥ १५६ ॥
 ओठनकेधीचछविदंतनकीफलकत कमलकेकोसचप-
 लासीचारुलसीहै ॥ मंदमंदजोतिहोतिउदितअनेकप्रो-
 ति कलाफलानिधिमुखमानोलीटियसीहै ॥ ऐसीसेत
 अंचलमेतीकीछायिलसेनूर सरदकेचंद्रऐनचंद्रिकासीरसी
 है ॥ व्हैहैयतरानेकहाकीनजानैएरीधीर नेकमुंसुकाने
 भईसीतिनकीहैसीहै ॥ १५७ ॥ सिवसिरगंगजैसेजलकी
 तरंगजैसे उड़गनभंगजैसेकरतपयानहै ॥ मोतिनकीमा-
 लजैसेदामिनीकीधारजैसे ओपीतरवारजैसेतजतमिया-
 नहै ॥ दीपनेकीमालजैसे पावककीउवालयैसे मांहीवे
 फौलालमननिपटसयानहै ॥ तारजरजरीकैसेफूलफूल
 झरीकैसे जुगुनूज्योजरिकैसेतेरीमुसुकानहै ॥ १५८ ॥

कैधीं पाइ प्रानपति हृदय कमल फूल्यो ताको गंधंधु कै सु-
 गंध सुख मुख को ॥ १५९ ॥ पूरि परिमल मलयाचल उरो ज-
 निका निज निरहारी है कमल पद पानिको ॥ धुनि धुनि तप
 न है गंध फली नासिका को अधिक अमोद रद कुंद कलिकानि
 को ॥ धूप लौं अनूप आवै बोलें वदन वास बलि भद्र दई तैं
 मधुप सुख दानिको ॥ सीधे भीजी भारती गुलाब से प्रसेद
 कन तेरो मुख दीपत सुगंधनिकी खानिको ॥ १६० ॥ याही
 मुख वास कमल न की प्रतीति देति याही मुख वास केत की सो
 मधुमंत है ॥ याही मुख वास बलि मालती को मारै मान या-
 ही मुख वास कामी होत जन संत है ॥ याही मुख वास न न ये-
 लीत न कैसी फूली याही मुख वास सखी सां हती अनंत है ॥
 तेरे मुख वास ही सों सकल सुया सिर ह्यां थारहीं महीना भौं-
 र मानत वसंत है ॥ १६१ ॥

॥ अथ दसन दर्शन ॥

कैधीं कली बेली की चमेली सी चमक परें कैधीं कीर कम-
 ल मैदा डिम दुरायें हैं ॥ कैधीं मुक्ता हल महावर मेरा खरंग
 कैधीं मनि मुकुर मेसी कर सुहायें हैं ॥ कैधीं सातों मंडल के
 मंडन मयंक मध्य बीजुरी के बीज सुधा सों चिकै उगायें हैं ॥
 के सो दास प्यारी के वदन मेर दन छवि सोरहीं कलाकों काटि
 बत्ति स बनायें हैं ॥ १६२ ॥ कैधीं मित्र मित्र मैय साइं है कि-
 रिन ताते फूल्यो ई रहत अनुमान यह पायो है ॥ कैधीं ससि-
 मंडल मै जोई उडु मंडल को कैधीं हैं सरस निजन गरय सायो
 है ॥ दसन की पाति कुंद कलिन को भाति आछो सोह सि है

कैातिगुनकोविदनगायोहै ॥ मानहुं विरंचितरीयानीको
 चतुररानी दोलरकैमोतिनकोहारपहिरायोहै ॥ १६३ ॥
 कैधीं द्विजराजी द्विजराजजूकोसेवतहै कैधीं यहसारदास-
 रूपदरसतहै ॥ कैधीं इंदिराकेचारुहारकीअरुनमनि वि-
 न्तामनिइन्दिराकेघरमैलसतहै ॥ कैधीं विधुमंडलमैदा-
 मिनीविराजतिहै ॥ ऐसीकछूसुखमासमूहनिक्सतहै ॥ वि-
 मलयदनबीचदंतनकीदुतिकैधीं ॥ कमलकैकोशुधीचदासी
 बिलसतहै ॥ १६४ ॥ कैधीं कुंदकलिकाकोअवलीअनूप
 कैधीं धानीकीविपंचीकेसुधारधरेसारहैं ॥ स्वांसाकेस-
 दनससिसिसुआयेश्रीकेकाज कैधीं मुखधारिजमैधारिज
 कैधारहैं ॥ फलकतरुचिरयतीसहीरबलिभद्र चमकतबा-
 रूथीजुरीकेअनुहारहैं ॥ अमृतकेकनतपोधनकेविमलमन
 तेरेयेरदनचंदवदनमफारहैं ॥ १६५ ॥ कैधीं मुक्ताइलहैं
 पहलकेआबदार जावकरैगायअरविन्दमुखभरेहैं ॥ कै-
 धीं लालविद्रुमअमोलमनिमानिकके दामनजवाहिरीड-
 वामैखोलिधरेहैं ॥ दाढ़िमकेबीजकैधीं सुधामेसिरायेहंस
 सदनसुधाकरकेमंदिरमेभरेहैं ॥ प्यारीकोबदनकैधीं का-
 मकेसदनमाहिं मदनजरियानेजवाहिरसेजरेहैं ॥ १६६ ॥
 सुधाकोसमुद्रतामैदुरेहैं नछत्रकैधीं कुंदकीकलीकोपैति
 योनयोनधरोहै ॥ आलमकहतऐनदामिनीकेबीजबये
 वारिजकेमध्यमानोमोतिनकीलरीहै ॥ स्वांतिहीकेबुंद
 विंधविद्रुममैवासलीनो ताकीछविदेखिमतिमोहनकीह-
 ॥ तेरेहैंसेदसनकीऐसीछविराजतिहै हीरनकीखानि

मानोससिमाहिंकरीहै ॥ १६७ ॥ फूलिफुलवारीरहीउप-
 मानजातकही कैसेकैसराहौतामेजोतिअधिकानीहै ॥
 आलमकहसहैरोमीतिनकोपाँतिघरी हीरनकीकाँतिछ-
 विदेखिकैलजानीहै ॥ दाहिमदरकिगयेइनकेसमनभये
 रविकेकिरिनकेसीधमकबखानीहै ॥ तनिकहसनमैदसन
 ऐसेदेखियत दीपतनछप्रमानोदामिनीदुरानीहै ॥ १६८ ॥

॥ चर रसना वर्णन ॥

गूढ़गुनग्रंथकेप्रकासकीकरनहारि झूठसँचकहेदेत
 सचकेमनसकी ॥ नादभेदवेदकेउचारदेतआखरनि को-
 मलरसालजातघसुधाकेवसकी ॥ भरमोसुकविपियम-
 नकीहरनहारि सुधासोंसुधारीजानगानहारजसकी ॥ र
 सनाकीउपमानहीतकोटिरसनाते मनकीसचौटीकीक
 सौटीयंतरसकी ॥ १६९ ॥ इंगुरगुलालहूकीहारीप्रभुता!
 औरजेतीहौंगनाईअरुनाईकोतुमनसो ॥ रोरीलालाफूल
 जाकीसमतानतूछइन्है कहापरीभूलभयोविधिकोकुम
 नसो ॥ संभुराजकहेयाकीउपमाकहौलौकहौ ध्यानहूँध
 खोजेनहीपावतहैमनसो ॥ आननअमलयीचरसनावि
 मउदेखो मानहुँकमलकोसजपाकेसुमनसो ॥ १७० ॥ दे
 खीनापरतिदेखदेखिवेकीपरीयानि देखिदेखिदूनीहि
 साधउपजतिहै ॥ सरदउदितइन्दुविन्दुसोलगतलखें मु-
 दितमुखारविन्दइन्दिरालजतिहै ॥ अदभुतपियूपसीम
 धुरधानीसुनिसुनि श्रवननिसुखहोतभूखसीमजतिहै ।
 मंत्रीकसोमैनपरतन्त्रीकखीचैननिकीं बिनातारतंत्रीजी-

भजंत्रीसीवजतिहे ॥ १७१ ॥ कांककलापदिवेकीपीपीसी
 वनाईकाम कैधीनयोरसनकीभूमिउपजाइंहे ॥ परमप्र-
 चीनरूपभारतीहेमेरेजान कंठतेनिकसिमुखवारिजमैआ-
 इंहे ॥ प्रेमकोसोजंत्रहेमयंकमुखसंपुटमै पूछेकहिथीलनूर
 एतीप्रभुताइंहे ॥ रानीपटरसनकीसुवरनउरझानी एते
 रससानीतऊरसनाकहाइंहे ॥ १७२ ॥ कैधीविधिरसनाकी
 रचीहैकसौटीयह अरुनवरनअचरजमनमैगह्यो ॥ कै-
 धौतेरीयानीठकुरानीमनमानोताकी रातेफूलतेजरंग
 जानतकचूकह्यो ॥ सूरतसोकीधींधोलरतनअमोलदानदै
 दैसबहीकोंसुखदुखसबहीदह्यो ॥ नेकहूबखानिसकैका-
 हूकोसुबसनाजो रसतेरीरसनासोरसनाकहूलह्यो ॥ १७३ ॥
 सप्तस्वरसागरकीनौकासीवनाईविधि कैधीसुधारसपान
 करैकीपतूपीहै ॥ आगमनिगमइतिहासऔपुरानसब का-
 व्यव्याकरनकोंबखानतधिदूपीहै ॥ विद्यागुनधनभखी
 चुपतारालग्योतहैं। खोलिवेकीतारीजोभउदरपियूपीहै ॥
 नूरकहैयाहीसबअंगकीसिरोमनिहै सदै।हरिजसभापैम-
 धुरमहूपीहै ॥ १७४ ॥ कमलबदनमाझकमलाकेकाजछ-
 वि राखीहैकमलदलतलपसँवारीहै ॥ कैधीवल्लिभद्रपट
 तंत्रनकीलिपियहै कैधीपटस्वादनकीपरखनहारीहै ॥
 ललिततमोररंगगुनकीकसौटीमनो मंत्रनकीमूरिपरमा-
 रथकीप्यारीहै ॥ रसिकरसीलीप्यारीतेरीमृदुरसनाकी
 रससानीतऊरसनाकहाइंहे ॥ १७५ ॥

॥ यय यानी वर्णन ॥

तमकीदुहाईकीसुहाईसखीमाधुरीकी इंदिराकेमं-

॥ दरमंझाईउपजतहै ॥ सुरनकीसुरीकैधौमोदकोमहो-
 दरीहै ॥ चातुरीकीमातुऐसीवातनसजतिहै ॥ रागराज-
 धानीअनुरागनकीठकुरानी ॥ मोहेदधिदानीकैसोकोकि-
 लालजतिहै ॥ ऐरीमेरीब्रजरानीतेरीवरयानीकैधौ वा-
 नीहीकीघोनसुखमुखमैब्रजतिहै ॥ १७६ ॥ सौतिनकों
 होतदुखसंखिनकोंसुखसुने होतगुरुजननिकोंगुनकोगरूर
 है ॥ कहैकविदेवलाखलाखभाँतिअभिलाष पीकेउरउ-
 मगतप्रेमरसपूरहै ॥ तेरोकलघोलकलभापनिवैस्वाँति-
 युन्द जहाँजायपरैतहाँतैसोईसरूरहै ॥ व्यालमुखविप
 औपिघूपजघोंपपीहामुख सीपमुखमोतीमुखकदलीकप-
 रहै ॥ १७७ ॥ सुधाकेसमुद्रकीलहरसीकढ़तिरहै ॥ याही
 कोंसुनायलालकीनोतैअधीनहै ॥ थनउपथनवैठिआप
 हींदुरावैघाते मेरेजानयहैकलकंठकंठहीनहै ॥ बलदेव
 ऐसीनरचीहैनरचैगोविधि मोतिनकीउपमाकरनलागी
 ग्रीनहै ॥ कमलकंकोसपैठिगुंजरतभौरकैधौ बानीमाझ
 ानीजूबजाईमानोग्रीनहै ॥ १७८ ॥ सहजभरोखामा-
 त्थीलंतरसीलीतेरे सुधाकीसीधारधौरहरमैधसतिहै ॥
 चेखरेसुनतप्रधीनलोगधीनजानि कहतगयेलेइहाँ
 ॥ किलघसतिहै ॥ कालिदासमुखतेधरनमुकताहलसे
 सरसजयैरसरंगवरसतिहै ॥ ऐरीमेरीरानीहरिजूकेम-
 मोहिधेकों नेहकीनिसानीतेरीयानीबिलसतिहै ॥ १७९ ॥
 गीनीकोबोलियोसिखायोसखिकौनेतोहि ॥ सीखिवेकों
 तिसरस्वतीहूकीमतिहै ॥ कुंधरैकुहुकिसंधीतेसरकस

पिक पखोवरकसकरकसअतिरतिहै ॥ केकीकोककलख
लागतविकलख अलिअलखोहैंधुनिसुनिभयेनतिहै ॥
एरोमेरीरानीरोक्तिमोहेदधिदानी तेरोवानीआगेयीना
हूकमोनासोलगतिहै ॥ १८० ॥

॥ अथ अघर वर्णन ॥

अमलअरुनअरविंदविंध्यआभादेत सहजसुवासरी-
भेमाधुरीसमरहैं ॥ सीतिकोंतिवारीपियमतिमतवारी
होत पूजेनयवारीसोसँयारीसीभाधरहैं ॥ मनिंकठसूख-
मसुरेपहैंबँधूकफूल धरुनीकेचिन्हपियलीचनडगरहैं ॥
कैधौलीकसीसुगतिदीनेविधुकोककला सुन्दरिसुलीच-
नीकेसोभितअधरहैं ॥ १८१ ॥ कैधौविधुऊपरबँधूक
कंकुमुमधरे कैधौविंध्यपाकेपरेयीधनजनायेहैं ॥ विदु-
मधरनविंध्यखारकदिनेसकैधौपल्लवप्रसूनकेफिसोभासर-
सायेहैं ॥ अघअनुरागभागऊपरसुहागरूप राजतरुचि-
रकीधौअमृतकनायेहैं ॥ योधनकरंगकेप्रसंगलालवि-
धिदाऊ अघरमधुरमुधानारसोयनायेहैं ॥ १८२ ॥ केस-
रिनिकाहंकिमलयकीरताइलिये गाहंनाहजिनकीधर-
तआगकनहैं ॥ दिनकरमारपीतकैसनीकेदेखियत अधि-
कजनारकीकपीनेअरकनहैं ॥ लायकोलसनितहैंहीरा
कीहैंमनिराजै नैननिगमनहरमनआगकनहैं ॥ जानैन-
गम्याहारिसालाहिटगतनेरे लायकोलअधररमालफल-
कनहैं ॥ १८३ ॥ आकीमयुगाहंमैमुपाहंमुराफोकटपोऊ-

जड़रूपअरु विंमतिहीनभयेजिनकेडरनिमै ॥ पानअं-
गपातरोमयोहैतबहीतैपेखि एरीव्रजरानीअवरहैकोस-
रनिमै ॥ सूरतसुकवितिनहै सकैकोधरनिप्यारी तेरेअधर-
नकीनउपमाधरनिमै ॥ १८४ ॥ विंमऔप्रयालहूवैधूकक-
विधरनत सीतोयहउपमानमानाकाहूकेदिये ॥ अपारो-
रीइंगुरकीगुरुतासकलमली दाड़िमकलीनहूकेमानभंग
कोंकिये ॥ ललितललाटहूतैलटैयांलरकिरही दुहूओ-
रअधरकेकोरनकोंहैंछिये ॥ मेरेजानतायतललितलाल
हीकोसंभु गुह्योमखतूलसोचिराजैससिकेहिये ॥ १८५ ॥

॥ अथ चित्रक वर्णन ॥

कनकधरनकोकनदकेधरनऔर फलकतभौंइंतामै
यसनरदनकी ॥ कीनीचतुराननचतुरऐसीरचिपचि अ-
लपसीचौकीचारुआसनमदनकी ॥ अंगलसेयाकेउपमा-
नकीअधधिसय सुमिलिसोपानमानोश्रीयकेसदनकी ॥
सुंदरसुंदारहैचिचुकनयनायकाकी मानीयलिप्रद्रयाद-
साहीहैयदनकी ॥ १८६ ॥ कैधौअरयिंदमकरंदरसपान
माते दिगअलिधाररहेकोधौअलसाइके ॥ कैधौपियप्रे-
मकीपियपन्नरोनारैंगीमै धेंदीस्थामसुमननिसानसोय-
नाइके ॥ कैधौहैसिंगाररसमगनमनोजमन लालचलल-
किमनिकंठलाग्योआइके ॥ सौतिकेधिरहसुहागसोहै
गोदनाकी लेतचितचारुतेरोचिचुकचोरायके ॥ १८७ ॥
कंचनकेरानेमैजटितनीलमनिकैधौ संपुटमैसूछमसरु-
पस्यामलोनाहै ॥ सुमुखसुखेतरसत्रोजयैरहोनाके

कंलिसमैकामजूकीखुलतखिलौनाहै ॥ रामकहैतियमन
मोहनकेमोहिवेकैं कठिनकुहूमैपाढ़िराख्योटीकटौनाहै ॥
कमलकलोपैअहित्रैओअलिछोनाकैधौं कामिनीतिहा-
रोचारुचिचुकडिठौनाहै ॥ १८८ ॥

॥ अथ कपोल वर्णन ॥

कैधौंनैननटुवाकेनाचिवेकीरंगभूमि सोभागृहआग-
नअनंगअंगलोलहैं ॥ कैधौंहैंअनंगअंगवलिकेविपदखेत
देखेंसुखदेतदुतिअमलअमोलहैं ॥ पियमनमल्लकेअखारे
कैधौंनोलकंठ वारेजिनऊपरमुकुरगारेगोलहैं ॥ कैधौं
कौलमुखीमोहमंत्रतेंकलितश्रौन भूपनफलिततेरेललि-
तकपोलहैं ॥ १८९ ॥ चपलाकीनाई चारुचमकैहैंछवि-
पुंज छेदिनिसरतझोनेघूंघुटनिचोलहैं ॥ कालिदासआ-
सपासतरानितखीननिकी जोतिकिरनावलीललितअति
लोलहैं ॥ कान्हअवलोकतबदनप्रतिविंयनिज कनकसरू-
पमानोमुकुरअमोलहैं ॥ लंतमनमोलकरैहृगनिकीतौल
ऐसे गोरंगोरगोलस्यच्छप्यारीकेकपोलहैं ॥ १९० ॥ सो-
हतहैंचिन्तामनिमंगनजटितदिष्य कंचनकीबेलीकैसेसुं-
दरनयेलीके ॥ सकलजगतमाहिंएकसुकृतीहौतुम नाय-
कनयलऐसीनायिकानयेलीके ॥ एकठौरदेखोछविआ-
पनीऔडनकीजू प्रतिविंयआपरूपआनदकीकेलीके ॥
सुचरनआरसीसेसीसेसेअमोलकैसे गोरंगोरगोलहैंकपो-
लअलघैलकि ॥ १९१ ॥ कैधौरूपधरनीमैराजतजुगुलखं-
- कैधौंनैननकेतनकेमकरसदारेहैं ॥ कैधौंहरिलोचन

तुरंगनकोंलीलाथल कैधौसरसीरुहकंदलद्वै निहारैहैं ॥
 परसरामकोमलमधूकसेचंपकसे चारुचीरचंद्रमाकोंकोरि
 कैनिकारैहैं ॥ प्यारीतरेगोलगोलललितकपोलस्वच्छ नोठि
 नोठिरचिकैचिरंचिकरकारैहैं ॥ ११२ ॥ हरिअच्छलच्छ
 करतलनिसमानस्वच्छ राजतरुचिरतातेनाहीटारियतहै ॥
 चंद्रमासेचारुअतिकोमलकमलहूतें दुखनिदिनेसदेखि
 मोड़िमारियतहै ॥ ऊपरसुहागाढिगभागअनुरागरूप धि-
 न्नादेखेहगनिउपासपारियतहै ॥ लागियैरहतिमुसकानि
 तांतेंलोलदोज धिमलकपोलपैमुकुरवारियतहै ॥ ११३ ॥
 कैधौहरिमनोरथरथकोसुपथभूमि मोनरथमनहूं कीगति
 नसंकतछु ॥ कैधौरूपभूपतिकोआसनरुचिररुचि मि-
 लीमृगलोचनमरीचिकामरीचोवहै ॥ कैधौश्रुतिकुंडलम-
 फरसरकेसोदास चितयेंतेंचितचकधौधिकैचलतचवै ॥
 गोरेगोरेगोलअतिअमलअमोलतेरे ललितकपोलकैधौ
 मैनकेमुकुरद्वै ॥ ११४ ॥ सुखमाभरतभरेप्रेमकैसेसांचे
 ठरे सुघालीसुधारधरेदपनसुदेसहैं ॥ आभाकीनिकाई
 हैकेदारकैधौकैंतिनके तीनोपुररूपपरिजनकेनरेसहैं ॥
 रपटतलोचनचिलकदेखिबलिभद्र कलकतचौधेकिलंक-
 निकेनतेसहैं ॥ गोरेगंधमंडलअखंडजोतिवंततेरेछाधिके
 छपाकरकीदुतिकेदिनेसहैं ॥ ११५ ॥

॥ अथ कपोलतिल वर्णन ॥

कैधौरूपरासिमैसिंगाररसअंकुरित कैधौतमकनसो-
 हैतदितजुह्वाइमै ॥ कहैपदमाकरकैधौकामकारीगर नु-

कतादियोहैहेमफरदसुहाइमै ॥ कैधीअरविंदमैमलिन्द
 सुतसोयोआय ऐसोतिलसोहतकपोलकीलानाइमै ॥ कै-
 धीफस्योइन्दुमैकलिन्दिजलविन्दुअरु गरकगोबिन्दके-
 धीगोरीकोगोराइमै ॥ १९६ ॥ फूलेपारिजातमैलखात
 हैमधुपकैधी सुखमांसरोधरमेरसराजपैठोहै ॥ रतिकेमु-
 कुरपैधरीहैनीलमणिकैधी कामिनीकेवदनपरमछविजे-
 ठोहै ॥ श्रीपतिरसिकराजसुन्दरगुलायबीच मृगमदविन्दु
 रूपपरमपरेठोहै ॥ कोमलकपोलपरतिलहैअमोलमामो
 पूरनमयंकमैनिसंकसनिवैठोहै ॥ १९७ ॥ वदनसरोरुहके
 संगहीजनमजाको अंजनसुरंगसमतानपरसतहै ॥ म-
 हाकैखेमुनिनकोममचिकनाइजाइ सेनापतियाहिजयमे-
 कदरसतहै ॥ रूपहिघटावैरसिकनहूँ केमनभावै नैह
 उपजावैपैनआपविनसतहै ॥ आलीबनमाठीमनफूलमै
 यसांयोतेरे तिलहैकपोलसोअमोलबिलसतहै ॥ १९८ ॥
 बाँकीभीहैंसोहैंबाँकीचितवनिमनमोहै बाँकीमोतीयेसर
 अंधरपरफरको ॥ कहैकविगंगतेरेउचकिउचकिकुच गं-
 तिनरहतनिरखतभराभरको ॥ आननकोउपमातंसं-
 कलयिकलभई भलीसोभाउरह्योतिलकपोलपरको ॥ पं-
 कजक्रेषीचआलीअलिगोसमाइ तहोमानोरीबिछुरिछो-
 नायैठोमधुकरको ॥ १९९ ॥ सोभनसिंगाररसकीसीछी-
 टसोहैफोंक कामसुकीसीकही जुगुतिनजोरिजोरि ॥
 राहकोसोरदनरह्योहैधुभिचंदमाहि

रह्यो के सोदासलेतचितयेंतेचितचोरिचोरि ॥ तनिकक-
 पोलतिलतेरेपरमेरीआली वारोंढारितरुनिखिलोत्तमासी
 कोरि कोरि ॥ २०० ॥ कैसो सुधासरमाङ्गफूल्यो है कमलनो-
 ल जै सोयंक अंकमै मयंक मुख हेरो है ॥ कैसोयंक अंकमै म-
 यंक मुख हेरो कह्यो जै सोमैन मुकुरमै मोरचा करेरो है ॥ कैसो
 मैन मुकुरमै मोरचा करेरो कह्यो जै सोअलिकमलमै गहत
 बसेरो है ॥ कैसोअलिकमलमै गहत बसेरो कह्यो जै सोरीक-
 पोलपै अमोलतिलतेरो है ॥ २०१ ॥

॥ अथ अथ वचन ॥

कीधौ हैं अतिथिप्रियवचन के रसराज कीधौं मित्रलो-
 चन के धिमलधिसेखिये ॥ साने केधौं दोनेरसिकाम अंग
 कीवेकाज सुधाधर आसपास धरे सोई देखिये ॥ पूरन
 मुदित शिवपूजन करत चंद कनक अरघता के दुहू ओर पे-
 खिये ॥ तीछन कटाच्छ सरगत अघरोध कीधौं सुन्दरी के
 सुन्दर श्रवण जुगलेखिये ॥ २०२ ॥ पियगुन आसन सरोज
 के सिंघासन हैं कीधौं विविधासन सनेहर सभरे हैं ॥ सांघ
 भ्रंठतौ लिवे को तुला के पला हैं कैधौं किंसुक के पात से लप-
 टि पाछे परे हैं ॥ कैधौं बिबिचक्र सहचक्र के सुधार केधौं कुं-
 डल कला की निधिविधि कर धरे हैं ॥ करन के छिद्र के अछिद्र
 छवि गाये कधि कंचन के सीप कीधौं मुक्ता से जरे हैं ॥ २०३ ॥

॥ अथ नामिका वचन ॥

सोझा को सकेलित् चोये लियो धीवलिभद्र राख्यो सम
 लोचन कुरंग नि कोरो सहै ॥ दो को दोपक को मुख

कोसुमेरु मृदुमुखसारसकोसिफाकंदजोसहै ॥ कलप
 तरोधरकोकलीकैधौ गंधफली उपमाअनूपनिकोयिधि-
 धनिसोसहै ॥ तिलकोसुमनहैकीनासिकातरुनितेरी सु-
 रनकोसरनकीसीरभकोकोसहै ॥ २०४ ॥ सुंदरसहजसु-
 मननकोसुगंधजाकी निरमोलनासिकानिकाहंतेंसंवारी
 है ॥ पीतमसरीरमाहिंधीरनधरतदेखि सकुचकीमीरकी-
 रंधिपिनधिहारीहै ॥ कैधौ कलधौ तमहामुनिकेकुसुम
 जीति मैनचैनसिंधुसुखसेतसीनिहारीहै ॥ मुकताल-
 लितकैवलितमनिकंठमनि छविकीतरंगधिरनासिकाति-
 हारीहै ॥ २०५ ॥ केसवसुगंधस्वाससिद्धनकोगुफाकै-
 धौ परमप्रसिद्धसुभसोभनसुकासिका ॥ कैधौ मनमय
 मनमीनकीकुवेनीकैधौ कुंदनकीसीवलोललोचनविला-
 सिका ॥ मुकतामनिकोहैमुकुतपुरीसीकैधौ कैधौ सु-
 रसेवतहैकासीकीप्रकासिका त्रिभुवनरूपताकोतुंगतीय
 निधिताके तोयकीतरंगकैतरुनितेरीनासिका ॥ २०६ ॥
 तिलकोकुसुमताकीसमकहोकीजियत कहासौ जदीजि-
 यतकीरफलमूजीकी ॥ कामकेतुनीरकोऊखालीधरनत
 आली ताकीकहाचालीजाकीचातयिनपूजीकी ॥ सं-
 भुराजकहैलाहिलीकेअंगवदनत पावतनयाहहोतिगिरा
 गतिलूजीकी ॥ मानोरूपनिधिसोवदनरचिविधिरा-
 खी नासिकासुलुफदैकुलुफविविकूजीकी ॥ २०७ ॥

॥ यय नामाभूषण वर्णन ॥

केकोनमुनिहोतयसमे ॥ कहैसंभुराजलसैमुकताविसाल
 एक ताकेबीचलालदुरीझूलतअरसमे ॥ चेलिफूलचाप
 मूठिकलीदैगुलायसर केसरकोफरगाढ्योजयकेसुजसमे ॥
 कुचजानिहरमेरेजानपंचसर ततकालतीरतानिराख्योना-
 सातीरकसमे ॥ २०८ ॥ कैधीपियनेहमईकीरतिहसन
 लैकै झूलैहेमझूलैफूलैध्यानसमरथके ॥ कीर्धीभीतम-
 नखेगफंदातामेमिप्रयस घटिकविकुजसोमयानेमनमंथ
 के ॥ ऐसीभांतिदेखियेरीमोहेमनमोहनजू सूरतयखाने
 करौकहांलौअकथके ॥ झूलैज्ञानगथकेसुलोकलाजप-
 थकेसु कौननैननथकेनिहारेतेरीनथके ॥ २०९ ॥ च-
 दनसुराहीमैछाछिलीछाछिछाक्योमद अधरपियालेछिन
 छिनमैगहतहै ॥ अलसायपीढ़तकपोलपरजंकपर कं-
 थहुंगजकेजा निचाखनचहतहै ॥ प्रमनग्रसाधीयेतोस-
 दारहैअंकभरै छक्योईरहतकोऊकछूनाकहतहै ॥ झु-
 किपरिवातकेरुहेतेअनखातधारे बेसरकोमोतीमतधारी
 ईरहतहै ॥ २१० ॥ छाढ्योजलसागरविधायोतनआप
 आय अधरकेयोचरहैऔरनाचहतहै ॥ विधिकेसंजोग
 यसआनिपखोयेसरमै बन्पाहैवनावसोभाअद्वुतगहत
 है ॥ पूरनप्रतापचंदपायोहैमुखारविंद एतोकहौलहैकंत
 जेतोतूलहतहै ॥ प्यारीकंदनपरमदनकोमदपिये मो-
 तीमतवारीसदांझूमतैरहतहै ॥ २११ ॥ प्यारीतनभूमि
 तामैरूपजलसागरहै जोवनगैभीरजौ रसोभाकोंधरतहै ॥
 दीपततरंगनैनवारिजसेडोलैतहैं उरगसीचेनीजियदेखत

डरत है ॥ आलम कहत मुख कहर गहर राजे ॥ तामै मन मे
 यह दौरि कै परत है ॥ बेसर को मोती मानो कर है सि कंदर
 धारधार फूमि भूमि मनै सो करत है ॥ २१२ ॥ नीचे की
 हारत नगीचै नैन अबर दुयो चै परै स्यामारुन आजा अट
 कनको ॥ नीलमणि भागवै कै धिदुम सुराग पुखरांग
 रहत विध्यो छटा छटकनको ॥ देव विहै सत दुति दंत तेजु
 डाति जोति निर्मल मुक्त हीरालाल गटकनको ॥ यि
 कि थिरा कि थिर यानै पटतानै तोरि बानै दल तंत धमोती
 छटकनको ॥ २१३ ॥

॥ अथ नैच वर्णन ॥

मैनम दछा के राजे मोहन कला के ऐन कंज उपमा के देन
 चैन भरता के है ॥ पट अँचला के चोट करन निसैं के घाँ के का
 म चंचला के ना के देखत ही भौं के है ॥ सुन्दर प्रभा के भरे मधु
 र मुधा के मोन मृग भँवरा के गुन छीन वा के पा के है ॥ ता के
 गमता के हेरिया के पैन ता के कहूँ ता के नैन यौ के प्रपन्न की
 सुता के है ॥ २१४ ॥ कंज दुति भंजन है खंजन के गंजन है रं
 जन करन जनमंजन मैयारे है ॥ सोभा के सदन कांठि मोह त
 मदन मोन मद के कदन मृग दूर करि डारे है ॥ लाज गुन गो
 मे हर मे अछह देहन सँभारे जात जय ते निहारे है ॥
 रिअनियार फूपकारे सित थारे रत नारे प्यारी
 न निहारे है ॥ २१५ ॥ दिय हरि छेत है निकाट के निक
 मे देन है महेन निरखत करि मुन है ॥ छीना हरि नी कि हत
 हरत दरदयो करत चित चैन है ॥ आह

तनअंजमरसिकमनरंजनहैं खंजनसरसरसरांगरीतिऐ-
नहैं ॥ दीरघंठरारेअनियारिरतनारेप्यारी कंजसनिहार
कजरारैथारैनहैं ॥ २१६ ॥ पानिपकेपानिपसुधरताई
केसदन सोभाकेसमुदसावधानमानमोजके ॥ लाजन
केयोहितपुरोहितप्रमोदनके नेहकेनकीवचक्रवर्तीचित
चोजके ॥ दयाकोदियानपतिप्रतहूकेपरधान नैनयेमुघा-
रकविधाननवरोजके ॥ मृगनिकंमहाराजसफरीकेसि-
रताज साहयसरोजकेमुसाहयमनोजके ॥ २१७ ॥ छवि
घालबरसीलसाहयकेधरपिय मनमीनसरसरकामदेवत-
नके ॥ चातुरीकेमारहैंसिंगारकेकुमारकैथीं खंजनके
अप्रतारंजनसंचनके ॥ रघमनोरधहीकेबाहनसेअन
मैन नीलकंठऐसेनैनकोसुकैग्रनके ॥ भौरनकेभूपचारच-
क्रवैचकोरनके हरिनकेहाकिमकुटुंबीकमलनके ॥ २१८ ॥
परमप्रधीनमीनकेतनकेमीनकैथीं सुखकेसरोजहैंफुलाये
पियभानके ॥ सरदकेखंजनमिलेहैंमुखचंदकींकि जां-
रेहैंकुरंगरंधयाहनसमानके ॥ बालातेरेनैनकीविंताल
तालसीतिनके बलिभद्रसानेहैंसुहागखरनानके ॥ मुनि
नकेममउपजावतअनेकभाव मेरेजानयेइहैंविधातापं-
चयानके ॥ २१९ ॥ करतकलोलश्रुतिदीरघअमोललो-
ल छुपेहगछोरछविपावततरौनाहैं ॥ नाहिनसमानउ-
पमानआनसेनापति छायाकेछुछुवतचकितमृगछोना
हैं ॥ स्यामहैंवरनज्ञानध्यानकेहरनमानो मूरतज्योधा-
रेवसीकरनकेटोनाहैं ॥ मोहतहैंकरिसैनचैनकेपरमऐ-

न। प्यारी तेरे नैन ऐन मै न के खिली ना हैं ॥ २२० ॥ काज-
 र तें कारे अनियारे डोरे मत वारे : कमल ढरारे कै धौं अमत के
 दो ना हैं ॥ खंजन सँवारे कै धौं खंज खरसान धारे कै धौं मन-
 मोहन के मन के हरी ना हैं ॥ रूप जलभारे रस वारे ढग मगत हैं
 नवल दुलारे कै धौं मृगन के छो ना हैं ॥ मदन निहारे पंछी सी-
 ख देन हारे आली तेरे नैन ऐन मानो मै न के खिली ना हैं ॥ २२१ ॥
 भ्रूम तं भ्रुकुत भरे मद के अरुन नैन मानो मै न तू न हैं कटुत जा-
 तें सर हैं ॥ हाव किल किंचित सरूप धरे नाथ कै धौं मोहन
 य सी कर उचाट के अमर हैं ॥ कै धौं मोन पैर त सहाय के सरो-
 धर मै मानिक जटित भूमि खंजन सुधर हैं ॥ कै धौं अनुराग
 फोंल पेटि कै सिंगार घैठो कै धौं कौल पौखुरी मै डोलत भँवर
 हैं ॥ २२२ ॥ राजै रतनारे हग भूपर उँजारे भारे, प्रेम मत-
 वारे पिय मै न सुख दैन हैं ॥ गंजन कमल मृगमीन मद भंजन
 हैं अंजन लखे तें न रहत उर चैन हैं ॥ नंदन सुकवि नंदन दन पैं
 करे नेक रोस भरे देखे याते कहै कछु घैन हैं ॥ ऐसे देखे मै न मै न :

: ॥ जे प्यारी तेरे अजय गुलाबी रंग नैन हैं ॥ २२३ ॥

॥ के नैन जुगुन भूपमीन के तन के कै तन

॥ नेह भरे मद न सदन के प्रदीप कै धौं रस राज वा-

॥ सुनत सुंदर के सुत्रे ससे मही पकै धौं

॥ अहं निदरी नदिसिदस के ॥ लगे हिय औ न कस-

॥ प्यारी तेरे नैन तोर मै न तरकस के ॥ २२४ ॥

॥ छलता मै मीन कलता

॥ प्रेम मेघ कोर चोर नेम के नियाहि बंसे कहै

रघुनाथठगठगिधेमेसैनके ॥ ढसिधेकोंभौरडीठिफसि-
 धेकोंधंसीचेन गसिधेकोंजंत्रहेतचैनहूंअचैनके ॥ यामे
 भूँठीहैनप्यारेहीमेआइलगियेकां प्यारीजूकेनैनऔनती-
 खेधानमैनके ॥ २२५ ॥ खंजनकेप्रानपियविरहतिमिर
 भान मीननकेमानधनवानमनगधके ॥ सोभाकेसिंगार
 रूपथारकेद्वारामोती सीलसरदारफौजदारप्रेमपधके ॥
 श्रीपतिसुजानलानेलोचनगुमानभरे सुधरयहलवानर-
 तिरानीरधके ॥ रसबहुरंगजालजोतिकेकुरंगमाल कंजसे
 घिसालमहिपालमनमधके ॥ २२६ ॥ सुखमाकेघरपूरे
 पानिपकेसरधर आसनअनूपहररूपधिसरामके ॥ चा-
 तुरीकेचारकलाकेलिकेअपार हावभावकेभेंडारपायइ-
 न्दीयरदामके ॥ रतिकेरतनजालमोहनकेमूलमाल रा-
 जतरसालहैंघिसालनैनग्रामके ॥ मीनकेमहीपतिहैंखंज-
 नप्रभाकेपति मृगकेसलामतसलावतहैंकामके ॥ २२७ ॥
 चारिजधिकानेलखिखंजनखिसाने मृगमीनमुखानेधन
 हूनयहरातहैं ॥ भौरभहरानेआनउपमानआने कवि
 हेरिहेरिहारमानिहियहरातहैं ॥ अतिहीघिसालवाँके
 प्यारीकेअनूपहृग कहतकलूपैरोमरोमधहरातहैं ॥ मेरे
 जानआनदसौंचारोंचक्रजोतिधेकों भूपमकरध्वजकेध्व-
 जफहरातहैं ॥ २२८ ॥ पाइयेनखोजखंजरीटनमेरंचकहूं
 लोचनतिहारेयेछिनैयागतिमीनके ॥ कंजदलगंजनकुरं-
 गमानभंजनये रंजनहैंरंगमनरसिकप्रवीनके ॥ मधुपधि-
 चारेहियहारेहीरहतयन अतिसुखदायकसहायकसखी-

नक ॥ तोखेनीरकामकेनदेखेकामयामके
रोनकेनरीनकिन्नरीनके ॥ २२९ ॥ ऐसेन
ऐनसैनके जगैयादिनरैनकेजितैयासीतिसी
मलकुलीनकेमुकलितकरनहार का ॥
रैगोनके ॥ मनतकधिन्दभौवतीकेनैनचापक
नपायकसेनायकनवीनके ॥ सोचेहैं ॥
मीनके यखानैकोमृगीनकेखगीनपन्नगीनके
तयोमीरहतवरधिन्दनकीआभा महयूभीम
कोटामकरियतुहै ॥ दूधोयनधीधिनशकीरघात
मगृधोगुरगनकीनमामकरियतुहै ॥ दूधोजलज
भ्रमप्रजोगीनोभ भीरमगरुीघदनामकरियतुहै
गिरेनतेमैजैगियैनकीअजुधोप्यारी रूधोरंज
कनागकरियतुहै ॥ २३१ ॥ देरेंअन ॥
कजनपै मृगनमृगानतजिलाजलहियेपरी ॥ तोषा
वहेअगिगजनदूलीनमाष्टं मीननअर्धामधैगरीमी
सेदुमी ॥ नारायणकोरनकीकोरनमोंकारिहारी कपि
॥ रिकहियेपरी ॥ आहेंचंयलाहुंजयराधि
नहि मागेनप्रमीदनागार्यामहियेपरी ॥ २३३
ननप्यवेधेमगरममृजानजोके मोंकेनधेनैर
ननरुबोई ॥ कान्टकमण्डनकीमानोमनम
मण्डनकीहृमदृयुयै ॥ मालप्रियेकी
ननप्रवाहिरकोअनप्रअप्रयै ॥
दूधोकजनकीभीरनकेमृदु

रीटनकीखूबोहे ॥ २३३ ॥ घरुनीवधंवरमेगूदरीपलक
 दोऊ रातेकोयेवसनभगोहेंभेखभस्वियो ॥ यूहीजलहीमै
 दिनजामिनहूजागतिहैं धूमसिरछायोविरहानलधिलखि
 यैं ॥ औसूत्योंफटिकमाललालढोरेसेलीसजे भइहैंअके-
 लीतजिबेलीसंगसखियैं ॥ दीजियेदरसेदेवकीजियेसैं-
 जोगिनये जोगिनव्हैबैठीहैंवियोगिनकीअंखियैं ॥ २३४ ॥
 धंधुअधुकोरमैचकोरकैसोजोराबैठयो कैधौमृगमीन
 बालहितकैबढ़ायेंहैं ॥ कैधौकामराजकेजुगुलमीनजं-
 गजुरे खंजरीटराखिमानोपींजरापढ़ायेंहैं ॥ मिलतजि-
 याइवेकोंविछुरनमारिवेकों बानिकपियूपधियधोरिकै
 कढ़ायेंहैं ॥ कैधौविधिपूरनमयंकमुखपूजाकरी अलि-
 नसहितमानोनलिनबढ़ायेंहैं ॥ २३५ ॥ अंजनसुरंगजी-
 तेखंजनकुरंगमीन नेकनकमलउपमाकोंनियरातहै ॥
 नीकेअनियारेअतिचंचलढरारेप्यारे ज्योंज्योंमैनिहारे
 त्योंचोंखरेललचातहै ॥ सेनोपतिसुधासेकटाच्छनघरखि
 जयावैं जिनकोंनिरखिहियोहरखिसिरातहै ॥ कानलौंवि-
 सालकामभूपकेसाल बालतेरेदृगदेखेमेरोमननअघात
 है ॥ २३६ ॥ रसभरेजसभरेकहैकविरघुनाथ रंगभरेरू-
 पभरेखरेअंगकलक ॥ कमलानिवासपरिपूरनसुधासआ-
 स भौघतेकेचंचरीकलोचनचपलके ॥ जगमगकरतभ-
 रतदुतिदीहपोखे यौवनदिनेसकैसुदेसभुजवलके ॥ गा-
 इवेकेजोगभयेऐसेहैंअमलफूल तेरेनैनकमलअमलवि-
 नजलके ॥ २३७ ॥ जीतेजिनतामरसअलिकुलमीनकुल

नके ॥ तोखेनीरकामकेनदेखेकामग्रामके गनार्यकोप-
 रोनकेनरोनकिन्नरोनके ॥ २२९ ॥ ऐसेनैनमैनकेनदेखे
 ऐनसैनके जगैयादिनरैनकेजितैयासीतिसीनके ॥ क-
 मलकुलीनकेमुकलितकरनहार काननकीकोरनलोंकोरन
 रँगोनके ॥ मनतकधिन्दभोवतीकेनैनचायकसे देखेमै-
 नपायकसेनायकनवीनके ॥ सोंचेहैंअमीनकेअमीनमानी
 मीनके बखानैकोमृगीनकेखगीनपन्नगीनके ॥ २३० ॥
 ऊथीसीरहतअरधिन्दनकीआभा महयूथीमृगछीनन
 कीछामकरियतुहै ॥ दूथीधनबोधिन्चकोरचारुताई म-
 नसूथीतुरगनकीतमामकरियतुहै ॥ डूथीजलजोरनसों
 भीतवरजोरीसोभ भौरमगरूरीवदनामकरियतुहै ॥ दे-
 खिदेखितेरीअँखियौनकीअजूथीप्यारी खूथीखंजरीटन
 कीखामकरियतुहै ॥ २३१ ॥ देखेंअरुनाईकरुनाईलगे
 कंजनपै मृगनगुमानतजिलाजलहिवेपरी ॥ तोपनिधि
 कहैअलिखंजनहूँछीनताई मीननअधोनव्हैगरीबीगहि-
 वेपरी ॥ चरचाचकोरनकीकोरनसोंकोरिहारी कधिन्क-
 थिसताकीहारिकहिवेपरी ॥ आईचंचलाईजधराधिका
 कीअँखिनमै खासेखंजरीटनखराथीसहिवेपरी ॥ २३२ ॥
 पीकेप्रानप्यारेप्रेमपरमसुजानजीके नीकेनयनैननकी
 आवअंयऊथीहै ॥ कान्हकमलछनकीमानोमनमोह-
 नीहै कामकमलछनकीहुकुमहयूथीहै ॥ तरलत्रियेनीकी
 तरंगजुगजाहिरहै जोधनजवाहिरकीअजयअजूथीहै ॥
 मीननकीमदीडूथीधदीडूथीकंजनकी भौरनकीभूलखंज-

तिठनकीखूब्रीहै ॥ २३३ ॥ घरुनीयघंवरमेगूदरीपलक
 दोऊ रातेकोयेबसनभगोहैंभेखभखियौ ॥ बूढ़ीजलहीमै
 दिनजामिनहूजगतिहैं धूमसिरछायोघिरहानलचिलखि
 यौ ॥ औसूत्योंफटिकमाललालढोरेसेलीसजे भईहैंअके-
 लीतजिचेलीसंगसखियौ ॥ दीजियेदरसेदेवकीजियेसैं-
 जोगिनये जोगिनव्हैबैठीहैंबियोगिनकीअंखियौ ॥ २३४ ॥
 थंधुधिधुकोरमैचकोरकैसोजोराबैठयो कौधौमृगमीन
 बालहितकैबढ़ायेंहैं ॥ कौधौकामराजकेजुगुलमीनजं-
 गजुरे खंजरीटराखिमानोपीजरापढ़ायेंहैं ॥ मिलतजि-
 याइवेकींविछुरनमारिवेकीं बानिकपियूपयिपचोरिकै
 कढ़ायेंहैं ॥ कौधौविधिपूरनमयंकमुखपूजाकरी अलि-
 नसहितमानोनलिनचढ़ायेंहैं ॥ २३५ ॥ अंजनसुरंगजी-
 तेखंजनफुरंगमीन नेकनकमलउपमाकींनिचरातहै ॥
 नीकेअनियारेअतिचंचलढरारेप्यारे उयोउयोमैनिहारे
 त्योंयोंखरेललचातहै ॥ सेनापतिसुधासेकटाच्छूनघरखि
 उपावैं जिनकींनिरखिहियोहरखिसिरातहै ॥ कानलौंवि-
 सालकामभूपकेसाल बालतेरेदृगदेखेमैरोमननअघात
 है ॥ २३६ ॥ रसभरेजसभरेकहैकविरघुनाथ रंगभरेरू-
 पभरेखरेअंगकलकं ॥ कमलानिवासपरिपूरनसुधासआ-
 स भौवतेकेचंचरीकलोचनचपलके ॥ जगमगकरतभ-
 रतदुतिदीहपोखे यौवनदिनेसूकेसुदेसभुजथलके ॥ गा-
 इवेकेजोगभयेऐसेहैंअमलफूल तेरेनैनकमलअमलवि-
 नजलके ॥ २३७ ॥ जीतेजिनताभरसअलिकुलमीनकुल

कारेकजरारेसीहैंपियसुखदेनके ॥ जीतेजिनखंजनऔ
 मुकताढरनिजीती जीतेहैंचकोरकैधौंदीपकहैंरैनके ॥
 कमलढरारेकैधौंप्रेममदमतवारें तेवनसुहायधरेजागेसु-
 खसैनके ॥ मृगहैंभंडैतकैधौंपायकखंडैतदोज प्यारीते-
 रैनैनकैधौंजोधाअैनमैनके ॥ २३८ ॥ कज्जलकवचकि-
 येंबरुनीकेसरलियें भौंहैंधनुतानेजैतवारजगअैनहैं ॥ दौं-
 कीसूधीचितवनिदोजतरवारयौंधें करेंआधौंआधप्रान
 मारतडरैनहैं ॥ इनकीकजाकीआगेकछुनकजाकीचलै
 दोजहाधमलैयेतोयाहूदुखदेनहैं ॥ ऊधयकहतऐंठेगवैंठे
 सेरहतनित कामपातसाहकेसिपाहीतेरेनैनहैं ॥ २३९ ॥
 याजीचपलाइंतामेमैनअसयारगाढो तरकसबंदयरपल-
 केंसुधारिहैं ॥ ताहीतेकटाच्छ्यानभरेयेइंनोकदार जा-
 केतनलागैसोईलगनधिधारिहैं ॥ कहैद्विजराजभौंहैंचो-
 पसीचदायैजनि कहामानुप्यारीएताअग्रैघटधारिहैं ॥
 घूंघुटनखोलतेरेनैनहैंनिपटयोकेघरिकमेघेरिकाहूघाय-
 लकैडारिहैं ॥ २४० ॥ खंजनसिजातजलजातहूअजातहे-
 रे हरिनोहिरातमुकतानग्रहगतहैं ॥ पंचसरकीनेरद
 भौरनकेभूलेमद नटमेधिधिप्रचितहीमेहहरातहैं ॥ दी-
 पकमलीनटीनमीनलागेमेरेजान दीनेतीनरंगपार्तेअति
 इतरातहैं ॥ परयतप्यारेप्रानप्यारीजूतिहारहृग मारत
 निमंकनकलंकहिढेरानहैं ॥ २४१ ॥ रातिकेउनीदेअ-
 दमाने ते राजैजरारेहृगतेरेयेमुहातहैं ॥
 ॥ ॥ नजेकोरेलेनकादिजिय कंतेअयेचायल

ओके तेतलफातहैं ॥ उर्वोर्ज्योलैसलिलचखसेखधोवैवा-
 रवार त्योंत्योंबलबुंदनकेबारभुक्तिजातहैं ॥ कैवरके
 भालेकै यौनाहरनहनवाले लाहूकेपिघासेकहापानीतेंअ-
 चातहैं ॥ २४२ ॥ प्रेमरगभगेजगमगेजागेजामिनीके
 यौवनकाजीतिजागजोरउमगतहै ॥ मदनकंमातेमतवा-
 रेंऐसेधूमतहैं भूमतहैंभुक्तिभुक्तिभौंपिउघरतहैं ॥ कहै
 कविआलमनिकाइंइननैननकी पांखरीपदुमपैभँवरधि-
 रकतहैं ॥ चाहतहैंउडिवेकोदेखतमयंकमुख जानतहैंरैनि
 तातेताहीमेरहतहैं ॥ २४३ ॥ मृगकैसेमीनकैसेखंजन
 प्रवीनकैसे अजनसहितसितअसितजलदसे ॥ चरसेच-
 कोरसेकिचोखेखैं।इंकोरसेकि मदनमरोरसेकिमातेराते
 मदसे ॥ नयीकथिअनासेकिऔरनैनयैनासेकि सियरस-
 लोनासेकिआछेमृगमदसे ॥ पयसेपयोधिसेकिऔरसोंधे
 सौधसेकि भारेकारेभीरसेकिप्यारेकोकनदसे ॥ २४४ ॥
 कमलनफीकहैंसँवारेसुघरीकहैंजु सुंदरतासीकहैंसती
 कहैंरतीकहैं ॥ खंजनयनीकहैंकिगजनमनीकहैंकि रं-
 जनधनीकहैंकिभंजनअमीकहैं ॥ ऐसेहरनीकहैंनऐसे
 हरिनीकहैंन राजरमनीकहैंनकामकमनीकहैं ॥ नैनमै-
 नजीकहैंकियैनयैनजीकहैंकि सोभामूलहीकहैंकिप्यारे
 प्रानपीकहैं ॥ २४५ ॥ मृकुटीकुटिलराजैमूठिसीधिराजंघर
 पलकमियानपुंजपानिपरसालहैं ॥ कज्जलकलितदोऊ
 कोरमेदुधारेधारे डोररतनारेजंघजीहरकेजालहैं ॥ गो-
 कुलधिलोकिनिजनायकसनेहसनी स्वच्छहैंकटाच्छकाट

करतकरालहैं ॥ कमनीयकामनीकेरमनीयनैनकैधौं का-
 मिनकेमारिवेकींकामकरवालहैं ॥ २४६ ॥ सुखमामलि-
 दकेअलिंगअरविंदहैं कविंदहैंनरिंदकेलगेहैंवरयसके ॥
 श्रीपतिप्रवीनरूपसरकेललितमीन हरिननवीननेहका-
 ननसरसके ॥ एरीमेरीप्रानप्यारीलोचनतिहारिप्यारे
 सुरजसुखारेपियधिरहतमसके ॥ रतिरनधीरहैंसिंगार
 गुनधीरहैं सँवारेआछेतीरहैंमदनतरकसके ॥ २४७ ॥
 दूरहीतेसोहीचारअचलहैंसोहीघड़ी भौंहनकंसंगसोही
 सुभगनवेलीकी ॥ आयोजयद्विगतवसुधरनवेलीपर ली-
 न्हीअनुहारहैसुखजजुगकेलीकी ॥ पुनिअधसुखीइंदीव-
 रकीकलीसीदीसी परीहैनिरीछीढीठियचिकैसहेलीकी ॥
 धिधिधिकटाच्छमौतिमैनसरपौतिपौति यनीऐसीअँखि-
 यौअनूपअलधेलीकी ॥ २४८ ॥ झूमतझुकतउझुकतफे-
 रझूमतहैं घूमिघूमिभूमिउठैकाजरतेकारेहैं ॥ ऐंड़ावल
 ऐंड़दारऐंड़तअड़तअति अगड़परतेनेकटरतनटारहैं ॥
 गहगहगुननगहीलेगरयोलेमहा श्रीपतिसुजानमैनपरम
 सुरारहैं ॥ पियप्रानप्यारेसयभौतिनमुधारेप्यारी लो-
 चनतिहारिकैधौंगजमनवारहैं ॥ २४९ ॥ भारेकजरारे
 दोऊकाजरमौलालहारे भँदुरमौंघीनेअतिराजतसुपथ
 के ॥ मतिजूकहनपौपैयहनौजैजोगटारि करतकटाच्छ
 गनिहोलहूअनयके ॥ पूनगीमहायनयिगजैआइनासि-
 कामु प्रीतमकेप्यारयेलियेहैंजगगयके ॥ मोहनकेमोह-
 नहैंमौहँनीमेलियेहैं नैनानेरेदोऊगजमानेमनमय

के ॥ २५७ ॥ अघलखरंगअंगसुंदरताजीनतापै काजर
 यरपाखल आपहाथसाजीहैं ॥ लाजहैलगामचितवनि
 तेजंगामचाल भृकुटीकुटिलतापैकलगीसुसाजीहैं ॥ पूत-
 रीसँवारिसुभलियेचाहचाबुकसी देखिकैकटाच्छुरीभये
 लालराजीहैं ॥ नाचैमुखकंजनकोधारीमैसुभारीअति
 प्यारीतेरेनेनमैनभूपतिकंवाजीहैं ॥ २५९ ॥ दीरघढरा-
 रेआछेढोरतनारैलागे कारेनहोतारेअतिभारेजेसुरंग
 हैं ॥ कहैकविगंगजनुदूधहीसोंधोयेपुनि कांयेधिकसित
 सितअसितदुरंगहैं ॥ पारदसरिसचोरधिरमैधिरकिजा-
 त तिरिछेवलतमानोकूदतकुरंगहैं ॥ खँचेनरहतअनुराग
 हूकैआगअर प्यारीजूकेनैनकैधौमैनकेतुरंगहैं ॥ २५२ ॥
 सोहतसजीलेसितअसितसुरंगरंग जोनसुचिअंजनअनू-
 पबिहेरेहैं ॥ सीलभरेलसतअसीलगुनसाजदैकै लाज
 कीलगामकामकारीगरफेरेहैं ॥ घूँघुटफरसतामैफिरत
 फधीलेफूले लोककविग्यालअवलोकिभयेचेरेहैं ॥ मोर
 वारेमनकेत्यौपनकेमरोरवारे त्योरवारेतरुनीतुरंगहृग
 तेरेहैं ॥ २५३ ॥ पलकैअमोलतापैधरुनीक्यालसत ला-
 जधारीकोरैपगपरमसुढंगहैं ॥ श्रीपतिसुकविलोनेपाख-
 रंघनेहैंकीने रचिपचिविधिनासँवारेसबअंगहैं ॥ जापै
 चढ़िहूपकेसुभटप्रेमराजकाज बिरहगनीमनसोंजीतलेत
 जंगहैं ॥ दिनरैनपियमनयोधिकामैनाचतहैं प्यारीतेरे
 नेनकैधौमैनकेतुरंगहैं ॥ २५४ ॥ भूपतिहैप्रेमलालढोरेहैं
 निसानतेहैं चंचलताचतुरतुरंगभीरभारीहै ॥ देखियेअ-

नकभांततइअसवारखर काजरसमोइकरीकोरसीसैंवा
 रीहै ॥ थरुनीबैंडूकनकीपैंतिसीलइहैपिय बिरहगनीम
 मारिवैंकोंपैजधारीहै ॥ सूरतसुकबिस्वच्छस्यामरेंगवा-
 गेवने प्यारीतेरेंनैननिमैनीकीअसवारीहै ॥ २५५ ॥ यी-
 धनप्रबाहतामैजलकोतरंगउठैं भौंहकीमरोरनसोंभौरम-
 तवारहैं ॥ घालमकीमूरतिमलाहमाक्तग्रैठिरही छूटेला
 डोरितेईगुनरतनारहैं ॥ पूतरीहलनिसोईपतवारीऊधो
 राम लाजयादवानपालबरुनीसैंवारहैं ॥ रूपकेसरोवरमेपैर
 पैरडोलतहैं अँखियेंनहोंइयंतोकामकेनिवारहैं ॥ २५६ ॥
 पाटलनयनकोकनदकैसेदलदोज बलिभद्रबासरउनीदी
 देखीघालमै ॥ सोभाकेसमुद्रमेहैआभायइयानलकी देय
 धुनिभारतीमिलीहैपुन्यकालमै ॥ कामकैवतंककैधौना-
 सिकाउडुपधैठयो खेलतसिकारतरुनीकरूपतालमै ॥
 लोचनसितासिनमेओहितलकीरमानो बाक्तेजुगमीनला-
 लरेसमकेजालमै ॥ २५७ ॥ आनदकेमंदिरमेकैधौ
 रुचिमानिककी कैंधौअनुरागलताअंकुरधिराजहीं ॥ कैं-
 धौरतिनाथजूकं हाथकीछुघीलीछगी जाकेइतमामतेंत-
 मामदुखभाजहीं ॥ कैंधौतरुनाईअरुनोदयकिरिनराजै
 तारेकारंघनचपलासीसुखसाजहीं ॥ लालमनवोधिचैकों
 गैलाउरंगडोरे कैंधौआलडोरितेरेनैननिमैछाजहीं
 ५८ ॥ कैंधौरूपसागरमैअँचयइयागिनकी धिरह
 लज्जलज्जल जियिकाहै ॥ कैंधौदलपंकजकैज
 ५९ ॥ कैंधौनेइदीपककीअरुनसिखासीहै ॥ गो-

रीतेरेनैननिकेबीचलालरेखेंतेतो रेखेंअनुरागहीकीप्रगट
 प्रकासीहै ॥ कैधौअनियारेअतिकारेबटपारिइन तारन
 कीफौसीपिपजियव्हैनिकासीहै ॥ २५९ ॥ आननकीदुति
 आगेचंददुतिमंदहोति ओठनकीपौतिपैपवारिछविवारी
 है ॥ उतरीहैंउरजपैआंगीसेतफयीखगी काननकनकम-
 निगरमालन्यारीहै ॥ ऐसीबालआजुलौंनदेखीनंदनंदन
 मैमैनमनमानिरुचिरतिकीविसारीहै ॥ लालडोरेनैन-
 निमैऐसेनीकैलार्गैमानों खंजनचपलफंदेकामफंदवारी
 है ॥ २६० ॥ तामरससोहैंतरुनीकेधरनैनधोर तामैत-
 मनिसाकीधसीठीमानोआयाहै ॥ कैधौअनुरागजाल
 डाखीमैनसैनसर गोलकहैंताके ताकोऐसोप्रायभायोहै ॥
 खंजनधरहैंमुखजंयूफलमेरेजान उपमानआननूरऐसो
 ठहरायोहै ॥ तरुनीकेस्यामतारेऐसेमैनिहारेलाल चं-
 दपैचकोरनहलाहलसोझायोहै ॥ २६१ ॥ फटिककेसंपुट
 मैसोईसालिग्रामसिला कमलदलनिपरभौरसेनिहारेहैं ॥
 मृगमदधिन्दुकैलसतप्रतिविंधकैधौ दीपतहगनपरक-
 ज्जलकेधारेहैं ॥ कैधौमरकतमणिमुकुतसुकुतपर कैधौ
 रतिनायकनेसायकविसारेहैं ॥ पियमनतारिचोंअव-
 तारेतारेभारे तरुनीकेधारमानोतरुनीकेतारेहैं ॥ २६२ ॥
 हरिननिहारिजकिरहेहियहारमानि धारिचरवारिजकी
 धानिकधिकतीहैं ॥ हातीहीततियपछितातीकरछाती
 दैदे धोरमनरंजनकेखंजनजमातीहैं ॥ दीयेकींसमानउ-
 पमानइनहगनकी कविनकेमनकीउकतिअधिकातीहैं ॥

प्यारीकेअनाखेअनियारहंछननछूछू तीछनकटाच्छनते
फटिकटिजातीहैं ॥ २६३ ॥

॥ पद्य मृकुटी वर्णन ॥

येधिनपनिधधिनकरकीकसीसधिन चलनहसारिय-
हजिनकोप्रमानहैं ॥ औखिनउदतआयउरमैकरतघाय
परतनदेखीपीरकरतअमानहैं ॥ यकअग्रलोकनकीबानि
औरइंधिधान कज्जलकलितजामेजहरसमानहैं ॥ तासों
वरयसवेधैमेरेचितचञ्चुलकों प्यारीतेरीभौहैंकैसीकहर-
कमानहैं ॥ २६४ ॥ सौरभसुगंधस्वासचंपकलीनासिका
को कैधौअलिऊरधतेंअघ्रानकरतहैं ॥ कैधौमुखचंदधखो
बाहनकुरहूकन्य जुघामरकतनिकोमनहोहरतहैं ॥ कैधौ
बलिभद्रभालकंचनकेभाजनमै दीपजुगनैननिकीकाजर
परतहैं ॥ भामिनीकीभौहैंकैधौकामकीकमानसोहैं जिनहै
देखिसीतिनकेप्राननिसरतहैं ॥ २६५ ॥ अमलकमलपैभै-
वरनकीपौतिजुग प्रेमकेतुलाकीसुभडौडीजोहियतहै ॥
कैधौमनिकंठहावभावकेयकीलयेहैं कामकीकमानपिय
मनमोहियतहै ॥ तनकमयंकअङ्गलोचनचपउगति ऊर-
धकीअञ्जनकीआड़रोहियतहै ॥ सोभारसभासनसिंगारर-
सआसनकी कैधौमनभौवतीकीभौहैंसोहियतहै ॥ २६६ ॥
कैधौरतिनायककीकुटिलकृपानकैधौ धिरहभुजंगमकेअं-
कुसविमलहैं ॥ कैधौवालअलिनकीअवलीललितलसैंरङ्ग
पियै नजनलहैं ॥ कैधौनैनचातिकपैऊनी
अंजुदकी लालमनछलिवेकीकैधौछलबलहैं ॥ कैधौ

भोरीभामिनीकीभृकुटीविराजैत्रंक कैधौंसिंगारवेलि
 हीकेदोऊदलहैं ॥ २६७ ॥ प्यारीरूपदेखिविधिहियमैसरेखि
 कछू लिखिवेचिसेखिसोकलमहाथगहिगो ॥ भागनतेंपूरी
 होउरूपअतिरूरीहोउ गुननकीकूरीहोउवैनऐसेकहिगो ॥
 संभुराजकहैभौहैंजानतेनरचीसो अजानहीमैएककछूऐ-
 सोबावबहिगो ॥ दासससिकरिवेकांकलमचलाईहोती
 चंदकीबड़ाईएकऔं कलिखिरहिगो ॥ २६८ ॥

॥ अथ भाल वर्णन ॥

रूपकीनदीमैपारपाइवेकोपारोहैकी कामकीअखा-
 रोहैकीरतिकोभँडारहै ॥ लाजकोमहलप्यारेमंडनकीऔं-
 खिनके पैठिवेकोपैंढोहैकिमेरससारहै ॥ राहूजानियार-
 नकेभारनढेरानोयातें चंद्रमाकोमानोअधखंडअवतारहै ॥
 यौयनकोद्वारकैनिकाईकोनिकार भोरीगोरीकोलिलार
 कैधौंसोभाकोसिंगारहै ॥ २६९ ॥ केसवअसोककीधौंसु-
 न्दरसिंगारलोक फनककेदारकीधौंआनदकेकंदको ॥ सो-
 भाकोसुभावकीधौंप्रभाकोप्रभावदेखि मोहेहरिरावसखि
 नंदनसुनंदको ॥ चमकतचारुचिगङ्गाकोपुलिनकैधौं
 चकचौंधैचितमतिमंदहूअमंदको ॥ सेजहैसुहागकीफि
 भागकीसभासुभाग भामिनीकोभालकीधौंभागचारुचंद
 को ॥ २७० ॥ चेंदीभानुतखतकेरूपकोबखतयह संभुरा-
 जलखतभँडारकामभालको ॥ आनदकोकंदकैधौंसरदको
 चंदलसै दामिनीअमंदकैकिनारोसुधातालको ॥ मोहि-
 वेकोजंत्रकैधौंकामरूकीमंत्र चिधिरच्योहैस्वतंत्रमनहरन

गोपालको ॥ अतिहीनिसालकैधौंजोतिनकोजालयह
 : प्यारीतेरोभालहैहरैयालालसालको ॥ २७१ ॥ करतउचा-
 टपाटमंत्रनकोमंत्रमनो ललितलिलाटतेरोहरतहियानहै ॥
 कालिदासविलसतसेंदुरकोविंदुचारु सुंदरगोविंदमनमो-
 हनजियानहै ॥ सोनेतेंसलोनेभालफलकमैसुंदरीके जग-
 मगोदियोलैतिलकसखियानहै ॥ राहुपैचलायोहैमयंक
 जमधरसोतो रहिगयोमेरेजानउरमैमियानहै ॥ २७२ ॥

॥ अथ चनक वर्णन ॥

सोनेसोसरीरतापैंआसमानीरङ्गचीर . अरैओपकी-
 नीरचिरतनतरौनाद्वै ॥ सांभनाथकहैइंदिरासीजगमगी
 वाल गाढ़ेकुचठाढ़ं मानोईसजुगमौनाद्वै ॥ कारीधुंधु-
 वारीमंदपवनभक्कोरलागें फरहरैअलककपोलनकेको-
 नाद्वै ॥ सोछविअमंदमानोपानसुधाधुंदकरि इन्दुपरखे
 लतफनिन्दनकेछोनाद्वै ॥ २७३ ॥ तैसीचखचाहनचलन
 उतसाहनसों तैसोविधिग्राहनधिराजतविजैठोहै ॥ तैसो
 भृकुटीकोठाटतैसोइंदिपैलिछाट तैसोइंपिलोकिथेकोंपो-
 कोप्रानपैठाहै ॥ कहैकयिनीलकंठतैसोतरुनाइंतामै जो-
 धननृपतिसोफिरतअँठोवैठाहै ॥ छूटोछटभालपरसोहै
 गोरिगालपर मानोरूपमालपरख्यालअँठिवैठाहै ॥ २७४ ॥
 आजुछरीछलनाछग्रहछतिकासीलोनी अह्ननतेंजाके
 नामालमगै ॥ २७५ ॥ खरीहोसरीवरपैलैकरसखीनगह
 ॥ २७६ ॥ गुभा ॥ २७७ ॥ अथ ॥ २७८ ॥ मोतिनकीमालचा-
 रुधुपैलरातनापै परीमुखऊपरनैलटमुकुमारहै ॥ मा-

नोसम्भुसीसपैनिहारगंगजूकोंमिलै चलीचन्द्रविंयतेक-
 लिन्दजाकीधारहै ॥ २७५ ॥ छोटीछोटीजुलफैद्वैओरन
 मरोरराखीं कैधौंमुखकंजमैमधुपअरुक्तानेहैं ॥ कैधौंच-
 न्दमरडलमैपीवनपिपूपआये नागिनकेछोनामृगमदल-
 पटानेहैं ॥ कैधौंकामकुञ्जरकेअंकुससुभगवने भूलिकैध-
 रेहैरैनिराजपहिचानेहैं ॥ कैधौंसिसुस्थामकेसिपाहीदो-
 जअैनखूनी खैंचिखैंचिखञ्जरयेकौनपैरिसानेहैं ॥ २७६ ॥
 निकसीससंकितकलङ्कुरेखछीनव्हैकै यदनससीमैहृगदेखें
 अटकतहै ॥ कैधौंअलिआलपौतिचलीथंकिंकंजडिंग अ-
 धरअमीकोंनागिनीसीछटकतहै ॥ पतिमिलिवेकोंभुज
 जामिनीपसारीकैधौं सौतिचितचाहकीचटकचटकतहै ॥
 नैननटनागरलकुटमनिकंठकैधौं कारीसटकारीप्यारील-
 टलटकतहै ॥ २७७ ॥ देखेंमुखचन्ददुतिमन्दसीलगतअ-
 ति लोचनबिलांकेमृगसावकसरफहैं ॥ सोनेकैसेपातगा-
 तदेखतलजातजात मैनकानकहीजातरूपकीतरफहैं ॥
 मोतीमोरवेसरकोलसैलालओठनपै जैसेमनिविंयडिंग
 युन्दनधरफहैं ॥ अतरनभीनीलटलटकैकपोलनपै मानो
 धिविआरसीपैफारसीहरफहैं ॥ २७८ ॥ हृगमीनधाक्षि-
 वेकीवंसीयंसचीहैंकैधौं नागिनवचोसीपीवैंअमृतअमन्द
 हैं ॥ प्रेमकेकपाटखोलिवेकीअंकुसीहैंकैधौं कैधौंयंप्र-
 शादमनफांसिवेकेफन्दहैं ॥ रूपकेजहाजबीचलङ्गरलगे
 हैंकैधौं मोहनीमहलपरलसतकमन्दहैं ॥ चन्दकीचट-
 कपरराहुकीसटकैधौं रहीहैंलटकिलटप्यारेकेपसन्दहैं

॥ २७९ ॥ सरससिंगाररससारहीकीधारयह . अंकहीकी
 राजनिमयदुमोड़दारीकी ॥ सीसफूलसीसपैदिनेसमार-
 तण्डताकी सूछमसुताकीरुचिराजतपनारीकी ॥ चींटी
 चारुचित्रितसुहागिनीकीभागभरी लटकीमयूरमुखना-
 गिनहैकारीकी ॥ केसहीकीहलकझलकझलकतलसि.ल-
 गतिनपलकअलकप्रानप्यारीकी ॥ २८० ॥ सरससुगन्ध
 घालिसीसतेंअन्हायबाल रोरीबिन्दुभालकीबिसालछ-
 बिजोईहै ॥ धारीसेतसारीसोकिनारीजरतारीकीर रसि-
 कविहारीप्यारीसुखमैसमोईहै ॥ भीजीलटैलौथीआय
 चिपटीउरोजनपै हेरियहउपमाअनूपउरगोईहै ॥ सी-
 तभीतआतपमैमानोगिरिजपरयों ठीरठीरपक्षगीपसार
 पोंछसोईहै ॥ २८१ ॥

॥ अथ पाटी वर्णन ॥

कैधौंवेनीपक्षगीकेफनदुहूँओरकैधौं मृगहृगरोकिवे
 कीरूपभूपघाटीहै ॥ मुखविधुतानेहैबितामजुगमेरेजान
 कमलनऊपरसिवारनकीटाटीहै ॥ कैधौंकरतलरसरारा-
 खेमाथेदोज दीपतिदिनेसतातेंललितलिलाटीहै ॥ एरीआ
 गेमोहनमयूरसेनिरखिनाचै घनपटलीकीपरिपाटीतेरी
 पाटीहै ॥ २८२ ॥ रातेसेतफलनकीउलहीललितपौति कै-
 धौंचारुजावनमहीपतिकीघाटीहै ॥ कालिदासआसपास
 विलसैसलोनीश्याम कैधौंकामकुटिलबहलियाकीटाटी
 है ॥ एरीमृगनैनीहरिमनभटकायवेकों कैधौंपाटपूरिवे-
 नीघाटहीकीघाटीहै । प्रेमरसपाटीसोहैप्यारीतेरीपाटी

कैधौ चारुवरमंत्रवीजयोइवेकीघाटीहै ॥ २८३ ॥ कैधौ
रसनायकचिह्नमकेजुगपच्छ कैधौप्रतिपच्छसौतिजनके
समोदके ॥ कैधौतमपूरिद्वैकलाधरतेछप्योआय कैधौ
विप्रवालकदिवाकरकेगोदके ॥ पसरामकैधौस्यामवेदके
अनूपखण्ड कैधौकामनटकेखिलौनामनमोदके ॥ पाटी
केयिभागसोहैंपियकेअठलभाग नीरभरेमानोचारुपटल
पयोदके ॥ २८४ ॥ कारीनीकीनिपटसँवारीनेहचिकनाई
सनिचनधारीकीयनीहैमेमपथकी ॥ वसनलपेटिकरमुर-
लीमुकुटधरि डोरीकरिजगत्तमनोरथकेरथकी ॥ नूरचो-
पनिपटहैताकेयलिगयोमन तहींकोमयोहैतानंगावैताके
गंधकी ॥ चढ़ तोचढ्योहैघाटपावैनाउतरिवेकी प्यारीत-
रोपाटीकैधौघाटीमनमथकी ॥ २८५ ॥

॥ अथ भाग वर्णन ॥

॥ पहिलेहीललनानवेलीअलथेलीरची रचनासिमंतकी
सहेलिनकेसङ्गहै ॥ कालिदासकैसीपाटीपारतयनीहैयनी
अलकैअनूपघनोत्रंदनकोरङ्गहै ॥ देखिमनसुंदरगुचिंदकां
मगनभयां कैसीयनिआईमनमोहनीकीमङ्गहै ॥ छैचल्यां
दुसाखाजनुदीपकजगायवेकीं जोवनतमोपतिकेआगेहूँ
अनङ्गहै ॥ २८६ ॥ रेसमरसमसमसिररुहसुंदरीके सघन
घटाकीस्यामताईअहटातहै ॥ तापैंदुहुंओरकरतऊनसँ-
वारिपाटी पियमनपारिवेकीघाटीदरसातहै ॥ गुन्यित
गुननिगजमोतिनसँवारीभाग ताकीउपमाकींमतिमेरी
अकुलातहै ॥ तमकचमकतमपुंजकेचमूनचीर मानोचा-

रुचंद्रमाकीचीकीचलीजातहै ॥ २८७ ॥ तमकेविपिनमें
 सरलपन्थसात्विकको कीधौनीलगिरिपरगङ्गाजुकीधार
 है ॥ कैधौवनंवारीवीचराजतरजतरखं कैधौचंदकीन्हो
 अन्यकारकोप्रहारहै ॥ मापतसिंगारभूमिडोरीहास्यरस
 कीकि बलिभद्रकीरतिकीलोकसुकुमारहै ॥ पयकीपसा-
 रचनसारकीअसारभाग अमृतकीआपगाउपाईकरतार
 है ॥ २८८ ॥ पाटिनमेंमागसोहैउपमाकहैसोकाहै ताते
 एकहिघंघीचउपचारकांन्होहै ॥ यदनसरोवरमेंगालकंग-
 डारेसोत नितरूपजलयद्विजोवननवीनोहै ॥ नथजलभ-
 रिकैसरोवरउछरियुग कानकुंडउक्तिकैकूपपूरिलीन्होहै ॥
 नेहोहैप्रवाहचल्योउचटिजोमैनमाली ताहीलैसिंगारवा-
 रोमाहिकाटिदीन्होहै ॥ २८९ ॥ दुतियाकोचंदकीधीतमके
 पयोहैपाले कैधौघेनीनागजीमसुधाकोनिकारीहै ॥ कै-
 धौरतिकामदोऊक्तंगरिकेआपुसमें मुखभूमियाँटिहेमसी-
 मायोचहारीहै ॥ कैधौप्रेमतीलियेकीढैंढीसीयनाइंविधि
 कैधौचंदकोपिराहुपरचोटमारीहै ॥ कैधौमुधाधारचली
 नागिनकेआननते कैधौमागनागरीकीसखिनसुधारीहै
 ॥ २९० ॥ तामसीनमोगुनकोजानिकैसतोगुनधीं रूपेकी
 मलाकानामुऊंपरचढाईहै ॥ कैधौजगजोतकामसोगस-
 दलीपैधरी कैधौमुधाधारराहुमदनमेंआईहै ॥ कैधौका-
 ऊरिपिताकीमनसाहैमेरेजान होमधूममध्यमानोआनि
 उरकाईहै ॥ नूरकहैनिपटजयोनहोतलाहमेरो प्यारीसि-
 रनीसीमागमोहनाथनाईहै ॥ २९१ ॥ निपटनयेलीयाह

सुधरसहेलीलाल रचिपचिसीसमागसुंदरवनाइंहे ॥ इंगु-
रकीचहकारीसीधीलीकलहकारी ताकीदुतिदेखिनूरउप-
मासुपाइंहे ॥ दुहंओरपाटीमानोयमुनाकीछविठाटी
ताकेधीचसारदाकीधारसीसुहाइंहे ॥ स्यामघटामध्य
मानोविज्जुछटाकीसीरेख कैधींस्यामगिरिपरधूदिपांति
छाइंहे ॥ २९२ ॥

॥ पद्य मोसफूल वर्णन ॥

अंगअंगभूपनजराऊकंजगमगात चीकीचमफतिछ-
विछाजैभालगंडकी ॥ सारीजरतारीकीकिनारीसुकुमारी
कीहै पसरीकिरिनरुचिराजतप्रचंडकी ॥ भागकंतखतधै-
ठयोसोहतसुहागताकी छत्रहैछथीलीलटलागेदुतिदंडकी ॥
सीसफूलसीसदेसराजतदिनेसकेस घनघनऊपरउदैज्यों
मारतंडकी ॥ २९३ ॥ कैधींस्यामघनमैप्रकासहैप्रभाकर
को कैधींअंधियारीरेनिमध्यआभाइन्दुकी ॥ कैधींगुरु
गिरिकेसिखरआनिदीयाधरयो यमुनाकेजलपरफैंहैंअ-
रविंदकी ॥ कालीकेकपालपरकेसयकोपदुमपद पन्नगके
माधेकैधींमनिहैफनिंदकी ॥ तेरेमीससीसफूलऐसीसोभा
देतआली मानिनीकेपैंपैपरीमूरतिगोविंदकी ॥ २९४ ॥
जगरमगरहोतजमुनाकेजलकैधीं कोकनदकमनीयपूर-
नप्रपन्निकी ॥ सुकधिरतनकैधींराजतरतनधर कारीकुं-
डलीसीफनिऊपरफयनिकी ॥ कैधींसुरभानुपरभानुभोर
होकोकैधीं लग्योभीमतरदेतअनुपयतरनिकी ॥ कैधींप्रा-
नप्यारीकीसैंधारिपारीपाटिनमें सोहतसुभगसीसफूल

लालमनिको ॥ २९५ ॥ सीससीसफूलसोहीत्रिमुयनमनमोहे
 उपमाकांकविटोवैद्यनतनयानको ॥ कंचनघटितमनिमा-
 निकजटित लागेस्यामसेतपीतनगग्रिग्रिधग्रिधानको ॥
 प्यारीकीसँवारीपाठीरुचिरअनूपकारी नूरमतिअनुसा-
 रीज्ञानअनुमानको ॥ स्यामगिरिधरपरप्रधलप्रचंडकर
 मेरेजानप्रातहोउदोतअंसुमानको ॥ २९६ ॥ यादररसालप-
 रदामिनोकोख्यालकैधौ चंपककीमालसीलसतबालला-
 लपै ॥ रतिकेमुकुरपैभुअंगिनिउसतिकैधौ कैधौकारीलट
 लटकतगोरेमालपै ॥ द्विजराजश्रीपतिरसिकमनिसीसफूल
 उचकिउचकिकैपरतआलेभालपै ॥ मेरेजाननखतसमेत
 रविनटवर प्यारीहालीभरिनाचीकालीकेकपालपै ॥ २९७ ॥

॥ अथ दोस वचन ॥

कारेसठकारेफटकारेचटकारेनेकु धूपदसँवारेसुखमा
 समूहबसिगो ॥ फोकिलाकुहूकीसोदुहूफोकियोमैलीमन
 कासीरामभौरनिकोभावनीकेनसिगो ॥ सायनकेघनघन
 सघनतमालतरु तरनितनूजाताहिहेरिहियोहँसिगो ॥ ते-
 रेतररूपकीतरङ्गिनीतरनमम पैरियारपारनसेवारनिमै
 फसिगो ॥ २९८ ॥ कारेकजरारेसठकारेघुँघुवारेप्यारे मनि
 फनिधारेभौरपायनलैंऊटेहैं ॥ यासेहँफुलेलतैनरममख-
 तूलऐसे दीरघदराजध्यालध्यालिनलैंजूटेहैं ॥ यासीरा-
 मचारुचौरयमुनासिधारवारिं ऐसीस्यामताईपैगगनघ-
 नलूटेहैं ॥ छाइजैहैतिमिरग्रिहायरनिआइजैहै फारि
 वौघिअजहूँसँभारधारलूटेहैं ॥ २९९ ॥ गरकिगुलाघनीर

चीरसोलपटिकरै आपअङ्गरङ्गरैगेआभाअतिअगरे ॥
 जावकजयानमिलिछाजतछवानछवि जिनकीदधानव-
 नभौरहाहिडगरे ॥ मृगमदकज्जलकलिन्दीतमधमधार
 कासीरामवारिवेकोंऔरस्यामसगरे ॥ नैनपाइवेकोफल
 हानदेरीपूरो मतयेधिप्यारीजरोतूरहेदैवारवगरे ॥ ३०० ॥
 रसमलछारेरसराजरैगिडारेतिन्है उपमासुधारेसोहैमति
 नगुनीनके ॥ प्यारीतेरेबारभरेजानहैरचेविरांचि संचि
 करिकारेरंगसकलदुनीनके ॥ देखिकैसिमंतवंतधिधुरेस-
 नेहवंत धुद्वियंतकेसेरहैगुननगुनीनके ॥ लतस्यामताई
 फालकूटहूकीआइपुनि ताकीप्रभुताईमनमोहतमुनीन
 के ॥ ३०१ ॥ लैंवेसुललितलहकारेसटकारेकारे कंचनके
 खंभफैलेपक्षगकुमारहैं ॥ मधुकरभारमखतूलकैसेतारकैधौं
 मरकतमनिछपिदारतमधारहैं ॥ राजैमनिकंठरसराजके
 कुमारकैधौं सुखमासरोवरकेसुधरेसिवारहैं ॥ अंजनके
 सारपियमनकेहरनहार कैधौंयालबीलीकेछथीलेछूटेया-
 रहैं ॥ ३०२ ॥ लैंबेलहकारेसटकारेसुकुमारकारे मृगमद
 धारेमखतूलकैसेतारहैं ॥ तमकेनिवासकैधौंतामसप्रकास
 कै सिंगारकेतरोवरमैसुधरेसिवारहैं ॥ मारसिरमौरकैमु-
 थारकयेभौरकीधौं चातुरीकेचोरमनिमंचककेसारहैं ॥
 ससिकेसमीपकैधौंराहुकीरसनसोहै नागिनकेवारकैसुहा-
 गिनकेग्यारहैं ॥ ३०३ ॥ मरकततारकैधौंकालीकेकुमारकै-
 धौं तमगुनहारकैधौंलतिकासिंगारहैं ॥ कुहूकीकिरिन
 धारकैधौंकोपकलाचार सनिकीकतारकैधौंउठीधूमधार

हैं ॥ स्याममखतूलतारसोभितसिवारकैधौ चमरासिंगार
 कैधौमोहकेपसारहैं ॥ खैंचिमृगमदसारडोरीघटीकैधौ
 मार मारअवतारकैधौदारतेरेंधारहैं ॥ ३०४ ॥ कैधौकर
 तारतारसरससिंगारहीते कीन्हेहैनिकारतातेसुखमोज-
 पारहैं ॥ कैधौमारपटहारनिरवारैझारझार सोईमख-
 तूलतूलसोभितसुधारहैं ॥ सुखकेउदाररूपतारकेसेवारकै-
 धौ कीधौतापकान्हरकुमारजूकेप्यारहैं ॥ सटकारसुकु-
 मारमनकेहरनहार कीधौयेजरघदारदारतेरेंधारहैं ॥ ३०५ ॥
 जोयनसरोवरकेकोमलसियारमूल कामतनतूलमखतूल
 कैसेतारहैं ॥ पंचसरसिन्धुरकेस्यामचौरभौरकीधौ कैधौ
 सरसहजसिंगाररससारहैं ॥ मायेमारमरकतमनिकेमयूप
 कीधौ कीधौधरेचंदपरतिमिरकोंधारहैं ॥ लैंधेलैंधेजा-
 मेज्योतिखताकंथितानकैधौ कैधौस्यामधरनछग्रीलेछूटे
 धारहैं ॥ ३०६ ॥ मरकतसूतकैधौपद्मगकेपूनकैधौ राजत
 जभूततमराजकैसेतारहैं ॥ मखतूलगुनग्रामसोभितसरस
 स्याम काममृगकाननकेकुङ्कुमारेहैं ॥ कोपकीकिरिनि
 कैधौनीलनलिनिकेतंतु उपमाअनन्तचारुचैंधरसिंगारहैं ॥
 कारेमटकारेभीजेसोंधेभीमुगंधग्राम ऐसेथलिभद्रनयभा-
 लानेरेधारहैं ॥ ३०७ ॥ कोमलकुटिलनीलमनिकोमिरासे
 चय यिमलयिमालधारुचीकनेनगरिके ॥ सुंदरउदारकण
 नूपुरलैंनानिलागे उनपेमघनमानांगुणमामोंभरिके ॥
 ३०८ ॥ गोपायडोलैं मोहनदिनेसमनमो-
 कैं ॥ भौरनदेभौरमखतूलनकेनारदेगे होतनि-

सिधारछूटेवारयेकुंवारिके ॥ ३०८ ॥ सोंधेसुकुमारकेसिवार
 तंतुतारकीधौ मेचकचैवरचारुकामनरनारिके ॥ कैधौमा-
 याजलजोगजामीमरकतभूमि मनअभिलापउखरसेरस
 वारिके ॥ निधिनोलमंजरीमयूपप्रतिबिंबकैधौ सुंदरवि-
 सदस्यामलेंधंसमतारिके ॥ तमोतमतारकेअगारधूमधार
 कैधौ छूटेवारवारधूपभानकीकुमारिके ॥ ३०९ ॥ कैसेहैं
 सिवारजैसेस्याममखतूलतार कैसेहैंसुतारजैसेअहिकेकु-
 मारहैं ॥ कैसेहैंकुमारजैसेमोरपखवारकहि कैसेपखवारजै-
 सेअलिनकेडारहैं ॥ कैसेहैंसुडारजैसेकामचौरवारवार क-
 हिकैसेचौरवारजैसेसघनसुधारहैं ॥ कैसेहैंसुधारजैसेखो-
 डससिंगारकहि कैसेहैंसिंगारजैसेप्यारीतिरेवारहैं ॥ ३१० ॥

॥ अथ बेनी वर्चन ॥

लैंबीलहकारीअतिकारीसुकुमारी सखियाँननैसुधा-
 रीमत्तमधुपकीसेनीहै ॥ डारतकलंकहिकलानिधिनचो-
 रिकैधौ कैधौमनधीरजयिदारियेकीछुनीहै ॥ नागरिस
 नालमुखकंजसीलगीहैकैधौ कैधौकारीनागिनिनिपटसु-
 खदेनीहै ॥ कीनोतमपानकीतमोपतिकेपाछेपरी कैधौ
 अंधकारधारकैधौयहंचेनीहै ॥ ३११ ॥ लैंबीलहकारीबहु
 पेचनकीभारीऔर गरकसोंधेसारीसोन्यागीअतिफोक
 की ॥ वरनोकहौलौआपमदनकीतोपकैधौ इन्द्रकरि
 कोपतररानीएकओककी ॥ नटुवाकीसाटिकैधौआलम
 सुधाययेकी कहौलौवखानोहौपढ्योनविधिकोककी ॥
 नागिनकैतिमिरछपाकरमैछायरह्यो कटिपरचेनीकैनि-

सेनीसुरलोककी ॥ ३१२ ॥ कैधौमुखकमलचलोहैअलि-
 मालमिलि कैधौकामभूपकीकृपानिहरलेनीहै ॥ चाखन
 अधरअमीचदीनवनागिनीसो मुरवानिरखिरहीआधे
 मगगैनीहै ॥ कैधौलालसीसफूलसूरजसुताकीधार कै-
 धौरसरासनदीजातिअतिपेनीहै ॥ पावसकीरैनीनैनचा-
 तकनंदनीसुख कैधौमृगनैनीकीयनायगुहीबनीहै ॥ ३१३ ॥
 नीलमनिमईमनमपकीनिसेनीकीधौ मधुकरश्रेनीहेमल-
 तासौरसतिहै ॥ हाटकबटीतैकैधौकज्जलकीधाराधसी
 पीठिपरपाछेकीधौजनमरसतिहै ॥ कैधौछविछायाहै
 छपाकरकेमध्यकीधौनागवधपीछेआनिपगपरसतिहै ॥
 लालसेतगुनगुहीसघसुखदेनीकीधौ येनीदृगएनीकीत्रि-
 येनीदरसतिहै ॥ ३१४ ॥ कंचनकीपाटीपरफाजरकीधार
 मानो रूपमालऊपैअलिमाललटकतिहै ॥ कैधौरतिना-
 यककेपीठपैसिंगारलोक देखिकथितानकीसुमतिअटक-
 तिहै ॥ श्रीपतिभनतकैधौकेसरिकेखंभपे सदंभभईमर-
 फतलरीछटकतिहै ॥ कारीलहकारीयेनीपीठिपैसजति
 मानो रंगारङ्गपाटीपेभुजहोसटकतिहै ॥ ३१५ ॥ धारन
 कीरथनारथीहैमानप्यारीएरी भलीतेरीपूरयजनमकछु
 देनीहै ॥ पीठिपरमोहतयोसुपरनभूमिपर दीनीधौसिं-
 गाररूपरमकोधलेनीहै ॥ चिन्तामनिमानोअङ्गसहजसु-
 यामजाम कनकलनामैउपटानीअलिखेनीहै ॥ माल-
 सीकेकलनललितलालगुनगुंयी येनीमोडसतिमगनैनीति-
 रायेनीहै ॥ ३१६ ॥ चंदनचदायचारुकुंकुमलगायपीछेकी-

धै।निसिनाथनिसिनेहसोंदुराईहै ॥ कीधैयंदीबंदनछि-
 रकिछीरसापिनिसी अलिअवलीसमीपसुधासुधिआईहै ॥
 केसोदासहासरसमिलिअनुरागरस सरससिंगाररसधार
 धराधाईहै ॥ मेलिमालतीकीमाललालढोरीगोरीगुहि ये-
 नीपिकयेनीक्रीत्रियेनीसीधनाईहै ॥ ३१७ ॥ कैधै।ससिका-
 लिमाउतारिमेलिपाछेधरी कैधै।अंधियारीकारीनागिन
 केकूलकी ॥ कैसीकरधारकीधै।कुहूकीकुमारकीधै। कालिं-
 दीकीधारकीधै।सुधारसमूलकी ॥ आननमैअंयुजअसि-
 ततननागिनसी मनिसीयिराजैमाथेसोभासीसफूलकी ॥
 रङ्गरूपरेनीधनस्यामसुखदेनीकाधै। अलिकुलश्रीनीसोहै
 येनीमखतूलकी ॥ ३१८ ॥ धनीनययालकीबनायगुहीय-
 लिभद्र कुसुमअरुनपाटमनमोहियतुहै ॥ कारीसठकारी
 नीकीराजतिनितंधनिपै पन्नगकेनारिनकीदुतिदहियतु
 है ॥ सात्त्विकसिताईअसिताईतेजतामसकी राजसरिताई
 मिलिरूपरोहियतुहै ॥ त्रिगुनवपुषधारधिभुवनजीतिवेकों
 मानोमहामायाकोसरूपसोहियतुहै ॥ ३१९ ॥ मोहनीके
 अजिरमैपरीकैधै।खेलिवेकी मारछोहराकौछरीचितअ-
 धरोहिये ॥ फनकलतापैहूकैलख्योहैकालीकैधै। चांदिनी
 केपीछेतमपुंजधरजोहिये ॥ सुखमात्रिधामकीलगीहैपा-
 छेरसराज तामैकैधै।कालिकाकोरूपमनमोहिये ॥ मान
 गृहहेमपाटपैधै।मरकतश्रीनी कैधै।गोरीपाटीपरचोटी
 चारुसोहिये ॥ ३२० ॥ पीठितनताकतहोदोठिडसिलेतफे-
 रि फैलिकैयिपमयिपरोमरीमछावतो ॥ दिनकर्मऐसे

हालकेतनकेहोतेतब एतेकीऊगारुडो कहैं। तेंदूँदिलावतो ॥
 ईस्वरदुहार्डजोपेहोतीयाकेऐसीव्याली कालीकोनयैया
 कान्हकाहेकोंकहावतो ॥ मुरिमुसकानिमंत्रजानतीनराधे
 तो यायेनीकंडसनब्रजवसननपावतो ॥ ३२१ ॥

॥ भय जूरा बर्चन ॥

कैधौनागगिंदुरीदैफनउकसायवैठ्यो कैधौकामऔ-
 कुससँधारिवेकोपूराहै ॥ कञ्जनकोगुटिकासोपाटीपारिवे
 फोंराख्यो कैधौंसालिग्रामकोअनूपरूपसूराहै ॥ कैधौं
 सनिकरततपस्यातीरकालिंदीके वृंदाकीसोफलदेखियत
 मनकराहै ॥ चीकनोचटकचटकारोकारोस्यामहूतें ऐसो
 सीसप्यारीकंधिराजमानजूराहै ॥ ३२२ ॥ अचरजकला
 कलाधरराखीपीछुकैधौं कैधौंसुरभानुजानिकरघैरको-
 ध्योहै ॥ कैधौंकंजकोसदिंगअलिपुंजगुंजरत मंजुलमनो-
 जमृगजानिसरसैं। ध्योहै ॥ कैधौंअहिकारेलहकारेतलहर
 वार सुधाकरजानिकैनवीननेहनाध्योहै ॥ चीकनेचिकु-
 रधारुचहचह्योजूरोरवाम ऐंठिग्यैठिलटनिलपेटमनयै।
 ध्योहै ॥ ३२३ ॥ कैधौंपुरहूतयारीवाटिकाकोनारियर दे-
 रिनोपअदभुनलायतजहूराहै ॥ कैधौंयहकरतारधारिको
 भटाउदार कैधौंकामग्रामग्रामछियिकोकैंगूराहै ॥ कैधौंनो-
 लकंजकीकलीहैरूपनालहीकी चालकोयदनआगेतैसांघि-
 धुपूराहै ॥ मूराहैगदराकैसिंगारहीकोकूराकीधौं भार
 कामदराकोधौंप्यारीतेरोजूराहै ॥ ३२४ ॥
 इति श्रीमद्भारमुधाकरनमामिमवर्णनोनाम प्रथम मयूपः ॥

॥ अथ आलंबनविभावनायिकालक्षणं ॥

दो० । मनमनोजयसहोतहाठि जाकोनिरखतरूप ।

ताहीतियकोनायिका धरनतसुकविअनूप ॥ यथा॥

लाजभरीभागभरीसुंदरसुहागभरी रागभरीरतिमैपि-
याकीसुखदायिका ॥ राजैरतिरूपखरीसीलभरीसोभित
है गुनगनआगरीकरतिहायभायिका ॥ भीनकधिकहृत
बिलोकतहीजासुअंग प्रगटैअनंगरसरासिउपजायिका ॥
घैनमनभायिकामनोरथसहायिका सुचितचोपचायिका
घखानैताहिनायिका ॥ १ ॥ जगरमगरजरबाफियैबस-
नसाजें जंघरजराऊभकृऊलकप्रमानकी ॥ अंगअंगरंग
रंगअमलतरंगमई अमितउमंगहेनऐसीओपआनकी ॥
ठांकेरनिहारीधरधनकविनोदधारी भारीभीरसोहैसंगसु-
दरीतियानकी ॥ भलीभीतिकरतिप्रकासितगलीहैयह आ-
यतिचलीहैसांललीहैप्रपभानकी ॥ २ ॥ आईधरसानेतें
घुलाईप्रपभानसुता निरखिप्रभामप्रभाभानुकीअथैग-
ई ॥ चकिचकथानकेचुकायेचकचोरानिसों चौकतचकोर
चकचौंधीसीचकैगई ॥ नंदजूकेनंदनकेनैननिअनंदमई
नंदजूकेमंदिरनचंदमईछैगई ॥ कंजनकलिनमईकुंजन
अलिनमई गोकुलकीगलिननलिनमईकैगई ॥ ३ ॥ फ-
टिकंसिलानिसोंसुधाखोसुधामंदिर उदधिदधिकैसीअधि-
काईउमगैअमन्द ॥ भीतरतेंबाहिरछौंभीतिनदिखाईदे-
त दूधकैसोफेनफैल्योआंगनफरसवन्द ॥ तारासीतरनि

तामैठादीक्षिलिमिलिहांति मोतिनकीजोतिमिलिमहि
 काकोमकरन्द ॥ आरसीसेअंबरमैआभासीउजारील
 प्यारीराधिककेप्रतिविंबसोलगतचन्द ॥ ४ ॥ चारुचौं
 दनीमैसाजिसोनेकेसिंघासनपै घैठीपैन्हिपरमपोसाक
 जरतारीकी ॥ जटितजवाहिरातजगरमगरसाजे जेवर
 तमामहतमामअधिकारीकी ॥ पानखातिपंखाहीतहंस-
 तिसखीनसंग दूरखरीपौरिपासपौंतिप्रतिहारीकी ॥ चा-
 होचलिचाहीचोरीचोराचौंधिरैहीचाहि ठाकुरठसकठकुं-
 राइनहमारीकी ॥ ५ ॥ छूटेछएछवालीछधीलेधुधुवारे
 धार खंजनसेलोचनबदनसुधाधरसो ॥ पीनकुचछीन
 लंकनिधिद्वनितंयनाभी त्रियलीजघनमहामोहनीकेघर
 सो ॥ पंकजसेपानिपौंयैवेलीसीभुजाहैंजापै द्विजजूगोरां-
 ईकोधुमद्विघनधरसो ॥ चाहनसोंपोंइनकेपासहीरहोगे
 जहैं। राधाठकुराइनकोरुपरंगदरसो ॥ ६ ॥ लगतसमीर
 लंकलहकैसमूठअंग फूलसेदुकूलनिसुगंधप्रियुख्योपरै ॥
 चंदसोपदनमंदहैं। सीसुधाधिंदु अराधिंदनमुदितमकरंदन
 मुखोपरै ॥ ललितलिलारश्मकलकअलकभार मगमै
 घरतपगजायकधुख्योपरै ॥ देवमनिनूपुरपदुमपददूपरद्वै
 भूपरअनूपरंगरूपनिधुख्योपरै ॥ ७ ॥ चंद्रप्रतिधिंयऐसो
 जानिपरैजाकेआगे। नायछप्रिआननअनूपप्रहरानीके ॥
 लोचनकुरंगजलजातमीनसंजनके रंजनरसोलेमदमंज-
 नप्रधानीके ॥ औरसबअंगकीनिकाइंमैकहैं। लीकहीं पा-
 यनकीजोरकीनराधाठकुरामीके ॥ प्यारीकेचलतऐमेउ-

सतधरामैजैसे पाँवड़े परतहैं यनातसुलतानीके ॥ ८ ॥ छ-
 हरेछथीलीछटाछूटिछितिमंडलमै उमगउजेरीमहाओज
 उजयकसी ॥ कधिपजनेसकंजमंजुलमुखीकेगात उपमा
 दिखातकलकुंदनतबकसी ॥ फैलीदीपदीपनलैंदीपति
 दिपतजाकी दीपमालिकाकीरहीदीपतिदबकसी ॥ रहति
 नतायदेखेंमुखमहसाय जयनिकसीसितायमहतायकेभ-
 भकसी ॥ ९ ॥ आजुमुखचंदपररोचनरुचिरभाल कौन
 ब्रजचंदकीबिकायनिसितायकी ॥ छाजतिछथीलीछवि
 धरनीनजातिमोपै हरिनीहितुजनकेहियकेहितायकी ॥
 रतिकीनरंभाकीनसधीउरबसीहूकी धारियारिहारियत
 उपमाकितायकी ॥ गालियगुलायकीनपंकजकेआयकी
 रहीनआफतायकीनतायमहसायकी ॥ १० ॥ जोयनउज्या-
 रीप्यारीबैठोरंगरावटीमै मुखकीमरीघोमोंदरीचीबीच
 फलकैं ॥ भूधरसुकधियैकीभौहैंमनमोहैंखरी खंजनसी
 ओखैंग्रनोसुमनसीपलकैं ॥ सीसफूलयेनोयेंदीधीरीऔर
 बंदनकी चंदनकेचरचाकीधारुछविछलकैं ॥ कोरधारी
 चूनरिषकोरधारीचितवनि मोरवारीब्रेसरिमरीरधारीअ-
 लकैं ॥ ११ ॥ सुधरेसँवारिवारसंदुरसोंमागभरे सीसफूल
 जोतिसप्रजोतिनतेंआगरी ॥ सारीजरतारीकीपैंकिरिन
 किनारीभाल रोरीआढ़धिंदियाजटितरहीलागरी ॥ षड़े
 नैमंछोटीनधगोरेमुखपानरख्यो मेहँदीचुयतदयानिधि
 अनुरागरी ॥ गरधगहेलोछबिपाँयनतेंपेछाँदेखु हेलीया
 नयेलीअलयेलीकोसोहागरी ॥ १२ ॥ कुन्दनसेअङ्गनयजो-

घनसुरंगठठै उरजउतंगधन्यप्यारोपरसतहै ॥ सोहतकि
 नारीघारीतनसुखसारीदेय सीससीसफूलअधखुल्योदर
 तहै ॥ येँदियाजराऊयहँ मोतिनसोंतीकीनय हँ सतितस
 ननिमैरूपसरसतहै ॥ गोरीगजगोनीलीनीनयलदुलहि
 याके भागभरेमुखपैसोहागयरसतहै ॥ १३ ॥ भूपनज
 रायनकेपौचनअनोटओट कंचनअनूपरूपसँचेहीकीठ
 रोसी ॥ घूंघुठपायलपरजेहरधिराजैऔर छाजैछुद्रघ
 टिकानिहारिमतिहारीसी ॥ कंठकंठमालमाथेअँदीला
 लालकीहै भालकीदिनेसदुतिदेखेंलागैतारीसी ॥ मनिम
 यघारीनखसिखउजियारीनिसि कारीनीलसारीजगमग
 तदियारीसी ॥ १४ ॥ सुंदरसुरंगनैनसोभितअनंगरंग अंग
 अंगफैलततरंगपरिमलके ॥ धारनकेभारसुकुमारिकोल
 चतलंक राजैपरजंकपरभीतरमहलके ॥ कहैपदमाकरबि
 लोकिजनरीझँगाहि अंधरअमलकेसकलजलधलके ॥ की
 मलकमलकेगुलायनकेदलकेसु जातगड़िपायनधिछीन
 मखमलके ॥ १५ ॥ हारहीकेभारउरभारनासँभारैनागि
 अलपअहाररसथासकोअहारहै ॥ सीरितेंचिरातितार्तेंता
 तीव्हेव्हेजाति डोलैपीनकेपरसप्यारीपानकैसोहारहै ॥
 कहैकविआलमनरतिहूनरंभाहून मैनकाघृताचोऐसीरूप
 कीअपारहै ॥ धानकविचित्रओनचित्रमैनऐसीकोऊवि
 प्रलिखिपूतरीजिआईकरतारहै ॥ १६ ॥ नाइननघेलीलाई
 पाइनकीजायकरयो एहीसुखदाइनकुसुमरसऊपरत ॥
 केसरगुलाबसानिआन्योआलीलेपनसो तनतनकाहूपैन

परस्यो कहूँ परत ॥ अगरकी धूपधारवारनयसा ए सो भ
 चारु अंग भार सो भ भरि भ्रमे भूपरत ॥ बालके प्रवाल ऐसे को-
 मल करन फूल मालके लुवत लाल रंग चपि चूपरत ॥ १७ ॥
 चरन धरैन भूमि विहरै जहाँ हीत है ॥ फूल फूल फूल न विछाई
 परजंक है ॥ भार के डरनि सुकुमारि चारु अंगन मे अंगना
 लगावै राग के सर को पंक है ॥ कयि मति राम लखि याता यन
 भीच मुख आतप मलिन होत बदन मयंक है ॥ कैसे सुकुमा-
 रि बह्या हिर विजन आवै विजन बयार लागे लचकत लंक
 है ॥ १८ ॥ पलिका तें पौय जी धरति घाय धरनी मै छाले परै
 पगमा कपड़े कगवन तें ॥ लोलै जोत मोलती तोता पआवै
 बलि भद्र होति है अरु चिपान पीक अचवन तें ॥ हारन के भा-
 र और चीर हूकेतन भार यातें न हीं बाम होति या हिर भवन
 तें ॥ लागी जो समीरती तो खुरे परै सौतिन के फूल उर्यो उड़त
 प्यारी पंखा के पवन तें ॥ १९ ॥ लहलही लहरै लुनाई की उदि-
 त अंग उचके कुचन कै सीकंचु की योगचकी ॥ मंद पग धर-
 ति मरुं करि गयंद गति चंद मुखी चौदनी चकित चाह सच-
 की ॥ कैसे चन स्याम बह बाम बन धाम आवै धाम के लगे तें
 काम लता जाति पचकी ॥ अति सुकुमार सिसिकति भार हा-
 रन के धारन के भार कै यो वार लंक लचकी ॥ २० ॥ जमुना
 के आगमन मारग मे भार तन भीरन की भीरनि पेटी सील-
 खि पायो है ॥ संतन सुकवि सुख खानि पद मिनि तेरे रूप के
 तरंगनि अनंग दर सायो है ॥ ॥ या हिर कदन कहै तो सों सी
 अयानी कौन लै है बदन भी घेर घर घर छांयो है ॥ पटकी ल-

पटलपटतितादिनातेआज मानाउनगलिनगुलायलिर
 कायोहै ॥ २१ ॥ मौलसिरीरासतेनमालतीहुलासते गु-
 लाययरदासतेनमानखसखासते ॥ बेलकेषिलासतेजुही
 केपरगासते निवारिहूकीआसतेनसेवतीउजासते ॥ चं-
 पकविकासतेनकेधरेनिकासतेन सेवकप्रकासतेमलैकेउ-
 जुयासते ॥ लादिलीकेहासतेरुअंगकीसुधासतेसु-
 ह्योसुधासितअवासआसपासते ॥ २२ ॥ फूलेहैनसरद
 सरोजइहैंसमेकहू फूलेहैनफूलफेल्योसौरभकहैंतेहै ॥
 चंपकधलीनमिलिमालतीहूअवलीन केसरपरसिपीन
 आयोनतहैंतेहै ॥ तोल्योहैनघनसारखोल्पोनाकुरंगसार
 सौरभअपारपारावारकोजहैंतेहै ॥ यल्लभरसिफहमजा-
 नीलपटानीप्यारी आइरंगमहलमैमिलनउहैंतेहै ॥ २३ ॥
 रोहिनीरमनकीमरीचीसीसुखदसीरी सोहनीसरसमहा
 मोहनीफेयलसी ॥ श्रीपतिसुकविद्यालारविकैकिरिन
 ऐसी मदनमुकुरसीअमलगंगाजलसी ॥ ग्यालिगरघोठी
 जाकेगातकीगोराईआगे चपठानिकाईऐसीलागतसहल
 सी ॥ माखनमहलसीपरागकेचहलसी गुलाबकेपहलसी
 नरममखमलसी ॥ २४ ॥ चोपकरियिरघोबिरंचिरूपरा-
 मिकैमी फोककीकठासीचारुधातुरीकीसालासी ॥ चंद्र-
 मामीचौदनीमीधामीकरचपलासी पीतमसुधासीहोति
 भीतिनकोहालासी ॥ कहामंजुघोखाउरयसीओभुकेसीद-
 जाक्रीउथिआगेधारियतमैनयालामी ॥ चंपककीमा-
 रितुसिमिरदुनालाहोतिश्रीपममै

पालांसी ॥ २५ ॥ आवतिहीं देखे आजु बलिगई चलि देखी
 रगुनाथ ठाढ़ी एक पट दीन्हे द्वारिये ॥ एतक सुगंध फैल्यो
 गली मानो छिराँफिके तरकीन्ही अतर गुलाब की दै फारिये ॥
 घर नो कहाँ लौं नख सिख की सकल सोभा पर एते रूप की य-
 नाई विधि ग्यारिये ॥ देवन के अैन यारी देव देव सैन यारी
 पुं हो लाल जापै बाल मै न यारी वारिये ॥ २६ ॥ गोर तन सेत
 सारी सो भित सुगंध यारी कुंदन की बेली पर मानो गंग आ-
 कांसी ॥ मै न धधू मै न काति लो स मासों जीति जीति चारु-
 ता सोँ बहूँ चाचलावति है साकासी ॥ कहै शिव कथि करै मंद
 हास की प्रकास द्यौ स चार चौदनी अँधेरी राति राकासी ॥
 नीरे होत न सुक करति सो रेह गमहा कमनीय कामिनी कपूर
 फी सँ लाकासी ॥ २७ ॥ आजु एक ललना अन्हात मै निहा-
 री लाल पीन पयोधर धीन भानी छोन लंक है ॥ जमुना के
 जल धी चकठ के प्रमान पै ठि पोंछै जो लिलार लाग्यो मृगमद
 अंक है ॥ मुख अरु पांनि की परस भयें रघुनाथ ऐसी आनि
 लसी सोभा परम असंक है ॥ धारिज की नातो मानि धौल क-
 रिये को मानो कौल कलानिधि मे की धोयत कलंक है ॥ २८ ॥
 रात पिय चौदनी धिलोकि के कोर निधास सिगरी बुलाई मो-
 द मंदिर मे भरिगो ॥ रघुनाथ तास मै की सोभा को समाज देखि
 री कर ह्यो मो पै नख खान कछू करिगो ॥ घूँ घुट खुलत ही दुल-
 हिया के आनन तें दस हूँ दिसान मे प्रकास यों बगरिगो ॥ द-
 रिगो गुमान सय सौ तिन के जी को भट तारन समेत तारा पति
 फी को परिगो ॥ २९ ॥ पीत सित मिश्रित सुकेसन ललित सा-

रो ॥ जंगितजवारीजोतिमोतिनजगीपरै ॥ हीरनकेप्रद
 प्रकासप्रतिबिंबतेपै ॥ पगपगमगजगमगउमगीपरै ॥ म
 क्तमनिनचन्द्रिकानथकचौधैकौधैपजनप्रियाकेअंगअ-
 द्भुतपगीपरै ॥ वरुकसुगंधचंदनादिकमहकमूक पांयक
 लहकभौकिदहकदगीपरै ॥ ३० ॥ तनकीसुंवासआसपा-
 सरासमंडलमै भीरनकीभीरभारीदेखियतभीरते ॥ सं-
 तनकहतलोनेलौककीलोनाईलखि लचकनिधिपुलनितं-
 यक्तकभीरते ॥ पावनतेलखिदरदावनकिनारी गजमो-
 तिनसींसारीजरतारीओरछोरते ॥ स्यामघनघटनतैनि-
 कसिनिसंकमानो चंदमुखचपलनिघेखोचहुं ओरते ॥ ३१ ॥
 गोरीगरधीलीउठीजंघतउधारेगात देवकधिनीलपटल-
 पटीकपटसी ॥ भानुकीकिरिनिउदैसानकंदरातेंकढी सो-
 भछधिकीन्हीतमतीमपेंदपटसी ॥ सोनेकीसलाकास्या-
 मपेटीतेलपेटीकढी पझातेंनिकारीपोखराजकेक्तपटसी ॥
 नीलघनतड़िनसुधायधूमधुंधुरित धायकरधसीदायापा-
 यकलपटसी ॥ ३२ ॥ बालाकोऊसेवकधिसालाईहंध-
 रमाक्त मालारूपरंगकीसीचित्तमैचढ़तिहै ॥ नखसिखन-
 जरिनआयेचखचौधनिसों जगमगमाचेमोदमंत्रसोमद-
 तिहै ॥ ऐसीदिव्यदीपनिनदेखोफहूं ओरठोर ठोरठोर
 फोरिभौनभागिसीधढ़तिहै ॥ आगिसीकढ़तिधइयागि
 सीकढ़तिदाया दागसीकढ़तिकामलागसीकढ़तिहै ॥ ३३ ॥
 सुरमासदनभूरिमूपितग्रदनजाको सोहससलोनाचार
 चंदहूतेंचोखामो ॥ छाड़िकुंजमंजुरहेघेरिभरिपुंजपाय

अङ्गवारीसीरभसमूहअनजोखोसो॥ बचनबिलासवंसजा-
 कोहनुमानकहै रातें। दिनरहतपिधूपहूपैरोखोसो॥ छबिसों
 अपारघैठीभौनदैकिवारतऊ बारबारहोतवीरव्याजुरीको
 धोखांसो॥ ३४॥ जाकैअवदातकलकुंदनसेगातआगे ने-
 कहूनदीपतिहैदीपतिचमेलीकी॥ मुखसुखमाकीफहूंउप-
 मानपाऊं जासुपायनकीलालीकंजलालिमादवेलीकी॥
 दीपतिमसालसोहैबालइनुमानजासों हूरहीचिसालसो-
 भाऔरहीहवेलीकी॥ सङ्गमैसहेलीसवैसोहतीनवेलीतऊ
 राजतिअकेलीछटाछूटीअलवेलीकी॥ ३५॥ चंददुतिचंद्र
 कींनिचोरिकैधनायोकैधौं भानुछविछोरियोंविलोकिसग-
 रोपर॥ सेधफभनतकोटिकुंदनतपेकोरूप रोचकलैधिरचि
 धिरचिअगरोपर॥ धीजुरीकेसारकैदवागिनकेभाररघ्यो
 राधेकेधिचारमैभक्तपाकभक्तगरोपर॥ मदनउमङ्गनतेंरङ्गनके
 सङ्ग प्रतिअङ्गनतेंजाकेछविपुंजयगरोपर॥ ३६॥ दन्तनकी
 दमकदयावैदुतिहीरनकी अधरप्रबालनतेंअतिअगरोप-
 रै॥ मंजुलकपोलनकीकलकमनीयतासों अनुपममुकुर
 सरूपरगरोपर॥ निरखीनखनकीनिकाईद्विजऐसीभौति
 उपमानजिनतेंसहमिसगरोपर॥ अमितउमङ्गनतेंकहिये
 कहैं। प्रतिअङ्गनतेंजाकेछविपुंजयगरोपर॥ ३७॥
 दोहा० । तीनभौतिसोनायिका बरनतसबकविराय ॥

स्वकियापरकीयाग्रहुरि सामान्यासुखदाय ॥

तब सकीया सखन ।

दोहा । बचनकायमनतेंजुतिय राखतिपतिमैप्रेम ॥

सीलसुधाईलाजजुत यहस्वकियाकीनेम ॥ यथा ॥
 रंगीप्रेमरङ्गमैषिविधरङ्गअङ्गअङ्ग चातुरीचपनगुनजा-
 मैअतिलाजहै ॥ सत्यकेसलिलमाझविहरैनवीननित्य
 नीतिछमतोनकीककोरैविविपाजहै ॥ मंदहैंसरसकोथि-
 लासमृदुताकीरास सुहृदप्रकासभरीसुखमासमाजहै ॥
 सीलयादवानकेपवनसोंगवनमंदपतिव्रतसागरकीसुन्द-
 रीजहाजहै ॥ ३८ ॥ पानिचरनोदकलैउदककरतपान
 परसैपियूपपानिअसनग्रहेस्वरै ॥ पुहुमीपरसपदसरस
 सनेहहृग दीठिकरैपौवड़ेचिमलसरयेस्वरै ॥ लीनलैंदरस
 रीकभूक्तनछरसएक रसहीचरसवीतेध्याइधरमेस्वरै ॥
 आनतिगनेस्वरैनमागतिमहेस्वरैसु जानतिहैप्यारीप्रान-
 पतिपरमेस्वरै ॥ ३९ ॥ सोभितस्वकीयागनगुनगनतीमें
 तहैं तेरेनामहोंकीएकरेखारेखियतुहै ॥ कहैपदुमाकरप-
 गोयोपतिप्रेमहीमै पदमिनितोसीतियातूहीपेखियंतुहै ॥
 सुधरनरूपजैसोतैसोसीलसीरजहै याहीतैतिहारीतनध-
 न्यलेखियतुहै ॥ सोनेमेसुगंधनसुगंधमैसुन्यारोसोनो सी-
 नोऔसुगंधतोमैदोऊदेखियतुहै ॥ ४० ॥ सौंहोंहोतिकयहूं
 नकयहूं रिमोंहोंहोति भौहनिहसोंहीमनआलिनलयेरहैं ॥
 मानुकैटमागनिमरनिसरमिजमुखी सलजसलोनीसील
 सुंदरसयेरहैं ॥ भागभरीललितसुहागअनुरागभरी भौर
 मुरघुंघुटधनेरोसोदयेरहैं ॥ लोचनजुगुलजसयंतनिग-
 प्रतिजाके पतिपदपङ्कजकेभैंयरभयेरहैं ॥ ४१ ॥ मानक-
 रैमीनलौपयानरनिर्मानली जुयानमखित्रीनलीजेप्रग-

टैछमाभरी ॥ लीलाधरहासकोनिवासदंतयासलीं वि-
 लोकिनिविलासपगन्यासलींरुचैखरी ॥ दूसरोपुरुषअ-
 भिलापकरियेकोंतेवै कैसेकरिकरैकुलधरूपआगरी ॥
 देखियतचित्रकोंजोदूजेकेभरम फिरजातीफिरछिनक-
 फिरङ्गकैसीपूतरी ॥ ४२ ॥ श्रीनसखियानकेवचनरचनाके
 भौन गौनपरजंकपरपाटीपरसतहै ॥ हासकेप्रकासको
 निवासअधरनलगि लोचनविलासधरुनीलींघरसतहै ॥
 चाहचितचाहमउछाहनउछाहसोभ नाइकेसनेहसुखसी-
 लसरसतहै ॥ जैसेभागीरथकेपरमपथलाग्यो यदभा-
 गीभागीरधीकोप्रवाहदरसतहै ॥ ४३ ॥ दीपसमदी-
 पतिउदीपतिअनूप निजरूपकेसरूपरतिरूपहिहरतिहै ॥
 कहैपरतापकरिमंजनसरसमन रंजनपिपाकेदृगअञ्जन-
 धरतिहै ॥ ताहीसमैदूतीदिखरायोआनिभौरलिखि नि-
 पटउदासहूँउसासनभरतिहै ॥ सारसविलोचनिविचा-
 रचितचेत राजहंसनकंयंसकीसिपारसकरतिहै ॥ ४४ ॥
 दो ० । सोस्वकियाहैतीनविधि मुग्धाप्रथमहिंलेखि ॥

पुनिमध्याप्रोदाकही मैसषग्रंथनपेखि ॥

तब मुग्धा कथन ।

दो ० । कलकतआवैतरुनई अंगअंगप्रतिजासु ॥

सासोमुग्धाकहतहैं सयकविसहितहुलास ॥ यथा ॥

दुरीद्वैकमलफलीजैसेजलदीसतिहैं तैसेउरजनउरदी-
 न्होहैदेखाईसो ॥ गंगकहैसोभक्तसीसोहाईतरुनाई जाई
 लरिकाइमाभक्तछूमैनलखिपाईसो ॥ स्यामाकोसलोनों

तनतामेदिनद्वैकमाफ़ फिरीहीचहतिमनमथकीदुहाईसी
 सोसीमेसलिलजैसेसुमनपरागतैसेसिसुतामेफ़लकतिजो
 धनकीफ़ौहंसी ॥ ४५ ॥ थापतिसीचातुरीसरापतिसीलंक
 अरुआपतिसीपारतिअरीअजानपनमे ॥ कहैपदमाकर
 सुओपदरसावतिसी लावतिसीनेसुकउँचाईउरजनमे ॥
 लाजहिबुलावतिसीसखिनरिफ़ावतिसी नावतिसीप्रीति
 अतिपीतमकेमनमे ॥ औखिनअसीसतिसीदीसतिसीमंद
 मंद आधतिचलीयोंतरुनाईतियतनमे ॥ ४६ ॥ फरकन
 लागीऔखिढरकनकाननलौ हरकनलागीलाजपलकैसु
 चैनीकी ॥ भरलाग्योपरनउरोजनमेरघुनाथ राजीरोम-
 राजीभैंतिकलअलिसैनीकी ॥ कटिलागीघटनपटनला-
 गीमुखसोभा अटनसुधासलागीआसस्यासपैनीकी ॥ अं-
 गनमेदुतिचारुसोनेसीजगनलागीएढ़िनलगनलागीबेनी
 मृगनैनीकी ॥ ४७ ॥ बासनकीसेवकसुधासनकीधादीरुचि
 भूपनघिलासनकीदेखारीतिआनमे ॥ छठैरहीनितंधनको
 पीनताकटुकनातें धरहीमधुरधुनिपानपगपानमे ॥ उर
 मैउँचाईलघुनाईकटिहूमैआई धितचतुराईसुनिपाईस-
 रियानमे ॥ सैनमैचितिनहंसिदेनमैकमोसोलागी येनमे
 नीमोनेनप्रदियदिकानमे ॥ ४८ ॥ फीकोलागैअपनओ
 गैअकन लोकोलागैसोनोंओनमोनजुहीजूट
 मोभागहंपूटमी ॥ कहैरघुनाथजगजांतिकोजुराय
 चाइन्हैपाकेएकधारयाधिगूटमी ॥ जोयनअथाई

ओपेओरैअँगछाईदेसु ॥ मेरेजानपाईहेगोराईगोरीलू-
 टेसी ॥ ४९ ॥ मृंगनकीमीननकीचंचलाईचखनमे मोति-
 नकीहीरनकीजीतिहैरदनमे ॥ ओठनमेआईहैमिठाईस-
 वसिमिटिकै दाखमेनऊखमेनखादसरदनमे ॥ महाकवि
 बालमकेखुलैहैंघिसालभाग रातीदिनराजतिमसालसीस-
 दनमे ॥ विधिनागुलाधकैसोअतरउतारिमानो चदकी
 निकाईराखीप्यारीकैधदनमे ॥ ५० ॥ खेलतिरहतिसव
 दौससंगसखिनके दौरतिचलतिगतिलीन्हैछरकीलीसी ॥
 उपरैनीओढ़तिनमानतिसिखापनकी धायजौरिसायती
 नहोतिहरकीलीसी ॥ गोकुलकहतनबलाकअंगसंगलखो
 एतीतरुनापनकोआयकलामेलीसी ॥ भूलीसीरहतिकछु
 फूलीसीउरोजछवि अँखियँरसीलीभईंभौहैंभभरीलीसी
 ॥ ५१ ॥ कछुउभरीसीलगैछतियँउरोजनतें लागीकरैध-
 तियँसलोनीसखियानमै ॥ कटिपतरानीभरुआनेसेनितं-
 यनेकुनेसुकचढ़नलागीलालीनखियानमै ॥ हेरिहनुमान
 सवसौतियँबिहालभईं धारिधिनहोतिगतिजैसीकसखि-
 यानमै ॥ आईतरुनाईचलीभाजिलरिकाई अघछाईकछू
 खजनकीखूयोअँखियानमै ॥ ५२ ॥ ढरकतचंदमुखमन्दमु-
 सकानिसुधा बाढीरसआनदकीचोपचखियानमै ॥ तंग
 होतओगीज्यौंज्यौंउरजउतंगहोत प्रगटीअनंगकायाकंज
 पखियानमै ॥ अंगअंगफैलततरंगनवजोवनकी छकीसी
 निहारतनबेलीसखियानमै ॥ कटिकुसताईऔनितंयपीन-
 ताईछाई पाँयँधिरताईधंचलाईअँखियानमै ॥ ५३ ॥ दौरि

चलीचरनकुसुमसुकुमारताचरनचलेंगतिगरुवाईकीगं
 नकों ॥ गरुवाईछतियाकोंछतियेंउँचाईकों उँचाईचल
 चिह्नमयबासअरंधनकों ॥ ओधनभलकसिसुताईकीचल
 चलमै दोरिसौंरिचित्तचल्योलाजकंपथनकों ॥ लाजचली
 औंखिनकोंऔंखेंचलीकाननकों कानचलेंचौकतसेचाले
 केकथनकों ॥ ५४ ॥ चैंकिचलीचपलाईचातुरीचरनचूमि
 चखनचपेटलीनीचौपठरसनरी ॥ धायकैधसीहैत्योग्यंद
 गतिगमनमै मंदमुसुकानपीयप्रेमपरसनरी ॥ मोललंत
 मनकोंकपोलनकोकौतिसोभ सोभासरसतसुधरनसरसन
 री ॥ अंकुरितउरमैअनंगलांगयोभलकन अंगअंगलांगयो
 रूपरंगवरसनरी ॥ ५५ ॥ गतिगरुवानिकछूमतिमदस-
 डंभइं चखनहूंचाहीचपलापनकीमायासी ॥ कंचकुठि-
 लानेअठिलानेसेकहतिवैनयनकथननलागोकनककीका-
 यासी ॥ गांकुलघटतकटिसटतजघनजानि मदनसंदन
 करिवेकीकरीदायासी ॥ जाधनदिवाकरसाउदैमयोया-
 केअंग छनछनहोतिलरिकाइंछीनछायासी ॥ ५६ ॥ धिछु-
 रनलागेथालपनकेक्षयानप सखीनसोंतयानपकीप्रतिप्रा
 गढ़ैलगी ॥ हंगलांगतिरछंचलनपगमंदलागी उरमेकछु-
 फउकसनसीचढ़ैलगी ॥ अंगनमेआइंतरुनाइंकीभलक
 लरिकाइंअथदेहतेहरेहरेकढ़ैलगी ॥ होनलागोकटिअ-
 थट्टिकैछलासी द्वैजचंद्रकीकलासीदिनदीपतिप्रढ़ैल-
 गो ॥ ५७ ॥ सरदमुधाकरछिप्यासीजातछविदेरीं चाकर
 सीहेरियनपंकजानपारिहैं ॥ चप्योजानचंपकननूनपान

भानुलेत कं पलत सुघरन दुति अभिलाखैं हैं ॥ नाथ कवि जो-
 यन जवाहिर मयूप फैं ॥ अलैं परैं कां किला की मंद कल भाखैं
 हैं ॥ देखो कान्हू द्वेदिन तें धूंधुट में मदी जाति चढ़ी जाति भौ-
 हैं पाकी बदी जाति आखैं हैं ॥ ५८ ॥ एही अरु नाई अंग ओ-
 पति गोराई अंच जुगल नितं थपीन ताई पकरत हैं ॥ कटि
 खीन ताई लरिकाई लीन ताई मुख चंद की जुन्हाई जोति जा-
 ल अग रत हैं ॥ भनत कविन्द पेखि अंकुर उरो जनिके पिय
 हिय प्रेम के ख जाने से भरत हैं ॥ कुंवरिके तन तरु नाई की अ-
 वासी पेखि सीतिन के मन न मेधा सी पीरत हैं ॥ ५९ ॥ उ-
 भरे उरो जही मै छयन मै छा एक च नैन न मै कुठिलाई सहित
 कराई है ॥ द्विज जूक हत अथर न मै मिठाई भरौ रोज रोज
 रोचन सी बढतिल लाई है ॥ निविड़ नितं थन मै मै न जंग जी-
 ति ब्रेकों मरे जान आंज सी भरत गरुवाई है ॥ जोयन अत्रा-
 ई ललना के लीने अंगन मै सीतिन को मान भंग परत दिखाई
 है ॥ ६० ॥ लूटे लेत लंक बंक भौं इनि चढ़ाई धनु कानन लैं
 लावति धि मिख ऐ से नै न को ॥ अदल बढलि अंग द्वारे हैं अ-
 दल करि दलत अथर कूँ सीतिन के चैन को ॥ भूपन सुंदर
 तन असन प्रवीन येनो माधुरी रसन मै पिपा के सुख दैन को ॥
 राख्यो है कि सीर पन जोयन बहाल करि मदन मही पमानो
 वासिलात लैन को ॥ ६१ ॥ इतै चंचलाई थिर ताई की अवाई
 उतै जुगल उचाई तहौ को न हल चल को ॥ इत है अयान उतै
 आवत सयान चलि दोऊ को अयान अभिमान आन कल-
 को ॥ रामजू सुकविके लिकी तु कनिधान लाल देखि देखि री-

१५ नम्रमानसयथलको ॥ घालपनजोधनको जंगमाचिरहो
 तहैं ॥ अंगअधलाको जैतखंभदोऊदलको ॥ ६२ ॥ नेकुमंद
 मधुरकपोलमसुकानलागे ॥ नेकुमंदगमनगधंदनकीचाल
 भो ॥ रंचऊंघोअंचलउरोजनकेअंकुरनि थंकदीठिनैनजु-
 गनेसुकाबिसालभो ॥ मनिरामसुकविरसीलेकछूवैनमए
 धदनसिंगाररसवेलिआलयालभो ॥ घालतनजोधनरसाल
 उलहतलखि सौतिनकेसालभो निहालनंदलालभो ॥ ६३ ॥
 लहलहीयैसउलहीहैदुलहीकीदेव उग्मेउरोजजैसैंउमग-
 तपागहै ॥ अनगनेदिननिअनूपदुतिआननकी देखतही
 उपजैअनूठोअनुरागहै ॥ तैसियैतरलतीखेअनंसीखेनैन-
 नितें ॥ निचुरैसनेहसूधीभौवतेकांभागहै ॥ सोनेसेसुरंगनतें
 चंपाचारुअंगनतें ॥ रंगनितेंउठततरंगनिसुहागहै ॥ ६४ ॥
 दूनीदूनीधड़नलुनाईनितगातंलागी यातलागीकरनस-
 खीकेश्रौनजुरिजुरि ॥ मेनसरसानेसुनिघैनसरमानलागी
 देखिगुरुजननिलजानलागीदुरिदुरि ॥ कहैधनीरामसां-
 जिभूपनअसनअंगवूझनसखीनतेंलुनाईलागीलुरिलुरि ॥
 औंगनमरालीसीकरनमंदगोनलभो नौनलागीकटिऔ
 चितौनलागीमुरिमुरि ॥ ६५ ॥ जानिपस्यौजोधनजनायो-
 हैमनोजंगुरु अगमगीजोतिअंगपाढ़तनितेनिते ॥ हरैहै-
 सिहेरिहरिलियोहरिजूकोहियो हेरतिहरिननैनीहितूसौ
 हितैहितै ॥ सीखीदिनाचारिकतेंसीखीचितधनिप्यारीदे-
 वकहैहगभरिदेखतिजितैजितै ॥ आछीउनमीलनीलसुभ-
 गसरोजननि सरलतंनाइयततोरनतितैतितै ॥ ६६ ॥

दो० । जाकों जोधन आगमन तनमै नाहिं लखात ॥

सोइ अज्ञातयोधन तिया कविकुलवरन तजात ॥ यथा ॥

आननकी ओपऐसी कैसी उपजो है धीर यदि यदिकानन
 लौं औं खैं पसरति जाति ॥ तन अलसानो खेलूतें अकुला-
 नो मन जानोमैन जातें गति मंद सी परति जाति ॥ संग सखि-
 यान के कदौं जो हनुमान कहूं तीर तीर मेरे तौर भोर अचर-
 ति जाति ॥ धार धार पूछौं तू बतायै बतियान दिन दूँ कहौं तें
 छतियौं धौं काहे उभरति जाति ॥ ६७ ॥ कारे ओ कने वहै क-
 दू काहे के सजा पुहौं तें यदि यदियु रितु थालौं लगे छल क-
 न ॥ धार धार यदन बिछो कन लगी हैं सीति औरै नीर सौरभ
 समूह लाभ्यो हल कन ॥ कौन सी बला पधसी अंग मेह मारे ह-
 मं हेरि के कौं कान्ह हनुमान लागे लल कन ॥ जंघ लागी सटन
 घटन लागी लंक औ यदन लागी औं खैं रीनित बलागे दल क-
 न ॥ ६८ ॥ कैसी रीनिकाई सरसाई तन मेरे मोहि हेरे धि-
 न हेरी हरि लागे अग्र अह कन ॥ गति गरु वानी मति औरै
 सरसानो कदू कैसे नैन कानन लौं लागे गोर यद कन ॥ पीर
 होति ठर मैं न धीर धखो जात मोपैं कौन हेतु लागी हनुमान लं-
 कल कन ॥ आहि आहि कै कै उठैं कौं पिकैं पिसौति काहे चा-
 हि आहि मो मुख चकोर लागे चह कन ॥ ६९ ॥ जे सियै ब्रताइ
 दइ अंगनिन पाइ दइ तै सियै ब्रनाय दइ कौन छल छै हीं मे ॥
 गिरह सो जौं चिली जै बूटिन सेवौं चिली जै बौं चिली जै सेवक
 लिखे कौन दुरै हीं मे ॥ एहो ठकुराइन जनाइ नाम हूं कौं जेद

संगकीखेलाइनउराहनोनलहीमै ॥ घाचरेकीअटनिघदी
 सोफेरिदेहु तासोंकंचुकीकीघटनिसुपूरिकरिदीहीमै ॥ ७० ॥
 सखिनकेसंगमेउमंगभरीगोरोभारी जलमैबिहारैघारैमं-
 जुमरकतहैं ॥ रम्यरोमराजीकरपोंछतिसिघारजानि उ-
 रजननिरखिमरमदरकतहैं ॥ जानतनहोनीभरभेटीआ-
 नपंचसर घरघररूपकीसुजससरकतहैं ॥ चंचलचखन
 प्रतिविंधकोंधिलखिकहे अंजुलिहमारैजुगमीनफरकत
 हैं ॥ ७१ ॥ हीसपरधीकेदूरीसपियकेउदितसाथ सखिन
 नैजमुनाकेतीरन्हानआनीहै ॥ नाथतहोआभरनघसन
 उत्तारिधरे आनपटपहिरनमतिनियरानीहै ॥ पटलीतेंउ-
 मड़िअसितलोमलतिदेखि घालघिलखानीलखिधायमुस-
 कानीहै ॥ तेरेनाभितरनप्रदीपकउदितभयो उड़ितकिंक-
 ज्जलकीरेखझलकानीहै ॥ ७२ ॥

॥ पद्य ज्ञातयौयना सखन ॥

दो० । जयजोधनआगमनजिहिं विदितहोततनआय ॥

ज्ञातयौयनानायिका तासोंकहतसचाय ॥ यथा ॥

पायनललाईदरसाईसरसाईजंघ जुगुलनितंबनगै-
 भीरतागहीसीहै ॥ कटिकीकलाहूछीनताईकोंलहीहै दिन
 दूँकहीतेंकुचनअमीरतागहीसीहै ॥ पंडितभनतजुगयो-
 हैंयेमृनालसीहैं सीखसुनिवेकोंमनधीरतागहीसीहै ॥ इ-
 न्दुत्तिसाननत्योंकंजनैनकाननत्यों यैनमगसौरभस-
 मीरतागहीसीहै ॥ ७३ ॥ कोमलचरनमन्दताईनयदेखि-
 यत पेखियतपीनतानितंबनसराहिबो ॥ छिनछिनछीन

कटिग्रीपमलपासीहोत त्योंहीहैउरोजनउदीतदिनसा-
 हिथी ॥ प्यारेअजईसधरचातुरचपलताई शोरमईचारु-
 चितचखनसुधाहिथी ॥ नयलाकेअंगनमैनृपतिमनोभव
 की सिसुताखयासीकरैजोधनमुसाहिथी ॥ ७४ ॥ कान-
 नलोंलागेमुसिकानप्रेमपागेलोने लाजभरेविलसतलो-
 चनअनंगते ॥ भारुधरिभुजनढोलावतिचलतिमंद औ-
 रैओपउलहतउरजउतंगते ॥ भतिरामजोयनपयनकीभक्त-
 कोरआये थाढ़तसरसरसतरलतरंगते ॥ पानिपयिमल
 कीभलकभलकनलागी काईसोगईहैलरिकाईकढ़िअं-
 गते ॥ ७५ ॥ आननसिकोरिगुढ़ियाननकेखेलनते सौ-
 रभलगायचढ़िचौकीपैंधिभातीहै ॥ धारनकोंप्यारीअति
 प्यारतैंसुधारि हियेहारनकेधारनकीप्रीतिसरसातीहै ॥
 कहैहनुमानसखियानतेंदुराय अँखियैनकोनचैधोलेमु-
 कुरमुसकातीहै ॥ सुभरेसुयासनतेंयासनयनायचारु उ-
 भरेउरोजनकोंहेरिहरपातीहै ॥ ७६ ॥ चावसोंचटकर-
 चिरचिकैरुचिरचीर रुचिसोंपहिरिकैबिनोदधरखतिजा-
 ति ॥ निरखिनिरखकरपायनकीलाली हनुमानतरुना-
 ईकीनिकाईपरखतिजाति ॥ कसिकसिकंचुकोयिमलवै-
 गलामैवैसि सीतिनकेसकलसोहागकरखतिजाति ॥ ये-
 रघेरमुकुरबिलोकतिधरतिफेर औंचरउधारिहेरिहेरिहर-
 खतिजाति ॥ ७७ ॥ छोड़िसंगआलिनकोवैसिचैगलामै
 जाय लायरहीअतरसुगंधवारोतनमै ॥ देखिकरिहोंकों
 जुगजंघकोंनिहारिनीके भोदसरसावतिनवेलीहैसुमनमै॥

कहै हनुमान पानखाय कै गुमान भगी देखति है जो भकों
 वाय ग्रीव छन मै ॥ धारन कै मोतिन के हारन को प्यारी ला-
 गी कंचुकी की कसन निहारै दरपन मै ॥ ७८ ॥ गीने को सु-
 दिन गुन गोरिते रे सा सुरते सुभधरी सो धि कै सँदे सो लिखि
 आयो है ॥ हाल ऐ से हाल सो निहाल करना है जाय चाहै सु-
 निसुनिके चतुरि चैन पायो है ॥ कालि डी उधारे सी सफि-
 रति सखी न चोच भनत कचिन्द आज औरै रंग छायो है ॥
 औ चरको करि वाँ अचानक ही मेरी आली मैं नहीं सिखायो
 तोहि मैं नहीं सिखाया है ॥ ७९ ॥ वर धर देखति है नैन नियों
 आरसी लै जात बह जा नि कै धिसारे चिंत यावरी ॥ आज
 उर जन को निहारि हारि हारि रहै भारन नितं वन को जान-
 ति है डायरी ॥ गोकुल बिलो किलैं कलट सी नापति है फे-
 र फेर जानति न बैस को सुभायरी ॥ सहज सुगंध फैलें अंग-
 न को मूँघति गो मृग मदी मृग सी भइँ सी फिरै धायरी ॥ ८० ॥
 उठि आवें उर ज उदित मुख चंद भयो मंदला गाँ चलन धि-
 सारी गति धारि की ॥ कोमल यवन धि है सोहिं से कपोल गोल
 नैन ललछी हैं मेल खन लाज धारि की ॥ भीखन सिंगार मति
 तीखन प्रथीन यनी सौतिन की नीखन गइँ है सुख सारि की ॥
 गासु की दुलारी गुन रूप उँजियारी यह नय लति यारी भइँ
 प्यारी प्रान प्यारि की ॥ ८१ ॥ के मन की नयनि नयनि ग्रह-
 नीन को है मूरि भाइँ की रिक चकाइँ थी जय्यै रही ॥ ना-
 मिकान धंढी की अनूप रूप प्रेम रासि दल्ल की दमक दुख दा-
 मिन हूँ देर हो ॥ चंद्रकंध मेदिन की चरचा यथा वै कीन अं-

गकीसुत्रासछितिछोरनलीं व्यूँरही ॥ पायअसिताधीऔ-
 सिताधीनैनरंगनकी आवीअंगअंगकीगुलाधीरंगवहेर-
 ही ॥ ८२ ॥ तियननअरुनदिनेसउदयोहैआन सौंफसि-
 सुताईकेतिमिरसबभागेहैं ॥ फैलरहीअंघरमैचहूँओर
 अरुनाई फूलनैनकंजमकरन्दरसपागेहैं ॥ उदैनाथकंतके
 मनोरधहूपधैचले चितचतुरइंनजआरसकोंजागेहैं ॥
 रूपकेसरोवरमेनाहनैननहानलागे सौतिनकेमानतेऊदा-
 नहोनलागेहैं ॥ ८३ ॥ आजहोंगइंतीवृषभासकेभवनयो-
 र राधेकीअनूठीछविधरनोकितैकितै ॥ ठाढ़ीगेहद्वारचा-
 रुंसखिनकीमंडलीमै खलतियचायधूरिउड़तिजितैजितै ॥
 कहैसिवराजकुंभरुचिरकुसुंभकैसो ठरकतमगपगधरति
 तितैतितै ॥ धारधारकाहूमिसहरपिहरपिआली मोहन
 कोनावलीन्हैदेतरोचितैचितै ॥ ८४ ॥ धिहैंसतचलतस-
 रोजमुखीहेरिहेरि उकसेउरोजहगफेरिफेरिकानलीं ॥
 निकसतदंतकीदमकटुतिदामिनीलीं घिरिआईभीरनकी
 भीरिअधरानलीं ॥ थोरीथोरीभोरीभोरीयातनसिहा-
 तिसखी भावतहैभोलानाथभौंयतकेप्रानलीं ॥ कंचुकी
 कसतिसकुचतिसिसिकीसीलेति जानतिअजानलींनजा-
 नतिसुजानलीं ॥ ८५ ॥

॥ यय नवीदा सखन ॥

दो० । अतिहरलाजदुहूँनतें जोनचहतपियसंग ॥

तिहिंभृगधार्तेसकलकधि कहतनवीदाअंग ॥ यया ।

दाताग्रम्हसुखकीयिधाताघनेभावनकी नातानेमन-

तिसोंविहितसबकालामे ॥ भायैभूरिभूतिसोंवतायैकोन
 दानाधन्य जानाहैदूगिहीदुरितभयजालामे ॥ पायपु-
 न्यगुरुतेलगायलइंउरमाफ़ छायागइंसुखमाअपारचल
 चालामे ॥ जागिसूनेसालामैभजैकैरतिआला पूजैका-
 महरमालामेकिनौलवरवालामे ॥ ८६ ॥ वेटीमनोका-
 मकीलपेटीहावभावनसों फेटीरंगरीतिमेसमेटीनेहन-
 तिकी ॥ छानीब्रम्हसुखकीसलोनीप्रानसेवकहि होनी
 अंगउमगकहेयागूढ़गतिकी ॥ जागीलाजडरकीनरागी
 दिनद्वैकहूकी श्रमकीसमाजपागीलागीमैनमतिकी ॥
 पूरतिहैसीसीसौंसतूरतिछनक ऐसीमूरतित्रिलोकिघाई
 सूरतिसुरतिकी ॥ ८७ ॥ ज्योंज्योंहोतिभूकुटीकुटिलघ-
 नुऐनमैन त्योंत्योंमृगनैनलखिकाननपरातहैं ॥ ज्यों
 ज्योंउरसिजअनुसरैहरमूरतिलौं त्योंत्योंमनसिजवानगु-
 नमैसमातहैं ॥ ज्योंज्योंनोलकंठकटिसिंहछीनहोतित्यों
 त्यों जंघनगयंदपीनताकोंसरसातहैं ॥ ज्योंज्योंमुखहो-
 तधिधुक्काईं कीभकोरफ़ख त्योंत्योंहरिलोचनघकोरहां-
 तजातहैं ॥ ८८ ॥ पियमनभावनिनबेलीसुखदानिनिजं
 रूपकीछटानिरतिरंमैनिदरतिहै ॥ सुन्दरसरूपतनस-
 हजसिंगारनसों अंगनअनूपदुतिदूनीठघरतिहै ॥ कहै
 परतापमनिमंदिरमयंकमुखी मुखकैमलीनउरसंकहि
 घरतिहै ॥ पीठिदैलोगाइनकीदीठिहिंघचाय ठकुराइ-
 नसुनाइनकेपाइनपरतिहै ॥ ८९ ॥ जोरावरीचलतेंउठा-
 वतचलावतहू देहरीमैपौवदैदैगिरतिपछारैके ॥ रोइरो-

इमचलैचलैनपैनजातमन खुलिखुलिजातअंगदामिनी
 दवारेके ॥ फूटेजातमुकतासितारेखंदटूटेजात लूटेजा-
 तसेवकसुनतभनकारेके ॥ छाड़बालत्राससैंउसाससैंस-
 माइकहै पासजैहैंमाइकेनपासजैहैंप्यारेके ॥ ९० ॥ न-
 बलनवेलीफूटीचंपकचमेलीऐसी खेलतसहेलिननेसानी
 सुखसाजहै ॥ आवतविलोकिप्यारेपुंडरीकपीतमकों भा-
 जीभौनकोनज्योंचकितगजराजहै ॥ अंचरउड़तफहरात
 कामबैरखलों पियहरदौरबेनीगहोभ्रजराजहै ॥ मानो
 द्विजराजकेंग्रसतअहिराजजान पूँछगहिखैंचतमनोज
 महाराजहै ॥ ९१ ॥ आलीछलबलकरित्याइँकेलिमंदिर
 लें प्यारेपेखिपकरीउतरिपरजंकर्ते ॥ भनतकविंदकैसे
 थिररहैथोरीबैस पारदकीरदकीचपलताइँसंकर्ते ॥ नीची
 करधारिरहीभनकबगारिरही भलकपसारिरहीबदनम-
 यंकर्ते ॥ लालभुजभरीबालऐसेतरफरीहाल जालकी
 सोमछरीउछरिपरीअंकर्ते ॥ ९२ ॥ चंदसैंदुचंदमुखचं-
 दकीचटकअंग सोहैसुकुमारत्योंसिरीपहूकीमालाते ॥
 त्याइँकैसेहलीपरवमकग्रनाइँके नवेलीकेंमिलायांजहैं
 चातुरीकीसालाते ॥ संकरवखानिधनिजीवनसफलभा-
 नि प्यारेकंठलायोगतिअतिहींउतालाते ॥ धौगुनीचट-
 कचपलातेचारुचौंकि धनस्यामसैंछुड़ायभजीबालाचि-
 त्रसालाते ॥ ९३ ॥ भमकभरोखेरुचिपुंजजनजोखेंदे-
 खि तोखेतारतैसईंसुगंधचलचालामे ॥ सेवकभनतवै-
 सीभूपनकीकलधुनि सुनिसुनिआनिगहीऊपरउताला

मे ॥ भाजिकेहूँ करतैं विराजरहीयाही ठीर लाजिरही मो
 मतिमगनधमजालामे ॥ दीपनकीमालामेमिठै नदुतिआ-
 लामे सुजानीजातिवालानधिसालाचित्रसालामे ॥ ९४ ॥
 भपनकेचायसूनेसेवकजूपाय मीठीवातनिलगायजिनला-
 योकेछूलसुहै ॥ फेरतहीपानिजानैपाईसकुचानि तयछौ-
 डीमृदुयानिजानियामसरवसुहै ॥ सुरतिकेढंगकेहूँ लागे
 अंगअंग मचोमदनउमंगरंगठानतउससुहै ॥ तैइपुन्यज-
 सुतिनहीकेधन्यअसु जिनपायोकसमसकै नयेलिनकीरसु
 है ॥ ९५ ॥ गौनेचालिआई नई दुलहीसुहावभरी भाव
 भरीधलीसुधरनकीसुमौरीसी ॥ कहैसिवरामरतिमंदिरलौ
 ल्याईसखी वातनलगाई गुनगननकीगौरीसी ॥ देखि
 भजीप्यारेगहिदौरिलीन्हीचंचलासी तासमैनिहारीभई
 प्यारीछविऔरीसी ॥ कंपितप्रसितकुम्हिलानीअकुलानी
 पंगीकेहरिकीकौरीमेकुरंगिनिकीकौरीसी ॥ ९६ ॥ पाईए-
 कतकछकिछलनछरीछैछै छरकतछुधतछुवायतनगात
 है ॥ कहाफहौनाकीदुतिदलतगुलायआय चमकतचंपक
 लजातजलजातहै ॥ जोरतनहृगमुखमोरतप्रसन्नमन म-
 हयूयसूयप्रमपनअधिकातहै ॥ ज्योंज्योंभरिअंकपियप-
 कारिनिककत्योत्यो तुजुलुजेलंकयारीलफिलफिजातहै ॥ ९७
 कोटिनछलनपामलनयोछाई आम रतिकीहियेमेरागि
 मनिकीमजेजपर ॥ देखरिपुकाईयंदयै धियेदोरघुनाय
 लागोममलट्टेकछूहरेकछूनेजपर ॥ मूरछिनछेहूँ जानि
 छुटियेकोहाहायाति हायकहिमतरानिपीरनकोरजपर ॥

दैयादयाकरतिअनेकसौहंधरति नयनअँसूभरतितरफर-
 तिसेजपर ॥ ९८ ॥ कैयोछलबलकैसोआईसखियाँनसंग
 नीठिपरीनीदिसुधिभूलोरतिसंककी ॥ धकधकछतिपैछु-
 वतहोभिगिरधारी अतिहीमलीनदुतिप्रदनमयंककी ॥
 नीधीकैविमोचतहोउचकिउचफिचैकी प्यारीभरीअंक
 लाललचकनिलंककी ॥ जकरिजकरिजँधैरहीधरीचारि-
 कलैं पकरिपकरिपाटीप्यारीपरजंककी ॥ ९९ ॥ नवलउ-
 मंगछिनिसरतिअंगअंग सरलतरंगभरीसोहैबालअंक
 मै ॥ सेवकभनतपटभूपनसोंभूपितहै रतिगतिससकि
 बिलोकैमानिवंकमै ॥ धीरजसोहातोरसरातोमदमातोका-
 न्ह मानिसुखसातोज्योंज्यों देतभरुलंकमै ॥ नकरिनकरि
 जंधजकरिजकरित्योंत्यों पकरिपकरिफिरैपाटीपरजंक-
 मै ॥ १०० ॥ कुंदकोकलीसोदंतपैतिथिरलीसीताके धो-
 धधोधमिसीरखसीसीज्योंगरकिजाति ॥ धीरीत्योरचीसी
 तियसोहतिसचीसी तिरछीसोअँखियाहूँसफरीसीवेफर-
 किजाति ॥ रसकीनदीसीदयानिधिकोनदीसीधाह लव-
 तछरीसीरतिदरीसीसरकिजाति ॥ फंदमैफसोसीभरिभु-
 जमैकसीसी जाकेसीसीकरियेमेसुधासीसीसीढरकिजा-
 ति ॥ १०१ ॥ लाईकेलिमंदिरभुलायभोरीतामिनीकों फू-
 लगंधकैफ्रसकीन्हीपौनरुखतें ॥ कंचनकलितकृतनर-
 तिरमणोय लीन्हीगहिपीतमप्रसूनसेजसुखतें ॥ भनप-
 जनेसभुजभरतहहाकैहरँ सोहिकैसमेटस्वँसनीधीदाधि
 दुखतें ॥ आहकरिउछरिसचोटपन्नगीसीऐँठि उमाँठ

अरीरीमैमरीरीकढ़ीमुगर्ते ॥ १०२ ॥ हेरिहेरिहेरीहरिना-
 खिकोहवालहाल हायतूँहँसनिहीमोहहरिहहरिउठै ॥
 छपकिछुटैज्योंछकिछातीमोंछबीलोछली छनकछटासी
 छविछहरिछहरिउठै ॥ कहैमणिदेयलाललोलव्हैलखैत
 कछू लोभलगोलोनोलंकलहरिलहरिउठै ॥ कामकीक-
 लानमाहिकोविदकुँवरकान्ह कोमलकमलमुखीकहरिक-
 हरिउठै ॥ १०३ ॥ लोचनसजलमकरन्दभरेअरविन्द खुले
 खुलीबुन्दपैतिमधुपकिसोरकी ॥ खेदकनओसपीरी
 हीरंगरघुनाथ स्वासासोचयारवहैसोरभक्तकोरकी ॥ ६
 पनकेमोतीसेपभेपसोहैंतारागन सुसकनिधुनिकछूचिरि
 नकेसोरकी ॥ प्यारीजूकेबदनपैमदनयिनोदभेपी देख
 आजुभोरहींसकलसोभाभोरकी ॥ १०४ ॥

॥ पय नवीढ़ा की सुरतास्त यथा ॥

लायेंनोवीकरलागीगावतकियासोंवैठी लागेनखनि-
 रखैउरोजपुलहिनिके ॥ हियेमैयिसूरैबराओरीमानप्यारे
 जूकी छूटैयारटूटैहारसीपउलहिनिके ॥ कौपतअधरगिरै
 औसूयुंदधूंधुटमैं लखेरघुनाथसुधिवुधिमुलहिनिके ॥ हरे
 हरेआउदावेपौयमैदिखाऊँतोहि कैसेभावबनेहैंवनावदु-
 लहिनिके ॥ १०५ ॥ ठैंकैआइअंचलजहैंकेतहैंयाकेहाय
 ताकेअजीताकेअंगमदनममेजमै ॥ टूटिगयेभूपनसुछूटि
 गयेअंगराग फूटिगयेकंकनकितेकोरंगरेजमै ॥ बलिजौ-
 उँसेवकसुखीहैकहौथलिजाउँ छलवलदाउसोंकरीयोंक-
 लितेजमै ॥ डीठिकीडरीसीवालमूठिकीमरीसीव्हैकै सीसी
 यिनसिधिलपरीसीपरीसेजमै ॥ १०६ ॥

॥ यद्य विद्यमनबोदा सच्छन ॥

दो० । कछुकछुटैहरसकुचअरु पतिसोंकछुकपत्थात ॥

साधिश्रवधनबोदतिय कबिकुलबरनतजात ॥ यथा

प्रथमसमागमसुकंपितसरोजमुखी दुखीसीरहतिउरप्रो
तिनाचहतिहै ॥ यातनमैभोरीबोरोदिननकीथोरीगोरी नी
बीकासबौधोहोरीयोरीनिबहतिहै ॥ परपरवीनदिनबूढ़े
प्रांनघूड़िआवै सासुकोबुलायधायपायनगहतिहै ॥ याही-
भ्रममाहींपियनाहोंगहोयोंहों हमनाहोंहमनाहोंपरछों-
होंसोंकहतिहै ॥ १०७ ॥ कान्हचतुराईकरिद्वारमैबिछाईसेज
जानिमनिमंदिरमैमनभाईयामकों ॥ कालिदासरसिकाई
जानिकैचुपायरहे आईजयसुंदरिसिधाईनिजधामकों ॥
चंचलचतुरछरकायलछथोलीधाम अंचलछुवैनदीन्हो
स्यामअभिरामकों ॥ पाटोपगधरिगईचेटकसोकरिगई
नटोलौछरिगईछरिगईस्यामकों ॥ १०८ ॥ नैननिनिहा-
रजानीरंभारतिमानजानी उरजानीआईअतिआनदकी
जफरी ॥ मागतयिरीकेमुसक्यातभजिवेकेघात दघतस-
कातिचलीपीतमतरफरी ॥ धाईधरलीनीलाईउरमैप्रथी-
नयेनो कहैंलौंगनाऊंअधकीतुककेदफरी ॥ नाहींकरें
पिकजानीयोंहींधरेंबीजुरीसी अंकजरेजानीपरजंकमा-
हिंसफरी ॥ १०९ ॥ मुखोरुखमारेदेतिघूँ घुरूनछोरिदेति
चूमिहूँनभोरिदेतिग्रदनमयंककी ॥ लाजनतेंचूनरीठपेटि
तनगोवै हरैहरैगरेरोवैमिटैहिलिकीनअंककी ॥ भनत
कबिंदलालकरकोपरसहोत धरकोमिटैनसरसाईचालसं-

ककी ॥ जकरिजकरिजांचैं सराकि सराकि परे पकरि पकरि
पानि पाटी परजंककी ॥ ११० ॥

॥ यय मध्या लच्छन ॥

दो० । जिहिं तियतन मे होति है लज्जामदन समान ॥

ताही सो मध्या सकल कथियर करत बखान ॥ यथा ॥

मेरो कुल पूज्य सदा रानी ठकुरानी तुही तोहि नित औ-
खन मै हिय मै भरति हीं ॥ तरे ही सैं जोगहि तू दृच्छि नर सीले
अंग मानि मानि आलिन की सीखनि दरति हीं ॥ आनि वन्यो
जोग अथ मेरे बड़े भाग न लें याही तें अधीन ता लै दीनता कर-
ति हीं ॥ हेरन देने कुप्रान पीतम मुखार बिंद हाहाला जआ-
ज तेरे पाँयन परति हीं ॥ १११ ॥ चित्र मै बिलोकत ही लाल
कोय दन बाल जीते जिहिं कोटि चंद सरद पुनीन के ॥ मुस-
कानि अमल कपोल न मै रुचि ब्रंद चमकत खोनन की रुचि-
र चुनीन के ॥ पीतम निहाखो यौ हूँ गहत अचानक ही जा-
मै मति राम मन सकल मुनीन के ॥ गाढ़े गहिला जमै न कंठ है
फिरन चैन मूल छै फिरत नैन बारा बरुनीन के ॥ ११२ ॥ ल-
लना लजीली उर काम ही तें कीली नीली सारी मै लसै ज्यों घ-
टाकारी बिच दामिनी ॥ कहै प्रज चंद हुती संग मै सहै लिन
के हेरति हों सतिय तराति हंस गामिनी ॥ तोली तहो गेह मै
सुनाह जायोन ह भरो बैठि गयो ताको लखि बैठि गइ भा-
मिनी ॥ कंत हेरै सी हिं तय अंत हेरै इन्दु मुखी अंत हेरै कंत
तीन अंत हेरै कामिनी ॥ ११३ ॥ बारिध खो दीपक फिल मि-
लत गो ॥ ॥ सेज के समीप छहरा न्योत मतो मसो ॥ दु-

लहेदुराह आलीकैलिकैमहलगई पेलिकैपठाईमधूसूरद
 कोसोमसो ॥ अंकभरिलीनीगहिअंचलकोछोरदेथ जोरकै
 जनावैनवजोवनकीजोमसो ॥ लालकेअधरयालअधरनि
 लागिलागि उठीमैनआगिपघिलानीमनमोमसो ॥ ११४ ॥
 आलीकैलिमंदिरकेअसपासठाढीसुनै प्यारीवनमाली
 कीवनकचतियानकी ॥ कालिदासपरमहुलासनमैअंक
 भरै लाललीनीआसनमेनथलालजानकी ॥ अतिअल-
 बेलीकीनवलरतिकूजतन सुनिचलीअबलीकिलकिसखि-
 यानकी ॥ मचीएकचेरहीभक्तनकचुरियानकी घनकघुघु-
 कनकीभक्तनकघिछियानकी ॥ ११५ ॥ मुखसोंलगतमुख
 सोंहैनकरतिरुख लाजकामसमताअपुपमैपगोरहे ॥ रति
 केधिलासउरअंतरअसावैपै प्रकासनकरतिरंगप्रेमकरैंगी
 रहै ॥ कैलिकथाकंतकहैऊतरनदेतितानको फूठेनैनमूढ़
 होससुनकीजगोरहे ॥ प्यारैकोजगोहैंजानिपौढ़पटता-
 नितानि लगीरहेउरजीलीपलकलगीरहे ॥ ११६ ॥

॥ अथ मध्या की विपरीत यथा ॥

राजैविपरीतिरचैरमनीरमनसंग याजैकिकिनीमनो
 मनोजकीकिरतिहै॥यिहेंसिलजायलीलनैनननचाय सत-
 रायसोंहैंलायखोलैभावकीधिरतिहै ॥ द्विजजूउतंगकुच
 परहूँमुकतमाल घनस्यामजूकेउरऊपरफिरतिहै ॥ मा-
 नोदीयहरतेंद्विधाहूँसुरसरिधार भरकतमनिकीसिलाप
 रगिरतिहै ॥ ११७ ॥ मोतिनकीमालहियहांलिहालिउठै
 ज्योंज्यों तिरछैनिहारयालतनपरसतहै ॥ मैनमदओप

मन्धारागजनुरागमन्धारा भागमन्धारा नुन्दरनुदामकर
 है ॥ इंसजुप्रनानिकधिकोपिप्रगीतममै उचनित
 एकपेनेदरमनहै ॥ प्यारीकोमदनतावेग्रनकेचुदतु
 मानानमीपनिपेनेजमोयरसनहै ॥ ११८ ॥ रतिविरो
 मृगनेनीकोचिराजैयेनी कनकलतापैज्योभुजगोलह
 है ॥ न्वेदकनगिरतकपोलपैनुकुन्दलाल मानोतमदेखिहु
 जमोछहरनहै ॥ सुटलासमेतराजैलोलचलदलदल चंर
 सेननप्यारीज्योज्योयहरतहै ॥ नेजयरदारचंदनंसनल
 गायमानो दुहू ओरकामकीफतूहफहरतहै ॥ ११९ ॥ रति
 विपरीतमेरमानिमृगनेनीताकोयेनीलुरैपोठिसुखेनीज
 नुमानतें ॥ हिलैमुखजलकगिलैसोराहुचंदमानो गिरैउ
 टिगिरैनिभापाछेपरीप्रानतें ॥ सेवकललकिलपटातिना
 लजोलीकैधौ नायकजुवाकोकनाचलतयिधानतें ॥ कै
 धौभ्रमसंनुकेकसेहैकुचकंचुकीमै कादिवेकोकामवन्दका
 टतकृपानतें ॥ १२० ॥

॥ यद्य सुरतान्त यथा ॥

आइकेलिकरिकैनवेलीसंगपीतमके राजतयिग्रसजं
 गजालसघनेरपै . टूटेहारछहरैछवानलगिछूटेथार लूटि
 गोसंगारमैनसमरदरेरमै ॥ सेखरसलोंनीजानिजामेगुर
 चुनआगे वैठिगईमकुचिसखीगनकेधेरमै ॥ गोरेगात
 ॥ १२१ ॥ गतनसेधारतसहेलीनिठुराइंगहें लाल
 ॥ ओगैयडाईकरैभागकी ॥ सुधारतधीरपीकपोछ-

तिकपोलनकी छलकांतछत्रिरदछदनकेदागकी ॥ अंगि-
यांकीतनीकसिदूखतहैनखछत उफनातअंगनउमंगअ-
नुरागकी ॥ आरसोदेखावतलजातमुसकातवाल छह-
रिछहरिउठैलहरिसुहागकी ॥ १२२ ॥

॥ प्रथम प्रीदा सख्यन ॥

दो० । पतिसैगकेलिकलानिमै जोप्रधीनतियहीय ॥

ताकोंप्रीदाकहतहैं कविकोविदसखकोय ॥

रतिप्रीताएकजानिये एकआनदसंमाह ॥

दुविधभेदप्रौदाकहौं पुराचीनमतजाह ॥

रतिसोंजाकोप्रीतिहै रतिप्रीतासोषाम ॥

छकोसुरतिआनंदसों आनदमत्तानाम ॥ यथा ॥

नेहकेनिहारेनाहनेकुआगेकान्हीयोंहैं छौहैंकेछुवत
नाहौंनाहींसीकरतिहै ॥ पीतमकेपानिपेलिआपनीभुजा
सकंलि धरकिसरकिहियोगादोकैधरतिहै ॥ सेखकहैआ-
धेयैनघोलैकरिनीचनेन हाहाकरिपीनमकेमनकेंहरति
है ॥ केलिकेअरंभनिजखेलहिबढ़ाइवेकें प्रौदाजोप्रधी-
नसोनथोढ़ाहूँठरतिहै ॥ १२३ ॥ प्यारीपरजंकमैप्रमोद
भरीपीकोमन प्रेममैपगावैपरीमदनखिलौनासी ॥ चं-
चलासीचपलचलौंकचखचोठैंकरै चायत्तरीचायलचला-
यहीठटीनासी ॥ घोरीरसगातनउरोजअतिगारेगोरे चो-
रेलेतिसेखरअनूपछविसीनासी ॥ अंकमैभरतेंकरैसीवी-
भरिसंक मानोनीबीकेछुवतेंपरैछूटिमृगछौनासी ॥ १२४
कुंदनकीछरीआवनूसकीछरीतेंमिली, सीनजुहीमालकी

धीकुधलयहारसों ॥ कैधीचंद्रचंद्रिकाकलंकसों कलित
 उं कैधीरतिललितबलिनभइमारसों ॥ कालिदासमे
 माहिदामिनीमिलोहैकैधी अनलकीज्वालमिलीकैधी
 मधारसों ॥ कलिसमैकामिनीकन्हैयासों लपटिरहो ॥
 धीलपटानीहैजुन्हैयाअंधकारसों ॥ १२५ ॥ भौतिनअने
 कसोंमनोजकीकलानमाहि लोलहूँकैरतिकेकलोलकैद
 रतिहै ॥ छाइभरीछैलकीबिलाकनिबिलोकित्योंहों कसि
 कैभुजासोंकटिमोदसोंभरतिहै ॥ कहैहनुमानमदमाती
 रीछपोलोपाल रतिकोंनिदरिबिपरीतिमैअरतिहै ॥ ज्यों
 ज्योंछासगोंमैछपटायमुखचूमैलाल त्योंत्योंनैनमूदिसि
 सिर्कागकोफेरतिहै ॥ १२६ ॥

॥ धोड़ा की रति यथा ॥

छतिभौछपोलीकोंलगाईनंदनदंनजू चंदमुखचंदत
 अतंदाहिभेभारिभरि ॥ जंघनजुगुलदोऊजंघनसांजोरि
 जोरि भरतासि संकअंकछोईनहींकरिकरि ॥ कहैकवि
 धेधस्थंदगहितकरनदोऊ मीढतहैकठिनउरोजनफो'धरि
 भारि ॥ मानांगंगाजलअतिपावनमैसभुजूकी मूरतिअ-
 स्थातफागतापनसोहरिहरि ॥ १२७ ॥ राजैपरजंकपरकां
 गलफनफलसा लताद्वैकनकगिरियनकयिसालहैं ॥ क-
 हैकविटुलहमुअंगनसहिततामै तरुनतमालछलकंतछ-

॥ कमलकंनालजुगतापरउभयरंभा रंभाद्धै

॥ कमलपैकुराधिंदकुराधिंदप-

रघुदे चारुग्रोलतमराखं ॥ १२८ ॥ दंपति

करतरति सुन्दर सरस अति धारां रतिरतिपतिकेयक सहस्र
 को ॥ लालको भुजान परललना की जानहु लसै गाढ़े गहि
 ग्रीव पीये अधर कर सकें ॥ तास मै प्रिया के पाँय पीकी करि हैं
 पै आय रहे हैं उचाय ऐसैं औंगुरी नद सकें ॥ मरं जान पंच-
 घान पंच पंच घान ही के दुहूँ ओर घाँधि घट दो दुहूँ तरक सकें ॥
 १२९ ॥ रगमगी से जपर जगमगी सो भाषारु मनिमय
 मंदिर मयूपन अधाह की ॥ उदेनाय तापें प्रान प्यारी प्रान
 प्यारो लाल कोक की कलानि केलि करत सराह की ॥ कहुन
 सुकिङ्किनोर नूपुर निनाद सुनि सौति मके थढ़ति यिसाल पी-
 र दाह की ॥ प्रियुधन जोतिके उछाह की धजत मानो नोय
 सरसो लीकाम देय पात साह की ॥ १३० ॥ सह मै सलोनी
 नय लोकर सय सट्टै के धिधि धिधियान धारो रति सुख दी-
 न्हे है ॥ करिके अधर पान ताह की कराय फेरि कहै हनुमा-
 न धर जानद को श्री न्हे है ॥ पञ्जन को जोरिलाल फे सनि पै
 राखि कर प्यारी को पदन पाहु योच कर ली न्हे है ॥ मानी-
 त जियै रराहु दंद नैय पायये को चंद को सरोजन मृनाल मध्य
 की न्हे है ॥ १३१ ॥ प्यारो रस सट्टै के लागो रति सुख छैन
 झूमि झूमि चैन भरो सुं धन करत है ॥ परसि कपोल नि कीं फ-
 रत अधर पान हिये हनुमान सुख सौगुनो भरत है ॥ लल-
 ना की जानहु यो गलाल कुण्ड परयो झुकि राहि गयो ऐसी उ-
 पमा धरत है ॥ प्रेठि कदलीन मध्य की ये को प्रसन्न आजु मा-
 नो झूम संभु जूके पाँयें न परत है ॥ १३२ ॥ अन्यकार धूम-
 हारे छारि छटेशर विधुरो धिरा जै रनि जन्त से जपर मै ॥

श्रीकुशलपहारभां ॥ कैधीचंद्रचंद्रिकाकलंकसोंकलितभ-
 ङं कैधीरतिलालितनयालितभट्टमारसों ॥ कालिदासमेघ
 माहिंदामिनीमिलीहैकैधी अनलकीउज्जालमिलीकैधीधृ-
 मधारसों ॥ कलिसमेकामिनीकन्हैयासोंलपटिरही कै
 धीलपटानीहैजुनहैयाअंधकारसों ॥ १२५ ॥ भौतिनअने-
 कसोंमनांजकीकलानमाहिं लोलहूँकैरतिकेकलोलकेंद-
 रनिहै ॥ छांहभरीछैलकीबिलांकनिबिलोकित्योंहीं कसि
 कैभुजासोंफटिमोदसोंभरतिहै ॥ कहैहनुमानमदमाती
 रीछथीलीघाल, रतिकोंनिदरिबिपरीतिमैअरतिहै ॥ ज्यों
 ज्योंछतियांमैछपटायमुखचूमैलाल त्योंत्योंनैनमूदिसि-
 सिकीनकोकरतिहै ॥ १२६ ॥

॥ मोड़ा की रति यथा ॥

छतियाँछथीलींकोलगाईनंदनंदनजू चंद्रमुखचंद्रते
 अतंदहियेभरिभरि ॥ जंघनजुगुलदोजजंघनसोंजोरि
 जोरि, भरतनिसंकअंकछोड़ैनीकीकरिकरि ॥ कहैकवि
 देवस्येदंमहितकरनदोज भीड़तहैकठिनउरोजनकोंधरि
 धरि ॥ मानोंगंगाजलअतिपावनमैसभुजूकी मूरतिअ-
 न्हातकामतापनसोंहरिहरि ॥ १२७ ॥ राजैपरजंकपरको
 मलकनकलता लताद्वैकनकगिरियनकबिसालहैं ॥ क-
 हैकविटूलहंसुअंगनसहिततामै तरुनतमालछलकतछ-
 विजालहैं ॥ कमलकेंनालजुगतापरउभयरंभा रंभाद्वै
 कमलजुतसोभितसनालहैं ॥ कमलपैकुराबिंदकुराबिंदप-
 रचंद चंदपरचंदेचारुगोलतमरालहैं ॥ १२८ ॥ दंपति

करतरति सुन्दर सरस अति वारों रतिरति पति कैयक सहस
 कों ॥ लालकी भुजान परललना की जानहु लसै गाढ़े गहि
 ग्रीव पीवै अधर कर सकें ॥ तासमै प्रिया के पाँय पी की करि हँ
 पै आय रहे हैं उचाय ऐसैं औ गुरीन द सकें ॥ मेरं जान पंच-
 यान पंच पंच यान ही के दुहूँ ओर धँधि चढ़ो दुहूँ तरक सकें
 ॥ १२९ ॥ रगमगी से जपर जगमगी सो भाचारु मति मय
 मंदिर मयूपन अथाह की ॥ उदै नाथ तारि प्रान प्यारी प्रान
 प्यारी लाल कोक की कलानि के लिकरत सराह की ॥ कहुन
 सुकि द्विनोर नूपुरानि नाद सुनि सौतिन के थढ़ति धिसाल पो-
 रदाह की ॥ त्रिभुवन जोतिके उछाह की थजत मानो नौथ
 तरसी लीकाम देव पात साह की ॥ १३० ॥ सङ्गमै सलोनी
 नथ लाकेर सय सङ्गै के धिधि धि धि धान धारो रति सुख दी-
 न्हे है ॥ करि कै अधर पान ताहूँ कराय फेरि कहै हनुमा-
 न धर जान दकों बीन्हे है ॥ पञ्जन कों जोरि लाल फंसनि पै
 राखि कर प्यारी को थदन घाहु थो थ कर लीन्हे है ॥ मानो-
 त जियै रराहु दं नै थ धाय ये कों चंद कों सरोजन मूना उमध्य
 कीन्हे है ॥ १३१ ॥ प्यारी सय सङ्गै कै लाल गोरति सुख लें
 झूमि झूमि चैन भरो चुंगन करत है ॥ परसिक पोछनि कों क-
 रत अधर पान हिये हनुमान सुख सौ गुनो जतरत है ॥ लल-
 ना की जानहु ग्रीव लाल कुच लपर्यो झुकि रहि गयो ऐसी उ-
 पमा धरत है ॥ थैठि कदलीन मध्य की ये कों प्रसन्न आजु मा-
 नो थम संतुज के पाँयै न परत है ॥ १३२ ॥ अन्यकार धूम-
 धारि लाल मरिछुट्टे धार धिपारे धिरा जै रति अन्त से जपर मै ॥

फालिदासकामरूपस्यामसङ्गसोढंशाम कामकामनीकरु-
पकामकलिधरमै ॥ नयलाकीनाभीकान्हटिहुनीदैकुच
गहि सोयेंजोयेजटितअँगूठीसोहेकरमै ॥ मेरेजानथा-
वीतेनिकसिकारोनाग फनराख्योमनिमंडितसुमेरुकेसि-
खरमै ॥ १३३ ॥ दंपतिश्रमितहुँकैपौढेपरजहुंचारु रहे
लपटायस्यामगरभुजहारोहै ॥ रसिकप्रिहारीकुचवांड़ी
चुटकीसोंचोपि सोधरेसुरसतेंउरोजकरधारोहै ॥ हीरां
जरीसोहतिअँगूठीस्यामअँगुरीमै जगमगजोतिकोप्र-
कासउरभारोहै ॥ मुखमेद्वयायभृंगफनकोपसारिमानो
सोवैहेमंगिरिपैफनिंदमनिवारोहै ॥ १३४ ॥

॥ यस्या विपरीत यथा ॥

॥ आसनंविधानकैन्हवायोप्यारोश्रमजल परिमलच-
न्दनचढ़ायोरसरीतसों ॥ लीलाधरअच्छतनखच्छतअर-
पिउरटूटेमोतीहारबहुपुहुपसभीतसों ॥ अधरमधुरसु-
धारंसनैबेदतकीचंटाछुद्रघंटिकाघजावतसुरीतिसों ॥
पूजापरिपाटीविपरीतिमैप्रगठकरि कीन्होपतिदेवप्यो-
रीपूजिपूरींप्रीतिसों ॥ १३५ ॥ छपाकरछत्रमोतीफालरे
नछत्रमानो ॥ पलिकोप्रकाससोसिंहासनसोसाजको ॥ कहै
कविलालर्चीरुचौरनकीव्यारुचलै बिखरतहारहियेअछि-
तइलाजको ॥ सरसअलापउचरतउज्जमंत्रवेद किङ्किनी
सवदसुरनौवतअवाजको ॥ कीनोत्रजराजविपरीतको
समाजकीधौं राजअभिपेकमनमथमहराजको ॥ १३६ ॥
आजुअलबेलीअलबेलैसङ्गरङ्गधाम रतिविपरीति दंपति

तिसोंकरति है ॥ उक्तकि उक्तकि भुक्ति भुक्ति लघकी लोल हू
 अतिही असंझ अझ प्यारे कों भरति है ॥ गिरंधरदास उभै उ-
 रंज उन झसा हैं उपमा कहत बानी लाजहि भरति है ॥ मानो
 दुइतुं बराखि छाती के तरे तरुनि सुरतिसमुद्र वे प्रयास हित-
 रति है ॥ १३७ ॥ आगे है भुके हैं दोऊ जंघन जमातदार ल-
 टकै लटक बरखो के रङ्ग के ॥ सीस ते अलिन व्है मलिन फूल
 फरै मानो परै विविधिसिख अनङ्ग के निखङ्ग के ॥ अञ्जु ल-
 ध्वजा जो फरहरत परत मोती अङ्गरागरङ्गरै गेगोलन के ठङ्ग
 के ॥ कंचुकी के भङ्ग दोऊ उर जउत झगराजैं छूटे ज्यों मतङ्ग
 धि परीतरति रङ्ग के ॥ १३८ ॥ मानो है मजान मोद मंजुल धि-
 मल के लि ठानी स्याम सङ्ग धि परीतरति होने की ॥ बालै चा-
 रु किङ्किनी सुहालै परजङ्ग कोनो लालहिनि हाल बालमाल
 उरंभोने की ॥ अङ्गन अलिङ्गन के गूढ़ गुन गासन को बरनै न-
 धीन कामनी सुमुख मोने की ॥ नीलम कपत्र पै मुसव्वर मनो-
 ज मानो काढी आघदार मेहरा यथिर सोने की ॥ १३९ ॥ छे-
 कि धि परीतर ही मानिक महल श्रीच अङ्ग अङ्ग आतद अनन्द
 अनुसारै ॥ कविल छिराम स्याम सुन्दर सुजान सङ्गारी
 फेर हीरस यसरु परत नारै ॥ सरावीर स्वदे अलका धेली
 उरो जन पै समगन सीमा सोधि वाधरी विचारै ॥ धारै द्वै
 मुनीसन के मदन सँवारै मौज मञ्जुन करत स्याम घन के फुँहा-
 रै ॥ १४० ॥ उछलि उछाहन सीं ऊँच म अनोखो नाधि धर सो
 अनंद मन भावन के मन परं ॥ कहै पदमाकर कपोल न पै आये
 ठारि छाये कन स्वदे के सुहाये उर जन पर ॥ होरि मानि प्यारी

विपरीतकोविहारलगि सिथिलसरीररहीसाँवरकंतनप
 मानहुं सकोलकेलिकेतिकोकलाकीकरि थाकीहैचला
 चंचलाकीघोरघनपर ॥ १४१ ॥ प्रीतिवसदोजविपरीत
 रमैहैंजहां पाँयँपरिपैजनीसुमौनमुखलैरही ॥ कहैपद
 माकरत्योकरतकुलाहलन किङ्किनीकनारकामदुन्दुभीर
 दैरही ॥ छायोमुखप्यारीकोविहारीकेसुआननपैहारजु
 वारनकीआभाइमियैरही ॥ तारनकेफेरचाँपचंदैचह
 ओरमानो इंदीवरऊपरकलिंदीकेलिकैरही ॥ १४२ ॥ यह
 सुगंधमन्दसीतलसमोरजहौ अलिपुंजगुंजतनिकुंजकेकु
 ठीरमै ॥ दम्पतिसप्रीतिरचीरतिविपरीततहौ झुकिझूयि
 झुमिझूमिकीरतिललीरमै ॥ कहतविजयनन्दविधुरित
 केसंधंस घगरंतियाकेगोरेसुन्दरसरीरमै ॥ अनुकनकारवि
 न्दलुलितसिवारनसों मन्दमन्दडोलतकलिनन्दजाकंनौर
 मै ॥ १४३ ॥ सिमकतसाँसैभरैयीधेयोंहपासेभरै रससरै
 रसिकरसीलीचितचोजकी ॥ कहैपदमाकरसुदाऊविपरी
 तमाह महमहीमीजैमंजुमंजुलमनोजकी ॥ रंगरसभीनी
 क्लीनीकंचुकीसयुजफोरि निकसिलसाँहैअनीजुगुलउरो
 जकी ॥ मानांरूपसागरमैउन्नतअनोखीस्वच्छ आइंकादि
 काइंफोरिकलिकासरोजकी ॥ १४४ ॥ फैलिरहेचहूँदिसि
 चिकुरसमूहघन वरखतसलिलसुमनचुंदभारीहै ॥ दृष्टिउ
 छलतमुक्ताहलथलाकदल भूपनमयदमोरघोरअनुकारी
 है ॥ प्रफुलितगातमयललितकदंयनय दन्तनकेअहूँइंद्र
 प्रियकारीहै ॥ जानदयितानमईंछताउलहातिमानो

प्यारीविपरीतरतिपावेंसनिकारीहै ॥ ११५ ॥ साजिसैज
 केलिकेमहलमैउमङ्गभरी पियगरलागिकामकसंकमिटां-
 येंलेति ॥ हरीचंदउक्तकिउक्तकिरतिगाढ़ीकरि जोमभरी
 पियहिक्तकोरनहरायेंलेति ॥ ठानिविपरीतिप्यारीमैनके
 मंसूसनिसों सुरतिसमरजयपत्रलिखवायेंलेति ॥ यादकारि
 पीकीसघनिरदयघातैंआज प्रथमसमागमकीबदलांचुं-
 कायेंलेति ॥ ११६ ॥ कङ्कनखनकंपगनूपुरठनक . कटिकि-
 ङ्किनीक्षनकधनीचूमघहरानहैं ॥ कुचकीदचकंपरजङ्गकी
 मचक लघुलंककीलचक्राहयेंहारलहरातहैं ॥ भनकभि-
 मानविपरीतकीफलक हिलैवेसरिअलकछविछूटिछहं-
 रातहैं ॥ सुन्दरीकेकाननमेपानयोंनरफरात मानोपञ्चवान
 केनिमानफहरातहैं ॥ ११७ ॥ अनितासहिनचनताकेबीच
 यंनमाली करतविलामपूषीरसकेघमंडकीं ॥ रीतिविप-
 रीतकीनिसोपमैरुचीहैरुचि पञ्चसरंजीतिलहिआनदअ-
 खंडकीं ॥ वेनीश्योंहूँउलटिपरीहैकुचकुंभधीच लालहूँछु-
 वतिलाउधदनप्रचंडकीं ॥ महाबलवंडरतिराजकीवितुंड
 क्षुकि मानोसुंहादंडसोंलपेटेमारतंडकीं ॥ ११८ ॥ कंचन
 कंसपरपन्नगकुमारराजैं आछीआरसीपैरूपमुक्ताम-
 चतुहै ॥ शिंघपरकीरकीरऊपरकमल तापैमनमथधनुंहा-
 वभावंसोंसचतुहै ॥ द्विजराजश्रीपतिपरमअचरजयेंह मु-
 निहूँ केमनप्रेमवैलिचिचंगुहै ॥ घनपरविज्जुविज्जुऊपर
 सरदचंद चंदपरराहुतापैसरजनचतुहै ॥ ११९ ॥ जीतिर-
 तिकामहिं करतिरसरीतिजहो पीतमर्तेंदुहूँ रचीविपरीति

प्योपरोनसीवीप्रमपरस्वै ॥ मुखतेंउंचटिस्वै द्युंदंपरैकुच-
 नपै मानोइदुईसपैसुधाकेबुंदचरखै ॥ १५४ ॥ लागोहैर-
 चनविंपरीतरतियालवह मानिकैयचनप्रियवालमसंपथ
 को ॥ कोककीकलानमाहिशिवकधिप्रेमधस पूरनम-
 नोरधकरतिमनमधको ॥ खसितउक्तकिष्कुकिश्रवनस-
 मीपनतें जटितजवाहिरतरौनायहुगयका ॥ मानहुअ-
 कासतेंप्रकासकरिआसपास टूटोटूकहूद्वैचक्रचन्द्रमाके
 रथेको ॥ १५५ ॥ जोमभरीजीवनअनपदपरासिराधे र-
 च्योहरहरनअनङ्गभावभारोसो ॥ भौवतीभुजानकानसङ्ग
 धिनकानिकीन्ही रतिविपरीतमोदमखरखवारीसो ॥ क-
 धिसरदारहारभूमतभुक्त लटकतलटलोललीकललक
 अखारीसो ॥ छूटपखोसीसफूलफूलमुकतातेंमानो टूट
 पखोतरनितरैयनतेंतारोसो ॥ १५६ ॥ सजिग्रजभूपनके
 भूपनवसनअङ्ग राजीरतिरङ्गसङ्गसुंदरसुजानके ॥ कहै
 पदमाकरिसुपेचपंगरीकंखुले टूटेकलकुंडलकलोलनमेका-
 नके ॥ ठरकिंकपीलनतेंअरुक्तेउरोजनमै मंजुमकराकृत
 बड़ेरीमुकतानके ॥ मानाछलछंदनसोछीनकैछपाकेर
 ने ॥ सौपेआनिईसकोनिस नपंचधानके ॥ १५७ ॥ रति
 विपरीतिरंचीदंपतिगुप्तअति मेरेजाममानभयमनमध
 नेजेतें ॥ कहैपदमाकिरपंगीयोसरङ्गजामै खुलिगेसुअङ्ग
 संघेरङ्गामेजरेजेतें ॥ नीलमणिजाटितसुर्वेदाउञ्चकुचपर
 पखोटूटिलालितटिलाटकेमजजेतें ॥ मानोगिखोहेमगिरि
 संगपैसुकैलकरि कदिकैकलंककलानिधिकेकरेजेतें १५८

रचोधिपरीतिजोतित्रेकीगीतिगहेप्यारी चपलासेचपलच-
 रितभरेअङ्गहैं ॥ भौंकिफैफरीखेंदेखुगोकुलकिसोरदोज
 सुरतिसमयकेसयानेरातरङ्गहैं ॥ मलयमुकुतमालमंहितउ-
 रोजनपैं परेकेसपासलोललागेउतमंगहैं ॥ सङ्करेसीस
 तेगिरतिगङ्गधारमानो कारेबिपवारपरपैरतभुजङ्गहैं १५१
 छूटतलपटिलपटतिफेरछूटनहैं थकतनदोजविहरतय-
 डीबेरके ॥ लंकलचकतिअंकभरतनिसंक परजंकपरराखे
 मुकतानकरिढेरके ॥ तासमैकहतसंभुगीरीकेगरतेंटूटि
 छूटिचल्योसुरतिकरतफेरफेरकं ॥ कुचचोचअटक्योधिरा-
 जतहैहारमानो धसीगङ्गधारफेरसिखरसुमेरकं ॥ १६० ॥
 रतिविपरीतरङ्गरसिकविहारीसङ्ग अङ्गदेखिप्यारीकेअनंग
 हरपतहै ॥ आसनविधानकौविधेकनबलितबाल ॥ त्योंहीं
 लालकीककीकलानकरखतहै ॥ भनतकविन्दहारटूटश्रम
 जलछूट सीतिनकेभीजतसुहागसरखतहै ॥ मागमोती
 मालवछेछेस्यामपैंसुधारगिरें इंदुमानोतमपरतारैधर-
 पतहै ॥ १६१ ॥ सजलजलदपरदामिनीलसतिकैधौं का-
 मनीकांरुपजदुपतिसोंहिलतुहै ॥ मदनमुरतपियमुखसों
 जुनेतकैधौं कीमलकमलसोंकलानिधिमिलतुहै ॥ मंडन
 कहतयाहीश्रमतेसलिलहोत अंगतेप्रगटकैधौंनेहपाधिल-
 तुहै ॥ टूटिटूटिमोतीसीसफूलतेंफरतकैधौं मरेजानितर-
 नितरैयाउगिलतुहै ॥ १६२ ॥ प्यारीमानप्यारेसंगकरति
 अनंगऐस धिरतचहूँचौबासफूलनकेढेरकी ॥ उदेनाथ
 सुकाविसोहाईसखीश्रीननकी किङ्किनीकनककामनोय-

तकेजेरकी ॥ मोतिनकांद्धारचारुलटकरोकुचनपर अट-
 कोयीं डोलैकरैसोभाघनघेरकी ॥ पैतिपोतिहूँकरनछत्र
 सबदेतमानो पून्यहेतुपूरनप्रदच्छिनासुमेरकी ॥ १६३ ॥
 दंपतिसुरनियिपरीतमैरमतगन कांककीकलानिकेअखि-
 लअधदारेहैं ॥ भनतकविन्दविहैंसोहैंवतराति सतरोहैंह-
 गदोऊकंअनंदमहाभारहैं ॥ उलटैलिलारतेंसहितबेंदामा-
 गमोतो भरेकेसपासनमेपरेउरफारेहैं ॥ बदननछप्रप-
 तिछत्रपतिहुकुमतेँ कूदेमनोतमपैकतारेथैं।धिसारेहैं॥१६४॥
 रतिधिंपरीतमैरमतिअलयेलीलफि कुंदनकीबेलीसोसि-
 सिकैसिकुरिजाति ॥ येनोकधिकहैविहैंसतियतराति वि-
 ज्जु छटालौछहरिघनस्यामतनजुरिजाति ॥ मोतिनकीलरैं
 अलकावलीकेतरलसैं उघरैंजुरेईमुखचंदछविदुरिजाति ॥
 मानोससिपोछेडारिआगेपै।तितारनकी तमकिजमाततें
 उभरिलरिमु रिजाति ॥ १६५ ॥

॥ मोटा रतिमोता यथा ॥

अरसोहैंनैनकरिसरसोहैंमुसकाति त्योंत्योंअकुलाति
 ज्योंज्योंहोतआलीप्रातरी ॥ दीऊबेपरसपरपीवतअधर
 रत्न चूमिचूमिचटकीलामुखजलजातरी ॥ भनतकविंदभ-
 रिभरिअंकूहैनिसंक नेहभरेफिरिफिरिदोऊवतरातरी ॥
 धिछुरनकरतदुहूँकेगातवीतेँदुखी छपटिलपटिजातनेक-
 नअघातरी ॥ १६६ ॥ कोककीकलानयारीसोककीदल-
 निनिसि फीनीसवधातैंघातैंसौतिगरदनकी ॥ आनदमग-
 मसोंप्रवीनयेनीप्यारेपास भूलिगईविपदामनोजकरदन

की ॥ बिलखीबिकलऐसीनभमेललाईलखि आवनसुरति
 लागीदीनदरदनकी ॥ सीतसोंसमीतसीसमीरकेबहानेगां-
 री छोरदीनीडोरीदौरदरपरदनकी ॥ १६७ ॥ चिरियाचुहुं
 चानीत्योरजनीबिहानीसुनि प्रगटीप्रभातवानीगोपिनके
 गीतमै ॥ काछिदासऔंचकहीसेजतेंउतरिप्यारी औंचसी
 लगायचलीचित्तनवनीतमै ॥ उठीअंगिरातिजमुहातिअ-
 लसातितन भौवतोतज्योनजातमिसिरकेसीतमै ॥ फेरप-
 रजंकपरअंकभरिप्यारी पीतपटमैलपेटिलपटाइगईपीत
 मै ॥ १६८ ॥ छकिछकिदोजभुकिभुकिमुखचूमैधूमै जै-
 सेछागेवातजलजातजुरिजुरिजात ॥ धेनोकधिरसिकरसी-
 उरसमसेदोज दैदैगलबै।होहैंसिहैंसिमु रिमु रिजात ॥ छूटे
 धारटूटेकंठसिरीतेंसुठारमोती ऐसैंदु'हू'कुचधीचलो लहुरि
 दुरिजात ॥ मनोतमतमकिनिहारिहारितारेदुहू' गिरि
 कीदरीमैदीरिदौरिदुरिदुरिजात ॥ १६९ ॥ रचतिमुरतिसोप-
 लटिधिपरीतिफेरि रतिरसआनदकोभौवतेसोंललचाय ॥
 गहिगहिगाढेचूमिलोचनअधरमधु प्यावैप्रानप्यारेकां
 पियतजापुनाअघाय ॥ सौंभ्रहीतेंगोकुलअनंगरंगरा-
 तोनई मोरलींयिलोकीचैनचाचढीसरसाय ॥ छूटि-
 धोनभाचैछिनछैलछतियासों मैनमदछाकसोंछयोलीछ-
 पटतिजाय ॥ १७० ॥

॥ चानंदमना गया ॥

सीमफूलमरीनुहायनेलिछारलाग्यो लामोएटैलट-
 किरौटैकटिछामपर ॥ द्विजदेयन्योहोकरहुहुलनिहिपेने

हंलि फैलिगयोरागमुखपंकजललामपर ॥ स्वेदसीकरन
 सराघोरहूँ सुरंगचीर लालदुतिदैरहीसुहोरनकेदामपर ॥
 केलिरससानेदोऊयकितविकानेतऊ होंकीहीतकुमुकुसु-
 नाकीधूमधामपर ॥ १७१ ॥ कामकीकलानकीकुसलतासों
 चारोंजाम सुरतिसुरससोंछकायछकीपियसों ॥ भईमोद
 मईलईअंगनसिथिलतई तऊनअनंगकीउमंगघटैजिय
 सों ॥ गोकुलकहतउमहतमौतिमौतिनसों आवचढ़वैस
 केस्वभावसत्रतियसों ॥ सँभ्रतैलैभोरलौनिहारोमोदमत-
 वारी नेकऊनन्यारीहोतिमौवतेकेहियसों ॥ १७२ ॥ भुजनि
 सोंकसिकसिआलिंगनदीन्होचारु चुंयनअनेककीन्हमुख
 अरुनैनको ॥ दैकरकपोलनिमैदौतरघुनाथ कुचदुयेग्रहुभौ
 तिलायेनखछतपैनको ॥ रतिसोंपलटियिपरीतिरधीरधी
 फेर रतिग्रिपरीतसोंसँवारोप्यारोचैनको ॥ भारतकताकोऐ
 सोरंगयनिताकोसखीअंगसग्रथाकोपैनमनछाकोमैनको ॥

॥ अब मोड़ा को सुरतान्त यथा ॥

अंगअरसोंहैंछत्रिअधरनसोंहैंचढ़ी आलसकीभौहैंध-
 रेआभारतिरोजकी ॥ सुकथिकलसतैसेलोचनपगेहैंनेह
 जिनमैनिकाईअरुनोदयसरोजकी ॥ आलीछविछाकि
 छाकिमंदमसुकानलागी विचलविलोकीतनभूपनकेफौज
 की ॥ राजैरदमंडलोकपोलमंडलमैमानो रूपकेखजानेप-
 रमाहरमनोजकी ॥ १७४ ॥ फोकनदनैनीकेलिकरिमान-
 पतिसंग उठीपरजंकतैंअनंगजीतिसीकीसी ॥ भूपनसक-
 लदलमलहलचलभये विनलालभालफैलीकौतिरविरोकी

सी ॥ छूटिरहींगोरेगोलगालपैअलकस्वच्छ कुसुमगुलाय
 केज्योलीकअलिदाकीसी ॥ मोतीसीरुफूलतेंत्रिधुरिफैलि
 रहेमानो चन्द्रमातेंछूटीहेनछत्रनकीचोकीसी ॥ १७५ ॥
 भीरभयेंजागोअनुरागीप्रेमपागी गलंपीतमक्रेलागीबढ़
 भागीभागभरेंहैं ॥ सुथरेचदनपरत्रिधुरेधिराजेंशर मधुरे
 सेलार्गेमनोपंचसरकरेंहैं ॥ पूखीमृगनैनीयालभूपनसंशर-
 रतही मोतीमागटूटिउरकंचुकीपैपरेंहैं ॥ चंदक्रोगहनदेखि
 राहुकेडरनमानो संभुकेसरनएसितारेंआनिपरेंहैं ॥ १७६ ॥
 रैनिकीउनीदीप्यारीसोवतिहैभीरभयें कीनोपटतानप-
 रीपौयनलौंमुखतें ॥ सीसतेंउलटिबेनीभालहूँकैउरछूँकै
 जानुहूँछवानहूँकैलागीसूधेरुखतें ॥ सुरतिसमैमैरतिजा-
 दनकेमहाजोर जीतिभगवंतअरसायराखीसुखतें ॥ हर
 कोंहरायमनोमारमधुकरनकी धरीहैउतारिजीहचंपाके
 धनुपतें ॥ १७७ ॥ प्यारीपरजंकपैनिसंककरिकैलिसाई कं-
 चुकीदरकिनेकऊपरकोंसरकी ॥ अतरगुलायकेसुगंधकीर-
 मकपाय भइंउड़िआवनिकहूँतेमधुकरकी ॥ बैठ्योकु
 चधीचनीचउड़िनासकतकहूँ रहीअवरेखसेपदुतिदुपहर
 की ॥ मानहुंसमरमैसुमिरवैरसंकरकी मारीसंवराफों-
 करहगईसरकी ॥ १७८ ॥ कुन्दनसेअंगनवजोयनतरंगराजै
 उरजउतंगलंकछीनछबिदेतहै ॥ बादलाकीसारीदरदाव-
 नकिनारीदार यदनकीजोतिमानोहुसनसमेतहै ॥ सोम-
 नाथनिरखिसुजानअंगिरानप्यारी दोऊकरजोरिमुखमो-
 रिहितचेतहै ॥ मंदनमलाहकेसलाहसांउछाहभरी मानो

रूपसागरकीठाढ़ीथाहलेतहै ॥ १७९ ॥ करिरतिरंगपतिसं-
 गतेंसलोनीप्रात उठीअंगिरातिओपउलहीअपारहैं ॥ भ-
 नतकथिंदटूटसकलसिंगारहार सौतिमुखहारहैनिहारेटू-
 टेहारहैं ॥ फचिरहीकलितकपोलनपैपीकलीक धलितन-
 खच्छनउरोजनअगारहैं ॥ मुरिरहीवेसरिसिकुरिरहीसारी
 अंग भरिरहेआलसधिधुरिरहेथारहैं ॥ १८० ॥ रातिरति
 रंगमैरसीलीअरसोलीबैठी सेजमैयिलोकैसीहैंआदरसध-
 रिकै ॥ घेनीकधियेनीकेखुलहैंकचमेचकवै औचिपेचछरा
 मुखमंडलधगरिकै ॥ तिनमैअरुक्तीसीसफूलसोअतूलछ-
 धि प्यारीसरुक्तायलीन्होऐसैंकरकरिकै ॥ बौध्योतमबंध
 नधिलोकिदिनकरमानो प्रातअरविंदनछुढ़ाघोबंधुलरि-
 कै ॥ १८१ ॥ रतिधिपरीतकैनधेलीरसरंगतरी बैठीपरजंक-
 सोहैसुखमाअपारसों ॥ मंजनसरसकरिपहिरिचुनोटीची-
 र लागीलचकनफेरभूपनकेभारसों ॥ केसनकांक्षारिठा-
 रिमुखदरसायोइमि प्यारीहनुमाननिजहाथनसुठारसों ॥
 आछेअरविंदआनिहियरेअनंदआज मेरेजानिचंदकोंनि
 काखोअंधकारसों ॥ १८२ ॥ रातिरतिरनमैरहेजेपतिसन
 मुखतिन्हैयकसीसरीजिदोन्होहैयकसिकै ॥ करनकोंकंकन
 उरोजनमुकुतमाल कटिमाज्जकिंकिनीठइहैअतिगंसिकै ॥
 सेखकहैआननमैआनदसोंपानदियो नैननिमैअंजनयि-
 राज्योमनवासिकै ॥ बैरीधरधारजेरहेरीथकिपाछे यातेंधार
 धारबौधेआलीधारधारकसिकै ॥ १८३ ॥ भालपायोति-
 लकधिसालहगअंजनहूं मंजनकपोलश्रुतिधोरनलसतहैं ॥

नासिकासुखेसरतमोलओठमालकुच भुजवरवीनपानिप-
हुंचीसजतहैं ॥ प्रानकविकिंकिनीललितलंकजानुपटमू-
पुरसुभटचितचाहिकैचहतहैं ॥ क्योंकसेजौयँकचकाय-
रयेकामिनीके समरसमैमेसदौपाछेहीरहतहैं ॥ १८४ ॥
इतिश्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते मुग्धामध्यामौढा-
घर्णनोनाम द्वितीयमयूषः ॥ २ ॥

यद्य धीरादि भेद लच्छन ।

दोहा । पियकोंलखिअपराधजुत चतुराईगहिघाम ॥
व्यंग्यवचनमैप्रगटारिसि करैसोधीरानाम ॥
व्यंग्यवचनबिनुप्रगटारिसि करैअधीराजीन ॥
व्यंग्यअव्यंग्यलियेकहै धीराधीरातीन ॥

। मध्याधीरा लच्छन ।

कपटलियेआदरकरै व्यंग्यवचनकहिजीन ॥
द्विजकवियरननकरतहै मध्याधीरातीन ॥ यथा ॥
कोनकहेतुमकोंकलङ्घिनमेछैलआज जागेकहूरैनि
छाईंलालिमाचखनमै ॥ आयेहीप्रभाततऊसुखसरसात
मेरो नाहकमकातअरमातहीसुमनमै ॥ कहैहनुमानय-
हअञ्जनअधरयारो भालजालगायतेमुहातेतासजनमै ॥
भायतेअधिकमरमायतेमनोजओज जाबकलगायतेजो
छालअधरनमै ॥ १ ॥ ऊँठीयेइंप्यारेनुमैदोपजेलगाय-
तीहैं नुमैसप्रसाधुनमेनरमयिमेगियत ॥ रातिकोंनोआ
यनहैंहोतजहैंचोर नुमआयतहीतोखातेमाहनमेलेम-

यतु ॥ नैनहैनलालयेमहाधरोनभालयह आंठनमंकाज-
 रकीरेखऊनपेखियतु ॥ आरसीलौनिर्मलयेरावरेकअङ्ग
 तामै मेरोचारुचूनरीकोप्रतिविम्बदेखियतु ॥ २ ॥ तुम
 कहाकरोकहूंकामतेंअटकिपरे तुम्हैकौनदोससोतोआप-
 नोइंभागहै ॥ आएमेंरभौनबढ़ेभोरउठिप्यारहीतें अति
 हरधरनथनायवैं।धीपागहै ॥ मेरेहीधियोगरहेजागतस-
 कलराति गातअलसानमेरोपरमसोहागहै ॥ मनहूँकीजा-
 नीप्रानप्यारेमतिराम इननैननहोमाहेंपाइयतुअनुरागहै
 ॥ ३ ॥ जैसेहींअधरपरअधिकसुसांभादेति अञ्जनकीलीक
 तैनीमोहियेलगाइये ॥ जैसेइगधरतइगतफेरथहरात तै-
 सीलालचालहालहमहूँसिखाइये ॥ कविहरिजनजैसेथो-
 लतकछूकीकछू आवतननीकेताकोभिदसमुक्ताइये ॥ जैसे
 लाललाललाललोचनरैगाएहाल तैसीलाललालबालचू-
 नरिरैगाइये ॥ ४ ॥ मेरेनैनअञ्जनतिहारेअधरनपर सो-
 भादेखिगुमरयदावैंसबैसखियैं ॥ मेरेअधरनपैललाइपी-
 कठालतैसी राधरेकपोलगोलनीखीलीकलखियैं ॥ क-
 विहरिजनमरेउरगुनमालतेरे धिनगुनमालरेखसेखदेखि
 कखियैं ॥ देखोलैमुकुरदुतिकौनकीअधिकलाल मेरीला-
 लचूनरीतिहारीलालअँखियैं ॥ ५ ॥ गुञ्जरतभौरिनकेपुञ्ज-
 ननिकुञ्जनतें आयैहीभयोहैश्रमआयतऔजातको ॥ औ-
 खिनतेंउलहीललाइंपरैआलसकी अङ्गनतेंउमगैधकेली
 अङ्गरातकी ॥ भनतकविन्दघामग्रीपमदुपहरीको तीखन
 लभोहैतनपरिमितवातको ॥ पङ्कजकेपातनकीपौनकरों

प्रानप्यारं पीढ़ीपरजङ्गमैपसीनामिटैगातकां ॥ ६ ॥ मर-
 गजेहारवेसुमारधारुनीकेवस आधेआधेआखरसुएहूँ
 तिजपने ॥ कहैपदमाकरसुजैसेइंरसीलेअङ्ग तैसियैसुगंध
 कीक्तकोरनकीक्तपने ॥ जैसेयनिआएआपुतसियैयनायो
 मोहि मेरोअभिलाखलाखएहूँतिधपने ॥ लालहृगको-
 रनमेमेरेनैनथोरोलाल केतौडननैनननिचारेनैनअपने
 ॥ ७ ॥ चांदनीमहलफैल्योचांदनीफरससेज चांदनीधि-
 छांयछविचांदनीरितैरही ॥ बैठीसजिसुंदरिसहेलिनस-
 माजथीच यदनपैचारुताचिराफकीयितैरही ॥ कहैपर-
 तापआएभोहनरंगीलेस्याम नखसिखदेखिकरिआननं
 छितैरही ॥ सुघरिधिचारिकलानिधिकोंनिहारि मनुहारि
 करिफेरिमुखपीतमचितैरही ॥ ८ ॥ अनलसिखामैकरीधू-
 ममलिनाईतैसैं आयरनकाइंकोविमलथारिधरमै ॥ को-
 मलकमलनालकंटकटिहारोकीन्हे जलनिधिखारोयोनि-
 हारोभूमितलमै ॥ यैनसुनेजगतकुबोलीठहरैहैं धनीराम
 कोऊकाहूकेनजानैकहूंमरमै ॥ बड्कविधिषुडिकोनिबड्क
 कहियंतकान्ह पड्ककीन्होसरनिकलड्कसुधाधरमै ॥ ९ ॥
 पीतमकेसड्कहीउमड्कडिजैवेकोन एतोअड्कअङ्गनपरिन्द
 पखियौदइं ॥ कहैपदुमाकरजेआरतीउतारैं चौरठारैंश्रम
 हारैंजेनऐसीसखियौदइं ॥ देखिहृगद्वैहीसांननैकहुअधैये
 इनऐसीकुकाकुक्रमेक्तपाकक्तखियौदइं ॥ कीजैकहाराम
 स्यामआननधिलोकियेको विरचिबिरज्जिनअनन्तअ-
 खियौदइं ॥ १० ॥ सुघरसिरोमनिसुजानसुखदानमेरे तुम

सीको जानंयातसुरसकितावकी ॥ कैंसीछविछाजनेकुमु-
 कुरचिलोकोलाल धारीदुतिऔंखिया अनूपमसहायकी ॥
 अचरजएकसोसुमेरहरीसौचीकहौ काहेतैलगतिमोहिआ-
 भाआफतावकी ॥ खूबोमुखसुखमाकीछाईयाअजूबो जी-
 तिकहैं तैंलैआयंमहबूधीमहतावकी ॥ ११ ॥ सखीकेस-
 कोचनतेंतुमसोअनसकीयूक्ति बिनयूक्तेएकजामभयोजाम
 सनसो ॥ जयवैगइहैंटरितयतुम्हैबूझतिहौं रघुनाथदी-
 जियेयुक्तायमेरेमतसो ॥ उपटीयिसालमालऐसीसोकहा
 हैलाल केसरिकलितकुचताकेदागदतसो ॥ रावरेकेहिय
 आजुमोहतहैमहाएहो पियकहौकहोंयहलाग्योनखछत
 सो ॥ १२ ॥ चन्दनविभूतिनखचन्दमांतीमालगङ्ग अल-
 कैभुजङ्गध्यानउरमैधरतहैं ॥ जलहलकंचुकीप्रवाहजल
 पूरतही स्यामतागरलताकीउपमाधरतहैं ॥ हरपिहर-
 पिकरकज्जनसोपूजिपूजि निसदिनयाहीभौतिजातयिह-
 रतहैं ॥ कामकेडरनआयेप्यारीकेसरन सखीआजकाल
 कान्हसेवांसम्भुकीकरतहैं ॥ १३ ॥ बारिआरिदीपकसैंवा-
 रिसांधेमन्दिर सुधारिजरीपौवड़ेगलीनलगुडारेमै ॥ ये-
 नोफयिछयिधीछपाकरकौरीफेतुम खीजेकहूंख्याउधौं
 सखानकेजयारेमै ॥ चादिरहौंभौहैंसौहैंहोतीअजौंलौं
 ओखैं गरमतेस्वदेसनेलाइलेविचारेमै ॥ सीरीकरोऔं-
 खैंचलोफूलीफुलयाईकाहि प्यारेकांलैआइभरेहौजकेफि-
 नारेमै ॥ १४ ॥ झिलिझिलिचन्दनगुलायअरविन्दनके
 कुंदनकुमोदिनिकेमोदअनुकूलेही ॥ कहूंअनकूलेकहूंढो-

लेहीसुंधसंवसि कहुं रसलाभकेसुभायलगिफूलेही ॥ सी-
रभसुजातिअधरातिमालतीनमिलि सरससोहागअनुरा-
गअङ्गफूलेही ॥ कैसेयहसेवनसुगंधतजिसेधतीकां कीन
भ्रमवेलिनभँवरआजभूलेही ॥ १५ ॥

॥ यथा मध्या धीरा लच्छन ॥

दो ० । कपटालियेंआदरकरै द्यंगवधमनकहिजौन ॥

सुकविहतहैंजानियो मध्याधीरातीन ॥ यथा ॥

जागीहैंतमासेमैकिपागीरोसरासेमैकि लागीमिग्रया-

सेचित्तंचाहांचतचाहेतें ॥ भनतकविन्दइन्दुग्राहनगरयकै

धौं ग्राहनकोंदौरीहैंउमाहनउमाहेतें ॥ जावकजवानमेन

नविंककेवानमेन पावकप्रभानउपमानअवगाहेतें ॥ ला-

लहूतेंलालऔगुलालहूतेंलालआज औखैंलाललालयेभ-

इहैंलालकाहेतें ॥ १६ ॥ सोनेकोजरावकोनजान्योंजात

मोतिनकी हीरनकोपन्ननकीकाहेकोयनायोहै ॥ देवको

चढ़ायोकैदिवारीकोपढ़ायोकान्ह गुनीकोमढ़ायोघिनगु-

नगरआयोहै ॥ कविमनराजराजउरतेंउतारदीजै मेरेहा-

थदीजैऐसोमोहूमनभायोहै ॥ छलकोछलासोइंद्रजालकी

कलासोएजू हाहाकहीमोसोऐसोहारकहौपायोहै ॥ १७ ॥

मजिहकनंतेआगेओरमेरेपत्नीकीदली आगिलेतेकरयो

पीकपलकनते ॥ १८ ॥ औरयनिताकेओरमूलेहूनदेहीं
 मन तुमजोकहतआएसोहैंसीरीतातीमे ॥ ताकीअवक-
 रिघोनिधाहमोदेसार्जंतुन्है रघुनाथदेखोदेहैंआपनीवि-
 भातीमे ॥ रदलाग्योगालदेखोजावकसोभालदेखो जागे
 नैनलालदेखोआरसीसोहातीमे ॥ अधरकेघीचलागीका-
 जरकीलीकदेखो पलकनपीकदेखोनखछतछातीमे ॥ १९ ॥
 औगुननएकीअवलोकिएंगरावरके रोमकूपव्याजकरेपू-
 रननयीनेहैं ॥ तेईआरुचतुरनवेलीअलवेलीवाल भाल
 बिधिरेखलेखमोटिजिहिदीनेहैं ॥ पुलकितगातजातदेखि
 उनमानकियो अवजसयन्तयोवखानतनपीनेहैं ॥ पूरन
 कैआलघालमेमयीजबोइमानो सौचश्रमयारिदोपअंकु-
 रितकीनेहैं ॥ २० ॥ घूंघुटकपटतनमनओटपटखोलि उ-
 रसोलगायडतनेपैअरसातही ॥ थाकीअपनायअपनेसों
 हूँउपायकरि भएअपनेनसपनेहूँनाधिरातही ॥ काधौं
 किहिगैलछैलछतिथाछिपायजाके धिरहयोरानेदेवयो-
 लतनघातही ॥ प्यारिपरजंकहूमेमोमुखमयंकहूमे सैंसैं
 लैससंकअंकहूमेअकुलातही ॥ २१ ॥ भूलेसेभमेसेकाहि
 सोचतश्रमेसे अकुलानेसेविकानेसेठगेसेठीकठाएहौ ॥
 कहैपदमाकरसुगोरैरंगयोरेहग थोरैथोरैअजयकुसुंभीक-
 रिल्याएहौ ॥ आगेकोंधरतडगपीछेकोंपरतपग भोरही
 तैआजकछुऔरैछबिछाएहौ ॥ कहैंआएतरेधामक्रीन
 कामघरजानि उहैंजाओकहैंजहैंमनधरिआएहौ ॥ २२ ॥

॥ अथ मध्या धीराधीरा लच्छन ॥

॥ २० ॥ द्यंग्यवचनकछुपियहिकहि रोसजनावहिरोय ॥

मध्याधीरअधीरतिय ताहि कहत सब कोय ॥ यथा ॥

आयेनदलालबालदेखतनिहालभई सोचनसकोचन
केख्यालनदलीगई ॥ संवकप्रनामनिकरतिगुनग्रामनिसों
भावअभिरामनिज्योछलनछलीगई ॥ देहुरोदवायको-
ऊअरुनसिखाकौजाय योंफिरसुनायदियोसहमिअलीग-
ई ॥ सौवरेकेअंगसंगरंगमहलेंतेंकदि चित्रमहलेंहैसीस
महलचलीगई ॥ २३ ॥ कीइंकहैआदरसआदरसरूपमैन
चैनउमगायमनभाइमधुएपरत ॥ कीइंधारिजातपारि-
जातफलकीइंकहै हारिजातमदनउदीतनउएपरत ॥ की-
मलअमलउपमानयसवंतऔर नेसुकनिहारिनेकुदीठिन
छुएपरत ॥ चंद्रमासांयदनत्रिलोकियतलालयार्ते चंद्रम-
निऐसेहृगदेखतछुएपरत ॥ २४ ॥ कीमलविमलतुमगाह-
तधिकटकुंज यदिआयेअमविन्दुअपअपअपकन ॥ पी-
दियेपियारेसीतसुमनसजतिसेज लोचनउनीदेलागेभक्तप-
क्तपक्तपकन ॥ हहरिदियेंतेंकीपानलकीकरपउठी तिय
तचिअंगलागेतपतपतपकन ॥ स्यामअधरानपैनिरखि
तनस्यामरेख अमलकमललागेटपटपटपकन ॥ २५ ॥
एअलिहहोहोकिनकाकहतकंतअरी रोसतजुरोसकैकियो
मैकाजचाहेको ॥ कहैपदमाकरयहैतौदुखदूरिकरी दा-
॥ २६ ॥ ॥ तीर्योइतरायतिकहाहैक-
मेरेहुंजुआगेकिएलोचनउमाहेको ॥ कीहो
हमागीप्रानप्यारी आजुहांतीजीपियारीती
दरोतीकहोकाहेको ॥ २७ ॥

दो० ॥ परगठआदरकरतिपै रतिमैरुखीहोय ॥

प्रीदाधीरानायिका ताहिकहतसवकोय ॥ यथा ॥

वैसोमृदुबोलनिबिलोकनिमधुरवैसी कोकनिकधार-
समैवैसिर्यफसतिजाति ॥ वैसेईसुधासेसीधेसुंदरसुभाय
सय वैसेहाथभावनमेरसवरसतिजाति ॥ वैसियैसुहिलि
मिलिधैसोपियसंग अंगमिलतनकेहूंमिसपीछूंउससति
जाति ॥ वैसियैलसतिजातिवैसीहुलसतिजाति विहैंस-
तिजातिप्यारीकंचुकोकसतिजाति ॥ २७ ॥ जगरमगरदु-
तिदूनीकेलिमंदिरमै यगरयगरधूपअगरयगाखोतैं ॥ क-
हैपदमाकरत्ये।चंदतैंचटकदार चुंयनमेचारुमुखचंदअ-
नुसाखोतैं ॥ नैननिमैयैनननिमैसखीऔरसैननिमै जहैं।
देख्योतहैं।प्रेमपूरनपसाखोतैं ॥ छपतछपाएतऊछलन
छथीलीआजु उरलगियेकीधारहारनउताखोतैं ॥ २८ ॥
वैसहोंचितैकैमेरेचितकें।चुरावतिहो बोलनिहोवैमहोंम-
धुरमृदुयानिसीं ॥ कबिमतिरामअंकभरतमयंकमुखी वै-
सहोंरहतिगहिभुजलतिकानिसीं ॥ चूमतिकपोलपानक-
रतिअधररस वैसेहीनिहारीरीतिसकलकलानिसीं ॥ क-
हाचतुराईठानियतप्रांनप्यारी ॥ तकरखी
मुखमुखकानिसीं ॥ २९

टीमे ॥ १० ॥

अंगउमगतिहै ॥ हुं करिनिसंकक्योंमयंकमुखीबाल पर-
जंकपरजातिपियअंकनलगतिहै ॥ ३० ॥ लालऔंगुरी-
नसे।नपरसोहमारंपै।य ननननखूंदामरनैनरसखूंदेका ॥
मालिनसमारीमालमलगजोदेखोकहा ललितविलोकेचा-
रुनूतनसुगूंदेका ॥ अमितहीआजुतातेअमकेनकीजेकाज
दयालखिहोतयसवन्तयारिखूंदेको ॥ कामरसभीजेफूलता-
मरसकौनकाम सामरसलीजजाइतामरसमूंदेको ॥ ३१ ॥

॥ पद्य प्रौढ़ा पधीग सच्छन ॥

दो० ॥ पियकोंडरुअरुमारदै जीरिसकरैप्रतच्छ ॥
प्रौढ़अधीरानायिका जानिलहुइहिंलच्छ ॥ यथा ॥
भोरभयंआयैरतिरंगसरसायेसोभ अंगअरसायेरुचि
रूपउजियारैको ॥ वैनवरसायेलालनैनदरसायेकहू प्रे-
मपरसायेपेचपागकेसन्हारैको ॥ प्रानतरसायेअभिलाप
भरसायेहिय आनहरसायेकहाकीजेकान्हकारैको ॥ अ-
सितअमितउरसासितसकलसिख त्रासतितरुनिफूलछरी
लैकैप्यारैको ॥ ३२ ॥ रोसकरिपकरिपरोसतैलियायघरै
पीकोंप्रानप्यारीभुजलतनिभरैभरै ॥ कहैपदमाकरनऐसी
दोसकीजोफिरि सखिनसमीपयोसुनावतिखरैखरै ॥ प्यो-
छलछपावैवातहंसिखहरावैतिय गदगदकंठदंगऔसुन
करैकरै ॥ ऐसीधनधन्यधनीधनहैसुऐसोजाहि फूलकी
छरीसोखरीहनतिहरैहरै ॥ ३३ ॥ जाकेअंगअंगकीनिका-

हभीजियतुहै ॥ जाकेबिनदेखेन परतिकलतुमहू कौ जाके
 वैनसुनतसुंधासोपीजियतुहै ॥ ऐसेसुकुमारपियनंदककु-
 मारकौयो फूलनिकीमालनकीमारदाजियतुहै ॥ ३५ ॥

॥ यद्य प्रौढा धीर अधीरा सच्छन ॥

दी ० ॥ रतिकखीवहै नायकहिं जोडरदेयजनाय ॥

प्रौढाधीराधीरतिहिं द्विजकथिकहतवनाय ॥ यथा
 हरयेभयहौहरिताकेक्योनजाहुजाके हराकंहिंडोरम-
 ध्यनायकहैभूलैहो ॥ इतैगलर्यौहोडारिहोतगरपरे यकि
 यकिगरपरैतातेमानग्रिनतूलैहो ॥ भनतकचिंदभारसोप
 होनिपटकारे टेढ़ हूँ परसकीलेनाहिंअनुकूलैहो ॥ सोय-
 ननदेतहमैआनदुखदेत सौतिहारीकेभिखाएसौतिहारी
 तुमभूलैहो ॥ ३५ ॥ हेरतहोसोहैलालजानैअरुसोहैतऊ
 तिन्हैतकिकामवानलागतअनैसेहै ॥ रसभरेलालतैसेए-
 ऊरसभरेलाल भौरठोरदेखियततारकानितैसेहै ॥ इतनो
 अचंभोमोहिआवतहैयोरकथि जानौनहींकयतैसुभाइग-
 हेऐसेहै ॥ रैनिरहैखुलेदिनदेखिमुदेआवतहै रावरीसोरा-
 वरेकमलनैनैकसेहै ॥ ३६ ॥ छविछलकनिभरीपीकपल-
 कनित्योहो श्रमजलकनअलकनिअधिकानेध्वै ॥ कहैप-
 दमाकरसुजानरूपखानितिथा ताकिताकिरहीताहिआ-
 पुहीअजानैहै ॥ परसतगातमनजावनकेजावतीकी ग-
 ईचदिभोहरहोऐसीउपमानेच्छै ॥ मानोअराचंदनपैचंद
 कोचढ़ायदीन्ही मानकमनैतयिनरोदाकीकमानेद्वै ॥ ३७ ॥
 यदनचिचिप्रयन्योप्रथमहोताकोजोइ सोइपलिकापैरही

नोकेनहींदरसो ॥ करेंगीप्रतीतिवैद्वंजासैं।हीसरसतुम र-
घुनाथतासोंयेथनाइयातैंयरसो ॥ सोंहकरियेकोअग्रपाठ-
नकीओरपानि तुमजीचलायतहीचेरयेरसरसो ॥ मानो
गेअनैसोजोकहींगोकछुकहयोमानो परैगाअन्हैयेमोहि
मोहिमतपरसों ॥ ३८ ॥

॥ यद्यप्येठा कनिष्ठा मन्थन ॥

दो ० ॥ उपेष्टकनिष्ठानायिका त्रियव्याहीतियहोय ॥

प्यारीपियकीज्येष्ठहै घटप्यारीलघुसोय ॥ यथा ॥

बैठीएकसेजपैसलोनीमृगनैनीदोऊ आनितहोंपीतम
सुधासमूहवरसे ॥ कविमतिरामदिगयैठयोमनभावन दू-
हूंकैअरविंदहियेमोदचंदसरसे ॥ आरसीदैएकसोंकहयो
योंनिजमुखलखौ जामेविधुवारिजविलासवरदरसे ॥ द-
रपसों।भरीजौलें।दरपनदेखैतौलें प्यारेप्रानप्यारीकेउर-
जहरपरसे ॥ ३९ ॥ दोऊछविछाजतोंछथीलीमिलीआ-
सनपै जिनहिंविलाकिरहयोजातनजितैजितै ॥ कहैपद-
माकरपिछौंहैंआयआदरसों छलियाछषीलोकंतयासर
वितैवितै ॥ मूदेतहैं।एकअलवेलीकेअनोखेहृग सुदृग-
मिचायनीकेख्यालनहितैहितै ॥ नैसुकनवायग्रीवाधन्य
धनदूसरीकी औंचकअचूकमुखचूमतचितैचितै ॥ ४० ॥
एकपलिकापैबैठीसुंदरिसलोनीदोऊ चाहिकैछथीलोला-
लआयोरतिकेछिघर ॥ चिंतामनिकहैआनिबैठयोदिग
पीतमपै . काहूसोंकछूनकहिसकतदुहूंकैडर ॥ सुखकेम-
नाइयेकोंएककोंदिखायोनाह विपरीतिरतिकोस्वरूपलि-

खिचित्रपर ॥ जीलोंवहस कुचनि औखैं मूदि रही तो लौं प्या-
 रे प्राण प्यारी के कुचनि पर राख्यो कर ॥ ४१ ॥ दोऊ सौ तैं घे-
 ठी जहैं तहों प्राण प्यारी आयो आप आदर स एक लो न्हे व-
 डें ओ जकी ॥ एक अनिता कहं हाथ दी न्हे कहि ऐ से यामै आनन
 दिखाइ देत दू पकस रोज की ॥ ओट हूँ थिलो क्यो मै निखोट
 एहो रघुनाथ मो पै कह्यो जात है न जस इहि चो जकी ॥ नैन
 भटकाय अटकाय देखि ये मे दी न्हे आप दू सरी के की न्हे परस
 उरो जकी ॥ ४२ ॥ इति श्री सृङ्गार सुधाकरे द्विज कविकृ-
 ते धीरादि जेष्ठा कनिष्ठा वर्णनो नाम तृतीय मयूषः ॥ ३ ॥

॥ अथ परकीया सच्छन ॥

दो ० ॥ गुप्त प्रेम पर पुरुष तैं करै जोर सय सयाम ॥
 परकीया ता सों कहैं सकल सुमतिके धाम ॥
 सो है दीय प्रकार की चतुराई की खानि ॥
 प्रथम अनूढ़ा मानिये दू जीऊ दा जानि ॥

॥ अथ अनूढ़ा सच्छन ॥

दो ० ॥ अनप्याही तिय करत जय रसिक पुरुष सन ग्रीत ॥
 ताहि अनूढ़ा कहन हैं कविकोविद मन चीत ॥ यथा ॥
 मुख तें न मोहन की चरचा चलावै कहूं मनै मन राखि हिय
 दीपक दिपावै है ॥ नैन न मै हूँ कै कोऊ नेक न पिछानै कान्ह नी-
 चो करि दीठि सौति मद को खपावै है ॥ लोक लाज अंबर की
 ओट धरि अंगन कीं सयै गुरु लोगन के भ्रम को लिपावै है ॥ ऐ-
 से हित पीतम को चित मै छपावै जैसे रंजित पाय कर छिति
 मै छपावै है ॥ १ ॥ करन तिहारि न की कोमलता चाहि चि-

त नित एक पैयथितरहै जल जाल है ॥ हारिमानिमानि
 फिर गुनन बधाइ आन हाजिर परसि वेकी पनय हहाल है ॥
 सो कधि प्रथीन वेनी तेरे ऊपर मभाग जासों अनुराग लागि
 रही अति आल है ॥ आजहों स्वयंवर मै कमल बिसाल नकी
 लालन के गेरे मेलि दी जै यह माल है ॥ २ ॥ खेल मिही चनी
 कोम चायो नंद मंदिर मै लुकि वेकी कोठनि अटारि न मै ध-
 सि जाति ॥ नूपुर को धुनि सुनि रीझति है महरै ठी खोलति
 नया तें जयत बआपुग सि जाति ॥ रघुनाथ दीरत मै दामि-
 नी सील सति है चौधरी सों फसति लख राति खसि जाति ॥
 घेरि घेरि आनद सों हिय मै सनेह सखी घेर घेर मोहन की ओर
 हेरि हैं सि जाति ॥ ३ ॥ अलकैं बिसाल है कैलंकल हरान
 लागी लंक तें परान लागी दुति पन बाल की ॥ लाली महरै-
 ठी के अधर सरसान लागी अधर नयान लागी बति यों रसाल
 की ॥ रघुनाथ छाती कुच रुचि दरसान लागी कुच छहरान
 लागी छवि मनि माल की ॥ रीझि औखैं आनि लागी औखैं
 बढिकान लागी कानन सुहान लागी चरचा गोपाल की ॥ ४ ॥
 सपनो की सीतु कहो सो बत की जागत ही जानी ना परति रोम
 रोम ररकतरी ॥ बंकट गयदन मयंक वारे अंक भरि अंग ए-
 संक परजंक धरकतरी ॥ देव गति गूढ़ दिंगदूढ़ तम पाये धिनु
 मृग ज्यों मृगी के हग औं सूढरकतरी ॥ याही छिन छो भभरी
 छति यों छिछो हवा के कर धर देखतू करे जे करकतरी ॥ ५ ॥

॥ समुदाया सरति यथा ॥

सहज बुलाई चित्र सारी देखि वेकी मोहि छल सों पछारी

सोधिकलबिललातीहीं ॥ लागतिनमचाउरउपजैनदया
 ताहि हीं तो दुखसागरमेवूढिउतरातीहीं ॥ पीरसोंनजात
 धरिधीररोदआवतुहै रघुनाथसुनेकोउअैहैहींढेरातीहीं ॥
 छोढ़िदेहहारेजीवलेतहैकहारे निरदर्शषटपारेदर्शमारेम-
 रीजातीहीं ॥ ६ ॥ बतियौवनायछलबलकैलेवायगयो
 कुंजभीनघोचमहरेटीगोकुलारैया ॥ प्रथमसमागमकेदुख
 कोनजानतही रचीकामकलारघुनाथनिधिसीपैया ॥ रति
 कीजरथगतिलागतिमैमुरछाड जागतिर्योतरफरायऔ-
 सूझरलैया ॥ मसकेउरोजउरकसकेसिकोरिनाक कहति
 ससैंकऐसेंहायहायएदैया ॥ ७ ॥

॥ अनूदाया सुरतान्त यथा ॥

तजीकुंजभीनतेसुकविरघुनाथप्यारे धियिधबिनोद-
 नसोंजोतेपंचसरकों ॥ छूटिरहेवारटूटिगयेहारफटीऔं
 गी सारीमैसलौटपरीकरीसोभावरकों ॥ निहारतिनख
 लागेउरमैटरोजनपै पागेक्रोधमनदावेदौतनिअधरकों ॥
 डगमगपगडगधरतिडरनभरी डयरार्येलोचनडगरचली
 घरकों ॥ ८ ॥

॥ अथ कदा लब्धन ॥

दो ० ॥ औरपुरुषव्याहीजुतिय करैऔरसोंप्रीत ॥

ऊदाताहियखानहीं कविकुलसकलसुचीत ॥ यथा ॥

गहिवोअकासपुनिलहिवोअथाहथाह अतित्रिकरा-
 लध्यालध्यालहिखिलाययो ॥ सेलसमसेरधारसहिवोप्र-
 हारयान गजमृगराजदोऊहाथनलराययो ॥ गिरितेंगिरन

पंचज्यालमैजरन अरुकासीमैकरोततनहिममैगरायघो ॥
 पीयोत्रिपविपमकबूलकथिनागरपै कठिनकरालएकनेह
 कोनिघायवा ॥ ९ ॥ पाखहूनवीत्योचालिआएहमैपी-
 हरतें नीकेकैनजानीसासुननदजिठानीहै ॥ कहैशिव-
 रामऐसेकैसेनिवहैगोवीर घरघरभूटहोंचवायरीतिठानी
 है ॥ कौनमिलीअंखेंअंखकाकोतनमनमित्यो कौनका-
 हिमोहयोकौनकाकेमनमानीहै ॥ अजकीबधूनमिलिचौ-
 चंदमचायो हमकानहूँ सुनीनकहूँ कान्हकीकहानीहै ॥ १०
 गोकुलकेकुलकेगलीकेगोपगौवनके जौलगिकछूकोकछू
 भारतभनैनहीं ॥ कहैपदमाकरपरोसपिछवारनके द्वार-
 नकेदौरिगुनऔगुनगनैनहीं ॥ तौलोंचलिचातुरसहेलीया-
 हिकोजकहूँ नीकेकैनिचोरैताहिकरतिमनैनहीं ॥ हाँतौ
 स्वामरंगमैचुरायचितचोराघोर घोरततोयोस्योपैनिचार-
 तधनैनहीं ॥ ११ ॥ रोपभरीननदभरखेवैठिमूढ़मेरे लो-
 चनभिखारिनकोचोखांजजमानसो ॥ चढ़तअटारीगारी
 सैकरनसासुदेति जेठीबोलैबोलसोसैंवारोखरसानसो ॥
 कालिदासकैसेकैनिहारैवनमालीआली प्रेमकीलगनि
 मानआवैउफनानसो ॥ देवरानीनेघरकोआहटलिघेहीं
 रहै लागोरहैदेवरदुवारिदरवानसो ॥ १२ ॥ तुमतौरसि-
 करसत्रादमेरहतनित औसरनजानोजियसहजसुभायहै ॥
 हमपैस्त्रिजतिसासुननदजिठानी विनाजानीवानकरैंजो-
 रिजोरिकैचथायहै ॥ कविहरिजनपासवसतिपरोसिनसो
 सत्रपरखतिनापैकैसेकैछपायहै ॥ लखिजैहैकोऊतीवजै-

हेगालग्यालनमे आलिनमेवैठियोहमारोडाठजायहै १३
 कछूनासोहायबिनदेखेपैरह्योनजाय हियोअकुलायहाय
 चेठकसोकरिगो ॥ पौनहूँ मैपानहूँ मैचंदहूमैचैं।दनीमै फू-
 लनदुकूलनदवागिनसीभरिगो ॥ नोलकंठरुचिरसीहाती
 चितयनित्राकी यातीसीहसनिमेरीछानोपरधगिगो ॥ क-
 हें।तैंहैं।आईदुखहाईपनिघटमाई कहें।तैंकन्ह।ईमेरीऔ-
 खिनमेपरिगो ॥ १४ ॥ पलनालगतिपलएकौपलनाकेघी-
 च कलनापरतिकलधौतकीहवेलीमै ॥ घोरिकालिंदीकी
 तीरतीरसोलगतअथ लागीसोदयागिफूलोयेलिननवेली
 मै॥ छनकछकायछविछाकनछयैलेछैल छोनलीन्ह।चित्त
 धितचालअलवेलीमै॥ संगनसहेलाहेलीकहिगैकहातैंआजु
 कुंजनअकेलीगईचुननचमेलीमै ॥ १५ ॥ सूखीसीश्रमी
 सीधमीप्याकुलसीघैठीकहा नजरलगीहैघिनतोरितोरि
 नाख्योमै ॥ येनीकविभोरहीतैंभोरीभइंदोरतिहैं राजक-
 रोजायगृहकाजअभिलख्योमै ॥ ललकैहमारोजियघो-
 लेनयिलाकैकहें मुखऔखैंमूदिरहीयातैंदोनभाख्योमै ॥
 पलकैंउघारोकैसेकदिजायऔ।खिनतैं मोहगिनकरैचित-

श्रीलाछल आजुभारयाहंगील अतिहारेगीलीभाँतिऔच-
 कहीआइगो ॥ घटकमटकभरीलटकचलननीकी मृदु
 मुसकानिदेखेंमोमनयिकाइगो ॥ प्रेमसेलपेटीकोऊनिप-
 टअनूठीतान मोतनचिताइगाइलोचनदुराइगो ॥ तबते
 रहाहौघूमिफूमिफुकिआयरीहूँ सुरकीतरंगनिमैरंगवर-
 साइगो ॥ १८ ॥ कयासुनिबेकींयेटीपियसंगगौठिजोरि
 हिऐकुलकानिलोकलाजनकियोकरै ॥ कालिदासतहँ
 ग्रंथोपासमेंगुचिंदआछे रुचिमधुपानसीछुग्रीलोछुकिआं
 करै ॥ घटनटनागरकीमूरतिममायरही घूँघटकीओरए-
 कटकटकियोकरै ॥ अटकोतियाकोमननवलसुजानसंग
 यापुरीपुरीहितपुरानयकिआंकरै ॥ १९ ॥ एहीहियद्वार
 केकदीमदाखानदाऊ इनकीछपायकाहूऊपरीलयोहैरी ॥
 मैतोइनद्रोहिनकेपहरेरहीतीसोय थारीखेतखायोयहउ-
 लटोभयोहैरी ॥ ठाकुरकहनबूझेंऔसूभरिभरिदेत तन
 कानसोधदेतकौनकींदयोहैरी ॥ मेरोमनमेरीआलीमोहि
 यहजानपरी दुगघटपारनकेभेदमंगयाहैरी ॥ २० ॥ आ-
 जुहारिपकरिकदंशकीललितढार खरेजमुनापैकलानिधि
 ऐसेवैरहे ॥ रघुनाथन्हायवेकींआलिनकेसाथआई भ्रप-
 भानललीपंथसौरभसींभ्वैरहे ॥ देखादेखीहोतमयोकीतु-
 कउदोतभटू राधेकेनयनऐसीभाँतिघरीद्वैरहे ॥ कंजनसे
 व्हैकैफेरिखंजनसेहूँकै फेरमीनऐसेहूँकरिचकोरऐसेहूँ
 रहे ॥ २१ ॥ रातिकैबोलाईप्यारीअँनदीअकेलीआई दे-
 खिकैकन्हाईआपुलेनआगेचरिगो ॥ बिहौंसिगरेसींलागि

मिलीरघुनाथकला अंगनिकोगुनरूपऐसेविसतरिगो ॥
 घसतघसन्तचोचघनमेसुवासजैसे। तैसोआसपासवनवी-
 थोकेपसरिगो ॥ अतिहीअंधेरोकुंजभीनताकेयोचभट्ट
 तिलहेरोपाइयेउजेरोऐसोभरिगो ॥ २२ ॥

॥ ऊढ़ाया सुरति यथा ॥

परीरतिरोतिकोकनीतकुञ्जधामधीच दम्पतिसीरघु-
 नाथकहोनापरतियात ॥ तूहू देखिआयदयेपौयभायध-
 निताके दै सकेसुभायकैसेप्रगटहू सरमात ॥ सीकहतिजी-
 भिसिफुरतिनाकचदीभौह बिहँसतिअधरकपोलपुलकि-
 तगात ॥ ललचातलांघनयिलांकिवेकोपीय रहेलाजनि
 सोंसुँदिखुलिखुलिमुदिमुदिजात ॥ २३ ॥ विरचीसुरति
 रघुनाथकुञ्जधामधीच कामघसवामकरैऐसेभावधपनो ॥
 जहूनसोमसकैसिकारैनाकससकै मरोरैभौहँहँसकैसरीर
 डारैकपनो ॥ ओंखिनसोँओंखिनमिलावैलचकावैलहू
 भुजाखैचिलावैअहूछोड़िकरैजपनो ॥ ज्योंज्योंजीमैआ-
 यैत्योँत्योँरीक्षरसअधरको आपुपियैपियकोपियावैपियै
 अपनो ॥ २४ ॥

॥ ऊढ़ाया विपरीत यथा ॥

सेजसोँउकसियामस्यामसोँलपटिगडं होतिरतिरोति
 विपरीतिधिसतारकी ॥ सिन्धुसोँसुधानिधिकोंगहिअहि
 कोन्है। उट्ट उपमाधिसुदुघोंविराजीमुखवारकी ॥ एही
 रघुनाथकछूगाइनचताइजाइ ऐसीचतराईमैनिहारीओ-
 टडारकी ॥ एककरदीन्हीअधऊरधकोंगतिधारि किंकि-
 नोकोक्तनकारघुनिननकारकी ॥ २५ ॥

॥ ऊढ़ाया सुरताला यथा ॥

जीतिरतिकामघनश्यामसोंघिदाहूँ चली छोटिकुंज
धामवामत्रिसरामचरको ॥ अरुक्तानेवारहारसरुक्तावै
रघुनाथ ऐसैमनावतिनिवारनलाजडरको ॥ परैनपह-
रचरनायुधकरैँनसोर पसरैनप्राचीआरकरदिनकरको ॥
जमलौँहौँपहुँचोँमैचोरभइँधरआजु एहोदइँतमलौँनजा-
गैकोऊचरको ॥ २६ ॥

दो ० । सोपरकीयाहंनिहै पटविधिपरमसुजान ॥

गुप्तादिकंकभेदते हौँतिहिंकरतयखान ॥

गुप्ताप्रथमहिंजानियं चहुरियिदग्धामान ॥

तीजीतीयसुलच्छिता चौथीकुलटाजान ॥

पँचइँमुदितातियनमे जानिलहुसबकोय ॥

अमुसयनाछठइँकही मैसबग्रंथनजोय ॥

गुप्ताअनुसयनाहुँके तीनतीनविधिलच्छ ॥

जुदेजुदेतिहिंलिखतहौँ करतनकाहुइपच्छ ॥

॥ तत्र गुप्ता सच्छन ॥

गोपैभूतभविष्यअरु वतंमानरतिजौन ॥

ताकोँगुप्तानाँयिका घरनतहैँमतिभौन ॥

॥ भूतगुप्ता यथा ॥

हारलाइवेकोँहौँनौगडँहीसँवारेआजु सोगडँहौँहारी
रियोँजाइँमै ॥ देखोदुखहाइनकीदेखादेखीदी-
खेत पैठिकीन्हीखनाअबसोसजायपाइँमै ॥ कहैकवि
लायआइँहौँखोतन अथकबौँजाइँहौँनजायपछि-

ताड़मे ॥ भाईकीसोंहींनजानीहोयगीहैंसाईहाय ला-
 यलगोजायऐसीकुसुमचुनाड़मे ॥ २७ ॥ मोतिनकीमाल
 तोरिचीरसयचीरिडारे फेरनाहिजैयोआलीदुखधिकरा-
 रहे ॥ देवकीनदनकहैधोखेनागछीननके अलकैंप्रसूनने-
 जनोचिनिरुयारेहैं ॥ जानिमुखचंदकलाचोंचदीन्हीअ-
 धरन सीनौएनिकुंजनमेएकैतारतारहैं ॥ ठौरठौरडोलत
 मरालमतवारै तैसेमोरमतवारैत्योचकोरमतवारैहैं ॥ २८ ॥
 आलीहोंगईहीआजुभूलिअरसानेकहूं तापैतूपरैहैपदमा-
 करतनैनीयो ॥ ब्रजअनितायेअनिनानपैरचैहैंफागु ति-
 नमेजुउधमिनिराधामृगनैनीयो ॥ घोरिडारीकेसरिसु-
 येसरिबिलोरिडारी घोरिडारीचूनरिचुघातरेंगरेनीज्यो ॥
 मोहिभक्तभक्तोरिडारीकंचुकीमरारिडारी तोरिडारीकस-
 निबिधोरिडारीयेनीत्यो ॥ २९ ॥ कहाकहींवीरधिनकहे
 नारहतथीर सिसिरसमीरजमुनाकेतीरजाग्योरी ॥ अध-
 रनखंडितहैदेहदुखदंडितहै असनबिहंडितअनीतिरीति
 राग्योरी ॥ हौनकरांगीनकाहूकीतुकलगौनभीन भीत-
 ररहोंगीपरमतप्रेमपाग्योरी ॥ मंजुफूलवारीभौरगुंजसु-
 नियेकोगई केतकीकेकुंजनपरागपुंजलाग्योरी ॥ ३० ॥
 घरघरघाटनमेडोलतनिठुरयह तिनकेडरनडोरऐघतग-
 हरमे ॥ जेठकोकठिनघामसूनोउखिनजघाम जानिकै
 अकेलीयामघेरीदुपहरमे ॥ धौंधिडारीचोलीचारुतोरि
 डाखोहिपहार शिवनाथकौप्योतनघहरघहरमे ॥ सुनो
 होजिठानीरानीअवतीनजैयोपानी बानरचिकटचंद्राघ-

नकीडगरमे ॥ ३१ ॥ कौनजानैकितहू कैआयोवहसेजमे-
री लाजहूकीधैराउपहासजगजोयोही ॥ रसखानऔहू
नजान्योसोभलोईभाग गयोकछूनाहिंसुभघरीयाहिजो-
योही ॥ मानिहींजनमलगितेरोउपकारयहो आनिकैज-
गाईनातोपतिग्रतखोयोही ॥ भूलिभईपकस्योनचोरंधट-
पारहौकी ठगहौफिलंगरहौकौनआनिसोयोही ॥ ३२ ॥

॥ भविष्यगुप्ता यथा ॥

स्यामरंगधारिपुनिवैसुरीसुधारिकर पीतपटपोरिया-
नीमधुरसुनावैगी ॥ जरकसीपागअनुरागभरेसीसयाधि
कुंडलकिरीटहूकीछविदरसावैगी ॥ याहीहेतखरीअरीहे-
रतिहौयाठवाकी कैयोयहुरूपियोंकोश्रीधरभुरावैगी ॥
सकलसमाजपहिचानैगोनकेहूभैति आजयहथालग्रज-
राजयनिआवैगी ॥ ३३ ॥ आजुतेनजैहौंदधिधेचनदोहांई
खौउं भैयाकीकन्हियाउतठाढाईरहतहै ॥ कहैपंदुमाकर
त्योसैंकरीगलीहैअति इतउतभाजिवंकोदाउँ नलगतहै ॥
दौरिदधिदानकाजऐसोअमनैकतहो आलीचनमालीभा-
ययंहियैगहतहै ॥ भादौंसुदीचौधिकोखख्योमैमृगअंक
याते भूटेहूंकलंकमोहिलागनचहतहै ॥ ३४ ॥

॥ वर्तमानगुप्ता यथा ॥

हौरीचरजोरावरीजोरीमेठियेकोंचारु छूटतिनकेहू
छिनछोरछुटकरिसों ॥ केसरअंतरअरुगजनिअचीरमुख
मंडितकरतवनैसोभगुनभारेसों ॥ ऐसेअवसरधीचऐबो
अलयेलेकी क्योंबदनदुरैवोयनैप्रेमरतनारेसों ॥ सौंहिक-

रिलोचनयनेनतिरछीहैंमोहि मिलतैबन्योरामनमोहनपि-
यारेसी ॥ ३५ ॥ एकदिनएकछनजनमदुहूँकोभयो उ-
मगेअनंदयाजेवाजनवधाईके ॥ एकसेसँवारिविधिरुपरं-
गअंगसथ मिलतसुभायमेरेवलजूकेभाईके ॥ भनैअमरे-
ससुखसंपतिसमानआन भेदहैनकोऊभेदलोगऔलुगाई
के ॥ माईयहकैसेतैंकहीकीतनजोरी तनजोरीनापिवेमे
हांतिगरेलीकन्हाईके ॥ ३६ ॥ कैपकउराहनसुराहनदि-
येतेसथै अतिडतरातीसतरातीयतरातीहैं ॥ सोइवकीसो-
धलैसिधारेसूधरीसोजानि अतिहूनसूधीवेनिकाइननि-
कातीहैं ॥ अमरेसब्रजकीगलीतेंउफनातीसोती काहूस्व-
फिषाकेप्रानऊपरदिखातीहैं ॥ ऐसीकीनहैसांथीरपुरुष
परायेसंग बारबारदेखोहमैपारपारजातीहैं ॥ ३७ ॥ गें-
दमनलइंगिरधरकीतिहारीसींह योंहीरारिठानतहमैनऐ-
सीभावती ॥ छोड़तनढांठजसुमतिलाडिलोकियोहै हंस-
तीकहाहोइंआयनछड़ावती ॥ फटिगइंऔंगीछटिगइं
घूरघूरहूँके छटिगइंहेंतोनातौलालहिभिजावती ॥ दे-
खतीजोऔरएँ सेलखतीकहाधींहिये भागनतेंभटूतमजो
नइतेंआवती ॥ ३८ ॥ औनतेंनआयोपाहीगोंधरेकोजा-
योमाई द्यापुराजियायोप्याइदूधधारिवारेको ॥ रसखान
सोजपहिघानिहूनमानतहै लोचनलजैयाऔनचैयाद्वारे
द्वारको ॥ बचांकीसोसोचकछूमटुकीउतारेकोन गोरस
कंदारेकोनचोरचोरद्वारको ॥ यहैदुखभारीगहैडगरह-
मारी मांजनगरहमारैग्वारवगरहमारैको ॥ ३९ ॥

दे० । होतविदग्धादुयिधहै वचनविदग्धाएक ॥

क्रियाविदग्धादूसरी सवकविक्रियोयिधेक ॥

वचननकीरघनानितें जोसाधैनिजकाम ॥

वचनविदग्धानायिका ताहिकहतमतिधाम ॥

॥ वचनविदग्धा यथा ॥

धिगरियोलायेंनितआवसीहोकोनकाज जानतीअखत
नाहिंदिनकीनरातिकी ॥ मुखपरओरैकछूपीठिपाछंओ-
रैकछू हितकोकहोनकहीअंतसमेधातकी ॥ कहैपरताप
आयकरतीअखानअति परीकीनयानिउरमाअततपात
की ॥ इसंइमारांपतिरुसंओरहततोपै तुमकोपरीहै
कहापरघरघातकी ॥ ४० ॥ ननदजिठानीअनखानीरहै
आठीजाम घरअसवातनवनायआयअरती ॥ रचिरचि
वचनअलीकअहुभैं।तिनके करिकरिअनखपियाकैकानभ-
रती ॥ कहैपरतापकैसेअसियेनिकसियेअं मीनगहिर-
हियेतजननेकुदरता ॥ निजनिजमंदिरमेंसाअतेंसयेरेदी-
प मेरेकेलिमंदिरमेदीपकीनधरती ॥ ४१ ॥ पासपरिचा-
रिकानकोऊजोकरैअयारि महलटहलमेरीकहलमिठाअरे
राधकहैयातनसुहातीतेऊहोतीकरो छातीतेंछुआयअति
आनदयटायरे ॥ एरेमांतपीनतूंपरसिमंरोअंगआय ते-
रोइतैंआइयेकोमेरेचितआअरे ॥ राखेअहीअरेतैंकिंअर
सोअनिरेकाज एरेमेरेमंदिरमेमंदमंदआअरे ॥ ४२ ॥
आयनगोपालदेसिपूहोकिअिगघुनाय पाहकैनिकटसगी

साधिनिजोयारेकी ॥ बिलखोहोवदनकैतासां यों कहने
 लागी जीवतिवृथाहैं जेहैं यामयनिजारेकी ॥ लादिगयो
 पतिहोसोपतिनोअकेलीछोड़ि रातिमेनसुनियेपुकारर-
 खधारेकी ॥ घोरनकीडरघरगोंवकेकिनारेआजु तापैगि-
 रीमीतघिरीभीतपिछुधारेकी ॥ ४३ ॥

॥ यय क्रियाविदग्धा सञ्जन ॥

दो० । जोतियकोऊकरिक्रिया पियहिजनावैभाय ॥

क्रियाविदग्धानापिका ताहिकहतकधिराय ॥

॥ क्रियाविदग्धा यया ॥

मणिमयमंदिरकेऔंगनअनोखीबाल बैठीगुरुलोगन
 मेसीभासरसायकै ॥ गरकगुलावनीरअरकउसीरनके रा-
 खंघहु'ओरनसुगंधवगरायकै ॥ कहैपरतापपियनैनकेइ-
 सारतिनि सारतिजनाइमुखमृदुमुसुकायकै ॥ घौलीनहिं
 घोलकछूसुंदरिसुजानरही पुंडरीकसुमनसोहायेदिख-
 रायकै ॥ ४४ ॥ बंजुलनिफुंजनमेमंजुलमहलमध्य मो-
 तिनकीफालरैकिनारिनमेकुराविंद ॥ आइगेतहैं।इंपदमा-
 फरपियारेकान्ह आनिजुरंचीचैदचयाइनकेचुन्दचुन्द ॥
 घैठीफिरिपूतरीअनूतरीफिरंगकैसी पीठिदैप्रथीनीदृग
 हगनमिलैअनंद ॥ आछेअवलीकिरहीआदरसमदिरमे
 इंदोमरसुंदरगोविंदकीमुखारविंद ॥ ४५ ॥

॥ यय सञ्जिता सञ्जन ॥

दो० । परपतिप्रेमसखीनको जाकोजाहिरहोय ॥

ताहिलक्षिताकहतहैं कयिकोविदसप्रकोय ॥ यया

काकरेजांकंचुकीसुकंतीकसयाधीतजं म्यानतहीअंग
 रंगककसखीपरै ॥ ओठनअँगोछिछालीउठतअनूप
 एंसी ललितकपोललोमदलितचखीपरै ॥ नूनननवेली
 वेलीफूलनसोंगुहीवेनी नूननचमेलीहारदलितनखीपरै ॥
 केतीचतुराडंसों दुगईपीतिप्यारेकीपै नैनकरुवाइंजमुहा-
 डंसोंलखीपरै ॥ १६ ॥ लैकरिसुयासयारिचिमलसुयासि-
 तकै मंजनकियोहैननअधिकउमाहेतें ॥ केसरिकपूरक-
 सतूरीओअतरलैकै अंगरागअंगनिलगायोचितचाहेतें ॥
 कहैपरतापसाजिसकलसिंगारतन भूपनधिभूपनसकलअ-
 वंगाहेतें ॥ कयकीनिहारतिहौनैननिमो कंजनैनियेसरि
 यनैनआजपहिरतकाहेतें ॥ १७ ॥ कोकरतिमंघनकैअ-
 मितउपायनसों चायनयढ़ायभूरिभायनभरतिहै ॥ कहै
 परतापजोतिमीनमृगखजनओ कंजनचकोरनकीआमा
 निदरतिहै ॥ रसवरसायअनुरागसरसायकरि प्यारेमन
 मोहनकोहितलहरतिहै ॥ भृकुटीकमानतानमैनधिरदौती
 भरे नैनकमनैतीआजमोनपंकरतिहै ॥ १८ ॥ सीससारी
 सिकुरतिअलकैमुकुरिरही झलकैकपोलनिअनूपछवि-
 छाईहै ॥ यदनचदलितगयोखौरिसिरचंदनकी अंजनकी
 रेखदेखधिधुरसुहाईहै ॥ देवयोसोहागभागअनुरागउ-
 मगत कचुकीदुरुखकैसेदुरतिदुराईहै ॥ करिरतिरंगमन
 मोहनसोंसाधेराधे आजुमधुवनतेंविहानहोतआईहै १९
 वेलाकानचाहैजुहीजदपिसुगंधजुही सोरभीनिवारिकों
 निवारिदेतरेलातें ॥ सेवतीगुलावकीनआयखुसयोइमा-

अजरीहूकीऊकद कंटकफनलाते ॥ सोनांओमुगंध
 ारीकरीसोनांमालतीतूं मानिसिखमेरीहीनलागुदरफे-
 लाते ॥ हैफकैकहीमैमधुकैफकेमजेमेकहू रेफलगजाय-
 ओद्विरेफअलघलाते ॥ ५० ॥ चाख्योकैपियूपअभिला-
 योकैअमंदउर भाख्यानाथनतईमओरैजोकपटमै ॥ ध-
 तकहूकोपौयपरतकहूकोजाय करतकलातूंभायजैमी
 हीमटमै ॥ जाननदुरायतूंअजाननदुरायभलं मेरेजा-
 आइंआजुकारेकीफपटमै ॥ कालिंदीकेनीरतूंअकली
 जभीरधीर लेनगइंनोरभरित्याइंनेहघटमै ॥ ५१ ॥
 डकैकहूतेमैयसोनडाहिंगौउंकहूछोडिइहिंठैंग्रहींग-
 हितपुनके ॥ मेरेआगेआइंनरुनाइंतेरंअंगनमे रघु-
 पमोसांसीखेग्रंथगरुगुनके ॥ मोहनकीप्रीतिरीतिमो-
 गोदुरायतिहै मैनकहाजानतिहींभिंदएदुहुनके ॥ तूह
 पमालतीमधुपमनउनकोहै तेरांमुखचंदहैचकोरहग
 के ॥ ५२ ॥ मैतोसहयामिनिमहेलीहींतिहारीप्यारी
 ओंखोंछपायतिहैयाननकेअरमै ॥ चालिचालिघूंघु-
 अतिअनखापआय यातनयनायधंठैआलिनकेघर
 कहैहनुमानगोरीकाहेकोकरनिभागी नेहभरीजा-
 रीतूंतेहैअतरमै ॥ जैमीकालिसोहतिहीमालनंद-
 गरे तैमीआजगजतिहैमालतेरेगरमै ॥ ५३ ॥ ला-
 कालिहीतूंमाइकेतेंपुरीजाएी कीनप्रिधिकैमेमि-
 जालनाख्योतूं ॥ मेरेजानइंसप्यारोदपकीमयूप
 घघनपियूपकैधौमृदुहैमितारख्योतूं ॥ कीन्होनुप्र-

चारकीर्ण औरहीचिचारसुता तूहीनिरधारचारसुखज-
भिलाख्योतू ॥ एरीअरचिंदननोपिकअनीभोरहीतें गो-
कुलकेचंदकोंचकोरकरिराख्योतू ॥ ५२ ॥

॥ यद्य कुनटा मच्छन ॥

दो ० । कुलटाकोंयांसुकविसय धरनतहैंकरिनेम ॥

धिनधनधनजोकरतिहै यहुपुरुषनतेंप्रेम ॥ यथा
फेरतिअनीटपाछेहेरतितिरीछ्याल गैलमंकरतिकै-
लछैलकोंलखायकै ॥ यातकहियेकेमिससजनीकोंठांढीक-
रै रजनीमिलापकोठिकानोठहरायकै ॥ भनतकविंदसा-
सुननदकंआगेऐसी सूधीहूँ रहतिमानोकैंधाहैउपायकै ॥
नैननकेहेरयोधिजावनकेजोरे मनलेतिहैमरारैकुचकोरै
दरसायकै ॥ ५५ ॥ कथोंपटसीससोंसमंठिहैंपिलेतिनी-
कें कथोंअंगअंगनदिखावतखुलासाहै ॥ एकनसोंहांसी
करिहैंसिबतरायजाय एकनसोंसैनवैनबोलतदिछासाहै ॥
मगमैधरतपगभूमतभुकतजात अतिइतरातमोरिमोरि
मुखनासाहै ॥ कनककीपूतरीतमासाकरैताकोंताक त-
रुनपतंगहातदीपज्योप्रकासाहै ॥ ५६ ॥ लोचननचाय
नटुवासेचोपचायचढ़ी धनमनमानिकधिलोकतहींलंति
है ॥ कुचगिरिसानुपासमदनअमानमेव राखतिहैदेखत
हींधरतिअनेतिहै ॥ द्विजजूकरतिसैलछैलगैलगावनमे
मीतप्रीतिपालियेकीप्रीतिमेसचेतिहै ॥ मैनमदपानिप
सोंतरीघाटघाटनमे रतिरसप्यासेनकोंपौसरांसीदेतिहै ५७
मोहनलगावैढीठिढारैप्रेमफासीगर गरकोगहेहैकाजको-

जरकदनके ॥ धानसमकरतकटाच्छुधनेचायनका घूमे
जाहिलागैगैलछूटतसदनके ॥ कहैरघुनापमनमानिकसो
मागेलेत मानैनमगजमातेकाननहदनके ॥ रूपरसरास
पासपथिरुपिंडारेऐन नैनएतिहारिगठाकुरमदनके ५८
जेतेसयतरयतरलयिलोकियत याटिकाग्रिटपलताजेतो
सुखकारीहै ॥ करतो जोइहं दयाकगिकैहमारैहेत रथनान-
घोनकरोंघिनयपुकारीहै ॥ मंटीहिघंकोनापलपटिलप-
टिआपु कहैशियराजसखीसपथतिहारीहै ॥ फरतेपुरुष
जेनिकरतेसुमनमय होतीतोसुफलमनकामनाहमारीहै
॥ ५९ ॥ कामकेकुमारसेकन्ह पासेकलाधरसे कोककीक-
लानिसोंकलितकरिधरतो ॥ नटवरघेपरखभोनतकिसो-
रयैत भूपनयिसेपअंगभौनिभौतिभरतो ॥ होतोकोज
चतुरचिनेरोजोप्रघोनघेनी कीठरीकेचिघितचरिघननु-
भरतो ॥ रैनमैसजीवहोतेपीवहोतेमेरीथीर ऐसीविधि
वाकेकरकरामातकरतो ॥ ६० ॥

॥ यद्य मुदिता मय्यन ॥

दो ० । चितचाहीयातिसुनत मुदिनहोतितियजीन ॥

मुदितातासोंकहतहैं जेकथिकचिताभीन ॥ यथा ॥

पतिफुलधारोवसैननदनिरालीरसे सासुअंधियारीसी
उजारीलखैगोदमै ॥ पौरियापुरानकेपलकभुकेपुहुमीमै
पाहकअमलछाक्योआसवचिनोदमै ॥ सोभसुनिखवरउ-
रोजउमगनलागे उदितमनोजओजअम्यरकेओदमै ॥
वादीछयिनहंउनहंसीअभिलापघटा प्रमुदितमुदिताफि-

रतमहामोदमै ॥ ६१ ॥ चूदावनवीथिनविलोकनगईही
 जहैं राजतरसालवनतालतरुमालको ॥ कहैपदुमाकर
 निहारतवनयोईतहैं नेहिनकोनेमप्रेमअदभुतख्यालको ॥
 दूनोदूनोबाढ़तसुपूनोकीनिसामेअहो आनदअनूपरु
 पकाहूवृजबालको ॥ कुंजतेकहूकोंसुनिकंतकीगमनलखि
 आगमनतैसोमनहरनगोपालको ॥ ६२ ॥ सामुरेकीमा-
 लिनअसीसकैसुहागभाग पहिरांयोचौंसरचमेलीकोउ-
 नतही ॥ राखरेमहलकेपरोसकोसुमेरोबाग दोसधीते
 वाकेमोहिफूलनचुनतही ॥ सुचितसकेतभौनकेतिकोनि-
 कटसर सानोसुखयन्दताकोगुननगुनतही ॥ माइकेकें
 बिरहकीजरदीरदीकैमुख लालीचढ़ीबालकेखुस्थालीकें
 सुनतही ॥ ६३ ॥ माइकेकेबिरहमयंकमुखीदुखीदेखि
 भेदताकैसासुरेकीमालिनबतायोहै ॥ मोपैठकुराइनहुकु-
 मकरियोईकरो खिजमतकरियोहमारैबाँटआयाहै ॥ भौ-
 नमेतिहारियागताकोंहींहींसेधतीहीं तामेतहखानोसूनी
 अतिहीसोहायोहै ॥ नाकीकोठरीनकीअँध्यारीभारी
 सुनकरि दुलहीदुलारीकेमहारीमोदछायोहै ॥ ६४ ॥ यै-
 ठीपहमोचकगिसुंदरिमकोचभरि- कैसैकैबिछोकोंहरिक-
 रीकीनछछंद ॥ दूयरीभइहँदेहकउनपरतगेह सहित
 सनेहतीलीयोलीयोजिठानीनंद ॥ आजदधिघेचनतू
 जाइनंदगँधमधि सुननप्रशोनयेनीउमगयोअनंदकंद ॥
 कसिआइंकंचुकीउकमिआयेदोऊकृष गमिआइंयलिया

दुखपौनभयो भौनभयोभायेकोसमानसिधिमागीके ॥
 चैनभईसौतियाअचैनचैनमाइकीभे सेवकमिलैनमति
 मैनकीसँवौगीके ॥ हूकभईनगिनपियाकेकामकूकभई
 सूकभईसासुसुनिसचदनहँगीके ॥ सूकभयोसामनेअचू-
 कअभिलापभये टूकभयेसुदिनछटूकभयेआँगीके ॥ ६६ ॥
 फौकीफूलधामकेफलोखेअनुराभरी देखेतहँआयऐसेच-
 रितधिहारीके ॥ कहैकचिदूलहयखानतदनैनफटू लह-
 लहेलोचनललितसुकुमारीके ॥ फूलेअंगअंगउठेउरजउतं-
 गवादीछधिकीतरगअंगअंगउजियारीके ॥ ज्योंज्योंपि-
 यलेतपरनारीभरिगोद त्योंत्योंहोतहियेपरमप्रमोदप्रान-
 प्यारीके ॥ ६७ ॥

॥ भय अनुमयना सच्छन ॥

दोहा । अनुशयनाहैतीनशिधि प्रथमसेदतहँएह ॥
 मिट्याकेलिथलजानिकी होतखेदजिहिदेह ॥

॥ प्रथम अनुमयना यथा ॥

कलिकेयमीचेलौअकेलीअकुलायआई नागरिनवे-
 लीयेलीहेरतहहरपरी ॥ कुंजकोअवासतहँगुल्लरतभौर-
 भौर सुखदसमीरसीरेनीरकीनहरपरी ॥ देवतिहिंकाछ
 गूंदिलाईमालमालिनिसो हेरतधिरहविषव्यालकीलहर
 परी ॥ छोहभरीछरीसोछबीलीछितिमाह फूलछरीकेछु-
 वतफूलछरीसोछहरपरी ॥ ६८ ॥ लागतिहैनीकीनाहै
 अचलीअलीनहूकी अतिहीमलीनभईधीरनाधरतिहै ॥
 खानअरुपानपरिधानहुंविहायकोऊं पूछतजातासोंक-

हिऔरहीलरतिहे ॥ कहैहनुमानयातोयिनस्यासैकेतदू-
 जो मिलिहैधीकैसोऐसीभायनाभरतिहे ॥ मोचनकरति
 वारिलोचनतेहाय परीकोचनपैयालयहीसोचनमरतिहे
 ॥ ६९ ॥ भयोपतझारपतझारमैउघरिगयो होतोजीन
 कंलिकुंजकालिदीकिनारामे ॥ कहैगिरधारीसोबिलोकत
 बिहालभई घालथहरानीमुकताहलज्योंथारामे ॥ यूटी-
 दारकंचुकीकलितकुचकोरनमै सुखमाबढीयोतासुउपमा
 विचारामे ॥ डारेमेघडंबरचघंघरअनूपमानो संभुकेसर-
 पद्वैअन्हातछिन्नधारामे ॥ ७० ॥ सुनेघरपरमपरासीके
 सुजानतिया आइंसुनिसुनिकैपरोसिनमनोअराति ॥ क-
 हैपदमाकरसुकंचनलतासोलचि जंचोलेतिसौसयोंहिएमै
 त्योंनहींसमाति ॥ जाइआइजहोंतहैं।बैठिउठिजैसेतैसे
 दिनतौधितायोवधूतीततिनकेहूंराति ॥ तापसरसानीदे-
 खेंअतिअकुलानीजऊ पतिउरआनीतऊसेजमेबिलानी
 जाति ॥ ७१ ॥ गेंदागुलदावटीगुलावआवदारचारु चंप-
 कचमेलिनकीन्यारीकरीवारीमै ॥ हीसनबंधायरौसरी-
 सनकीरीसैंजहों सकलसिंघायसीरेनोरहूसैंधारीमै ॥ क-
 हैपरतापजिन्हैदूसरेमुकामराखि दीन्हैप्रतिजामजामज-
 नरखवारीमै ॥ मेरीउरअधिकजरावनलग्योहै कौनआ-
 वनलग्योहैनितमेरीफुलवारीमै ॥ ७२ ॥ आइंरितुपा-
 वसअकासआठीदिसनमे सोहतसरूपजलधरनिकीभीर
 को ॥ मतिरामसुकविकदम्वनकीवासजुत सरसवढ़ावैर-
 परससमीरको ॥ भीनतेनिकसिंघपभानकीकुमारिदे-

ख्यो : तासमैसहेटकोनिकुंजगिहोतीरको ॥ नागरिके
 नैननिमेंनीरकोप्रवाहवाढ्यो देखतप्रवाहवाढ्योजमुना
 केनीरको ॥ ७३ ॥ सूखतसरसरंगदूखतसकलअंगभूप-
 ननभावचितचिन्ताबुनियतुहै ॥ रुखेलागैउदितमयूप-
 निधिपूरन मयूपैमहामंडलीनछातीधुनियतुहै ॥ हेरत
 हरतरुखसोभनपरुपभये भूखनतकरजनचापिबुनियतु
 है ॥ भूपनपियासकीअहूखलागोवालमन नगरनिक-
 टआजऊखलुनियतुहै ॥ ७४ ॥

॥ द्वितीय अनुमयना नच्छन ॥

दो ० ॥ हीनहारसकेतको जाकेतनपरिताप ॥

सोअनुशयनादूसरी कथिनलिखीकरिधाप ॥

॥ द्वितीय अनुमयना यथा ॥

विचकिलयत्निकाकीमाधवीकीमल्लिकाकी एलाकी
 लयंगकीललितन्यारीवारीहै ॥ चंपककीचंदनकीमौल-
 सिरीवृंदनकी बलितलतनसोंमिलितसाखसारीहै ॥ भ-
 नतकधिंदमतखेदकरेमृगनैनी तेरेहेतलीन्हीहमखबरि
 अगारीहै ॥ गहगहेगुलवारीसुंदरसुगुलवारी तेरेसासुरे
 मेसुनीकैयौफुलवारीहै ॥ ७५ ॥ सासुरेचलतअच्छस्वच्छ-
 नभरतकाहें चिन्ताक्योंकरतदीसआयेअनुकूलहैं ॥ जान
 वालविकलरसालचैनबोलीसखी हूजियेखुसालमोहिसुन
 दुखभूलहैं ॥ ऐसीओछीयातननिवारफूलवारिनकों ना-
 हकविसूरैजहोंभँवरनभूलहैं ॥ तेरेपियसदननिकटकहि-
 यतआली बेलीउहोंअजबसघनघनफूलहैं ॥ ७६ ॥ घालै

हिओरहीलरतिहे ॥ कहैहनुमानयातोयिनस्यांसेकेतदू-
 जो मिलिहैधौंकेसोऐसीभायनाभरतिहे ॥ मोचनकरति
 वारिलोचनतेहाय परीकोचनपैयालयाहीसोचनमरतिहे
 ॥ ६९ ॥ भयोपतक्तारपतक्तारमैउचरिगयो होताजीन
 कंलिकुंजकालिदीकिनारामे ॥ कहैगिरधारीसोविभोक्त
 ग्रिहालभई बालधहरानीमुक्ताहलज्योयारामे ॥ बूटी-
 दारकंचुकीकलितकुचकोरनमै सुखमाधकीर्योतासुउपमा
 विधारामे ॥ डारेमेघडंघरवघंघरअनूपमानो संभुकेसर-
 पद्वैअन्हातछिन्नधारामे ॥ ७० ॥ सूनेघरपरमपरांसीके
 सुजानतिया आइंसुनिसुनिकैपरोसिनमनोअराति ॥ क-
 हैपदमाकरसुकंचनलतासीलचि जंचोलेतिसौसयोंहिऐमे
 त्योंनहींसमाति ॥ जाडआडजहोंतहैं।बैठिउठिजैसेतैसे
 दिनतौबितायोघ्रधूत्रीततिनकेहूंराति ॥ तापसरसानीदे-
 खैंअतिअकुलानीजऊ पतिउरआनीतऊसेजमेघिलानी
 जाति ॥ ७१ ॥ गेंदागुलदावदीगुलायआवदारचारुचंप-
 कचमेलिनकीन्यारीकरीवारीमै ॥ हौसनधंधायरौसरौ-
 सनकीरौसैंजहों सकलसिंचायसीरेनोरहूसैंवारीमै ॥ क-
 हैपरतापजिन्हैदूसरेमुकामराखि दीन्हेप्रतिजामजामज-
 नरखवारीमै ॥ मेरोउरअधिकजरावनलग्योहै कौनआ-
 वनलग्योहैनितमेरीफुलवारीमै ॥ ७२ ॥ आईरितुपा-
 वसअकासआठौदिसनमे सोहतसरूपजलधरनिकीभीर
 को ॥ मतिरामसुकविकदम्बनकीवासजुत सरसवढ़ावैर-
 सपरससमीरको ॥ भौनतेनिकसिधूपभानकीकुमारिदे-

ख्यो तासमँसहेठकोनिकुंजगिखोतीरको ॥ नागरिक
 नैननिमेंनीरकोप्रवाहवाढ्यो देखतप्रवाहवाढ्योजमुना
 केनीरको ॥ ७३ ॥ सूखतसरसरंगदूखतसकलअंगभूप-
 ननभायैचितचिन्ताबुनियतुहै ॥ कखेलामैंउदितमयूप-
 निधिपूरन मयूपैमहामंडलीनछातीधुनियतुहै ॥ हेरत
 हरनरुखसोभनपरुषभये भूखननकरजनचापिबुनियतु
 है ॥ भूपनपियासकीअहखलागोयालमन नगरनिक-
 टआजऊखलुनियतुहै ॥ ७४ ॥

॥ द्वितीय अनुमयना सख्यग ॥

दो ० ॥ हीनहारसुकितको जाकेतनपरिताप ॥

सोअनुशयनादूसरी कथिनलिखीकरिधाप ॥

॥ द्वितीय अनुमयना यथा ॥

धिचकिलबल्लिकाकीमाधवीकीमल्लिकाकी एलाकी
 लयंगकीललितन्यारीक्यारीहै ॥ चंपककीचंदनकीमौल-
 सिरीचंदनकी बलितलतनसोंमिलितसाखसारीहै ॥ भ-
 नतकधिंदमतखेदकरैभृगनैनी तेरेहेतलीन्हीहमखधरि
 अगारीहै ॥ गहगहेगुलवारीसुंदरसुगुलवारी तेरेसासुरे
 मेसुनीकैयौफुलवारीहै ॥ ७५ ॥ सासुरेबलतअच्छस्यच्छ-
 नभरतकाहें चिन्ताक्योंकरतदौसआयेअनुकूलेहैं ॥ जान
 याछविकलरसालबैनबोलीसखी हूजियगुसाहमोहिसुन
 दुखभूलेहैं ॥ ऐसीओछीघातननिवारफूलधारिनकों ना-
 हकधिसुरेजहोभँवरनभूलहैं ॥ तेरेपियसदननिकटकहि-
 यतजाली येलीउहोअजवसघनवनफूलहैं ॥ ७६ ॥ घाले

क्योंनचंद्रमुखीचितमेसुचैनकरि तितयनयागनघनअ-
लिघूमिरहे ॥ कहैपदमाकरमयूरमंजुनाचतहैं चायसोंच-
कोरिनचकोरचूमिचूमिरहे ॥ कदमअनारआमअगरअ-
सोकथोक लतनसमंतलोनेलोनेलगिभूमिरहे ॥ फूलि-
रहेफूलिरहेफूलिरहेफूलिरहे फूलिरहेफूलिरहेफूलिरहेफूलि-
रहे ॥ ७७ ॥

॥ द्वातीय अनुगयनः सप्तमः ॥

दो ० ॥ पियसहेटजातीयको प्रथमपधाखोजानि ॥
विकलहांतिसोतीसरी अनुशयनाटरआनि ॥

॥ द्वातीय अनुगयना यथा ॥

पीतपटचटकमुकुटकीलटकदेखि देखिलविजाइमन-
भाइगुंजमालकी ॥ इंदीवरनिंदतत्रिभंगअंगप्रेमरासि दे-
खिगतिनिंदनरंगीलीगजचालकी ॥ खंजरीटनिंदनवि-
साललालनैनदेखि देखिकैसैंकेतऔनमंजरीरसालकी ॥
धीरधरिघाईसांचितोनिमैचितोनिगड़ी नीरभरिआईव-
ड़ीऔंखैंब्रजयालकी ॥ ७८ ॥ सौंकरीगलीकेउतैकविर-
घुनायघनी वहजोकदंघखंडीगिरिकेखलारहै ॥ तहैंआ-
जुसैंआसमैसैंआवरसलोनेजाइ वैंसुरीवजाइगाईसुघरम-
लारहै ॥ तानआनिपरीकानवृषभाननंदिनीके तच्योउर
प्राणपच्योविरहअलारहै ॥ औंखिनतेंकुचपरयोपरीस-
लिलधार सोंचतज्योयारुनीकेकलसकलारहै ॥ ७९ ॥ त-
वहीतैंऔंसूअंखियानकरहेनकोए लोहेकेसेतायसोंहैंभी-

तरिसातिचीन्हचीन्हतंतकालके ॥ फिरकीसीफिरैगिरैहैरै
थरहरैउठै छहरीसीछोहीसीधिंछोहीनेहहालके ॥ लाल
केगरेमेंदेखीमोलसिरीमालहाल वहैमालसालहूँ लगीहैउ-
रवालके ॥ ८० ॥ सौंभक्तसमैमतिरामकामवमवंसोधर वं
सोवटतटमेवजाईजायवैसुरी ॥ सुमिरिसहेटवृषभान
कीकुमारिउर दुखअधिकानोभयोसुखकीबिनासुरी ॥ स-
रसोसमीरलाभ्योसूलसीसहेलीसच विपसोविनोदलाभ्यो
वनसोनिवासुरी ॥ तापचढ़िआहुंतनपीरोपरिआहुं मुख
औंखिनकेऊपरउमगिआयेऔंसुरी ॥ ८१ ॥ लपटैसुगं-
धनकीऔंवैगंधधंधनमें भ्रमनमदंधभौरसरसबिराधके ॥
परतपरागपुंजसौंथरेवदनपर मंजुछविछैलनेछबिलेभूरि
भावके ॥ समयकीचूकहूकसालतिप्रवीननकों मौसरन
आवैबैनऔसरजयायके ॥ चखनचुवनलाभ्योप्यारीकेगु-
लायनीर देखिबलवीरसीससुमनगुलायके ॥ ८२ ॥ आ-
पअंगअंगरंगरीभक्तरीसखीसंग वारिजवदनकटिलचक-
नधारसी ॥ धैठीपानखातहीसखीसोंमुसकातही सुधौ-
सुरीयजाईसेखमोहनमहारसी ॥ चितचल्योताननकों
औखैचलीकाननकों चपलाईआननकोंरहीनासैभारसी ॥
लागीदेहकैंपनरहीनसुधिअपन सुठैंपनकोंदेखैमुखभू-
लिगईआरसी ॥ ८३ ॥ कछुपरैभूमिभूमिकूपमैरपटिक-
छू कछुकलपटिलागीलैंबोलीबोलटमै ॥ जेलऐसीजेव-
रीसमेटिकरीदोऊकर भरेअनभरेघटपरेपनघटमै ॥ धो-
लतनबैननैनजलकेप्रवाहबहे गहेठाढ़ोसखियैप्रवीनवे-

नीतटमें ॥ हंसीसीधिकलजदुखंसीमेंचहोहेप्रान गंसीसी
 लगीहैवाजीवंसीवंसीघटमें ॥ ८४ ॥ सुनिसुनिआनदम-
 योहैसबहीके तेरेक्योंमुखप्रसेदबुन्दमोतीसेछरकिपरें ॥
 सेवकभनतहोंहोंजान्योपैनजान्योभेद खेदकैसेकेओठअ-
 धरफरकिपरें ॥ तैसेईकररेकुचकलसतरेरेत्योहों तेरेईतु-
 रंततनीतारऊनरकिपरें ॥ सौसुरीनमानजियसौचरीकहै
 रीकाहे यँसुरीसुनतऔंगीऔंसुरीठरकिपरें ॥ ८५ ॥ ते-
 रेबिनदरसधिकलहोंमैप्रानप्यारी जवहीतेमोहनबजाई
 याउकतिहै ॥ तवहीतेवाफोंघरऔंगनसुहातनाहिं धार
 धारधायकुंजओराहतकतिहै ॥ कहैहनुमानबूझेंऔंसूभ-
 रिभरिलेत यावरीलौंओरहोकीओरहीयकतिहै ॥ सौ-
 सुरीनआवतपैऔंसुरीबहत तानवाहीयँसुरीकीपौसुरी
 मैकसकतिहै ॥ ८६ ॥ इतिश्रीसुंगारसुधाकरे द्विजकवि
 कृते अनूदादिपरकीयाभेदवर्णनोनामचतुर्थमयूषः ॥ ४ ॥

॥ अथ गनिका लच्छन ॥

दी ० ॥ प्रीतिकरतिजोसवनते धनधनहीकेहेत ॥
 गनिकाताहियखानहीं कधिकुलसुमतिनिकेत ॥
 घटकमटकसृङ्गारकी तालतानमेदच्छ ॥
 दीनबचनसबसोंकहै रहैलब्धमेअच्छ ॥ यथा ॥
 उज्जलउँज्यारीसीफुलमलातिफोनीसारी फोइंसी
 दिखाइंदेहँदीपतिधिसालसी ॥ जोवनकीजोतिनसोंही-
 रालालमोतिनसों नखतेंसिखालोंमिलिएकहैमहालसी ॥
 ललितहँमन्दफलनिचितौनि चारुताइंचतुराईंचित

चोरिबेकींचालसी ॥ सगमैसहेलें सोनवेली सीनवेली वा-
 ल रगमगेअंगजगमगतिमसालसी ॥ १ ॥ छलकतछवि
 छितिछोरनिलेंछूटीछटा छरहरीछैलनिछकायेहीरलति
 है ॥ छोरधिकीछाहरीकीछायासीप्रवीनवेनी छपामैछ-
 पाकरकीछानीमैसलतिहै ॥ छलाछापछाजतछराकेछो-
 रछिटकत छिगुनीछवतछनदुतिसीचलतिहै ॥ छामक-
 टिछोटोसीछधांलोसीछटंकभरी छायेछलछंदछितिपा-
 लनछलांतहै ॥ २ ॥ आरससोंआरतसम्हारतिनसीसपट
 गजयगुजारतिगरीयनकीधारपर ॥ कहैपदमाकरसुगंध
 सरसारथसे धिधिरिधिराजैयारहीरनकेहारपर ॥ छाजत
 छथीलेछितिछहरिछराकेछोर भोरउठिआईकेलिमंदिर
 केद्वारपर ॥ एकपगभीतरसुएकदेहरीपेधरं एककरकंज
 एककरहंकंवारपर ॥ ३ ॥ सोहैपेसवाजहैअसाधरीको
 दोसिमान ओढ़नीकिनारीथारीदुतितदितानकी ॥ जेव-
 रजराजजगमगिरहेदत्तकवि लुरकतलरैतेंसीगजमुकता-
 नकी ॥ हरैमुयरनसुवरनसुवरनचारु कोंटिककलाप्रथी-
 नरतिसुखदानकी ॥ मानोचन्द्रमण्डलतेंआइमहिमण्डल
 मै मण्डितकैयैठोमण्डलोमैगनिकानकी ॥ ४ ॥ छाल
 भालटोकोछापोछोरओढ़नीकोमुख चन्द्रोसनोकोरस-
 येनउगिलतिहै ॥ होरनकेहारओहमेलाछाहोरनकी ज-
 गमगेजोयनजयहिरजगतिहै ॥ तनगाढीपेसथाजकटि-
 छोनपरतेंसे ऊहिकरैनाहोंकरैसिसकीखगतिहै ॥ पाय-
 जेवपायनकिनारीदरदावनसो सूधनकीलावनिसोहाव-

निलगति है ॥ ५ ॥ नाचति है गावति है रीति रीति रीति
है लीचेही की घात वात सुनति न बिय की ॥ तनकों सिंगार
नैन कज्जल सुधारै अति चारवारवारै प्रान ऐसी रीति तिय
की ॥ गुन्धर सुकवि हेत धन हीं सों वार वधू और न विचार
कलूय है वात जिय की ॥ लालचा है जिय सों की बाल मेरे हिय
लागै बालचा है हिय सों कै माल लीजै पिय की ॥ ६ ॥ अर्ध-
रमिलाय लाल लाल लीजिय तुन्याइ साल धिर काइ उर साल
कर देती है ॥ येनी कवि माल मुकतान की छुवाय उर माल मु-
कता की कयु लाय योडं चेती है ॥ तिलक इजार मुख तिलक
हजार चखि छेती है विचार करे यों अनीति एती है ॥ अ-
तनु हकारो तनहनत विचारो मन मानिक हमारो कौन होइ
पर लेती है ॥ ७ ॥ हैंसि हैसि मुरि मुसकानि सान ग्राननि
सों ताननि सों नीके राग रागिनी नगा ऐंलत ॥ खज्जन सीपि-
रि कि धिरि कि चारों ओर नतें फिरि कि फिरि कि राग पुञ्ज उप-
ज, ऐंलत ॥ गाथनकों गाइ साथ हाथन बत आइ भाय हाथ ज-
स वन्त चारु चित चिहुंटा ऐंलत ॥ भौंहनि नवाय समुहाय
उच फाय कुच लोचन लचा एलो मन ललचा ऐंलत ॥ ८ ॥
आयो प्रान प्यारो धन दानी गुन जारों जयों रूप उजियारो ल-
खि मूरति सहल मै ॥ उमगि उमगि कुच कल सभिरन लागे मु-
ज आभरन लागे रम कीट हल मै ॥ आनद के ओमू ओखि पा-
न तें कान लागे प्रेम प्रैन कलर लागे चहल पहल मै ॥ अतरन
तर करी आछे मरग जाभरी फूलन की सेज साजी सीसा किम-
हल मै ॥ ९ ॥ कैसेनी किल मुन अचल चल नैन मृदु मादक

नामिल्यामहिमाबभातिको॥लरिकाईतरुनाईवैससं-
 योंसोहाई ऐसीवारवधुनमैदूसरीदिखातिको ॥ भरि
 योजोवनउभरिआयोरूपयाको ऐसोहालहूहैलालरा-
 गोधिसातिको ॥ मरेविनभाखेएहोकबिरघुनाथरीक्ति
 खैतुमदैहीकहेंराखोंएकरातिको ॥ १० ॥

॥ गजिकाया नवसंगम यथा ॥

तारतारकीन्हीफारऔंगीहारतोरिडारि धारधारअं-
 भरानकरोगईकों ॥ डोरछोरनीवीकीचुननिभक्तकी-
 णक कुचनिमरोरिकैदिखावोजधरईकों ॥ ज्योंज्योंहा-
 वातिभईमूरछितजातिएहो कबिरघुनाथगहोरयोंत्यों
 तईकों ॥ गाजपरीगाजमेरेलोगनपैआज सौंपीसंप-
 काजजिनतांसेनिरदईकों ॥ ११ ॥ रचोकामकलावा-
 धूनयलासोंरीक्ति प्यारेकमलापतिवैअनगनेदामदे-
 ॥ छोरतइजारबन्दबन्दकेवनावनमे रचतिअनेक
 कामकीकलानमेय ॥ उरुउरफावैमुखचूमतवचा-
 देतनखकुचढारैकरनसोंकरहेय ॥ आसनकेकसत
 हिकहैजहिमुई तोयहपुकारिहगवारिभरिभरिलेय
 ॥ मोतिनकीमालसालबकसीसलैकंधाल सोईसंग
 हालभोईमहासुखसों ॥ रघुनाथकीकनीतिलीन्हैर-
 तेरीति वैसकोसुभावयोंप्रकासैचावरुखसों ॥ लं-
 कावैभरैसिसिकीछपावैकुच चूमतकपोलनिचचा-
 दखसों ॥ अधखुलेनैननिनिहारैरूपभाँवतेको धि-
 हारैननकारैटारैमुखसों ॥ १३ ॥ रघुनाथभाँव-

सोंदामलैसुरतिरची परमप्रधानबालकामकलायद्धुमै ।
 आनदसोंमगनअँगनऐसेहायभाय प्रगटैउपायप्रसीक-
 रनअसद्धुमै ॥ ओठनिअमंठतिनचावतिन्यन नाकमि-
 कोरतिसीफहिलचकडारैलद्धुमै ॥ छोड़िछोड़िछोड़िकर-
 विहंसिबिहंसिलरै भूपटिभूषणभरेभैं।यतकीअद्धुमै॥१४॥

॥ गणिकाया विपरीत यथा ॥

बूझिधारयधूकोंसुकविरघुनाथप्यारे दरसपरसमेसर-
 समैनकातीसों ॥ चायभख्योवैसकोसुभावदेखिलाखनदे-
 रतिविपरीतरचीरीक्तिरङ्गरातीसों ॥ अचलबिलोकिल
 दीयेकींदिवावैसोंह जयतयगतिअधऊरधसुहातीसों ॥
 भौंहनिनचाडसतराइएकद्वैकलैकै बिहंसिलजायलपटाय
 जाइछातीसों ॥ १५ ॥ मोतिनकीमालजयदीन्हीलालत-
 यबाल रतिविपरीनरीक्तिनुरतसुरुहीकी ॥ तमकतिद-
 मकतिदामिनीसीरघुनाथ राजतिरुचिरहिपंरुचिस्वेद
 फूहीकी ॥ लेतिअधउरधकीगतिदेतिचुंघनकों धौलसी
 बदनसङ्गदेहछविछूहीकी ॥ बैठोससिजपरसैंभारनसक-
 तभार बेलीमनोलहकैनबेलीसोनजूहीकी ॥ १६ ॥

॥ गणिकाया सुरतान्त यथा ॥

भीरहोतकीन्हीबिदाकविरघुनाथप्यारे सकलमनोज-
 कलाकरिचाहीमनकी ॥ औसूभरेलोचनचिकुरछूटछूट
 हार औगोफटोफेलीछातीसोभास्वेदकनकी ॥ ऐसोभ-
 योभायधारयधूकोसुभावतऊ तउघीनातनकलालसाकै
 ॥ चलतैपलंगपैतेजरीकेरुमालैलीन्हें प्यारे

केदुं सलैली न्हे मालै मुकत नकी ॥ १७ ॥ लोचन कलित नी-
 द धलित कपोल दन्त दलित उरो जन खली न्हे छवि छमको ॥
 रघुनाथ भवते सीं भोर सयें बिदा जई भूपन सुधारि सय अ-
 ह्नि के सभको ॥ चलतें सखी सीं आपु सिखै यों कहायो हम
 राखनी हैं हिये प्रेम रावरे उतमको ॥ जरी कोरु माल एक सारी
 अरु साल एक मोतिन की माल लाल पठै दोजा हमको ॥ १८ ॥
 इती श्री सुद्धार सुधाकरे द्विज कविकृते गानिका वर्णनो
 नाम पञ्चम मयूपः ॥ ५ ॥

॥ यथा अन्यसुरातिदुःखिता लच्छन ॥

दीहा । निज पतिके रति चिन्ह जाँ और तरुनि तन हेरि ॥
 अन्य सुराति दुःखिता सुग्रह तेह जनावै फेरि ॥ यथा
 आइँ अनमनी छै वदन पियराइँ छाईँ सुधिन रही है कहूँ
 आपने परारे की ॥ कहति कछु है मुख कढ़न कछु काँ कछु दे-
 खति है आज तेरी गति मत वारे की ॥ नेक थिर हूँ कै घैठि राईँ
 लोन वारे तीपे तू तो हनुमान मेरी साधिन है वारे की ॥ य-
 जर परोरी मो पै पठईँ कहौ ते तहौ नजर लगीरी तोहि जुलफ-
 न वारे की ॥ १ ॥ याही को पठाईँ बडो काम करि आइँ यही
 तेरि पै बड़ाईँ लखे लोचन लज्जिले सीं ॥ सौं चीक्यों न कहै कछु
 मो को कि धौं आपु ही को पाय बकसी सत्याईँ बसन छपी ले
 सीं ॥ मति राम सुकवि सँ देसी उन मानियत तेरे नख सिख
 अङ्ग हर पंकटो ले सीं ॥ तू तो है रसीली रस थात न बनाय जानै
 मेरे जान आइँ रे सरांखि कै रसो ले सीं ॥ २ ॥ ना तो न भचर को

सोंदामलैसुरतिरची परमप्रथीनवालकामकलावद्धमै ॥
 आनदसोंमगनअँगनऐसेहावभाव प्रगटैउपायवसीक-
 रनअसद्धमै ॥ ओठनिअमंठतिनचावतिन्यन नाकसि-
 कोरतिसीकहिलचकडारैलद्धमै ॥ छोड़िछोड़िछोड़िकरै
 बिहैसिबिहैसिलरै कपटिकपटितरैसैं।यतेकोअद्धमै॥१४॥

॥ गणिकाया विपरीत यथा ॥

यूक्तिवारयधूकींसुकविरघुनाथप्यारे दरसपरसमंसर-
 समैनकातीसों ॥ चावभखावैसकोसुभावदेखिलाखनंदै
 रतिविपरीतरचीरीक्तिरङ्गरातीसों ॥ अचलबिलोकिंचल
 दीबेकींदिवावैसोंह जवतवगतिअधऊरधसुहातीसों ॥
 भौंदनिनचाइसनराइएकद्वैकलैकै बिहैमिलजायलपटाय
 जाइछातीसों ॥ १५ ॥ मोतिनकीमालजयदीन्हीलालत-
 यथाल रतिविपरीतरौक्तिनुरतसुरुहीकी ॥ तमकतिद-
 मकतिदामिनीसीरघुनाथ राजतिरुचिरहिंरुचिस्वेद
 फूहीकी ॥ लेतिअधउरधकीगतिदेतिचुंवनकीं योंलसी
 यदनसद्धदेहछविछूहीकी ॥ बैठोससिऊपरसैंभारनसक-
 तभार येलीमनोलहकैनत्रेलीसीनजूहीकी ॥ १६ ॥

॥ गणिकाया सुरतान्त यथा ॥

भोरहीतकीन्हीविदाकविरघुनाथप्यारे सकलमनोज
 कलाकरिचाहीमनकी ॥ औंसूभरेलोचनचिकुरछूटेछूटे
 हार औंगीफटीफैलीछातीसीभास्वेदकनकी ॥ ऐसीभ-
 योभाववारयधूकीसुभावतऊ तज्योनातनकलालसाकै
 हिगंधनकी ॥ चलतेपलंगपैतेजरीकेरुमालैलीन्हे प्यारे

केदुसालैलीन्हेमालैमुकतनकी ॥ १७ ॥ लोचनकलितनी-
 दलितकपोलदन्त दलितउरोजनखलीन्हेछविछमकी ॥
 रघुनाथमोयतेसोंभोरभयेंविदाभई भूपनसुधारिसयअ-
 हुनिकेसमकी ॥ अलतेंसखीसोंआपुसिखैयोंकहायो हम
 राखनीहैंहियेप्रेमरावरेउतमकी ॥ जरीकोरुमालएकसारी
 अरुसालएक मोतिनकीमाललालपठैदोजाहमकां ॥ १८ ॥
 इतीथी सुद्धारसुधाकरे द्विजकथिकृते गनिकावर्णनी
 नाम पञ्चम मयूपः ॥ ५ ॥

यथा अन्यसुरतिदुःखिता लच्छन ॥

दीहा । निजपतिकेरतिचिन्हजा औरतरुनितनहेरि ॥
 अन्यसुरतिदुःखितासुवह तेहजनावैफेरि ॥ यथा
 आइंजनमनीव्हैवदनपियराइंछाईं सुधिनरहोहैकहूँ
 आपनेपरारेकी ॥ कहतिक्छूहैमुखकढ़नकछूकांकछूदे-
 खतिहैंआजतेरीगतिमतवारेकी ॥ नेकधिरहूँकैबैठिराईं
 लोनवारेतोपे तूतोहनुमानमेरीसाथिनहैवारेकी ॥ य-
 जरपरोरीमोपैपठईकहैंतेतहैं नजरलगोरोतोहिजुलफ-
 नवारेकी ॥ १ ॥ याहीकोंपठाईंबडोकामकरिआईं यही
 तेरियैवडाइंलखेलोचनलजोलेसों ॥ साँचीक्योंनकहैकछू
 मोकोंकिधौंआपुहोकों पायवकसीसत्याइंवसनछथोले
 सों ॥ भतिरामसुकाविसैंदेसोउनमानियत तेरेनखसिख
 अहहरपकटीलेसों ॥ तूतोहैरसीलोरसयातनवनायजानै
 मेरेजानआईंरसराखिकैरसोलेसों ॥ २ ॥ नासोनभचरको

विचारचारुचन्दकुजै संजुतंयिनोदमोदगोदंयैठाखोहै ॥
 सम्भुसीसभूपनयिराजैसम्भुसीसहीपै सोतोसबजोगहैसु
 लोगनविचाखोहै ॥ इंचरकहतपैअजोगइतनोहींतीय
 भौरएकानिठुरकठोरप्रनयाखोहै॥ मधुपकहायकुलैकांठि-
 मालगायहाय वारिजविहायआयविद्रुमविदाखोहै ॥३॥
 स्वदकनजालीअंसुमालीकोतपनिआली सुक्रीजानिसबै
 तोअधरविंचयूक्तहैं ॥ बेनीजानिसैंपिनीसुचूँयोहैकंठा-
 पिनीनै यावरीचकोरीकोंकपोलेंचइसूक्तहैं ॥ रामजीसुक-
 थिमैपठार्डतूतहैं। नगई चंदकंचुकीकेकाहूक्तारनअरुक्तहैं॥
 उरजउँचैंहैंएस्वयंभूजानिकिंशुकसों कुंजनकेकोनेआजु
 कोनेइन्हैपूजेहैं ॥ ४ ॥ कंठकतैंअटकिअटकिसबआपुहीतैं
 फटिगेवसनतिन्हैनीकेकैयनायलै ॥ बेनीकेविचिघ्रघार
 हारनमेआयआय अरुक्तअनोखेतेतेतार्यठिसरुक्तायलै ॥
 कहैशिषकत्रिदयिकाहेकारहीहैवाम घामतैंपसीनाभयो
 ताकोंसियरायलै ॥ यातकहियेमेनंदलालकीउतालकहा
 हालतीहरिननैनीहफनिमिटायलै ॥ ५ ॥ छूटिगयोचंदन
 सकलकुचमंडलको अधरनवोचरहीरंचकललाईना ॥ अं-
 गनमेरामउठेजलकनछाड़गये नैननमेकजलकीरेखहूसो
 हाईना ॥ धनीरामबंधुजनपीरतूनजानैदूति भूठिकहि
 वेकीयानिरंचयिसराईना ॥ यावरीकेन्हानकोंइहोतेंगई
 यावरीतूं प्रानप्यारेअधमसमीपहिसिघाईना ॥ ६ ॥ घां-
 यगईकेसरिकपोलकुचगोलनकी पीकलोकअधरअमी

नकंपदेहपुलकनछाईहै ॥ यादमतिठानैभूँठयादिनिभई
रोअव दूतपनोछोड़िधूतपनमेसमाईहै ॥ आइतोहिपी-
रनपराईमहापापिनितू पापीलींगईनकहूँ बापीन्हाय
आइहै ॥ ७ ॥ धहरतअंगअंगछहरतजलधुंद लहरतरो-
मनिकेऊपरनिकाईहै ॥ छूटीजातयेनोतनीटूटीजातकंचु-
कीकी लूटीजातअधरनअधिकललाईहै ॥ गहगहोसारी
मैसुगंधमहमहोतैसी चहचहीऊँखियनछविधोइंधाईहै ॥
कहिंयंकछूतोतुमकरतीकछूकांछू पापीपैपठाईतूंअन्हा-
ययापीआइहै ॥ ८ ॥ छूटिगयोचंदनउरोजनिकीओ-
रनतें, छूटीनैनकोरनतेंकाजरकराईहै ॥ भनतकयिंदकंट-
कितदुतिदेहभई छूटिगईनईअधरानतेंललाईहै ॥ पोरी
परिगईहैफोलनकीपली अलकनजलकनकोअजौलीं
अधिकाईहै ॥ जितैमैपठाईताधिसासीपैगईनदीसी और
फितहूँतैतूनदीसोन्हायआइहै ॥ ९ ॥ किनअटकायांमेरे
मनकोमहीपलाल मेरेमनयाहीतीखरकखरकतिहै ॥ का-
लिदासकौनधौंभईहैसीतिसहजेहीं देखीसुनोनाहैतज
छातीदरकतिहै ॥ मोसोंवनमालीसोंधियोगभयोआलीआ
जु कौनकेधौंभागनमेभईयरकतिहै ॥ मरीऔंखिदाहि-
नीलगीहैफरकनआजु कौनयामकीधौंऔंखियँई'फरक-
तिहै ॥ १० ॥ आइछलछंदसोंगोविंदसंगखेलिफागु केस-
रिकेरंगकीसुअंगछविछूँरही ॥ कहैकविदूलहनजानिप-
रीकौतुकमे पाछिलेपहरकीरजनिघरीद्वैरही ॥ धायघर
जायन्हायनूतनवसनसाजि आरसोलै हेरैमुखदूनीदुति

उवैरही ॥ बेसरकंमोतीचीचरहीहैगुलालंलाली आलीव-
 हलालीसोहमारीसौतिहैरही ॥ ११ ॥ पहिरपरोसिनकीं
 पहिलेपहिलदेखि एहोरघुनाथछोडिपासंगुरुतियको ॥
 घूंघुटमैनैनसैनदेकरलयाइगई प्यारीचित्रसारीमैछपायें
 कोपजियको ॥ एकपासवैठिलागीबूझनअमंठिभौंह
 सौचीकहोमोसोकैकपटदूरिहियको ॥ आइंहैकहैंतेकीहै
 कौनतू कहावतिहै कहैंपायोकैसेपायोहारमेरपियको १२
 आपअपयातनकेनारीसयजहैंतहैं मिलिमिलिसजनीस-
 माजनभरतिहैं ॥ कालिदासकाहूकहैफरकतिऔंखिमेरी
 एरीआजुमांकोंकछुजानीनापरतिहै ॥ बाइंहैकिदाहि-
 नीधौंभूक्तिसहेलायात विपकैसीबलिहैसीयातधितर-
 तिहै ॥ बाइंऔंखिभूक्त्यापरोसिनकीमेरीभटू मेरीऔं-
 खिदाहिनीसटौहोफरकतिहै ॥ १३ ॥ प्यारेपासपठइंअ-
 यासतेंथोलाइयेंकों धीतेजामजामिनिसखीनदासीघरकीं
 एहोरघुनाथगईआइंधरीचारिकमं छाइंछयिअंगभय-
 नाइंपंचसरकी ॥ घूंघुटमेहेरिघेरिकोपकियेरातेनैन यिछ-
 खीथिसारिचैनप्यारीलाजघरकी ॥ कज्जलसमेतघलेऔंभू-
 थुंभौंतिऐसे कांकनदमैतेंजसेपैंतिमधुकरकी ॥ १४ ॥

॥ भय गर्विता मध्यम ॥

दो ० । प्रेमरूपकोजोतिया करतिरहतिअभिमान ॥

तिहिंअनुमारमुगथिता लहुरमिकपहिचान ॥

॥ प्रेमगर्विता यथा ॥

मेरेहैंमेहेमनुहैंमेरेयालेथोएतुहैं मोहियेकोंजानतुहैंन-

नधनप्रानुरी ॥ कविमतिरामभौंहट्टेदीकियेहैं। सीहूमे छो-
 ड़िदेतभूपनयसनपानीपानुरी ॥ मोतेप्रानप्यारीप्रानप्या-
 रेकेनऔरकोऊ तासोरिसकीजैकहोकहैं। कोसयानुरी ॥ मै-
 नकामिनीकेमैनकाहूकेनरूपरोझैं। मैनकाहूकेसिखाएआ-
 नोमनमानुरी ॥ १५ ॥ घरघरघाटनमैघाटनमैकुंजनमै क-
 हैरूपगुंजीअनुरूपकहोडोलोंमै ॥ येनोकविगातनमैवस्यो
 गुदनाकेमिसि रिसकरियातनमैकहैं। कहैं। छोलोंमै ॥ मस-
 किमंसूसनिसोमारोंमनकौलों कोऊहितूनाहमाराजाते
 धिलगनघोलोंमै ॥ मूदोंस्यामपूतरीउघारें। देखें। सांवरोजी
 मेरोअपराधअँखेंमूदोंकीधौंखोलोंमै ॥ १६ ॥ पाहरुसेभौन
 केफिरतचारोंऔरखरे पोरियासेपोरिपासमोदसोंमयेरहैं ॥
 मोखनक्तरोखनमेझाँकियेकोमेरीआस चाहियेकीचोपच
 ढेलोचनंदयेरहैं ॥ बाँसुरीयजायमेरीरीझकीसुनायतान
 कमलापतिआठोंजामवेउमहेरहैं ॥ मोहनकेप्रेमकीकहा-
 मैकहाँएरीभटू मेरेमुखपंकजकेभीरसेभयेरहैं ॥ १७ ॥

॥ पय रूपगर्विता यथा ॥

नेकुजोहैंसैंताहोतिलालमालहीरनकी नेकुजोलखीं
 तोहियोनीलमनिझलकी ॥ जीहैंमुखधोइवेकीअंजुली
 भरोलैझारी सखिननिहारीरातीसोभाहोतिजलकी ॥
 जीहैंरचौंचीरनचिलकदुरैजोयनकी मेरेदेखिवेकोअँखें
 गुंथरकीललकी ॥ आगनकढौंतीभीरभीरनअँधेरोहात
 पावजोधरोतीमहीहोतिमखमलकी ॥ १८ ॥ अंगअंग
 भूपनविभूपनविरचिजोति- जीवनजवाहिरकीजाहिरज

गार्हते ॥ चहचहेचोवाचासुचंदनअरगजाओ अंगराग-
 हेतकलकेसरिमगार्हते ॥ कहैपरतापदुतिदेहकीदुरंगहो-
 ति सुरैगकुसुंभीऐसीचूनरिरैगाइतै ॥ रीझिवारीएरीसु-
 नुसुंदरिसुजानवारी भालक्योंनवेदीमृगमंदकीलगाइतै
 ॥ १९ ॥ कंचनकोरंगरीनजानोजातआंगुरीन तैसीखरी
 खुलीछविछापऔछलानकी ॥ कहाकहौंनानइनकोपाइ-
 नमहावरदै एड़िनकीलालीआलीअतिहीमलानकी ॥ रु-
 पकोसदनमेरोवदनबिलोकिकाहि लागतभलाइनीकीसो
 रहकलानकी ॥ जादिनतैलालनलुनाइलखीलोपननि
 तादिनतैआनिकरीआनअवलानकी ॥ २० ॥ मेरोमुख
 चाहएकचिनगीचुगतआगे धावैएकपीछेयेनीगहनकेदा-
 वरी ॥ एकनकेसासनउसाभलेनपायतना गुंजैआसपा-
 सहोनजानोगुनचावरी ॥ तूतोपरीगोहनकैयेगिचलोमोह-
 नपै मानिमेरीआतएतीअधिकउपावरी ॥ याधरेचकोर-
 नकोदईमारैमोरनको मंदमतिभौरनकोदूरिकरिआवरी
 ॥ २१ ॥ छूटेछपेछवालीबिलोकियारआरिदसे गगन-
 भरोसोजातमोरनकेसोरसो ॥ सहजमुयासकेमधुपमत-
 यारनसो इहौंलोतोआइयोतयोइयदेजोरसो ॥ द्विज-
 जूनिकुंजनिर्लीचलियोयनेगोकैसो चौंचदमयोहैयनश्री-
 धिनतैपीरिमां ॥ दीरिदीरिचैगनहैहेरिमरेआननको जा-
 निकैमुधानिधिचकोरचारोआरमां ॥ २२ ॥ पैदेपरेह-
 नपछेरनहृत्तपापो कयरीकलापिनकीगतिमतिश्रंदकी ॥
 मूपरधरनपगनूपरमयदगुनि धूपरनधमूमामरालअरवि-

दकी ॥ सोभकविसौरभसकलअंगअंगनतें उमगोगेभी-
 रभीरमंढितमलिन्दकी ॥ चिन्ताचढ़ीचखनचितैवोचि-
 तचोरओर चौकीरहैंभरतचकोरमुखचंदकी ॥ २३ ॥
 व्यालीसीविषमवेनीआलिनयनाईजिन तिनसोंप्रघोनघे-
 नीलीजैकछूकरुहै ॥ औरमेरीरानीमुखचंदकीकहानीसुनो
 दिनहींनेकीन्हेंदेतचौदनीपसरुहै ॥ कैसेकदिसकोंवढ़ि-
 कांठरीकीपौरिआगे लिखदीनोकरमधिरंचियाहीधरुहै ॥
 तुमघनघागनबिहारकरोमेरीयोर हमैउहँमोरनचकोरन
 कोढरुहै ॥ २४ ॥ चौंधतेचकंरचारोंओरैंजानिचंदमुखी
 रहीबचिहरनिदसनदुतिदंपाके ॥ लीलजातेघरहीधिलो-
 कियेनीघनिताकी गुहीजोनहोतीतोकुसुंभसरकंपाके ॥
 पूषीकहैजोपैढिगभीहनाधनुपहोते कीरकैसेछाड़तेअध-
 रयिंयक्तंपाके ॥ दाखकैसेभीराक्तलकजोतिजोचनकी चा
 टिजातेभीरजोनहोतीरंगचंपाके ॥ २५ ॥ एकैआनि
 नीरजकेदलअँखियेंनयाल देखतिनिहारपैपरैनपोंवैपल
 कै ॥ एकैआनिदाढ़िमदसनदुतिमानएकै श्रीफलउरो-
 जनिमिटावैकोककलकै ॥ मोतीलालमूदोंमैसकुचभुजमू-
 लतंज दायेऊअनोखीछिगुनीकोछयिछलकै ॥ कहँते
 हँआइइहिंओरभूतिमाइंमोहि देखिदेखिब्रजकीलुगाई
 लंगललकै ॥ २६ ॥ आजुहँगइंतीसंमुन्योतेनदगौयतहँ
 सँसतिघड़ीहैरूपघतीघनितानकी ॥ घेरिलियोतियंनत-
 मासोकरिमोहि सखैगाहिगाहिगुलुफलोनाइंतरयानकी ॥
 एकैकलयोलियोलिओरनदिखावैरीक्तिरीक्तिकुवराइंअ-

रुनाई मेरे पानकी ॥ घूंघुट उधारि एकै मुख देखि देखि रहै
 एकै लगीं नापन बड़ाई अखियानकी ॥ २७ ॥ मौनै मौन बेनी
 मुकतान सों सैवारी वेदी भालछ बिवारी के लखेतें मोदमदि
 गे ॥ मंजन कराय नैन अंजन लगाय जा सों खंजन के गाय
 गुमान गंज गढ़िगे ॥ रचिरचिहार खीर चुनि चुनि ओपदार
 संकर दुहूँ के पहिराये नेह बढिगे ॥ चरन सरोज दैम हावरे के
 हेत यह कहतै पिया के तो तिया के त्यो रच दिगे ॥ २८ ॥ मुख कों
 मयंक कहैं सो तो है कलंक सरो लंक कहैं के हरिज के नाप शुजान
 कै ॥ गात कों कहत जात रूप की समान उपमान पंक जात कर
 धरन प्रमान कै ॥ भनत कविंद इहै औ गुन है मोम कहौं सुनि
 रहौं कहौं कछु बचन न कान कै ॥ सुंदर सलोने मेरे अंगन कों
 नाह बेतोनाह कय खानत न जानत यखान कै ॥ २९ ॥

॥ पद्य मानवती चच्छन ॥

दो ० ॥ मानई पांजातरुनि पिय तें ठानै मान ॥
 मानवती ता सों कहत कोविद सुकयि सुजान ॥ यथा
 पानयिन अधर अंजन यिन नैन बड़े हार यिन उर कछु
 औरै भेष भेषि रह्यो ॥ सारी मलग जीना कन ययिन छूटे घा-
 र बढिरही तो हैं अरु मन महा ते खिर रह्यो ॥ आनन रूपाई
 छाई पिय राई रघुनाथ औरै तिय कोमिला पजिय अयरो खि
 रह्यो ॥ घरोचार परम सुजान पिय प्यारो रीति मानन म-
 नायो माननी को मान दे खिर रह्यो ॥ ३० ॥ कोन मानै अदृष्ट
 येषों कोन देखि हीसों कोन दिछ जोई कर करत यखान सो ॥
 कोन भिरनायै कोन ओरिन लगायै कहो कोकोना यद्यपि

रघिनयविधानसो ॥ कहैनीलकंठचितचोपचोपभटचप-
 चोपलूसीकोनकरैसाहवसुजानसो ॥ कोनतसलीमकरले
 तभरिजीमेसुनु प्यारीतेरोमानवादसाहीफरमानसो ॥३१॥
 दोऊकरचोपदारतोराइतमामको तमामआगेजोयनकी
 ओरकोरपैठीहै ॥ नैनमु तसट्टीसोतोआलमनिसंकजोर की
 रकीकचहरीइहिंविधिअमेठीहै ॥ स्यामजसलामचाहैंका
 मकीतलयमाझ मतलयकदतनाहिंभूकुटीतनेठीहै ॥ करध
 रसोनामगरूरीमसलंदपर आजप्यारीमानकेंदियानक-
 रिबैठीहै ॥३२॥ जोरतनदीदिरुसिबैठीहैंसिपीठिदैकै कौ-
 नयहदेवस्यामसामुहेंचहनदै ॥ जोयननवेलीअलवेलीतूं
 समुक्तिसोच सौतिनगुमानभरीबार्तेनकहनदै ॥ ठाडोपिय
 पासमनमिलिवेकीआसधरें ताहिसखरुखोनधियोगतेंदह-
 नदै ॥ होइकैनिसंकभरिअंकमनमोहनकें आजरातमान
 केंअमानतरहनदै ॥३३॥ करतकलोलकीरकोफिलाकपोत
 फेकी चंदकेघघाईयाजीजानैजिनछिनधुनि ॥ सुकवि
 सुमेरमोनमृगनमरालमन मुदितमयूरन्यातेमैनकासकल
 मुनि ॥ फेहरीकेंदूरीकोककदलीकदंयफूले चाइनसैंसी-
 तिनरचेहैंचीरचुनिचुनि ॥ कहापटतानिप्यारीपौदीहौधि
 लोकोआनि चारोंओरचौचैदमच्योहैतुमैरुसीसुनि ॥३४॥
 अंगअंगऔघटनघाटहैमनाइवेको मोहनकेंतृपाहैअध-
 रमधुपानकी ॥ भौहकोमरोरनिमैभौरसेपरतजात त्रिध
 लीतरंगवढीनिपठनिदानकी ॥ जंधनगहिरमानउतरन
 पावैधाहगरबगहीलीयाहठीलीशृपभानकी ॥ रिसकी

प्रवाहरसकूलनदवार्येजात नदीसीउमडिचलीमानिनीके
 मानकी ॥ ३५ ॥ जोपैमोसोंअपराधतुहीसाधवीकीसा-
 ध तोपैसिद्धसाधनसहजदंडदानमें ॥ मंदमुसुकानयुततू-
 नबोलीबदनते रिसकेसदनकहाबैठीमढीमानमें ॥ अ-
 ज्ञाहमैरावरीप्रतिज्ञासमपुहुमीमें जिज्ञासालगीहैतेरीत-
 जरविधानमें ॥ भेटकुचकलससमेठिलेहिसधसुख बांधि-
 लेइप्यारीमोहिभुजलतिकानमें ॥ ३६ ॥ तेरियेधड़ाईल-
 खीलाखनलोगाइनमें लालनलैतेरेपदपंकजमैनायेहैं ॥
 तूतैतजकान्हकोकह्योनकरैमेरीभटू केतीमानवतीहैंपै
 मानतीमनायेहैं ॥ नैनसेतिरीछेयैनबैनसेतिरीछेनैन दे-
 हंधरितेरेमोहिआजहीजनायेहैं ॥ हियसेकठोरकुचकुच-
 सेकठोरहियो हियकुचतेरेविधिएकसेबनायेहैं ॥ ३७ ॥
 कयकेविहारीचलुकरतहहारीइतैं करतकहारीरोममीसर-
 विचारिये ॥ जगकीजियारीदयादेवघटाभारीउठी आ-
 येघनवारीतूंकहैतोपगधारिये ॥ जिन्हैदेखिहारीवेविचा-
 रीमृगनारीसारी कामकीकटारीसीवेप्रेममतधारिये ॥
 करिकंजरीउजियारीअनियारी कपकारीरतनारीप्या-
 रीअंखेंइतैंडारिये ॥ ३८ ॥ गगनधरालीजलधाराधारे
 धाराधर पधिकनकीन्होपरदेसतेंपयानरी ॥ थिकरोकदं-
 यनमेगुंजतमलिन्दगुन्द चौपचारुचोपसोंबदायोपंचधा-
 नरी ॥ येनीकविप्रिधिधिसमीगयोगयनतैमें ऐसेमैहटीली
 हटकहैंकोसुयानरी ॥ दीजैइतकानरीनकीजैआनकान
 री तूमेरोकह्योमानरीरहैगोनाहिमानरी ॥ ३९ ॥ गहि-

रीगोराइसोंप्रथमचूरजामीकर चंपककेऊपरयहुरिपौव
 रोप्योहै ॥ तीसरेअखिलअरविंदआभावसकरि हैंसित-
 रिताकांहायतोयदमैतोप्योहै ॥ अनंतकविंदतेरेमानसमै
 सोतैंकहा सुरवनितानकोगुमानजातलोप्योहै ॥ आली
 आजमेरेजानऐंडभख्योतेरोमुख भीहैंतानिसौहैंरीकला-
 निधिपैकोप्योहै ॥ ४० ॥ ऊखरसकेंतिकमयूपरसनीरसोहै
 जानैकोपियूपरसफेरकौनेचाख्योहै ॥ कनकसोतनतामैं
 तनकीसोलोकसोहै सनकसेमुनितेरोरुभअभिलाख्योहै ॥
 कहैकधिगंगतैंतीनंदलालमोललयो एरीमहामोहनीमधुर
 मुखभाख्योहै ॥ मुखकीनिकाईदंखितामरसतरेपख्यो ता-
 रापतितरुनितरैयाकरिगाख्योहै ॥ ४१ ॥ चकईंघिछुरि
 मिलीतूँनमिलीमोहनसों सेपकईएतोमानकीनोक्योंअ-
 ठानरी ॥ अययेनछत्रससिअयईनरिसतेरी तूँनभईमुदि-
 तउदितभयोभानरी ॥ तैनखोख्योमुभखिलीपंकजकीक-
 लीभली तूँनचलीचलीनिसिभयोहैविद्वानरी ॥ कैसीबुद्धि
 आंगरीनजानैहानिलाभरी भोदीपकमलीननमलीनतेरो
 मानरी ॥ ४२ ॥ लोचनलहेकोफलसफलहमारोकह एरी
 प्रानपतिकोंसनेहरसलीनकर ॥ तैंईपाईपरमनिकाइकी
 अथधि वृषभानकीकिसोरीतूतोएतीअरधीनकर ॥ हा-
 हातूँउचारिमुखटारिपटधूँचटकों निजतनपानिपमैपीको
 मनमीनकर ॥ कंजछविछीनकरुससिहीमलीनकर सौ-
 तिनकोंदीनकरुप्यारेकोंअधीनकर ॥ ४३ ॥ चौदनीके
 आंगनविछीनाविछेचौदनीके फैलरहीचौदनीसुहाईदेव

भूमिभूमि ॥ तोहिविनुफीकोईलगतचलुचंदमुखी तेरेई
 चरनचरचतमुखचूमिचूमि ॥ देखुचलिआलीकैसोराख्यो
 हैचंदोंवातानि तामैसुखदानतोविरहगिरैघूमिघूमि ॥
 क्षीनीक्षीनीक्षीईंएजुन्हाईकीझलकतैसी झिलिमिली
 झालरैरहीहैंझुकिझूमिझूमि ॥ ४४ ॥ सोनजूहीसेवती
 निवारीसोंविराजीभये राजीभयेनिरखिमुलामीमुखतेरी
 है ॥ फूलीफुलवारीबीचराजैचारुचन्द्रिकासी सघननि-
 कुंजकीअँधेरीमैंउजेरीहै ॥ सहजसुवासछविपानिपकेपुं-
 जभरे रावराणासुकधिहजारनमैहेरीहै ॥ मानसिखमेरी
 एरीमालतीनमानकरु तेरेमकरंदपैमलिन्ददेतफेरीहै ॥
 ४५ ॥ ओसरहीपरिवेसोंअँसूरहेढरिवेसों निसागईंश्रीति
 अजहूँनरिसतूडरी ॥ पंथीचलेपथकोंपैतूनउठिचलीअली
 पच्छीलगेघोलनपैतूनयोलीसुंदरी ॥ आलमकहैदोज-
 कइंचकवाजमिले तूनमिलीमोहनकोंजीहोंपौयलेपरी ॥
 चंदछोड़ीआभापैनतैनेछोड्योजीकोहठ कौलधिकसेपैते-
 रोकौलधिकस्योनरी ॥ ४६ ॥ मलगजेवागेपेन्हैबदनमली
 नकीन्है पानयिनपीकेओठछेढेसयजपनो ॥ रघुनाथभूमि
 रेखाकरतिनयायेंश्रीध मनमैथिमुर्तिथिचारसुखसपनो ॥
 घरीचारमानवसदेखिरहीसुखद नि फेरिपैसहयोगयो
 पीयकोकल्पनो ॥ मुसकानिसहितपसारिपानिएरीमद
 आगेघरदीन्हैआपपानदानअपनो ॥ ४७ ॥
 इतिश्री सृष्टारमुधाकरे द्विजकथिकृते अन्यसंभोगदुःखि-
 ता गयिंतादि मानिनीशर्णनोनाम पष्ठम मयूषः ॥ ६ ॥

दो ० । प्रोपितपतिकाखंडिता कलहंतरिताग्राम ॥
 विप्रलब्धउत्कंठिता वासकसज्जानाम ॥
 स्वाधिनपतिफाकहतहौं अभिसारिकाप्रतच्छ ॥
 बहुरिप्रव्रत्स्यतप्रेयसी आगतपतिकालच्छ ॥
 येसबदमत्रिधिनायिका कहोकविनसुखधाम ॥
 आगमिष्यपतिकाहुमै कहतग्यारहीग्राम ॥

॥ तत्र प्रोपितपतिका सव्यजन ॥

दो ० । पियविदंसजाकोगयो प्रोपितपतिकासीय ॥
 लखिउट्टीपनयस्तुकों विकलतासुतनहीय ॥

॥ सुभा प्रोपितपतिका यथा ॥

घैठीमौनकोनमैमसूसतिगहेरीमौन याकोंकहाकोजैअ
 लिउचितउपाधरी ॥ खानपानभूलीसखियानहूं लौंआ-
 धेनाहिं ऐसीकछुरतिपतिडारीकरियाधरी ॥ औधिछौंथीं
 कैसेप्रानराखिहैनयेलीमोहि वृष्तिनपरतिद्विजतूंहीनाय
 ताधरी ॥ दरदकहैनयालयिरहकरदधारी डारतिजरदकि-
 येसरदधिनाधरी ॥ १ ॥ घोउतिनकाहूसोंघिलोकतिन-
 काहूओर घैठीदिनरैनगुनगनतपियाकेरी ॥ आवनकी-
 कोकहैनपातोहूपठाईअलि ऐसेकछूकान्हभयंकठिनहि-
 याकेरी ॥ देखीद्विजमैहूं तोयियोगिनधिकलफेती पैन-
 ऐसेहालहेरकाहूस्वकियाकेरी ॥ सोचनसकोचनकेमोच-
 नकरैनऔंसू रोचनसेहूँ रहेघिलोचनतियाकेरी ॥ २ ॥ मा-
 गिसीखनोदिनकीन्यातेगेगुधिंद तियसीदिनसमानछि-

भूमिभूमि ॥ तोहिविनुफीकोईलगतचलुचंदमुखी तेरेई
 चरनचरचतमुखचूमिचूमि ॥ देखुचलिआलीकैसोराख्यो
 हैचंदोंवातानि तामैसुखदानतोविरहगिरैघूमिघूमि ॥
 भोनीभोनीभोईंएजुन्हाईकीभलकतैसी ॥ भिलिमिली
 भालरैरहीहैभुकिभूमिभूमि ॥ ४४ ॥ सोनजूहीसेवती
 निवारीसोंविराजीभये राजीभयेनिरखिमुलामीमुखतै
 है ॥ फूलीफुलवारीबीचराजैचारुचन्द्रिकासी सघननि
 कुंजकीअँधेरीमैंउजेरीहै ॥ सहजसुवासछविपानिपकेपुं
 जभरे रावरानासुकविहजारनमैहेरीहै ॥ मानसिखमेरी
 एरीमालतीनमानकरु तेरेमकरंदपैमलिन्ददेतफेरीहै ॥
 ४५ ॥ ओसरहीपरिवेसोंअँसूरहेठरिवेसों निसागईंभीति
 अजहूँनरिसतूडरी ॥ पंथीचलेपथकोंपैतूनउठिचलीअली
 पच्छीलगेघोलनपैतूनबोलीसुंदरी ॥ आलमकहैदोऊच-
 कइंचकवाजमिले तूनमिलीमोहनकोंजीहींपौपलैपरी ॥
 चंदछोड़ीआभापैनतैनेछोड़ीजीकोहठ कौलविकसेपैत-
 रोकौलविकस्योनरी ॥ ४६ ॥ मलगजेवागेपेन्हेंबदनमली
 नकीन्हें पानयिनपीकेओठछोड़ेसबजपनो ॥ रघुनाथभूमि
 रेखाकरतिनयायेंग्रीव मनमैंधिमु रतिविचारसुखसपनो ॥
 घरीचारमानयसदेखिरहीदुखद नि फेरिपैसहयोगयो
 पीयकोकल्पनो ॥ मुसकानिसहितपसारिपानिएरीभट्ट
 आगेघरदीन्हेंआपपानदानअपनो ॥ ४७ ॥
 इतिश्री मृद्गारमुधाकरे द्विजकविकृते अन्यसंभोगदुःसि-
 ता गयितादि मानिनीयर्णनोनाम षष्ठम मयूषः ॥ ६ ॥

दो ० । प्रोपितपतिकाखंडिता फलहंतरिताग्राम ॥
 विप्रलब्धउत्कंठिता वासकसज्जानाम ॥
 स्वाधिनपतिकाकहतहौं अभिसारिकाप्रतच्छ ॥
 घटुरिप्रवत्स्यतप्रेयसी आगतपतिकालच्छ ॥
 येसबदसत्रिधिनायिका कहीकविनसुखधाम ॥
 आगमिष्यपतिकाहुमै कहतग्यारहीधाम ॥

॥ तव प्रोपितपतिका लच्छन ॥

दो १ । पियविंदसजाकोगयो प्रोपितपतिकासीय ॥
 लखिउद्दीपनप्रस्तुकों धिकलतासुतनहोय ॥

॥ सुधा प्रोपितपतिका यथा ॥

घैठीमीनकोनमैमसूसतिगहेंरीमीन याकोकहाकीजैअ
 लिउचितउपावरी ॥ खानपानभूलीसखियानहूंलौंआ-
 घेनाहिं ऐसीकदुरतिपतिडारोकरियावरी ॥ औघिलौंधीं
 कैसेप्रानराखिहैनबेलीमोहि बूझिनपरतिद्विजतूंहीनाय
 तावरी ॥ दरदकहैनयालयिरहकरदवारी डारतिजरदकि-
 येसरदधितावरी ॥ १ ॥ धोलतिनकाहूसोंघिलोकतिन-
 काहूओर घैठीदिनरैनगुनगनतपियाकेरी ॥ आवनकी-
 कोकहैनपातीहूपठाईअलि ऐसेकदूकान्हनयेकठिनहि-
 याकेरी ॥ देखीद्विजमैहूंतोघियोगिनविकलफेती पैन-
 ऐसेहालहेरेफाहूस्वकियाकेरी ॥ सोचनसकोचनकेमोच-
 नकरैनऔंसू रोचनसेहूँरहेविलोचनतियाकेरी ॥ २ ॥ मा
 गिसीखनीदिनकीन्यातेगेगुचिंद तियसीदिनसमानछि-

नमानिअकुलावैहै ॥ कहैपदमाकरछपाकरछपाकरतें
 यदनछपाकरमलीनमुरक्तावैहै ॥ यूक्तनजुकीऊकैकहारी
 भयोतोहि तवऔरहीकीऔरकछूवेदनवतावैहै ॥ औसू
 सकैमोचनसकोचवसआलिनमें उलहीधिरहवेलिदुलही
 दुरावैहै ॥ ३ ॥ जादिनतेंपीतमविदेसकोंगमनकीनोता
 दिनसोंललनाअनंदसोंछरीरहै ॥ अहमदकेहूमिसिहरैह
 रेचहूंदिसि औगुरीनछालेपरगनतवरीरहै ॥ सोचनस
 कोचनतेंवतियांदुरावतिहै मोचनचहतप्रानऔधपकरी
 रहै ॥ इन्दुमुखीजंभालागीसुरतिअचंभालागी कंचनके
 खंभालागीरंभासीखरीरहै ॥ ४ ॥ जादिनसोंचलहैविदे
 सभईतादिनसों रघुनाथऐसीदसालाजभरीतियकी ॥ भ
 ल्योखानपानभूल्योपटपरधारनभूल्यो सुनिघोसहैलि
 निसोंतानप्यारीजियकी ॥ दैकरिकिवारीचित्रसारीमै
 धिलोकैगैल ठाढ़ीखिरकीसोंओटकरिकैसखियकी ॥ ५
 जाकरिवेकोंदेयादेवकीमनौतीकरै नितसगुनौतीधरैआ
 इवेकोंपियकी ॥ ५ ॥ लखिलखिललनाकोमखआल
 आसपास ढारतोंगुलावपासचंदनउसीरलै ॥ बेनीकवि
 हीतलसँवारिहारमालतीके नौकेढिगढारतीहैसीतलपटो
 रलै ॥ विजनसमीरनौरअतरनतरफूल पोखुरीनक्कारि
 रचैसेजवरचीरलै ॥ तऊअंगअंगनलढायतीकेपीरलै तु
 नौरलैअनंगहनिखालीकरेतीरलै ॥ ६ ॥ तनतोयनिधि
 वडवागिसीधिरहवाल दहिवोकरैपैनकलुककहिवोकरै ॥
 सीतलसरी ननकीसजतिसेज लज्जितवहैगातमनि

गाढ़ गाह्योकरै ॥ उमागउमागगरीसारभारआवपन न-
 नकरिलावैदिनदाहदहियोकरी ॥ तापकीतरंगनिमैप्यारे
 केप्रसंगनिमै जानतअनंगप्यारीजैसेरहियोकरी ॥ ७ ॥ घो-
 रेंघनसारऔरैऔरैबारबार सीरेसीरेकरनीरलैपटीरवपु-
 घसेहैं ॥ लाजतेंकरैनअवलाजुवहैलेपसाज सिगरेइला-
 जलाइलाजहूँकैलसेहैं ॥ भनतकविंदयाकेतनकीअतन-
 ध्यया जानिवेकींजतनसखीहूँकेनकसेहैं ॥ जानैवहैया-
 मकैतोजानतहैकामकैतो जानैघनस्यामजेचिदेसजायच-
 सेहैं ॥ ८ ॥ चिरहसतापनतेंतपनहिरानोचेत जबिज-
 धीसौसैंलेतिनैननीरभरिभरि ॥ करपूरधूरनतेंचंदनकेचूर
 नतें तामरसमूरनउपायथाकीकरिकरि ॥ घेरिरहींघरकी
 नगरकीढगरआय देखिदेखिभापैसवंधाहित्राहिहरिहरि
 अंगअंगसूकेघैनमूकेसेवधूकेउर भभकिभभूकेमैनजूके
 उठैघरिघरि ॥ ९ ॥ ऐसीबालछाड़िकरभयेक्योंचिदेसी
 लाल बाकीहालभारीजालबारीकखियाननै ॥ सीरेउपचा-
 रकरिकरिधरिघरिनीरे लेपनलगावैबालजानीसखिया-
 नतैं ॥ भनंतकविंदपटतानिपीदिरहैप्यारी चिरहचिंधा-
 रीप्रगटैनलखियानतैं ॥ उलहैउसासभौतिभीजैअंसुवा-
 नछाती बातीधारलीजैवाकीतातीअंसियानतैं ॥ १० ॥

॥ अथ मध्याह्नोपनिषत्पतिका यथा ॥

आहिकैकराहिकोंपिकृसतनवैठीआइ चाहतिसखी
 सोंकहिवेकोंपैनकहिजाय ॥ फेरमसिभाजनमगायोलि-
 खिवेकोंकछू चाहतकलमगहिवेकोंपैनगंहिजाय ॥ एने

मैउमगिअँसुवानकोप्रवाहआयो चाहतिहेधाहलहिवेकों
 पैनलहिजाय ॥ दहिजायगातथातयूभक्तेंनकहिजाय.य-
 हिजापकागजकलमहाथरहिजाय ॥ ११ ॥ जादिनतेंपि-
 यपरदेसगयोतादिनतें ऐसीदसाप्यारीनितआगमनचे-
 तिहे ॥ चंदनसोंचौसरसोंचंदचादनीसों रघुनाथकीदो-
 हाईआपुसदोंभसमेतिहे ॥ फूलीअमराइनमेचाइनसमे-
 तभटू जयजयकोइलकुहूकैकूकदेतिहे ॥ कहाकहींतयत-
 यसखिनकीओरहेरि फेरकैलजीहों आँखेंआँसूभरिलेति
 है ॥ १२ ॥ चंदकोउदोतहोतनैनचंदकांतिकंत छायोपरदेस
 देहदाहनिदहतुहे ॥ उसिरगुलावनीरकरपूरपरसत थिरह-
 अनलउवालजालनिजगतुहे ॥ लाजनितैकछूनाजनावैका
 हूसखिनसों उरकीउदारअनुरागउमगतुहे ॥ कहाकहीं
 मेरीबीरउठीहैअधिकपीर सुरभीसमीरसीरोतीरसोलग-
 तुहे ॥ १३ ॥ वेईवनवागवेईवगरसभागवेई सरिततड़ा-
 गनवनीरअवगाहेतें ॥ वेईसयवसनअनूपनअसनसोभं
 रसमैरसनधुनिधीरचितचाहेतें ॥ वेईवीनवारीवेसुगंधन
 नवीनवारी सजनीनवीनवारीलीनीलोकलाहेतें ॥ अंग
 अंगदूखीजातरैनदिनरूखीजात जानियेनससिमुखीसूखी
 जातिकाहेतें ॥ १४ ॥ सीतलकरैनउपचारप्यारीलाजन
 तें औघिघीतेहीतलमैधुंधरसीधसीहे ॥ आनसोंकहाहै
 सखियाँनसोंनमानैभेद कैसोमनकैसीग्रिथाकासोंदेहयसी
 है ॥ जनतकविंदपंचयानआँचतप्योतन कंचनकीपूतरी
 निरुतरीज्योलसीहे ॥ नाहविनअथलाविरहयसीऐसेत्र-

सी पूरनससीकीकलामानोराहुग्रसीहै ॥ १५ ॥ बैरिनि
 निगोडीलाजप्यारेकेचलतआजु कीन्होहैअकाजज्योसि-
 खाइंगुरुजनकी ॥ अंकजरिभेठननपायोजोमुलाकैस्या-
 म रहिजातीचाहतैंउँचाईउरजनकी ॥ भनतकचिंदविर-
 हानलसरोसीभई जरैजनिकोसीसीपरोसीपुरजनकी ॥
 आरतीसम्हारिकैनिवारिलेतीनाहैजानि आइजोनहो-
 तीआनकानिगुरजनकी ॥ १६ ॥ ऊबतहौँडूचतहौँडगत
 हौँडोलतहौँ घोउतनकाहेप्रोतिरोतिनरितैचले ॥ कहैप-
 दमाकरत्योउससिउसासनसौँ ओँसूझैअपारआयओँ-
 खिनइतैचले ॥ ओधिहोकंआगमलोरहतयनतोरही घो-
 चहोकोयोँगैरीग्रदबंदनवितैचले ॥ एरंमरेप्रानप्रानप्यारे
 कीचलाचलमै तयनौचलनअग्रचाहनकितैचले ॥ १७ ॥

॥ यथ प्रोढ़ा प्रोषितपतिका यथा ॥

लागतग्रसंतकेसुपातीलिखीपीतमकों प्यारीपरयीनकै
 हमारीसुधिआनिवी ॥ कहैपदमाकरइहोकोयोँहयालयि
 रहानलकीडयालसोदवानलतेंमानिवी ॥ उग्रकीउसासं-
 नकोपूरोपरगाससोती निपटउदासपौनहीतेंपहिचानथी॥
 नैननिकोठंगसोअभंगपिचकारिनतें गातनकोरंगपीरेपा-
 तनतेंजानिवी ॥ १८ ॥ जान्योजामजामिनिकेजुगसेज-
 गायेजागि आगिसीजगावतटसासनकीहूकहूँ ॥ गग-
 नकेउड़गनगनतहीगयेलखि लगनसोलाग्योउड़गनप-
 तितूकहूँ ॥ देवसुखदानेबिनकोदुखघटावैआनि केतेदु-
 खदानिपरेसोवैमुखमूकहूँ ॥ सुखियाँदुमेरोमोहिअँखि-

यौनसींचतीतौ याहीरतियौमैजातीछतियौछटूकहै १
 विपसोवगरलागैबोलतवरहिउर यादुनधिरहसोभजव
 सुधिजीहाकी ॥ धरकतछातीज्योमुसलघोरवरखत प-
 पलावियोगिनकेवध्रकेसमीहाकी ॥ तीरसोसमीरनटता-
 लसोलगतनीर - फिल्लीभूरिभीरफनकारअहर्दहाकी ॥
 जीउडाड़िगयोचाहैपीउपरदेससुनि पीउपीउआलीअध-
 रातकपपीहाकी ॥ २० ॥ धिरहतिहारेलालथिकलभइहै
 बाल नौदभूखप्यासनिगरीविसारियतुहै ॥ चोरीकीसी
 यातचंद्रमाहूँ सोंछिपाइयतु बसननतानिकैधमारियारि-
 यतुहै ॥ कहैमतिरामकलाधरकीसीकलाछीन जीवनधि-
 हीनमीनसोनिहारियतुहै ॥ धारधारसुकुमारफूलनकी
 मालऐसी मारकीमरोरनिमरोरिमारियतुहै ॥ २१ ॥ या-
 लमधिरहजिहिं जान्योनाजनमभरि धरियरिउठैज्यो
 वरसैवरफराति ॥ यिजनहुलायतिहैंसखीजनसीतहूमैं ॥
 गफेसरापतननापनितरफराति ॥ देखकहैसैंमनहींअ-
 यांसुखनमुख निकमैनयातऐरोंमिमकीमरफराति ॥ लं-
 टिलोंटिपरनिकरीटपटपाटीलेले सूर्येजलसफगेज्योसैं
 पैफाफराति ॥ २२ ॥ परदेउमीरंकपटोरनीरनीरकरि
 मिमगीमीरसोंकरैउपचारहै ॥ पंकजफेयातनतेंढोर
 पवनगुनी ह्योन्योयिथाधिरहकीयादुतिअपारहै ॥ जन
 सकाथंदयाअनेमेकोभंदीकोऊ कहाजायआलीजहां
 दकीकुमारहै ॥ अंगनकीकांरलामेंमहगूरीअंगनकां दे-
 हागेरेदभयोनामयनमारहै ॥ २३ ॥ कंचनमैशोभा

इचूनीचिनगारीभई भूपनसयेहैसबदूपनउतारिले॥ वा-
 लमधिदेसऐसीवैसमैनलागीआगु यरिवरिहिघोउठैविर-
 हैयारिलै ॥ एरीपरघरकितमागनकौजैहैआली आग-
 नमैचंदातैअंगारीचारफारलै ॥ सौभक्तयेभौनसंभक्ताती
 क्योंदेतआली छातीतेछुवायदियावातीक्योंनधारिलै२४
 घहरिघहरिघनसघनचहूँघाघेरि छहरिछहरिधिपयुंदयर
 सावैना॥द्विजदेवकीसोंअवचूकमतदावअरे पात होपपी
 हातूँपियाकीधुनिगावैना ॥ फेरऐसोऔसरनअहैतेरेहा-
 थएरे मटाकिसटाकिमोरसोरतूमचावैना ॥ हौंतोयिनप्रा-
 णप्राणचाहततउयोईअथ कतनभचंदनूँअकासचढ़िधा-
 वैना ॥ २५ ॥ मूलमलयजकेसमूलजरिजैयोअरु गुनग-
 रिजैयोयासुगंधसरसाइंको॥कटिजैयोभूतलतैकेतकीकम-
 लकूल हूजियोकतलअलिकुलदुखदाइंको ॥ मोतीराम-
 सुकधिमनोजमालतीकेहूजो पूजाजनिआसधिरहीजन
 हैसाइंको ॥ राजहंसधंसनकेवंसनिरधंसहूजो असमिति
 जैयोपाफलानिधिकसाइंको ॥ २६ ॥ चिन्हकीजारीमन-
 मंथकीमरीरमारी अथलाधिचारीजानैमारगभलाइंको॥
 अतिसुकुमारऐसीकीलनैनोकुलधधू गाँवैगुनदेवधधूजा-
 कीसुभसाइंको ॥ ऐसनिरदइंदइंदाहैनिनहूकोंसीखो सि-
 गरेउपांयधौंकहैंतेपतिसाइंको ॥ झाइंवंदराजकोअमृत-
 साइंनामपाइ वाम्हनकहायकामकरतकसाइंको ॥ २७ ॥
 सिंधुकोसपूतसुतसिंधुतनयाकीधंधु मंदिरजमंदसुतसुन्द-
 रसुधाइंके ॥ कहैपदमाकरगिरीसकेवसेहीभीस तारनके

डंसकुलकारनकन्ह।ईके॥ हालहीतूधिरहयिचारीत्रजयाल
 हीपै जालसेजगायतजुयालसीजुन्हाईके ॥ एरेमतिमंद
 चंदआयतनलाजतोहि हूँकैद्विजराजकाजकरतकसाई
 के ॥ २८ ॥ सैंभहीतेआयतहिलायतकटारीकर पाइके
 कुसंगतिकुसानदुखदाईको ॥ निपटनिसंकूँतजीतैकु-
 लकानि खानिएगुनकीनेकहूतुलैनयापभाईको ॥ एरेम-
 तिमंदचंदआयतनलाजताहि देतदुखयापुरेययोगीसमु-
 दाईको ॥ हूँकैसुधाधामकामयिपकोयगारैमूढ हूँकैद्वि-
 जराजकाजकरतकसाईको ॥ २९ ॥ मेरीमुहँछयिकोबरनि
 करियाहि अपसरनहस्योहैवार्तेयाकीमतिगइहै ॥ दूसरे
 हमारेअँखियौनकेहरायल कुरङ्गहूप्रचारिकैकुमतिपुनिद-
 ईहै ॥ वाहीबैरआयोहैकलंकविपयै।धिकैधुरंधरधिरंवि
 हूकहाधौनिरमइहै ॥ आपुनमरतमोहिमारिवेकोंअरत
 सुधाकरकरतयहनईयम्हनईहै ॥ ३० ॥ भवनभयानकसे
 भानुकेसमानदीप सेपसुनिनिसदिनमीडमारियतुहै ॥
 यिगहयिहारीयिनयैरीचांदयैरपखो यरतअकासआगसो
 निहारियतुहै ॥ कृतअघकुटिलकलंकीकलाहीनऐसो पी-
 रनपराईजानैजारेजारियतुहै ॥ कहाकहींथातराहुकायर
 कीवारधार ऐसेकूरगिलिकैउगिलिडारियतुहै ॥ ३१ ॥
 ग्रीपमकेआवनकीओधिमनभावनकी तौलोंयहउन्हंके
 होकैसेकैमिलतिहै ॥ फूलवनयागनमेभूलीसनीसीरभसों
 वैहरयहैगीतीनकौनपैझिलतिहै ॥ गोकुलवसंतरतिकंत
 ॥ ३२ ॥ मारिवेकीमेरेजानपाहिरोखिलतिहै ॥ कू-

कसुनेकोकिलकीहूकऐसीपरीदेखि मरीसीडरीहैनैकहल-
कहिलतिहै ॥ ३२ ॥

॥ अथ परकीया प्रोवितपतिका यथा ॥

जादिनतैंजदुनाथमधुरासिधारेआली तादिनतैंहगन
दवागिनिसीदैगये ॥ कहनमुकुंदलालसब्रजयासिनेके
सफलअनंदसुखमायलाइलैगये ॥ सुभगसुहावनेजेभारी
मनभावनेते यिथिथिछावनेदेरावनेसेकैगये ॥ फूलेफू-
लेफूलनमेजमुनाकेकूलनमे देहकेदुकूलनयिसासोधिसवै
गये ॥ ३३ ॥ फूलेसुभसुमनयिछायोपरजंकचारु नीचे
चारुचीनरायिछीनायिछेसुखदानि ॥ किलिमिलैकाल-
रैचहूंघमजुमोतिनकी राख्योरचितापरत्योमंजुलधिता
नतानि ॥ कहैपरनापदेखिआवतमयंकमुखी अंकसरी
पीतमनिसंकप्रानप्यारीजानि ॥ समुक्तिसयानीमनसुंद-
रसलोनीग्राम सेजतैंउनरिदूजोसेजपरघैठीआनि ॥ ३४ ॥
ऐरेनीचजइयिसवासीतेरेऐसेकाम ऐसेहोजियोतोतेरो
जीयोकोनलेखेतैं ॥ तयहठिहटकैतैंप्रोततोफरीती अथ-
सहलनीजानिरहेआनकेपरेखेतैं ॥ हेमहंसनयलसनेही
जिन्हैयिछुरेतैं संगीसंगछाडिआयेकोनकेसरेखेतैं ॥ फटि
हियअंतसतैंनिकसैनकाहेजीव हायकेलिमंदिरमैसूनीसे-
जदेखेतैं ॥ ३५ ॥ ऐरेधीरपीनतेतेचहूंओरगीन तेरेस-
मकोनमेरेयनसुनिकानदै ॥ जगतकेप्रानथदेछोटेकोस-
मात घनआनदनिधानसुखदानदुखियानदै ॥ रूपउजि-
यारेगुनवारेयेसुजानप्यारे अथहूंअमोहीघंटेपीठकैज-

यानदे ॥ बिरहव्यापाकीमूरिऔंखिनमेराखोंपूरि हाहा
 तिनपायनकीधूरिनेकआनिदे ॥ ३६ ॥ रायरेगुननिघौ-
 धिलियोजानप्यारेयाहि यहैपैअचंभोछोरदीनीजांसुरति
 है ॥ उघरिनचायआपुचायमेरचायहाय क्योंकरबचाय
 दीठियौकरदुरतिहै ॥ तुमहूँतेन्यारीहैतुमारीप्रीतिरीति
 जानी ढीलेहूपरेतेगरेगोठिसीधुरतिहै ॥ कैसेघनआन-
 दअदोसिनलगैयेदोस लेखनिछिलारकीपरखनिमुरति-
 है ॥ ३७ ॥ साहससयानग्यानताकततुमैसुजान तबहीस-
 बनंतजीअबहींकहातजौं ॥ रायरेहीराखेंप्रानरहेपैदहेनि-
 दान योंहींकैनिकाजकाजबिनहीखरीलजौं ॥ एसीकै-
 बिसारीगोंतिहारीनानिहारीपरै आनदकेघनहीअमोही
 जीअजौंधजौं ॥ कौनविधिकीजैकैसेंजीजैसोबतायंदीजै
 हाहाहोबिसासीदूरभाजततजभजौं ॥ ३८ ॥ जेदुगसिं-
 रायेघनआनददरसरस तेअबअमोहीदुखज्वालजारिय
 तुहै ॥ तोपेहितपोपेनितजेईप्रानराखेसाध तेईकैअकै
 योंअनाथमारियतुहै ॥ कौनकौनबातकोपरैखोउरआ-
 नियेहो जानप्यारेकैसेंविधिऔंकटारियतुहै ॥ पाती-
 लैतिहारीप्रीतिछातीपैबिराजिरही हेरिहेरिऔंसुनस-
 मूहंठारियतुहै ॥ ३९ ॥ रातिदोससङ्कटसजेहोरहैंसहँदुख
 कहाकहोंगतियाधियोगअजमारेकी ॥ लियोघेरिऔबक-
 अकेलोकैविचारोजीव कछुनयसांतयोंउपायबलहारेकी
 जानप्यारेलागोनागुहारतीजुहारकरि जूझिहैंनिकसिटे-
 कगहेंपनधारेकी ॥ हेतखेतधूरिचूरचूरहूँमिलैगोजय

लैगी कहानी घन आनदतिहारेकी ॥ ४० ॥

॥ यद्य गनिका प्रोषितपतिका यथा ॥

धिरहनभूरिहोउम्रेमचकचूरहोउ अंगअंगभूरिहोउद-
रदबढाऊंगी ॥ बसनबिसारोंआछेअसननधारोंसोभ भू-
पननिवारोंगीतभीतमकेगाऊंगी ॥ सौरभबहायद्वारदेहरी
पैजाय हगमिरिचिलगायअँखिऔंसुनिबहाऊंगी ॥ दु-
खीजानिनिजजनमोहिमाँहजैहैमन ऐसेजोगजतनयहुत
मालपाऊंगी ॥ ४१ ॥ आपतिहींदेखेयारबधूकीधिरहद-
सा आपनीमलीनसबभेपराख्योकरिकै ॥ खातिहैखवा-
येंपानीपीवतिपिवायेंसत्रै सुधिबिसरायेंराखीबेसुधिता
करिकै ॥ जयकथहूँकसुधिमनीहोततयसुनो एहोरघुनाथ
गावतकियापैपरिकै ॥ भौबतेकीभूरतिकोध्यानऔँखैंला
वतिहै औँखैंमूँदिगावतिहैऔँखैंऔंसूभरिकै ॥ ४२ ॥

॥ यद्य खण्डिता लच्छन ॥

दी० ॥ भोरऔरनियसुरतिके चिन्हसहितहीधाम ॥

आवैजाकोप्रानपति बहैखंण्डितायाम ॥

॥ यद्य सुभा खण्डिता यथा ॥

देखुआयसखीप्रानप्यारीजूकीदसाआजु लख्योप्रान-
प्यारोभरोअपराधगुरमे ॥ रघुनाथताकीओरपिठीदियेथै
ठो कियेलीचनसजललाएँआपनेमुकुरमे ॥ पलकमेपीक
छोकअधरमेअँजनकी ॥ ४३ ॥ बँढीपर ॥

अंजनकंदारी ॥ पेचअलबेलहारउथटेनबेले छाकिछां-
 किरसेरलेकरिकेलिअनुरागेरी ॥ घूमिघूमिपरैसाजभूमैप-
 गधरैभूमि भूमिवतरातपरप्यारीप्रेमपागेरी ॥ नाखिन
 सकतिउरराखिनसकति बड़ीआखिनतैंअंसुवाफ़ल
 नलागेरी ॥ ४८ ॥ जावकलिलारओठअजनकीलीकसौ-
 हैं खैयैनअलीकलीकलाजनविसारिये ॥ कायमतिराम
 छातीनखछुतजगमगै डगमगेपगसूधेमगमेनधारिये ॥
 कसुकैउचारतहौपलकपलकयातें पलिकामेपीद्विश्रमरा-
 तिकांनिधारिये ॥ लटपटेपेंचसिरबातनकहतबने लटप-
 टेपेंचसिरपागकैसुधारिये ॥ ४९ ॥

॥ यय प्रीदा छंछिता यया ॥

मलगजेयामेअंगरामजहॉतहॉलागे जागेनींदपागेनै-
 नगहेंअलसानकों ॥ रघुनाथएसेभेपधारैमानप्यारेआ-
 या प्रातंकहूँ बतिरातदीन्हैरतिदानकें ॥ देखिरिसिभोई
 दोहंदुखसैंसमेई गुनउनकेदिखाइवेंकेंउनकेलजानके ॥
 मुखसैंकहूँनकछूपरमसुजानप्यारो आगे रंजआनिदर-
 पनपानीपानकों ॥ ५० ॥ प्रातरगमगेयनेयामेसगयगे
 कुचचिन्हजगमेगेउरउपजअपारसी ॥ दिनगूंधहारन
 बिहारवकसीसलाये करमनुहारआयेवदनबहारसी ॥
 बोलैंतुतुरातछलहूँउतरात रतिरातदरसावैंकरीमंगलसु-
 द रसी ॥ जावककीधारसीअपारसीसंछविलमै लालैल-
 खिआरसीदिखाइप्यारीआरसी ॥ ५१ ॥ केसरिकेरंगमे
 अनेककरिलायेरंग सैननिमैमैनकीतरंगनिकोसोतहै ॥

कहै भालानाथ अंग अंगन अनेक भौति देखे। प्रतिविम्ब को-
 ज आपकी न पात है ॥ रीझ भोजे मली की नीहारी खेलि आयें
 उहां प्रान प्यारे कीने। इहो प्रात ही उदात है ॥ लाल कीने
 जलज प्रयाल पै मधुप कीने। मेरी इन औखिन गुलाल नीके
 हात है ॥ ५२ ॥ खायें पान चोरी सी बिलोकनि थिरा जै आ-
 ज अंजन अंजारे अघ अधरा अमी के हैं ॥ कहै पटु माकर गु-
 ना कर गोविन्द देखो आरसी लै अमल कपोल किन पी के हैं ॥
 ऐसो अवलोकि वेड़ लाय क मुखार बिंद ज। हिल खिचंद अर-
 थिंद होत फी के हैं ॥ प्रेम रस पाग जागि आये अनुरागिया तें
 अग्रहम जानी जू हमारे भागनी के हैं ॥ ५३ ॥ कानन तें भार
 भये आये ही सु जान कान्ह आनन की आभा आन भानि पे-
 खियत है ॥ धिन गुन माल उर उधरी गोपाल लाल लाल लाल
 ल औखैं कौन लेखे देखियत है ॥ सुंदर अधर पर पीक की लस-
 तलीक बीच कारे काजर की रेख रेखियत है ॥ एते परक-
 हत की देखो तब कहो ये जू आगिलागी की उका दिया लं देखि-
 यत है ॥ ५४ ॥

॥ यय परकीया खण्डिता यथा ॥

पीक ही कीलीक उरलीक सी लगी है उर लीक मेटि मेरी तु-
 म और लीक पागे ही ॥ आरसी लै देखो नेक आरसी भये ही
 कत आरसी लगत मुकरत मेरे आगे ही ॥ कपटी महा उर
 महा वरतें जानियत पाय पर सोन जाय जाके पाय लागे ही ॥
 भोर ही तें भोर घन भोर घनि आये मोहि कौन पतनी के पति-
 नी के निसि जागे ही ॥ ५५ ॥ एक न सोइं ठी एक मिलत यसी

ठीमोठी एकनसोंचीठीएकजुरीकानायातीहैं ॥ गयेजहैं
 वसनपलटिआयेवसन सुवसनवसातीतेऊवसनवसाती
 हैं ॥ भोरवनउनकेतीताकैभोरवनहमै आयेभौरवनहम
 यातेंअनखातीहैं ॥ सोयेनाहिंसोयेमानोमोयेहैंमहाउर-
 में लाललालकोयेलालकोयेकरिजातीहैं ॥ ५६ ॥ नीची
 दीठिनीकीकछुमोसोरैंगभीनी प्रानप्यारेसोरिसहैऐसीको
 हैजगधावरो ॥ मेरोमनसूधोकछुजानैनछपौंचसौंच नै-
 नहींआपुचायकीनोचितचावरो ॥ रावरीरुखाहंदेखिरु-
 खीभईइनतेहीं गोकुलकेचंदजूअनोखोउरफावरो ॥ दे-
 खननदेहींइन्हेंयोहोतरसैहींअबहियेहीकीऔंखिनदिखै-
 हींरुपरावरो ॥ ५७ ॥ कहूंरतिमानिआनिभौवतोगली
 मैकठपौ भोरआजभौवतीसोंभेटऔंचकाभई ॥ नैनसै-
 नदैकैउन्हैबाहिरहीठाढोकिपां आपुकैचपलगतिदहली-
 जमैगई ॥ कहाकहींभटूनखसिखलींनिरखिचिन्ह मन-
 हींमैरघुनाथऐसीकोपसोंतई ॥ मुखसोंनकहयोकछुहाथ
 कीइंसारतिसों गारीदेकैआपनीकिवैंरीदोनोदेलई॥५८॥
 कहाकहींप्यारेकछुकहियेकीधातनहै धातनधनाइमनधी-
 रलाइयतुहै॥ आठहूपहरहरिहहरिहियेमेहम रावरेप्रयो-
 नयेनीगुनगाइयतुहै॥ बाहजोनदीहैतामैनावकोउपावक-
 हं अथहनदीमैपरपारंपाइयरुहै ॥ आपनीहमारीयहस-
 मुक्तनदेखोयूक्ति जहौरैनचाहैतहैंभोरआइयतुहै ॥ ५९ ॥

॥ भय सामान्या खलित यथा ॥

ओठानिमैअञ्जननिरञ्जनभयेहैंनैन पलनमैपीकैभाल

जायकधनकको ॥ डोरचिनकोरहारकानेपहिरायेआनि
 हियेमेवहारभरेभोरनतनकको ॥ भननकविन्दभौवतेकी
 पेखिभोरसमैवालाचारवधूछोन्नकीन्होनननकको ॥ ता-
 किहगवडूनिकलडूनिकोकालिमादे करतेंकरखिलीहो
 कडूनकनकको ॥ ६० ॥ गायतहानैठादेख्यंजायतछुग्रीः
 लोछैल आसवभरायोसाधमनिमडुंकारोमै ॥ आनद
 सोछाईऐसीयासनाथसाइंजिय कीजैरतिरातस्यच्छआज
 कीउजारीमै ॥ निकटकेआयेलायेसुरतिकेदेखेचिन्ह ए-
 होरघुनाथऐसीभरीकोपभारीमै ॥ सखीसोंसिखायदीहे
 घतरसलायआप देकरकिचारीजायसोडुंचिघ्रसारीमै ६१
 नीकेरमनीकेउरलागेनखछुतअ-६ घूमतनयनसवरयनः
 जगायेहौ ॥ आयेपरभातचारचारहौजैभातः सेनापतिअ-
 लसातनऊमेरेमनभायेहौ ॥ कहाहैसकुचमंरीहींतोहींति-
 हारीचेरी मैतातुमैनिधिनीकेधनकरिपायोहौ ॥ आयत
 ताआयेसुधिताकीहैकिनाहीं जाकेपाथकेमहावरकीखी-
 रिकरिआयेहौ ॥ ६२ ॥ गोसपेंचकुण्डलकलहोसिरपेंच
 पेंच पेंचनतेंखैंचचिनयेचेवारिआयेहौ ॥ कहैपदुमाकरक-
 हेंआमूरिजीवनकी जाकीपगधूरिपगरीपैंपारिआयेहौ ॥
 वेगुनविमागिएसवेगुनकेहारअथ मेरोमनुहारकोट्याहो
 धारिआयेहौ ॥ पासासारखेलिकितकौनमैनिहारिनसों
 जितमनिहारमनहारहारआयेहौ ॥ ६३ ॥

॥ यद्य कसद्वन्द्वरिता मच्छन ॥

नेहा । जीतियपियअपमानकरि पुनिपाछेपछताय ॥

फलहन्तरिताताहिते कहतसुकविसमुदाय ॥

॥ यद्यं गुण्य कलहातरिता यथा ॥

सुरतिकेचिहूमोवतेकेजाउउरउखे कोपभरेजोवनके
ओपभरेतनमे ॥ केलिकेमहलसोंचहानोकरियेठीआप ए
हारघुनायहुँउदानगुरजनमे ॥ कहाकहींभटूउठीइतनेमे
घनघटा घगनकोपौतिसोदेखाहुँदीन्हीघनमे ॥ तयतो
अपानघसकीन्हेमानगुनगौरि अग्रसुखदानपछितानठा-
गीमनमे ॥ ६४ ॥ कैसोतूसुमतितोसोंभूक्ततिहोंधारधार
करिनिरधारकहिजोंहनअमंठीक्यों ॥ मैतोतोहिजानति
होगरयोगुननकीरो करयोनऐसातोहिमनउरपैठीक्यों ॥
हुंसमानप्यारिसोंरोनाहकहीकैसोतई सीतिकोकहरोतैमा-
निएतीआनिऐंठीक्यों ॥ मजलिसयीचजासोंपावैयाहचा-
हकरि ऐसेप्राननाहसोंगुनाहकरियेठीक्यों ॥ ६५ ॥ कहत
नकलहकधानसखियानसङ्ग अङ्गअङ्गतरिसोभयैचगुनरा-
हमे ॥ पतिहिमनाइनसकतसमुहाइ दृगलजिनलजाइ
अज्ञताकंपरवाहमे ॥ लाग्योभोनोभरघेरगमघनघटान
घर मलयपवनसरदूटतउमाहमे ॥ जदिजियिआर्यमहा-
दूयिदूयिमनमाक्त दूयिदूयिजायमोचनागरअयाहमे ६६
सखिनमकोचगुरुलोगनकोसोच भृगुशोचनिरिनानोउ
नेकहुँसद्योगात ॥ देववेसुभाहुनुआयउद्विगयेइ
सकिससकिनिसिरोइखोहुँपायोप्रान ॥ जानैकोको
नयिरहीधिरहपीरहायहायद्विपछितानतिन
यदेयदे नैननितेओमूमगिगिद्वार गोरनोरे

सेयितातजात ॥६७॥ लुकतीहीकेनमोनगहेकहेकुंतीही
 गहेतेंसखिनकेतिरीछीतैसीतातीही ॥ छिगुनीछुवेतेंयलि
 जँउँकैसीहोतिहीजू चपलासीचमकचित्तीतर्धोंकिजाती
 ही ॥ सोवतीनसङ्गभङ्गगोवतीचित्तीतीनिसि सोकविप्रवी-
 नवेनीससकसकातीही ॥ मानतीनकेहूँठनगनऐसाठान-
 तीही रुसिगयोपीवअवकतपछतातीही ॥६८॥

॥ पथ मध्या कलहान्तरिता यथा ॥ -

देखुआइसखीप्रानप्यारीजूकीदसाआजु प्यारिकेमना-
 इवेकोंकहतिलजातीहै ॥ पेन्हतिनहारजोसँघारिधरेफूल-
 निके पानपानदानभरेधरेसोनखातीहै ॥ रघुनाथटरीजा-
 तिसुखकीधरीसोवृष्णि गगनकीओरहेरिनिरखतिरातीहै ॥
 देखिकैसदोपतयभौँहैंऐंठीकोपकरि कहाकहाँअवआप
 बैठीपछितातीहै ॥६९॥ पौढ़ीपटतानेअवहोतकहापछि-
 ताने मानसीव्यथानैकरिआनसीदिखाईहै ॥ भनतकधि-
 न्दसखियानसोनभनैभेद भूलीखानपानैतनआनैताप-
 छाईहै ॥ लाजकीविरहकीगिरहपरीवाकेहिय जानैकोई-
 लाजखोलियेमेचतुराईहै ॥ जानतमुरारीकैधौँजानैसम्भ-
 रारि कैधौँजानैवहनारिजौनरारिकरिआईहै ॥ ७० ॥ क्ता
 लरनदारभुकिभूमतबितानबिछे गहवगलीचाअरुगुलु-
 गुलीगिलमे ॥ जगरमगरपदमाकरसुदीपनकी फैली-
 जगाजातिकेलिमं दिरअखिलमे ॥ आवततहँआईमनमो-
 हनकेलाजमैन जैसीकछूकरीतैसीदिलहोकीदिलमे ॥
 रहीरीहायमिलिमे ॥

प्रभाकीकिलमिलमै ॥ ७१ ॥ बंठीरतिमन्दिरमेसुन्दरिव-
नापेधेप जाकेरूपसोंहैरतिरूपहूनिदरिगो ॥ आयोतहँला
लजासोंथोलीनहिं बालनेकु ऐसोकछुअकसअखारोआनि
अरिगो ॥ एतेमाहिंरुसिहनुमानमनभावनगो लागोप-
छितानप्रेमपुञ्जयोंपसरिगो ॥ काननतेंपैठिहिधेवस्थोहो
जुमान सोईहायइनऔंखिनतेंऔंसूव्हैनिकरिगो ॥ ७२ ॥

॥ पय प्रोढ़ा कलहान्तरिता यथा ॥

आलीहैतिहारेसमकोऊनाहमारोहितू रुसिधनमाली
हालीहमतेंजुदैभयो ॥ बीतीद्वैकजामरनिपरतनचैनकेहूँ
दूजोहैनयैरीमेरोमनहींखुदैभयो ॥ कहैहनुमानकीन्होमा-
नधोंकहँतेहाय आजुसग्रसौतिनकेमनकोमुदैभयो ॥ बि-
नपियप्यारेरीदिवाकरसमानमान आकरकलेसकोनिसा-
करउदैभयो ॥ ७३ ॥ एअलिङ्कतकंतपायनपरेहेआय हौं
नतयहेरीयागुमानबजमारसों ॥ कहैपदमाकरवेरुसिगेसु
ऐसीभई नैननतेंनोदगईदाहकेदवारसों ॥ रैनदिनचैनहै
नमैनहैहमारेघस ऐनमुखसूखतउसासअनुसारसों ॥ प्रान
नकीहानिसीदेखानिसीलगीहैहाय कीनगुनजानमानकी-
न्होप्रानप्यारसों ॥ ७४ ॥ दीनोमनरंचऊनचीठिनयसोठि-
नमै कीनीकानिकान्हकीनदीदीनअरजनिमै ॥ द्विजदेव-
कीसोंजऊहारीवैसिखाय तऊसुमुखसखीनकीसुनीनघर
जनिमै ॥ एरीमेरीधीरधीरकाग्रिधिघरैगोहियो चातकी
बघाइनकीचोखीचरजनिमै ॥ मेचकरजनिमैकदंयलरज
निमै सुमेघगरंजनिमैतद्विततरजनिमै ॥ ७५ ॥

॥ अथ परकीया कलहान्तरिता यथा ॥

उन्है नजनायो मै बिछोकि प्रतिअंगन मे सुरतिके चिन्ह
जे प्रगट रहे लसिकै ॥ मोसों गए रुसि दूसि प्रीति रीति मेरी मे-
री ओर प्यारे रघुनाथ हेरि भौंहें कसिकै ॥ तो सो ना छिपावति
हौं एरी भटू अपराध इत नो तो कीन्हे जो मैं ऐसे कहो हँसिकै ॥
भोर ही भई है भेंट भौं वते गली मे आजु अलसाने आधत कहा
तेरा तिबसिकै ॥ ७६ ॥ चेरे भये चेरीन के मेरे हेतव है अचेत फे-
रे देत फिरे वन वीथिन अंधारे मे ॥ रंभा सीर मासीर परासी
जे छमासी तोल दासी भई तिन सो बिछोके हरि न्यारे मे ॥ मे-
रे भरे जैसे जल मोन से प्रवीन बेनी दीन जैसे चक्र चक्र चंद्रिका
उजारे मे ॥ कैसे दो सठाय सो रुठाय अलि मंदिर ते नाइ कर-
ठाय दिये ऐसे प्रान प्यारे मे ॥ ७७ ॥

॥ अथ गणिका कलहान्तरिता यथा ॥

ससकिससकि उठै कसकि कसकि हिये याही अपसोसन
कढ़ौं न भौन कोने सो ॥ एकतान लागे मुकतान के अने कह
धकस तराज काजर पे सो न सोने सो ॥ भनत कविंद ऐसे न
सों गुनाह बिना कियो मै बिगार रारि टरै कौन टोने सो ॥
री मोकुमति तेने कलह करायो अव सुलह करावै कौन सौं
सलौने सो ॥ ७८ ॥ जाकी सरय रिन करत काम कला धर
से मन जावन सो रुसी तो सहि दहौं ॥ छाखन की सी जगई
तिरंग मी जगई आनन की ऊँज गई खोजन कहूँ लहौं ॥ गो-
कुल के नाथ वे तो हाथ हाथ ही मै फिरै देइ जो मिलाये ऐसे पा
॥ मोहि कहं मान सो अमान भई एरी अग्र आ

॥ यथा विप्रलब्धा जच्छन ॥

॥ जो नियाजाय सहेटमै मिलै नपिय अकुलाय ॥
ताहि विप्रलब्धा कहैं सकल सुकवि समुदाय ॥

॥ यथा सुधाविप्रलब्धा यथा ॥

जाजिकै सिंगार ससिमुखी काज सजनीवै ल्याई केलि मं-
सिखापन निधानसी ॥ कान्हविन कानन सकेत सूनी दे-
ई आनन की औरै दुति अंग दुति आनसी ॥ अनत क-
पोले लाज तें न कछु बाल धीचखिली कलिकाल गन ला-
नसी ॥ व्यथामृग नैनी के हियें मै बढी मानसीवै च-
ढी भौं है गइं उतरिक मानसी ॥ ८० ॥ खेलिवे कंमिस स-
लिके महल लीन्हें नवल धूको गइं सुगतिक रिन्द है ॥
है सत मृग नैनी पिकर्यै नीत हँ देखेना प्रवीन घेनी यदु-
द है ॥ चपरही चहूँ घैं चितै कै चकइं सीधकि नैननि
कै अचल जल धुंद है ॥ छकित छकित मानो कमल के
मुख मकरंद दाधे अवली अलिन्द है ॥ ८१ ॥ खेलको
कै सहेलिन के संग बाल आइं केलि मंदिर लौं सुंदरि म-
॥ कहै पदमा करत हौं नपिय पायो तिय त्योही तन
मी पति कै तेज पर ॥ घाढ़ति धिधा की कथा काहूँ सों क-
ली लचकिल ताली गइं लाज बारीले जपर ॥ धीरी प-
र कपोल न पै पीरी परी धीरी परी घाय गिरी सीरी प-
र ॥ ८२ ॥

॥ यथा मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

कोतमा सो सुनो सोये गुरुजन जय कीन्हें अतिसार

॥ अथ परकीया कसहान्तरिता यथा ॥

उन्हें नजनायो मैविलो किप्रति अंगन मे, सुरतिके चिन्ह
जे प्रगट रहे लसिकै ॥ मोसों गए रुसि दू सि प्रीति रीति मेरी मे-
री ओर प्यार रघुनाथ हेरि भौंहें कसिकै ॥ तोसों ना छिपावति
हैं एरी भटू अपराध इत नो तो कीन्हो जो मरे सें कहो हैं सिकै ॥
भोर ही भई है भेंट भौं वते गली मे आजु अलसाने आवत कहों
तेरा तिथि सिकै ॥ ७६ ॥ चरे भये चेरिन के मेरे हेतव्य अचेत फे-
रे देत फिरे वन वीथिन अंधारे मै ॥ रंभा सीर मासी रूपरासी
जे छमासी तील दासी भई तिन सों विलोके हरि न्यारे मै ॥ मे-
रे भरे जै से जलमीन से प्रवीन वेनी दीन जै से चकचके चंद्रिका
उजारे मै ॥ कैसे दो सठाय सो रुठाय अलि मंदिर तेनाह कंठ-
ठाय दिये ऐसे प्रान प्यारे मै ॥ ७७ ॥

॥ अथ गयिकां कसहान्तरिता यथा ॥

ससकिससकि उठै कसकि कसकि हिये याही अपसोसन
कंदौन भीन कोने सों ॥ एकतान लागे मुकतान के अने कहारं
धकसतराज काजरूपे सोन सोने सों ॥ भनत कधिंद ऐसे नाह
सों गुनाह धिना कियो मैधि गाररारि टरै कौन टोने सों ॥ ए-
री मोकुमति तैने कलह करायो अव सुलह करावै कौन सौं धरे
सलाने सों ॥ ७८ ॥ जाकी सरवरिन करत काम कला धर ऐ-
से मन भावन सों रुसी तो सही दहीं ॥ लाखन की सी जगई र-
ति रंग मी जगई आनन की ओ जगई खोजन कहूं लहीं ॥ गो-
कुल के नाथ वे तो हाथ हाथ ही मै फिरै देइ जो मिलाये ऐसे पाय
॥ मोहि कहो मान सों अर्पान भई एरी अवे आ-

७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८९ ॥

॥ अथ विप्रलब्धा वचना ॥

० । जो नय जाय सहेट मै मिलै न पिय अकुलाय ॥

ताहि विप्रलब्धा कहैं सकल सुकयि समुदाय ॥

॥ अथ सुधाविप्रलब्धा यथा ॥

॥ जिकै सिंगार ससिमुखी काज सजनी वै ल्याई कैलि मं-
सेखापन निधान सी ॥ कान्हविन कानन सकेत सूनी दे-
ई आनन की औरै दुति अंग दुति आन सी ॥ अनत क-
रोलै लाज तेन कछु चाल घीच खिली कलिकाल गन ला-
न सी ॥ व्यधामृग नैनी कोहिये मै श्रद्धा मान सी वै च-
ही भौ है गई उतरि कमान सी ॥ ८० ॥ खेलिवे कंमिस स-
ले के महल छीन्हे नवल वधू को गई सुगत करि नंद है ॥
है सत मृग नैनी पिकर्यै नीत हाँ देखे ना प्रवीन घेनी यदुं-
द है ॥ चपर ही चहूँ घाँचितै कै चकई सी चकि नैन नि-
है अंचल जल युंद है ॥ छकित छकित मानो कमल के
मुख मकरंद दाये अवली अलि नंद है ॥ ८१ ॥ खेल को
कै सहेलिन के संग ग्याल आई कैलि मंदिर लौ सुंदरिम-
॥ कहै पदमा करत हौ न पिय पायो तिघत्यो ही तन
मो पति के तेज पर ॥ बाँढ़ति विधा की कथा काहूँ सों क-
॥ लचकित लाली गई लाज वारी लेज पर ॥ घोरी प-
॥ कपोल न पै पीरी परी घोरी परी घाय गिरी सीरी प-
॥ ८२ ॥

॥ अथ मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

कोतमा सो सुनो सोये गुरुजन जय कीन्हे अतिसार

तयसाधिकैरमलसो ॥ रघुनाथमनमैमनोरथकीसिद्धिजा-
 नि नूपुरवजनलागेपौहैंमंदमलसो ॥ केलिकेमहल्यो
 प्यारेसोंनभेटभई ऐसीदसाभईमनोखायोहीअमलसो ।
 भोरकेसमैकोऐसोप्यारीकोवदनरहेया एरीभटूफेरनयोसैं
 भक्तकेकमलसो ॥ ८३ ॥ सजिकैसिंगारहारजालगजमोति-
 नके सुन्दरिछयोलीछविजैसीकछुरतिहैन ॥ मनकैमनोर-
 थकेरथपैमगनभई पहुंचीसहेटजहैंहैननन्दनन्दऐन ॥
 चैनरायवाकेउरमैनकेमकराउठे मोनज्योविनाहैंनीरला-
 जतेनयोलेयैन ॥ फूलतगुलाग्रसीगईतीपियपास अब
 लागोचमकावनगुलायचुटकीसीदैन ॥ ८४ ॥ स्वायगुरु
 लोगनकोंसोंधेसोंअन्हायभूपे भूपनजराइनकेपहिरैयसन-
 वर ॥ मन्दमन्ददावेपौयैआइकेलिमन्दिरमै घूंघुटमैहेर-
 तउछाहभरीलाजभर ॥ द्विजजूयिलोकिसेजसूनीहैंचकि-
 तरही चारोंओरचाहतिमृगीसीभूरिभरीडर ॥ ऐसीभ-
 ईबिकलबिसूरिव्यथायादीजैसे पथिकनिदाघकोपिया-
 सोदेखिसूनेसर ॥ ८५ ॥ सकलसिंगारसाजेसखीगनसह
 राजै मगमैसमाजैउरआनदहितैरही ॥ भनतकविन्दकु-
 लमदिरनिहारिसूने दूनेदुखधारिकैमनोरथरितैरही ॥
 सोचनसोंससकैसकोचनसकैनबोली रोचनसीअंगरुचि-
 जानीनाकितैरही ॥ ठगकीठगोसीरतिजागेकीजगीसी
 कीऔंचकीमृगीसीचारोंओरनचितैरही ॥ ८६ ॥ पूरअंसु-
 वानकोरहेयाजोपूरिआंखिनमें चाहतयेहेयापैवदियाहिरी
 ॥ कहैपदमांकरसुधोखेहूतमालतरु चाहतगहेया

पैगहवरहू गहेनहीं ॥ कैंपिकदलीलौयाअलीकैंअवलं-
 यकैहूं चाहतलहेयापैलोकलाजनिलहैनहीं ॥ कन्तनमि-
 लकोदुखदारुनअनन्तातिय चाहतिकहेयापैकछुकाहूतेंकहै
 नहीं ॥ ८७ ॥

॥ अथ प्रीड़ा विप्रसव्या यथा ॥

उज्जलसरदचंद्रचंद्रिकाअमंदतुति सीतलसुगंधमंदमं-
 दपौनफहरैं ॥ मुक्ताअमंदमकरंदकैसेविंदुचारु धदनार-
 धिंदकीछवीलोछटाछहरैं ॥ साजिरंगरंगनकेअंगनसिं-
 गारप्यारो गर्हरतिभौनदूजेजामिनीकेपहरैं ॥ पेखिपरजं-
 कनंदनंदधिनसोमनाथ लागीअंगउठनभुअंगकीसीलह-
 रैं ॥ ८८ ॥ उरजउतंगअभिलापीसेतकंचुकीहै राखीनाकछू-
 कचितचोपरंगरेजेमै ॥ मोतिनकीमालमलमलधारीसारी
 सजैं झिलिमिलिजोतिहोतिचोदनीअमेजेमै ॥ विहैंसिध-
 दनयिमलासीसाअटापैगई देखेनाप्रयोनयेनीपियसुखसे
 जेमै ॥ गरदभइहैयहदरदयतावैकौन सरदमयंकमारीकर
 दकरेजेमै ॥ ८९ ॥ सकलसिंगारसाजिसंगलैसहेलिनकैं सुं-
 दरमिलनचलोआनदकेकंदकों ॥ कविमतिरामयालकरत
 मनोरधनि देख्योपरजंकपैनप्यारेनदनंदकों ॥ नेहतेलगी
 हैदेहदाहनदहतगेह बागकेबिलोकिद्रुमचेलिनकेचंदकों ॥
 चंदकोंहैंसततवआयोमुखचंद अवचंदलाग्योहैंसनतिया
 केमुखचंदकों ॥ ९० ॥ बारीपाइप्यारीचित्रसारीकैंसिधारी
 आपु करिकैसिंगारचारुविधिधविधानको ॥ रघुनाथभौं-
 वतेसैंभयोनामिलापतहैं ऐसोहालनथोहालसुंदरिसुजा-

नको ॥ एकतामिलनसुखहानभयैभयोदुख एरीभट्टदूज
 भयोदुखअपमानको ॥ कीवैकैअिकलप्रानकहाकहींती-
 जेआन हियमेलगनलागोअानपंचवानको ॥ ९१ ॥ आ
 ईफागुखेलनगुविंदसैंअनंदभरी जाकोलसैलंकमंजुमख-
 तूलतागसो ॥ कहैपदुमाकरतहैं। नताहिमित्योस्याम छन
 मैछवीलीकैंअनंगदियोदागसो ॥ कौनकरैहोरीकोऊगो-
 रीसमुझायैकहा नागरीकौरागलाग्योविपसोअिरागसो ॥
 कहरसोकेसरकपूरलाग्योकालसम गाजसोगुलालंलांग्यो
 अरगजाआगसो ॥ ९२ ॥ आईकामकामिनीसोकंतपैइ-
 कंततहैं। ताहिनघिले। क्योअतिथ्याकुलहूँगौनकी ॥ तास
 मैतियाफोतनतापतेजतातीछुवै हातीसबसीतलतासरि-
 ताकेपौनकी ॥ सौंसकेसमीरनउसासभौरभोरनहीं तीर-
 हैठादीमतिधीरऐसीकौनकी ॥ डरपिडरपिचलीसाथकी
 सहेलीसब झरपिझरपिगईवेलोरंगभौनकी ॥ ९३ ॥ आ-
 वतिनवेलीसाथसुन्दरसहेलीकेली कुंजकीचमेलीसूनीदे-
 खतहहरपरी ॥ हारनटतारिऔसिंगारनधिगारडारि फा-
 रिडारिबसनसैंभारनिसहरपरी ॥ ऊभीभरैस्वैसकहैउदा-
 सचहुं। पासआस नैननीरजाततैंतरंगिनिलहरपरी ॥ छ-
 तियाछवीलीछो। भभरीछोनछनदामै छटकिछटासीछूटि
 छितिपैछहरपरी ॥ ९४ ॥ बदलीदुगुनदुतिकदलीकंदं-
 नकी अदलीअतनकरंसदलीकतनमै ॥ घिटपनडोलैंक-
 रिधिधिधकलोलैंथोलैं कीरकुलकोकिलगुमानभरेमनमै ॥
 —परतापसवलस्रियतऔरैऔर गतिकोगुमानगजरा-

जनकमनमै ॥ सुखनिअतूलेफिरै प्रेमरसभूलेफिरै फूलेफिः
रैआजमृगराजमधुवनमै ॥ ९५ ॥

॥ अथ परकीयाविमलत्वा यथा ॥

कसीहीलगनजामलगनलगाईतुम प्रेमकीपगनिके-
परेखेहियेकसके ॥ केतिकीलपायकेउपायउपजाईप्यारे
तुमतेमिलापकेबढायेचोपचसके ॥ भनतकविंदहमैकुंज-
मैबुलायकर, बसोकिताजायदुखदेकरअवसके ॥ पगनिमै
छालेपरेनाधियेकौनालेपरे तऊलालछालेपरेरावरेदरस-
के ॥ ९६ ॥ जलकेकपटफटपटलैगइंहीघट हरिनटनदेख्यो
तहौपूरनकप्रटभो ॥ सोचसटपटभयाघरभोनघट चैनचि-
तकेउचटकतयासुरीकोरटभो ॥ भनतप्रवीनबंनौठटभो-
विषाको कलकटभोपिकीकोपीनपावकलपटभो ॥ जमु-
नातटनिपटउचटअटपटभो घटभोकुचटऔधिकटवंसो-
घटभो ॥ ९७ ॥ भादवैकीरातिअंधियारीघेरेघनघटा च-
रसैमुसलधारमोदभरैमनमै ॥ ऐसीसमैभीजतकुंअरका-
न्हजूकेलीन्है कुंअरिनयेलीगइंपागीप्रेमपनमै ॥ जौनथ-
लामिलनयतायोतहोपायोनाहिं रघुनाथमदनसतायोता-
हीउनमै ॥ जेइंयूंदैनीरकोसुखदलागेधीरछूटै तेइंयूंदैतीर
सीतिपाकेलागीतनमै ॥ ९८ ॥ गंजनसुगुंजलाग्योतैसोपी-
नपुंजलाग्यो, दोसमनिकुंजलाग्योगुंजनसोंगजिकै ॥ कहै
भदुमाकरनखोजलाग्योखालनको घालनमनीजलाग्यो-
॥ खेजोरतजिकै ॥ सूखनसुधिंयलाग्योदूखनकदंयलाग्यो-
॥ हिनंघिलंयलाग्योआईगेहतजिकै ॥ मीजनमयंकला-

गंधोमीतहूनअंकलांगयो पंकलांगयोपायनकलंकलांगयोष
 जिकै ॥ १९ ॥ सासुकीसुवायनंदताहूकेपलोटेपौय देवरकीं
 दरसायस्वांगसोइगईकी ॥ आधीरातिमादोंकीअँच्यारीमे
 किंवारखोलि कैसोभाँतिजहाँभरिमच्योमेहमईकी ॥ ची-
 रकैचुरेलभीरगैलकोमझाइनीर पहुँचीसँकेतनेतवाँघेगी
 तनइंको ॥ एतोकारदेख्योतऊदेख्योमैनप्रानप्यारी न्यारी
 कछुपैँडोहैरीदईनिरदईको ॥ १०० ॥ चलीमतिरामप्रान
 प्यारिकेमिलनकाज नेसुकनिहारिकैत्रिसारिकाजघरको ॥
 पियरेयंदनदुखहिपरसमायरह्यो कुंजनमैभयोनिमिलाप
 गिरधरको ॥ विसरेविलासयोविलायगयोहास छयोसुंदरि
 केतनमैप्रतापपंचसरको ॥ तोखनजुन्हाइंभईयोपमकोघा-
 म भयोभीपमपियूपमानुभानदुपहरको ॥ १०१ ॥ चंद-
 मुखीचपलासीचंचकलनासीमानो भरसरहीहैविरहान-
 लकीदाहमै ॥ डरपीसृगीसीत्योठगीसीव्हँचफितरही यू-
 डीसीथिकलदुखयारिधअथाहमै ॥ द्विजजूसहेटमैनपाया
 नंदलालयाल विकीसीविसूरैमुखपूरैमुखआहमै ॥ उचके
 सेहगनकीधकीसीविलोकेखरी कालिंदीकेकूलपैकंदवन
 कोछोहमै ॥ १०२ ॥

॥ गनिका विषयथा गया ॥

सजिकैसिंगारचलीसोभहोकरमलनेनी गायकैअमल
 यिदाहोयगुरुजनते ॥ संगलेसहेलिनकीअथलीअनेसी
 प्यारी लोयेहीकीघानजातपूछातिसयनते ॥ कहैहनुमान
 हाएहोमेजीतीगइंयालयाअ

तनते ॥ हीनभङ्गधनते ग्रिहीनभङ्गपनते सुखीनभङ्गत
 तैमलीनभङ्गमनते ॥ १०३ ॥ आपनेग्रिदूषकसोपठयो
 हायआपु दिनहंमैमिलयोसँकतकुंजधामको ॥ करिकैरि
 गारघारुगहंअलयेलीआप साधलैसहेलीनेकुभैनमान
 घामको ॥ रघुनाथतहाँप्यारेउालसांनभंठभङ्ग कहाका
 भद्रऐसोभयोहालघामको ॥ एकतोसतापेभङ्गकामको
 कलमहा दूजेंसुघिआयेदामअमितइनामको ॥ १०४ ॥ नि
 सिअंधिपारीतऊप्यारिपरघीनचादि मालकेमनोरथंक
 पपैचलीगहं ॥ कहैपदमाकरनहँनमनमाहनसों भेट
 इंसटकिसहेटतँअलीगहं ॥ चंदनसोंचांदनीसोंचंदसोंच
 मेलिनसों औरयनयेलिनकेदलनिदलीगहं ॥ आइहुतीछै
 लकेछलैकोछलछंदनसों छैलतोछल्योनआपछैलसोंछल
 गहं ॥ १०५ ॥

॥ उत्पत्तिता मन्त्र ॥

दोहा । किहिकारनआयोनहीं पिपसहेठकेधाम ॥

इहिविधिसोचकरैजुतिय सोउत्काहैधाम ॥

॥ सुधा उत्पत्तिता मन्त्र ॥

भोरोसोभमीसीस्वामीसूखीसीग्रिलीकैगैल बावरोस
 मदनमसूसैमनमारिमारि ॥ द्विजजूकहतभङ्गधिकलधि
 सूरैसुख रसवायेदूररतिसौजसघटारिटारि ॥ लाजतैन
 थोलियोकहतिवीतीओधिजानि ऊचिऊधिभौवतीउसा
 सँछैतिहारिहारि ॥ हेरिचारोंओरघेरेंघनकीचुमइ देति
 यहीयहीअँखिनतेंअँसूयूँदँढारिहारि ॥ १०६ ॥ उरकी

सतापजुरजपरजनायोवाके औचनसोंआभरनभरकेअ-
नलसे ॥ स्यामनासकेतआयेवूझैनासखीसों स्यामा ला-
जनअरुझिकोनकैधौलोमललसे ॥ भनतकविन्दअरवि-
न्दसेउदितनैन रुदितनकीन्हैनऊसोंसलीनीअलसे ॥ वा-
लकेकपोलवेअमललालकमलसे पीरेपरिआयेततकाल-
तालदलसे ॥ १०७ ॥

॥ मध्या उरकठिता यथा ॥

पलैगधिछायेछायेफूलनिसोंमनभाये हारमगवायेघ-
रवायेचैगेरनमे ॥ सारीदरदावनकिनारीवारीपैन्हीआप-
भूपनजवाहिरकेभूपेसयतनमे ॥ रघुनाथभौयतोनआ-
योकेलिमंदिरमै श्रीतीजामजामिनीअधिकऔधिपनमे ॥
कहतिसकोचतिहैसखीसोंबुलाडवेंकों लोचतिहैभट्टबैठीसों
चतिहैमनमे ॥ १०८ ॥ सरसिसिंगारनिसोंजामैजातिजो-
यनकी यादीयहुभौतिनसोंसोताअभिरामकी ॥ भनत
कविंदजरीसारीकीफलकजामै दृग्हीतंदमकैअंध्यारीज-
हौधामकी ॥ अँटिमखियानसोंमकोचतेनभाखैकछू धारी
धिरहानलकीकारीहैअनामकी ॥ औधिएकजामकीजगा
इंचारजामकीमु कामकीभड्डहैगुलगाइंयामजामकी ॥ १०९ ॥

॥ भीटाउरकठिता यथा ॥

करीअलिकामेपलिकामैनपरनचैन भैनयेधेगरनिमोह-
रनअरामरी ॥ भनतकविंदरजनीमैउयोगजनीरी श्रीपम
धिगहकोदुसहदुगधामरी ॥ पौयट्टेचर्मोफेकगिहोमैल-
नमन नराधिरमापेकैमुन्यायेकाहूधामरी ॥ औधिय

दिस्यामरीधितायेजुगजामरी यसेधौकाकंधामरीनआये
 धनस्यामरी ॥ ११० ॥ काहूरूपवतीमैरमेहैंलोत्तोआलसीव्ह
 ललकतहोलैंचोलैंतजतसुभायेना ॥ काहूसंगसखिनकेरं-
 गमदिरहेकैधौ कैधौउरउडिकैअनंगवानलायेना ॥ कौ
 नअममंजसप्रचीनवेनीयातैंऔर भोरहोतआलीनभला-
 लीतैंवतायेना ॥ अथवतइन्दुअरविंदवनयिकसत गुंजत
 मलिंदहैंगोविंदगेहआयेना ॥ १११ ॥ सीतिनकेत्रासतैं
 रहेधौऔरवसतैं नआयेकौनगोंसतैंप्यो करुतीनलासतैं ॥
 कहैपदमाकरसुधासतैंजधासतैंसु फूलनकीरासतैंजगीहै
 महासांसतैं ॥ चौदनीयिकासतैंमुधाकरअकासतैं नराख-
 तहुलासतैंनलाघससखासतैं ॥ पौनकरुआसतैंनजौउंउ-
 दिवासतैं अरोगुलाघपासतैंउठावआसपामतैं ॥ ११२ ॥ धै-
 ठीरंगराधंटीमैहेरोमैपियाकीधाट आयेनायिहारीभइंनि-
 पटअधीरमै ॥ देवकीनदनकहैस्यामघटाघेरिआई जानी
 गतिप्रलयकीभयानीभयभीरमै सेजमैसदाशिवकीमूरति
 मनापूजी तीनढरतीनोकीकरीततधीरमै ॥ पाखनमै
 सौपरोसुलाखनमैअछैघट, ताखनमैलाखनकीलिखात-
 सधीरमै ॥ ११३ ॥

॥ परबीया सल्लखिता यथा ॥

इरानोनगरकीधौकाहूसौक्तगर कीधौग्रोचहीग्रगरका
 हूयधूधिरमायोहै ॥ लोलाधरगैलमैसुभूत्योनमरेरमै कि-
 धौसुकाहूसैलमैसखानअरुजायोहै ॥ दूनीहोसोंदोसजो
 किमोहीसोंसरोसजोकि कलहपरोसजोसुहेरहरिधायोहै ॥

केलिकीनचाहधौहियेनकैउछाहधौ सुकीनहेतुनाहधौस-
 हेदनहिंआयोहै ॥ ११४ ॥ हमैयहरायकैनिकुल्लमैपठायठ-
 हरायठोकऔरसोंअनतकहूँछयेहैं ॥ तजोकुलकानिजिन
 काजैथिनकाजैजिन टटकेकपटनिकेनेहनिरमयेहैं ॥ भन-
 तकविन्दस्यामसजनीतुलायेकाहूँ अजहूँनआयेसुनेदूने
 दुखदयेहैं ॥ कितैयितैजामअधरतियाकैआजुपियाकीन
 धौँतियाकेछतियाकेहारभयेहैं ॥ ११५ ॥ जमुनाकेतीरध-
 हैसीतलसमीरतहाँ मधुकरमधुरकरतमन्दसोरहैं ॥ कवि-
 मतिरामतहाँछयिसोंछथोलीयैठी अङ्गनतेंफैलतसुगन्ध-
 कैफ्तकीरहैं ॥ पीतमधिहारीकीनिहारियेकांयाठ ऐसेबहूँ
 ओरदीरघहगनकरीदोरहैं ॥ एकओरमीनमानोएकआ-
 रकजुपुज्ज एकओरखज्जनचकोरएकओरहैं ॥ ११६ ॥ अ-
 घइतरहिकैकरैंगोकहंसूनेकुंज जियकेबचाइयेकांयेगिब-
 लोपनतें ॥ नातरुधरीमैकामकोपकरिजानियाम रघुना-
 थकीदुहाइंचूकिहैनहनतें ॥ आइयेजांहीतोसखीअघलीं
 येआयतेइं थीतीजामजामिनीअधिकऔधिपनतें ॥ आ-
 नकाहूँधनकेरियेहैंभागधनपातें मेरीसुधिउनकेउतरिग-
 इंमनतें ॥ ११७ ॥

॥ ननिजा अरुचिछता वषा ॥

बहलपहलकरिमहलमेमीरभकी रीक्तविछवाइंतेत्र
 छाइंसुगन्धनकी ॥ थीतीओधिरघुनापजैअनानआयो
 आपु अकृपानीअरीभट्टभरीगुनगनकी ॥ खिरकीसांई-
 रकीमयनकीममूँमैरुई ऐमेकईयेयेगमगिनसांमनकी ॥

पनकरिगयेरातिऐहौतुमैदैहौदोइ सालवड़े धनकीऔ
 मालमुकननकी ॥ ११८ ॥ कौनधौअनोखीवड़े नैननिक
 ग्राम जाकेकामवसहूँकैसथरैनिरहारागीहै ॥ भनतकथि
 न्दऐसीचाहियेनप्रितरीति हमसोंकरीतीतीनिवाहीव्य
 नलांगीहै ॥ हमैसोंभूसमैलालसारादेनकहीलाल सार
 वाकीरेनिसियरायप्रेमपागीहै ॥ हतयिरहानलभभूवै
 थारिथारिकरि थारिभरीऔखैकैहमारीदेहदागीहै ॥ ११९ ॥
 प्रातहीतैंचरितसुनायेहुतेसोवतंक छायेहुतेपावकचहूँचै
 तनतेरके ॥ तातैंअकुलानीबिलखानीसीदिखानीतोहि
 पैनमैभुलानीदिगहोनअथसेरके ॥ यातीजातिरातितीहै
 रातिअनखातिकहा सेवकनभूलेपरेकैसहूँकरेके ॥ हिन
 पियकठेभयेआइहैंअनूठे भयेएरीकहूँभूटेकहुसपनसवे
 रेके ॥ १२० ॥

॥ अथ वासकसज्जा सज्जन ॥

दो० । पियआगमजोहृदकिये साजतिसेजसिंगार ॥
 वासकसज्जाताहितें कहनयुदुआगार ॥

॥ अथ सुधा वासकसज्जा यथा ॥

छूथोढरभौवतीकोजानिपस्योएरीभट्ट देखिचोराचो-
 रीआजुलागीहैठहलमै ॥ माइकेकीसखीसोंमगाइफूलमा-
 लतीके चादरसोंढोपेछाइनोसकपहलमै ॥ रघुनाथभौ
 वतकोपानदानसरखीरी भरीधरीपोथीकोऊकथाकीरहल
 मै ॥ अतरगुलाचकीछिरकिहेतसौरभके चहलपहलकी-
 न्हेरतिकेमहलमै ॥ १२१ ॥ सोरहसिंगारकैनवेलीकोसहे-

लिनहू कीन्हेकलिस दिरमैकलपितकरहैं ॥ कहैपठमाक
रसुपासहीगुलात्रपास खासेखसखासखुमयोइनकेदेरेहैं ॥
त्यौगुलात्रनीरनसोहीरनकेहीजभरेदंपतिमिछापकाजआ
रताउजेरेहैं ॥ चोखीचौदनीनपरचौसरचमेलिनकेचंद
नकीचौकीचारुचौदीकंचंगेरहैं ॥ १२२ ॥ कुचनसुकंचुकीधि-
भूपनसनाहसाजि झपाटिलपेटिझिलिझेलिमेलिफंदके ॥
कीजोतरवारकीउपरमारमारमडं करजप्रहारददैसेवकअ-
मंदके ॥ छतनिमचायबहुवेधियोवेधायअंग धिद्युथाय-
जाइकैअनंइछलछंदके ॥ मोहरेपरैगेडहैंतोहरेपियाकैआ
जु बौधतिहैंदोहरेसुबंदसेजयंदके ॥ १२३ ॥ भईहोसपानी-
तरुनाईसरसानी प्रीतिपीतमपट्यानीनिजलाजदूरनाखि-
यो ॥ कविमतिरामधामकेलिकीकलानिकरि मोहनलला-
कीधसकीबोअभिलाखियो ॥ मृदुमुसकायपरजकपरानिस-
कजाय अंकतरिआनदअधरसुधाचाखियो ॥ नेवरकीक-
नकभक्तकराखिप्यारीआजु रसनाकीझनकतनकरसरा-
खियो ॥ १२४ ॥

॥ अथ मध्या वासकसजा यथा ॥

कलिकेमहलजंघीराघटीदैओठपठ बैठीदेखिनिपटप्र-
सारतमदोपातैं ॥ सुंदरीसिंगारनसजतिपियप्यारेहेतु छ-
जतिप्रयोनचेनीआछीमंजुघोपातैं ॥ खोलयोमुखमुदित-
उदितपरजकपर सरदमयंकरंकरंसंभवनधोखातैं ॥ देहदुति-
रलीअलबेलीकीअललीअति कैलीदोपदीपनलीझलकझ-
रोखातैं ॥ १२५ ॥ मंजनकियाअगारधूपदैसुखायेवार अ-

गरसोंधूयेगुहीबेनीसटकारीहै ॥ बेंदीविनाआइवीरीदं-
 तनिजमाइवीरी पहिरीनधूनीगजमुकतनवारीहै ॥ भ-
 नंतकविन्दआजयासककीरजनीमै फूलीफूलीफिरतिन-
 वेलीनिरधारीहै ॥ लाजसार्जेसजनीसकोचगुरुलोगनको
 कामसेजसाजिवेकीकरतितयारीहै ॥ १२६ ॥ मनिमय
 भूपनपहिरिनखसिखप्यारी बैठीपीठिपीछेआसरोकैपर-
 जङ्गको ॥ कहैरघुनाथपियप्यारेकीधिलोकैगैल हीमैक-
 छूकछूऐलसौतिनकेसङ्गको ॥ जानिवेकोंनिसिदिसिजर-
 धकोंदेख्योज्योंहीं त्योंहींफैल्योआननप्रकासऐसेअङ्गको॥
 भौरलींउड़तएकरहिगोकलङ्गयाकी छपिगयोप्योमधीच
 मण्डलमयङ्गको ॥ १२७ ॥ धारेलालसारीप्यारीहीरनकि-
 नारीवारी अङ्गनअनङ्गदुतिरङ्गचढ़िआयोहै ॥ दामोदरक-
 हैयालबैठीवाचिनोदभरी लालकोंबिलोकिवेकोंमोदमढ़ि
 आयोहै ॥ फाँकीफुकिफुपकिफुरोखाखोलिघूंघटकों बद-
 नयिकासकोप्रकासबढ़िआयोहै ॥ जोरिकैनछन्नविधोरि
 घनघोरमानो फोरिरयिमण्डलकोंससिकढ़िआयोहै १२८
 केसरिकनककहाचम्पकवनककहा दामिनीयौंदुरिजाय
 देहकीदमकतैं ॥ कविमसिरामलोनेलोचनलपेटेलाज अ-
 रनकपोलकामतेजकीतमकतैं ॥ पगकेधरतकलकिङ्किनी
 नेवरयजि विछियाफनकउठैंएकहीजमकतैं ॥ नाहमुख
 चाहचितऔंचकाहंसत चौंकपरैचन्दमुखीनिजचौंकाकी
 चमकतैं ॥ १२९ ॥ याजनूविभूपननधारुअङ्गमेरे खगमु-
 खरनिकारुसोरठानिहँकुराहेको ॥ सेवकजवाहिरीमसा-

हरीलगावैलाइ बाहरीनिबाहरीसनेहउतसाहेको ॥ नैननकेसामनेगरमलगिजैहैदेखि कन्तठगिजैहैसोधिचारि
चित्तचाहेको ॥ भूपरकेफरसीफनूसनिउजेरसेज ऊपरके
कमलजगावतिहैकाहेको ॥ १३० ॥ सजित्रजबालनंदला-
लसोंमिलैकेकाज लगनिलगालगिमैलमकिलमकिउठै ॥
कहैपदमाकरचिराकऐसीचौदनीसो चारोंओरचीकनिमै
चमकिचमकिउठै ॥ झुकिझुकिझूमिझूमिझिलझिललल्ले
लल्लेल झरहरीझोंपनमैझमकिझमकिउठै ॥ दरदरदेखी
दरीखाननमैदौरिदौरि दुरिदुरिदामिनीसीदमकिदमकि
उठै ॥ १३१ ॥

॥ थय मोदा बामकमजा यया ॥

लाइकेफुलेलकरीकैगहीसैयारिपाटी मोतिनसोंपीहं
आछेअग्रअलकनके ॥ बड़ेबड़ेनैनतैसेकठिनउरोजसो-
हैं धीरमानोकुम्भकोटिसोभालच्छुननिके ॥ उज्जलजु-
न्हाईमैप्रियाइसेजकानिनिके उठनतरङ्गअङ्गअङ्गललफनि
के ॥ चित्रकैसोलिखीप्यारीप्रीतमकीघाटहेरै एकटकपौ-
यदेपसारिपलकनके ॥ १३२ ॥ पामरिनपौबडंपरहैंपीरि
द्वारलगि धामधामधुपनकेधूमधुनियतुहै ॥ मृगमदअ-
सरमुनरघनगारदीप दीपनिहजारनअँव्यारीलुनियतुहै ॥
मधुरमृदङ्गरागरङ्गकेनरङ्गनमैअङ्गअङ्गगोपिनकेगुनगुनिय
तुहै ॥ देवमुखमाजमहाराजप्रजराजआज राधेजूकेमद-
नधिधारेमुनियतुहै ॥ १३३ ॥ भोजनकेभामिनीभवनयो-
चटाहीमई धुनीसेचरनचाकथीकीरैगामेप्रवर ॥ पवन

केपानदानपाननकीबीरीजरि नीरीकरदीनीलीनीमनकी
 मजेजपर ॥ फूलनकेहारभरेभौरनकेभारदेव आलोपहि-
 रायेतेसुहायेतननेजपर ॥ सौसौससिकैसोआसपासतेउ-
 दैसोकरि आइवैठीसोसाकेमहलसौंधीसेजपर ॥ १३४ ॥
 चंद्रमासोआननसुधासीमुसकानिभरी मालमुकतानकी
 नछग्रनहैसतिहै ॥ सारोउजियारीसीकिनारीकीचटकचा-
 रु पूरनपियूपसोंमयूपसीधसतिहै ॥ गोकुलचित्तीतहीच-
 कोरसेरहोगेलाल भौवतीकेतनकलाकोठिनयसतिहै ॥ स-
 रदकीचौदनीमैसरदकीचौदनीभी चंदनकीचीकीपरबैठी
 धिलसतिहै ॥ १३५ ॥ बैठीरूपरासिरतिमन्दिरमजेजक-
 र सेजपरसौगुनोसुगंधधलकतहै ॥ दस्तकहैमुखचंद्रचंद्रि-
 कामुदितमोहै मानसकीकहहैमुनीसललकतहै ॥ जगमग
 जटितजवाहिरकीजोतिजाल रंभ्रजालमैवहैछविछाकछ-
 लकतहै ॥ रातेकुचसेतकंचुकीमैघोंलखातमानो साफस-
 फसीसनसहायजलकतहै ॥ १३६ ॥ करमकरमआजुपा-
 योपासप्रीतमकी हीतमहरोंगीसजिश्रीतमकीश्रेनीसों ॥
 तूंतोगुनवानहैनआनकछूजीमैधरै पानिपकोत्रासगुनैयु-
 हिंसुखदेनीसों ॥ दलिमलिजायगोहेरायगोसुगयताते से
 वकभुलायगीनघातमृगनैनीसों ॥ जौलौंप्रानप्यारोउरमे-
 रेतेविहारकरै तीलौंउरहारतूविहारकरवेनीसों ॥ १३७ ॥

॥ परकीया वासकसजा यया ॥

सोसनीदकूलनिदरायेरूपरोसनाहै बूढेदारघाघरेकी
 घूमनिघुमाइकै ॥ कहैपदमाकरत्योउबतउरोजनपै तंग

अंगियाहेतनीतनिनतनाइके ॥ छज्जनकीछोहछकिछैल
 केमिलैकेहेत छाजतिछपामैयोछयोलीछधिछापकै ॥ क
 रहीखरीहैछरोफूलकीछरीसीछवि साँकरीगलीमैफूलपाँ
 खुरीधिछाइके ॥ १३८ ॥ सकलसिंगारसाजिभूपनजराऊ
 अंग जाकेरूपरंगकहिवोनकामयानीको ॥ मालतीकेसुम-
 नसँवारीसेजसीकभौति मिलियोविचारिहियेंतोसेसुखदा
 नीको ॥ गोकुलहौंआइदेखिबलिजातहौंकन्हाइ मेरोकह्यो
 मानियोविचारियेमहानीको ॥ लालचलोकुंजलौंनिहालम
 योचाहि ॥ तो देखिदेखिअभिलापराधाठकुरानीको ॥ १३९ ॥
 औधआधीरातकीदैआपनोवतायोगेह देखिअभिलाप-
 मिलवेकोसुपदायके ॥ भूमिहीमैकैयोडारितोसकविछी-
 नाकीन्हे आसपासधरिदीन्हे चौसरबनायके ॥ पानीपा-
 नअतरनजीकसवरारखेलाय गूजरेटीरघुनाथऔरौचित-
 चायके ॥ खोलिराखीखिरकीधुक्ताइराखेदोपद्वार लाइ-
 राखेनैनकानआहटमेपायके ॥ १४० ॥ पूसकीअँधेरीरैन
 चोरकोवतायडर पीतमैकियोहैदरवाजेद्वारपालहै ॥ न-
 तदपठाईसंगदासीकेप्रबोनावेनी काहूमृगनैनीकेप्रसूतम
 योलाहै ॥ सीतसोंसभीतकरिसासुकरीकोठरीमै आप-
 हीसनेहीसोंसुनाइराख्योख्यालहै ॥ ऊपरअटारीसजिवै-
 ठोहैपलँगपर जौनसीअलँगफंदफंदेकीदिवालहै ॥ १४१ ॥

॥ सामान्या वासकसज्जा यथा ॥

सोनेकेपलँगमखमलकेबिछावनकै तक्रियातमामीकै
 तमामतरकीयके ॥ अंबरअडंबरवखानियेकहाँलौअंग भू

पनअनूपरूपसेवकसभीपके ॥ रतिसुखदेनीमृगनैनी
 बैठीवाल आयतप्रवीनवेनीनवलमहीपके ॥ पवनके
 नदानदीपमनिमानिकके चंदसोचंदोवामोतीफाल
 सीपके ॥ १४२ ॥ करिकैसिंगारभूपेभूपनजराऊसय
 केमुखआगेहोतिचंददुतिफौवरी ॥ खजनसेनैनयैनघो
 तिसुधासोंभरे; उरजउतंगकटितंगबलिफौवरी ॥ गो
 लनितंगजंघपोनपायपदुमसे मोहनीमईधौपदीकाम
 लाकौवरी ॥ लाखनकीदेहीमौजताखनबिलोकतही
 लघारबनिताकीवनकवनावरी ॥ १४३ ॥ राधरेसीमि
 वेकौऐसोसाजसाज्योआज राख्योकैमहलमहामहमा
 धूपते ॥ विछएग्रिछौनाआछेछोड़दीन्हैजलजंघ प
 दानभरेधरेडालिहैंपुहुपते ॥ बलिगईबलिदेखोकबिर
 नाथप्यारे आपुऐसेलसैप्यारीअंगनअनूपते ॥ मंजु
 लिवेतेंमंजुघोपामानीजाति केसदेसतेंसुकैसीजानीज
 रभारूपते ॥ १४४ ॥ चंदसोवदनचारुचंद्रिकासीसेत
 री तैसियैगुराईंगसीउरजउतंगकी ॥ हरिकेहियेको
 हारिनीहरिननैनी हेरैहियेहरपैसखीत्योसैनसंगकी ॥
 नतकविंदसोहैवासकनबेलीनारि वाढीचितचाहजाके
 गमउमंगकी ॥ जगरमगरबैठीसेजपैनगरवाल आली
 लमोहिवेकौवालाज्योअनंगकी ॥ १४५ ॥ सेतसारीसो
 उजारीमुखचंदकैसी महलनमंदमुसकानकीमहमही ॥
 गियाकेऊपरवहै उलहीउरोजओप उरमतिराममालमा
 हीउरमही

अँगिया है तनी तनि नतनाइके ॥ छज्जन की छाँह छकि छैल
 के मिलै के हेत छाजति छपामै यों छथीली छवि छायेके ॥ वह
 रही खरी है छरो फूल की छरी सी छवि सँकरी गली में फूल पों
 दुरी छिछाइके ॥ १३८ ॥ सकल सँगार साजि भूपन जरा ऊ
 अंग जाके रूप रंग कहियो न काम दानी के ॥ मालती के सुम-
 न सँवारी से जसौ कहौ तति मिलि योधि चारि हिये तो से सुख दा
 नी को ॥ मोकुल हौं आइ देखि बलि जात हौं कन्हाइ मेरो कहौ
 मानि योधि चारिये महानी को ॥ लाल चली कुंज लौं निहा लभ
 यो चाहि ॥ तो देखि देखि अभिलाप राधा ठकुरानी को ॥ १३९ ॥
 औध आधी रात की दै आपनो यता योगेह देखि अभिलाप-
 मिलि वेको सुपदायके ॥ भूमि ही मै कै यो डारितो सकवि छी-
 ना की न्है आस पास धरि दी न्है चौसर बनायके ॥ पानी पा-
 न अतरन जी कसवरा खेलाय गूजरे टीर घुनाथ औरौ चित-
 चायके ॥ खोलि राखी खिरकी युक्ताइ राखे दीप द्वार लाइ-
 राखे नैन कान आहट मे पायके ॥ १४० ॥ पूस की अँधेरी रैन
 घोर को यता यडर पीत मै कि यो है दरवाजे द्वार पाल है ॥ न-
 तद पठाई संग दासी के प्रथीन बेनी काहू मृग नैनो के प्रसूत भ
 पोला है ॥ सीत सी स भीत करि सासु करी कोठरी में आप-
 ही सने ही सी सुनाइ राख्यो ख्याल है ॥ ऊपर अटारी सजि वै-
 डो है पलंग पर जीन सी अलँग फंद फंदे की दिवाल है ॥ १४१ ॥

॥ सामान्या वासकमध्या यथा ॥

सोने के पलंग मुख मल के बिछावन के तकि या तमा मी के
 तमा मतर की यके ॥ अंधर अँधेरे बखानिये कहाँ लौं अंग भू

पनअनूपरूपसेवकसमीपके ॥ रतिसुखदेनोभृगनैनीयनि
 बैठीयाल आवतप्रवीनवेनोनवलमहीपके ॥ पन्ननकेपा-
 नदानदीपमनिमानिकके चंदसोचेंदोवामोतीफालरमे-
 सीपके ॥ १४२ ॥ करिकैसिंगारभूपेभूपनजराऊसत्र जा-
 केमुखआगेहोतिचंददुतिफाँवरी ॥ खंजनसेनैनवैनघोल-
 तिसुधासोभरे उरजउतंगकटितंगयलिभौवरी ॥ गोकु-
 लनितंजजंघपीनपायपदुमसे मोहनीमईधीपढीकामक-
 लाकौवरी ॥ लाखनकोदेहौमोजताखनयिलोकतही ला-
 लघारयनिताकीयनकयनावरी ॥ १४३ ॥ राघरेसोमिलि-
 वेकीऐसोसाजसाज्योआज राख्योकैमहलमहामहमहनी
 धूपते ॥ बिछएधिछौनाआछेछोइदीन्हैजलजंत्र पान
 दानभरेधरेडालिहैंपुहुपते ॥ घलिगईचलिदेखोकत्रिरघु-
 नाधप्यारे आपुऐसेलसैप्यारीअंगनअनूपते ॥ मंजुघो-
 लिवेतेंमंजुघोपामानीजाति केसदेसतेंसुकेसीजानीजाति
 रंभारूपते ॥ १४४ ॥ चंदसोवदनचारुचंद्रिकासीसेनसा-
 री तैसियैगुराईगसीउरजउतंगकी ॥ हरिकेहियेकोहार
 हारिनीहरिननैनी हेरैहियेहरपैसखीत्पोंसैनसंगकी ॥ भ-
 नतकविंदसोहैथासकनधेलीनारि यादीचितचाहजाकेआं
 गमउमंगकी ॥ जगरमगरवैठीसेजपैनगरयाल आलीला-
 लमोहिवेकौयालाज्योअनंगकी ॥ १४५ ॥ सेतसारीसोहत
 उजारीमुखचंद्रकैसी महलनमंदमुसकानकीमहमही ॥ अं-
 गियाकेऊपरवहै उलहीउरोजओप उरमातिराममालमाल-
 तोइहइही ॥ माजेमंजुमुकुरसेमंजुलकपोलगील गोरीकी

गोराईगोरेगातनिगहगही ॥ फूलनकीसेजवैठादीपतिफै-
 लायलाय बेलकोफुलेलफूलीबेलसोलहलही ॥ १४६ ॥ तो-
 मैगौरीदीपकसँवारिमंजुमैनहीतें एमनरचौंगोरंगसाज-
 नखुस्यालमै ॥ सुरतिमनाइकैकल्याननिसोंछाइदेहीं बिह-
 रोंकेदारनिसुकान्हरेकीचालमै ॥ मेलिदिव्यदेसनसुनाई
 दोहासोरठनि सोहनीबसंतकीबहारनकेख्यालमै ॥ एरीइ
 न्द्रजालसमसेवकसतालआज मोतियैकीमालकरें। मोति-
 यैकीमालमै ॥ १४७ ॥

॥ पद्य साधिनपतिका लच्छन ॥

दो० ॥ निसिधासरजातीयके रहैनाहआधीन ॥

स्वाधिनपतिकानायिका ताहिकहतपरधीन ॥

॥ मुग्धा साधिनपतिका यथा ॥

भोरअरविन्दऔंखियौनकेमलिन्द मुग्धचंदकेचकोर
 चीरहीतचारुताइंके ॥ चोगहीतसुघरननिरखिलढाईतीके
 परखिसुभायहीतसेवकसुधाइंके ॥ येनीकशिलीनहीतमी-
 नतनपानिपके आतपमेछौहहीतनाहसुघराइंके ॥ घेरे
 घरहोमेरहैंयकैंधुतरेलोग चेरूहैरहेहैंकान्हृष्टमानजाई
 के ॥ १४८ ॥ दिनदिनदूनीदुतिलखिलछानेरहैं दिनमें
 प्रधीनयेनीचलैकछुयलना ॥ सौंऊहीमहलमाहिंपाहुमन
 भाइंयह जाकेविनदेखेतेंपरतकलपलना ॥ अंचलउंचा-
 रिमुग्धचाहतसिंगारनकीं रासतिहैचंचलसोअंगनअचल
 ना ॥ अंजनललनलोनेललकनऔंगुरीन पलकनखोल-
 तिहैछाजनतेंललना ॥ १४९ ॥ अंगमैनयमीमुंदराइंकीउ-

मंग चंकताई भौंह भंगमैल सीन ग्रसी भालकी ॥ पान ताई
 अंगमैन खीन ताई लंकमैन वदनमयंकमै जुन्हाई जोति जाल-
 लकी ॥ भनत कविंदन सुभाइन मै भेद भौन पाइन मै गरि-
 मा गहीन मंद चालकी ॥ मेली मै नमोहनी अकेली कहूँ हेली
 प्रीति कौन हेतु मोही सोलगी धौँलोने लालकी ॥ १५० ॥ चा-
 ह भयो चंचल हमारो चित नौ लख धूँ तेरी चारु चंचल चितौ-
 नि मै य सत है ॥ कहै पदमाकर सुचंचल चितौ न दूँ तेँ उक्त कि उ-
 क्त कि उक्त कनि मै फ सत है ॥ औ क्त कि उक्त कि उक्त कनि तेँ
 सुरक्ति ये स धौँ हीं की गहन माहिँ आनि यिल सत है ॥ धौँ हीं
 की गहन तेँ सुना हीं की कहनि आयो ना हीं की कहनि तेँ सुना-
 हीं नि क सत है ॥ १५१ ॥

॥ यय मध्या साधीन पतिका यया ॥

जेनी चाहियत ते तो सकल समै की यस्तु रीक्ति ये के जो-
 गता की तयारी किये रहै ॥ रघुनाथ आठौं जाम आनद सों भ-
 रे आप. आनन की ओर दृग आपने दिये रहै ॥ जै सो कहै ते-
 सो करै जिय मै विचार यह होइन उदास भरे हर पहिये रहै ॥
 जादिन सों गौनो लाये तादिन ते एरी भटू भौवनी को मन हाथ
 भौव तो लिपे रहै ॥ १५२ ॥ वे तो तजि मीतन कों गीतन कों हों-
 सी ख्याल सों कही ललकि आवैं केलि कमहल मै ॥ तू तो इतला
 जनल पेटी बेटि बड़े नकी कैसे कै सिंगारै अंग चहल पहल मै ॥
 गारिराखे के उर प्रथीन ये नीमू गमद अगरत गरसार चंदन स-
 हल मै ॥ जो लौं मन भौवती न आवती अनेक भौति तौ लौं ल-
 गे रहै लाल रावरीट हल मै ॥ १५३ ॥ जगमगी जीवन अनुप

रूपतेरोचाह रतिऐसीरंभासीरमासीत्रिसराइये ॥ देखि
वेकें।प्रानप्यारीपासखरोप्रानप्यारी घूंघुटउधारनेकचंद
नदिखाइये ॥ तेरेजंगजंगमैमिठाइंओलुनाइंभरी मति-
रामकहतप्रगटपहपाइये ॥ नायककेनैननिमैनाइयेसुधा
सी सधसोतिनकेलोचननिलोनसोलगाइये ॥ १५४ ॥

॥ धय प्रीदा आधीनपतिका यथा ॥

फूलनसे।घालकीचनायगुहीवेनीलाल भालदइंवेदी
मृगमदकीअसितहै ॥ भौंतिभौंतिभूपनयनायेध्रजभूपन-
सु धीरीनिजकरसे।खवाईकरिहितहै ॥ हूँकैरसयसलाल
लइंहैमहाधरिकों दीवेकोंनिहारिरहेचरनललितहै ॥ चू-
मिहायनाहकेलगाइरहीअं।खिनसे। एहोप्राननाययहअ-
तिअनुचितहै ॥ १५५ ॥ अतरलजातमृगमदपछितात घा-
रिजातहारिजातदेखेंसीरभकोतंतहै ॥ श्रीपतिअगारमै-
अगरउदगारसीहै धगरयगरछविछाजतअनंतहै ॥ हीक-
रनसुखमुखसोतिनहैंसीकरन पतिहीयसीकरनजीकरनजं-
त्रहै ॥ मदनजसीकरनरतिमैरसीकरन सीकरनतेरोरीय-
सीकरनमंत्रहै ॥ १५६ ॥ पुरबधूपरबधूतिनसे।नजोरैदी-
ठि तेरीओरहेरैहेरियतहरधरसो ॥ कंतवैहुमारेपरदेसमै
धितावैदिन होसपूजैकैसेपलघीततपहरसो ॥ धन्यतेरो-
भागभटूभांवतोतिहारो तेरेरंगनिसे।राच्योतजैधरिकोंने
घरसो ॥ सीतिजनसालतीकोसालसोतिहारेयस लालहूँ
रह्योहैमालतीकीमधुकरसो ॥ १५७ ॥

॥ पत्नीया आधीनपतिका यथा ॥

ईसकीदुहाईसीसफूलतैलठकिलठ लठतैलठकिलठि

कंधपैठहरिगो ॥ कहैपदमाकरसुमंदचलिकंधहूतें भूमिभ
 मिभाईसीभुजामैत्योभनरिगो ॥ भाईसीभुजातेंभूमिआ
 योगोरोगोरंवाह गोरीवाहहूतेंचपिचूरिनमेअरिगो ॥ हे
 खोहरेंहरेंहरीचूरिनतेंचाहौजोछौतौलौमनमेरादौरितेंरे-
 हायपरिगो ॥ १५८ ॥ ओफूलअलीनकैखड़ हीन्हायवगर
 ऊंचानकहीनृपसंभुदेखिनहैं।फसिगो ॥ लटनसौलटकिं-
 लपटिफटपट श्रीनफूजनतेंभूमिभुजमूलनिमैशसिगो ॥
 कौलपांसुरीनसोसुरंगआंगुरोनतें सलोनीकीसरसलोनी
 गौठदेतगसिगो ॥ कसनिकोलीककीलुनाडुमैलचडि मन-
 कंचुकीककसनतनीकतरेकसिगो ॥ १५९ ॥ उक्तकिशोरखा
 हूँभक्तभक्तिकेभौकीधाम स्वामकोशिसरिगडंखचरतमा
 साकी ॥ कहैपदमाकरचहूँचैचैनचैदनासी फलिरहौत
 सिधैसुगंधसुभसासाकी ॥ तंसोछुधितकततमोरकीतस्यो-
 ननकी वैसेछुधिसनकीधारनकीआसाकी ॥ मोतिन-
 कीमागकीमुखीकीमुख्यानहूकी नैननकीनयकीनिहा-
 रियेकीनासाकी ॥ १६० ॥

॥ अथ गनिका साधीनप्रतिका यथा ॥

ऐसेवसभयधारयधूकेकहैं।लौकहीं लाखनकीयकभी-
 सकीवेकीअखोरहै ॥ ध्याहिनिग्रिसारिहूँअनन्यएहारघु-
 नाय राखींश्रीसवाहीकमनेहसोंमन्यारहै ॥ मानअपमा-
 नकीधियाखोखो कहाकहीं वाकैछो।द्विरेकींसोनधीरजध
 खोरहै ॥ फूलकीलपेटिमालमेलैउठिजायवेकीं पाँड़निठ
 केलनऊँपायतेंपखोरहै ॥ १६१ ॥ बड़ेबड़ेखंजनसेनैनमु

खचंद्रमांसो उरजउतंगरोमअबलीउडोसीभौर ॥ वि-
बलीजघननाभिउरुलौबिलोकिमानो भ्रमभूलिजाइयेकों
विधिनेवनायोठौर ॥ पंकजसेपानिपायस्वासस्वेदसौर-
भसों मत्तमधुकररातौदिनभयेरहैंचौर ॥ लाखनकीवक-
सीसक्योंनकरैप्रानप्यारो रसियानऐसीवारवधूमैबिलो-
कीऔर ॥ १६२ ॥

॥ अथ अभिसारिका लच्छन ॥

दो ० ॥ पियहिबुलावैआपकी पियपैआपुहिजाय ॥
तातियकहैअभिसारिका कहतसुकयिसमुदाय ॥

॥ सुधा अभिसारिका यया ॥

तपनिकेकरिकैबहानोहाथसखिनके गरवायोचंद
नकरायोलेपहियकों ॥ आलससुनायबिलुवायसेजसोई
जाय कामकेफलोलेमैवसायेंआपजियकों ॥ एतीचतुराई
धीकहैंतेपाईरघुनाथ हौतोदेखिरोक्तिरहीगीनहाईतिय
कों ॥ नैहरकीदासीसहयासीताकोंचोराचोरी पठहंसे
जाइकैबुलायलाईपियकों ॥ १६३ ॥ गायनयजायनजुही
हैंकुलगोकुलकी आग्रनकीगेहमैननारिनहटकनी ॥ ताही
समैलैचलीजटारीदेखियेकेमिसि आतुरजेठानीजौनचा-
तुरचटकसी ॥ रूपकीरसालसोसमेटीआधैअंगनिमै जा-
हिदेखियेठामैनकाहूकीमटकनी ॥ गौनेकीप्रधूटीगुनटोने
सेकलूककरि सोनेसेलपेटोडियेमानेकीमटकनी ॥ १६४ ॥
मझिननिम्याइनमकोनमोंमिथागेप्यारी वारीकामनारी
हकलूधरकीकलासी ॥ हरेहरेप्रगनधरतठठकतपंथ सी-

किचींकिपरतिचमकंचाहचलासी ॥ उरजउठै।हैंअलबेले
 भावभौहैंसनी .सौहैंकरिसौहैंहोतिसाधंसोभभलासी॥भु-
 किभुकिभक्तितुक्तकपरैभौईदेखि आईरंगमहलअनूप
 रूपभलासी ॥ १६५ ॥

॥ प्रथम मध्या अभिसारिका यथा ॥

पायजेवेंजुनपाइकोनसुनिललचाइ सहजसुभाइहाय
 भावहरसतसी ॥ सचीहूतेंसौगुनीसहसगुनीरंभाहूतें र-
 तिकीरतीकउपमानपरसतसी ॥ सखिनंकभुजभारमोति-
 नकेहारहिये सोभसुकुमारअंगअंगदरसतसी ॥ रंगग्रहपो
 पीकोलखिचूनरीसुरंगरंग महलमैआईरूपरंगवरसत-
 सी ॥ १६६ ॥ सोयेगुरुजनजयकीन्हैप्रानप्यारीतय आप-
 नेसिंगारसप्रचारुअंगअंगके ॥ केलिकेमहलमैनटहलवि-
 चारगई चापसोंधरतपायभूमैलाजसंगके ॥ रघुनाथरी-
 भौदेखियेसकोसुभाप्रभटू सोवतयिलोक्योरुखराखेरतिरं-
 गके ॥ घोलयसभोवतेकौसकीनाजगाइ लगीपलोटनपौ-
 येंघंठिपौयेंतेपलंगके ॥ १६७ ॥ आजुलौनदेखीऔनसु-
 नीग्रहीजेठिनसों जैसीकछूप्यारीलाजलीन्हैसरसातिहै ॥
 धैठैगातगे।येगुरुजनमैगुननभरी रूपसीलसाधुताकीसो-
 वाभीलखातिहै, ॥ गोकुलसमुक्तसयसे।येघरवारेलोग प्री-
 तमकीप्रीतिजानियोतीग्रहोरातिहै ॥ ईरासोगिरासोगी-
 नहाईरतिमंदिरकों मीनकरेंनूपुरकोंगीनकरेंजातिहै१६८
 गूजरीललितकटिकिकिनीकलितधुनि सुनिकलहंसनकी
 हीसेरहैसलना ॥ येनीकविअंगनअनूपछविछाड़्यार्ते छ-

पतिजान्हाडुलखिमैनकाकेकलना ॥ नेवरकीकनकयनक
जरीजंवरकी लालपैचलतिकरैलाजहलचलना ॥ एकहा-
थलायछतियासोमायनायछाव अधरनअँगुरीसिकुरजा
यललना ॥ १६९ ॥

॥ पथ मोढ़ा अभिमारिका यथा ॥

पीनमपैचलीप्यारीपौरिहालींहारिपरी सेजलींयौके
सेजहैसोचसोकरनिहै ॥ चारनकेभारअरुमंडनसिंगारभा-
र हारहंकेभारऊचिसोसनिभरतिहै ॥ जिनहोचलतिअ-
निनागरिनबेलीप्यारीनिनहीमहावरकीछापसीपरनिहै ॥
कोथीकुंवरीरातेकोलकीसीपौखुरिन पौधड़ेसेढारिडारि
पौयनधरतिहै ॥ १७० ॥ ऊपरमहलंकसहनपरजंकपर धै
ठोपियप्रेमकीपहलिकापढ़नभो ॥ उमगिअनंगचलीअं-
गनिचरंगनिके संगपरस्येदंकसुगंधसोकरढ़नभो ॥ निकसि
निसेनीतेप्रचीनघनीसुखमुख उमगिउजासनभमंडलमढ़
तभो ॥ आनइकोकंदनंदनंदकोपसंदअति मंदमंदमानो
मधुचंदसोचढ़नभो ॥ १७१ ॥ मंदमंदचलीनंदनंदपैअनंद
भरी उमगअमंदसंभुमंदमुमकानकी ॥ धोलतअलीनोंथि-
हैनतललनाके लटकनकीलुरनऔमुरनअधरानकी ॥ फ-
हरातछोरथहरातलहैगाकीछात्र गूजरीजपानकीशोजाघ
कजपानकी ॥ पगनकीआलीपगनखनउजालीआगे जा-
लीसीपरनिजानिआलीमुकतानकी ॥ २७२ ॥ पीछेपर-
धानैधानेसंगकीसहेलीआगे नारडरभूपनडगरडारैछोरि
छोरि ॥ मोरैमुखमोरनत्यौचौकतचकोरनत्यौ भौरनकी

भीरधीरदेखैमुखमोरि मोरि ॥ एककरआलीकरऊपरधरे
 ही मंदमंदपगधरैदेवकहंचितचोरिचोरि ॥ दूजंहाथसा-
 थलैसुनावतचचन राजहंसनचुगावतमुकुतमालतोरितो-
 रि ॥ १७३ ॥ घूँ घुटकेघूमकेसुफूनकेजवाहिरंकफितामि-
 लीफावरकीफूमिलीफुचनजात ॥ कहैपद्माकरसुधाक-
 रमुखीके होरहारनमैतारनकेतोमसेबुलतजात ॥ मंदमं-
 दमोकलमतंगलीचलीहीमलें भुजनि समेनभुजभूपनहुल-
 तजात ॥ फूनाकीफुहोरनचहूँघंखांरिखोरिनमंखूयखु-
 सप्रोईकेखजानेसेखुलतजात ॥ १७४ ॥ अगरउदारधूम-
 धारनयनायंधार स्यामललछारसोभमौजमनमथनी ॥
 उन्नतकठोरकुचकंचनकलससोहैं मोहैदेवनानगतिउदि-
 तअरथकी ॥ छविहीकेभारकटिलफिलफिजातिलांती
 जातीक्योंसहेटमाधसाधेसमरथकी ॥ पूजतीक्योंपैजप्रान
 प्यारेप्रेमपथकी नहीतीअसथारीऐसेमनोरथरथकी १७५
 सहजसुधानजुनदेहकीदुगुनदुनि दामिनीदमकद्रीपकेस-
 रकनकतें ॥ मतिरामसुकुचिसिरीखसुकुमारअंग सैहहत
 सिंगारचारुजोयनयनकतें ॥ सैइयेकांसेजचलीप्रानपति
 प्यारपास जगनजुनहाइंजोतिहेमनितनकतें ॥ चढ़नअ-
 टारीगुरुलोगनकेलाजप्यारी रमनादसनदखैरसनाक्तन-
 कतें ॥ १७६ ॥ अजगरथीलोसांनिजनकेसुहागनकी सौं-
 धैदेहदीपतिकीदीरनइपेटिलै ॥ आलीअग्निसारकेस-
 माजयेगिसाजि प्रजकुंजनकीथेलिनकेरंगनलपेटिलै ॥
 जोतिनसांजागिअखियानअनुरागि इनलागनसांलागि

मंनलागनलपेटिलै ॥ तारागनसायलैसिपाहिनकीफीज
 घीच पैठिरयभाज्योजातचंदहिचपेटिलै ॥ १७७ ॥ सौ-
 रभसकलडारिसुमनसोगूंदेवार भूपनमनिनधारमागमुक-
 तांमई ॥ हीरनिकेहीरहारचंदनचढ़ायेचार सुरसरिताकी
 धारसुरसरितारई ॥ रघुनाथपियवसकरिवेकौचलीवाल
 मुखकीमगीचीजालदिसिमलिकैलई ॥ चावचढेचखनिच-
 कोरेनकेचकांचौधो चंदगयोचपिचटकीलीचोदनीजई ॥ १७८
 लालकेमहलघीचऐसीचनिवैसीवाल लालअरुवालमैअ-
 भेदभावभयैरहयो ॥ रघुनाथभौवतोबुलायोआयोछवि-
 छायो सखिनकेसंगदिनवाकीपलद्वैरहयो ॥ तहँऐसोकौ-
 तुकभयोसांसुनएरीभट्ट भीतरनगयाताकितोरनकोछैर-
 हयो ॥ जबलौनमुसक्यानीतबलौपैवरिआगे घुटिकैप-
 कितहूचकितठाढीहूँरहयो ॥ १७९ ॥ नूपुरनगारेबाज
 कंचुकीकवचसाजे चौकाकीचमकचमकतखगधारहै ॥
 सौतनकेदलबलहेतहँकतलजहँ साहसउछाहयीरताई
 कैविचारहै ॥ भनतकबिंदरतिरंगफतेपाइतहँ नौयत
 बजाइकिकिनीनफनकारहै ॥ हरबलहारअसबागटूटिप-
 रोसाँचो समरकोसारकैतोतेराअभिसारहै ॥ १८० ॥ भ-
 कुटीचढीकमानचलतकटाच्छवान चमकनिचौकाकीच-
 पलखगधारहै ॥ अचलनिसानफहरातकुचकुंभनिपै आ-
 गेकोपरतपगधीरताकोवारहै ॥ भनतकबिंदसूयासौति-
 नकेमनसूया मरिजातजहँऐसीमारकीअमारहै ॥ नंदके
 कुमारकीसौराधेजैतवार इहसमरकोसारकैतोतेराअभि-
 मारहै ॥ १८१ ॥

अथ परकीया अभिसारिका यथा ॥

मौलसिरीमंजुनकीकुंजनकीगुंजनकीमोसोंवनस्याम
 कहिस्पानकीकथैगयो ॥ कहैपदमाकरअथाइनकींतजित-
 जि गोपगननिजनिजगेहकेपथैगयो ॥ सोचमतकीजैठ-
 कुरानीहमजानी चितचञ्चलतिहारोचदिचाहकेरथैगयो ॥
 छोननछपाकरछपाकरमुखीतूंचलि यदनछपाकरछपाक
 रअथैगयो ॥ १८२ ॥ सजलजलदधनउमडिघुमडिआये तै
 सियैअंधेरीधेरीसूक्तननसंगको ॥ प्यारीघनधारीपैसिंधा
 रोपनधारीमाहिं सालेउरघानपञ्चघानकोनिखंगको ॥ पौ-
 येंतरेंदध्योअहिअहिरहरोपौयेंगहि कह्योनापरततहांकी
 तुकभुजंगको ॥ लियेलोहलंगरज्योसौंकरसहिनछूटेरा जा-
 तहैमतंगमानोदृपतिअनंगको ॥ १८३ ॥ सोयेलागघरकेय
 गरकेकिंवारखोलि जानिमनमाहनिजगईजुगजामिनी ॥
 चुपचापचोराचोरीचौंकतचकितचली पीतमकेपासंचित-
 चाहुंभरोभामिनी ॥ पहुँचीसैकेनकेनिकेतसंभुसांभादेनि
 ऐसीघनथीधिनधिराजरहीकामिनी ॥ चामीकरचोरजान्यो
 चंपलताभौरजान्यो चन्द्रमाचकोरजान्यो मोरजान्योदा-
 मिनी ॥ १८४ ॥ सूक्तननगातथीतिआईअधरात अरुसो-
 येसंजानिगुरुजनजैवगरके ॥ छिपिकैछधीलीअभिसा-
 रकेकिंवारखोलि छूटिगेसुगंधचारुचंदनअगरके ॥ देव
 कहैभौरगुंजिआयेकुंजकुंजनतें पूछिपूछिपाछेपरेपाहरु
 डगरके ॥ देवताकीदामिनीमसालकैधौंजोतिज्वाल-
 गरेपरतजागेसुगरेनगरके ॥ १८५ ॥ चापेपौयेंचंदमखी

कीनेअभिसार नंदनंदकेअगारसनमुखगतिठानीहै ॥ क-
 थिपरसादभीरभीरभक्तमकनिघीच देहदमकनिसोनआय-
 तबखानीहै ॥ दोरिदोरिदुरिदुरिदेखीसबकाहू बड़ेभाग-
 नतेपेनपरीकहू पहिचानीहै ॥ निमिरकोजालजानिजानी
 हैमसालकाहू काहूघनघटादेखिबिज्जुछटामानीहै १८६
 भादोंकीअँध्यारीरातितढ़िनातरनरानि मगझीअराति
 अररानिनदीनारीहै ॥ जहाँभीरभागीहैनिसाचरचुरेल-
 नकीताकेपीचछरकीमसालसीनिहारीहै ॥ प्रेमपंथपरी
 तातेपरीसीउड़ानीजाति अनतकचिंदलागीलगनकरारी
 है ॥ उठेनचघनस्यामजहाँघनघनस्याम तहाँप्यारीघा-
 मघनस्यामपैसिधारीहै ॥ १८७ ॥

॥ अथ गनिका अभिसारिका यथा ॥

मोतिनकीमालऔदुसालरथगथयागी पहिलेहीलैकैव
 लीरसमरसालभी ॥ कचकुचनिधिदुनितंघनकेभारभी
 मंदगतिसिखवैगयंदनकोंचालसी ॥ गोकुलडगरतैनगर
 कीथगरगई सौरभसमेतमुखसुखमाकीजालसी ॥ दूरहीते
 देखिदेखिहोतहैंनिहाललाल रतनजटितचालआयनिम-
 सालसी ॥ १८८ ॥ सँझहीसिंगारसाजिप्रानप्यारेणसजा-
 ति चनितावनकवनीबेलीसीअनदकी ॥ कथिमतिरामक-
 लकिंकनीकीधुनिबाज मंदमंदचलनिधिराजतिगयंदकी
 केसररँग्योदुकूलहँसीमैफूल केसनमैछाड़छधिकुसु-
 मसुवृन्दकी ॥ पीछेपीछेआयतअँधेरीसीमँवरभीर आगे
 आगेफूलनउज्यारीमुखचंदकी ॥ १८९ ॥ करिकैतयागी

प्यारीबैठीकेलिमंदिरमें भादभरीकीबेकोंचिनादमनमथ
 के ॥ प्यारेकेबुलाइयेकोंपठईसहेलीएक तासांकहिदीन्हे
 एसंदेसेऐसेपथके ॥ देनकहिआयेआपलियेंचलोमेरेसंग ए
 हारघुनाथआजदोऊधोररथके ॥ ककनाजराऊयूंदीवारी
 धीरकंठसिरी हारघड़ेगथकेऔमोतीवड़ेनथके ॥ १९० ॥
 तनकोमुघासघासवहतसमीरतहों अलिनकीभीरअवली
 नछग्रिछू रही ॥ नएनएफीकेलगेकिसलयलगनआली प-
 गनकीलालीद्रुमजालनसम्वैरही ॥ सुधासुखसींचीमुख-
 चंदक्रीमरीचिनतें घोधिनप्रधीनयेनीचाँदनीसीधैरही ॥
 उमर्गेअनन्तसुखकन्तकोंमिलनजाति आगेआगेबनमैध-
 सन्तरिनुहैरही ॥ १९१ ॥ जटितजवाहिरकेभूपनसँवारि
 अङ्ग जरदाफीयसनसुगन्धसरसातीहै ॥ सुमनमलिन्दको
 सुरसधसल्याइहैद्यों नयनचकोरनिमयङ्कमुखरातीहै ॥
 अङ्गसङ्गअन्तरचुर्भकीभीतधारचली हीरनकेहारजोउता-
 रिमुदमातीहै ॥ फौनभैंसतिरोकैगोपियाकीरतिक्तोंकैंअरी
 कुचनफोनोकैंतोमिलोकेंगड़ीजातीहैं ॥ १९२ ॥

॥ चय दिवा चमिसारिका यथा ॥

पगनिमैकोसकरिहौसदीसहोकोंचली पियमहबूध
 मिलवेकीयनीघातिहै ॥ घेरदारजामापायजामापैप्रवीन
 येनी अतिहीसकामावामामुखअरुनातिहै ॥ बाँधेधखत-
 रोपरीकैंधेसमसेरफरी लखीनापरीहैकाहूसखिनसकाति
 है ॥ केसकसपगरीमैवधरोवनायवाल मुगलयचालीएक
 पेचासजेजातिहै ॥ १९३ ॥ सारीजरतारीकीफूलकफूलकत

तैसी केसरिको अङ्गरागकी नो सत्रतनमै ॥ तीखनतरनिकी
 किरिनहूँ तेंदूनी दुति जगत जवाहिर जटित आभरनमै ॥ क-
 विमतिराम आभा अङ्गन अँगार कैसी धूम कैसी धार छविछा
 जतकचनमै ॥ ग्रीपमदुपहरी मै पियकों मिलन जाति जा-
 नी जाति नारिनदवारि जातयनमै ॥ १९४ ॥ दिन कै किवा-
 र खोलिकी न्हो अभिसार पै न जानि परी काव्है कहो जाति-
 चली छलसी ॥ कहै पदमा करन नाकरी सिकोरै जाहि कौं क-
 री पगन लगे पङ्कज के दलसी ॥ कामद सो कानन कपूर ऐसी
 धूरिलगी परसे पहारन दीला गति है नलसी ॥ घाम चौदनी
 सोलगी चन्द सो लगतर बि मगमखतूल सोमही हूमखमल-
 सी ॥ १९५ ॥ करन कपूर घासि चन्दन चढ़ाय अङ्ग दूसरी न स-
 ङ्ग आपसो नेके सलाकासी ॥ कहै सिवराम सारी सो है जरक-
 सवारी लपट भपटवारी छैलन छलाकासी ॥ ठीक दुपहर न
 परिन्दा पंरमारि सके प्रेम की प्रतीति रीतिकोरि कलाका-
 सी ॥ प्यारे लाल देखो चाह आपके मिला पकों या ग्रीपमज-
 लाकनमै आवत भलाकासी ॥ १९६ ॥ चण्डकर मगडल प्र-
 चण्डन भ्रमगडल तैं धुमड़ी परति अली अलिकन की लहरी ॥
 केहरि कुरङ्गइ कसङ्ग बरवैरतजि काहिल कलित परे सो वैतर
 छहरी ॥ ऊरधउसासन तैं सूकत अधर एरी हेरि हेरि छति यों
 हमारी जाति हहरी ॥ गाढ़ी प्रीतिकी न कीहिये मै आइया-
 दौ जाइ टाढ़ी सिरलेति ऐसी जेठ की दुपहरी ॥ १९७ ॥

॥ अर्थ गेला अभिसारिका यथा ॥

॥ करि सेत साजं ब्रजराज के मिलै के काज आधोराति चली

(२१७)
 प्यारो निकसि अवासते ॥ गगनसनिधि छप्यो एहो कवि-
 धुनाथ भूपन समेत चारु आनन अत्तासते ॥ देखि देखि पा-
 हरु चकित भये आपुसमे अद्भुत जानि सव ऐसे कहैं आसते
 हैं ॥ पिकै मयूपन तें कजुन लता पै चढ्यो चन्द चलो जात देखो
 उनरि अकासते ॥ १९८ ॥ पहिरे बनाय सित भूपन दिने स
 दिव्य केसन कुसुम गजमोतिन की पै ॥ ति है ॥ सारी जरतारी
 सामै तै सि पै किनारी दुति जाति न निहारी यनी प्यारी जेहि
 भौति है ॥ थोलि उठी औ चका कन्हाइ तथ जानि पाई ना-
 सो एक दीखति उजारी जै सो राति है ॥ रूप की अन्हाइ छोर-
 निधि कै सी छाड़ छवि मै तो जानी माइ की जुन्हाइ चली जा-
 ति है ॥ १९९ ॥ करि सेत साज महारा नीराधिका जूचली मो-
 हन पै जानि हिये राका अभिराम है ॥ चन्द चपो जात भई चँ-
 दनी चटक ऐसी लागत चुनौ टीधरा धर धरा धाम है ॥ गो-
 कुल बिलोकि पथ पाहरु कहत ऐसे और तो न बिधि नै धना-
 इ ऐसी धाम है ॥ भेड़ कै पियूप सो लपेटि कै मयूपन सो चँ-
 दनी की मूरति चलाइ मनो काम है ॥ २०० ॥ अंगन मै अंग-
 रागम लै घन सार सेत सारी छोर फेन कै सी आभा उफनाति-
 है ॥ राजतरु चिर रुचि मोतिन के आभरन कुसुम केलित के-
 सं सो भासर साति है ॥ कवि मति राम ग्रान प्यारे सो मिलन जा-
 त करि कै मनोरथ निमृदु मुसकाति है ॥ होत न लखाइ नि स-
 चंद की उज्यारी मुख चंद की उज्यारी तन छौं हौं छिपी जाति
 है ॥ २०१ ॥ जरक सी सारी सेत घाघरो सुघेरदार हीरन के हार
 माग मोतिन फल की सी ॥ चँ सरध मेली चारु चंदन चढ़ा-

येअंग सुंधरिसुधरकढ़ीकरिकैकलाकीसों ॥ चाहतचकीर
 चहुं ओरनतेंचौंकिचौंकि चमकिचमकिधरैचरनछलाकी
 सों ॥ अतिहीचतुरचितचायचारुचंदमुखी चाँदनीमैमि-
 लीचलीआवतचलाकीसों ॥ २०२ ॥ सोंधेकरिमंजनसु-
 धारिकेसपास धूपअगरसुपायगोरोअंगछत्रिछुरह्यो ॥
 चंदमुखहैंसीचन्द्रिकामीचाँदनीसीचारु चारोंओरचाहि
 कैचकीरचितचरैरह्यो ॥ तेरेबलिआजुअभिसारकेसमाज
 पर पैजउपमानकीडगनिडगद्वैरह्यो ॥ छत्रपतिछत्रलैचं-
 द्योहैमनमथआज निरखिनछत्रपनिछत्रछविहैरह्यो ॥ २०३ ॥
 फूलनिसोंगुहीमागचंदनचढ़ायेअंग उमड़ीहैमानोगंगस-
 रदकेनीरकी ॥ सोभितहैंसयतनमोतिनकेआभूपन मु-
 कतनकीदुतिसोंमिलीहैजोतिचीरकी ॥ मुसिकातिनीकी
 अतिदंनकीदिपैदुति तैसियैगुराईकहिसुंदरसरीरकी ॥
 चाँदनीसीबालमिलिचाँदनीमैऐसेचली जैसेछोरसिंधुमै-
 चलैतरंगछीरकी ॥ २०४ ॥ सारीसेतसरससरीरपैकिनारी
 दार जालीदारमोतिनकीझालरैझुलतिजाति ॥ जोर
 जेधदारजामेजाहिरजवाहिरके जरीदारचादरतेंबादला
 झरतिजाति ॥ ग्वालकविधिविधविलासनविहारीपास कुं-
 जकोंसिधारीपगमन्दतेंधरतिजाति ॥ चंदचाँदनीकीकरी
 चाँदनीचटकतापै चंदमुखीचाँदनीकोंचाँदनीकरतिजा-
 ति ॥ २०५ ॥ मालतीकेफूलनिसोंगुंदीबेनीधीर औरगुं-
 दीमागमोतिनसेदिखियनगंगसी ॥ सेतसारीमानोतन
 चंदनलगायेचंद हीरनकीजोतिअंगभईएकरंगसी ॥ फू-

लनकेभारभरोजातिग्रजचंदजपै मंदनंदगतिकोटिसोभा
 लियेसंगसी ॥ छीरऐसीचौदनीछठकिरहीचारांओर च-
 लीजातयालछीरनिधिकीतरंगसी ॥ २०६ ॥ कनकधरन
 बालनगनजटितभाल मोतिनकीमालउरसोहैभलीभाँति
 है ॥ चंदनचढ़ायेचारुचंदमुखीचौदनीसो निकसिअथा-
 सतेंसिधारीमुखकातिहै ॥ चूनरोधिचिचिरूपामसजिकैमु-
 मारखजू ठैपिनखसिसखलीअधिकसकुचातिहै ॥ चन्द्रमै
 लपेटिकैसमेटिकैनछप्रमानो दिवसकोप्रनामक्रियेरातिच
 लीजातिहै ॥ २०७ ॥ सजिग्रजचंदपैचलीयेमुखचंदजा-
 को चंदचौदनीकीदुतिमंदसीकरनिजात ॥ कहैपदमाकरं
 त्योसहजसुगंधहोके पुंजधनकुंजनमैकंजसेभरतजान ॥
 धरतिजहैईजहैपगहैसुप्यारीतहै मंजुलमजीठहैकैमा-
 ठसेदुरतजात ॥ हारनतेहैरेसेतसारीकोकिनारिनतें बा-
 रनतेंमुक्ताहजारनभरतजात ॥ २०८ ॥ चलीसेतअंध-
 रअभपनकैप्यारेपास तटनीकेपासनटनीकीकैलिसाला
 है ॥ चौदनीकेघीचसिकतासीफलकति सिकतामैछलकं-
 तिछथिपुलिनधिसालाहै ॥ पुलिनकेघीचघीचघेनोजूप-
 धीनकहै जलसीधिमलधिलसतिवरयालाहै ॥ जलकेसे
 घीचघीचघीचोसीबिलाकियत धीचिनकेघीचघीचमाल-
 तीकोमालाहै ॥ २०९ ॥

॥ अथ कृष्ण चंभिमारिका यथा ॥

तैसियैअंध्यारीरातिकारीघठाघहराति पुरघाईदहरा-
 तिसूक्तनसीनोहै ॥ स्यामकेमिलनकोणहिरिस्यामसारी

स्यामा अंगकरिलीन्होमृगमदसोरेंगीनोहै ॥ कारेपन्नग
 निकेफननिपगपौवड़ेदै आजुकीकराइंजीत्योकुहूकीक-
 रीनोहै ॥ तेरेअभिसारकोतमासोलखिनारीकहा साँचीसा
 चमाचरीनिसाचरीनकीनोहै ॥ २१० ॥ घूमिघूमिघनघटा
 लेतींभूमिचूमिचूमि झूमिझूमिलताउठैंझंझापीनझारीमै ॥
 मोरनकेसोरझींगुरनकेझनकघोर ठौरठौरदादुररटतनि-
 सिकारीमै ॥ शिग्रकहैऐसीसमैअसितसिंगारसाजि कीन्है
 प्रानप्यारीप्रानदीन्हैधनधारीमै ॥ चीखतचुरैलकीअनीन
 कोधनीनघीच जानिहैफनीनकेमनीनकीउजारीमै ॥ २११ ॥
 कारोघटादेखिकारीसारीओढ़िप्रानप्यारी चलीमृगनैनी
 बुद्धिगहरीनधाहिथी ॥ कविमकरंदत्योबुहारतींचुरैलैगैलै
 चमकैअकेलीयिज्जुज्योचिराकचाहिथी ॥ दसहूंदिसात
 घनघोरतनिसानधुनि बोलतमसानभारमारकैसराहिथी ॥
 मनिधारेनागपड़ेपौवड़ेबिछाड़कैयो सोहतिहैतेरेअभि-
 सारहूमैसाहिथी ॥ २१२ ॥ मोरमतधारेमड़ेनाचतपुकारे
 बड़ेभुजगविपारेअड़ेभनिनपसारेमै ॥ भनंतप्रथीनये
 नोधिहृदपनारेनारैतैसेतमभारेनभरैनघनकारैमै ॥ झं-
 झापीनवारेदेतमझातेंतरुनफारें संझातेंउलूककूंकयारे
 विकारैमै ॥ ऐसेघोरधारेघोरघोरनकेहारेजात जाति
 पियप्यारेपासआनदअखारैमै ॥ २१३ ॥ उमड़िधुमड़ि
 दिगमंडलनिमंडिरहे झूमिझूमियादरकुहूकीनिसिकारी
 मै ॥ अंगनमैकीनोमृगमदअह्वारागैतैसो आननउढ़ायली-
 न्होस्यामरंगसारीमै ॥ मतिरामसुकविमेचकरुचिराजिर-

हो आभरनसाजिमरकतमनिवारोमै ॥ मोहनछथीलेकों
 मिलनचलीऐसीछविछाँहैंलौंछथीलीछत्रिछाजतअँध्या-
 रोमै ॥ २१४ ॥ चलीप्रानप्यारीप्रानप्यारेपैप्रचीनवेनी नख
 सिखअसितसिंगारनसमेटीहै ॥ रयनअँधेरीस्यामसारी-
 चहुँफेरीतापै घेरोघनेअलिनअतरकैसीपेटीहै ॥ देहकी-
 दिपातिनछिपतिछिपेजाततम विपतित्रिचारेधनचारिन
 कोंभेटीहै ॥ देवकैसीधंधरीधमकिधायकुंजनमै मानोधू-
 मपुंजनमैलपटिलपेटीहै ॥ २१५ ॥ मृगमदलायमृगमदरं-
 गअंगकीन्हें ढँ।पिनखसिखदीन्हेंसारीस्यामभातिहै ॥ इ-
 न्दीबरकमलकेदलकीगरेमैमाल पहिरेबिसालनधनकक-
 हीजातिहै ॥ केसवगरायलीन्हेंआननछपाय मतिकोई
 लंखिजायरघुनाथयोसकातिहै ॥ भँ।वतेसोंमिलियेकोंऐ-
 सीघनिचलीप्यारी मानोदेहधारीकारीभादवकीरातिहै ॥
 २१६ ॥ घूँघूटकेघेरमैदयायोमुखजेरकरि दसनउजेरेकों
 दयायोरेदछदसों ॥ याजनूयिभूपनदयापंगतिमंदकरि
 महकदयाईयनकुंजनकीहृदसों ॥ आहटकोंसेयकदया-
 ऊँकौनभँ।तिकैसे घेखोभँ।रभीरनअँधेरोकरिनदसों ॥ ग-
 हनेजवाहिरकेदावेपटअंघरीमै संघरीअरातिदुतिदायीमृ-
 गमदसों ॥ २१७ ॥ कारोनभकारोनिनिसकारियँडरारीघ-
 टा ॥ झुकनथहतपौनआनदकोकन्दरी ॥ द्विजदेवसौधरी
 सलोनीसजिस्यामजूपै कीन्हेंअजिसारलखिपावसअन-
 न्दरी ॥ नागरीगुनागरीसुकैसेडरैरनिडर ॥ जकिसेगसोहैं
 येसहायक

स्यामा अंगकरिलीन्होमृगमदसोरंगीनोहै ॥ कारिपन्नग
 निकफततिपगपौवड़ेदै आजुकीकराईजीत्योकुहूकोक-
 रीनोहै ॥ तेरेअभिसारकोतमासोलखिनारीकहा साँचोसा
 चमांचरीनिसाचरीनकीनोहै ॥ २१० ॥ घूमिघूमिघनघटा
 लेतींभूमिचूमिचूमि झूमिझूमिलताउठैझंझापीनझारोमै ॥
 मोरनकेसोरझीगुरनकेझनकघोर ठौरठौरदादुररटतनि-
 सिकारीमै ॥ शिवकहैऐसीसमैअसितसिंगारसाजि कीन्है
 प्रानप्यारीप्रानदीन्हैयनवारीमै ॥ चीरतचुरैलकीअनीन
 कोथनीनघीच जानिहैफनीनकेमनीनकीउजारीमै ॥ २११ ॥
 कारीघटादेखिकारीसारीओढ़िप्रानप्यारी चलीमृगनैनी
 बुद्धिगहरीनथाहिथी ॥ कविमकरंदत्योबुहारतींचुरैलैगैलै
 चमकैअकेलीघिज्जुज्योचिराकचाहिथी ॥ दसहूंदिसान
 घनघोरतनिसानधुनि बोलतमसानमारमारकैसराहिथी ॥
 मनिवारेनागपड़ेपौवड़ेबिछाड़कैयो सोहतिहैतेरेअभि-
 सारहूमैसाहिथी ॥ २१२ ॥ मोरमतवारेमढ़ेनांचतपुकारे
 बड़े भुजगधिपारअड़ेमनिनपसारेमै ॥ अनंतप्रथीनये
 नोबिहंदपनरिनारे तैसेतमभारेनभरैनघनंकारेमै ॥ झं-
 झापीनवारेदेतमंझातेतरुनफारें संझातेउलूककूंकयारे
 धिकरारैमै ॥ ऐसेघोरघारेघोरघोरनकेहारेजात जाति
 पियप्यारेपासआनदअखारैमै ॥ २१३ ॥ उमड़िघुमंड़ि
 दिगमंडलनिमंड़िरहे झूमिझूमिबादरकुहूकीनिसिकारी
 मै ॥ अंगनमैकीनोमृगमदअङ्गरागतैसो आननउदायली-
 न्होस्यामरंगसारीमै ॥ मतिरामसुकविमेचकरुचिराजिर-

ही आभरनसाजिमरकतमनिशारीमै ॥ मोहनछथीलेकों
 मिलनचलीऐसीछवि छँहँलौछथीलीछविछाजतअँध्या-
 रीमै ॥ २१४ ॥ चलीप्रानप्यारीप्रानप्यारेपैप्रवीनवेनी-नख
 सिखअसितसिंगारनसमेटीहै ॥ रयनअँधेरीस्यामसारी-
 चहुँफेरीतापै घेरीघनेअलिनअतरकैसीपेटीहै ॥ देहकी-
 दिपातनछिपतिछिपेजाततम बिपतिबिचारेवनचारिन
 कोंमेटीहै ॥ देवकैसीधंधरीधमकिधायकुंजनमै मानोधू-
 मपुंजनमैलपटिलपेटीहै ॥ २१५ ॥ मृगमदलायमृगमदरं-
 गअंगकीन्हें टैंपिनखसिखदीन्हेंसारीस्यामभातिहै ॥ इ-
 न्दीबरकमलकेदलकीगरेमैमाल पहिरेविसालनधनकक-
 हीजातिहै ॥ केसवगरायलीन्हेंआननछपाय मतिकोई
 लंखिजायरघुनाथर्यासकातिहै ॥ भँवतेसोंमिलिबेकोंऐ-
 सीधनिचलीप्यारी मानोदेहधारीकारीभादवकीरातिहै ॥
 २१६ ॥ घूँघूटकेघेरमैदवायोमुखजेरकारि दसनउजेरेकों
 दयायोरदछदसों ॥ याजनूबिभूपनदयायेगतिमंदकरि
 महकदयाईधनकुंजनकीहृदसों ॥ आहटकोंसेथकदया-
 जंकीनभँवतिकैसे घेसोभीरभीरनअँधेरीकरिनदसों ॥ ग-
 हनेजवाहिरफेदायेपटअंशरीमै संशरीअरातिदुतिदावीमृ-
 गमदसों ॥ २१७ ॥ कारीनभकारीनिसिकारियँडरारीघ-
 टा झूकनवहतपीनआनदकोकन्दरी ॥ द्विजदेवसौवरी
 सलोनीसजिस्यामजूपै कीन्हेंअभिसारलखिपावसअन-
 न्दरी ॥ नागरीगुनागरीसुकैसेडरैरनिडर जाकेसंगसोहैं
 येसहायकअमन्दरी ॥ बाहनमनोरथउमाहैंसंगधारीस-

खी मैनमदसुभटमसालमुखचन्दरी ॥ २१८ ॥ स्यामसा-
रीसाजिप्रानप्यारीचलीमोहनपै जानिकैअंधेरीअतिसा-
वनकीरातिहै ॥ डोरीगहेंसौंधेकीमखीयोंधलीजातिपाछे
सोतोमिलीतमसोंजुझीनजानीजातिहै ॥ द्विजजूकहतवा-
तयसफहरातपट तहोतहैं।होतितनजोतिएहिभाँतिहै ॥
घनतेंगिरीहैवायुप्रसधरनीपैपरी ठौरठौरसाईछनछटां
छहरातिहै ॥ २१९ ॥

॥ अथ प्रवक्ष्यामि यमी सख्यन ॥

दो० । चाहतचलनयिदेसकों जिहिंभामिनिकोकंत ॥
ताहिप्रयत्स्यतमेयसी कहतसकलबुधिवंत ॥

॥ अथ सुधा प्रवक्ष्यामि यमी यथा ॥

कलनपरतकहूंललनचलनकह्यो विरहदवासांदेहद-
हकैदहकिदहकि ॥ लागीरहैहिलकीहलकसूख्योजातहि-
यो देखकहैगरोभखोआवतगहकिगहकि ॥ दीरघउसासैं
लैलैससिमुखीससकति सुलफसलोनीलंकलहकैलहकिल-
हकि॥मानतिनयरज्योसुयारिजसेनैननितें वारिकोप्रवाह
घह्योआवतग्रहकिवहकि ॥ २२० ॥ जादिनतेंचलिबेकीच
रचाचलाईतुम तादिनतेंवाकेपियाराईतनछाईहै ॥ कहैम
तिरामछोड़ेभूपनवसनपान सखिनसोंखेलनिहसनिधि-
सराईहै ॥ आईरितुसुरभिसुहाईमीतवाकेचित ऐसेमैचलो
तोलालरावरीबड़ाईहै ॥ सोवतिनरैनदिनरोवतिरहतिवा
ल यूक्तेतेंकहतिसुधिमाइकेकीआईहै॥२२१॥योलिहूनजा-
नेअयेगीनहाईकालिहीकी गोदनखिलाईहूँलडैतीयाप

मायकी ॥ सासुऔससुरकीपियारीहैंयाप्रबोनबेनी खेल-
 तिहैंसनिहीरहोहैचितचायकी ॥ जयतरुनाईआईअंग-
 निसवाईजाति तत्रपरदेसकीजवाईजदुरायकी ॥ कोमल
 कलीसीलाजसोचनमलीसीयह कैसेकैसहैगीश्रधाविरहव
 लायकी ॥ २२२ ॥ जादिनसोंसुन्योपियप्यारोपरदेसजैहै
 तादिनसोंऐसीदसादेहकीदहतिहै ॥ एहीरघुनाथआईब-
 दनपैछाई घरीघरीपियराईसरसाईकोलहतिहै ॥ सुधि
 पानीपानकीनऔरीखानपानकीन पठमनमानकीनला-
 लसागहतिहै ॥ घूंघुटमेइयरार्येलीचनलजानीबैठी गुन
 गौरिअिकलअिकानीसीरहतिहै ॥ २२३ ॥ सावनमैसुनीक
 हूंभावनकेचलिबेकी सखीसोंसलोनीकछूहोनीसीलखा-
 तिहै ॥ बोलतिनडोलतिनखोलतिपलकपानी पियैनपि-
 यार्येंसोखवार्येंकहाखातिहै ॥ गोकुलकहोयकीऊजायगु-
 रुलोगनिसें दुसहदुलहियाकीदसादरसातिहै ॥ मरीसी
 अिकलपरीधरीरहैकौनकीसें घरीघरीघरीऐसीबूढ़िबूढ़ि
 जातिहै ॥ २२४ ॥ भापैकछूलाजतेंनसामुहेंसखीनहूंसें
 राखेनैनसैनहोंमैमैनहोंकोसाखीहै ॥ जनतकधिंदगुरुलो-
 गनिकेपीठपाछे डीठिकोंअचायचितचिन्ताअभिलापी-
 है ॥ घूंघुटकीओटदैकैचितअैबदनचंद हितवैहियेकोसुंद-
 राईसुधाचाखीहै ॥ लालकोगमनसुनिआगमनगोरीभोरी
 चोरीचोरानजरचकोरीकरराखीहै ॥ २२५ ॥

॥ अथ मध्या प्रवक्ष्यमेषी यथा ॥

जादिनतेंआतसुनीनाहकेगमनवारी तादिनतेंसुधि-

खानपानकीधिसारीहै ॥ भनतकचिंदवैसिंगारआभरन
 सारे सखिनसोंखेलनिहसनिहारोन्यारीहै ॥ कज्जलक-
 लितकेटुगनहीमैऔंसूफिरै पैरीमनोमीननिकलिंदीधार
 कारीहै ॥ कौनसोंमरमकहैपरमलजीलीवाल मोनतप-
 सीलौंखरीभौनमैनिहारीहै ॥ २२६ ॥ प्यारेकेपयानकीपि-
 यारीसुनिधातलागी धानकंसमानसबअंगअंगताहिरी ॥
 कहंतयनैनयातसहतयनैनसोच रहननथीरजमिलनपरवा
 हिरी ॥ धिकलखनतभूमिलाजघनीघेरीघूम भूमनिदु-
 धीचचितवतचितचाहिरी ॥ यड़ीयड़ीऔंसखियनयड़ेयड़े
 औंसूयुन्द भरिभरिआग्रैपैनआवैढरियाहिरी ॥ २२७ ॥
 होंहूंहितकीकहततूहूंचितदैसमुक्ति बिनाप्रानपतिप्रानप-
 तितूनपायहै ॥ उनकेगमनकीन्हेतूनगौनकीन्होमूढ तोफि
 रकयजायहैरेजायहैरेजायहै ॥ जोपैतूनजानतजनायकै
 कहतितोहि विनमनभावनतूभूलिहूनभायहै ॥ जोपैऐसे
 पीयबिनतोहिवनिआइजीव तोपैऐसेजीवबिनमोहबनि
 आयहै ॥ २२८ ॥ बीतिहैनमासनेनआननिहौकतऔंसू
 योंकहिसयासप्यारेपोछोमुखनिजकर ॥ आंगनलौंआयो
 नीकैमंगलमनायो, कछूदुखजनिपायोहमआयहैंजुहरय-
 र ॥ फरकीहैंअथरनचाहैंनाकमोतीजये ऊतरुनआयोभरि
 आयोगहवरगर ॥ एतेपरआलिनरसालकेमगायधरे सु-
 ललितमौरनकेपल्लवकलसपर ॥ २२९ ॥ प्यारोपरदेसकों
 गनावैदिन- - - - - लखतलगनलीकखाच
 ॥ सुनन- - - - - प्रानगयोपिचलि

सरसकौंचेकौंचते ॥ सासुकहरोइतैआउरोचनरुचिरला-
उ अतिहीदुखितकरगहरोलाजपौंचते ॥ धारगयोचट-
किपटकनारियरगयो मुद्राओटिचौदीभईविरहकोऔं-
चते ॥ २३० ॥

॥ अथ प्रौढा प्रवक्ष्यामि यसी यथा ॥

जाहीजुहीमस्त्रिकाचमेलीमनमोदिनीकी कोमलक-
मोदिनीकीउपमाखरायकी ॥ कहैपदमाकरत्योंतारनधि-
चारनकों थिगरगुमाहअजगैयोगैरआयकी ॥ चूरकरि
चोखीचौदनीकीछाविछलकत पलकमैलीन्हीछीनआव
महतायकी ॥ पापरकहतपीयकापरपरैगीआज गरदगु-
लायकीअन्नाईआफतायकी ॥ २३१ ॥ मलयसमीरलागे
चलनसुगंधसीरे पथिकनकीन्हेपरदेसनतेंआवने ॥ मति-
रामसुकविसमूहनसुमनफले कीकिलमधुपलागेघोलनसु-
हावने ॥ आर्योहैवसंतभयेपत्न्यजलजजुत यामेलागेच-
लियेकीचरचाचलावने ॥ रावरीतियाकोंसरधरतरधरनि
किसलयजलजहूँहैंधारकबिछावने ॥ २३२ ॥ जोपैकहाँरहि-
येतोप्रभुताप्रगटहोति चलनकहाँतोहितहानिनाहींसह-
ने ॥ भावैजोकरहुतोउदासभावप्राननाथ साथहीचलों
सोकैसेलोकलाजवहने ॥ सोहँहैतिहारीनेकुसुनीऐहोप्रान
प्यारे चलेहीवनततोपैनाहींलाजरहने ॥ जैतियैसिखा-
वोसीखतुमहीसुजानपिय तुमहूँचलतजैसीजैसीमोहिक-
हने ॥ २३३ ॥ सौदिनकोमारगतहैंकोंयेगिमोगोविदा
प्यारेपदमाकरप्रभातरांतवीतेपर ॥ सोसुनिपियारीपिय

फालिहमधुराकोंजात मारिबेकोंकंसकोंचढेहैंतेहतेजपर ॥
 धरमैनप्रानरह्योघरलोंविपतिपरा मरुंकंसखिनगहिला-
 डडारोसेजपर ॥ २४२ ॥ कुटिलअक्रूरकूरवैरीकाहूजन-
 मको चेटकसोलाकैसिरलकैत्रजमूरिगो ॥ व्याकुलविहा-
 लयालयंसीधरलाव्यिना जानिपरीदीनखीनप्रेमरसकु-
 रिगो ॥ चरनउचायचितयतजंवेधामचढी चिन्तासोच
 कितभडंचैनऔनचूरिगो ॥ धारधारकहतिविसूरिनैनज
 लपूरि घूरिनाउडतआलीअवरयदूरिगो ॥ २४३ ॥

॥ चय गनिका प्रवत्ताप्रेममो यथा ॥

जयसोंमुनीहैप्रानप्यारोपरदेमजहै गाह्येकीकहाय-
 लीमुनेतेंचिरतिहै ॥ मरगजेशागेपाहरतिपरीपीरीजाति
 पानीपानभोजनकीभूलीसोधिरतिहै ॥ द्विजजूकहतगरो-
 भरेंघंठीमुनेभीन संगकेसमाजिनमैनेकनाधिरतिहै ॥ इय-
 रायेंनैनभूलीचैनसीथिकलभडं पीरनफकीरनकोंपूजति
 फिरतिहै ॥ २४४ ॥ नैननिसोंऔरकोंथिलोकिहींनिकान-
 नसों सुनिहींकथानकहूंप्रेमकेकहानकी ॥ करिहींनकै
 सेहूंमिंगारधिनचाहकरि कैसेकेमहींगीव्यधायहसुगहा-
 नकी ॥ जायकैयिदेममुधिभूलियोनमेगीप्यार धायनपठे-
 योपानीलिमिनिजपानकी ॥ आयनअवधदिनगानिय
 कींदीजैलाए आपनेगरकीमोहिमालमुकनानकी ॥ २४५ ॥
 मंजनकियोनमनअंजनदियोननैन जायकदिगोनपैपा-
 ननमारिकै ॥ मनिराममुकविनमोएछोहियैदी घंईप-
 हरेयमनहारमूपनउनारिकै ॥ ऐहैआजुपीयविद्यामागन

त्रिदेसकांयां नहकेजनाइवेकीचातुरीविचारिकै ॥ गारि
 राख्योचंदनघगारिराख्योघनसार आगमनसेजसरसिज-
 सांसैवारिकै ॥ २४६ ॥ हीरादेतलालदेतमातिनकीमा-
 लदेत उपमाचिसालदेतकंठलपटातुहै ॥ चलनकहतप्या-
 रोचलननदेतिप्यारी चलनअनाखेअंगअंगनलखातुहै ॥
 नैनकंजनासाकीरओठाधिभ्यभौहैंधनु भालइन्दुखंडको
 उमंडैअधिकातुहै ॥ वाकीसुंदराइमनवीध्योहैललाको
 अली हेरिहेरिमुखफेरिफेरिरहिजातुहै ॥ २४७ ॥ कीव
 कांतिदेसगौनआयेतिदाहोनमोसो रघुनाथप्यारेसुनो
 कहतिमैनेतिहौं ॥ मेरेडनलोगनिकोंकाहूसौपेजाहुलेइ
 इनकीखवारिसबनुहैसौपेदेतिहौं ॥ घंठोएकदोइतान-
 जाजबनीसुनिलेहु मेरेपैक्रपाकैअबहींसुधिसमेतिहौं ॥
 आयेफेरिसाहयकोंभिलोकैनमिलैंहैन जीवकोभरोसा-
 यातेआजुगायेलेतिहौं ॥ २४८ ॥

॥ अथ आगमिष्यतपतिका सच्छम ॥

देा ० । जासुपीवपरदेसतें आवनचहननिकेत ॥

आगमिष्यतपतिकासुग्रह धरनतद्विजकरिषेत ॥

॥ अथ सुधापागमिष्यतपतिका यथा ॥

लिखलीनीम्रेमपकैहेलिनकांपोथीउर सीखलीनीय-
 तियाँसहेलिनकेतंतकी ॥ प्रीतिगुहियानकीमइहैछलकी
 सीरोति सुनतसुहानलागीमदनमहंतकी ॥ अंगअंगरंग
 रंगयसनप्रवीनयेनी संगसंगमानारितुराजतयसंतकी ॥
 एकहीदिनामैजलधरसीउमडिआईजोधनकीउमगअवा-

रकतिकरचूरीकरकतिऔंगो तनीतरकतिऔंखिचौंईंफर-
 कतिहै ॥ २५३ ॥ घाईंखोरिखोरितेंवघाईंपियआगमकी
 सुनिसुनिकोरिकोरिमौवरेभरतिहै ॥ मोरिमोरिवदननि-
 हारतिविहारभूमि घोरिघोरिआनदघरीसीउघरतिहै ॥
 देवकरजोरिजोरिवदतसुरनिगुरुलोगनिकेलोरिलोरिपा-
 यनपरतिहै ॥ तोरितोरिमोतिनकेहारपूरैचौकनि निछा-
 वरिक्कोंछोरिछोरिभूपनघरतिहै ॥ २५४ ॥ आवनसुन्योहै
 मनभावनकोभामिनीसु औंखिनअनंदऔंसूठरकिठरकि
 उठै ॥ देवहृगदोऊदीरिजातद्वारदेहरीछीं केहरीसीसैंसैं
 खरीखरकिखरकिउठै ॥ टहलैकरतिटहलैनहाधपाय रंग
 महलैनिहारतनीतरकितरकिउठै ॥ सरकिसरकिसैंसैंदर-
 किदरकिऔंगी औंचकाउंघौंईंकुचफरकिफरकिउठै २५५
 यन्दयैधिचैधिहारोआरोमैकरीहौं किमितोरितोरिडा-
 रतहोसफलसमाजेपर ॥ फरकिफरकिफारिधसननिकरि
 जैहो रहिहीनखेहूंकहूंकरिकैइलाजेपर ॥ सोयनिधिमे
 रेहीनमेरोकहोमानतही लोटतोनजैहीप्रानप्यारेसुखसा-
 जेपर॥लाजेरहीहाहाकुचकंचुकीथिराजेरही उमगिमिलो-
 गेकहादौरिदरवाजेपर ॥ २५६ ॥ सारीतरअतरकिनारीद
 रदावनमै कंचुकीकुसुंभीकुचकुंजनप्रकासीहै ॥ हीरनके
 हारजरतारक्तारक्तमक्त आजुहीचियोगकोविपतिविधि
 नांसीहै ॥ घोलांतमंधुरमुखमृदुलप्रथोनघेनी कमउकला
 निधिनिदरिक्कीनीहैंसीहै ॥ जयतेंसुनोहीमनप्रायनकेआ
 धनकी तयतेंचिमलयालयनीचिमलासीहै ॥ २५७ ॥ घा

यस्यिलोक्रियोलबोलतिहैजोतिपीयों सनापतिकहेहीन
 आनदवधावने ॥ हियहुलसतफरकतवोंयेभुजकुच आ-
 जुमेरेअंगमोहिलागतसुहावने ॥ मोहिपरतीतइनसोचेस-
 गुननकोहै पूजिहैंसकलकाजजेतेमनभावने ॥ जानतिहीं
 आलीसुखदाईवनमाली मेरेजीवनअधारनिरधारघरआ
 यने ॥ २५८ ॥ आगमनकान्हआगमनकेवधायेसुनि छा-
 येमगफूलनिसुहायेथलथलके ॥ कहैपदमाकरस्योंआरती
 उतारिवेकों थारनमैदोपहीरहारनकेछलके ॥ कंचनकेक-
 लसभरायेभूरिपलनके तानेतुंगतोरनतहैं ॥ ईंफलाफलके ॥
 पौरिकेदुधारेतेंलगाइकेलिमांदिरलौं पदमिनिपौवडैपसा
 रेमखमलके ॥ २५९ ॥

॥ अथ परकीया आगमिथतपतिका यथा ॥
 आलीबहुवासरयितायेध्यानधरिधरि निनकोसुफ-
 लनैनदरसनपावेंगे ॥ होतहैंरीसगुनसुहावनेप्रभातहीतें
 अंगनमैअधिकविनोदसरसावेंगे ॥ सोमनाथहरेंहरेंयति-
 यौअनूठीकहि गूढ़विरहानलकीतपनिधुक्तावेंगे ॥ स-
 बहीतेंप्यारिप्रानप्राननतेंप्यारेपति पतिहूतेंप्यारेब्रजपति
 आजआवेंगे ॥ २६० ॥ फूलेभुजमूलअंगअंगजोतिजागि
 उठी कहाकहींधीरऔंखैंसोभाकोसनीनकी ॥ चाहिचा-
 हिरहैंसवैसुखठकुराइनकी औंखियौचकितहोतधरिकघ-
 नीनकी ॥ रोमतनउठेसवैआनिनएअंकुरसे खेदकनअंग
 छविछाईज्योमनीनकी ॥ आवतहैंलालसुनिएकैवेरही-
 नलागी करकचूरीनकीऔतरकतनीनकी ॥ २६१ ॥

॥ अथ भनिका आगमिष्यतपतिका यथा ॥

चंदनकपूरअरुकेसरिअगरचूर कुंकुमगुलाबमेदमृग-
मदगारोंगी ॥ मौलसिरीमालतीकेमाधवीकेहार भैंति
भैंतिकेललितचौरचुनिचुनिधारोंगी ॥ हरपाहियेकोवै-
हफरकिजनायतिहै आवतविदेसीपीयअंगनसमारोंगी ॥
अंकभरिप्यारेकोंनिसंकआजभेटतहो दैजुगउरोजमैअ-
मितमालमारोंगी ॥ २६२ ॥ काहूतेधनीनएकअदनीसीय-
स्तुमेरी बेरीज्योंभईहींबैठिआपनेअवनकी ॥ तातेहूनि-
रासरहीमसकिमसूसनिसों आजतोदिखातरीतिऔरहीठ-
वनकी ॥ कधिचिरजीयताकीमहिमाकहैंलौंकहैं ओ-
पतिहिपैमेआसपीतमअवनकी ॥ फरकतिऔंखियातेअ-
वसधनैगीवीर हीरकजटितवेसयालियैश्रवनकी ॥ २६३

॥ अथ आगतपतिका लक्षण ॥

दाहा । आयोजासुधिदेसते प्रानपियारोगेह ॥

आगतपतिकानायिका थरपतआनदमेह ॥

॥ अथ मध्या आगतपतिका यथा ॥

निकटसखीनंकनिपटमनहारेवैठी पैठीहियेसकुचउ-
मेठीमारमारिकै ॥ धेनीकथिताहीसमैआवनललाकोका-
हू धावनलौंवायकहयोद्वारतेपुकारिकै ॥ नाचिउठेचख
कुचऔंचकउचकिउठे उठीलचिपचिलाजनीचेनारिनारि-
कै ॥ जौलौंमिलैभुजनिपसारिकैमयाकैलोग तोलौंटारि
धुंधुटबिलोकैहगढारिकै ॥ २६४ ॥

॥ अथ मध्या आगतपतिका यथा ॥

आयोप्रानप्यारोपरदेसतेहरपसाथ लायोछायोदेह

प्रानप्यारीसुरजनकी ॥ दूरकरदीन्हीतिनएहोरघुनाथ
 विधा बसीहीयसाईजोविरहदुरजनकी ॥ रोमपुलकित
 कीन्हेआननउदैकोसोम तपनिमिटाईउरकीऔउरजन
 की ॥ घूँघटउघारिदेखिवेकीदेखुभटूआज औखिनसी
 घाजराखीलाजगुरजनकी ॥ २६५ ॥ आयपरदेसतेंसुना-
 ये।सखिनदीरि पौरिलीविछायेप्यारीपाँवहै चखनके ॥
 घेनीअँगनामैगुरुलोगलेलड़ावै फिरिफिरिगरलावैगन
 आवैजेसखनके ॥ सखिनसमीपतेंसकोचतेंनउचकति र-
 चैगृहकाजमिसिव्योतलौलखनके ॥ जेवरजराजमूँदिजे-
 वरकीओटव्हैकै योंबिलोकिआइपगनेवरनखनके ॥ २६६ ॥
 बहुतदिननतेंविछुरिमिल्योप्रानपति सुखसीतियाकीजां-
 तिअँगियाँदरकिदरकि ॥ छुवतछभीलीकोछभीलीतिर-
 छोहैंताकि सकुचसोंसेजहीमैसिमिटैसरकिसरकि ॥ दी-
 वेकीउराहनेअनेकपरसादकवि लोनीललनाकेओठउ-
 ठतफरकिफरकि ॥ गरोगहवरआयोमुखतेनयैनकढ़े पर
 घड़ेनैननितेंअँसुवाढरकिढरकि ॥ २६७ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा पागतपतिका यथा ॥

आयपरदेसतेंसुहायोमनभायोनाह अतुलउछाह
 छायोहरखितगोतभो ॥ अततकविंदओधिथीतेकेउराह-
 नेकी प्रातीचितचाहनेकीचकितसोतोतभो ॥ धारीधिरहा-
 नलकीप्यारीप्योनिहारीआनि मिलतमहारीऐसेसुखनि
 कोसोतभो ॥ रबिकीतपतकरीदिनकेछपतमानो कुमुदि-
 निऊपरकलानिधिउद्रोतभो ॥ २६८ ॥ गोकुलसुजानप्रा-

नप्यारी आयो पीरि पास , यत्र न सुधा से सुने सखि सुखे दान
सों ॥ पुलक सों पूरि भरी सात्विक सलिल करी औरै छवि छ-
लकत तन तनु तान सों ॥ बिरहा के बादर सों बाहिरै भयो है सु-
धा सिंधु सो घन भरो स्वेद घुंघुं कान सों ॥ मित्र को मिला प-
जानि मानि मित्र आनद सों मेरे जानि पूज्यो है मनो जमुक-
तान सों ॥ २६९ ॥ जव सों बिदे सरहे तय सों बिरह आय वि-
धा प्राण प्यारी जूको मन मानती दंड ॥ मो पै कही जाति है न
देह न खसि खऐ सी देह ही दिखाई जै सी वेलीय दली नई ॥ ए-
हो रघुनाथ प्राण प्यारे के आवत घर जानिये न रात ग्रीच कौ-
न ओप धीलई ॥ अरु नाई सहित मोटाई आहं अंगन मै ब-
ह पियराई दुधराई धौं कितै गई ॥ २७० ॥ अवधि दिवस देह दू-
धरी निहारि प्यारी काहू नोल तिया की पहिरि अँगिया लई ॥
कहै कवि दू लह पहिरत ही आयो नाह वरनी न जात मो पै जै-
सी छवि है भई ॥ सुख के समूह दहन दीसी उमगि आई सो-
भा सरसाई छिति छाई छवियो नई ॥ खुलि गई सीवन उक-
लि मुलकट गयो टूटि गई तनी औंगी टूक टूक व्है गई ॥ २७१ ॥
बालमधि देस बिरहा कुल बिहाल बाल बाधा घस घेदन वि-
धाता प्रतिकूल ते ॥ छिन छिन छीन होत छोलर के नीर मानो
अंग अंग अंतर अनंग बान हूले ते ॥ मोहन संगुन हेत बाघ स-
उदावत ही काहू कह्यो आयो कन देव अनकूले ते ॥ बाह की
उबाह भरे आधी चुरी कागुंरें आधी गई करक करक कर-
कूले ते ॥ २७२ ॥

॥ अथ परकीया नामत पतिका यथा ॥
बिरह बिभावरी मै कहै कवि रघुनाथ मुद्रित व्है रह्यो ल-

हयोमनमधुकरदं ॥ जोरकरिनापैक्तकक्तोरिड।ख्योअमि-
लाप पवनप्रकासकैदवनकीन्होमोहचंद ॥ देखुंदसुसखीप्रा-
नप्यारोजूकेंउरपर स्वेदकेनसीकराधिराजैमोनीलीअमंद ॥
मित्रकोदरसपाडपाडकैअनंदसाई फूलयोहियकमलअम-
लताकोमकरंद ॥ २७३ ॥ घोतेबहुवासरअचोतेमिलेमो-
हन बियोगीअंगधिरहकसांटीलगेतपतप ॥ जननधनेस
उठेलोपनललकिगह अधिकसनेहरहेभूमिभयजपजप ॥
सूनेखोरिसहजसकानेदुखोदुखोदेखि जातनयखानेमुखआ-
खरऊपपथप ॥ नीचोमुखनाचीनारिनीचेनैननाचेचितै
गरेगहवरेपरेऔसूभूमिपटपट ॥ २७४ ॥

॥ अथ समान्ता आगतपतिका यथा ॥

नागरविदेममैधितायबहुदोसआयो नागरिकेहियमै
हुलासनकीखानिकी ॥ कविमतिरामअंकभरतिमयंकम-
खी नेहैसरसायमतिमोहीसुखदानिकी ॥ सुधरनद्रोलि-
कैयतावतिहैसुधरन हीरनिधतावतिहैछविमुसकानिकी ॥
औखिनतेऔनदंकऔसूउनगाइप्यारो प्यारेकौदिवावति
सुरनिमुकतानिकी ॥ २७५ ॥ सुमनसोबेनीकरीमोतिनसो-
मागभरी बेंदीधरोभालसोभासोनवनैलिखते ॥ मनिन-
केआभूपनभूषेअंगअंगऐसी लसीहोतिहैसीउरवसीक्रीस
रिखते ॥ औरहौंकहौंलौंकहौंकधिरघुनाथछवि धिरह-
धरफटख्योएकद्वैनिमिपते ॥ कंतजूकोआगमयसंतकैसी
भयोदेखि फूलिगहीबेलीसीनवेलोनखसिखते ॥ २७६ ॥
आयोप्राप्यारोपरदेसीबहुदोसनिमै किगोमनभाययो

तोरहेराहियेचढ़िकै ॥ हियकेउमाहनेउराहनेअनेकदीन्हे
 धसरायेऔधिसुधिएजूचितबढ़िकै ॥ माननीधैरहोनेक
 प्रदिमुखमण्डलकीं हियेमनभावनकोमोहेरामोहमढ़िकै ॥
 तनजटिनमालहियेपहिराईलाल आईमनावालरतना-
 रतंकढ़िकै ॥ २७७ ॥ इतिश्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकथि
 ते प्रोपितपतिकादिपुकादसनायिका वर्णनोनामसप्तम
 मयूपः ॥ ७ ॥

॥ यथ उत्तमा सङ्गम ॥

हा । पियकेअनहितहूकिये हितनतजैजोशाम ॥

ताहीकोसयसुकवियों कहतउत्तमानाम ॥ यथा ॥
 आकृतिउरोजनकीरचिरहोउरपर ताहोठीरगचिरही
 नगुनमालहै ॥ भोरहोतभौवतोभुलानासोभवनआयो
 मनेपगनकीडगमगीवालहै ॥ मनतकाधन्दओठअ-
 पलनपोकैं दीन्हीयांललीकैलीकैजायककोभालहै ॥
 उडरभरेलालनीदभरभरे अपराधभरभरेतऊअड्डभर
 रहै ॥ १ ॥ प्रातऔगरातजमुहातहरिआयेप्यारी पैव-
 प्रछायेतऊद्वारऔगनाइंली ॥ इतेपत्रेएतेढीठदीठिदे
 नलागे इंठइंसेलागेयाहिसडंनरुखाइंली ॥ येनोकवि
 निधयारथीरीदैसैवारि कौतुकनिहारिनकरतचतुरा-
 ॥ लियेएकलाइंलीललावैऔरललनाकी ललनाके
 ननिहे तिनललाइंली ॥ २ ॥ रैनियागिआयेलाल-
 रसायेसाये पलंगविछायेआपमहलपधारिये ॥ ला

इंधीरघनसारमलयजसुकुमार पवनउदारश्रमस्वदनिर-
वारिये ॥ रींकिरीक्षमनमैपसीजिप्रमरहनिमै कोरिननि-
हारनिभरतअङ्कप्यारिये ॥ नीकेभरिपानदानवीरीलौति
लौगीभरि आसवंगुलाघनिछकावैरिक्तयारिये ॥ ३ ॥ पा
तीलिखीसुमुखिसयानपियगोविंदकें श्रीजुतसलोनेस्या
मसुखनिसनेरहौ ॥ कहैपदमाकरतिहारीछेमछिनछिन
चाहियतप्यारेमनमुदितघनेरहौ ॥ विनतीइतीहैहमेसहूह
मैतो निजपायनकीपूरीपरिचारिकागनेरहौ ॥ याहीमैमग
नमनमोहनहमारोमन लगनिलगालगिमैमगनघनेरहौ ४

(१५१)

॥ अथ मध्यमा सप्तम ॥

दोहा ॥ हितमैहितकरिमानहीं अनहितहितनहिंजाहि ॥
ताहिमध्यमानायिका कहतसुकविचितचाहि ॥ यथा ॥
आयोप्रानपतिरातअनतैबितायबैठी भौहनचढ़ाय
रैंगीसुन्दरसुहागकी ॥ बातनबनायपक्षोप्यारीकेचरन
आय छलसोंछिपायछैलछविरतिदागकी ॥ छूटिगयोमा-
नलागीआपहीसैंवारनकों खिसेकविमतिरामपेचपियपा-
गकी ॥ रिसहीकेऔंसूत्रयेआनदकेऔंखिनमे रोसकील-
लाईसोललाईअनुरागकी ॥ ५ ॥ आलीलालआयेरीअगा-
धअंपराधभरे चीन्हेनपरतचिन्हलीन्हेकाहूबामके ॥ जा
निकैलजोलेबोलढोलकंठकीलेमनो कहयोस्वामीआइये
मुकामीपरधामके ॥ प्यारेमनुहारिठानीजानिकैरुखीहीं
वानो बालहालभंदयोंनिकासेनिजनामके ॥ वेसरिसिकु-
रिहीसांवरेसुधारीवांकी पागपेचउकसेसुधारेवाहूस्या-

मके ॥ ६ ॥ मन्दमन्दउरपैअनन्दहोकेऔंसुनकी धरसीसु
 बुन्दैमुकनोनहीकंदानैसी ॥ कहैपदमाकरप्रपञ्चीपञ्चबा-
 नकेसु ध्याननकीमानपैपरीत्यांघोरघानंसी ॥ तार्ज। त्रिव-
 लोनपैधिराजीछात्रिछाजीसबै राजीरोमराजीकरिअमि-
 तउठानैसी ॥ सोहैंपेखिपीकोंविहसोहैंभयेदोऊहग सोहैं
 सुनिभौहैंगईउतरिकमानैसी ॥ ७ ॥

॥ अथ अथमा लच्छन ॥

दोहा ॥ ज्योंज्योंपियहितकोंकरै त्यांत्यंहोतिसरीस ॥
 तासोंअथमाकहनजे भरेसुमतिकेकोस ॥ यथा ॥
 आयोहैसथानपनगयोहैअथानतऊ नितउठिमानक-
 रित्रेकीटंअपकरी ॥ घरघरमाननीहैंमानतमनायोतेये ते-
 रीऐसीरीतिऔरकाहूमैनजकरी ॥ कथिमतिरामघोंपरूप
 घनस्यामलाल तेरीनैनकोरओरचाहैंइकठकरी ॥ हाहा
 कीनिहोरेहुं नहेरतहरिननीनी काहेकोंकरतहठहारिलकील
 करी ॥ ८ ॥ तेरेमुखधारनेभयोईरहैपीकोमन तुंनोकैसे
 मिसकरैधूँधुटकीकोरकी ॥ सुरपुरनरपुरनागपुरतांसीकी-
 नरभारतिहूकोरूपजोहियेनजोरकी ॥ यिनाअपराधते-
 रेपदंअरविन्दपर तूझ्योहिनकीनाकरैनन्दकेकिसोरकी ॥
 तेरीसुन्दराईसीपरसोभलकंत तोमैरासभलकतयहैओ-
 गुनहैओरकी ॥ ९ ॥ इतिश्रीसुहृदसुधाकरे द्विजकविकृते
 उत्तमादिधर्षनोनाम अष्टमंमयूषः ॥ ८ ॥

देहा । दानासुजसीसूरमा सुन्दररसिकरसग्य ॥
 भाग्यमानसुचिसुहृदअति सकलकलावरग्य ॥ यथा ॥
 लटकिचलानिमन्दहसनिलसनिचेम कमनिसुकटिपै
 पटूकाजरीदारेकी ॥ वनीवनमालमालतीकेफूलमाल मा-
 लसोहनित्रिसालमोनीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोमपेचपा
 गपेचसिरपेचतामै जगमगकैलगीरतनरतनारेकी ॥ तन
 मनयारोंसर्वकारजबिमारी एरीमूरतिनिहारोप्यारेपीतप
 टवारेकी ॥ १ ॥ जगीदारचीमैचुनीनकीचमकेचारु हा-
 रमुकताकेउरपायनलीं परसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटल
 पटानोकेटि दीपनिदमकदामिनीकादुतिदरमत ॥ जीव
 नकोफललैसुफललोचननिकरो याछाविनिहारिवेकोको-
 नजियतरसत ॥ आछमुरगावतवजावनमधुरचेनु कुञ्जन
 तेजावतरंसिकरसयरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकोसनकाही-
 सनिग्रनीग्रनकगैसनकरतिकनाकाछनीकमालकी सेयक
 भनतकटिकाछनीसांपीतपट पीतपटहूसांछयियादीगु-
 ज्जमालकी ॥ गुञ्जमालहूसांवनमालदोऊमालनसां अति
 छयियादीकानकुण्डलयिसालकी ॥ कुण्डलसांजुलफैजु-
 लुफसांमुकुटमंजु मुकुटसांयादीछयिमाहनगापालकी ॥ ३ ॥
 चन्दनसचन्द्रिकाचकोरपदकुञ्जनपै मेरोमनमंजुलमलि-
 न्दलकनपै ॥ धन्नीत्यांयिमाललाएअचरअभोलनपैया-
 रोंकरयिन्दनकुन्दकलिकनपै ॥ छयिपैछपाकरप्रभाक
 रप्रनापहीपै यागेंकीटिकामकमनीयकलकनपै ॥ पञ्ज

गोकुमार औ कदम्बिनो सवारवारों मदनमुरारी की अमो-
ल अलकन पै ॥ ४ ॥ गोकुल की गैल मन मोहन महारिनन्द क-
द्वोय नवें। सुरीय जावन को नारग हैं ॥ सवक भनत सुधियु-
धिसव भूलि गई फूलि गई कामलत दिखि वे को प्यारग हैं ॥
लाज कहा काज कहा गुरु की समाज कहा कमसमसाज कहा
धाड़मैन मारग हैं ॥ घेनी बन्द्यारग हैं श्री रोही गहारग हैं ज्यों
काव्यों न मारग हैं दार कर दारग हैं ॥ ५ ॥ पक्ष गीन गी हैं किं-
नारी हैं की सुरी हैं सौध आनि कै जुरा हैं हरि सो भाल खैलु कि लु-
कि ॥ सेवक बखानत मरद यन माहमाने। चञ्चल है चालन
रही हैं गीन रुकि रुकि ॥ आपनो चिराने देह गेह पति भूलि-
भूलि रति बहू बे पसों धिरा जै मनो दुकि दुकि ॥ छज्जनि छ-
ती नखिर की नसि दगीन बाल भक्त कैं भक्त रो न संभक्त राखन-
संभक्तु कि भक्तु कि ॥ ६ ॥

॥ यथ नायक भेद कथन ॥

दोहा । पति उपपनित्र सिकात्रे विधि नायक भेद सुजान ॥
विधिवत व्याहो होय जा पनिकरिता हि बखान ॥ यथा ॥
गिरिजा सोई मऐ मी भौ निप्रान प्यारी जू सो प्रान प्यारी
प्रीति निरवाहियो करत है ॥ भूपनय सनक्ता रिधारियो कर-
त घेनी गूँ दिवे को धार निग्वारियो करत है ॥ भनत कविन्द
सरसि जनै नी सुन्दरी की उरतें न ओलक उतारियो करत है ॥
रम्भारति हू को रूप वारियो करत मुख सुख मास मूह पै निहा-
रियो करत है ॥ ७ ॥

॥ यथ पति भेद वर्णन ॥

दोहा । सयक विनिजनि जयन्य मै चार भेद पतिकीन ॥

देहा । दानासुजसीसूरमा सुन्दररसिकरसग्य ॥

भाग्यमानसुचिसुहृद अति सकलकलावरग्य ॥ यथा ॥

लटकिचलानमन्दहसनिलसनिवेम कमनिसुकटिपै

पटूकाजरीद्वारेकी ॥ बनीयनमालमालतीकेफूलमाल मा-

लसोहनिघिसालमोनीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोमपेचपा

गपेचसिरपेचतामै जगमगकैलगीरतनरतनारेकी ॥ तन

मनवारीसर्वकारजयिनारी एरीमूरतिनिहारीप्यारेपीतप

टवारेकी ॥ १ ॥ जगीदारचीमैचुनीनकीधमकचारुहा-

रमुकताकेउपायनलोंपरसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटल-

पटानोकेटि दीपनिदमकदामिनीकीदुतिदरसत ॥ जीव

नकोफललैसुफललोचननिकरो याछविनिहारिवेकोको-

नजियतरसत ॥ आछमुरगायतयजावनमधुरयेनुकुञ्ज

सेओवतरभिकरसयरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकीसनकीही-

सनिघनीघनकगैसनकरतिकनाकाछनीकमालकीसेयक

भनतकटिकाछनीसांपीतपट पीतपटहूसांछयियादीगु-

ल्लमालकी ॥ गुल्लमालहूसांघनमालदोऊमालनसां अति

छयियादीकानकुण्डलयिसालकी ॥ कुण्डलसांजुलपैजु-

लुफसांमुकुटमंजु मुकुटसांयादीछयिगाहनगापादकी ॥ ३ ॥

चन्दनखचन्द्रिकाशकारपदकजूनपै मरामनमंजुलमनि

न्दललकनपै ॥ घन्सीत्योयिसाललालअधरअमोहनपैया-

रोंकरयिन्दन्तकुन्दकलिकनपै ॥ छयिपैछपाकरप्रताक

रप्रतापहीपै यागोंकोटिकामकमनीचकलकनपै ॥ पञ्च

गोकुमारजीकदम्बिनीसिंघारवारं मदनमुरारीकीअमो-
लअलकनपै ॥ ४ ॥ गोकुलकीगैलमनमोहनमहरिनन्दक-
द्योत्रमद्योसुरीवजायनकोनारगहें ॥ सत्रकभनंतसुधिवु-
धिसयभूलगई फूलिगईकामलतादेखिवेकोप्यारगहें ॥
लाजकहाकाजकहागुरुकोसमाजकहा कमसमसाजकहा
धाइंमैनमारगहें ॥ बेनीचन्द्यारगहेंचारीहीरहारगहें ज्यों
कान्योंममारगहेंदारकरदारगहें ॥ ५ ॥ पन्नगीनगीहैंकिं-
न्नरीहैंकीसुरीहैं सौधआनिकैजुरीहैंहरिसोभालखैलुकिलु-
कि ॥ सेवकवखानतमरदयनमाहमानो बज्रुलाहैचलित
रहीहैंगौनरुकिरुकि ॥ आपनोअिरानोदेहगेहपतिभूलि-
भूलि रनिग्रहुधेपसोंचिराजैमनोदुःकदुःकि ॥ छजनिछ-
तीनखिरकीनासदरीनयाल काकैभंभंतीनसांभंभंखन-
सांभुकिभुकि ॥ ६ ॥

॥ अथ नायक भेद कथन ॥

देहा । पतिउपपतित्रिसिकात्रेविधि नायकभेदसुजान ॥
विधितत्प्याहोहोयजो पतिकरिताहिग्रखान ॥ यथा ॥
गिरिजासांइंमऐमीभौतिप्रानप्यागीजुसां प्रानप्यारी
प्रीतिनिरवाहिद्योकरतहै ॥ भूपनयसनभारिधारिद्योकर-
त बेनीगूदिवेकोंधारनिगधारिद्योकरतहै ॥ भनतकचिन्द
सरसिजनैनीसुन्दरीको उरतैनओलकउतारिद्योकरतहै ॥
रम्भारतिहूकोरूपवारिद्योकरत मुखसुखमासमूहपैनिहा-
रिद्योकरतहै ॥ ७ ॥

॥ अथ पतिभेद वर्णन ॥

देहा । सत्रकविनिजनिजग्रन्थमै चारभेदपतिकोन ॥

देहा । दानासुजसीमूरमा सुन्दरगसिकरसग्य ॥

भाग्यमानसुचिसुहृदअति सकलकलावरग्य ॥ यथा ।

लटकचलानमन्दहमनिलमनित्रेम कननिसुकटिपै
पटूकाजरीदारेकी ॥ बनीधनमालमालनीकेफूलमाल मा-
लसोहनिविसालमेनीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोनपेचपा
गपेचसिरपेचतामै जगमर्गकैलगीरतनरतनारेकी ॥ तन
मनवारोंसर्वकारजबिमारी एरीमूरतिनिहारोप्यारेपीतप
टवारेकी ॥ १ ॥ जगोदारचीमैचुनीनकीचमकेचारहा-
रमुक्ताकेउरपायनलोंपरसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटल-
पटानेकटि दीपनिदमकदामिनीकीदुतिदरमत ॥ जीव
नकोफललैसुफललोचननिकरो याछविनिहारिवेकोको-
नजिग्रतरसत ॥ आछसुरगावतवजावनमधुरवेनुकुञ्ज
तेआवतरनिकरसवरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकीसनकाँही-
सनिधनीधनकरोसनकरतिकताकाछनीकमालकीसेयक
भनतकटिकाछनीसेंपीतपट पीतपटहूसेछविधादीगु-
लमालकी ॥ गुलमालहूसेधनमालदोऊमालनसें अनि-
छविधादीकानकुण्डलविसालकी ॥ कुण्डलसेंजुलफैजु-
लुफसेंमुकुटमंजु मुकुटसेंवादीछविमोहनगोपालकी ॥ ३ ॥
चन्दनखचन्द्रिकाचकारपदकजूनपै मेरोमनमेजुलमलि-
न्दलकनपै ॥ बन्सीत्योविसाललालअंधरअमोलनपैवा-
रोकुरविन्ददन्तकुन्दकलिकनपै ॥ छविपै७५
रप्रतापहीपै वार्गेकोटिकामकमनीयफलकनपै

गोकुमारऔरदुस्त्रिनीसवारवारों मदनमुरारीकीअमो-
लअलकनपै ॥ ४ ॥ गोकुलकीगैलमनमोहनमहरिनन्दक-
द्वोयमयें।सुरोयजायनकोंनारगहैं ॥ सेवकभनतंसुधियु-
धिसवभूलगई फूलिगईकामलतादेसिवेकोंप्यारगहैं ॥
लाजकहाकाजकहागुरुकोसमाजकहा कमसमसाजकहा
धाइंमैनमारगहैं ॥ येनीचन्दवारगहैंचारीहीगहारगहैं उग्यों
कांत्योसमारगहैंदारकरदारगहैं ॥ ५ ॥ पन्नगीनगीहैंकिं-
न्नरीहैंकीसुरीहैं सौधआनिकैजुराहैंहरिसोभाएखैलुकि-
लुकि ॥ सेवकयखानतमरदयनमाहमाने। चञ्चुलाहैचलित
रहीहैंगौरुकिरुकि ॥ आपनोचिरानेदेहगेहपातिभूलि-
भूलि रतिबहुयेपसोंचिराजैमनादुःखदुःख ॥ छज्जनिछ-
तीनखिरकीनसिदगीनयाल भक्तकैभक्तैरोनसांभक्तैखन-
सैभक्तुकिभक्तुकि ॥ ६ ॥

॥ अथ नायक प्रेद कथन ॥

देहा । पतिउपपतिअसिकात्रैविधि नायकभेदसुजान ॥
विधियतव्याहोहोयजा पतिकरिताहियखान ॥ यथा ॥
गिरिजासोइंमऐमीभौनिप्रानप्यागीजसो। मानप्यारी
प्रीतिनिराहियोकस्तहै ॥ भूपनयसनभक्तारिधारिघोकर-
न येनीगूँदिवेकोंचारनिग्वारिघोकरतहै ॥ भनतकवि
उरसिजनैनीसुन्दरीकी उरतैनजोलकउता।रिघोकरतहै
भभारतिहूकोरूपवारिघोकरत मुखसखमासमनै

पलेपछायपीनपटमै ॥ जिनजिनजातीहिअमिष्टिकैप्रयो
 नयेना तितहीपथारैलखिधरैछविचटमै ॥ नचतेत्रजसैं
 यरंकरिहैसचगोपीमान जचतेवैमांयरेभरीहैयनीचटमै
 देखिपदमाकरगुधिंदकोअनंदनरी आठंसजिसैंकहाते
 हरखिहिलोमै ॥ एहरिहमरेइंहमारेचलोक्कूनकोहम
 फाहिंडारनिक्कलानिकेक्ककोरेमै ॥ याधिअथधूनहेसुवैत
 सुनिधनमाला मृदुमुसकायकहयोनेहकेनिहोमै ॥ का-
 लिचलिक्कलैंगनिहारैइनिहागीसोह आजनुमक्कूचोहैयाह-
 मारेहोहिंडारेमै ॥ १६ ॥

॥ अथ छंद सखन ॥

दोहा ॥ दोषनमानैआपनो गनैनहींअपमान ॥
 सिद्धिमनोरथकीचहै धूपसुकरहुँचखान ॥ यथा ॥
 वरज्योनमानतहीयारवारवरज्योमै कौनकाजमरेइ-
 तभीननाहिआइये ॥ लाजकोनलेमजगहैंसीकोनहुमन
 हंसतहंसतआनधाननधनाइये ॥ कथिमतिरामनितउठि
 फलकानिकरो नितक्कूठोसैंहैंकगेनितधिसराइये ॥ नाके
 पंगलागोनिमिजागिजाकेउरलागो मेरेपंगलागिउंआ-
 गिनलगाइये ॥ १७ ॥ धिरसवचनकहेंसुननेप्रधानमहैवे-
 डंफिरपैंडं गहैडरनढखोरहै ॥ बांधेकरंहारनसोमंगेफूल
 मालनसो मजनीप्रतारनकेभारनभंखोरहै ॥ लाजकोन-
 लेसअनीनकोअनेसनाहीं कहतमनेमनअंरधनिधंखार
 है ॥ मोइगडंनीदमैनिहारसपनेमैजांगो देख्योपरजंकपा
 है ॥ १८ ॥

दे० । ऊपरतेहितकीकहै अनाहिनकरैनिदान ॥

निपटकपटकोखानितेहिं सठकरैकरैब्रखान ॥ यथा ॥

मैनताकछूनअपराधकखोप्रानप्यारी मानकरिरही-
योहोकाहेकोअरसते ॥ लोचनचकोरमेरेसीतलहैहात तेरे
अहनकपोलमुखचंदकेदरसते ॥ कहैमतिगमउठिआगुड-
रमेरेकिन करतकठोरमनअंसुआयरसते ॥ कोपतेकटुक
घोलबोलतिहैतजमाको मांठेहोतअधरसुधारसपरसते १९
माहि एकचुंयनउधारदैपियारीतको दूनाकरिमासनत-
मस्तुफालखायलै ॥ तनमनधनप्रानसकलजयाहिरजुजा-
मिनप्रनायमकफूलकरवायलै ॥ जहांछनमांगिहैचुकाइहो
बिलंबयिन छायाकुचसंभसतसपथकगयलै ॥ यामेतेरीहा-
नितेकुदीसतनकाहूभाति करउपकारमांहमरतजियाय
लै ॥ २० ॥ कंकिकंकिकिद्वारछिनउक्तकिकियारलागै माह-
सकैपैठनअगारअलघेलीके ॥ येनीकंकिछिनपीछेघायेंदा-
हिनीघाछिन् छिगिआगेआवैओटनसुकमहेलीके ॥ धा-
तनप्रनावैयहीयेरलीलडाग्रदिग आवैहरेहरेदोरिअंखि-
योनयेलीके ॥ संकुचिमलोनीयहरावैउपोउपोरतित्योत्यो
ठहरावैसुरतिमयोनसोपहेलीके ॥ २१ ॥ मौरभंसुमनया-
रेहारपहिरायेआनि थारंसुगफावैमनमोहैयोहठालीको ॥
पटुत्तारुपटकीअनेकप्रगटतनाहिं चाहिमैनचोपैचिनजी-
लीचटकीलीको ॥ अंजनसोदेखैदृगदंनत्रिमेषमांग भ-
ननकविन्दपेखैप्रेमपिकजीलीको ॥ ठालीकसीकिंकिनीहै

यलेपछायपीनपटमै ॥ जितजिनजातीहिलमिलिकैप्रथी
 नवेनी तितहीपधारैलखिधरैछविचटमै ॥ नयनेत्रजमै
 चरकरैहैसंवगोपीमान जयतेवैमाथरैभरीहैयनीचटमै
 देखिपदमाकरगुंथिंदकोअनंदनरी ओहंसजिसौकहाते
 हरखिहिलोमै ॥ एहरिहमारेइहमारेचलोक्कलनकाहिम
 कहिंडारनिक्कलानिकेक्ककोरेमै ॥ याविधिप्रयूनकेसुवैत
 सुनिधनमाला मृदुमुसकायकहोनेहंकनिहोमै ॥ का
 लिचलिक्कलैंगनिहारेइनिहागीसांह आजनुमक्कलोहोराह
 मारेहोहिंडारेमै ॥ १६ ॥

॥ यव एष्ट नखन ॥

दोहा ॥ दोपनमानैआपनो गनैनहोअपमान ॥
 सिद्धिमनोरथकीचहै धरज्योनमानतहीवार
 नभोननाहिआइये ॥ जयतुहै ॥ रावरानासुकायसबि
 हंसतहैंसतआनयात ॥ लकपोलछविदेखिजीजियतुहै ॥
 कलकानिक ॥ परासिअलवेली ऐसीनायकानवेलीसा
 सनहकीजियतुहै ॥ २४ ॥ कंकनकरनकलकिंकिनीकलि
 तकटि कंचनकैगूराकुचकेसकारीजामिनी ॥ काननकर
 नफूलकोमलकपोलकंठ कंधुककपोतकीरकोकिलकलामि
 नी ॥ कसगिंसुमफलधौतकीकछुनकैति कोयिदप्रथी
 नवेनीकरियरगामिनी ॥ कोककागिकासीकिंनरीनकन्य
 कासी किलकामकीकलामीकमलासीअहैकामिनी ॥ २५ ॥

सैंगारसाजि जातिरहीका-

॥ फहीकैयिद्विजतेरेआननकोऐ-

दे ० । ऊपरतेहितकीकहै अनाहतकरैनिदान ॥

निपटकपटकोखानितेहिं सठकरिकरैवखान ॥ यथा ॥

मैनतो कछून अपराध कस्यो प्रानप्यारी मान करि रही-
यो ही कहै को अरसते ॥ लोचन चकोर मेरे सीतल है है । त तेरे
अहन कपोल मुख चंद्र के दरसते ॥ कहै मतिगम उठि लागु उ-
र मेरे किने करत कठोर मन अँसु ब्राधरसते ॥ को पते कटुक
बोल बोलति है तज मे को माँटे होत अधर सुधार सपरसते १९
माहि एक चुंबन उधार दै पियारी त को दूना करि मो सनत-
मस्तु काल खोयलै ॥ तन मन धन प्रान सकल जया हिरजू जा-
मिन गता यमक फूल करवायलै ॥ जहाँ छन मार्ग है चुकाइ ही

जोर है ॥ २० ॥ दापत आजु न सपथ क गयलै ॥ घाम तेरी हा-
खि हनु मान गयो पास परहारि पकार मोहि मरत जियाय
सेमै ॥ हाल गुन जालन ज करिकें ॥ किकि बार लागै माह-
रिया लनैन नैन के मवासेमै ॥ २८ ॥ भूचिन पीछे बाँधे दा-
कत बार बार भये मतवारे अहो कौन मद चाख्यो है ॥ २५ ॥
नरो के कछू कहत नैन नैन ऐन नैन धान को करे रो पधना-
ख्यो है ॥ कहै हनुमान प्रानप्यारी के अजय नैन गजध गुजा-
रि कटा कीयो अभिलाख्यो है ॥ बासों ने कुनिक सिपटा सो क-
रिदुरि जात खासो जिन घूँघुट मवा सो करिराख्यो है ॥ २९ ॥
रजित महा वर सों कंज से चरन मंजु जे हरि बजनि अजी कान
नज गोर है ॥ अंचर उचौ है कुच सकुचि निचौ है लची कंचन सी
देव दुति देह उम गोर है ॥ भूलति न भौवती की भौति रति रभा

कैसी सुधीसीसुधानिधिसीसांधेसांपगीरहे ॥ औंखिन
 नदेखांतोलीं औंखिनलगतपल बर्दाबर्दा औंखिनकी औं-
 खिनलगीरहे ॥ ३० ॥ कुंजनकेकोरेंमनकेलंगसबोरेंयाग
 तालनकेओरेंवालआवतिहैनितकों ॥ सुधामीनिचोरैक-
 लंबोलतनिहोरैनेक सखिनकेहोरैदेयडोलैजिततिनकों ॥
 थोरैथोरैजीवनबिथोरैदेतरूपरासि गोरेमहँ मोरैहँ सजो-
 रैलैनिहितकों ॥ तारैलैतरतिदुतिमारैलैतिमतिगति छो-
 रैलैतिछोकजाजचोरैलैतिचितकों ॥ ३१ ॥ सोनैरंगचीर-
 कीसरीरकीदमकधीर भोजीनीरचीरलगेस्वाधीसुरजन-
 की ॥ सेयकअपारछविदेखेंयेकरारभयो छूटेयारहारत्रा-
 समेटोगुरुजनकी ॥ कछुलरिकाईकछुआईनरुनाई कछु
 सकुचभुराईधनिताईपुरजनकी ॥ मीनमृगदेछेदुगपोछेकै
 कनाछेआजु कोछेमनकीन्होयालओछेउरजनकी ॥ ३२ ॥
 देखीधिज्जुऔरिकैअनंगकीकिसै।रिकै नसेवकसैं थोरि-
 कैसुहावभायमोरिकै ॥ भूपनभक्तोरिकैसुअंचलयटोरि-
 कै कछुककटिलोरिकैचलोकचितचोरिकै ॥ घूघुटकीफो-
 रिकैनुकीलेनैनजोरिकै सुवेसरिमरोरिकैसुधासेयैनघो-
 रिकै ॥ साहँकरिकारिकैसखीनसांनिहोरिकै गइरीय-
 हिंखारिकैलजोलीमुखमोरिकै ॥ ३३ ॥ पावककीज्वाल
 तौजुडानीडीठियोनहाल चंचलाउतालक्योथिरानीठीक
 ठनमै ॥ सेयकरतीनहैरतीनसातुलनिसम मायाकीमती
 नकीनजायाघन्यचैनमै ॥ कोनकीहैकीनहंकहँ।तेआई
 कीनभैं।ति कैसी करीकीरुहैमृपामीलगैयैनमै ॥ घूघुटकी

सैनर्ममचीरोमहामैनमै गइं रानिजऐनमैकिमेरंदोजनैन
 मै ॥ ३४ ॥ खरीखंडनीमरेरंगोलीरंगरावटीमै तकिता-
 कीओरछकिरहेयानदनंदहै ॥ कालिदासयोचिनंदरीचि-
 निहूँकटकनि छविकीमरोचिनकीफलकअमन्दहै ॥ लो-
 गदेखिअरमैकहाथोइहिंघरमै सुगमग्याजगमग्याजा-
 तिनकोकन्दहै ॥ लालनकीमालहैकिज्वालनकीजालहै-
 किं चामीकरचपलाकोरधिहैकिचन्दहै ॥ ३५ ॥ ओखेकरि
 कोरिकफरोखेकेनजीक लोकाकोकठहराई घहराई भंगस-
 खियनि ॥ इन्दुसोउद्यनसुधाधिंदुनिचुवनमुख सुन्दरिदि-
 खायोमन्दहंसीकीकनखियनि ॥ मोनीलटकनकीउतंस
 चुभ्योचितचाहै हंसउड़िचुन्यामुपसारिप्रेमपखियनि ॥
 पोखीदेवमदननतोपीअंसुवनवह दोखीदिखीसाधकी
 अनेखीप्यासअंखियनि ॥ ३६ ॥ सितासितसंगमकेथीचिं-
 नकेथीचथीच जाग्रकमरीचिनकीछविसरसातिहै ॥ कहै
 कालिदासभीनीसारीजाकीपीठपर सधनकोदीठिसंगलि-
 येलपंटातिहै ॥ जाकेअंगसंगवासधसिऐसेकसिरहे जमुन
 सुगंगजूकोरंगलियेजातिहै ॥ कीऊमृगनैनीएकधेनीमेन-
 हान संचनैननिकीश्रेनीजाकीधेनीमेनहातिहै ॥ ३७ ॥
 चन्दमडंचंपकजरायंजरकसमडं आवतगलीकिंताकिंकमं-
 लमडंभडं ॥ कालिदासमोदमेदसौदऔचिनैनमद महिला
 केरंगभडंयसुधासुधामडं ॥ जायनवनकमडंमदनछकाइं
 लरिकाइंकांनिकाइंदेखिलगनलगीनडं ॥ कैलिकोहिंतेकर
 गोपालमोहितैकर सखीकोदुचितैकरचितैकरचलोगडं ॥ ३८

सुंदरसरससबअंगनिसिं गारसाजे सहजसुभावनिसनेह-
 कछुकैगई ॥ कीन्हेमतिरामबिहैसोहैंसेकपोलगोल वो-
 लनअमोलइतनोईदुखदैगई ॥ मेरेललचोहैंचाहिचलमु-
 खफेरिकै लजोहैंललचोहैंचारुचखनिचितैगई ॥ निपट
 निकटव्हैकैकपटछुवायअंग लायकैसीलपटलपेटमनलै-
 गई ॥ ३९ ॥ लाजभरीआलसगुमानभरीदूनादूनं मद-
 भरीजोधनकोछकनछकातीहै ॥ झोंईभरेझीनेमुखऔ-
 षरभुंकातीकितो मोहनअछेहनेहमेहधरसातीहै ॥ ख-
 जनजलजमृगमीनदेखिदीनहोत तीछनमनोजयानहूतै
 अधिकातीहै ॥ दोऊथीचव्हैकैपरीकाजरकैरखैं तऊनै
 ननकीनोकैभोकेफौकैकहिजानीहै ॥ ४० ॥ नखनयिलोक-
 तहीनखनयितीतभयो औंगुरीनपेखिकछूआदनाकराई
 मै ॥ गुलुफनघायमोरघानहूंमफ्फाय पोंडुरीनपरजायजु-
 खोजधनभोराईमै ॥ भीनकधिकईघाघरेहूमैधुमरिआ-
 यो नेकहूमुखानलंकलचकलराईमै ॥ लूटिगयोलातघी
 लजीलोमनमेरोहाय उन्नतउरोजधराधरकीतराईमै ॥ ४१
 जागीपलैगार्तेकढीनीनिधिनिगोलआनि करधरिआली
 केकैघापैयहरतिहै ॥ अंगअरसोहैंसरकाहैंसीव्हैरहीभी
 हैं सरकोहैंभारीदारीचारीसीकरनिहै ॥ लोचनलजालेगु-
 रुजनकैसकीचनतै मोचनसिद्धीकैमंगपगनधरतिहै ॥ प्या-
 रीकीउनीदीवाअटारीउतरनिआजु चढ़रहीथितनउता-
 रीउतरनिहै ॥ ४२ ॥ अलफनिदारीपलपलफनिपोंछतिहै फ-
 लफनिपीककीकपीलसोहरतिहै ॥ हारघारछोरतिथपा-

घतिछूतनहूँकों बसनसुधारिमुखेधूँघुटकरतिहै ॥ बाज-
 नीधनकगहनेकीधिनबाजनीकै सेवकसिंहीनपगंधीरेहो-
 धरतिहै ॥ प्यारीकीलजीलीयाअठारीउतरनिआंजु चढ़र-
 हीचितनउतारीउतरतिहै ॥ ४३ ॥ बिकसतजातजाकोआरि-
 जघदनघेस बिबिधयिनोदवारिभावनभरतिहै ॥ निरखि-
 नखच्छतउरोजनपैलागे परिहासकेसकोचनिचलतिपछ-
 रतिहै ॥ कहैहनुमानमनभावनिसुलोचनीके जागेकीखु-
 मारीअंखियानधिहरतिहै ॥ प्यारीकीउनीदीयाअठारी
 उतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारीउतरतिहै ॥ ४४ ॥
 तजिरतिभौनचलीभौनगुरुजनपास छुटंकेंसपासतेंसुधास-
 थगरतिहै ॥ महनमनोजकेमजानमरगजीमंजु निखिलन-
 बेलिनकीआभानिदरतिहै ॥ कहैहनुमानपगपगपैअरत-
 जातिभुजउलटाययोंजह्लातिअकरतिहै ॥ प्यारीकीउनी-
 दीयाअठारीउतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारीउतरति-
 है ॥ ४५ ॥ चलीमातहीतमंदमोकलगपंदसम मनमधऔ-
 दूजऊपगअखरतिहै ॥ द्विजकहैलाजअंकुसनकेदांघेपाय
 पायलफनकारबैठिबैठिपकरतिहै ॥ ननदजिठानीबोल
 नेजनकेहरकिये नीचियैनजरपगसीढ़ीपैधरतिहै ॥ प्यारि-
 कीकीउनीदीयाअठारीउतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारि-
 रीउतरतिहै ॥ ४६ ॥

यद्यपि वैसिक लेखन ॥ ॥ यद्यपि वैसिक लेखन ॥ ॥
 दाहा । धनमनहरनीनारसी जोराखतनितप्रोति ॥ ॥
 वैसिकतासांकहनहैं सकलसुकविइहिगीति ॥ यथा ॥

जानीनपरति एहांकविरघुनाथयह वारबधूआहुंठोन-
 हाइंकीनेराजसां ॥ आवितहीयाकेवाकेदेखतहीवसजया
 ऐसागुजरेटो आपछुट्योमयकाजसां ॥ आपनेरहेसादि-
 योवापदादेहूकादियो धनउपज्योनादियोमिलकैसमा-
 जसां ॥ रह्योएकवाजीभयेराजीसोऊदैहफेर हाइगोस-
 माजीआपवाजिएहेलाजसां ॥ ४७ ॥ आगमनचाहिव-
 कचौधिरहेयातवैजय जगरमगरआभरनकैनगनभो ॥
 जोवनकेमंदरूपमदवाकेमैनमद छकिमतवारे जैसेधकित
 पगनभो ॥ कहैमतिरामलोलोचनधिमालवाके तोछन
 कटाच्छुनिसोछेदिकैलगनभो ॥ वारवारभूमिधारबधूधार
 भौरनिमै मागकीमुकनमालगदूमैमगनभो ॥ ४८ ॥
 दोहा ॥ औरहुतीनप्रकारके नायकभेदखान ॥
 मानीचचनचतुगरु क्रियाचतुरपुनिजान ॥
 दोहा ॥ जोपियनियतेकरनहै अपनेजियअभिमान ॥
 मानीतासोकहनहै कथिकोधिदमनिमान ॥ यथा ॥
 वहेसुधिकरोजोनयनलिन, केदलनि सेजसीरेसीरसर-
 सिजनधिछाइये ॥ अमलउसीरपूरचन्दनगुलाधनीर क-
 ह्वालगिउरउपचारनिगनाइये ॥ छलबलवाकोमैमि काय
 कोजवाचनय कविमतिरामअयसाहेशीजनाइये ॥ ऐसी
 मनभायोमनभावनगुमानहैजु प्यारीकेमनायवै भोनुमकी
 मनाइये ॥ ४९ ॥ कुलिसतेकठिनमनकमठकठोरहूते आ-
 हनितेअधिकसुनतेरीवानिये ॥ चैनचित्तमानीरैनअन
 तेविहानी प्रानदइहैदिखाईकयिसोभमसोनिये ॥ रुखे

रुखेरुखभौंहभावहीनरूपप्रेम नेमर्तेंविमुखगुनंगरवानि-
धानिये ॥ अमलकमललालहालहातसन्ध्याकाल लोचन
विसालकरदेख्योपतिमानिये ॥ ५० ॥

॥ यद्य यचनचतुर सच्छन ॥

दोहा । जोनिजयचननितेंकरै चतुराईकीहेत ॥
यचनचतुरताकहंसवै कविकोविदकहिदेन ॥ यथा ॥
दूसरेकीयातसुनिपरतनऐसीजहां कोकिलफपातन
कीधुनिसरसानिहै ॥ छाइरहेजहँदुमवेलिनसोंमिलि मं-
तिरामअलिकुलनिअँध्यारीअधिकातिहै ॥ नखनसेफू-
लिरहेफूलनकेपुञ्जघन कुञ्जनमेंशाननहँदिनहूमैरातिहै ॥
तायनकीघाटकोऊसङ्गनसहेलीकहि कैसैतूअकलीदधिबे
चनकोजातिहै ॥ ५१ ॥ नदीनीरधारेजहँनारखारेभारे
जहँ रातिकैअँध्यारेजहँकासोहातगीनहै ॥ फिरैतूअ-
कलीअलबेलीतहँनेहवस केलीहेतुहेलीजहँभूतनकोसो-
नहै ॥ भनंतकविन्दकोऊसङ्गनसहेलीभेली गुननगहेली
नहिँसंकंधारेमोनहै ॥ नाठिहूनहेतुजहँदीठिकोनिबेरो
एरी नेरोतहँसुन्दरिसहायतरोकौनहै ॥ ५२ ॥

॥ यद्य क्रियाचतुर सच्छन ॥

दोहा । करैक्रियामै चतुरी हरसङ्गमयनौर ॥

क्रियाचतुरतिहिंसोकहँ कविकविदनिरमौर ॥ यथा ॥
घंठीगुरुलोगनकेपासप्रानप्यारीजहँ प्यासमिसुआ-
योतहँ प्यारोरसिकाईहै ॥ छतियातेछैलकोंनछोछो
छोलीभावै रातिकेसुरतिकीसुरतिउरआइहै ॥ भनंत

कथिन्दपेखिनारैगीउलाकेकर बालहूउचितवागीकीन्ही
 चतुरांइहे ॥ हायलैकैहरदीयदनमेछुवाइफेरि आंगुरीहि
 येसोंजोरिकेसमैमियाइहे ॥ ५३ ॥ उतसोंसखानसजिआ
 येनदलालहूतै राधिकारसालआइइन्दमैसहेलीके ॥ खे-
 लैफागुअतिअनुरागसोंउमंगतेवै गार्वैमनभार्वैतहैं। यच-
 नअमेलीके ॥ मारीपिचकारीमंजुमुखपैठिहारीताके दा-
 धनयचाइकैअघोरफेलाफेलाके ॥ जीलोंनिजनैननिंसीं
 रंगकोंनियारैप्यारी सौलोंछैलछमजंकपोलअलबेलीके ॥

॥ यद्य प्रोपितनायक सख्यन ॥

दो० । जोनायकपरदेसमै प्रियायनाअकुलाय ।

ताकोंप्रोपितकहतहैं कथिपण्डितसमुदाय ॥ यथा॥

बाकीजनिभोगतेंजनतयहछूटैभोग सेवकजुयामैसी

बलितयहबारेकी ॥ बहतकैऔरनअरन्यनदियाजोना-

रे यहघरवारैजसीमातुपितुमारैकी ॥ जोहिजाकेजुलु-

मजवालजियजानिजानि हरिहरहेतुमयोबालतनधारे-

को ॥ सधनैविहायकैहनतनिधनेकों- कियोकीनेनयेवि-

धिनेवियोगबटपारेको ॥ ५५ ॥ दईदईदईतीगईसोओधि

आजुमोहि दईक्योंनमनकोंदईजोगतिजचिहै ॥ जगतज-

वालकोतयालकैहवालेमैतो प्यालेसोचविपकैपियेहीरहरी

पचिहै ॥ कहाकरोकैसीकरोकैसीकहींकासोंकहीं कैसेकहीं

सेवकविपादहिनीमचिहै ॥ नागिनितेंजोकबौदवागि-

नितेंबोचीसोव कैसेविरहागिनिअभागिनितेंबचिहै ॥ ५६ ॥

परीतेरेहीसुमुखसुधाधरकीदुतिजापै- लालितकियोरीब-

घनामृतअगाधासों ॥ सेवकत्योतरेहीउरीजसुधाकुंभनि
 की परसिप्रसेदपूरपूरिमनसाधासों ॥ एरेमंदपीनगोन
 करिजैयेयेगि ऐसेहोसुनैयेगोसनेसमेरोराधासों ॥ तेरी
 गुहीगरजोनहोतीधनमाल तोवधायतोकीमोहिधिरहा-
 नलकीयाधासों ॥ ५७ ॥ प्यारपगेथचनपियूपपानकरि
 करि उमगिउमगिहियआनदयिसेखिहैं ॥ कयिमतिराम
 सनतपनिधुभायजैहैं तयनिजजनमसफलकरिलेखिहैं ॥
 हीतलकोंसीतलकरनचारुचौदनीसी मंदमृदुमुसुक्यानि
 अनमिपपेखिहैं ॥ हूहैतयनिसामेरेलोचनचकोरनकी ज-
 यधाकीआननअमलइन्दुदेखिहैं ॥ ५८ ॥ सौंफकेसलीने
 घनसधुजसुरंगनसों कैसेतोअनंगअंगअंगनसताउतो ॥
 कहैपदमाकरफकीरफिलीसोरनको मोरनकोमहतनको-
 जमनलप्याउतो ॥ काहूधिरहीकीकहोमानिलेतोजोपैदई
 जगमैदईतीदयासागरकहाउतो ॥ धिरहथनायोतोनपा-
 यसथनावतो जोपायसथनायोतोनधिरहथनाउतो ॥ ५९ ॥
 जयतेयिछांहतोसोंभयोहैनयेलोपाल तयहीतेंलालकेधि-
 हालताइंछाइंहै ॥ खानपानसौरभनगानकीकरतसुधि आ-
 नसापथीलनिहैंसनिधिसराइंहै ॥ भनतकयिंदर्यामसुं-
 दरसलीनेजूकों सुंदरितिहारीसुन्दराइंयोंसुहाइंहै ॥ तेरे
 हीसुरतिकीसुरतिराखैरातोदिन तेहीकोंरसीलीसुमिरत
 रसिकाइंहै ॥ ६० ॥ जौगनमैपैठतहीअंगनसमैहैअंग उ-
 रकीउमंगरतिरंगनिसमेटियो ॥ चंचलचपलनैनओटदुरे
 जंचलकी पंचधानघोटरंचरंचकरमेटियो ॥ कंचनक-

लसऐसेकुचउचकोंहेंहियें ललितलगायसोतांसखिनसमे-
 टियो ॥ जीनदिनकीनहूँ हैसोनोसोसुदिनजामे सोनजु-
 हीवेलीसीसमेटिभुजभेटियो ॥ ६१ ॥ भ्रमकनिचोंकाकी
 औभ्रमकनिआवनकी भावनवतावनकीउपजउमंगकी ॥
 घाँकीभौंहमोरनकीबड़ेदृगकोरनकी गतिलालदोरनकी
 ताननतरंगकी ॥ घाँहकीहुलनिमुसुकानिग्रीवदोरनकी
 खिसकनिओढ़नीकीपरकनिअंगकी ॥ झूलतिनभोलाना-
 थलंककीलचनवाकी उचकनिकंचुकीमैउरजउतंगकी ६२
 प्रानजौतजैगीघिरहानलमैचंदमुखी प्रानघातपापीकौन
 फूलीहैजुहीजुही ॥ भृंगोकलगानकैधौंमदनकेपौचोंधान
 दाच्छिनपवनकैधौंकोकिलकुहीकुही ॥ मधुकोमयंककैमु-
 कुंदलालतरुनाई रजनीनिगोड़ीरंगरंगनछुहीछुही ॥ जी-
 लौंपरदेसीप्यारोमनमैविचारकरै तौलौंतूतोप्रगटपुकारी
 रेतुहीतुही ॥ ६३ ॥ आलिनकेसंगजलकेलिकीउमंगभ-
 री रंगभरीजातिमुसकातिनियरातीसों ॥ जानिमोहिआ-
 तुरचपलनैनचातुरसी चातुरसोंआईकरमिसनसँघाती-
 सों ॥ एकपलहीमैभुजडारिगलहीमै कैकरेजीकलहीमै
 षतरावनसुहातीसों ॥ छबिसोंछकायगईमिलौंकयजाय
 दई आइगईगलीमैलगाइगईछातीसों ॥ ६४ ॥ घासनयना-
 यमुखचंदकीउपासनाकै बेनीकेविमलगुनपायजीजिय-
 तुहै ॥ उरसाजिमूरतिमहेसजूकीधायकर कमलचढ़ायवे-
 जि तुहै ॥ सुकविधुरंधरकहतकरिहैंकेपर प्र-
 यत नमै प्रियतदीजियतुहै ॥ दूँकरसकामनामवा-

हीकोजपत बाहीअंगनाकेअंगनमैतपकीजियतुहे ॥६५॥

दोहा । आलंघनहीमेकहे दरसनचारप्रकार ।

सोहैंवाचरननकरतहैं लच्छननामविचार ॥

॥ अथ यवन दरसन यथा ॥

नंदजूकोनंदनवसतनदगौव जाकोनावसुनेआनद-
धिनीदलहियतुरी ॥ सुन्दरगोविन्दमुखइन्दुअरविन्द-
नैन मन्दिरसुधाकोचखचाख्यौचाहियतुरी ॥ प्राननको
प्रानसुन्योरुपकोनिधान गुनगाननिसोंकानसमाधानर-
हियतुरी ॥ चंसीकोघजैयाउरप्रेमउपजैषा बलभैयादेव
कुयैरफन्हैयाकहियतुरी ॥ ६६ ॥ सीममीरमुकुटउकुट
करपीतपट गरेधनमालपरिकरकटिकसीहै ॥ माधुरीहैंस-
निधिलसनिग्रहैघडेनैन कुंडलकपोलगोलतैसीछुधिल-
सीहै ॥ बलानिचितौनिचितचोरतप्रथोनयेनी बोलनिअ-
मोलनिअजोलौधैसोगसीहै ॥ जादिनतेंसजनीघखानी
हरिमूरतिहैं तादिनतेंतैसिहीहमारैउरथसीहै ॥ ६७ ॥

॥ अथ क्षत्रदरसन यथा ॥

छहरिछहरिक्तीनीधूंदनकिरतमानो हहरिघहरिछटा
छाहैंहैगगनमै ॥ आयकहीकान्हमोसोंचछोआपकालिये-
कों फूलीनाममातभट्टेंऐसीहैंमगनमै ॥ चाहतिउठ्योसी-
उठिगहैंमोनिगोदानीद सोयगयेभागजागिमेरीवाजगन
मै ॥ औखेखोलिदेखोंतीनघनहैनघनस्याम घेइंछाहैंधू-
देंमेरीऔंसूकीहगनमै ॥ ६८ ॥ आयोरीपरमप्यारोउठि
किनदेखैयोग काहूयहयानकहीजानदनुधामई ॥ केति

फोदिनाकीहांहूँ तपनयुक्ताइवेकीं देखनपरसावप्यारेतुं
 तहँगई ॥ भूठोसुखसपनेकोकरननपायोआली दइनि
 रदइऐसेतुरतदगादइ ॥ जीलोंभरिनैनवहमूरतिनिहारि
 देखों तीलोंनैनछोहिनीदियैरिनविदाभई ॥ ६९ ॥ सप-
 नेमेआयोसखिसौवरोसलोनोवह जिहैंअंगअंगतेंअनंग
 कालजायोहै ॥ मोहनीसीवातेंकहिकहिगहिगहियाहँमैं
 तिमैंतिहरपहजारउपजायोहै ॥ कबिसिखदत्तमोपैंकछू-
 नाकहयोईजायधिरहयियोगयिनानाहनाभजायोहै ॥ जी-
 लोंहैंसिहैंसिगरेलाऊंरीरसिकलाल तीलोंतौयजरमारेग-
 जरयजायोहै ॥ ७० ॥ भावजकेप्रथमसमागमकीकालि-
 कथा देखिकछूसुनिकैउदासरहीताहेतें ॥ जानिपरैसेत्रक
 मिल्योहैसपनेमेआइ कीन्होकछूतैसोइसँजोगउतसाहे-
 तें ॥ हिलकीयदीहैहाइदिलकीयतावैकिमि बातपियमि-
 लकीजनाइअवगाहेतें ॥ बाहिबाहिमंत्रतऊंपाहिपाहि
 सोवततें आहिआहिकरिकैकराहिउठीकाहेतें ॥ ७१ ॥

॥ अथ चित्रदरसन यथा ॥

समुझैसुनैनसमुझावैनयुक्तावैकछू गुनैनगुनावैनसु-
 नावैयुद्धियाधाकें ॥ योलैनविलोकैहैसैहुलसैनहायहाय
 धायथायदेखुनविताईपलआधाकें ॥ टेरुटेरुचेरिनिचि-
 तेरिनकेघेरुचेरु हेरुफेरुहेरुहेरुसेवकनसाधाकें ॥ छैक-
 रंपवित्रकहापूजैदेवपित्रआज हेरिहरिचित्रभोधिचित्रर-
 द्दराधाको ॥ ७२ ॥ आलसंभयेहैगातपरसनजानेजात
 कहीनसुनतधातजातवातनाकही ॥ सूंघैनसुधाससुमनन

कांसमुक्तपरै ठकटकीबड़ेबड़ेदृगनमेउलही ॥ कविम-
तिरामतोहिनेकपरवाहनाहीं ऐसीभौतिभर्तृवहतेरनेहसों
नही ॥ एरेचितचोरचलिचाहिचन्दमुखीतोहि चित्रहीमे
चाहिचाहिचित्रहीमेहूँरही ॥ ७३ ॥

॥ चय प्रत्यचदरसन यथा ॥

ठहरतआवैमनमोहनमहरिनन्द ठहरतआवैपुञ्जपरि
मलंपूरको ॥ सेवकत्योगहरतआवैज्योंज्योंग्रासुरीसों क-
हरतआवैमनमेरोमानिदूरको ॥ लहरतआवैगुंजमालव-
नमालेजुगं धहरतआवैकानकुण्डलसुनूरको ॥ फहरतआ-
वैअरीपीतपटकैसो सिरछहरतआवैमंजुमुकुटमयूरको ॥
७४ ॥ लटकचलनिमन्दहसनिलसनिवेस कसानिसुकटि-
पैपटकाजरीदारेकी ॥ धनीवनमालमालतीकीफूलमाल
मालसोहतिबिसालमोतीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोसपे-
चपागपेचसिरपेचतापे जगमगैकलैंगीरतनरतनारेकी ॥
सनमनधारसधैकारजधिसार एरीमूरतिनिहारप्यारेपीत
पटवारेकी ॥ ७५ ॥ मोहनललाकोमनमोहनीधिलोकि
भाल कसकरिराखतिहैउमगिउमाहकों ॥ सखिनकीडी-
ठिकोंबचायकैधिलोकतिहै आनदप्रवाहबोचपावतनधा
हकों ॥ कविमंतिरामऔरसबहीकेदेखतहूँ ऐसीभौतिदे
खतिछिपावतिउछाहकों ॥ वेड़नैनरुखेसेलगतऔरलो-
गनकों वेड़नैनलागतसनेहभरेनाहकों ॥ ७६ ॥ आली
प्रपमानकीकिसीरीजूकेसङ्गआज गईहमवृन्दावनवाटयं
सीघटकी ॥ साँधरोसलोनाजहँगैयनचरावैधीर मुरली

यजावैगावैरागिनीसुनटकी ॥ दीरिकैकहीकीमंगभूलीही
 इतैहैजाहु तासमैकीसोसामेरेनैनमैअटकी ॥ टेरेनकपट
 कीऔहेरननिपटकीवा फिरनमुकुटकीफरानपीतपटकी
 ॥ ७७ ॥ मोरकोमुकुटकटिकाछनोलकुटहाय तैसोपट
 पीतसोनिपटछविछायोहै ॥ कुंडलरमालरीनत्रीननग
 जालमाल भालमैगुलाललाललगनसुहायोहै ॥ घांसुरीय-
 जावैआपनाचैऔनचावैगवाल जाकीचखचालमनमैन
 उमगायोहै ॥ हेरौकेसमाजमैधिलोकिप्रजराजयलि प्र-
 जमैधसेकौधीरआजफलपायोहै ॥ ७८ ॥ इति श्रीसुहृद
 सुधाकरे द्विजकविकृते नायकभेदरुचतुर्विधदर्शनवर्णने
 नाम नवममयूषः ॥ १ ॥

॥ अथ उद्दीपनविभाव सप्तमः ॥

दो० । जासुधिलोकतही तुरितरसउद्दीपनहेत ॥
 उद्दीपनसुधिभावहैं कहतकविकेगोत ॥
 सखीसखादूतीसुरभि उपवनकाननऔर ॥
 चंदचौदनीमलयपुनि सौरभआमसुघौर ॥
 पटगितुआदिकहूकहे द्विजसिंगाररसहेत ॥
 उद्दीपनहीमैगने सकलसुकविकरिचेत ॥

॥ तत्र सखी सप्तमः ॥

दो० ॥ जासोंजियकीघाततिय नेकुनराखतिगोप ॥
 कविकोचिदसत्रहीकहत सखीताहिकरिचेप ॥
 चारिकामहैंसखिनके जाहिरप्यारीपास ॥

मंदनअरुसिच्छाबहुरि उपांलभपरिहास ॥

मंदनतियाहिसिंगाग्निषो सिच्छाधिनयग्रिलास ॥

उपांलभसुटराहनो हँसीकरनपरिहास ॥

॥ अथ मंदन यथा ॥

उग्रटिन्हवाईसोंधेसलिलसोंसूहोसारी पहिराईकंचु-
कीउरोजनपैलैहरी ॥ भूपनजराइनकेचाहेचिनचाइनकेभू-
पेभालयन्दनसोंमागमुकताभरी ॥ जावकसोंरेंगेपायँच-
खनचखोइलाय भौयतीकोंगोकुलाबिलोकोबसमैकरी ॥
आनंदसोंसनीसखीसुखमासमूहदेखि रीक्तभरीनैननिमै
धीजनकरैखरी ॥ ७९ ॥ घालकेउरोजपरलालकोबनायो-
कर लिखतिमकरिकाकेमिसुसोभाहारकी ॥ सुरतिचग्रि
कीनिहारिकरिचित्रताको लाजतेंतरपिकैउठाईछरीतार
की ॥ भनतकयिन्दउरअन्तरप्रमोदयादो ऊपरहुदोरीदु-
तिआनदअपारकी ॥ मारकीलहरिआनितनमैछहरिछा-
ईसखीपैनप्यारीकीसुरतिरहीमारकी ॥ ८० ॥

॥ अथ सिद्धा यथा ॥

मलैकोपधनमंदमंदकैगवनलाग्यो फूलनकेशृन्दमकरं-
दयरठारने ॥ कथिमतिरामछितिछोरचारें।ओरचाहिला
गोचैतचन्दचारुचौदनीपसारने ॥ अलिनकीआलीआ-
लीमैनकैसेमंत्रपढ़ि।लागीमाननीकेमनकोजुमानक्तार-
ने ॥ सुमनसमाजसाजिसेजसुखसाजकरो लाजकरो।आज
प्रजराजपरवारने ॥ ८१ ॥ समुदसीरैनिमैनछहरिकहर
भरी यामैरिसग्रिसर्वाधिबूढ़िक्योंमरतिहै ॥ हितकेधुनत

वैनर्चनकोलहतप्यारी रूसिरहेप्यारेसोंकहाघींसिरति-
 है कमलापतित्यागरीमानकीदुसहदसा सहयेकीघानि
 कोंसुजानिअंधिरतिहै ॥ सुनिसुनिवतियौचवाइनसोंचीं
 चंदकी माहकीफरीमैकोअरीयोंविछुरतिहै ॥ ८२ ॥ री-
 तिवारीनीतिवारीवैसवारीरघुनाथ गुनवारीमतिगति
 जिनकीगुनतिहै ॥ ऐसीऐसीवालतेवेहालपरीब्रजघीचही
 मेभयोचेहदेहकाठलौंधुनतिहै ॥ कहाइतराइइतउतरि
 अठारीआइ एरीहठगहीमेरीकहीक्योंधुनतिहै ॥ मो-
 हनकीयौसुरीकोसुरहैअहितमहा तोमैकेतोचितजोतूंचि-
 तदैसुनतिहै ॥ ८३ ॥ याहिमतिजानैहैसहलकहरघुनाथ
 अतिहीकठिनरीतिनिपटकुटंगकी ॥ याहिकरिकाहूकाहू
 भौंतिसेनिकलपायो कलपायोतनमनमतिघहुरंगकी ॥
 औरहौंकहींसोएककानदैकैसुनिलीजै प्रगटकहीदियातये-
 दनकेअंगकी ॥ जयकहूंप्रीतकीजपहिलेतेंसीखलीजै वि-
 छुरनमीनकीऔमिलनपतंगकी ॥ ८४ ॥

॥ यद्य चपालंभ यथा ॥

पानकीकहानीकहापानीकोनपानकरै आहकरिउठ
 तिअधिकउरआधिकै ॥ कविमतिरामभईविकलबिहा-
 लवाल राधिकैजिवायरेअनंगअवराधिकै ॥ याहीकोंक-
 हायोब्रजराजदिनचारिहीमै करिहैउजारब्रजऐसीरीति
 नाधिकै ॥ जैसेतैनेमोहनत्रिलोक्योवाकीओर तैसेधरी
 जैनेनयिल तैरेराधिकै ॥ ८५ ॥ पंकजसेपानिपौ-
 रंभाकोसोरूपउरअनुहारियतुहै ॥

पानकैसोपातपेटकलिकासरोजकैसी घनकउरोजकीहि-
येविचारियतुहै ॥ कहाकहाँतुमसोहाँएहोकविरघुनाथ छ
लकैबुलाईताकेसोचहारियतुहै गींजीफूलमालसीलसति
सेजपायहाय, ऐसीसुकुमारिएसेंमीजिडारियतुहै ॥ ८६ ॥

॥ चय परिहास यथा ॥

सखीनकेश्रीनमैउकतिकलकोकिलकी गुरुजनहूके-
होतलाजकेकधानकी ॥ गोकुलअरुनचरणाम्बुजपैगुंजपुं
ज धुनिसीचढ़तिचैंचरीकचरचानकी ॥ पीतमकेश्रवनस
मीपहीजुगुतिहोत कामतंत्रमंत्रकेधरनगुनगानकी ॥ सौ-
तिनकेकाननमैहालाहलहूहलति एरीसुखदानितोयजनि
बिछुवानकी ॥ ८७ ॥ उठतउरोजनिउठायेंउरऐंठेंभुज
ओठनिअमेठैअंगआठहूअठंगसी ॥ देवमनमोहनकों
ढोठिहीमिठानी पीठिदैदैक्योंघठानीनीठिठानीभुवभंग
सी ॥ तेरेईअनूपरूपरीक्तेरिक्तवारजिन्है भौंईंसोंरिक्ता-
ईरमारूपकीतरंगसी ॥ गरबीलीगूजरिगोविन्दकोंगनै
नतू गुननिघांघेगगनचढ़ायेंफिरैचंगसी ॥ ८८ ॥

इति श्रीसुङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते उद्दीपन
विभायान्तरगत सखीघर्णनोनाम दसममयूषः ॥ १० ॥

॥ चय दूती सख्यन ॥

देहा । जीतियहैदूतत्वमै अतिसयपरमप्रधीन ॥
उत्तममध्यमअधमइमि भापतहैंविधितो ॥
उभयकाजदूतीनके सयकविकियेयखान ॥

यिरहनिवेदनएकअरु संघट्टनसुखदान ॥

॥ यय उत्तमदूती सचन ॥

देहा । मधुरीधातनकहितिया दोउनदेड़मिलाय ॥

तासोउत्तमदूतिका सयकविकहतसराय ॥ यथा ॥

भीनमैरहैतूताकेआसपासफिरैकैसे जैसैलगोलोती
 फोरहतमनयातीमै ॥ झौकतझरेखेधारधारधीरधार
 लौं ठरतनठारैकहिकेतोअनखातीमै ॥ देवकीनदनसिंह
 धातैयूझैतेरीकहै कौलोकहौंवाकीप्रोतिरीतिअधिकाती
 मै ॥ कढ़ैकहूँप्यारीजहँपगमगलावैधूरि तहँकीसुभा-
 वैलैलगावैछैलछातीमै ॥ १ ॥ गोकुलकीगलिनगलिन
 यहफैलीधात कान्हैनदरानीवृषभानभीनव्याहती ॥ क-
 हैपदमाकरयहँइँत्योनिहारेचले व्याहकोचलनग्रहैसौ
 घरासराहती ॥ सोचतिकहाहौकहाकरिहँचवाइनैय आ-
 नदकीअघलीनकहिअवगाहती ॥ प्यारोउपपतितैसुहा-
 तअनुकूल तुमप्यारीपरकीयातैस्वकीयाहेनेचहती ॥
 २ ॥ अलकपैअलिचुन्दभालपैअरधचन्द्र भौपैधनुनैन
 पैकलुवारोदलमै ॥ नासाकीरमुकुरकपालत्रिंअधरन
 दास्योवारोदसननठीढीअंयुफलमै ॥ कंयुकंठमुजनम-
 नालदासकुचकोक त्रिचलीतरङ्गवारोमौरनाभीपलमै ॥
 अचलनितंत्रनपैजंधनकदलिखंभ लालमखमलवारो
 धालपगतलमै ॥ ३ ॥ गोरेतनसेतसारीमोभापांयदवै
 भारी कुन्दनकीबेलीपरमानागहूआकासी॥मैनग्रधूमैन
 फातिलोत्तमासोजातिजीति चारुतासोचहूँचौचलावति

हैसाकासी ॥ कहेशिवकविकरैमन्दहासकोप्रकास दोस
 चारुचौदनीअँधेरीरातराकासी ॥ नीरेहीतनेसुककरति-
 सीरहगमहा कमनीयकामिनीकपूरकीसलाकासी ॥४॥ पै-
 न्हेस्यामसारीमनिहारीछविगोरी कारीघनकीघटामैवि-
 ज्जुछटासीजगनिहै ॥ अवनिकासलौप्रकासआसपास
 छायो अंगनसुधासभौरभीरउमगतिहै ॥ मँलेलगैधासरमै
 हीरहारमोतीचारु रैनमैसुहोनदेखिचंदमंदगतिहै ॥ ला-
 लकीसोंकेतिकोओहारहारदीजैतऊ पालधीमसालकीफ
 नससीलगतिहै ॥५॥ जुगलकुहूकेयीचराजैरखजोन्हईकी
 ताकेअधराजैअर्धइन्दुमैअवनिजात ॥ सायकभुजंगजुग-
 जोहतउभयओर जलचरजुगलजलूमकेनठहरात ॥ रघु-
 राजआरभीद्वैताकेहिगयारिजद्वै ताकेमध्यसोहैसुकली-
 न्हेमुखजलजान ॥ धिम्यफलभीतरनिहारैहैंअनारधीज
 कीतुकसकलससिमंडलमैदरसात ॥६॥ कूजतसिखगिहैं
 कलिन्दिनन्दिनीकेतीर वाकदम्बखगिहिनिकदम्बनीधि-
 हरिकै ॥ ताकेनरैअदभुतकीतुकहैकृष्णालाल राधरेचलो
 तोहोंदिखाजंजूद्वारिकै ॥ ठाढ़ीहेमलांतकापैनागिनिकु-
 ठिलकारी देखीपोंछछोरछविछितितपैपसरिकै ॥ कल्लके-
 लिकेहरीमकूपगिरिकम्बुकीर कैरवकलानिधिकोंफनसों
 पकारिकै ॥७॥ एहोव्रजराजएककीतुकविलोक्योआजु भा-
 नुकेउदयमेष्टपभानकेमहलपर ॥ चिनजलधरचिनपाव-
 सगगनचिन चपलाचमकैचारुघनसारधलपर ॥ ग्रापति-
 सुजानमनमोहतमनोसनको सोहैएकफूलचारुचंचलाज-

चलपर ॥ तामे एक कीर चो चदाये है नखत जुग राजै वह फूल
 स्यामलोहित कमलपर ॥ ८ ॥ प्रेम हंसली ने छाँहँ चित्त
 जहर पपायो जाग्यो पंचधान जिहिल खिछा बिछाई है ॥ दे-
 वकी नदन कहै सारँग गुनी न गायो पाहरूप काखो धुनि च-
 ठकल गाई है ॥ हृग मुख अधर विलोकि ही तोरी झी लाल ऐ-
 सी भ्रज बाल एक कुंजन मै आई है ॥ दुपहर कंज अरु इन्दु अं-
 धरात कै सो भोर कै सोर विधिं यतै सी अरु नाई है ॥ ९ ॥

। अथ मध्यम दूती सञ्चलन ॥

देहा । कछु कथा तहित को कहै अनहित मिलित कछु ॥
 ता सो मध्यम दूतिका कवि द्विज कहत अचूक ॥ यथा ॥
 लहलही लहरै लुनाई की उदित अङ्ग उचके कुचन ऐसी कं-
 चु की यों गचकी ॥ मन्द पग धरति मरु करि गयन्द गति चन्द
 मुखी चो दनी च कित चाह सचकी ॥ कैसे घन श्याम हवामय
 न धाम आवै घाम के लगे ते कामलता जात पचकी ॥ अति सु-
 कुमार सिसकति भारहारन के धारन के भार की यो बार लंकल
 चकी ॥ १० ॥ चरन धरेन भूमि ग्रिहरै तहै ॥ इँजहँ । फूले फूले फूल-
 न बिछा यो परज कहै ॥ भार के डरनि सुकुमार चारु अंगन मै
 करति न अंगराग कुंकुम को पंकहे ॥ कवि मति राम कहैया-
 तायन श्रीच आयै आतप मलिन होत यदन मयंकहे ॥ कैसे य-
 ह्या ललाल या हिरयि जन आवै यि जन ययार लगे लचकत
 लंकहे ॥ ११ ॥ कौल दल पावड़े न कसकि धरति पाँय जो पै कहै
 जानियत भाग अँगनाई की ॥ ता पै तुम कहो याहि कुंज लगि
 क्यों लाये भोनही मै मानै डर भौर की अयाई की ॥ श्रीगु-

नकठिनकहाँलौंकहींलालवाके वारनेमयोहैदियागातकी
 लुनाईकी ॥ जहाँजहाँमंजुलबदनबिकसातवाको तहाँ
 तहाँजान्योजातजनमंजुन्हाईके ॥ १२ ॥ सौंहकरिकह-
 तिहींएहोक्रविरघुनाथ आवतिरखायेंवादीउनहींकेघर-
 सों ॥ जैसेवनैतैसेदीसआजकेबितोतकीजै अबअकु-
 लाइयेनापागेप्रेमधरसों ॥ जापरगुलालमूठीडारीसोमि-
 लैगीकालि मारीपिचकारीबालप्यारीतीनपरसों ॥ खेल-
 तमैहोरीरावरकेकरवरसों जोभीजोहीअतरसोंसोआयहै
 अतरसों ॥ १३ ॥

॥ अथ अधमा दूती सञ्चन ॥

दो ० । कैप्यारीकैपीयसों कहैरुखोंहैंवैन ॥

अधमदूतिकाताहिसों कहतसकलबुधिऐन ॥ यथा ॥

कैसेधाहिलाजुंदुतिसेवकदुराजं पगमगकेधरतजग-
 मगसीमचतिजाति ॥ ऐसोएकऔरहूँदेसोमध्यलोनी
 लौंक लफिलफिछोनीलौंसुगंधधिरचतिजाति ॥ लागी-
 कैलगीनकीनीऐसीछीनमीनकेतु परमप्रधीनमहाछधि
 सोंसचतिजाति ॥ होतीनाअधारटूटिजातीएकवारकटि
 करकुचधारचहूँभारसोंचतिजाति ॥ १४ ॥ सीलभरी
 खरीकरीआपनेकहैमैऔखैं घरीघरीघरहोमैधूंधुटसैंभा-
 रिलै ॥ गोकुलमैयसिकुलकानिनिकहाइप्यारी आननछ-
 पायटगनीचेकौनिहारिलै ॥ कहैकविकासीरामसीताइ-
 न्दुमतीकैसो सतीपारयतीकैसोपतिव्रतपारिलै ॥ जोलौं
 तेरीदीठिनपरेरीनंदलाल तीलौंगरधीलीगूजरीगमारगा-

लमागिले ॥ १५ ॥ जानननकछूपकहावतरसिकराय रघो-
 वत्पावअथहीतिहारीयहटेकहे ॥ कूरनकीरीतहैजुडेल-
 ऐसोडा।रिदेन मतिरामचतुराडंचतुरालियेकहे ॥ योली-
 नानयेलीकछूयेःलसतरायवाहि मनसिजओजकांसुहानो
 कछूसेकहे ॥ चानकेसुननअंगिरातअलसातगात सोहै
 करिनैनग्रिहैसोहैभईनेकहे ॥ १६ ॥

॥ यय दूती पैज कयन यथा ॥

येलिऐसीविधिनांसकेलिसयसोभारची सचीसोऊ-
 हचीजाकेरूपकेसमानहै ॥ कहैरघुनाथकलासकलप्रघोन
 रति सोभईअधीनछोडयोगुनकोगुमानहै ॥ ऐसीठकुरा-
 इननैनूमहिनिलाऊंलाल नाइनकहाऊंतेमैयचनप्रमान-
 है ॥ चंपेकैसोरंगअंगसौरभचमेलंकैसो चंदउपमंयला
 गैमुखउपमानहै ॥ १७ ॥ खंजनसेनैनसुधाऐनसोघदनजा-
 को उरजउतंगलंकहे।तनलखाईहै ॥ निविहनिंतघपटपा-
 तरीघरीटपरी कटलीकेखंजनसीजंघनजुराईहै ॥ गोकुल
 छयानकोछुवतकचअंगनमे कंचनसांकारीविधिरंचनगो-
 राईहै ॥ छालतुमैदनिहोमिलायेधहयाल जीनगो।यधीय
 गूजरकीआइंगोनहाईहै ॥ १८ ॥ नाजुकनिपटलचक-
 तकचकचभार चारहुतेखोनीकटिलागतिदुटूकासी ॥ क-
 हैकयिनापयाकेगाययेकीकहाकहीं कंठतेकदतिरागको-
 किलाकेकूकामी ॥ दंतकीदमकचाहिचपैचंचटाहूयारु ऊं-
 रियै।यनीहैमने।खंजननरुकासी ॥ भभरिनमानभोरभू-
 लनापरैगोमोहि मोयतेमिलाऊंनोहिभामिनीभभूकासी ॥

१९ ॥ सुधरीसुसीलीसुरसीलीसुजसीलीअति लंकलच-
कीलीकामधनुपहलाकासी ॥ कहैकथितोपहोतीसारीतें
निन्यारीजयै कारीबदरीमैकढ़ेचंदकंकलाकासी ॥ लोने
लोनेलोयनपैखंजनकमकथारों दंतनचमकरुचंचला-
चलाकासी ॥ सौवरेसुजानकान्हतुमतेदुराऊंकहा सेज-
पैसुधाऊंआनिसीनेकसलाकासी ॥ २० ॥

॥ अथ बिरहनिवेदन यथा ॥

चलियेगोविन्दचन्दचन्दचन्दचन्दनीकेपास कालिदासआ-
सरीघरीनपलआधेको ॥ तुमैदेखपावैसुखपावैहरभौति
ताहि दीजैनेकनिरखिनतीजानेहनाधेको ॥ देखनसखी
नकेसुखीनकरिडारीकान्ह देहदुखपायोधिरहानलफेदा
धेको ॥ पीरोभयोधदनसदनचलिदेखोस्थाम मदनसुनार
हंखोसुघरनराधेको ॥ २१ ॥ जादिनतेंदेखेमतिरामतुमै
तादिनतें चदिरहीमुसुख्यानथाकेजियराईपर ॥ भावतन
भोजनधनायतनआभरन हेतनकरतिसुधानिधिसियरा
ईपर ॥ चलीउठिदेखोयहैभागहैनिहारलला मंलिराखो
राधिकैकन्हाइंजियराईपर ॥ दूनीदुनिछाईंदेहआईदु
धराईं पियराईंलोनधारियेतियाकीपियराईपर ॥ २२ ॥ जा-
नीजातिराधरेसँजोगिनकसँवरेजू सुखकेसमाजनसमो-
इयोकरतिहै ॥ देखवेकीऔखेंतेनखोलतिखोलाहहारो
हियऔखियानमगजोइयोकरतिहै ॥ ठाकुरकहनजागैजो
गोलैसमाधिसाधै संगकीअजानैजानैसोइयोकरतिहै ॥
रोइयोकरतिनिसंघासराधिकलमई औसुनकीधादेहयो

इवोकरति है ॥ २३ ॥ दीनकेदयालव्रजबीच अचरजहा-
 ल कहिये कहैं लौ नहिं मो पै कहि आयती ॥ कटं सुकतुंडें
 दवानलकेयातकुंड सरपरहंसनकीश्रेणी न सुहावती ॥ चं-
 पककीदामसूखिरहीनेहघनस्याम कंजनकेठामभीरभी-
 रनलखावती ॥ पंकजकेअंकमैमयंकसोइरहमोदीन मी-
 नतेंकलंदजाकीतहैंधारधायती ॥ २४ ॥ रात्रेरिहसु-
 नोसौवरेसलोनेगात जोजोग्रजजाततिन्हैकौतुकमिलत
 है ॥ काकलीनसुनोपरैकुंजकीगलीकेबीच बिंधमुरझाय
 कुन्दकलीनखिलतहै ॥ देखियेअचंभोचलिचंदबंसकेव-
 तंस हंसहारिरहेकहूँनेकनहिलतहै ॥ कनकलतापैकंज
 सूखिरहमोठपापुञ्ज तापैखंजरीटवैठिमोतीउगिलतहै ॥
 २५ ॥ अहनखेलावतहैमृगनलरावतहै सुकनपदावत
 हैनेनाटरतहै ॥ कबहूँकैसंखपूरिसंभुजूकीसेवाकरै क-
 बहूँकैकुंडवूडिसिंधिनिधरतहै ॥ कबहूँकैकदलीकेखंभ-
 सोलपेटिजंघ कबहूँकैकंजसिरराखिबिहरतहै ॥ जादि
 नतेंनहातचारऔंखैंभईतादिनतें बावरोसोभौतिभौति-
 भावनाकरतहै ॥ २६ ॥ छूटतफुहारनफुहारनउसीरतर
 सीरनीरचंदनकपूरजहोंसरसै ॥ सीतलसमीरकसमीरकी-
 प्रवीनबेनी हेमतपसारमैतुसारमानोवरसै ॥ हरीबेली
 बागकीहबेलीमैनबेलीभोरभोरहीतेंगुंजैजूनभानुभीनप-
 रसै ॥ ऐसोथलरोचनवैरोचनकोजैसोबास तीसरोत्रिलो-
 चनकोलोचनसोदरसै ॥ २७ ॥ आयेमधुवीतिनहिआयेमा-
 धवैगोरीति जेठहूगोभीतिभारीविरहव्यधानकी ॥ चम-

क्योअसाढ़पोनसेवकमचायोगाढ़ सावनअपाढ़भौतिबुन्द
 घरसानकी ॥ भादौभरोक्कारजीत्योकातिकउदारवीत्यो
 अगहनपूसमाघधकपकप्रानकी ॥ हाहाकंतभोरीचलिभौन
 खेलोहोरीनतो होरीहेनचाहतिकिसोरीत्रपभानकी ॥ २८ ॥
 आईतजिहोतोताहितरनितनूजातीर ताकिताकिताप-
 तितरफतितातीसी ॥ कहैपदमाकरघरीकहीमैघनस्याम
 फामितोकतलवाजकुंजव्हैहैकातीसी ॥ याहीछिनवाहो-
 सोनमोहनमिलोगेजोपै लगनिलगाइअतिअगिनअघा-
 तीसी ॥ राउरोदुहाईतीयुक्ताईनयुक्तीफेरि नेहभरी-
 नांगरिकादेहदियायातीसी ॥ २९ ॥ दूरहितेदेखंतिदंसां
 मैयांधियोगिनीकी आईदौरिभाजिहैगाइलाजमढ़िआवै
 गी ॥ कहैपदमाकरसुनोहेघनस्याम ताहिचेततकहूंजोऐ-
 कआहकढ़िआवैगी ॥ सरसरितानकोनसूखतलंगैगीधे-
 र एतोकछूजुलुमनिउवालयद्विआवैगी ॥ ताकेबिरहांगि-
 कीकहींमैकहायात मेरेगातहिछुबोतोतुमैतापचढ़िआवै-
 गी ॥ ३० ॥ आजुघरसानेहैंबिलोकिबेकींगईसुनो नईदं-
 सालखोमैअनेंगआगिबोरीकी ॥ लूकसीलगतिपहुँचतप
 रिसरपास पठिभौनभोतरजरैकोभौतिहोरीकी ॥ राजक
 रोगोकुलमिजांजरावरेकोयह अकहकहानीसीकरीहैचि-
 तचोरीकी ॥ जरिजायहलकफलकंपरैओठनिमै धिरह
 व्यथाकीकथाकहींजोकिसोरीकी ॥ ३१ ॥

॥ पद्य संवहन गया ॥

फूलभरेअंगनिउमंगनसुवासभीनी कोमलनवीनीपु-

हीरंगगुनजालासी ॥ जाकेमगंआवतधूँचाकुकिर्कोर
 परी भीरनकीभीरपालेघोरनकेजालासी ॥ घैठीकुंजभी-
 नमैघिलोकैवाटरावरेकी कोककेबिलासकोसरसनटसाछा
 सी ॥ देखियेनजायकुम्हिलायउरलाइलेउ लाइहँलेवाय
 छालमालतीकेमालासी ॥३२॥ अतिहीसुदेसमध्यमूठीमैस
 मातजाको प्रगटैनगौंसवेसयंदनसँयारीहै ॥ कहैकविदूल
 हरँगोनरमनीयहै छटै।कनरीतोलमानोसौंचेकीसुठारीहै॥
 पेटेहैनरमलीजैकरसोंगोविन्दगहि निपटनवेलीपैसमर-
 सुखकारीहै ॥ खींचेगुनवानगोसेगोसेसैं।मिलेगी मुलता-
 नकेकमानकीसमानप्रानप्यारीहै॥३३॥ जाकेरूपंआगेरंभा
 रतिउरवसीसची हँचीमानमैनकाकोव्हैगयोकुरीकुरी ॥
 औरहौंकहँ।लौंकहौँएहोरघुनाथ देखेकलाकलानिधजूकी
 जातिहैघुरीघुरी ॥ ऐसीधामकुंजधामरसिकतिहारेलीन्है
 लाइंचलोचकसीसकरिकैरुरीरुरी ॥ सुधिनरहैगोफेरयैस
 कीलसनिहेरि घुंघुटमैंहँसनिबिलोकनिदुरीदुरी॥३४॥आ-
 जप्रजजनप्रजबालेंप्रजवालजुरेसुकविप्रवीनयेनीमोदअ-
 नुरागोहै ॥ कान्हकियेदूलहसुराधिकादुलहियाकै सजि-
 कैधरातप्याहिफेरगौनमागोहै ॥ गीनकरिभीनभारिचातु
 रसखीसिंगारि नंदकेलढायतेकोएसोभागजागोहै ॥ कुं-
 जअतिगोपिताकोचापिकैसुहागरनि कुंठोंखेलखेलोजा-
 मैसौंचहोनलागोहै ॥ ३५ ॥ लाइंसूनेसदनमजाइकहूँऔ
 रअंग भीतिकहिसाखिफछपायमतिछूटीसैं ॥ उबटत
 जानुकेउतरिआइँऔरेजानि ठानिउठेसुरतसलजुछधि

छूटीसों ॥ सिसकीसुनायिपरदेतिघहराइनीचे धीरेपाँयें
झाँयरीगैवारिगतिऊटीसों ॥ नाइनिलेजूटीरचिआपनी-
यहूटी एसेंसेवकैमलाइदीन्होनवलधूटीसों ॥ ३६ ॥

॥ पय कय दूती लच्छन ॥

देाहो । करैआपुहीआपनो दूतपनेकाकाम ॥

साहिस्वयंदूतीकहत सकलसुकविगुनधाम ॥ यथा ॥
चेराकरिआघतघनेराघहरातघन मोरनकींटेराघरपा
काँनिरधारिकै ॥ सङ्गोकौनतेराजोकरेराहूँचलैगासङ्ग भये
तेंअघेराकहिभूक्तिचैपुकारिकै ॥ भनतकविन्दद्वारचौतरा
फिनारेछायो तापतूअरामकररजनीनिहारिकै ॥ भयेतें
अघेराआगेगौयहेननेरा कीजैपधिकयसेराआजईतहीं
धिचारिकै ॥ ३७ ॥ सहरमेंजातहीपहररातयातजैहै य-
स्तीकेछोरपैसरायेंहैउतारेकी ॥ भनतकविन्दमगमाझ-
हीपरैगोसैं ॥ खघरहैउरानीघटाहीद्वैकमारिकी ॥ घर-
कंहंमारिपरदेसकोंसिधारेयातें दयाकरिबुझीहमरीतराह-
घारेकी ॥ करकेनदीकतटघटकेतरैतूवसि चौकिमतचौ-
कीतहैंपाहरुहमारिकी ॥ ३७ ॥ भारीतपिभासमानभा-
समानजानायह फेलीमुखचन्दकीसुचैंदनीहैगहरी ॥ सी
तलसुगंधमन्दतार्हवारिढारियत ज्योँज्योँअतिचलतप्रचं-
डपोनलहरी ॥ नोदभरिसीयेसयभीतरहीभीननमै कौन
काहिपूछतखरोइकामकहरी ॥ आगेकहैंजातघनस्या-
मसुनोयात इहिंदेसअघरातहोतजेठकीदुपहरी ॥ ३८ ॥ पं-
थअतिकठिनपधिककीउसंगेनाहिं तेजभयतारागेनछा

हैनभयोरविहै ॥ खगताकेविटपमधुपचलेकलूनकोंकंजग-
 मेसकुचिकुमुदिनीमैछविहै ॥ जोगीहेतोविरहकेज्वालाकी
 जरीवताय भोगीहेतोक्रहोकामपीरकैसेदविहै ॥ जोति-
 पीजोहेतोक्रहुपीउधरऔहैकय धरननकीजधटाजोपैको-
 ऊकविहै ॥ ३९ ॥ काहीजोतिसीहोक्रहुआगमयखानतही
 धामधामनामजगजाहिरहमारोतो ॥ आवोथैठिजावो-
 पगच्छावोपानखावोफिर सुचितसुचितवहैकंगनिहनि-
 कारोतो ॥ ठाकुरकहतयहप्रेमकीपरिच्छाछानि इच्छा-
 कीप्रमानभलीभौतिनिरधारोतो ॥ मेरोमनमोहनतैला-
 गतहैवारवार मोहनकोमनमोतैलागिहैविचारोतो ॥ ४० ॥
 इति श्रीसूद्वारसुधाकरेद्विजकविकृते उद्दीपनविभावा-
 न्तरगतदूती वर्णनोनामएकादसमयूपः ॥ ११ ॥

प्रथम उद्दीपन विभावान्तरगत पठरित वर्णन तर्ही प्रथम वसन्त वर्णन ।
 दोहा० कुसुमिततरुपल्लवसकल कीकिलकलरवयाग ॥
 प्रथम अनंगवसंतभनि चैदचैदनीराग ॥ यथा ॥
 जोगलागेचलनवियोगसोंवियोगलागे लीगलागेसे-
 वकसैंजोगसुखसाजतें ॥ गंधलागेसीरभोद्विरेफहोनअं-
 धलागे तरुकेप्रथम्यलागेफूलनकीलाजतें ॥ रीनलागे
 विहँगसुपीनमीनगीनलागे होनलागेनाचरागरंगऊसमा-
 जतें ॥ संतलागेकौपनअनंतकामतंतलागे अंतलागेसि-
 सिरवसंतलागेआजतें ॥ १ ॥ धरनधरनतरुफूलेउपवन
 धन सोईचतुरंगसंगदलसाजियतुहै ॥ यंदीजिमिघोलत

विरदघोरकोकिलहै गुंजतमधुपगानगुनगहियतुहै ॥ अ-
 र्यआसपांसपुहुपनकोसुवाससोई सौंधेकेसुगंधमाझसने
 रहियतुहै ॥ सोजाकोसमाजसेनापतिसुखसाजआज आ-
 वतवसंतरितुराजकहियतुहै ॥ २ ॥ मलैगिरिमारुतकेमिसि
 धिरहाकुलनिदिसिदिसिव्यालनकोविषवगरायोरी ॥ ताप
 रकिसोरतैसोपंचमनवलराग कोककीकलानभीनोकोकि
 लनगायोरी ॥ कोनसुनिमोचैमानलोचैकोनमिलनकोंसो-
 चैकोनश्यामदेखिनेहसरसायोरी ॥ आमनकेभौरलागेअं-
 फुरनमौरलागे भौरलगेभमनवसंतअवआयोरी ॥ ३ ॥ अब
 नितैअंवरतैदुमनिदिगंवरतै अपरअडंवरतैसखिसरसो-
 परै ॥ कोकिलकीकुंकनतैहियनकोहुंकनतैअतनभभूंकनः
 तैतनतरसोपरै ॥ कहतकिसोरकंजपुंजनतैकुंजनतै मंजुअ-
 लिगुंजनतैदेखुदरसोपरै घसनतैधासनतैसुमनसुवासनतै
 घैहरतैवनतैवसंतवरसोपरै ॥ ४ ॥ कोकिलाकलापीकू-
 जैयमुनाकेनीरतीर घोररितुराजकोसमाजदरस्योपरै ॥
 भनतकिसोरजोरअत्रनिकदंवनितै मंजुमंजरीनतैनुगंध
 सरस्योपरै ॥ कामव्यधामेटनकोंसुखदसमेटनकों मेटन
 कोंपीतमकोंप्रानतरस्योपरै ॥ अत्रनितैअंवरतैदुमनिदि-
 गंवरतै घैहरतैवनतैवसंतवरस्योपरै ॥ ५ ॥ कूलनमैकेलि-
 मैकलारनमैकुंजनमै क्यारिनमैकलितकलीनकिलकंतहै ॥
 कहैपदमाकरपरागनमैपौनहूमैपाननमैपिकनपलासनप
 गंतहै ॥ द्वारमैदिसानमैदुनीमैदेसदेसनमैदेख्योदीपदीपन
 मैदीपतदिगंतहै ॥ धीधिनमैत्रजमैनबेलिनमैबेलिनमैव-

ननमैधागनमैवगखोयसंतहै ॥ ६ ॥ तरुपतझारनमैकिस
 लितडारनमै रमितपहारनमैदुतिमैदिगंतहै ॥ त्रिविधस
 मीरनमैयमुनाकेतीरनमै उदितअबीरनमैझलाझलकंत
 है ॥ छायरहोगुंजनमै अलिपुंजकुंजनमै गानमैगोपालऐ
 सोरुपदरसंतहै ॥ फूलमैदुकुलमैतडागनमैवागनमै डगरमै
 वगरमैवगरोवसंतहै ॥ ७ ॥ देसमैदिसानमैलतानटुमंत्रे
 लिनमै कुंजनमैकंजनमैरंगदरसानोहै ॥ पल्लवमैपोनमै
 परागहूमैकिसलैमै कुसुमकलीनअलिगुंजसरसानोहै ॥
 हारनमैक्यारिनमैफूलकचनारनमै झारनपहारनमैमोद
 सरसानोहै ॥ वागमैवगरमैवनायवनवीथिनमै वैहरमैव
 नमैवसंतवरसानोहै ॥ ८ ॥ अयनिअकासअंबुअनिल
 अनलआभा औरभौतिभइंजोमनोजमहिमंतकी ॥ करं
 जनिमानयादिसानव्हैगइंहेमंद मतिव्हैगइंहेसयजानज
 गजंतकी ॥ कहतकिसोरजोरजरनकुजोगिनकों भोगिन
 कोंभावनियियोगिनकेअंतकी ॥ लहलहीउमंगतैलखि
 लंसिरहीतैसी लहलहीलौंदनमैलहरिवसंतकी ॥ ९ ॥ आ-
 योरितुराजफूलेसुमनसमाजभयो अमलअकासयहैपव-
 नहरैहरै ॥ लपटैलतानसोंतमालनकेजांलमौरे अमितरसा
 लतैविसालमनकोंहरै ॥ कहतकिसोरकिलकोकिलाचको
 रनहीं गनैसैं ॥ झभोरचारोंओरसोरकोंकरै ॥ आनदमग
 नकैसीलगनलगायेदेव मंदिरनकुंजकुंजअलिपुंजगुंजरै ॥
 १० ॥ मैरेमैरेमौरतरुमंजरीनमीलिआली गंधगुनमई
 मंदमारुतझकोरेलेत ॥ नयलकिसोरोलीनीकंपजुतलति

कान लपटिलपटिरसआनदअधोरेलेत ॥ गरलकीगो-
 ठसेगटेसेगठेसिरकटे फिरतअमानमानगढहटिछोरेले-
 त ॥ कामकैसेचाररितुराजकैसेसहचर चौचरकरतचंच-
 रीकचितचोरलेत ॥ ११ ॥ मंजुमलयाचलकेपौनकेप्रसंग
 नते लाललालपल्लवलतानलहकैलगे ॥ फूलैलगेकमल
 गुलाबआवधारेघन संकरपरांगभूअकासअहकैलगे ॥
 धोलैलगींकोकिलभनंतभौरडोलैलगे चोपसांअमोलेम-
 करंदचहकैलगे ॥ नेकानाअटकचढ्योकामकोकटकचार
 चारींओरचटकसुगंधमहकैलगे ॥ १२ ॥ गौनहदहोनल-
 गेसुखदसुभीनलागे पौनलागेधिपदवियोगिनकेहियरा-
 म ॥ सुभगसवादिसेसुभोजनलगनलागे जगनमनोज-
 लागेजोगिनकेजियरान ॥ कहतगुलाबघनफूलनपलास
 लागे सकलविलासनकेसमयसुनियरान ॥ दिनअधि-
 कानलागेरितुपतिआनलागे भानलागेतपनसुपानला-
 गेपियरान ॥ १३ ॥ मलयगुलावीहायसुमनपियालेआ-
 ले चटकगुलाबचाखचाखतयिचारेसो ॥ कहैहरिकेस
 मोदचारींओरछापोजोर मधुरअलापैरागतालकूकभारे
 सो ॥ मुनिमनवसनलयेरेनेहवारेवलि हेरभक्तकोरैक-
 रैकोरैपियप्यारेसो ॥ सुरभीकलारकुंजसदनसुछाक्यो
 यौकी मंदमंदआवतमरुतमतवारोसो ॥ १४ ॥ वा-
 गनमेंचारुचटकाहटगुलावनकी तालदेततालियातुलैन-
 तुकतंतकी ॥ गुंजतमलिंदवृन्दतानसीउपजपुंज कलरव
 गानकोकिलानकिलकंतकी ॥ गोकुलअनेकफूलफूलेहैं

रंगेंदुकूल भूमिआमयीरहावभावसरसवन्तकी ॥ लहरैत-
 रुनतरुछहरैसुगंधमंद नाचतनटोसीआवैवैहरवसंतकी
 ॥ १५ ॥ मलयजगितिरुकोसतेंकंठीहैचंठी मंजुमंकरंदपुं
 जपानिपअपारसी ॥ अलिविषयूडीवलिकहतिकहाहै
 जापै सौरभकीलहरिधरीहैखरधारसी ॥ कहंतकिसोर
 धारोंऔरनंविषमवेप प्रचलप्रचंडपेपिभरपनैभारसी ॥
 रहंतनरोकीवहेंचाहतिवियोगिनपै वैहरवसंतकीतिरी-
 छीतरवारसी ॥ १६ ॥ सुरहीकेभारसूधेसग्रदसुकीरनकेमं-
 दिरनत्यागिकरैअनतकहूँनगौन ॥ द्विजदेवत्योहोंमधु-
 भारनअपारनसों देखुभुक्तिभुमिरहेमोगरेमरुंदौन ॥
 खोलिइननैननिनिहारोंतोनिहारोंकहा सुखमाअभूतआ-
 यरहीप्रतिभौनभौन ॥ चांदनीकेभारनदेखातउनयोसीचं-
 द गंधहीकेभारनग्रहतमंदमंदपौन ॥ १७ ॥ द्रुमडारपलनो
 विछीनानंधपल्लवके कुसुमभ्रिगूलातेईतनसुखेंसारीदै ॥
 पवनभ्रुलावैकेकीकीरवतरावैमिलि कोकिलहिलकभ्रुल-
 रावैकरतारीदै ॥ भरतपरागतेउताखोकरैराईलोन कुंद
 कंलीनायिकालतानपुचकारीदै ॥ मदनमहीपजूकीयालकं
 वसन्तताहि प्रातहीजगावतगुलावचुटकारीदै ॥ १८ ॥
 मैल्योउरआनदअपारमैनसोवतही पांचसुधिसौरभसमी
 रनमिलनकी ॥ नेहकेभ्रंकोरनहिछायउरदीन्हो लखीसु
 खमालघङ्गलतिकानकेहिलनकी ॥ स्वपनतयोधौकैधी
 साँचोकरतार इमिसंमुक्तरीतिलखिअङ्गसिधिलनकी ॥
 खिलगयेलोचनहमारैएकधारसुनि आहटगुलावनकेअ-

खिलखिलनकी ॥ १९ ॥ यहकिचकोरउठेसोरकरिभौरउठे
 योलिठौरठोरउठेकीकिलसुहावने ॥ खिलिउठीएकैधार-
 कलिकाअपारहिलिहिलिउठेमारुतसुगंधसरसावने ॥ प-
 लकनलागीअनुरागीइननैननिमै पलटिगयेधौंकवैतरुम-
 नभावने ॥ उमगिअनंदअंसुवानलींचहुंचांलागे फूलि
 फूलिसुमनमरंदधरसावने ॥ २० ॥ हीरेहीरेडोलतीसुगं-
 धसनोहारनतैं औरैऔरफूलनपैदुगुनफभीहैफाव ॥ चीं
 धतेचकोरनसोंभूलैभयेभौरनसों चारोंओरचंपनपैचीगु-
 नीचढीहैजाव ॥ द्विजदेवकीसोंदुतिदेखतभुलानोंचित्त
 दसगुनीदीपनिसोंगहवगुछेगुलाय ॥ सौगुनेसमीरहूँ सह-
 सगुनेतीरभये लाखगुनीचांदनीकरोरगुनीमहताय ॥ २१ ॥
 गुंजरनलागीभौरसोरकेलिकुंजनमै कूलियाकेमुखतैंकुहू-
 कनकढैलगी ॥ द्विजदेवतैंसीकटूगहवगुलायनतैं यहकि
 चहुंचाचटकाहटयढैलगी ॥ लागेसरसावनमनीजनिज
 ओजरति धिरहोसतावनकीधतियोगढैलगी ॥ होनला-
 गीप्रीतिरीतिधुरिनइंसीनय नेहउनइंसीमतिमोदसोंम-
 ढैलगी ॥ २२ ॥ पैंखुरीलैसाजीसेजसेवतीकीधेलिन च-
 मेलिनहूं सरसधितानछाछिछाड़है ॥ फैल्योचहुंओरनगु-
 लायनकोगंधधूर धुंधुरितसोरभीसमोरसुखदाइंहै ॥ चा-
 रोंओरकीकिलचकोरमोरसोरनसों ओरछितिछोरनअ-
 नंदअधिकाइहै ॥ आजरितुराजकेसमागमकेकाजहोत
 घामघामधेलिनकेआनदयधाइंहै ॥ २३ ॥ गुंजरनलागे
 भौरठौरठौरकुंजनमै लाग्योधेलिपुंजनदस्रासोकामजुर-

को ॥ बोलनलगेहंपिकचातकचकोरमोर धंधिंगयोसरसस
 नाकोएकसुरको ॥ कामग्रनग्रानिकयिलोकिइहिभैंतिदी-
 ह दुरिदुरिजातदुखकीनकेनउरको ॥ वंदभयोचाहतसु-
 रेसकोसमाजआज मंदभयोचाहतअनंदसुरपुरको ॥ २४ ॥
 कुंजलागेलसनप्रसूनविकसनलागे रसनसुगंधमकरंदकी-
 भरीनके ॥ भौरनकेपुंजमंजुगुंजरनलागे धनजाललागेध-
 रनरसालमंजरीनके ॥ छाईछयिसेखरचसंतकीअवाइंअ-
 ज लागोमोदधनविनोदकीभरीनके ॥ रंगलागेचंदनउ-
 मंगजवदनलागे संगलागेकदनसुहायेसुन्दरीनके ॥ २५ ॥
 गावनेधमारिकीसुलागतसुखदमहा धावनेसुमारुतकी
 आनदअनन्तकी ॥ चावनेवढावनेभोआलिनकोगन
 गुनिहियहुलसावनेभोकोकिलभनन्तकी ॥ मणिदेवभन-
 तकलैसकोपरावनेभो अङ्गउमगावनेभोदेखेपदकन्तकी
 छावनेगुलालकीसुहावनेलगतआली भावनेलगतमो-
 हिआवनेवसन्तकी ॥ २६ ॥ बौरमौरकिसुकसुकंकनकलि-
 तसौर भूपनसुफूलकैपरागपटभायोहै ॥ ठाकुरपंताकैप-
 तालालकज्जसिंहासन कुज्जभेदपालकीगयन्दरघछायोहै ॥
 पीनहैसुदीरवनेबिरिछवरातीतौर भौरचोपकादिघील-
 याजनेवनायोहै ॥ जोहनसेमोहनवहारवनरीहैसङ्ग सो-
 हनवसन्तवैदरासोवनिआयोहै ॥ २७ ॥ पीरोफूलचम्पक
 कोसोभियतकर्नफूल तैसोहिदुकूलअतिसरससुहायोहै ॥
 ७६ गौकुचकपुकीसुहात ॥ पीरिहीसरीरमानो-
 ॥ ॥ मोतिनकीमालगरसोहैवनमालपी-

री पीरोपीखराजनगजठितजरायोहै ॥ कञ्चनकीभूमि
 तामैधरैपगक्षूमिक्षूमि देखोब्रजचन्दजूवसन्तधनिआ-
 योहै ॥ २८ ॥ नैनअरविन्दमकरन्दरसभरेसोहै भूपन
 विविधिफूलवनछविछाईहै ॥ कोकिलबचनधरअधरसु
 पल्लवसे कुन्दकलोदन्तदुतिदीपतिसुहाईहै ॥ चम्पकसु
 मनगातसौरभहँसनवात फौजभौरभौरसङ्गसखीसमुदाई
 है ॥ प्यारेश्रजराजजूसांउमगिअनङ्गप्यारी खेलनधसन्त-
 कोंधसन्तधनिआइहै ॥ २९ ॥ सरससुधारीराजमन्दिरमैफु
 लधारी भौरकरैसोरगानकोकिलधिरात्रके ॥ सेनापतिसु
 खदसमीरहैसुगंधमन्द हरतसुरतश्रमसीकरसुभाधके ॥
 प्यारीअनकूलकहूँकरतकरनफूल कहूँसीसफूलपौधइँज
 मृदुपाधके ॥ चैतमेंविभातसाधप्यारीअलसात लालजा-
 तमुसुकातफूलचुनतगुलाधके ॥ ३० ॥ रङ्गरङ्गफूलीवेलि
 धिटपअनेकसङ्ग देधकीनदनकहैसोभायोअनन्तकी ॥
 त्रिविधिसमीरडोलैंघोलैंपिकप्यारैथोल पुञ्जअलिगुंजग-
 तिमोहैमैनमन्तकी ॥ सखिनसमेतसाजेजेधरजराजसयै
 धसनधसन्तीसोनाभारीप्यारीकन्तकी ॥ घेसयङ्गलामेंघेस
 सुनतयसन्तराग बागधनवनकविलोकतधसन्तकी ॥ ३१ ॥
 धिपहिधगरेयाचहैयातमलयाचलकी गिलीउगिलीहैधर
 व्यालनकेजालकी ॥ बाइवकोसङ्गीविधुसयोहैकुटङ्गीया-
 ते क्योंकरैचहूँओरचाँदनीजवालकी ॥ कहैशिवकवि
 फूलेकुटिलपलासकूर जानैकहायातकाहूँदीनप्रतिपाल-
 की ॥ प्यारीधिनदेखियेवसन्तमैअचंभोएक सालतहिधै

हैमृदुमञ्जरीरसाठकी ॥ ३२ ॥ फूलैगेंअनारकथनारनह
 सुतआम फूलैगेंसिरिसऔयनसफूलसूलेगो ॥ फूलैगोसुपौ
 डरओमालतीअमिलतास सेमरपलासफूलिआगिरूपतू-
 लैगो ॥ फूलैगोंकनैरमाधवीचमेलीरघुनाथ फूलैगेंगुला-
 यजिन्हदेखिचेतभूलैगो ॥ धिरहकोधिरयाठगाघाजोनक
 न्तसखी आवतयसंतकहोवहोअवफूलैगो ॥ ३३ ॥ भूलेभू-
 लेभौरयनभौवरैभरैगंचहूँ फूलिफुलिकिसुकजकेसेरहिजा
 यहै ॥ द्विजदेवकीसोंवहकूजनिधिसारिकूर कोकिलकल-
 कीठौरठौरपछितायहै ॥ आवतयसन्तकेनऐहैंजोपैस्या-
 मतोपै बावरीबलायसोंहमारेहूउपायहै ॥ पीहैंपहिलेहीतें
 हलाहलमगाय याकलानिधिकीएकोकलाचलननपायहै
 ॥ ३४ ॥ धिकसीयसन्तिकासुगन्धभरीशिवकवि औरैढङ्ग
 भयेधनकुञ्जकीयलीनके ॥ कोकिलकेकलकलकलनहिंदेत
 पल चारोंओरसेरसखिसुनियेअलीनके ॥ ऐसीसमैमान
 प्रानपतिसोंनकीजियेरी मेठिवेकोंमानमाननीकीअवली
 नके ॥ देखोरतिराजकाजरितुराजकारीगर गुरुजयनाये
 हैंगुलायकीकलीनके ॥ ३५ ॥ कोकिलनखोजिनकीसङ्गठै
 अनेकफिरैं चारोंओरप्यारीधिरहीजनकेखोजकों ॥ यातें
 होंकहतिचलुप्यारेसुखदानपास तजिकैअघानदूरकैरीमा
 नसौजकों ॥ मणिदेवजनतरसालनकेवौरनके भौरनये
 सोहतथरेहैंमहाओजकों ॥ दायकविधारीरितुनायकलिये
 हैंधर दायकपरमदीवेसायकमनोजकों ॥ ३६ ॥ दोलैलगीं-
 लैलके ॥ ३७ ॥ डोलिडोलिसुखदसमीर-

लाग्योपरसै ॥ फूलेहुमपुंजनपैगुंजनमधुपलागे मंजुफूल
 वृन्दलागेमकरंदवगसै ॥ सेखरधमारिनकीधूमसीमचन
 लागी मैनलाग्योनचननवेलांनेहमरसै ॥ कंतधिनकैसे
 अंतधीरजधरैगींआली मानगढअंतकवभंतलागोदरसै
 ॥ ३७ ॥ तारेजहैसुभठनगारेपिकनादतहै। पैदलच-
 कोरकोरधै। धेयंदवेसकी ॥ गुंजरतभौरपुंजकुंजरतमोरज-
 है। पौनभक्तकोरघोरधमकहमेसकी ॥ भनतकधिन्दसर
 फौजहैयसंतआली मिलतंतकंतमोमनोजमानयेसकी ॥
 मानधारीगढ़ीपैगुमानढाइयेकींश्रद्धी चढ़ीहैसगारोपानि
 साकरनरेसकी ॥ ३८ ॥ मदमतधारेभारेभौरगजगुंजरत
 मुनिजनदेखिगीतगावतउमाहके ॥ दोकिलनकांयघोल
 करतकलोलप्रागे पौनहलकारेआलीछूटेचितचाहके ॥
 मोहनसुकधिजीतिसिसिरतगीरकीन्हे यसकरिछांन्हेदेस
 रहेनानिघाहके ॥ यहजिघजानमानकरनागुमानआली
 डेरापरेयागनधसन्तयादसाहके ॥ ३९ ॥ बालिकैमालिन्द
 प्रन्दकरखासुनावैसोर दुंदुनीधुकारयोलेँकीकिलाअगा-
 हके ॥ वन्दीजनधिरदपपीहायोलेँधारवार खोलेँखुसधो-
 हंतसुसुमनअघाहके ॥ चटकैगुलायबहुँओरतैंचटाचटकै
 मानोजंगजीतयाढदागतसिपाहके ॥ परीहैपुकारधिग्ही-
 निनिकेद्वारद्वार डेरेपरेयागनधसन्तयादसाहके ॥ ४० ॥
 सूरसहकारसीसघोरनकेतोरकरे मोरनकीआनीयेसया-
 जैरतिनाहकी ॥ परिभूतवंदिजनयेहृदयिरदयोलेँ क्त
 कापौनढादीलखियादीपोरंदाहकी ॥ कहैप्रह्लादकधि

हैमदुमझुरीरसालकी ॥ ३२ ॥ फूलैगें अनारकस नारनह
 सुतआम फूलैगें सिरिसऔ पनस फूलसूलैगो ॥ फूलैगो सुपौ
 डरऔ मालतीअमिलतास सेमरपलास फूलिआगिरूपतू-
 लैगो ॥ फूलैगों कनैरमाघबीचमेलीरघुनाथ फूलैगें गुला-
 यजिन्है देखिचेत भूलैगो ॥ धिरहको धिरया लगायो जौनक
 न्तसखी आवतघसंतकहौबहीअघफूलैगो ॥ ३३ ॥ भूलेभू-
 ले भौरयन भौवरै भरै गंचहू फूलि फुलि किंसुकजके सेरहिजा
 यहैं ॥ द्विजदेवकी सों बहकूजनिधिसारिकूर कोकिलकल-
 कीठौरठौरपछितायहै ॥ आवतघसन्तकेन ऐहैं जो पैर्या-
 मतोपै वायरीबलायसों हमारेहू उपायहै ॥ पीहैं पहिलेहीतें
 हलाहलमगाय याकलानिधिकी एकोकलाचलननपायहै
 ॥ ३४ ॥ थिकसीवसन्तका सुगन्धभरी शिवकशि औरैठह
 भयेयनकुझकी पलीनके ॥ कोकिलके कलकलकलनहिदेत
 पल चारों ओर सारसखिसुनिये अलीनके ॥ ऐसीसमैमान
 प्रानपतिसोंनकीजियेरी मेठिवेकों मानमाननीकीअवली
 नके ॥ देखोरतिराजकाजरिनुराजकारीगर गुरुजयनाये
 हैं गुलाबकीकलीनके ॥ ३५ ॥ कोकिलनखोजिनकोंसहलै
 अनेकफिरैं चारों ओर द्योतियोलैं दरदोलतदराजमहराज
 रितुराजको ॥ ३६ ॥ उसनकुटजयनचंपकपलामयनफू-
 लीसयसाखाजेहरतिजनचित्तहैं ॥ सेतपीतछाँलफूलजा-
 यसा ॥ आछेअलिअछरजेकाजरकेमित्तहैं ॥ से
 पतिनाय ॥ नातिनिमका येठेद्विजकोकिलकरत
 ॥ ३७ ॥ कागदरगौनमेंप्रथीनद्वैयसंतलिये मानो

लाग्योपरसै ॥ फूलेहुमपुंजनपैगुंजनमधुपलागे मंजुफूल
 चन्दलागेमकरंदबरसै ॥ सेखरधमारिनकीधूमसीमचन
 लागी मैनलाग्योनचननबेलानेहमरसै ॥ कंतयिनकैसे
 अंतधीरजधरैगींआली मानगढअंतकवसंतलागोदरसै
 ॥ ३७ ॥ तारेजहँसुमटनगारेपिकनादतहँ। पैदलच-
 कोरकोरबौधेयंदवेसकी ॥ गुंजरतभौरपुंजकुंजरतमोरज-
 हँ। पौनक्तक्तकोरधीरघमकहमेसकी ॥ मनतकचिन्दसर
 फौजहैवसंतआली मिलतंतकंतमोमनोजमानयेसकी ॥
 मानवारीगढ़ीपैगुमानढाइधेकोंग्रढ़ी चढ़ीहैमथारीयानि
 साकरनरेसकी ॥ ३८ ॥ मदमतथारेभारेभौरगजगुंजरत
 मुनिजनदेखिगीतगावतउमाहके ॥ बोकिलनकाबग्रोल
 करतकलोलआगे पौनहलकारेआलीछूटेचितचाहके ॥
 मोहनसुकविजीतिसिसिरतगीरकीन्है यसकरिलान्हेदेस
 रहेनानिधाहके ॥ यहजियजानमानकरनागुमानआली
 डेरापेरयांगनवसन्तआदसाहके ॥ ३९ ॥ बोलिकैमलिन्द
 प्रन्दकरखासुनावैसोर दुंदुभीधुकारबोलैकोकिलाअगा-
 हके ॥ चन्दीजनधिरदपपीहाबोलैशरधार खोलैखुसधो-
 नावसालसानकायलकुहुकिद ॥ ४० ॥ बोरतैंचटाचटकै
 जोप्रफुल्लमल्लीमालतीमतल्लीबल्ली अवलीअलीनकाकली
 नकलगीतैगे ॥ पंडितप्रवीनयिनपीतमग्रहैगे। पौनकोनर-
 तिरंगमैअनंगजंगजोतैगे ॥ बीतगयोकैसेाकरिसिसिर
 हेमंतआली कंतयिनकैसेयावसंतरितुबोतैगे ॥ ४१ ॥ च-
 नवनयोयिनतेधरधरधेरिहे लालपेरिलागतनजानिप-

रैंकारेसे ॥ गायतसमाजकरेआवतनवांज राजकरायेनि-
 लजलकंछाक्रमतवारैसे ॥ गोकुलवसंतमैयियोगिनकेजा
 रियंकों हारीसीहियेमेहरपितनिरधारैसे ॥ भोजेमकरंद
 सांपरागलपटानेदेखो मधुकरढालतफिरतफगुहारैसे ५०॥
 मधुकरमाधवनवेलिनकेजालपर कोकिलरसालपरकुहु-
 फअमंदकी ॥ मंदपवनसीतलसुधासमईयागन धिलास
 मईकालिदासरासमकरंदकी ॥ देखियेसयानग्रैसाखमैप-
 यानकरैं कान्हकोंदयानहोतगोपिनकेवन्दकी ॥ कैसेदे-
 खिजोहैंचढ़िचौदनीमहलपर सुधाकीचहलसुधाकीचा-
 रुचंदकी ॥ ५१॥ आवतिचलीहैयहयिपमययागिदेखु दये-
 दयेपायनकिधैरनिलरजिदै ॥ कौलियाकलंकानकोंदरी
 समुक्ताय मधुमासीमधुपालिनकुचालिनतरजिदै ॥ आ-
 जग्रजरानीकेबियोगकीदिवसताते हरैहरैकीरयकयादि-
 नहरजिदै ॥ पीपीकैपुकारिवेकोंखोलैंज्योंनजीहन पपी-
 हनकेजूहनत्योंवावगीवरजिदै ॥ ५२ ॥ फूललाईफूल-
 लाईनीकेनांकंदललाई थीरलाईयनितासुआइधनगायैना ॥
 हरलालटोऊकरजोरकहाँतोसोंथीर पीरऔरहूकीजानि-
 हिपोतरसावैना ॥ नेहसरसावैतूनरंगवरसावैमोसों पं-
 चसरपायककीचैचरमचावैना ॥ चोवाचारुचंदनअत-
 रदरसावैजनि कंतयिनमालिनयसंतमोहिभावैना ॥ ५३॥
 घसोघसोचंदनउसीरसीरनीरेधरो नीरलावोसीतलस-
 मीरलागैगरमै ॥ घोरिघनसाररीगुलायजलधारनसों
 लायोदलनीकेनलनीकेनयेनरमै ॥ देखीकियारिकोजनि-

फरोनद्वारै सुनो आवतघसंतयोंपुकारैघरघरमै ॥ भूलसी
 गईहैंसुधिदेखिफूलीधूरिधारा हूलसीमचीहैधिरहीनके न
 गरमै ॥ ५४ ॥ मलयसमीरपीरकरिलैअधीरमोहि नेसु-
 कसुसीरनीरधीरनउधारिलै ॥ कहैहरिकेसचंदझारिलैघ-
 रीकतूहं सौचोबिपकंदचारुचौदनीपसारिलै ॥ अघही
 मिलतमोहिनंदकेदुलारेप्यारे तीलीतूंततारकारीकोकि-
 लकहारिलै ॥ गारिलैगरघगरघोलेतूअनंगकिन मेरेइन
 अंगनअनंगयानझारिलै ॥ ५५ ॥ सौझहीसोंदरपरदा-
 नदेहोंदुरिरही एकजियसंकायाकलानिधिकसाईकी ॥
 कंतकीकहानीसुनिश्रयनसिहानीरेन रंचकबिहानीयाध-
 संतअंतघाईकी ॥ कलकेननेकोआलीपलकोलगनपाई ट
 रिफितगईनीदनैननमैआईकी ॥ कुहूकहयोकोइलकुमति-
 मैउघारेहुग जागिकैजोदेखीउशालजरतजुनहाईकी ॥ ५६ ॥
 प्यारेकेबियोगआलीउठीआगिधून्दावन जरतीसहेटकुं-
 जैसुन्दरीमहामहं ॥ धीरेकचनारऔंचउठतिपलासम-
 तें कुसुमकरीलढीठपरतिजहँजहँ ॥ मंसारामतिन्हैभे-
 टिआश्रतसमीरथीर तयोजाततनतातीलुगतितहँतहँ ॥
 मृगअधमारिविललातहँभँवरकारे कोयलहूकोपलैपुकार
 सोंकहँकहँ ॥ ५७ ॥ आवदुरकायदेगुलायखसकेवराको
 चंदनचमेलीबेलामाधवीनियारीमै ॥ जुहीसेनजुहीजा-
 हिचंपककंदंवमिली सेवतीसमेतओलामालतीनिकारीमै ॥
 रघुनाथइनकोबिलोकियोनभावेहमैं कंतबिनआयोचसं-
 तफूलयारीमै ॥ भागिबलीभीतरअनारकचनारनतें आ-

गिउठीआवतिगुलालाकीकियारीमै ॥५८॥ कुंजकुंजप्रति-
 गुंजरतदेखुअलिपुंज कूकैकूरकौलियाकहाँलौधोरधरिवो ॥
 त्रिविधिसमीरआनितीरसोलगतहियें उमगैगभीरपीरकै
 सेदिनभरिवो ॥ कहैशियकविहायप्रगठ्योवसंतसमै त्रि-
 नवनमालीआलीभोजरूमरिवो ॥ सेमरअपारनमैकिंसु-
 ककीडारनमै भयो।कचनारनअगौरनकोफरिवो ॥ ५९ ॥
 पातयिनकीन्हैऐसीझातिगनबेलिनके परतनचीन्हैजेवेल
 रजतलुंजहैं ॥ कहैपदमाकरयिसासीयावसंतकेसु ऐसेउ-
 तपातगातगोपिनकेभुंजहैं ॥ ऊधोयहसूधोसोसँदेसोक-
 हिदीजोभलें हरिसोहमारोहँयानफूलेयनकुंजहैं ॥ किंसुक
 गुलाबकचनारऔअनारनकी डारिनपैंढोलतअँगारनके
 पुंजहैं ॥ ६० ॥ मंजुमल्लिकानकेमधुरमकरंदहेत रिन्दयेमि-
 लिन्दजिततिततैंपलैलगे ॥ जोहिजोहिचौदनीमनायैथि
 नमोहिमोहि माननीसमूहप्रानपतिनमिलैलगे ॥ कहैशिय-
 कविक्योंप्रसन्तयिनकन्तयोतै त्रिविधसमीरढोलिदाइन-
 दिलैलगे ॥ किंसुककेजाललाउलाउयनयोपिनमै फूलनके
 मिसआलीआगिउगिलैलगे ॥ ६१ ॥ लाललालकैमूफूलिरहे
 हैंत्रिसाल संगस्यामरंगजेदूमानोमसिमैमिटायेहैं ॥ तहोम
 धुकाजजायघैटेमधुकरपुंजमलयपवनउपवनअनघायेहैं ॥
 सेनापतिमाधवमहीनामैपलानतरु देखिदेखिआयकंप्रि-
 ताकेमनआयेहैं ॥ आधेजनसुलगिमुलगिरहेआधेमानो
 यिरहोदहनकामकौआपरचायेहैं ॥ ६२ ॥ कंतयिनप्रानरप्रस-
 न्तलागेअंतकने तीरऐमेत्रिविधसमीरलागेलहकन ॥ सा

नधरेसांगभेचंदनघनसारलागे खेदलागेखरैमृगमेदलागे
 महकन ॥ फाँसीसेफुलेललागंगीसीसेगुलाब अरुगाजअ
 रगजालागेचोबालागेचहकन ॥ अंगअंगआगिएसेकेस-
 रिकेनीरलागे चीरलागेवरनअचीरलागदहकन ॥ ६३ ॥
 वेइदलफूलजिन्हैयादतत्रिलोकिफूल सूलसमतेभयेसमूल
 छविसारीसो ॥ सेवकथखानैतेईठौरठौरक्षीरतहैं भीरन
 केतौरऔरव्हैगयेमहारीसो ॥ सीतलसमीरसोइपीरकां
 करतहाय धायधायपरतपरागरागधारीसो ॥ जायनक
 हन्तकोइकीजैकौनतंतराम कन्तधिनहूँगयोथसन्तअन्त
 फारीसो ॥ ६४ ॥ किंसुकसमानकेनिसानफहरानलागे धन्दी
 जनभीरभारीभीरहूँगलाकरैं ॥ पंचसरसापहाथलीन्हेहै
 नथीनसर सीतलसुगंधमंदमास्तबलाकरैं ॥ धगरिउठेहैं-
 रोत्रिलोकिबैरीचहूँऔर हूँकरिधावैंभठकूहैकोकिलाक
 रैं ॥ हायधिनकन्तकोसहायकरैमेरीअथ आवतथसन्त
 धिरहीनपैहलाकरैं ॥ ६५ ॥ बिटपलताकदीहैचाँपदाप-
 सीबदीहै सेसरबदाहैअलीअबलीसुधरिकै ॥ सुमनसुमन
 जानेवेइसरअँचिताने महाविपसानेजेपरागरहेभरिकै ॥
 आहठविचाखीचटकाहटकलीनपाखी माखीयहचाहत
 मोअारकअकरिकै ॥ जैहौंजरिमैनआजुजोहरकैतोहीपर
 पावकसिखापलासपल्लवपकरिकै ॥ ६६ ॥ फूलनलसंतए-
 तोअनलअनंतराजै बाढपीकामतंतसोवसन्तकोबहारमै ॥
 धूंधुरपरागनधुवैकीधुधुकारहेरि हारनमैहैनहींअगारन
 अगारमै ॥ दहरदहरवनदेखिकैकहंरत्यागि लागियापहर

दुखसागरके पारमै ॥ सासनसोंमैनके बिनासनको देहकरु
 आसनको सेवकपलासनकी डारमै ॥ ६७ ॥ हारनमें फूलको
 बिदारनबिदारनतें धारनकस्योनदुखधारनको पारपै ॥
 कौलियोकी कूकनिअचूकनिसरनखाय टूकनभयोपैगयो
 हूकनकी डारपै ॥ सालकरिसालनरसालनकेसालनकी की-
 न्होमौरमालनउतालनसुतारपै ॥ सासनसोंमैनके बिनास-
 नको देह करुआसनको सेवकपलासनकी डारपै ॥ ६८ ॥
 मदनमहीपकोसमंतबलवंत दिसिथिदिसनिथीरालैयसंत
 उठिधायेहैं ॥ फरतनवारनअवारनप्रतापजाको संकर
 घखानियोंअजयगुनगायेहैं ॥ फिरतदोहाइंभौरभौरनके
 व्याजकूर ललकारैंकोकिलकीकूकनिगनायेहैं ॥ फूलेये-
 पलासकेनफूलकादिकादिमानो नेजेमेबियोगीकेकरेजेउ-
 टकायेहैं ॥ ६९ ॥ उयरहेसुजानतिन्हैजातपारदेसकोंन
 व्हरहेतेभौरमिसिकीरतिबिहीनके ॥ फूलमिसिमानोडार
 पानिपरपेशिरहे आनदअतूलहोयसोभउभहीनके ॥ क-
 हैकणिदेयखरेदेखिकैपलासनकों जानिकैमलासनबिछो-
 कियलहीनके ॥ बादिकैसुतेजवानयधिकयसंतबली मा-
 नोदीनकादिकैकरेजेधिरहीनके ॥ ७० ॥

॥ भय समानांतरगतहोरीवचन ॥

ठीरठीरचौचरचुहुलमघोचंगनकी अंगनकीऔरद-
 साऔरैरूपटायोहै ॥ आनदउरनअतिआमितअसंडला
 पो नागरमिलनदिनदायदरसायेहै ॥ लाजऔरुपाईतिथ
 संगठेबियेरूपति भाज्योप्रजमैतैमारयाननदयायेहै ॥

प्रीढीप्रीतजागननवलनेहलागनकों फागुनसनेहिनकेभा
 गनतेंआयोहै ॥७१॥ आईवरसानेतेंअकेलीकोऊजसुधापै
 गवालनभिजोइडारीखेलवीजव्यैगयो ॥ सुनपुरभानतेंदु-
 लारीचलीकीरतिकी धूममचपरीभारीगारीघोपच्यैगयो ॥
 नागारिचमकिरहीचपलासीचहुंओर चरेघनस्यामशब्द
 है।होलोकद्वैगयो ॥ घरलालतरुलालकेकीसुकपिकलाल
 धुमडरो।गुलालप्रजलालमहंघैगयो ॥७२॥ लोलघियली
 चनेअलीलफूलकतछवि छलकतश्रुतिमनिकिरिनकपोल
 मै ॥ दीपतिलिछाटतेंछुटतविघटतपट नटतकिसोरभृकुं
 टीतटकलोलमै ॥ आजनंदलालसोंसुनवलकिसोरीहोरी
 खेलतलसतविहैंसतघरधीलमै ॥ रंगफरफेलतपछेलत
 अलीन मुखमीढतगुलालमिलिजातफिरगोलमै ॥ ७३ ॥
 अँचराउरीजनतेंखुलिखुलिजातप्यारी फेंकैपिचकारीभा-
 रीलागीरंगघरसात ॥ कहतयनैनकछुदेखतहीआवैधनि
 मैनकामिनीसीदामिनीसीदुतिदरसात ॥ फुचउचकोहैं
 लचकोहैंमध्यदेसवेस येनीकविआननअनूपछविसरसा
 त ॥ छाड़जातआनदलजामजातगारीसुनि चोटकनि
 कान्हपैअलीकीओठआड़जात ॥ ७४ ॥ खेलिधेकोफागु
 देवदारासीउतरआई दीरघट्टगनदेखिलगतनाहिंपाल
 कै ॥ उरतदुकूलदरसतभुजमूलघर उन्नतउरीजहारहीर
 नकेफूलकै ॥ येनीकविभूपरघरतमंदमंदपौधे आननके
 ऊपरअनूपछविछलेकै ॥ लाललालरंगभरीमंदनतरंगभ-
 री बालभरीआनदगुलालभरीअलकै ॥ ७५ ॥ अँचराउरी

जनतेखुलिखुलिजात प्यारीफेंकौपिचकारीभारीलागीरं-
 गबरसात ॥ कहतयनैनकछूदेखतहीआवैथनि सैनका-
 मिनीसीदामिनीसीदुतिदरसात ॥ कुचउचकोहँलचकोहँ
 मध्यदेसयेस येनीकबिआननअनूपछत्रिसरसात ॥ छा-
 इजातआनदलजाइजातगारीसुनि चोटकरिछैलपैसखी
 फीओटआइजात ॥ ७६ ॥ नंदकेकुमारकीअपारपिचकारि
 नकी धीरनपैधारतेसँभारनसभैरगई ॥ गायगायधाय
 कैधमारियोमचाईधूम तासुधीरधारिनसोंधीरतानधारि
 गई ॥ मणिदेवभनतगवँरीकहिगारीदैके ग्यालिनिकी
 काएिहजोगुमानैनिजगारिगई ॥ वीरकीसोंवीरबलवीरपै
 अवीरसोई भीरमैअभीरकीअभीरिआजुमारगई ॥ ७७ ॥
 होंरीआजचोरीकीकहेरीकहामोरीदई लाडिलीपठाईभुं-
 जगहनसहेलीकी ॥ भोरेभायभावतोगहायगयोजानयू-
 ष्ति आयगयोसंगमैमचायरंगरेलीकी ॥ ललितालचायो-
 लंकयैहदैविसाखागरे डारिहियहारहरिआनदचमेली-
 की ॥ प्यारीलँगुलालनन्दलालमुख मोडैजौलीं तौलँछेल
 छैगयोकपोलअलवेलीकी ॥ ७८ ॥ होरीकेदिवसकहूंगोरी
 राधिकाकीदेखि कान्हजियमाफ़योविचार्योबुद्धिबोछे-
 तें ॥ आजुविनरेंगेकेहुँछाड़िहौंनलाडिलीकों घातनमैला
 ग्योफिरैआनदेकेइछेतें ॥ कहैचिरजीवीत्पोंहौंलालपिच-
 कारीलैकै लपक्यौंप्रियापैंप्रियाभागीतकितीछेतें ॥ ओठ-
 नीसरकिचोटीपीठयोंलखातमानो इन्दुभाजयोजातऔ
 फनिन्दपखोपीछेतें ॥ ७९ ॥ मचरहीफागुऔरसबसबही

पैघालें रंगऔगुलाललालख्यालअबलोकींमै ॥ मैंखिन
 हीठाकुरलगायेघातधूमैधेरि देखोंअबजातकितैइतउते
 रीकींमै ॥ गहिलेहींगाफिलकैछनमैछबीलेछैल छेदिकै
 छलीजूनिजनैननिकीनोकींमै ॥ ओटैंध्वैकरतपिचकारि
 नकीचोटैंकहा सौंहैंआवसौवरसराहींतबतीकींमै ॥ ८० ॥
 घाघरेनहोउसुनोसौवरसिंहारोतुम छनमाहिंराघरेगऊ
 रकींनिकारैगी ॥ राधामहरानीजयअहैउमगानीतब रा
 घरीसुयानीघरवचनधिसारैगी ॥ मणिदेवभनतबखान
 कीचलैं।कीतासु राघरेसखानकीनभीरकींविचारैगी ॥ ख
 रेहीगुलालकैकिलालमैतयारपर देखतहोलालतुमैलालक
 रिडारैगी ॥ ८१ ॥ धूंधरिउमंगसोंमचायहींअधीरनकी संग
 लियेमदनतरंगभरीगोरीमै ॥ रसवरसायदरसायहायम
 यतिन्है गाफिलकरोंतोअपज्ञानकीकिसोरीमै ॥ सहिकैअ
 पारपिचकारिनकीधारसोहैं गरककरोंगीहनुमानरंगरो
 रीमै ॥ खेलनकोंहोरीचहैमोतैंअरुक्तोरी परओरीआज
 छैलकांगहांगीघरजोरीमै ॥ ८२ ॥ लालकीललकिलख
 दीरिदुरिजातहुती छुवननदेतछवितनदुतिजालकी ॥ ज
 लकोदरीधीतैंनिहारिमु रिजातिहुती भातिहुतीमंदिरमै
 दुतिसोंमसालकी ॥ सोलकीनसुधिताकांआजुमणिदेव
 कहै हूँगईयसनघारीमदनमहालकी ॥ हालकीसुनोरीचि
 तघोरीकरिदौरी अपज्ञानकीकिसोरीक्तोरीभरिकैगुला
 की ॥ ८३ ॥ डरोनाअहीरनतैंअगरअधीरनतैं चारिज
 नोधारुधारओरनतैंघाघोरी ॥ ऐकहायओडोपिचकार



शायओटराखिऔंखिनयंचाओरी ।
 ढाखिलवारीताहि खेलकोसबादरंग
 ओरतिकुमारीकहयोहेरिकैकुमारी कोउ
 वारीचौधिलावोरी॥८५॥ सुनतनिदेससो

अससभ... मिस चलीएकएकगहेंगरवअकरिकै ॥ क-
 वरीसमेटिबैं।धोसवरीसुभगसुचि लहगोंजवरकस्योलंक
 मैजकरिकै ॥ गिरधरदासहाथफूलकीछूरीलैधाइं छविसें
 अतूलहोरीहोरीसोरकरिकै ॥ अपलासीचमकिचहूँघाँसों
 अपलचारुचंदमुखीलीन्होब्रजचंदकोपकरिकै॥८५॥ आज
 ब्रजराजधृजवधुनसमाजसंग लाजतजखलेंफागुगोकुल
 नगरमै ॥ उडनगुलालछितिअंबरभयोहेलाल छिरकैगुला
 लछूटैपिचकैडगरमैं॥गहीआयअचकैअकेलीहरिहाथधी-
 र गोपीभाजिदुरीभौनभीतरवगरमैं ॥ अतरअधीरतरब-
 तरसरीरकीन्हे सतरउरोजभीनेचन्दनअगरमै ॥ ८६ ॥
 रङ्गभरीकंचुकीउरोजनपैतौंगीकसी लागीभलीभाईसीभु
 जातकखियनमै ॥ कहैपदमाकरजवाहिरसेअङ्गअङ्ग ईंगुर
 सेरङ्गकीतरङ्गनखियनमै ॥ फागुकीउमङ्गअनुरागकीतरङ्ग
 वैसी तैसीछविप्यारीकीबिलोकीसखियनमै ॥ केसरि-
 कपोलनिमैमुखमैतमोल भरीभालमैगुलालनन्दलालअं-
 खियनमै ॥ ८७ ॥ एकैसङ्गहालनन्दलालओगुलालदोज
 हगनगयोजोभरिआनदमढ़ैनहीं ॥ धोयधोयहारीपद
 साकरतिहारीसौंह अबतोउपायएकोचित्तमैचढ़ैनहीं ॥
 कहाकरोकहाँजाँऊँकासोंकहोंकौनसुनै कोऊतोनिकारो

तातेदरदयदं नही ॥ ऐसी मेरी धीर जै से तै से इन अँखिन तै
 कढ़ि गो अयो रपे अहीर कौ कढ़ि नही ॥ ८८ ॥ खेलो मिलि होरी
 घोरो केसर कमोरी फेको भरि भरि जोरी लाज जिय मै विचा-
 रोना ॥ डारो घहु रंग संग चंग ड्य जा योगा यो सव हिरि रक्ता
 घो सर सायों संकधारो ना ॥ जारि कर कहति निहीरि हरि चं
 दप्यारे मेरी धिन तो है एकता हितु मटारो ना ॥ नैन हैं चकोर
 मुख चंद सो पारै गो ओट या तें इन अँखिन गुलाल लाल डारो
 ना ॥ ८९ ॥ आइं फाग खेलि कै संकलि सुख साँध रे सो सुन्दरि
 सुघर सो सनेह सर सायै है ॥ केसरि के रंग भीनी चुनरि सुरंग
 रंग अंगन अनंग की तरंग दर सायै है ॥ राजत अनोखो आ-
 धो घदन गुलाल मटयो कहत कि सोर सो अनूप छवि छावै है ॥
 अमल अभंग अछो उत साहसानो मानो अरु न घटा तैं ससि-
 निक सत आवै है ॥ ९० ॥ आइं खेलि होरी कहूं न थल कि सोरी
 भीरी धीरी गढ़ रंगन सुगंधन फल कोरै है ॥ कहै पदमा कर एकं-
 त अलि चो की चढ़ि हारन के यारन के अन्द फन्द छोरे है ॥ धा-
 घरे की घूमनि उरुन दुधी चैं पारि अँगी हू उतारि सुकुमारि-
 मुख मोरै है ॥ दन्तन अधर दावि दंदरि भइ सी चौप चौघर
 पचौघर कै चूनरि निघोरै है ॥ ९१ ॥ घाग के यगर अनुराग भ-
 री खेलि फाग आइं अलखेली मन मोहनो गोपाल की ॥ फा-
 लि दास ललित लछो हों छवि छल कति नथ मुकतान की कं-
 पो लन की भाल की ॥ राज करो इन्दु अरविन्द सो नकाज आ-
 ज देखि वे कौ सो भाया के वदन रसाल की ॥ बरुनी पलक पर-
 भृकुटी तिलक पर घूमरी अलक पर फलक गुलाल की ॥ ९२ ॥

फागुखेल स्यामसंगसदनसिधारीप्यारी राजैदुतिशामिनी
 सीभामिनीभरीअनंग ॥ कचिरांधरानाथठिरतनसिंघा-
 सनपै दर्पभरीदर्पनलैभूपनसैभारैअंग ॥ चंदमुखचंदन
 तेंचन्दकीकलासीखासी कंचनकीभारिनमैजलभरिलाइ
 गंग ॥ कीमलकपोलनतेंधोवतीगुलालली त्योंत्योंहो-
 तिआलीअतिगहवगुलावीरंग ॥ ९३ ॥ साँझहीनेंखेलंतर-
 सिकरसभरीफाग भयोअनुरागरागगावैरीक्षिपगिपगि॥
 केसरगुलालसोलघठिरह्योरघुनाथ रूपकीठगोरीढारिगो
 रींढारींठगिठगि॥ भोड़केकिनकापीलालकंबदनेपर नि-
 रखिजुन्हाइयोचऐसेलसैंजगिजगि ॥ मानोफूल्योवारिज
 धिलोकिकलानिधिआली किरनैंचलाईतेलुनाइरहौल-
 गिलेगि ॥ ९४ ॥ छाईछविहीरनकीरविजोतजीरनकी सु-
 खमांगैंभीरनकीचिलकारीअलकैं ॥ अबलाअहीरनकी-
 पोपीदधिछोरनकी सोनेसेसरीरनकीगारीदेतथलकैं ॥ पि-
 चकारीनीरनकीभारैसमतीरनकी देहुदानवीरनकीमा-
 गिवेकोंललकैं ॥ सोहैंकरिवीरनकीउड़नअवीरनकी ला-
 लीमुखवीरनकीवीरनकीभलकैं ॥ ९५ ॥ मारकीमरोरघेसु-
 मारसोंफिरैनसहैं मारकुंकुमानकीउरोजनपैंगारीरी ॥ ला-
 लरंगहूँ गयोकिलालकालिदींकोसब डारैंवहुलालपैंगुला-
 लनकीभोरीरी ॥ मणिदेवभनतकरोरैंकरिभावघाल घो-
 रैरंगदौरैंचहुँ ओरैरंगवीरीरी ॥ आनदसंमाजकीहैजामै-
 सुधिलाजकीन आजकीअनूपत्रजराजकीसुहोरीरी ॥ ९६ ॥
 खेलतहैंहोरीहरिराधेआजवृन्दावन ॥ ऐसीजुरीभीरअंग

अंगसोंछिलतहै ॥ लालकोमयंकमुखमंगलसोदरसा
 जयवाकेकरकेगुलालसोंमिलतहै ॥ घूंघुटउधारतकरत
 बारवारचोट बालमुखस्यामचीरऐसैसिकलतहै ॥ मानो
 प्रभुआगेराहुवैरनिजलेनकाज चंदगुनहींकोलैगिलत
 गिलतहै ॥ ९७ ॥ मोतीकलगंगनीलसारीकालिदीक
 संगडखोलालरंगरूपभारतीकोभरिगो ॥ सेवकभनतकै
 हियोकोअनुरागजागि उमगिअदागआजऊपरउधरि
 गो ॥ ललकिललानेमूठियादलाकोमारीतापै सनखउरो
 जंपरऐसोअनुसरिगो ॥ मानोभानुपूरकलाआपनीकोंसू
 मानि हूँ कैचंद्रचूरचंदचूडपैवगरिगो ॥ ९८ ॥ किरिनि
 सीकटिआइअंगनाउधारैगात कविपजनेसछैलछिति
 छहरिगो ॥ ऊक्तकिक्तपाकमुखफेरप्यारैरुखओर हेरह
 हरखहिमंचलपैअरिगो ॥ आधोमुखमलतअधोरतैमुके
 ससाध नखरखविनिहतउरोजनपैकरिगो ॥ मानोअ
 चंद्रकोप्रकासअहुँ चंद्रिकापै हूँ कैचन्द्रचूरचन्द्रचूडपैवग
 रिगो ॥ ९९ ॥ फरसजरीकोनगजटितउधटितमनि म
 हितवितानग्रजभारीभीरभरिगो ॥ कविपजनेसक्रीटक
 डलकिसीर मुखमंडलकपूरधूरधूंधरधुधरिगो ॥ गीरीके
 लालभस्मकुंकुमांयोलाम्योजाम्यो विधुरिउरोजपैअदा
 तैसोवंगरिगो ॥ फोरतममंडलत्रहडतैउमंडमानी अरु
 उंदोतहेमगिरिपैवगरिगो ॥ १०० ॥ उमहोकिसीरीत्रप
 भानकीहरपहोरी सोहंसंगगीरीधोरीकेंसरमईमई ॥ वि
 चकीअरावजरीभरीलालरंगनतै मोहेंनकेमुखदइछयिस

मेरे जानका हृदय भान जग मोचन को तीसरो त्रिलोचन को
 लोचन खुलायो है ॥१०४॥ जे ये बिना जीरन सो जल की जि किर
 जिभ जस्यो जात जगत जला कन के जोर ते ॥ कूप सर सरिता
 सुखा पसिकता मै भई धाई धूर धौरन धरा धर के ओर ते ॥
 वेनी कविक हत अनात पच हत सत्र अगिन सी आत पप्रकास
 चहुं ओर ते ॥ तावा सो तपत धराम गडल अख गडल सो मा-
 रत गडम गडल दवा सो होत भोर ते ॥१०५॥ धुधुरे दिगन्त भये
 धिगत धसन्त आली ग्रीपम धिपम दिन का हूना सुहात है ॥
 तैसे ही प्रथम गडमारत गडन धौख गडत पै बलित वय गडर वह-
 त चारौं यात है ॥ सूखे से लगत दुम रूपे भूखे से लिल से भंजन
 भया घन महा घन झुरात है ॥ आवा सो जगत भयो ताया सी
 तपति भूमि दावा भरे भूधर पै जाया से धुवात है ॥१०६॥ ग्री-
 पम मै भीपम वहै तपत सहसकर थापी तारे नारे न दीन दसू-
 खि जात है ॥ शंक्ता पीन श्तर पि श्तर पि श्तर क श्तेरि श्तेरि धू-
 रि धार धूसरे दिगन्त न दिखात है ॥ श्रीपति सुकविक है आ-
 लोचन माली धिन खाली जग मोहि के संया सर बिहात है ॥
 ताया सो अजिर पगला वा सो तचत घर भयोगिरि आया सो
 पै जाया सो धुवात है ॥१०७॥ प्रचल प्रचल चण्ड चण्ड कर की किर
 नि देखो वैहर उद गडन वख गड धूमिलति है ॥ औटिके करा
 हीरत ना कर की तेल जैसे नैन कयि जल की लहर उछिलति है ॥
 ग्रीपम की कठिन कराल ज्वाल जागी यह काल श्याल मुख हू
 की देह पघिलति है ॥ लूका भयो आसमान भूधर त भूका भ-
 यो भक्त कि भक्त कि भूमि दावा उगिलति है ॥१०८॥ उछरि उ

छरिभे पीछ पटैं उरंग पै उरग पग के किन के ल पटैं लह कि है ॥
 के किन की सुरति जिये की ना कछु है भये एकी करि के हरिन यो
 लत ब्रह कि है ॥ कहै कवि ब्रह्म वारि हेरत हरिन फिरैं वैहर
 वहति बड़े जोर सों जह कि है ॥ तरनिके ताथन तवासी भई भू
 मि रही दस हूँ दिसान मै दया सी यों दह कि है ॥ १०९ ॥ तपै इत
 जेठ जंग जात है जरत जा सों ताप तें तरनि मानो भरनि भरत
 है ॥ इत हीं असाढ़ उठे नूतन सघन घन सीतल समीरहि ये
 हीत ल भरत है ॥ आधे अंग उत्रा लन के जाल विकरा ल आधे
 सुख दस मोदहि ये धीर ज धरत है ॥ सेनापति ग्रीपमत पत
 रितु भीपम है मानो बड़वानल सों धारि धरत है ॥ ११० ॥ से-
 नापति पतित पत उत पति तै सी छा योरति पति ता तें धिर-
 ह वरतु है ॥ लूवन की ल पटैं ते चहूँ ओर शक्त पटैं घों ओढ़े स-
 लिल पटैं न चैन उपजतु है ॥ गगन गरद्यूँ धि दसों दिसारही
 रूँधि माने न भ भार की भ सम वरसतु है ॥ धरनि बंताई छि-
 ति व्योम की तताई जेठ आयो आतताई पुट पाक सी करतु-
 है ॥ १११ ॥ सेनापति उवै दिन कर के चलत लुवै नदन दी कू-
 र्वै को पिड़ारत सुखाय कै ॥ चलत पवन मुरझात उपवन घन
 लाग्यो है तवन द्वाखो भूत लौत चाय कै ॥ भीपमत पतरितु ग्री
 पम सकुचिता तें सीत है कछु कत हं खाने न मै जाय कै ॥ मा-
 नो सीत काल सीतल ता के जमाइ वेकों राख्यो है धिरं चिथी ज
 धरामै धराय कै ॥ ११२ ॥ चण्ड कर झारन झारत सरोप-
 पीन तोरत तमाल गन मदं दन भारो सो ॥ धमकै धरनि गि-
 रितं मकै प्रतोप जाको देखत मजे जरे जंगत निहारो सो ॥

तरुछीनछायासरसोखतसमुद्रवन करनविचारदेखोआ-
 तपअगारोसो ॥ छावतगगनधूरिधावतधधातआवैचौ-
 पचढ्योग्रीपमगगंदमतवारोसो ॥ ११३ ॥ ओवरिनदोव-
 रिनतहंखानेखसखाने आपनेवचायवेकोंफिरीमैतसि-
 कै ॥ रघुनाथकीदोहाईपैपतनकहूंकल लागतहीविहुव-
 लहोतिहौंअरसिकै ॥ आजकेपवनकीव्यवस्थाकौनकौन
 कहीं आवतहैतरनिकिरनिकोंगरसिकै ॥ मलयकेसोंप-
 नकेधिपकोंकरपिकैको दयामैभरसिकैकोदाइवपरसि-
 कै ॥ ११४ ॥ चूपकोतरनितेजसहस्रीकिरनिकरि ज्वालन-
 केजालविकरालयरसतुहै ॥ तचतिधरनिजगजरतभरनि
 सीरी छौंहकोंपकरिपंथोपंछीविरमतुहै ॥ सेनापतिनेक
 दुपहरीकेठरतहोत धमकाधिपमर्योनपातखरकतुहै ॥ मे-
 रेजानपौनोसीरीठौरकोपकरिकोनो घरीएकुर्थठिकहूँ
 घामैधिततुहै ॥ ११५ ॥ घोरिघनसारनतंसखिनकचूर
 चूर लीपेतहरखानेसुखदीवेकीहुदगडकी ॥ तामैखसखाने
 यनेउजरेयिताने सुरभीनकीसमानंजेनिदानैठानैठगडकी
 बहतगुलांथकीसुगन्धकेसमीरसने परतफुड़हँजलजंत्रनके
 तगडकी ॥ विसदउसीरनकेफोरपरदानप्यारे तऊआनि
 वेधतिमरीचैमारतगडकी ॥ ११६ ॥ सीनाथीचहूँकरंप-
 सीनाकीबहतधार जीनातथोजुलुमननैनहूँसांघरमी ॥
 शेषकजनतपीनपानीतेंकदतिआगि दागिजैयेपरसिनही
 तकथौंनरमी ॥ खसखानेरंसखानेगयेद्वैअतसखाने क-
 सखानेवैठिकहीपूजैहोसहरमी ॥ ईपमसीहूँरहीनहीप-

मपरतिभूरि भीषमभईहैगाढग्रीपमकीगरमी ॥ ११७ ॥
 सीरितहखानेतामैखासेखसखानेसींचे अतरगुलायकीय-
 यारदपटतिहै ॥ भूधरसुधारेहौजछूटतफुहारेभारे धारे
 तापदाननमैधूपदपटतिहै ॥ अयसेमैगवनकहोकैसेकैकी-
 जियत सुधासीतरंगप्यारीअंगलपटतिहै ॥ चंदनकिशो-
 रघनसारकेपगारधीच तऊआनिग्रीपमकीफारफारपटति
 है ॥ ११८ ॥ अंबरअतरतरचन्द्रकचहलतन चंदमुखीचंदन
 महलमैनसालासे ॥ खासेखसखानेतहखानेततरतानेतने
 ऊजरेथितानेछुयेलागतहैंपालासे ॥ दत्तकहैग्रीपमगरम
 कीभरमक्रीन जिनकेगुलायआयहौजभरेतालासे ॥ फा-
 लासेफारतफारफांपनसीधाराधौधे धाराधौधिछूटतफुं-
 हारामेघमालासे ॥ ११९ ॥ चादरचहूँघांसिसिरादरमया-
 इगिरै नहरनिरादरलीजातिकंपसानेमै ॥ कैतेजलजंत्र
 सीतजंत्रसेमलैकेचलैं धोजनस्वतंत्रकेतुधारमंत्रमानेमै ॥
 फरदफुहारनतेंग्रीपमगरदकीन्हो सेवकल्यांसरदगुयास
 देखजानेमै ॥ संगनयलाकेमनमोहनअनंगराचे माचेर-
 सरंगकीतरंगखसखानेमै ॥ १२० ॥ दसींदिसितचीअग्रली
 कियतग्रीपममै जलथलधिकलअथनिसयधहरी ॥ अमृत
 केपुंजदोजनीचकमिलेहैंकुंज द्रुमयेलीनीकीतकिछाँहल-
 विगहरी ॥ राधेहरिभूलिपलरूपछाकसग्रीसुर रसकंस-
 मुद्रयदीजनुरागलहरी ॥ चंद्रमासीलाग्योभानुधौदनी
 सीलागीधूप सरदकीरातिभईजैठकीदुपहरी ॥ १२१ ॥
 टितिजलअंबरदसींदिसातचीइंजात नेकुनमुहाततयत्र-

नमेलिफरसी ॥ सीरोहूउसीरनकीटाटीआवटीहीजात
 साटीकरनाटीहूननेकजातपरसी ॥ ताछिनहींआयेकुंज-
 भीनमेकहूतैंश्याम चौदनीसीलागीधामसूरजलग्योस-
 सी ॥ दीरघनिदाघकोदिवसघटिकासीलाग्यो होतनयि-
 तीतजानिछनदाछिनकसी ॥ १२२ ॥ चन्दनमहलमध्यच-
 न्द्रकचहलचारु चौदनीसीथिकैचंदचौदनीसुहाईहै ॥ तर
 अतरनधीरविजनवधारनीर नहरयिमलधारिचौगृदच-
 लाईहै ॥ रजनफुँहारनकीपरतफुहिहैतहाँ परमानदगुला-
 यकीगिलंधिछाईहै ॥ ग्रीपमगरमधर्मपात्रैक्योंप्रवेसतहाँ
 जहाँमहराजधृजराजकीअथाईहै ॥ १२३ ॥ कमलधिछा-
 येधरयिमलयितानछाये छविभरेछज्जेदरयज्जेमहराध-
 के ॥ घनेघनसारकेसैंधारेसखिहोजतामै छुटतफूँहारेभा-
 रेकेसरिकेआयके ॥ सीधीसेजसुमनसिंगारअंगरागहोत
 रागरंगभरिसुरसरसहितायके ॥ चंदनकीखौरयेदीवन्दन
 घनायघैठे राधिकागोविन्दआजमन्दिरगुलायके ॥ १२४ ॥
 खासेखासेखुलेखसखानेखुमयोइंदार जासपासछुटत-
 फूँहारेयदेतायके ॥ गिरधारोफरससैंधारीतहोफूलनकी
 परेदरपरदादरीचिनमैदायके ॥ चन्दनभिगायेसुखसोये
 रंपामारंपामतामै ग्रीपममैऊँपमहेरानीआवतायके ॥ ग-
 हप्रगलफगुलगुलीगुलसुइंचारु गिलिमगलीचेतरअतर
 गुलायके ॥ १२५ ॥ करियतगहरेगुलायहृदहीदनसु ध-
 रियतरजतफूँहारेततथोरके ॥ दरियतद्वारनसुद्वारननहर
 नीर दरियतघनसारसरदगोतीरके ॥ करियततरअतरन-

सोविछीनाकधि सोमजूउघरियतधातायननीरके ॥ चं-
 दनपलंगअरविन्दनकीसेजपर सुन्दरीसिधारीआजुम-
 न्दिरउसीरके ॥ १२६ ॥ रावटीउसीरविछीसीतलपटीर
 थीर तीरतीरत्रिविधसमीरक्तपटतजाति ॥ चंदनकपूर
 लिपीदहरैसुगंधभूमि फहरैदुहूँकेपटचितचपटतजाति ॥
 छूटतगुलाबभरेललितफैँ हारेभारे परतफुहीकेहीकरंगर-
 पटतजाति ॥ सरकिसुसोचिसकुचायजसवंतअंक सस-
 किलोनीससिमुखोलपटतजाति ॥ १२७ ॥ हीदयीचप-
 लिकापैराजतरसिकदोउ चहूँ ओरछूटैजलजंत्रयोमहम-
 हात ॥ लागिकैगुलायनीरफिरनफुहारअंगरंगवैद्विधैनमै-
 ननैननिढहडहात ॥ सगयगेयारछूटिरहीलटैआननपै र-
 गमगेरागतानयोनामैगहगहात ॥ रीकैभीजैलपटातजा-
 तगातयातलगि प्रेमकेतभाउनेहयेलीज्योलहलहात ॥ १२८
 सीतलमहलमहासीतलपटीरपंक सीतलकैलीप्योभीति
 छितिछातिदहरै ॥ सीतलसलीलभरेसीतलयिमलकंड
 सीतलजमलजलजंत्रधाराछहरै ॥ सीतलविछीननिपैसी-
 तलविछाइसेज सीतलदुकूलपेन्हिपीढेहैंदुपहरै ॥ देयदोऊ
 सीतलअलिंगननिदेतलेत सीतलसुगंधमंदमारुतकीलह-
 रै ॥ १२९ ॥ दोउअनुरागभरेआयेरंगभीन आगमघयास-
 चिकीलखिलागतसहलहै ॥ घैठेएकआसनपैएकैसंगएकै
 रंग चलयोनापरतअंगकीमलकहलहै ॥ एकनटैअतरल-
 गायेदेयदुहुँनके छिरकिगुलायकीन्होविजनयहलहै ॥
 लैकैकरयोनीपरयोनीअलिनीअलापै मंजुनुरपुंजनवैगुंज-

तमहल है ॥ १३० ॥ माधो धाम तची भूमि ते सो काम धाम धूम
 प्यारे धनवारी जून जैये धनवारी मै ॥ उवटिक पुरधारु चर-
 चिकै चंदन सों छूटत फुँ हारे सुख से जन सँवारी मै ॥ भूधर
 सुकयि कहूँ रयि सोन हे सो लाल प्यरी अंग संग रंगरी क्षिरी
 क्षित्री मै ॥ बसो दुपहर रति खाने वाला खाने वीच भोर
 होत भोन मै अथोत फूलवारी मै ॥ १३१ ॥ आइँ चलि धंद मु-
 खी चाँदनी म हल सो भ चमकत था दलाय सनयित रन सों ॥
 चाँदी के फुहार न तें फैलत फुही हैं फूल से जपरदं पति छफ तर-
 सरन सों ॥ धार्ज्यो न बाद कलहं सन अवा दकिये नूपूर नि-
 नाद वे धरन उत्तरन सों ॥ तर भये सीतिन के सतर मनोर धरी
 तर भये पंध के गुलाब अतरन सों ॥ १३२ ॥ फहरें फुँ हारे नीर न
 हरें नदी सी व हैं छहरें छवि नछा मछी टन की छाटी हैं ॥ कहै
 पदमा कर डपीं जेठ की जला कै ज हैं पायै क्यों प्रये सये सये लि-
 न की छाटी हैं ॥ चारहुँ दरी न थी चचारहूँ तरफ तै सी धरफ
 बिछा इता पै सीतल सुपाटी हैं ॥ गजक अँगूर की अँगूर से ज
 चींहे कुच आसंय अँगूर की अँगूर ही की टाटी हैं ॥ १३३ ॥

यथावास वर्धन ॥

दोहा० घनघन धर्पा सघनघन चातक दादुर मोर ॥
 हरित भूमि धानंद मय पाय समदन हलोर ॥ यथा ॥
 घेलिन सोल पटेल लितल हकारे भये धलित तमाउन के दे-
 खे परें दर खत ॥ चातक सिखंडी मंद मेहु करे हैं नादि फोंगु
 रक्तनंकरें जोर सोर हर खत ॥ फक्त पो न फक्त जी कुहु कै ते
 सीको किला की अजये सयिर हय धूके प्रान कर खत ॥ पारा-

धारधारकीधरामैजलधाराभई धारनसोंधाराधरधारि-
 धाराधरपत ॥ १३४ ॥ मल्लिकनमंजुलमिलिन्दमतधारेभये
 मंदमंदमारुतमुहेममनसाकीहै । कहैपदमाकरतेनिनदन
 दीननित नगरनघेलिनकीनजरनसाकीहै ॥ दीरतदेरी
 देतदादुरसेद्वन्दैदंह दामिनीदमंकतिदिसानमैदसाकीहै ॥
 घटलनिघुन्दनिथीलोकियकुलानवाग घटलनिघेलिनघ-
 हारधरपाकीहै ॥ १३५ ॥ दामिनीदमंकनतेंझिल्लीकीझ-
 मंकनतें दादुरअसंकनतेंउमगडईपरै ॥ घादरतेंधनतेंध-
 हारधरहीतेंधेस घेलिनतेंफलनतेंफहरिफुहीपरै ॥ जलकी
 जलूसजेयजोधनजमाजमतें जुगुनूजमकहरियारीतेंहुई
 परै ॥ पोहसीपहारनतेंपारावारपारनतें पीनतेंनथीनरि-
 तुपावसंचुईपरै ॥ १३६ ॥ धुंधुरितधुरधुरवानकीसुछाईनम
 जलधरधारैधरापरसनलागीरी ॥ द्विजदेयहरीभरीललि-
 तकछारैत्यों कदंघनकीढारैरसवरसनलागीरी ॥ कालिही
 तेंदेखिघनघेलिनकीघनक नघेलिनकीमतिअतिअरसन
 लागीरी ॥ येगलिखुपातीयासैंघैंतीमनमोहनकी पांयस
 अयातीयूजदरसनलागीरी ॥ १३७ ॥ घटाघनछतरीपै
 यगपौतिझालरहैं इन्द्रधनुयोंसरंगश्रिधियमढ्योफिरै ॥
 दामिनीदमंकसाईझगाकीझमंकमानो घेलिहरीभूमिय-
 छतकिपाकढ्योफिरै ॥ बीरकहैसीतलसमीरहीकहारकि-
 ये धुरवाखवासरामश्रिधसोंश्रियोफिरै ॥ प्यारीपहिचान
 पतिपतनीकीपीरिपीरि पंचवानपायसहीपालकीश्रियो
 फिरै ॥ १३८ ॥ उमडिउमडिघनधुमरतआयेघने घोरैदेत

निदरिनगारनकीधूमकों ॥ कहनकिसोरचारोंओरनतें
जोराथरी जोरदेतजुराथजुरीनवारीधूमकों ॥ क्षाक्षक्षक्ष
पोनतैसीक्षपटिक्कोरेंदेन क्षोरेंदेनक्षालरैनमादनकी
धूमकों ॥ जलजकोंजोरदेतजलदकोंठोरेंदेत जलथिकों
फोरेंदेतओरदेतभूमिकों ॥ १३९ ॥ क्षरपिक्षरपिक्षूमिक्षू-
मिक्षरेंजलधर तरफिनरफिउठैतरिन।धरीधरी ॥ तैसी
अभिरामग्रामकामसोलपटिघन चिन्तामनिहेरुयेदियन
फीहरीहरी ॥ जकिजकिपापोपिकयकिग्रकिजोरिजोरि
तकितकिप्यारीकारोसूरनिहरीहरी ॥ दीरनिगिरतिउक्त
कतिक्षुकिक्षुकिजाति चौकतिचकतिचकचौधतिखरीख-
री ॥ १४० ॥ क्षक्षक्षक्षक्षारनसोंधूकेंचहूँओरनसों पा-
घसक्षक्षोरनसोंअमीसोछन्योपरै ॥ तरुनाइतोरनसोंहि-
यकीहलीरनसोंवियासिंधुधोरनसोंननहूँहन्योपरै ॥ धी-
लतमरोरनसोंदादुरपिकसोरनसों हितमातीरामकग्रिकै-
सेकैअन्योपरै ॥ यादरकीकोरनसोंजलकीचैंचोरनसों मो-
रनकेसोरनसोंमैनउफन्योपरै ॥ १४१ ॥ अमितसिखंडन
कीमंडीधुनिमंडलमें क्षोगुरक्षक्षोरक्षिलीक्षरपक्षरापैरी ॥
अंचलन्हैचपलाचमकैचंडचारोंओर चातकचुनौठीपीघ
पीवहिअलापैरी ॥ कहैनन्दलालगाढअगमअसाढआयो
दादुरदरेरनकीदरतदरापैरी ॥ एरोउरकापैप्राननाथकु
युजापै अत्रकौनसहैदापैधुग्धानकीधरापैरी ॥ १४२ ॥
कैसेधरौधीरवीरपावसप्रवलआयो छांडंहरिआंडंछिनि
समग्रगपातीहैं ॥ कोकिलकटापैकेकीचातकचकोराक्षिली

दादुरहूकीथोकरैसोरदिनरातीहैं ॥ घासीरामरातीरातील-
 तनसुहातीमिलि इन्द्रकीघघूटीचहुं औरदरसातीहैं ॥ नट-
 केघटासीछटाचिजुरीधमकंचारु तड़पिअटासैं घटाघसि
 घसिजातीहै ॥ १४३ ॥ लागतअसाढदटसाजिचढपोमेरे-
 पर घेरेलेतमोहिबोलिटेरैजलसरजे ॥ फिफिनकेफुण्डय
 कफुण्डतेसुभटसंग बोलतनकीयकेकीकाकेरहैंवरजे ॥ चं-
 चलोनिसानआसमानफहरानलागे प्रधरसुकधिकहैये-
 हीपंचसरजे ॥ आधेआधेचैनकहिराधेमेरह्योनचैनमैन
 पादसाहकेनगारेआनिगरजे ॥ १४४ ॥ छायाछायाखसखा-
 नेचन्दनलिपायगेह घन्दनबैधायअरविन्दनकीफाँपै-
 तो ॥ ग्रीपमकीतीछनतपनतनओड़ीअथ छोड़ीआसढी-
 ढाँदैकलांपोजोआलापैतो ॥ बेनोकधिकहैआयोआयोरी
 असाढअथ जीयेकीनआसजियेंदूनीव्हैंतापैतो ॥ अ-
 तनतरापैमनकापैबारबारथीर आयजैहैंबदरायरायजैहैं
 कापैतो ॥ १४५ ॥ घनघहरानलागेअंगसहरानलागे के-
 कीकहरानलागेवनकेगिलासीजे ॥ बोलिबोलिदादुरनि-
 रादरसोंआठैजाम ग्रीपमकेदेनलागेविरहविदासीजे ॥
 ठाकुरकहतदेखोपावसप्रबलआयो उडतदिखानलागेय-
 कुलाउदासीजे ॥ दावेसेदवेसेचहुं औरनछपेसेथीर घसि
 घसिरहनलागेबदराविसासीजे ॥ १४६ ॥ आलीरितुग्रीप-
 मधितायेदिनपीयचिन कठिनकठिनकरियचीहौंमरीम-
 री ॥ अथतोइलाजकोरह्योनकछूकाज लखिउठीयेघटा-
 ॥ अजहूँनआयेहरीकरोजलम-

रीभूमि चहूँ ओर देखो बनी हो रही हरी हरी ॥ छूटन लगेरी
 धीर धुर धानिहार प्रान - छूटन लगेरी धोल मोरवा घरी घ-
 रो ॥ १४७ ॥ जल भरे कू मै मनो भूमै पर सत आय दस हूँ दि-
 सान धूमै दामिनी लये लये ॥ धूरि धार धूमरे से धूम से धू धा-
 रे कारे धूरवान चारे धावै छुवि सौ छये छये ॥ श्री पति सुक-
 थि कहै धेरि धेरि घहराहिं त कत अतन तन ता थतै त पेतये ॥
 छाल धिन कै सें लाज चादर रहै गो मोहि कादर करत आय-
 धादर नये नये ॥ १४८ ॥ झंझापीन कू कै लगी अंग सय हूँ कै
 र्यों हीं उठत भभूँ पंचवानजू के वानकी ॥ दसों दि स हूँ कै मे-
 घ दीर देत हूँ कै र्यों हीं चातिक उलूँ कै भनै देवन अचानकी ॥
 झिल्ली गन मूँ कै चुप होत जो मरुँ कै र्यों हीं जल की कनूँ कै आ-
 न प्यासी होत मानकी ॥ गये स्यामजूँ कै उपजावै हिये हूँ कै-
 सखी धुंधा की धूँ कै दूँ कै मोरवानकी ॥ १४९ ॥ कारे ज-
 ल धर चहूँ घातै कू करत औँ वै दामिनी सोहावै सो जनावै दु-
 ख गाढ़ के ॥ झोंगुर पपीहा भेषु कपिक मोरघोलैं डोलत
 समीर सो करत आढ़ आढ़ के ॥ कहै कविराम पीरे अंकुर म-
 होतै कढ़े यही पीर अनिता के देखे जल घाढ़ के ॥ काम के उ-
 माह कधिर ही जन दाह कये आये प्रान गाह कबलाह क असा-
 ढ के ॥ १५० ॥ यूपत मेहने हसर सत अंग अंग कर सत देह
 जे से जरत जवा सो है ॥ कहै पदमाकर कलिन्दी के कदम्ब निपै
 मधुपन की न्हो आयु महत मवा सो है ॥ ऊधो यह ऊधम जना-
 यदी जो मोहन सो ॥ अज सो सुवास भयो अगिन अवा सो है ॥
 पात की पपीहा जल पान को न प्या सो काहू विधित वियोगि-

दादुरहूकीयोकरैसोरदिनरातीहैं ॥ घासीरामरातीरातील-
 तनसुहातीमिलि इन्द्रकीवधूटीचहुं ओरदरसातीहैं ॥ नट-
 केघटासीछटाबिजुरीचमकचारु तड़पिअटासैं घटाघसि
 घसिजातीहै ॥ १४३ ॥ लागतअसाढदलसाजिचढ्योमेरे-
 पर घेरलेतमोहियोलिटेरैजलसरजे ॥ भिखिनकेभुण्डय
 कभुण्डतेसुभटसंग बोलतनकीयकेकीककिरहैयरजे ॥ चं-
 चेलानिसानआसमानफहरानलागे अंधरसुकधिकहैये-
 हीपंचसरजे ॥ आधेआधेवनकहिराधेमेरहरीनचैन मेन
 पादसोहकेनगारेआनिगरजे ॥ १४४ ॥ छापछापखसखा-
 नेचन्दनलिपायगेह चन्दनबैधायअरविन्दनकीफाँपै-
 ती ॥ ग्रीपमकीतीछनतपनतनओडीअब छोड़ीओसही-
 ढाँदैकलापीजोआलापैती ॥ येनोकयिकहैआयोआयोरी
 असाढअब जीयेकीनआसजियेंदूनीवहैंहैंतापैती ॥ अ-
 तनतरापैमनकापैभारभारथीर आयजैहैंबदराधरायजैहैं
 कापैती ॥ १४५ ॥ घनघहरानलागेअंगसहरानलागेके-
 कीकहरानलागेवनकेबिलासीजे ॥ बोलिबोलिदादुरनि-
 रादरसोआठोआम ग्रीपमकोदेनलागेबिरहविदासीजे ॥
 ठाकुरकहतदेखोपावसंप्रचलआयो उड़तदिखानलागेय-
 कुलाउदासीजे ॥ दावेसेदवेसेचहुं ओरनछपेसेथीर घसि
 घसिरहनलागेबदराविसासीजे ॥ १४६ ॥ आलीरितुग्रीप-
 मयितायेदिनपीयबिन कठिनकठिनकरियचीहैंमरीम-
 री ॥ अथतोइलाजकोरहरीनकछूकाज लखिउठीयेघटा-
 नलागामरुमदीमरीमरी ॥ अजहनेसायेहरीभरीजलम-

सीभूमि चहूँ ओर देखो बनी हो रही हरी हरी ॥ छूटन लगेरी
 धीर धुरवानिहार प्रान - छूटन लगेरी बोल मोरवा घरी घ-
 रो ॥ १४७ ॥ जल भरे भूमै मनो भूमै परसत आय दसहूँ दि-
 सान धूमै दामिनी लये लये ॥ घूरि धार धूमरे से धूम से धू धा-
 रे करे धूरवान धारे धावै छवि सा छये छये ॥ श्रीपति सुक-
 धि कहै घेरि घेरि घहराहिं त कत अतन तन ता धरतै तपे तपे ॥
 छाल धिन कै से लाज आदर रहै गी मोहि कादर करत आय-
 धादर नये नये ॥ १४८ ॥ भक्त आपीन भूकै लगे अंग सधूकै
 त्योंहीं उठत भभूकै पंचवानजू के वानकी ॥ दसों दि सहूकै मे-
 घ दीर देखूकै त्योंहीं चासिक उलूकै भनै देखन अचानकी ॥
 किल्ली गन भूकै चुप होत जो मरूकै त्योंहीं जल की कनूकै आ-
 न प्यासी होत प्रानकी ॥ गये स्यामजूकै उपजावै हिये हूकै-
 सखी धुआ की धूकै दूजे कूकै मोरवानकी ॥ १४९ ॥ कारे ज-
 ल धर चहूँ घातै भू भरत और्वै दामिनी सोहावै सो जनावै दु-
 ख गाढ़ के ॥ भोगुर पपीहा भेष सुकपिक मोरघोलैं डोलत
 समीर सो करत आढ़ आढ़ के ॥ कहै कविराम पीरे अंकुर म-
 हीतै कढ़े बढी पीर अनिता कंदे से जल बाढ़ के ॥ काम के उ-
 माह कधिर ही जन दूह कये आये प्रान गाह कबलाह कअसा-
 ठ के ॥ १५० ॥ धर प्रत मेहने हसर सत अंग अंग भर सत देह
 जे से जरत जवा सो है ॥ कहै पदमाकर कलिन्दी के कदम्ब निपै
 मधुपन की न्हो आय महत मवा सो है ॥ ऊधो यह जधम जना-
 यदी जो मोहन सो ॥ अज सो सुवास मयो अगिन अवा सो है ॥
 पात की पपीहा जल पान को न प्या सो काहू विधित विधोगि-

निके प्रानन को प्यासो है ॥ १५१ ॥ स्याम घटाना हीये तो धूम
 की छटा है छाड़ धीजुरी कहैं हीये तो काकैं उठै धुरमै ॥ गर-
 ज कहैं है घोर फाटैं ऐसी धंजन को जुगुनू कहैं हीये तो चिगै उ-
 ठै सुग्मै ॥ मंच बुन्दना हीये बुक्ता वत फिरत देख तिनहीं कि-
 छी छि देखि आयत अतुरमै ॥ लाल बिन दावानल अथ की ब-
 च, यं कौन अरी आग लागी है पुरंदर के पुरमै ॥ १५२ ॥ आ-
 दरन होइ दल आयै मै न भूपजू के बुंदियान होय पंचवान क-
 रलाइ है ॥ दादु तन होइ धेन की बयो लैं चारों ओर सुरवा-
 न है ॥ इहैं कसूरन सुनाइ है ॥ वगुलान होइ स्वेत ध्वजा भग-
 वंतजू की चपलान होयें सम से रैं चमकाइ है ॥ घाल मधि दे स-
 या तें विरहि न जा रिये को जुगुनू न होयें काम जाम की जगा-
 इ है ॥ १५३ ॥ अंकुर कुसुम इन्द्रधूगन चहु ओर करिकै
 भगो हें राखे सुखिये की पट है ॥ रूप धन स्याम घटा छटा सिर
 सोहन है जल ही विभूति भूति पीनता के तट है ॥ हर हर अ-
 घाज सुनी जान धर धर जा की भरि गोत लाव धडो खप्पर अ-
 घट है ॥ जग के त्रियोगिन को काम निस दिन दाढ्यो साध-
 न है जोगी यों दिख यो मर घट है ॥ १५४ ॥ राजे रस मैरी तै
 सीयर पास मैरी चढ़ी चंचलान चैरी चक चौं धा की धाव रैं
 री ॥ पती त्रत हारैं हिये परत फुहारैं कछु छारैं कछु धारैं ज-
 ल धर जल धारैं री ॥ मनन कविंद्र कुंज भौन पीन सौरभ सो
 कौन को कैं पाय कन पर हथ पारैं री ॥ काम के तुका से फूल हो-
 लि हो लि डारैं मन आरैं किये डारैं ये कंद धन की डारैं री ॥ १५५ ॥

धानजूकेधानकी॥दसौंदिसिहूकैदेखिदौरैमेहहूकैलगेचा-
 तिकउलकैमनदेवनअधानकी॥फिल्लोनहिंफूकैचुपहो-
 येंजोमरूकैर्योंहीजलकीकनूकैआयप्यासीहोतप्रानकी॥
 गयेस्यामजूकैउपजावैहियेहूकैएकधुरवाकीधूकैदूजेकू-
 कैमुरयानकी॥१५६॥उमदिधुमदिधनघेरिकैघमंडकी
 नोचपलासमेतचहुओरनतेंफूमरे॥निसिदिनजापीता-
 पीबोलतपपीहापापीकूरहैकलापीऐसेघोरसुनिधूमरे॥
 जियैगोविंदीकीसेऐसोसमैमहाकविजोगीतेवैभोगी
 भयेफोरिफोरितूमरे॥देखिमेरीआलीअवमैनकेमतंग
 छूटेधायैआवैधुरवायेधीरेधीरेधूमरे॥१५७॥उनएते
 दिनलायेसखीअजहूनआयेउनयेतेमेहभारीकाजरपहा-
 रसे॥कामकेघसीकरनडारैअप्रसीकरनतातेतेसमीरजे-
 हैंसीतलतुसारसे॥सेनापतिस्यामजूकोधिरहछहरिरह्यो
 फूलप्रतिकूलतनहारतप्रजारसे॥मोरहरपनलागेघनवर
 पनलगेघिनुरपनलागेवरपहजारसे॥१५८॥दूरज-
 दुराईसेनापतिसुखदाईरितुपावसकीआईनहिंपाईप्रेम
 पतियै॥धीरजलधरकीयोंसुनिधुनिधरकीसोदरकीसो
 हागिनकीछोहभरीछतियै॥आईसुधिचरकीहियेमैआं-
 निकरकीकहीजोप्रानप्यारेवहप्रेमभरीधतियै॥धीती
 औधिआवनकीलालमनभावनकीडगतईबावनकीसा-
 वनकीरतियै॥१५९॥घिनघनस्यामधामलांगतनिका
 मचामअठौंजामदहतअतनतनछतियै॥केकीपिककू-
 कैहूकैउठैएअचूकैअंगलूकैदेतदोदुराविरहआगततियै॥

पतियानआइंधीरछतियाजरनलागी यतियैसुहातिना-
 हींभूलीगतिमतियै ॥ यीतीऔधआवनकीलाउमनभा-
 वनकी डगतइंथावनकीसावनकीरतियै ॥ १६० ॥ स-
 रदससीतेअधससीहूयचीहींकथि चिन्तामनितिमिहिमि-
 सिसिरफ्तमकते ॥ मारतमरुकेयचीअधिकयसन्तहूते पाय-
 कप्रजारयैचीग्रीपमतमकते ॥ आयोपापीपावसयंप्रान
 अकुलानलागे भागेरीअसानघोरघनकीधमकते ॥ तापते
 तचींगीजौपैअमियअँचींगीआली अवनयचींगीचपला-
 नकीचमकते ॥ १६१ ॥ गरजिघुमंठिलैसकलमहिमंठिलैतू
 दंडिधिरहीनकोंउमंडिकरिएँठैगो ॥ दादुरपपोहादीहदा-
 रुनदिखाइदेत मोरनकोसोरतनतोरकरिएँठैगो ॥ चपला-
 फ्रपानधुन्दयानसेप्रधीनवेनी सीतलसमीरप्रानअधिक
 अमेठैगो ॥ जारीहोयसन्तकीलयारीमारोग्रीपमकी पा-
 वसकलंकतेरेसीसचढ़िबैठैगो ॥ १६२ ॥ दामिनीदमंकसुर
 चैपकीचमकस्याम घटाकीधमकअतिघोरघनघोरते ॥
 कोकिलाकलापीकलकूजतहैंजिततित सीकरतेसीतलस-
 मीरकीफ्तकोरते ॥ संनापतिआवनकहयोहोमनंभावन सु-
 लाग्योतरसावनविरहजुरजोरते ॥ आयोसखिसावनम-
 दनसरसावन सुलाग्योथरसावनसलिलचहुँओरते ॥ १६३ ॥
 कढ़ीदिसिदच्छिनतैंघोरघनघटाचढ़ी बढीधिरहीकोंदुख
 देनकोंनकमहै ॥ ठाकुरफरोखेहूतनकताकीतोय कह्या
 तूगीताकिआलीयाउतहूरहूतमहै ॥ कह्योवाहिमेघसीन
 मानेरहैजानैतून गरजतआवैयासुजान्योजोगहमहै ॥

हैनायिज्जुहोतकिरवारोदगदचमचम जीवज्जानेआवतज
 मातजोरेजमहै ॥ १६४ ॥ आहंरितुपावसंपपीहाधोलैंदा
 दुरयं छतिपैंदरत्तापैंधिरहमदीकरैं ॥ दौलतकहतहाउ
 सुन्दरसरसद्याल ॥ लालमणिभूपनचिसालनरदीकरैं ॥ च-
 हूंओरचमकतचपलनचौधचारु देखिदेखिमृगनैनौनैन
 ननदीकरैं ॥ धिरहिनितियनकेजीयनकेगाहकये नाहधिन
 नाहकयलाहकयदीकरैं ॥ १६५ ॥ आयंसेअमल१कला१कल
 जकेटोपेसेये अधिकारीगरनेधिचित्रचिसतरेहैं ॥ रङ्गत
 गकरेलाउलहरललामलोने छयिकोउमङ्गनसुहायेजलभ
 रेहैं ॥ ठाकुरकहतपूरेपानिपकेमेरीथीर सुखमाभरेहैंता
 तेंउपमानकरैंहैं ॥ पावसफकीरकेकैमदनअमीरकेये धा
 सनचिनीकेनीकेठीरठीरधरेहैं ॥ १६६ ॥ लाग्योमात्तसावन
 थिदेसोठैंावठैंावनसों आयनलगेहैंकैधौंउन्हैसुधरीनहीं ॥
 कैधौंअहिगावनमैजावनकहतकोऊ कैतोगुनगावनकीरी
 १कअगरीनहीं ॥ जनतकबिन्दमनभावनतिहारेहम पावन
 कोंसेवैतकसीरहूपरीनहीं ॥ इतेतोहितावनपैतावनलगे
 हे।देह दावनलगेहोकीबिदाउनकरीनहीं ॥ १६७ ॥ सीत-
 लसमीरउरतीरसोलगतअरी हरीहरीयेलिनपैंपावकप्र-
 आरदै ॥ दादुरनिदूरकरिपिकनपकरिदैरी धागनकेचा-
 हिरमधुपमोरमारदै ॥ पावसमैपियधिनधिपतिवद्वार्थै
 एसु जीवनाजिबैयेकोउपायउपचारदै ॥ दामिनीदवायदै
 तूयांदरबिदाकररी बुन्दनवरजिकरिचगनचिहारदै ॥ १६८ ॥
 पावसप्रथमपियआपनीअधिसोतौ आवतहीऔंवैतौ

युलावअतिआदरन ॥ नार्हीतो नहीलहोनदेरीक्कीलक्का-
 यरन ग्रीपमहिंतापिखालीराखिखलखादरन ॥ बीजुरीय
 राजिकहिमेघैनगरजि इनगांजमारेमोरमुखमोररीनिरा-
 दरन ॥ चोचनोचचातिकनकंठरीक्कीकोकिलन दूरिकरि-
 दादुरविदाकररीयादरन ॥ १६९ ॥ आर्हरितुपायसनआयेप्रा-
 त्प्यारेयाते मेघनवरजिआलीगरजसुनावैना ॥ दादुरनि
 कहियकियकिजिनफोरैकान पिक्कनहटकिभूलिसबदसु-
 नावैना ॥ धिरहव्ययामैमैताव्याकुलपरीहीदेव जुगनूच
 मकिचितचीनगीलगार्वैना ॥ चातिकनगोवैमोरसीरना
 मचावै घनघुमड़िनआवैजोलीलालघरआवैना ॥ १७० ॥
 गरजपुकारसोबियोगीतनछारभये यून्दैविपयारिपरैम-
 हाविपयारीके ॥ धुरवाअनेकफनमगडनकोधिज्जुमनि
 चमकिचकितचितहोसनरनारीके ॥ थोरैफेनकरैयायुम-
 न्तसोस्तचारकरै देसनमैरोरिपरैसूरतडरारीके ॥ भामिन
 भंडारेविपयामोतैनिकारेकान्ह फिरैघनकारेनागपायसु
 खिलारीके ॥ १७१ ॥ घेरिघेरिघहरिघहरिघनआमंघोर तापै
 महामारुतक्तकोरतक्तपसो ॥ सुनिसुनिकूकनिमयूरत
 कीथीरमैतो राख्योनिजगानजमराजहिअरपसो ॥ भीत
 भरीभीनतैकढीनकमलापतिमै तऊवेधेडारैहियोतडि-
 तातरपसो ॥ गावनमलारकोसुहावनलगेनभयो भावन
 चिनारीमोहिसावनसरपसो ॥ १७२ ॥ कारीघटाकामंरूपका
 मकोदमामोत्राज्यो गांज्योकविग्यालदेतदामिनिदररसी ॥
 लपकिक्तपकिआयोदादुरमचायोसोर हमैतोबिरहसखि

मदनदरेशी ॥ बालमन्त्रिदेसधसैचातिककोजोरलसै ता-
 हीसमैहातकछूओरैहरवेरसी ॥ वून्दनकोद्वंदसुनिआखें
 मुदिमुदिजात आयोसखीसावनसँवारेसमसेरसी ॥ १७३ ॥
 उमडिउमडिनदीनदकूलघोरतहैं जोरजलधारनसोंसूक्त
 कहूँनाहै ॥ परमप्रचण्डपौनधावनित्योंधुरवाकी क्षि-
 ल्लिनकोसोरसुनेहोतकानसूनाहै ॥ गिरधरदासमहावि-
 ज्जुकोप्रकाससोई लागैदीहदुसहदवानलसोंदूनाहै ॥ ए-
 रोबालजोईस्यामयिनसुखसोई यहपावसनहेयप्रलैका-
 लकीनमूनाहै ॥ १७४ ॥ आइरितुपावसग्रहतपुरधाईपौन
 कासीरामतैसीयैतडितलागीलपकन ॥ भूमिआयेथादरंघि
 हंगवनयोलिउठे, चहूँओरकुञ्जनअँध्यारीलागीक्षपकन ॥
 क्षिक्ताक्षननातहहनातमोरसोरसुनि धिरहअगिनिजरि
 छाँतीलागीतपकन ॥ हेरहारहरतनहारदेखोंआठोंजाम
 पियाकेधियोगमोनिसाहूलागीहयकन ॥ १७५ ॥ सौवनकोरैन
 मनभावनगुविन्दयिन देतदुखभरनमैक्षिक्लिनकेसोरहैं ॥
 कालिदासप्यारीअँधियारीमैचकितहात उमडिउमडिघन
 घहरतघोरहैं ॥ सूनेकुञ्जमन्दिरमैसुन्दरोबिसुरैबैठी दादुर
 येदहकसीलेतचहुँओरहैं ॥ हियमैधियोगिनकेधिरहकीहू
 कउठी कूकउठीकीइलकुहुकउठेमोरहैं ॥ १७६ ॥ धूमिकै
 चहूँघोंघायआवैजलधाराधर तडितपताकेघँकेनभमैप-
 सरिगे ॥ द्विजदेवकालिदींसमोपनकेनीपनके पातपातजो
 गिनजमातिनसोंसरिगे ॥ चातकचकीरमोरदादुरसुभटजो
 र निजनिजदौघठौवठौवनमेसरिगे ॥ यिनयदुरायअंधकी

जैकहामायहाय पावसमहीपकेचहूँ घाँघेरेपरिगे ॥ १७७ ॥
 करेकरेधनयेदतारेसेदधनआवै थोलतनकीबकेकीको-
 किलाप्रमानही ॥ दांमनकीदमकचमककिरवाननकीया-
 ननकीचरपाविग्रहबुन्दठानकी ॥ घासीरामथाजतनगारे
 भारेमघकैथौ कैथौइन्द्रचाँपकीन्हाचढजकमानकी ॥ दा-
 धनपकरिप्यारीदूझमनभावनेतें सावनसमूहकैथौआध-
 नअमानकी ॥ १७८ ॥ साजैसोरयादरसमाजैजोरचहूँ ओर
 याजैरितुराजकेबधाइवैतुतुरया ॥ तैसीतनतीरसीधया
 यहैसीरीसीरीमन्दमन्दयाँलैमदमातेधनमुरया ॥ गधन
 कीतुम्हैपरीआजुइहंसमैहरो हराहरीभूमितइंदूयकेअं-
 कुरया ॥ छुन्दैधरपावनपियाकेपरसैंधनसुनहसरसाव-
 नयेसैंधनकेधुरया ॥ १७९ ॥ धुरयाकलिन्दीकूलइन्द्रचाँप
 घटमूल राजनअतूलअनिआनदकीसालासी ॥ गरजमृ-
 दहभारीचातिकअलपचारा केकीततकागीपिकंदतहठ-
 तालासी ॥ बढोबढीबुन्दनयसेनिपुहुपौजलिकों धीरा
 पीनउघटिसुघटपोतिआलासी ॥ व्योमराजमण्डलमैनृ-
 त्यकरैस्यामधन जातपासदामिनीधिराजैप्रजयालासी
 ॥ १८० ॥ भूमिनाचैनर्तकसेमोरएगीचहूँ ओर चञ्चला
 अकासदेवनारिसीनचतिहै ॥ गायकसेगानकरैधातकयि-
 पिनधनगन्धर्वगैवैगीतऔंनदरचतिहै ॥ गिरधरदासदे-
 यफूलधरसायैजलभुमनलुटावैतरुयुद्धियोंजचतिहै ॥ पा-
 यमधोजनमनयोरीयाभौमुग्धमासों अग्रनिअकासमैप्र-
 धाईसीमचतिहै ॥ १८१ ॥ याजतनगारेधनतालदेनदी

नारै शो गुरनं शो कभेरी भृङ्गनय जाइ है ॥ कीकिल अलाप
 चारो नीलकण्ठ नृत्यकारी पौनघनधारी चाटी चातिकल-
 गाइ है ॥ मनिमाल जुगनूमधार कतिमिरधार चौमुख चि-
 राकरुचपलाज गाइ है ॥ आलमत्रिदेसन येदुखको जनम
 भयो पावसहमार लायो बिरहय गाइ है ॥ १८२ ॥ हरित हरि
 सहारिलेत मनये लीवन सघन घटान घनघिरि घहराने हैं ॥
 थोलैं चहुँ ओर कोर कोकिल पपीहामोर कुञ्ज कुञ्ज गुंजैं अलि
 पुञ्ज मनमाने हैं ॥ अंकुर बिछाय हित कोनी मरकतमनि ता
 मै इन्दव धू जाल लाल सय जाने हैं ॥ दिसि दिसि देख दुति आ
 हमन भावन की साँवन की सयजी मै नयजी भुलाने हैं ॥ १८३ ॥
 फारै करिया दरसों बरखत आदरसों दादुर पपीहा पिकडर
 नसमातके ॥ ठौर ठौर सरस सरोवर अथाह भये गुञ्जरै मधु-
 पं पुञ्ज पार्तै जल जातके ॥ हरी हरी दूध छोटी तापर धिराजै-
 युग्द उपमायनी है मिश्र निरखि सिहातके ॥ सावन सनेही
 मन भावन रिक्तावन को मातिन गुघाये हैं दुली आसकला-
 तके ॥ १८४ ॥ मानो एक चोपत न्यूठा दो है सुरख स्याम डो-
 रो मखतूलता मेलागत सुहायने ॥ कहै सिधराइ सोर करत
 कलापी पापी किर्ली कनकारत बिरह उपजायने ॥ ताही
 समै प्यारी सखि बानतें कहत यातः लाल बिन धरी धरी जुग-
 नयितायने ॥ काम पात साहके हुकुम ते फरासमानो सयुज
 यनातके बिछाये हैं बिछायने ॥ १८५ ॥ सावन सजल घनध
 रसै अखण्ड धार चहुँ ओर नारंखारता लक्ष्मि ठिभरिगे ॥
 किर्ली कनकार रवे दादुर अपार मो सोर कुंहुकारन उदार

छयिकरिगे ॥ हरीहरीभूमितापैइन्द्रधूपैलरही उपमा
सुताकीरसरासचित्तधरिगे ॥ संयुजयनातपरमानोमैन
जोहरीकी गौठितेंउचटिपुञ्जमानिकविस्वरिगे ॥ १८६ ॥
वादरउतंगअंगडोलतअनंगभरे वगनकतारदंतदीरघसँ
वारेहैं ॥ घरखीचमकतरकतओगरजगुंज घरखैमदननि
सिनोरकेपनारेहैं ॥ सोमनाथप्यारिनदनंदकेविरहजान
ब्रजमेउमंगनकरोरहनकारेहैं ॥ आयेघनभारेमैविचारउर
धारेअरी कारेरंगवारयेमतंगमतवारेहैं ॥ १८७ ॥ पाव-
साधयसनिसिधासरनिसासेभासे भनपजनेसदेसदेसनस-
वारेसे ॥ धूमरंगधारेधीरेधराधरमृगनपै धावतअध-
रहूरधुन्धगतवारसे ॥ छुठेयादवाननिबिलन्दज्योजहा
जमानो आयतहिलतनितनेहनदवारसे ॥ होतीघनी
धूमैधराधरनिकीधूमै घेरिघेरिघनधूमैझूमैगजमतवारसे
॥ १८८ ॥ नाचतकलापीजूहसंगलैकलापिनिकों किछिन
कीभीरझनकारकैजमकरही ॥ दादुरकरतसोरघोरचहु
जोरनसों देखुब्रगपौतिथिरहीनकोधमकिरही ॥ कहैह-
नुमानमानछोडिप्रानंघ्यारी जायमोहनसोंमिलिदेखुल-
तिकाळमकिरही ॥ छाइछाइमेहरहेचावनसोंव्योममाहि
धायधायचहु ओरचपलाचमकिरही ॥ १८९ ॥ मेघकक
वचसाजियाहनवयारियाजि गाढेदलगाजिउठेदीरघय-
दनके ॥ भूपनभनतसमसरसोईदामिनहै हेतनरकामिन
केमानकेकदनके ॥ पैदरबलाकेधुरयानकेपताकेदेखि घे
रिघेरिजातचहु ओरहिसदनके ॥ नकरनियादरपियासों

मिलिसादर एआयेधारेयांदरयहादरमदनके ॥ १९० ॥
 कैसीकरोथीरयहधेरिदिसाविदिसानि फेरनभमंडलधम-
 दधनछायोरी ॥ पीड़ितपियासपरमातुरपपीहापापी पी-
 उपीउकहितनअतनजगायोरी ॥ कहतकिसोरतैसीपवन
 भक्तोरनसें मोरनत्योंमहतमलारसुरगायोरी ॥ अद्वैतद्वै-
 न्दनबिलोकिधारिधरधोरंअधहोयरसिगयोफेरिभक्तपिआ
 योरी ॥ १९१ ॥ मोरनकेसोरसुनिपिककीपुकारतैसी आ-
 तकचिकारसुनिसूनीस्यामजामिनी ॥ जुगुनूजमकदेखि
 किंलीकाभक्तनकलेखि भयसोंथिसेपसेपडरैगजगामिनी ॥
 भक्तनभक्तननोरकंपतसरोरएरी बालमयिदेसधीरधरकैसे
 कामिनी ॥ मारेडारैमदनमरोरेडारैदादुरये दायेआवैषाद
 रदयार्येआवैदामिनी ॥ १९२ ॥ मानगढ़घेराहीतगरज
 अरेराहीत दादुरदरेराहीतजेराहीतजामको ॥ पिकभट
 भेराहीतयकपकहेराहीत गरयअरेराहीतबेराहीतसाम-
 को ॥ पवनसरेराहीतधनुषधरेराहीत धुंदनगुरेराहीतखे-
 राहीतग्रामको ॥ धीजुरीउजेराहीतकींआचकफेराहीत च-
 ननकीघेराहीतडैराहीतकामको ॥ १९३ ॥ धिज्जुकीछटामै
 घनधीरकीछटामै थकपौतिकीप्रभामैकैधौनैननिलगाये
 ना ॥ दादुरकलामैजोरसोरसरनामै पीउपीउपपिहामैहा
 मैसोरसरसायेना ॥ संकरजूजामैनीलमैनिंसीललामैभूमि
 सोहेठामठामैतामैकामैतेजतायेना ॥ मोरहरपामैनदीन-
 दतरखामै अजहूलींपरखामैग्ररखामैहरिआयेना ॥ १९४ ॥
 भक्तकीभक्तनभक्तभक्तसोभक्तनअंग भक्तभक्तकीभक्तोरभुक्ति

कपटभूरीनमै॥ छटाकीउछटिछविछपनछपाकरकी छा
 यरहीछनदासुहाईदिनदीनमै ॥ चातकचिकारचकचौ-
 धाचारुचहूँदिसि चक्रितचकोरचकवानकेयिहीनमै॥ आ
 वसपरहैंपूपीकायसपरायेदेस पावसमैध्यावसरह्योनयि
 रहोनमै॥१९५॥कैधौँयहिंदेसघनघुमड़िनवरसत कैधौँम-
 करंदनदीनदपथजरिगे ॥ कैधौँपिकचातकचक्रितचक्रवा
 कवाक नस्तनयेदादुरमधुपमोरमरिगे ॥ मरेमनआवत-
 नआलीप्यारेआवतहैं कामकुरनिकरमहीतेधौँनिकरिगे॥
 कैधौँपंचसरहरफेरकेभसमकीन्हो कैधौँपंचसरजूकेपैं।चों
 सरसरिगे ॥ १९६ ॥ कैधौँउपयनघनघेरिनघुमड़िआये
 कैधौँकीचनूतलमैप्रगटोनहींनई॥कैधौँदयिदादुररहेहैंहर
 घ्याउनके कैधौँपापीपपिहापियाकीटेरनारई ॥ घासीरा-
 मकैधौँपिकथाजनकोत्रासमान्यो कैधौँयहिंदेसधीरपाय
 सहूनहींठई ॥ कैधौँकामस्यामजूकेतनतेनिकरिगयो कै-
 धौँमेघजूकेकैधौँयीजुरीसतीनई ॥ १९७ ॥ कैधौँमोरसो-
 रतजिगयेरीअनतनजि कैधौँउतदादुरनयोतहैंएदई ॥
 कैधौँपिकचातकमहीपकाहूमारिडारे कैधौँयकपैं।तिउत-
 अंतगतिव्हेगई ॥ आलमकहनआलीअजहूनआयेपिय
 कैधौँउतरीतयिपरीतयिधिनेठई ॥ मदनमहोपकीदोहा-
 ईफिरिवेतरही कैधौँमेघजूकेकैधौँयीजुरीसतीनई॥१९८॥
 जोढेनोउसारीघनघटाकारीचिन्तामनि कुचनकिनारी
 चारुचपलासोहाईहै ॥ इन्दयधूजुगनूजया।हरकीजगा-
 जोति पगमुकतानमाउकैमीछविछाईहै ॥ नोएपीतसे

तथरयांदरयसनतन धोलतसुभंगीधुनिनूपुरयजाईहै ॥
 देखियेकोंभोहननयलनटनागरकीं धरपानवेलीअलयेली
 धनिजाईहै ॥ १९९ ॥ कारेकोरेधुरवाचिकुरचारुचमकत
 चंचलायरंगनासुअतिअलयेलीहै ॥ पचरैंगअंवरअहंघ-
 रपटंवरनि मुद्रितबदनचंदसुखदसहेलीहै ॥ जुगनूजमा
 तिनेनयगुलाकतारहार केकीधुनिनूपुरअनूपरसरेलीहै ॥
 फयिसियदासदिनदूलहमदनभूप धानकयनकयनीधरपा
 नयेलीहै ॥ २०० ॥ चंचलासीचींकतिचहूं घाँऔंसुधरप-
 त फैलेतमकेसकीनसुधउरधारीहै ॥ इन्द्रगोपक्षारीहैऔं-
 गारीधिरहागिधारी भूपनजराजजोतिरिंगनयिसारीहै ॥
 संकरयखानैहूँपपीहापीयपीयरटै लाजहंसजामैगतिदू-
 रकीनिहारीहै ॥ सोभालखिन्यारीमनआपनेविचारी य
 रपाहैयहभारीकीवियोगधारीनारीहै ॥ २०१ ॥ चूनरी
 सुरंगसजिसूहीअंगअंगन उमंगनिअनंगअंगअंगउम-
 हतहै ॥ झुकिझुकिझाँकतिझरोखनतेंकारीघटा चौह-
 रेअटारैयिज्जुछटासीजगतहै ॥ द्विजदेवसुनिसुनिसव-
 दपपीहनके पुनिपुनिआनदपियूपमैपगतहै ॥ घाघन
 घुभीसीमनभावनकेअंक तिन्हैसायनकीधूँदेंयसुहाय-
 नीलगतहै ॥ २०२ ॥ रसरंगनरेदोलउज्जलअटारैख-
 रे हरैहरैहेरतसुहेतहियेपटिउठै ॥ दमकिदमकिजाति
 दामिनीचहूंघाचारु चमकिचमकिचूनरीमैअंगठटिउ-
 ठै ॥ फहरिपिनाधमोरदादुरकरतसोर जोरजोरजमकिं
 पपीहापीउरटिउठै ॥ घुमहिघुमहिघनधिरिधिरिजायै

मोद उमड़िउमड़िदोऊछतिपौछपटिउठै ॥ २०३ ॥ च-
 नेचनघेरिघेरिउमड़िघुमड़िआये ऐसोतमछायोमानोभू-
 ामपरसतहै ॥ चपलाचमकिचहुँ ओरचारुघोरैचित तामै
 यकपौतिनकेपुंजदरसतहै ॥ इतैऊरलागीउतैअनुरागी-
 भयेदोऊ कैसेहायभावनमैमैनसरसतहै ॥ सूरजसुकयि
 आजुलखैपियप्यारीसंग लालबँगलामैलालरंगवरसतहै ॥
 २०४ ॥ आवतकदम्यकुसुमनकोपरागपूरि सीरीपीनलह-
 लहोललितलतानकी ॥ घोरैचनघेरिघेरिपावैसँधेरी
 पिककेकिनकीटेरगुनिअरिहोतप्रानकी ॥ ऐसेसमैकुंजभौन
 आनदउछाहवाढे ठाढ़ेढिगललनामनोरधनिप्रानकी ॥
 सौहनसचाईयातकरतरचाईदोऊ छथिसाँघचाईछोटीओ
 ठछतनानकी ॥ २०५ ॥ चपलाचमकघनगरजनिसाजसं-
 ग सहितअनंगकेतरंगधरियोकरै ॥ सीतलसुगंधजुतप-
 वनसहायकरि यसुधाअपारजलधारभरिवोकरै ॥ चा-
 तकपुकारेमोरसोरकरिहारे वनक्षिल्लीभक्तनकारेहरभाँति
 अरिवोकरै ॥ पियकेप्रजडूमेनिसंकव्हैभरतिअंक अय-
 घनघोरचहुँ ओरकरिवोकरै ॥ २०६ ॥

॥ अथ हिंडोरा वर्णन ॥

पकरेउरोजनकेसकुचनयायग्रीव नाहींनाहींकहिकहि
 घातैंअरतीहैंजे ॥ हरीहरीडारनमैपरेजेहिंडोरातिन्है दे-
 खिभूलियेकीअनखायलरतीहैंजे ॥ कहैहनुमानतेईधन्य
 सुन्दरीनमाहिं पैन्हलालसारीहियेमोदभरतीहैंजे ॥ सँयन
 कीहेरिघटावैठीरंगराधटीमै भावनकोगोदमैकलोलकर

तीहैंजे॥२०७॥अथछीअछीनकीअनोखीनवछालेसंगथो-
 खीरतिहूतैराजेआनदअघोरपै ॥ साजेपिनदूषनकेभूषन
 फांअंगनमै औरहीअनूपआयआइंमुखगोरपै ॥ कहैहनु
 मानघरहैं।इंकेसकीचनतैं हेरतिनछालैभइंसोचनकरोरपै॥
 हूलेहियेसौतिकेअतूलेछायिधारिफूलै मनसोंपियाकीगो-
 दतनसोंहिंडोरपै॥२०८॥ हेरिकैयहारघरपाकीयालिघारया
 र आइंघनयागयोचमदनमरोरपै ॥ आसपासगायैमंजु-
 घोपासीसहेछीसयै मंजुलमलारमनमोहैंयरजोरपै ॥ क-
 हैहनुमानतासमानमैसचोहैकहा जाकेरूपसोंहैंरहैरतिहू-
 निहोरपै ॥ हीरनजटितधारुचौदोकोतरखतहारि धंती
 थालफूलतिहैहेमकेहिंडोरपै ॥ २०९ ॥ जाकेमुखचंदसोंहैं
 छागतहैमंदचंद कुंदनतेंसुंदरसछीनोजासुगातहै ॥ औ-
 रछयिछायरहीअंगनमेअंगनाके अंचलतेंउघरिउरोज-
 दरसातहै ॥ कहैहनुमानप्रेमपूरनउघरिपखी छपतनकैसे
 हूँछपायैसरसातहै ॥ उषोंउषोंमचकीनकोमचायपालफू-
 लतिहै त्योंत्योंखरोभूमैलाछलफिलफिजातहै ॥ २१० ॥
 नाजुकनयेलीअछयेछीलिसहेछीसंग आइंघरयागयोचअ-
 धिकनिहोरपै ॥ हरीहरीक्यारिनमैढोलैगएधैं।होंदियेथी
 छेयैनमधुरसुभायभायभोरपै ॥ कहैहनुमानज्योंहोंफूलि-
 येकोंकीनोमन त्योंहोंसानछाइंहेसुहाइंमुखगोरपै ॥ फू-
 लतिहमारैहियेहूलतिहैसौतिनके फूलतिकछीसीयाएधै-
 ठोजोहिंडोरपै ॥ २११ ॥ करतजकासयारिपाहकयिलाम
 तैसैं यन्दपरैयसनकुमुभोरंगयोरपै ॥ छनछयिछटा-

तैसी घटा घन घहरात हीरनके भूपन त्यों सो है तन गोरे पै ॥
 गिरधर दास लिये गिरधर लाल संग भुक्त भिन्न पकि जाति
 धोरे हूँ भक्त कोरे पै ॥ हूलति है सूल सुख सीति उन मूलति है फू-
 लति है भूलति है हेम के हिंडोरे पै ॥ २१२ ॥ रहसि रहसि है
 सि है सिकै हिंडोरे चढ़ी छेति खरी पै गै छवि छाजै उकसन मै ॥
 उड़त दुकूल उधरत भुज मूल घड़ी सुख मा अतूल के सफूल नि-
 खं सन मै ॥ ओ भूल वहै देखि देखि भये अन मे पस्याम री भक्त
 धिसूरि श्रम सी कर लसन मै ॥ उयो ज्यो लचिल चिल कलष-
 कत भौ घती को त्यों त्यों पिय प्यारोग है आंगुरी दसन मै ॥
 २१३ ॥ प्रेम मद पागे अनुरागे लाल प्रागे दोऊ लागे भले लो-
 चन को भूलत हिंडोरना ॥ लीनी है चपल दुति चोर नै चुरा य-
 चित चंद मुखी चंचल चखन गुन चोरना ॥ उयो ज्यो मान प-
 ति परिरंभन करत त्यों त्यों भौ घती मुरति यहै सो चके भक्त को-
 रना ॥ सिरस सुमन हूतें कोमल किसोर उर कठिन कठोर कहूँ
 गडै कुच कोरना ॥ २१४ ॥ राग भरी भौं जी सी हिंडोरे भूलै सू-
 हे पट प्यारी मुख चंद पै चकोर भक्त गरत है ॥ भूधर सुकं धि धी-
 र कंठ माहिं मनिमाल बाज बन्द किं किनी कनकन गरत है ॥
 गहं कर डोरी जोति जोति जीतिलालन सी सौरभ मगन भौ-
 र जाल डगरत है ॥ कहूँ फूले फूल कहूँ उड़त दुकूल कहूँ उ-
 र उधरत कहूँ धार बगरत है ॥ २१५ ॥ बैठी है हिंडोरे यो च-
 त खत सुकं चन के जेव सरदारी की मजे जन भुलावहीं ॥ दु-
 हूं ओर चैं वर डुलावैं सखी चौरदार सायधान संग से भुका-
 ये ही भुलावहीं ॥ खुले वार हारन जवाहिर हूँ जगमंगात

देखें सो हैं लालठाढ़ी ठिनडुलावहीं ॥ नागरसुगंधकी भू-
 कोर उठै पै गसंग झूलै स्यामा साहिब मुसाहिब झुलावहीं ॥
 ११६ ॥ फुहू फुहू बुन्द झरै खीर चारिवाहन तें कुहू कुहू सधद
 होत कीर को किलान की ॥ ताहो समै स्यामा स्याम झूलत हिं
 डोरे घैठि चारों छवि को टिन मै रति पंचधान की ॥ कुंडल
 लटक सो हैं मूकुटो मटक मोहै अटक चटक पट पोत फहरा-
 न की ॥ झूलनिसमै की सुधि मूलति न हूलति रो उभक्तनि
 झुकनि झुकै रनि भुजान की ॥ २१७ ॥ फूलन के खंभा पाठ
 पढ़री सु फूलन की फूलन के फंद मे फंदे हैं लाल डोरे मै ॥ कहै
 पदमा कर अति नतने फूलन के फूलन की झालर यों झोलति
 झकोरे मै ॥ फूलर हो फूलन सु फूल फुलवारी त हैं ॥ फूल ईं के
 फरस फये हैं कुंज के रे मै ॥ फूल झरी फूल भरी फूल जरी फूल
 नि मै फूल ईं सी फूलति सु फूल के हिंडोरे मै ॥ २१८ ॥ जमु-
 ना के तीर भीर भई है हिंडोर नापे दूर ही तें गह गही गति दरस
 त है ॥ गान धुनि मंद मंद आवति है कानन मै श्री च श्री च श्री
 धुनि प्रान परसत है ॥ देखि कारे दु मन लतान मा झु दामिनी
 सी पट फहरात पीत सो भासरसत है ॥ हाहा चलि नागर पै
 हिय तरसत आली आजु थाक दंय तर रंग धरसत है ॥ २१९ ॥
 फूकन मयूरन की धुरवा के धूकन की झूकन समीरन की खस-
 न प्रसून की ॥ दमकनि दामिन की प्रामिनि की रमकनि झम-
 कनि नेह की करोर रति हून की ॥ नाथ की सो मानन की झोंकें
 चदि जानन की हैं सिहें सि झुकि झुकि तानन दुहून की ॥ उ-
 दन दु कुलन की छवि भुज मूलन की काम मन हूलन की झूलन

दुहूँ नकी ॥ २२० ॥ धरसै सधन धन सावन सुहाई यूँ नैं कुं-
 ज मै पधन चलै लहर झको रे मै ॥ कुहु कै पपीहा मोर दादुर क-
 रत सोर गुंजत भैवै रयि जून चत सुजो रे मै ॥ आनद कहत
 सखी चहूँ घाँघै वरदारैं हायन छल आई माने लाल रंग वारै मै
 लह किठर कजाती अलकै कपोल न पै लचकिल चकि झूलै म-
 य कि हिंडो रे मै ॥ २२१ ॥ घाघरे की घुम डट मड चारु चूनरी
 की पायन मलू कमखमल यर जो रे की ॥ भृकुटी थिकट छूटी
 अलकै कपोल न पै बड़ी बड़ी आँखिन मै छत्रिलाल डोर की ॥
 सरि धन तरल जराऊ जरयो ले जोर स्वदकन ललित यलिन
 मुख मो रे की ॥ भूलत न भामिनी की गावन गुमान भरी सा-
 धन मै श्री पति मचावनि हिंडो रे की ॥ २२२ ॥ चूनरी की ब-
 हक चमक चारु चोपन की चुरियाँ की चुहुरि चितौ निषख चो-
 रे की ॥ कहै पदमाकर मनो जमदमाती मंजु मेहँदी की मह-
 कम जे जमुख मो रे की ॥ गोलागर खगें जन गुलाइंगो लाल-
 न की गहगही गालि घगोराइ गात गो रे की ॥ हरित हरा
 की हीरहार की हमेलहू की हलनि हियोइ हरै झूलनि हिंडो रे-
 की ॥ २२३ ॥ सधन घटान छत्रि जोतिकी छटान धीच पिक
 की रटान जोति जोगन जुइ परै ॥ हारहि ये हरित नदी ननद भ-
 रित झरीन झर झरित सो चरनि धुइ परै ॥ ऐसे मै कि सोरी गो-
 री झूलति हिंडो रे झुकि झुकनि झकोरैं फैल फूलन फूही प-
 रै ॥ कीजिये दरसन दनन्द प्रज चन्द प्यारे आजु मुख चंद पर
 चूनरि धुइ परै ॥ २२४ ॥ झूलिये कोर सयसन यल हिंडो रे बड़ी
 तास मन कोऊ सुराकि कर असुर की ॥ कहै धन श्याम अभिरा

महगचंचलसो अंचलउड़तवरनैकोछविउरकी ॥ ख्या-
 लकेमघतहीलचतउरबारबार मानोधिपरीतिरतिसीखवे
 कोंदुरकी ॥ उछरिउछरिचाटीपीठपैपरतमोटी खीटीके
 परतेंज्योंचमोटीकामगुरकी ॥ २२५ ॥ फूलीफूलवेलीसीन
 घेलीअलवेलीबधू झूलतिअकेलीकामकेलीसीबढ़तिहै ॥
 कहैपदमाकरझमंककीझकोरनसों चारींओरसोरकिंकि-
 नीनकोमढ़तिहै ॥ उरउचकायमचकीनकीमचामचसों लं-
 कंहिलचायचायचोगुनीबढ़तिहै ॥ रतिधिपरीतिकीपु-
 नीतपरिपाटीमनो हौंसनिहिंडोरेकीसुपाटीमेपढ़तिहै ॥
 २२६ ॥ तीरपरतरनितनूजाकेतमालतरें तीजकीतयारी-
 ताफिआईतखियानमै ॥ कहैपदमाकरसोउमगिउमझउ-
 ठी मेहँदीसुरङ्गकीतरङ्गनखियानमै ॥ प्रेमरङ्गयेरीगोरीन-
 बलकिसोरोभोरी झूलतिहिंडोरेयोंसोहाईसखियानमै ॥
 कामझूलैउरमैउरोजनमैदामझूलै स्यामझूलैप्यारीकीअ-
 प्यारीअँखियानमै ॥ २२७ ॥ सौखनसखीरीमनजावनके
 सहषलि क्योंनचलिझूलतिहिंडोरेनवरङ्गपर ॥ कहैपदमा
 करसुजोवनतरङ्गनितें उमगिउमझतअनङ्गअङ्गअङ्गपर ॥
 खीखीचूनरीकीचारींतरफतरङ्गतैसो तङ्गअँगियाहेतनीउ-
 रजउतङ्गपर ॥ सौतिनकेबदनबिलोकेबदरङ्गआज रङ्गहेरी
 रङ्गतेरीमेहँदीसुरङ्गपर ॥ २२८ ॥ दोऊरुखमूलझूलझूलम-
 खतूलझूठा लेतसुखमूलकहितोपजारिघरसात ॥ छूटि
 छूटिअलकैकपोलनपँछहरात फहरातआंचरउरोजतेउध
 रिजात ॥ रहोरहोनाहोनाहोअयनाझुलाओलाल धया

कीसोंमेरेयेजुगलजानुयहरात ॥ ज्योंहीज्योंमचतलचक
 तलचकीलोलङ्क सङ्कनिमयङ्कमुखीअङ्कनिलपटिजात ॥
 २२९ ॥ झूलतहिंडोरेप्रियापीतमजमुनतोर धोलैपिककी
 रछविछाजतलतानकी ॥ यँधेपागप्रचरङ्गओढ़ेचूनरीसु
 रंग कंचुकीदुरंगवेदीकोरिदुतिभानकी ॥ ब्रजयधूगावैकु-
 क्किभुकिकैभुलावै स्यामास्यामकोंरिझार्यैहीतयरपासुगा
 नकी ॥ घोरघनगाजैधगपोंतिहूधिराजै ताकेयोधभीच
 याजैयसीसुन्दरसुजानकी ॥ २३० ॥ झूलतहिंडोरैउठैछवि
 कीझकीरै मनमाधुरीमैघोरैपानखानमुसकानकी ॥ जो-
 रैहगकीरैहियेसबकेमरोरै मानोसोभाचौरठोरैदुतिपटफ
 हरानकी ॥ जोवनकेजोरैझूलाथामतनिहोरैहून चोपदु-
 हूँओरैछूवैफुनगलतानकी ॥ येनीहूहिलोरैफूलछोरैहार
 डोरैलखि आलीछनतोरैसुधिभूलीगानतानकी ॥ २३१ ॥

॥ अथ सरद वर्णन ॥

दोहा ॥ विमलव्योमससिदसदिसा भूपनयसनसुसेत ॥

धरनिसरदउज्जलसधै रासबिलाससमेत ॥

पावसनिकासतानेपायोअवकास भयोजोन्हकोप्रका
 ससोभाससिरमनीयकों ॥ विमलअकासभयेथारिजधि-
 कास सेनापतिफूलकासहितूहंसनकेहीयकों ॥ छितिन
 गरदमानोरैगेहैंहरद सालिसोहतजरदकोमिलावैहरिपो-
 यकों ॥ मत्तहैंद्विरदमिठयोखंजनदरद रितुआहैंहैसरदसु-
 खदाईसयजीवकों ॥ २३२ ॥ कातिककीरातियोरीयोरीसि
 यराति सेनापतिकोंसुहातसुखीजीवनकेगनहैं ॥ फूलहैं

कुमुदफूलीमालतीसघनवन फूलिरहेतारेमानोमोतीअम
 गनहैं ॥ उदितविमलचंद्रचौदनीछिटिकरही रामकीसो-
 जसअधउरधगगनहै ॥ तिमिरहरनभयोसेतहैथरनसब मा
 नहुं जगतछोरसागरमगनहै ॥ २३३ ॥ विविधधरनसुरचौ-
 पतेनदेखियत मानोमनिभूपनउतारधरेभेसहैं ॥ उन्नत
 प्रयोधरधरसिरसगिरिरहे नीकेनलगतफीकेसोभाकेनले
 सहैं ॥ सेनापतिआयेतेसरदरितुफूलिरहे आसपासकास
 खेतखेतबहुं देसहैं ॥ जोयनहरनकुंभजोनिर्केउदैतेंभई थ-
 रपाधिरधताकेसेतमानोकेसहैं ॥ २३४ ॥ राजीजियकरति
 रसोलिनकीराजोतैसी राजीमकुलितमालतीकीदरसाति
 या ॥ कुंजकुंजमंदिरनअलिपुंजगुंजरत मंजुमकरंदमंदगति
 सीधिभातिया ॥ कहतकिसोरकोसबहुकमनीयमहा र-
 मनीयरमनधिनाहूयनजातिया ॥ सरदसमस्तसोभाससि
 मयव्योम कामयसमयविश्वरंगरसमयरातिया ॥ २३५ ॥
 आसपासपहुमिप्रकासकेअगारसोहैं यननअगारदोठिबूढ़ै
 रहीनिधरतें ॥ पारावारपारदक्षपारदसौंदिसिबूढ़ी चंद्र
 ग्रहमंडउतरातविधिधरतें ॥ सरदजुन्हाईजनुधाईधारस-
 हससु धाईसोभासिंधुनभसुभगिरिधरतें ॥ उमझोपरत
 जोतिमंडलअखंड सुधामंडलमहोमैविधुमंडलविधरतें ॥
 २३६ ॥ आईरितुसरदगगनविमलाईछाई खंजनकीराजी
 कुंजकुंजनयसैलगो ॥ हरितहरितपथपायिकसिधारे कथ
 जकथमुरारीओएजगयिलसैलगो ॥ सुमनसरासनकेसु-
 मनसरानतेसु छूटिकेसुमनसरआलीहीगसैलगो ॥ ताल

नकमलफूलेकमलधितूलैअलि अलिपरपीतमापरागकी
 लसैलगी ॥ २३७ ॥ चाँदनीमहल्यैठीचाँदनीकेकोतुंफ-
 कीं चाँदनीसीफूलीराधेचाँदनीमहालरैं ॥ चंदकीकला-
 सीदेवतासीदेवदासीसंग फूलसेदुकूलगरैंफूलनकीमालरैं॥
 छूटतफुहारेतारेझलकैअमलजल चमकैचंदोवामनिमा-
 निकधिसालरैं ॥ धीचजरतारनकीहीरनकेह रनकी जग
 मगीजोतिनकीमोतिनकीझालरैं ॥ २३८ ॥ मोतीमंजुम-
 हलधितानतनेमोतीमई मोतिनकीझालरैंमनोजहिंगनै-
 नहीं ॥ सेवकभनतवैसेफरसफनूसआज सेजसुखमांकी-
 छविउरसोंछनैनहीं ॥ चाँदनीचटकइतचमकचुनीनतैसी
 अंगधारुतासोंदोऊमोरतमनैनहीं ॥ सरदकीसाजग्रंजरा-
 जराधिकाकोआज चाहतयनैपैत्योसरहतयनैनहीं२३९॥
 छितिपरदेखोमहासौरभसरससुभ सौरभसरसपरसुरस-
 सरदकी ॥ रसपरकहैस्यामसुन्दरझलकछवि छविपर
 मारुतजोजलदसरदकी ॥ मारुतपैराजतगगनसुगगनप-
 र चाँदनीविराजतत्योसारदसरदकी ॥ चाँदनीपैचंदकी
 मुसाहिबीदुचैंदफयी चंदकीमुसाहिबीपैसाहिबीसरदकी॥
 २४० ॥ गगनगयंदपरचढ्योकरिहंकांडंका धंकापिकना-
 दआगेहीतमनभायोहै ॥ भनंतकविन्दतारेसुभटअमोर
 जोर पैदरचकोरमोरसौरसरसायोहै ॥ तीरतमअगगखग
 लैकरउदगगवर भदनहरीलमानंगदपरधायोहै ॥ धूमूच-
 न्द्रिकानकेपसारेअलवेस नखतेसआजनयतमनरेसय-
 निआयोहै ॥ २४१ ॥ कासनकेकुसुमधिकासनलगेहैअंग

कंजकंजआसनपैचारुताथढ़ैलगी सेवकभनतछयिता-
 रनकतारनत्यो सारनपियाकीपुरहारनमढ़ैलगी ॥ अ-
 यनिमैअंदुमैअंकासनिमैआछीभौति ठौरठौरदीपनकी
 दीपतकढ़ैलगी ॥ सेलीकोंसकेलिकैचमेलीकेचलतचाह-
 येछीसमयनितानयेकीबढ़ैलगी ॥ २४२ ॥ नवोखयद्वमं-
 दितअखंडलउदोतभयो राकाचंद्रमंडलदिसानदसदरसा-
 त ॥ यिमलविसालभयेसीतलसरितसर सकलकलितवि-
 लोक्रियतअयदात ॥ मोतीराममंजुलमृदुलमालतीनमिलि
 मलयजमलयसमीरसीरिसरसात ॥ दरदकरतयेमैवरभी
 रंकुंजकुंज येदरदआलीरीसतावतसरदरात ॥ २४३ ॥ ह-
 रतकिसीरजोघकोरनकोतापकिल कुमुदकलापमुकलीक
 रसुछन्दभो ॥ मानिनीनहूँकेहियदरपदलितकर कंदरप
 कंदलितकरिजगधंदभो ॥ मुदितकमलअवलीकरतिमिर
 कवलीकरदिसानधवलीकरअमंदभो ॥ आनदअमितकर
 लोकप्रमुदितकर कीकअमुदितकरसमुदितचंदभो ॥ २४४ ॥
 धरन्योकयिनकलाधरकोकलंकतैसो कोसकैधरनितिनहूँ
 कीमतिछीनीहै ॥ सेनापतिधरनीअपूरवजुगुतिताहि को
 धिदधिधारोकीनभौतिघुधिदीनीहै ॥ मेरेजानिजेतिकसों
 सोभाहोतजानपरी तैतिकैकलानिरजनीकीछयिकीनी
 है ॥ यदतीकेराखेरैनिहूँतैदिनहूँहैयाते आगरीमयंकतेक-
 लानिकारिलीनीहै ॥ २४५ ॥ पुरुषहरितयनिताकीमुख
 पत्रतामै रचनारुचिरयरमृगमदरंगकी ॥ कैधौनभसर-
 धरफूलयोहैकमलतामै मेचंकप्रभाहैआलीअवलीउमंग

की ॥ औरीकयिकोविदनउपमाअनेककही घदनवस्त्रा-
 नेएकइहिंविधिअंगकी ॥ बिरहीनिरखियाहिनाखबनि-
 सासयार्ते दागिलदिखातमानोआरसीअनंगकी ॥ २४६ ॥
 सुन्दरसुधाख्योसौधसुधासोंसुधारसन्धो सौरभसरससुर-
 भितआसपाससो ॥ विमलविछोनेविछेरजतजरीकेबाह
 जगमगहीतभोलानाधकेनिधाससो ॥ राकापतिछायेतै
 सोमध्यमैसुमध्यघाल यैठीपरजंकपैविराजतसुहाससो ॥
 अम्बरमैचंदकीअवनिपरचंदचहूं चाहतचकोरसोरपा-
 ख्योहैप्रकाससो ॥ २४७ ॥ अतिहीअमंदयंधुषद्विकासुधा-
 करकी पुंडरीकपथिकप्रियाकीप्रतिकूलहै ॥ कहतकिसोर
 निसिनारिकेहियेकीमनि दरसावैकुंवरकिसोरीदिनदूल
 है ॥ दरदहरनगरपरषकोइन्दुस्वच्छ सरदसुइन्दिराको
 मुखसुखमूलहै ॥ तारकानकलितमभारचारुतुतिफूल्यो
 अंतरिच्छकलपतरोवरसोफूलहै ॥ २४८ ॥ मोदनीकेदे-
 खियेकुमोदिनीकेहीकेदीह दीपतिदीपतिदीपदुतिउपटा-
 नकी ॥ लोकलोकलोकनकेथोकनधिनोदयादो सोभास-
 रसाईस्वच्छसरिततटानकी ॥ रंगभरीराजतनेधीनरसरा
 कारम्य सीतलसुगन्धगन्धरजनीअटानकी ॥ नंदितच-
 कोरैछविछाकिसुखलूटैलेत छूटैचम्प्रमण्डलतेछहरछटा-
 नकी ॥ २४९ ॥ कटतनिसाकरदिवाकरसोंदीठिपखो अ-
 न्यकारसोतोएकपलमैपलायोहै ॥ भोरभयोजानिकैयि-
 अवनोआकसमैप्रकाससरसायोहै ॥
 नागरतपततेजप्र-

जपरआयोहै ॥ चैंदनीनहोययहमानिनीकेजीतिवैकों
मैनमंहारपीग्रहअस्त्रहिचलायोहै ॥२५०॥ घामसमचो-
दनीनैघेखोग्रजमण्डलहै तातीचण्डकरसीमयूपनमचाय
लै ॥ आजअवलानिमारिऔरहूकलंकलैकै मनकेमनोरथ
निनीकेकरचायलै ॥ धीरधलधीरकेधियोगीनैननीरभरे
प्रेमरसप्यासेप्रेमतिनकोजचायलै ॥ एरेमन्दचन्दसुनि
प्राघैप्रजचन्दजीलीं तीलींतनगोपिनकीधिरहतचायलै॥
५१ ॥ कासकीधिकासनसोकासनकरैगोनाहिं यातैंहि-
॥ प्रासनसींमेरोअतिभ्यैरह्यो ॥ धानपानपाकेहेरिहे-
धीरहाकेधरै धाढ़ेधिरहाकेहायनैननीरचुरह्यो ॥ कहै
नुमानफूलेकज्जनपैभौरनको घृन्दसायिलोकियैसिमामो
मजूरहेया ॥ जाकरिकहैनयोकृपाकरिकेलाउनसों सर-
नेसाकरदिवाकरसोव्हैरहेया ॥२५२॥ याहीतेनिपटनि-
॥ रिताहिनीरसकै छाह्योसप्रसुरनसुधारसकोंचाखिचा
॥ देवमनियेहीकाजयैरधिरहीजनसों बांध्योऐसीयात
लङ्कीभयोसाखिसाखि ॥ सरदकीरितुमैउचाटचितप्र-
ज राधेकोंधिरहव्याप्पोउठतयोभापिभापि ॥ कियो
चाहतहैरैनचारीचितचोर एरेचन्दचैंदनीकीचट-
राखिराखि ॥ २५३ ॥ ग्रीपमकीघामहैनघामघनस्या-
से छैगईसुयानस्येतहूँ गईजरदकी ॥ घीचनदरीचन
भाहैमरीचनकी कामनेनिकारीकोरतीपनकरदकी ॥
तैलगैलननधीनधिपफैलभरीदोपतदुखीनदुतिपार-
दकी ॥ गरदकरीहौंदिनदरदमरीहौंसखी सरदपरी

हौंलखिचौदनीसरदकी ॥ २५४ ॥ घैरहीयिसदछोरनदते
 सरदरितु सुभसोभितसुसदफैलीफेनकेफरदकी ॥ उनम-
 दमदमैसुगंधकीबिहदसैना धाईचहुं हदतेछपदरुजरद-
 की ॥ तैसोहीबिरहवदमारतदैगदवद चूमतकरेजोके-
 रकामकेफरदकी ॥ चीरकीनेरदरीदरददैकरीहौं येपरदये
 दरदैयाचौदनीसरदकी ॥ २५५ ॥ फूलेआसपासकासधि-
 मलविकासचास रहीनानिसानीकहूं महीमैगरदकी ॥ रा-
 जतकमलदलऊपरमधुपमैन छापसीदिखाईछविबिरह-
 फरदकी ॥ श्रीपतिरसिकलालआलीबनमालीधिन कछु-
 नाउपायमेरेजीयकेदरदकी ॥ हरदसमानतनभयोहैजरद-
 अथ करदसीलागतिहैचौदनीसरदकी ॥ २५६ ॥ चन्दनि-
 सिललनाथदनलखिआईकैधौं पारदकीखानिफैलिआई
 आसमानहै ॥ कैधौंसुखकेप्रबोधसुखितसकलसुर लोकन
 केकलहैंसभासैभासमानहै ॥ मेरेजानमदनमहीपसयजी-
 तिछिति ऊरधचढ़ाइकेतयारीकोसमानहै ॥ कैधौंताराग-
 नमुकताहलकेभूमकनचौदनीनहोयचारुताईकोधितानहै
 ॥ २५७ ॥ बादलाकेधीजनाथनाथधरयादलाके धानिकसहे
 लीज्योसुरेसकेसदनकी ॥ मोतिनकेहारऔहमेलगुलुचन्द
 बेंदी पहिरिखराऊखरीकुंजररदनकी ॥ हीराहोकोचूराया-
 ज्वंदऔतरीनाथेना महासुखदानोरानीमोहनमदनकी ॥
 चौदनीमैचौदनीपैचौदनीबिछौनापर चौदनीसीफैली
 चारुचौदनीधदनकी ॥ २५८ ॥ पूरनसरदससिउदितप्र-
 कासमान कैसीछविछाईदेखेविमलजुन्हाईहै ॥ अवनि-

अकासगिरिकाननऔजलधल व्यापकभईसाजियलाग-
ससुहाईहै ॥ मुक्ताकपूरचूरपारद्वरजतजादि उपमायेउ-
ज्जलपैनागरनभाईहै ॥ प्रन्दावनचन्दचारुसगुनबिलो-
कियेकों निरगुनजोतिमानोकुञ्जुनमैआईहै ॥ २५९ ॥

॥ पय हेमन्ता वर्णन ॥

दोहा । सीतआगमनगरमहित सजतसाजसयकीय ॥
असनयसनतापननपन प्रियसअहीकीहोय ॥
धरसैतुसारयहैसीतअंसमीरनीर कंपमानउरव्योंहूँ धी-
रनधरतहै ॥ रातिनसिरातिसरसातिध्यधाधिरहकी मदन
अरातिजोरजोधनकरतहै ॥ सेनापतिसयामहमधनहैंति
हारी हमैमिलोयिनमिलेसीतपारनपरतहै ॥ औरकीक
हाहैसयिताहूँसीतरितुजानि सीतकोसतायोधनरासिमैप-
रतहै ॥ २६० ॥ सीतकोप्रथलसेनापतिकोपिचढ्योदल नि-
थलअनलगयामूरसियरायकै ॥ हिमकेसमीरतेईधरपैधि-
पमतीर रहीहैगरमभौनकेनहीमेजायकै ॥ धूमनैनयहै
लोगहीतहैंअचैनतऊ हियसांलगाइरहैंनेकुसुलगायकै ॥
मानोभीतजानिमहासीततेपसारिपानि छतियौकीछैंहैं
राख्योपावकछिपायकै ॥ २६१ ॥ पूसकेमहीनाकामयेदन
सहीनाजाय भोगहीकेदौसनहींधिरहअधीनके ॥ भोर
हीकेसीतसीनपायकछुटतत्योहों रातिआईजानिहैंदुखि-
तगनदीनके ॥ दिनकीछोटाईसेनापतिधरनीनजाइ रंच-
कजताईमनआवैपरबीनके ॥ दामिनीज्योंमानुऐसेजातु
हैचमकेदेखा फूलनहींपावतसरोजसरसीनके ॥ २६२ ॥

आयोसखिपूसीभूलिकंतसेनरुसो कंलिहीसेमनमूस
 जीउज्योंसुखलहतुहै ॥ दिनकीघटाईरजनीकीअघटा
 सीतताईहूकोंसेनापतिवरनिकहतुहै ॥ याहीतेनिदानमा
 तयेगिउदहोतनाहि द्रोपदीकेचोरकैसेरातिकोमहतुहै
 मेरेजानसूरजपतालतपैतालेमाफ्त सीतकोसतायोकह
 लायकैरहतुहै ॥ २६३ ॥ चुरैतजभाजीयातकातिकमैज
 सुनी हिमकीहिमाचलतेंचमूउतरतिहै ॥ आयैअगहनक
 नेागहनदहनहूकों तितहूतेचलीकंहूं धीरनधरतिहै ॥ हि
 ममैपरीहैहूलदौरिगहितजीतूल अघानजमूलसेनापति
 सुमिरतिहै ॥ पूसमैतियाकेउचकुचकनकाचलमै गढ़यैग
 रमभईसीतसेलरतिहै ॥ २६४ ॥ पीयपीयरटतरहतआठ
 हूं पहर रत्तनाभईरहतज्योंपपीहायावसी ॥ घरीघरीदहैमै
 नचिस्तकोंनकहूं चैन रह्योनपरतअैनबूड़ेबैननावसी ॥
 तुलसीकहतपियप्यारेकेसमीपबिना भूपनकीकहाभौन
 भोजननभावसी ॥ पीवदिनपूसमासपेयतनचैनआली
 बुन्दऐसोदिनहोतरैनिदरियावसी ॥ २६५ ॥ अगरकीधूम
 मृगमदकीतुमंधवर बसमबिसालजालअंगठाकियतुहै ॥
 कहैपदमाकरसुपौनकोनगौनजहौ ऐसेभौनटमगउमं
 गिलाकियतुहै ॥ भोगऔसैंजोगहितसुत्रतुहिमंतहीमै
 यातेंऔरसुखदचहायबाकियतुहै ॥ तानकीतरंगतरुनाप
 नतरनितेज तेलतूलतरुनीतमोलताकियतुहै ॥ २६६ ॥ भा
 वनलगीहैंअंसुपावनप्रभाकरकी छावनलगीहैगतिसीत
 कीदिगंतमै ॥ रातअधिकानीदिनहानीत्यौप्रतच्छभई सू-

शिसियरानीदेगरमसलतंतमै ॥ कहैतोपहरिसजिसूहेरंग
 अंगपट चाहतउमंगकंतकामिनीएकंतमै ॥ सेर्येनागवंतम-
 दमादकछकंत सुखस्यामाकोअनन्तछविअन्तयाहिमंत-
 मै ॥ २६७ ॥ खासीकोठरीनमैसंधारीसेअसींधेसनी आ-
 सपासअगरकपूरयगरेरहैं ॥ दरनसुपरदागलीचनसोंभ-
 पोभूमि अरैदीपकंचनकेअतरधरेरहैं ॥ ऐसीसमैकंतसेग
 जुअतीहिमंतरितु पौढिपलिकापैदोऊआनदभरेरहैं ॥ सी-
 तआसदपटेसेकपटेदुकूलदुख लपटेदुसाठमसोंछपटेपरेर
 हैं ॥ २६८ ॥ छोटदिनहूँगोदुखओटछुटिवेकोंभयो मोठ
 सुखछुटिमैनिसाकोंयहीजोरैना ॥ तैसेतेलतूलनितमोल-
 निकेरंगभरे पामरीदूकुलनिओढ़ायमुग्नमोरैना ॥ सेयक
 रसालनमसालनकेमाघेमोद आगिहूँकीसालनभिसालन-
 कोदीरैना ॥ खायकामतंतकेअनंतमरसंतमोकी पाइपाइ
 हरपहिमंतकंतछोरैना ॥ २६९ ॥ नरकहानारीकहापसुक
 हापच्छी मनकाहूँकेनहोतघरछोड़िनिकरनकी ॥ अंगन
 अँगोछिकरैजपतपहेमदान जातिमकहीहैकछूकरनीकर-
 नकी ॥ कहैमणिदेवजुगुनूँकीकदिजातआसु घरधानहो-
 सकहूँभानुकेकरनकी ॥ घरीघरीयोलेजनघरीजीनहो-
 सीकहूँ घरीतीनहोतीसंध्याअन्दनकरनकी ॥ २७० ॥

॥ अथ मिसिर वर्णन ॥

दोहा ॥ कंपितसयजगजोधजे घरपतघरफअपार ॥

औरकहारबिहूलई अगिनदसानिरधार ॥

चंदछविपागिजागिओरैचलेनानुमानि सीतजागि

जागिजगऐसैगरसतहै ॥ रदनसींथोलेरदधदनधिकासेकी-
न नदनकीगोनरीनसूधोसरमतहै ॥ लागीजऊभैंपैमथी
भरकीभक्तगपैं तऊसेवकजूकैपैंनदुरावदरसतहै ॥ दृढव-
रसालाफोरिसालहूदुसालाफोरि सकलमसालाफोरिपाला
घरसतहै ॥ २७१ ॥ सीसाकेमहलथाचकइलहिमाचलकी
पहलतुलाइंथर्फचहलकसालामै ॥ चंदनसोलागतकुरंग
सारअंगनमै अगिनजैगोठोजिमिचारीहोजसालामै ॥ ला-
गतगलीचाऊनसीतलतिवारातूल दीपकनंचत्रसेगनेसर-
तिथालामै ॥ बालाउरबीचसीतमालासीजुडानजात पा-
लासमलागतदुसालासीतकालामै ॥ २७२ ॥ भानुसीतभानु
कीसमानलघुमानभयो वारीयरसानसोकृसानहूकीसा-
लामै ॥ दीपगनधारनभयोहैपीनधारनकै सेवकसितारन
सुतारनकीमालामै ॥ माच्योफूलफूलहूअतूलतूलहूकीतू-
ल तैसोमखतूलभोगलीचनकेजालामै ॥ मदतमसालाकीन
बालाचिनबालाहोति पालाममलागतदुसालसीतकाला-
मै ॥ २७३ ॥ पीनप्रविसैनपरेपरदेदियेहैंपट आतसीअ-
वासआसपासकोभरेहैं ॥ दिपैंदीपभुंडनदियालनदिया
लगीर फरसीफनूसचहूरोसनधरेहैं ॥ अगरकीधूपमेज
अम्बरअतररूप सेवकमसालेमैजमनकेकरेहैं ॥ दपटे-
मनोजतेऊक्तपटिसिसिरसीत छपटेदुसालनमेलपटेपरेहैं
॥ २७४ ॥ सिसिरतुपारकेबुखारसेउखारतहै पूंसत्रीतेही-
तसुनेहायपैवठरिकै ॥ द्यौसकीछोटाइंकीबडाइंघरनीन
सेनापतिगाइंकछुसोचिकैसुमिरिकै ॥ सीततैसहराक

रसहसचरनहूँकै ऐसेजातभाजितमआवतुहैधिरिकै॥ जी-
 लींकोककोकीकोंमिलततीलींहोतरात कोकअधयोचहि-
 तेंआवतुहैफिरिकै ॥ २७५ ॥ देतहैनकलएकोपलएहोरघु-
 नाथ पौनपछिवाँहौंअहैअंगनछिलतसो ॥ पानीकोकहा-
 नीसेतोजातिनयखानीकछू नेकपरसनपानिपायपधि-
 लतसो ॥ कैसेकैहिमंतअंतसिसिरकैहूँहै पलपटकंठरत
 पेटपीठिसोंमिलतसो ॥ जयसोंउयेहैआजतयसोंहेदेखि
 सखी तरनिकोतेजसीतआवतगिलतसो ॥ २७६ ॥ सिसिर
 मैससिकोसरूपपायैसयिताहूँ घामहूमैचौदनीकीदुतिद-
 मकतिहै ॥ सेनापतिहोतसीतलताहैसहसगुनी रजनीकी
 भौं।ईंआसरमैकमकतिहै ॥ चाहतचकोरसूरओरहगछो-
 रकरि चकवाकीछातीतजिधीरघसकतिहै ॥ चंदकेभरम
 होतमोदहैकुमोदिनिकों ससिसंकपंकजनीफूलिनासकति
 है ॥ २७७ ॥ धायोहिमदलहिमभूधरतेसेनापति अंगअंग
 जगधिरजंगमठिरतहै ॥ पैयेनायताइंभाजिगईंहैतताइं
 सीतआयोआतताइंछितिअंघरधिरतहै ॥ करतहैत्पारी
 भेषकरिकैउजारीहीको घामधारवःरवैरीवैरनृमिरतहै ॥
 उत्तरतेभाजिसूरससिकोसरूपकरि दक्षिणकेंछोरछिन
 आधकफिरतहै ॥ २७८ ॥ धिरचरसकलप्रथलभयजीत-
 हूँकै जगतजुराफांसमगतिदरसतहै ॥ ठौरठीरघरपाय्यों
 घरपैघरफपुंज आलयहिमालयकेचहूँघासरतहै ॥ उदित
 प्रभाकरकीमुदितमयूरपूर पुहुमीपीयूषधरकैसीपसरत-
 है ॥ सोचितसरोजनकोपोचितयदनपेखि रं।चिनकुमो-

दिनकेमोदधरसतहै ॥ २७९ ॥ अथआयोमाहप्यारोलाग-
 तहैनाहिरयि करतनदाहजसोअधरेखियतुहै ॥ जानियेन
 जातयातकहतयिलातदिन छिनसोनतातेतनकोयिसेखि-
 यतुहै ॥ कलपसोरातसोतोसोयेनासिरातकेहूं सोइसोइ
 जागेपैनप्रातपेखियतुहै ॥ सेनापतिमेरेजानदिनहूंतेरात
 भहं दिनमेरेजानसपनेमैदेखियतुहै ॥ २८० ॥ गिलगि-
 लीगिलमैगलीचाहैगुनीजनहैं चाँदमीहैंचिकैहैंचिरागन
 कीमालाहैं ॥ कहैपदमाकरतयोंगजकगिजाहैंसजी सेजहैं
 सुराहीहैंसुराहैंअरुप्यालाहैं ॥ सिसरकेपालाकोनव्यापत
 कसालातिन्है जिनकेअधीनएतेउदितमसालाहैं ॥ तान-
 तुफतालाहैंविनोदकेरसालाहैंसुयालाहैंदुसालाहैंप्रिसाला
 चित्रसालाहैं ॥ २८१ ॥ सोनेकीअँगीठिनमेअगिनअधूम
 होय होयधूमधारहूनामृगमदआलाकी ॥ पीनकोनगीन
 होयभरफोसुभोनहोय मेघनकेखोनहोयडिधियैमसा-
 लाकी ॥ ग्वालकविकहैहूरपरीसोसुरंगधारी नाचतीउम-
 गसोतरंगतानतालाकी ॥ घालाकीघहारओदुसालाकी
 घहार आठंपालाकीघहारमेघहारघड़ीप्यालाकी ॥ २८२ ॥
 घरजतिरुचिरयिचित्रचित्रसालाकी ॥ जानदयिसाला-
 सोंदुसालाएहैसह ॥ दीपनकीधनुजउदीपनकीदिव्य
 दिव्य छीजियेमगायकैसजायसेजऐमहूं ॥ कहैस्यामगु-
 न्दरमुजानमुनेमोचतऊ फीकेहिलगैमेफागफरगमुके-
 सह ॥ उरजकसोमीयाएनाकीरतिसोमीधिना सिसिगके
 सीतकोनमोमीमिटैकंसह ॥ २८३ ॥ शरारतकीपेघइंदर

दरदौपैतऊ धरधरकौपैमुखत्राजतघतीसीजात ॥ फेरप-
 समीननकेचौहरेगलीचातापै सेजमखमलीबिछीसीऊस-
 रदीसीजात ॥ ग्वालकचितैसेमृगमदसोधुकायेभीन ओ-
 दिओदिछारभारआगिहूछपीसीजात ॥ छाकेसुरासी-
 सीतीलींसीसीनामिटैगीजीलीं उरउकसीसीछातीछाती
 मोनमोसीजात ॥ २८४ ॥ जायोकन्यकाकोधायेआये
 हैहिमालयतें संगमैसहाईलैसुरभिभयकारीके ॥ कहैसिख
 रामयाफपायेहैंसुतोनोलोक ओकओकआपनेप्रतापजो-
 रजारीके ॥ तेलतूलतपनसुऊनहूनजेरकीने येइंदोऊधीर
 रहेजगकीजिघारीके ॥ सुन्दरसुव्रतऊंचेआढेपेअचलसूर
 जाड़ेकोंसुआढ़ेगाढ़ेठाढ़ेकुचप्यारीके ॥ २८५ ॥ बेरबेर
 हैंकैंधड़ेहरहरकैंकैतऊ कढ़कढ़दौतयाजयाजजुरिजुरि
 जात ॥ नेकहातन्यारेतोपैधरधरकैंपैप्यारे ओदओद
 सालमालहूतेंलुरिलुरिजात ॥ सोभनभनतभागभागआ-
 गआगेजात लखिछारभारपुनिपुनिमुरिमुरिजात ॥ सि-
 सिरकेसीतमैअनीतसीतमानभीत सेजमैपुनीतभीतदोऊ
 दुरिदुरिजात ॥ २८६ ॥ खंभेदाररायटीषनातोलालढेरनमै
 अगरअँगोठीकरीसीतकीभजाईहै ॥ कहैसिखरामपसमीने-
 कीबिछाइतपै तखतकेरूपसेजसरससजाईहै ॥ मोरछली
 अलकैंअनूपसीसफूलछत्र संजितकोसोरकामनीयतघ-
 जाईहै ॥ प्यारेकौमिलापप्यारीपातसाहीपाई रीकिसी-
 तिनकोंसालेंदइंसंखिनरजाईहै ॥ २८७ ॥ इति श्रीसुद्धार
 सुधाकरे द्विजकविकृते उद्दीपनविभावान्तरगतपदच्छतु

घर्णनीनाम द्वादसमयूपः ॥ १२ ॥

॥ अथ रसगिर्यनम् ॥

दोहा । व्यापकनित्यविकारयिनु ब्रह्मरूपरसजानि ॥
सोमैधरननकरतहौ लच्छनसहितधखानि ॥

॥ अथ रस सच्छन ॥

दोहा । औरभावमनकोजहौ होतप्रगटभयेजाहि ॥
सुखदुखतेपहिचानिये सुकथिकहतरसताहि ॥
साधिभावअनुभावचर स्याईमिलिकैहोत ॥
सृङ्गारादिकनयकहे करताग्रंथउदोत ॥
मिलिचिभावअनुभावचर प्रगटहोतहैजीन ॥
सोयाईनवरसनमे सुकथिकहतहैतीन ॥
कारनकहतविभावकों सोद्वैविधिकोजान ॥
आलंघनएकदूसरो उद्दीपनपहिचान ॥
आलंघनसोजाहिलखि मनकेहोतविकार ॥
उद्दीपनतासोंकहत अधिकावैविस्तार ॥

॥ अथ अतुभाव सच्छन ॥

दोहा । जिनतेचितरतिभावको अनुभवप्रगटैआय ॥
तेअनुभावहिजानिहैं जेरसज्ञकचिराय ॥ यथा ॥
गोरसकोलुटियोनछूटियोछराकीगनै टूटियोगनैनक-
छूमोतिनकीमालको ॥ कहैपदमाकरगुवालिनिगुनीली
हेरि हरपैहैंसैयोकरैझूठैझूठख्यालको ॥ हैंकरतिनाक-
रतिनेहकीनिसाकरति साँकरीगलीमैरंगराखतिरसाल-
को ॥ दीयोदधिदानकोसुकैसेताहिभावतहै जाहिमनभा-
योभारभगुरागोपालको ॥ १ ॥

दोहा । अनुभावहिमैजानिये आठौंसात्विकभाव ॥
 हींग्रंथनमतपेखिकै चरनतहाँकविराव ॥
 स्तंभकंपस्वरभंगअरु बिबरनअश्रूस्वेद ॥
 जानिलेहुरोमांचजुत प्रलयआठयोंभेद ॥

॥ अथ संभ लक्षण ॥

दोहा । भयतेंहर्षधिपादतें घिरताजितैलखाम ॥
 स्तंभकहततासोंसुकवि प्रगटतपायउपाय॥यथा॥
 उततेंछथीछोछैलकट्योआनवाहीगैल इतैगोरीगवा-
 लिरैंगजोधनकेपागोहै ॥ भनतकविंदभेटछैगईअचान-
 कही धानिकमिलापकीदुहुंकेउरजागोहै ॥ सिमिटिस-
 कोचनिसोंदोऊमुरिमुसुकाने औरगतिमतिकीसुरतिही-
 तेंभागीहै ॥ दोऊछांकिरहेजकिरहेदोऊधकिरहे खोरि-
 सौकरीमैखोरिदुहुंनकोंलागोहै ॥२॥ देखादेखोभईछूटि
 तयतेंसकुचगई मिठीकुलकानकेसोछूटकीकरिघो ॥ ला-
 गीठकठकीउरमिठीधकधकी गतिधकीभतिछकीऐसोने-
 हकीउघरिघो ॥ चित्रकैसेलिखेदोऊठाढ़े रहेकासीराम ना
 हींपरवाहलोगलाखकरोलरिघो ॥ बंसीकोबजैघोनटना-
 गरधिसरिगयो नागरिधिसरिगयो।गागरिकीभरिघो ॥३॥

॥ अथ कंठ लक्षण ॥

दोहा । भयेंकामवसकीपवस भयेंसीतभयजान ॥
 अंगकंपतासोंहरखि सधकविकरतवखान ॥यथा॥
 गोरीभोरीबैसथोरीधिरकांहेंनैनिसों चकतचकांहें
 उचकांहेंमनवरधरात ॥ सोनेतेंसलीनीहेनीचारुजातिजो

धनकी चंचलाइं परमसुहाईं तनतरतरात ॥ नवलानवेली
 रीवियसअकेलीआइ केलीकेअगारसुकुमारछविछरछ-
 रात ॥ सारीजलवीचप्यारीपीतमकेअंकलागी चंद्रमाके
 चारुप्रतिविम्बऐसीधरधरात ॥ ४ ॥ प्रेमकेप्रकासआसपा-
 सकीपरोसिनिहूं पूछिपूछिजातीं पथुतातीं सवैअलिका ॥
 कैसेहैंकुवैरिकासों कहियेकहाथीं भयो काहूकछुकीन्होथीं-
 कुओलयोह्योचलिका ॥ सोयैनात्रिजामाभरिस्थानासु-
 मिरतिकहि बोलतिदिलोकतिनपौढ़तिहैपलिका ॥ जौं-
 पिजौंपिखोलेऊपकारेदृगभारेदेव कौंपिकौंपिउठैकुच-
 कौंलकैसीकलिका ॥ ५ ॥

॥ पद्य सरभंग सख्यन ॥

देहा । हेतजहोरसयसभयें बोलपातरोसंग ॥

गदगदगरे।भरोपरै तहौंकहतसुरभंग ॥ यथा ॥

धरिघैठीध्यानकरिघैठीगूढ़यान जानिजानिजिय-
 जानमोहमोहिपमदतहैं ॥ मूदिमूदिलोचनचितीतिनीद-
 मोचनके मोचतसकोचसोचसथकेअदतहैं ॥ भूलीप्रखप्या-
 सवासहासतेंउदासदेव देखिदासीदासआसपासतेंरदत-
 हैं ॥ कीनजानैमौनधरिकोकौंअवराधेअथ राधेमुखआ-
 धेआधेआखरकदतहैं ॥ ६ ॥

॥ पद्य विवरन सख्यन ॥

देहा । रतिसौंभयसेरिससां हेतजहोरैंगऔर ॥

कहतसवैवैवन्न्यंकवि देगिसकलतेहिंठौर ॥ यथा ॥

मोहनकीमूरतिसांमोहीजगमोहिनीसु मोहिमोहिम-

हामोहमोहिंयमढ़ाइयत ॥ आलिनकीआनउरआनतिन
 आनआन करतिनकानहिंसयानहिंपढ़ाइयत ॥ भोरभयें
 भीतरसरोजफरकतऐसी अधखुलीअँखियनउपमाथढ़ाइ
 यत ॥ लीनोमुखमण्डलपैपटुलप्रकासप्यारी जैसेचन्द्रम-
 ण्डलमैचन्द्रनचढ़ाइयत ॥७॥ सोइंवाछलालसङ्गसीरभस-
 मोइंहाल रजनीमैसजनीसमेठयोसुखकेलीकी ॥ उपटि
 उपेटिपटअङ्गभरिभेटयोप्यारी मैनकोमसूसोमेटयासिख
 योसहेलीको ॥ आनिकैअचानकहोमुखगसुनायोनाद ता-
 पकेशिपादसूख्योचींसरचमेलीको ॥ सँझकोसरोजकैधीं
 भोरकोकलानिधियों सुखमायिसुखमुखहूँगयेनयेलीको ॥

॥ यय यय ययय ॥

देहा । आनदसोदुखधूमसों जयभरिआवतनैन ॥

तासोंअश्रूकहतहैं औरछकेमदमैन ॥ गया ॥

आयेपरदेसतेंसलानेस्यामसुनिधाम श्रयनअचानेउ-
 खिलोअनयिमेहिहैं ॥ घालहूनिहारैछालहेरतहीहारे दु-
 खतारैभरिआयेनीरथारेअश्रूहैं ॥ भनतकशिन्दआस
 पासफलेपठनके ढरकेनयाहिरकोंऐसीभौतिसीहैं ॥ आ
 नदकेअँसुघाउकतिएनीउपमाके पेनीचरुनीनमैमुकुतमा-
 नोपोहैं ॥ ९ ॥ राधिकानिकुंजमाहिंसंगलैमहेलिनकों
 देखतिफिरतिसोनाद्रुमनलतानकी ॥ आयगयोतहँमन
 मोहनजूनटवर भेपकियेलियेसंगमण्डलीसखानकी ॥
 पागिअनुरागमैनिहारतिमयहूँमुखी धरंचितथोपकरे-
 ओटसुखदानकी ॥ आनदकेअँसुघाउमनिदरकनछागे

लोचनकरनलागेभेटमुक्तानकी ॥ १० ॥

॥ यय छेद सख्यन ॥

दोहा ॥ भयतेंमगतेंखेदतें प्रियमिलिवेकेजेद ॥

उपजतजलकनदेहमै तासांकहियतस्येद ॥ यथा ॥

कामकलाकूकमाचीसीतिहियेहूकमाची थाजीनूपुरा-
घलीकीऐसीछविलहीहै ॥ जोवनमहीपतिकीनीवतनि-
नादीकैधौं त्रिभुवनजीतिताकीसादीकरीसहीहै ॥ सुरति
केश्रमगोरीगालिनिकीदेहपर स्वेदत्रिन्दुपै।तियोंदिखा-
तनेहगहीहै ॥ केलिअंतनिरखीनवेलीकीवनकमानो क-
नककीबेलीमैचमेलीफूलिरहीहै ॥ ११ ॥

॥ यय रोमांच सख्यन ॥

दोहा । उठतरोमयिनसीतजहैं रसवसभयेंसरीर ॥

सीसात्यिकरोमांचहै वरनतबुद्धिगँभीर ॥ यथा ॥

रोममेरेअंगकेनजानेजातरंगदेखु प्रानयिनप्रानकीप्र-
संगएकपायेरी ॥ धोलैंनबिलोकैंनहैंसावैहैंसैंहायहाय ज-
हसेसुभायकीनभायकरिछायेरी ॥ गुनगतिज्ञानयिनजा
नपहिचानयिन सेवकसुमानयिनयाधिधिलखायेरी ॥
सिसिरहिमंतनमलैकोपौनतंत काहेंकन्तमुखानिरखितु-
रंतउठिआयेरी ॥ १२ ॥ हरपिहरपिहियमंदविहैंसतितिय
घरपिवरपिरसराचैचितचोजहैं ॥ फरकिफरकिधामबाहु
फुरफुरीलेति खरकिखरकिखुलेमैनसरखोजहैं ॥ छलकिछ-
लकिछविछलकनिपलकनि ललकिललकिमूदेलोचनघ-
रोजहैं ॥ मुलकिमुलकिस्यामस्यामसुमरतिदेव पलकिपु-

लकिरोमउठतउरोजहैं ॥ १३ ॥ सखीछलबलकरिलाईके
 लिमन्दिरमै प्यारेसंकसरीअंकभरीत्योसितायकी ॥ उर-
 तेंसामिटिकैसकोचनसोरंच भयेनिरखिरुमांचभईअंगन-
 योंआयकी ॥ लटकैसीचटकैसीलोटीसोलचीसीजानि उ-
 पमाकविन्द्रभनीउकतिजबायकी ॥ डैंढीतैंकैंटीलीपैंखु-
 रीसोंमिलिअधखुली अलीकलीखैंचिमानोखोलतगुला-
 यकी ॥ १४ ॥

॥ अथ प्रलय सङ्गम ॥

दोहा । प्रेमप्रीतभयआदितें जिततितरहैजुहेरि ॥
 सुनैगुनैतासोंकहैं प्रलयनामकबिटेरि ॥ यथा ॥
 डोलैनहिंगातजलजातनैनखोलैनहिं डोलैनहिंघातकैं
 सेजानैकोऊजानकी ॥ धीरोभयोसैंसलखिसेवकचहत
 आस लीनोकीनगोंसकरिकूरताजहानकी ॥ देखीमहा-
 छामदिनद्वैकीनविपतिराम हैगोविधिधामएकाएकीसों-
 हप्रानकी ॥ अतरलपेटीकालिकुंजनमेभेटी आजुधूरन
 धुरेटीलेटीवेटीव्रपभानकी ॥ १५ ॥

॥ अथ जृम्भा सङ्गम ॥

दोहा ॥ काहूकाहूकेमते जृम्भासात्त्विकमाहिं ॥
 तातेहींहूँलिखतहीं यामैकलुसकनाहिं ॥
 आलसआदिकतेंजहैं करिविकासमुखदेत ॥
 ताकोंजृम्भाकहतहैं कविकीविदकरिचेत॥यथा॥
 केलिकैसकलरातिप्रातउठीअलसाति नोदभरेलोचन
 जुगुलबिलसतहैं ॥ लाजनितेंअंगनदुरावतिहैंचारचार खैं-

चिकरियसनबिहारीविहैसतहैं ॥ कविमतिरामआयेंआ-
लसजंभातमुख ऐसोमनभाँवतीकोछुबिसरसतहै ॥ अरु
नउदोतमानोसोभाकेसरोवरमै सोभाधानसोभाकोसरो-
जविकसतहै ॥ १६ ॥ इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकवि-
कृते भावअनुभाव सात्त्विकादि रसनिरूपणोनाम त्रयो
दश मयूपः ॥ १३ ॥

॥ यय संचारी भाव ॥

दोहा ॥ सोसंचारीभावहैं जाहिउतमनमानि ॥
जैसोजहौसुचाहिये तैसोसहँआखानि ॥

॥ यय संचारी नामकयन ॥

निर्वेदगलानिसंकाहरप मदप्रमआलसमोह ॥
औरसुमृतिधृतिदीनता चिन्ताजड़तासोह ॥
प्रोडाआँतनचपलता कहतअसूयाऔर ॥
औआवेगधिपादऔ कहिऔत्सुकहहिंठीर ॥
अप्रबोधअमरपगरव अयहिध्यापहिचान ॥
कहीउग्रताव्याधिमति औउन्मादप्रखान ॥
अपत्नारनिद्रामरन हेयितर्कऔग्रास ॥
यसंचारीभावहैं जानिलेहुयिनद्रास ॥

॥ यय स्याईभाव नामकयन ॥

रसहोकेअनुकूलजहैं उपजतहियेंप्रिकार ॥
साकोयाईभावकवि कोयिददियोसकार ॥

॥ यय स्याई नामकयन ॥

रतिहैंसोउत्साहअरु क्रोधसोकप्रयजानि ॥

विस्मयकहिफिरिजुगुप्सा येघाईपहिचान ॥
 स्थाईसंचारीनके उदाहरननहिंदीन ॥
 नयहूरसकेअंगहैं जानतसकलप्रयोन ॥
 मैकेवलसृङ्गारको कीन्होयन्यत्रिसाल ॥
 ग्रन्थवहदभयमानिकै लिखेनइनकेहाल ॥

॥ यय केवल रतिसारं यय ॥

मायेमोरमुकुटलकुटयनमालगरे अंगनमेमृगमदरंग
 कोंभरतिहै ॥ काछेकटिकाछनीअधरमधुमईमंद बैनुरी
 यजायसुखसिन्धुमैतिरतिहै ॥ जादिनतेंगोकुलयिलोकि
 गइराखरेकों तादिनतेऐसीपेखिप्रकृतिपरतिहै ॥ नटग्रर
 भेपधरेआरसीमहलजाय व्हैकरिअभंगतुमंदेखिथोकर-
 तिहै ॥ १ ॥ जहाँजहाँसुनैतहाँतहाँकोंपठावैमोहि पेखि
 जाइअग्रधौसरूपकैसोधरेहैं ॥ देखिआईजहाँतहाँफूलि
 फूलिभूलिभूलि धूकतिवनकऐसेनितनेमकरेहैं ॥ कहाक-
 होतोहिकहिआईजोतूँ हरिकथा रघुनाथमोहियेअनेसेआ
 निपरेहैं ॥ आँखिनपरैगैआनिजीतोकीनदसाव्हैहै कान
 परप्रानराखियेकेलालेपरेहैं ॥ २ ॥

॥ यय संनार रस लखन ॥

दीहा । दंपतिजीसोपरसपर कथिजनकहैयिजाय ॥
 रतिथाईआनंदचर नैनयैनअनुभाय ॥
 सोद्वैविधियरनमकरो एहोमतिग्ररलोग ॥
 एकभैंतिसंजोगहै अरुएकभैंतियियोग ॥
 मिलेहोतसंजोगसो घरनतहैकयिलोग ॥

२६
त्रिचुरंतेंसयकहतहैं देखीभयोत्रियोग ॥

मिलिदंपतिबहुभैंतिकी क्रीड़ाकरतअछेह ॥

ताहिसैंजोगसिंगारबुध बरनतसहितसनेह ॥

॥ यथ रंजोगसुहाय यथा ॥

फूजिकूजिउठतमनोरथनिपूजिपूजि दूजीगतिअंगन
अनंगयितरतहै ॥ रसनाद्यजतदायैरसनादसनकहै बसना
हमारोपरबसक्योंपरतहै ॥ अथरमधुरपानकरियोपरस-
पर भरियोभुजनकुचकुंभनलरतहै ॥ रसकीभक्तकोरबीच
कसकीकरेजेआनि मसकीमयंकमुखीससकीभरतहै ॥ ३ ॥
जननीकेअंकपरजंकतेनिसंकथाय देववामयंकमुखचख-
निचकोरही ॥ भटकीगलीनहूनअटकीअलीनचितै चट-
कीकलीनचंचरीकचितचोरही ॥ नंदजूकोंनीदिनीदखो-
इनंदनंदनकी बरजोनमानैकरजोरैबरजोरही ॥ धोवन
दैबदनबिलोवनदैदधिराधे सोवनदैस्यामहिंजगावैजनि
भोरही ॥ ४ ॥

दोहा । प्रगटतितियजोप्रकृतिहै निजसिंगारकेहेत ॥

सोसैंजोगसिंगारमै हावसयैकहिदेत ॥

लीलाऔरविलासपुनि विच्छित्तविभ्रमहोय ॥

किलकिंचितपुनिललितहू मोटाइतजियजोय ॥

यहुरिकुटुमितजानिये अरुबिब्वोकहुमंन ॥

विहितसहितदसहावये कविवरकियेबखान ॥

॥ यथ लीलाहाय सच्छम ॥

दोहा । तियपियकेपियतीयके भूपनबसनबनाव ॥

ताहीविधिबोलनिहैंसनि सोहैलीलाहाय ॥ यथा ॥

हाथमेलकुटधरेमोरकोमुकुटमाथे कैंधेपीतपटधरि
 करिरुचियावरी ॥ स्यामताकोरंगमृगमदअंगरांगकरे
 डरेनाहिकाहूजोकहैगोमोहिवावरी ॥ चिन्तामनिगरेगु-
 ज्जमालयनमालऔ तिलकभालऐसेहैवितावतबिभावरी॥
 सुह्रै यिनमिलेलालनवलनवेलीवाल पावतनकलसोनक
 लकरैरावरी॥५॥बैठीसीसमंदिरमैसुन्दरिसँवारहीकी मूदि
 कैकिवारदेवछागिसोंछकतिहै॥पीतपटलकुटमकुटयनमा-
 लधरिअपकरिपीकोप्रतिधिंयमैतकतिहै ॥ हीतिनानिसंक
 उरअंकभरिभेटियेकों भुजनिपसारतिसमेटतिजकतिहै ॥
 चीकतित्रकतिउचकतिचितवतिचहूँ भूमिलचकतिमुख
 चूमिनासकतिहै॥६॥राजपीरियाकोरूपराधेकोंवनायलाई
 गोपीमधुरातेंमधुवनकीलतानमै ॥ टेरिकह्योकान्हसोंच-
 लोजूकंसगोलैंतुहूँ काकेकहेंलूटतसुनेहीदाधिदानमै ॥ सं-
 गकेनजानेगयडगरिडिरानेदेव स्यामसरमानेसेपकरिकरे
 पानिमै ॥ छूटिगयोछलसोंछथीलीकीविलोकनिमै ढीली
 भईभौहैंवालजीलीमुसुकानिमै॥७॥करमैलकुटगहीमुकुट
 सँभारसही कटिपटकसेरहीलोकछधिलुनिकै ॥ उरपरब-
 नमालचंदनकीखीरभाल करतिनिहालग्रजयैसुरीकीधु-
 निकै॥हेरनरसोलीसोअचलनरंगीली मुसुकानजरथीली
 होंछकितगुनगुनिकै ॥ केसीकेमधनदेखोकैसीहैधहारवा-
 स कसयैअयोसीसपैमुकेसीचोराचुनिकै॥ ८ ॥

॥ अथ विसासहाय सङ्कन ॥

दीहा । चलनिविलोकनिमूढ़हैंसनि सुरसूमाधुरेधोल ॥

द्विजकविताकी कहत है हावबिलास अमोल ॥ यथा ॥
 भौंकी आनि उक्त किफारो खेहरे ऊखमके कानतान परी
 जयकान्ह सुखदानकी ॥ मतिराम अदभुत है रह्यो कलानि-
 धिसो ललित लसत तामैला ली अघरानकी ॥ कीन कीन व-
 रनो निकाई मुख मंडलकी डोलति न मन तेँ डुलनि मुकता-
 नकी ॥ चींका कीच खनकी चकौं डाकी रुचिर चारु चिबुक
 की चोज की चितौ निमुसकानकी ॥ ९ ॥ किंकिनी कलित क-
 ल नूपुर ललित रघु गौन तेरो देखि कै सकत करि गौनको ॥ मृ-
 दु मुसु कान मुख चंद चारु चैंदनी सें राख्यो कै उजारे अभि-
 राम हार जीनको ॥ सहज सुभायनि सें भौं हनिके भावनि-
 सें हरति है माने मतिराम मन रीनको ॥ रूप मद छा की अ-
 ति छबि सें छथी ली देति तिरछी चितौ नमैन धर छी सी कीन
 को ॥ १० ॥ गोरे तन जाके यों सुहाई हरी सारी हरी सारी सु-
 धियु धिजिन नंद के कुमारकी ॥ घाघरे सुरंगी की बाधू मनि
 छवानि छै छै छोरनि तेँ छूटी सी परति जरतारकी ॥ बिहै
 सति चली रति मंदिर की चंदमुखी मोतिन की जोति तेँ सी अं-
 गनि धहारकी ॥ फूली बनी जाति जा पै धारियत बनी जाति
 ऐसी बनी जाति मानो मनि है सिंगारकी ॥ ११ ॥

॥ यथा विष्णुत सप्तम ॥

दोहा ॥ थोरेई सुद्वार मह सोभा अधिक लखाय ॥

ताकीं बिच्छित हाव कहि धरन तेँ कहि राय ॥ यथा ॥
 पायल जराव जरी जेहर सुठार दरी धूधुरुन घरी घरी पै-
 न्ही धुनि सदकी ॥ किंकिनी निकट काम मोती माल उर धाम

हीरामनिअभिरामकीमताबिरदकी॥वेनाबीचबेदेयाकर-
नफूलसीसफूल परतकबूलनालुनाईलोकरदकी॥सोतिन-
दरदकरैरूपसरहदकरैप्यारीतेरेभालबीचबेदीमृगमदकी
॥ १२ ॥ देखिदेखिलहरिलहरिउठैलालमन छधिकीछह-
रितेंछपाकउठैभरफैं ॥ भूपननऔरडाहिंभूपनकीभूखनहै
सघकेसिंगारनपैंडारतिहैबरफैं ॥ कोगनैनगीनपखगीन
कीनधीनदुति कियेदेतिसुरसुंदरीनकीअदरफैं ॥ तेरीए-
कधारीडोरियाकीसेतसारीहीसों सेतमुखसोतैंहैअचेतप-
रोतरफैं ॥ १३ ॥ एहिनमैतेरेअरुनाईयोंलसैरीजापैं धारि-
यतबंदनसदाहींसोतिभालको ॥ सुमनगुलायकैसेसुन्दर
गुलुफतेरे कुलुफकैराखतिचितैग्रोप्रजपालको ॥ नैनकज-
रारेघैनसुधासेसैंधारेएनी कहॉलौंयखानैतनरूपजोति-
जालको ॥ कहाकियोचाहैतूसिंगारकैनिगोडी तेरीठोड़ी-
हीकेबिन्दुनैहसोहैमनलालको ॥ १४ ॥

॥ यय विधम कच्छन ॥

दोहा । भूपनऔरैअंगके सजिऔरैअंगलेत ॥

ताकींकधिकोत्रिदकहैं विधमहावसहेत ॥ यया ॥

रंगहीरैगाईअंगअंगउमगाईदेव जामिनीजगाईमृ-
दुभावनिजनकपै ॥ उठीभहरातपहरातभहरातभुज जो-
रतिजम्हातितनुतोरततनकपै ॥ अँचरुउचाकिचन्द्रहार-
सोसँधायो नीलपटलैलपेटकोकटिकिंकिनीभनकपै ॥
लालकीजीवनिप्रपमानकीलड़ाइती घिलोकियलिगईघ-
लिघालकीवनकपै॥१५॥ यँसुरीबजाईआनिकुंवरकन्हआई

सहै तानलंगेतनुकंटकितभोकरंजसो ॥ नेयरकरनिधै ॥ धे
 जेवरगरकेपास देवरिकोडरुसोतोखैंचिकियोखंजसो ॥ धा-
 रीजिमिदोरीयालभनतकयिंदहाल लालकोंभिलोकिली-
 न्होसुखनिकोगंजसो ॥ अंजनअनंजनसोतासमैसांहायो
 याको एकहगखंजनसोएकहगकंजसो ॥ १६ ॥

॥ अथ किमकिंचितहाव मध्यम ॥

दोहा । हरपहासअभिलापप्रम भीतएकहीभार ॥

होतजहैतामोंकहैं किलकिंचितनिरधार ॥

‘छायेमदमोदर्लधिनीदपलैगापैछन आयैगोदप्रचल-
 प्रगोदहीफीनेतिहै ॥ उछलैयिछलिछलिपिछलैपियासों
 पलि चलिहोतपाटीलोंइतेकीउतचंतिहै ॥ होकरतिसेयक
 हहाकैदधिनाकरनि नाकरतिरतिमैहियेकांहरिलैतिहै ॥
 जोइदेनजुरतिजुड़ानिजकिजातिगहैं रोइदेतिरुगतिरि-
 छातिहोसिदेतिहै ॥ १७ ॥ दंपनिअनूपधैरसुरतिअरंभतमै
 सुन्दरीमैकोऊरमरागमगानिहै ॥ तरुनोचढ़ायस्योरी
 फूटिजतारैकर मनमनछनियोकीछुप्रनिगुहातिहै ॥
 द्वियसलगायनसपदिलगीआयतिहै चिन्तामनिभुंघन
 करनिनादजानिहै ॥ नहियैकरनिनोयोमोममिनधैयो-
 दाल रोवनिरिगानिअसमानिमुनकानिहै ॥ १८ ॥ अरुपर
 घेठोद्वैचकीरीनिग्यागिकैभी भमरीनभुनकंजपैतुरीदि-
 हारीहैं ॥ भनतकयिन्दहैंअनोयोअनिपारी गंजैगंजन
 गेहैआयसिहारीहैं ॥ आगोमीनिजनसोंजुदगीक-
 लागोलापदियेहासकीनुककरीहैं ॥ हौमयागी

प्रासवारीऔसूखेदपासवारी रोसरासवारीप्यारीऔखै
यौनिहारीहैं ॥ १९ ॥

॥ अथ सलितहाव सच्छन ॥

दोहा ॥ मनप्रसन्नपियवसकरन चितचौगुनीसुचाय ॥

प्रतिअंगनरचनाउलित बरनतललितसुहाय॥यथा॥

जगमगमाचीजरीअंधरधिभूपनसौं पानिपसौंपूपन-
प्रकासधाकिधकिजात ॥ सिंहमृगमोरथोरकरिकरिजानै
और सोरयिछुयाकेहंसढौरतकितकिजात ॥ दोरिपुरअं-
गनासराहैंकरजोरिजोरि गोरिगुनगौरिकोगररछकिछ-
किजात ॥ सौरभकेजोरसोंभरेहैंभौरक्तीर जाहिचाहिचा-
हिसेप्रकचकोरचकिचकिजात ॥ २० ॥ निरखतसाजप्रप-
भानकोसुताकोआज छाकेप्रजराजकाजछूटेसेपरतहैं॥ह-
गचकचींधेदिनकींधेसेमचतआवैं सौंधेसेपवनपुरजूटेसे
परतहैं ॥ आरतीउतारनसमेतभूरिभारनके धारनकेनग
मगजूटेसेपरतहैं ॥ मानीदुतिपुंजकीसमासेआइसेयक
जामासेजोतिरंगनकेटूटेसेपरतहैं ॥ २१ ॥ प्यारेपामघैठी
आनिरूपरासिप्रानप्यारी चैं।दनीकेदेसियेकोंचायचित्त
परिगो ॥ हीरनकेमोतिनकेआभूपनसंगसखी अंगतेंउ-
दीतभारीजोतिकीपसरिगो ॥ उपमानव्हेयेकीचछाहैक-
हारधुनाथ तारनसमेतउपमेयतासोंटारिगो ॥ प्राचीतेंछे
गगनप्रतीचीतकसयराति छविछपाकरिछपाकरछपाक-
रिगो ॥ २२ ॥

॥ अथ मोहावन सच्छन ॥

दोहा । सकुचहियेंगुरुछोगकी दरसनचाहतचित्त ॥

प्रीतिभीतिसँगवरनिये हाथसुमोट्टाइत ॥ यथा॥

झूठेमनरंजनअनूठेमुखमंजनऔ अंजननिअँजिह-
गखंजनसेकरिकै ॥ संगसंगढोलैअंगअंगअनघोलै मन
खोलैनकुरंगनैनदेवरंगढारिकै ॥ वसनसुगंधहारसनय-
नायेकहा भूपनसुहागबिनदूपनसेधरिकै ॥ मनकेनमे-
टेदुखसुखक्योंसमेटेजाहि मदनभ्रूपेतेजोनमेटेभुजभरि-
कै ॥ २३ ॥ केसरिकेरँग्योरंगकेसरियायागीअंग अंतरत-
रंगनिउमंगसुखमूलहै ॥ तैसीलालकरनतैंगहरीगुठाल-
की उतालछूटैमूठैसोभफैलरहीफूलहै ॥ एरीलाजलटजाइ
घूँघटपलटजाइ लागीचितचाहजागीसुरतिअभूलहै ॥ लो-
चनलहेकोफललेखनदैआजु मोहिदेखनदैआलीप्रजचंद
दिनदूलहै ॥ २४ ॥ चाहअरबिन्दकीनचाहचंदचन्दनकी
नाहींचाहसीतमन्दपौनकेपरसकी ॥ रागकीनचाहधारी-
बागकीनचाह मेरेनाहींचाहएरीतेरीबतियौसरसकी ॥
धृन्दकधिकहैमेरीलगनलगीहैवासां घाहिबिनधरीमोहि
धीततधरसकी ॥ कहींकरजोरिकोरिधातनकीएकैघात
मेरेचितचाहप्रानप्यारेकेदरसकी ॥ २५ ॥

॥ यद्य कुटुमित सख्यम् ॥

दोहा ॥ सुखमैदुखचेष्टाजहाँ कपटरीतिसोंहोय ॥

नखरदछतकचग्रहनतें कुटुमितकहियेसोय ॥ यथा ॥

छतियौछुवतिछयिऔरैहोतिआननकी चंदनमिला

यमानोकेसरदरतिहै ॥ मुखकीरुखाईपैकरखाईकटूयेन-
नकी नैनननिकाईचिकनाईपैधरतिहै ॥ नासिकामरोरि

मुरिकैसेनीकेनाहोंकरि चाहौचितप्रीतमकीवैंहोंपकर-
तिहै ॥ देवसुखसागरमैबूड़तिसीतार्तेतिया उससिसुजा-
नहिंभुजानमैभरतिहै ॥ २६ ॥ सीकरिकैथीकरिकैकुहुक-
धिगारैकंठ औपैकामकलाकैधौंचोपैचितचाहकै ॥ भन-
तकबिन्ददावैदन्तनअधर मधुपीवतसुधरसीखैकोककी
सलाहकै ॥ मसकतलंककसकतबाकेगोरेगात नसकतछो-
ड़िससकतउरआहकै ॥ नाहोंनाहोंकरिज्योंदिखावैदुख
राहप्यारी त्योंत्योंरतिरंगमैउछाहवाढैनाहकै ॥ २७ ॥

॥ अथ विष्योक सप्तम ॥

दोहा ॥ कपटनिरादरकरतिजहँ निपटनेहतेतीय ॥

ताहिकहतविष्योकहैं कविकोविदगुनिजीय ॥

आपहुनिभंगीगातभलीयनिआइंथात जोगैजोगमि-
लेबादौभोगअधिकारहैं ॥ कारेतनकुण्डलीहैंत्योंहीनैन
ताननिहै ताननकीधुनिसोइंफुंकरनिधारहैं ॥ धारहैंमुकु-
टवहैमाथेमैधिराजैमनि बाँकीचितवनिधिपव्रजमैधगारे
हैं ॥ गारेहैंगुरनिउन्हैलाजीनलगति कूरकूयरीफेहूकैहो-
नचाहतहमारहैं ॥ २८ ॥

॥ अथ विहित सप्तम ॥

दोहा ॥ पियमिलिवेहूपैतिया लाजनिबचनकहैन ॥

विहितहावतासोंकहत कविकोविदधुधिऐन॥यथा॥

नैनभरिमूठिअनुरागकीगुलाटधोर भरीरूपकेसरि
सुरंगपिचकारीहै ॥ सरससनेहलैसिंगारजौफुलेलचावा
पीतकुमकुमानावकुंजनपैढारोहै ॥ आजख्यालखेलिवे

कांसाजसजियानिकसों आइअछिनागरिनप्रहरंगनार
 है ॥ रतिरतिराजछाईलाजकेसमाजछाई रहोतकियकि
 तचकितधोपयारीहै ॥ २९ ॥ सकलसहेलिनकेपीछेपीछेढो-
 छतिहै मंदमंदगोनउपहारहिकरतहै ॥ सनमुखहोतसुख
 होतमतिरामजत्र पीनछागेधूंधुटकोपटउघरतहै ॥ जमु-
 नाकेतटयंसोयटकेनिकट नंदलालकोंसकोचनतेंचाह्योना
 परतहै ॥ तनतोतियाकोयरभौंयरैभरत मनसोंवरैयदनप-
 रभौंवरैभरतहै ॥ ३० ॥ इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजक-
 यिकृते संजोगसृङ्गारान्तरगत हाववर्णनोनाम चतुर्दश
 मयूषः ॥ १४ ॥

॥ चय वियोगसृङ्गार सङ्गन ॥

दीहां ॥ बिछुरतदोउनकेजहों होतपरस्परखेद ॥

सोसृङ्गारवियोगहै जानिलेहुसबभेद ॥

सोहैतीनप्रकारको इकपूरधानुराग ॥

दूजोमानप्रवासये तीनोभेदअदाग ॥

॥ तत्र पूर्वानुराग सङ्गन ॥

देहा ॥ देखेसुनेजुप्रेमते होतमिलनकीचाव ॥

सोपूरुखअनुरागहै घरनतसप्रकथिराव ॥ यथा ॥

दीठिपखोजीतेंतौतेंनाछिनठरतिछवि ओखिनछयो

रीछिनछिनछालिछालिउठै ॥ याजिआजिउठतमिठोहैं

सुरवंसोभोर ठौरठौरढोलीगरवोलीचालचालिउठै ॥ फ-

रकिफरकिउठैंपीरेपटुकाकेछोर सांवरैकीतिरछीचितीनि

सालिसालिउठै ॥ डोलिडोलिकुंडलउठतवेईबारबार एरी
 सहमुकुटहियेमेहालिहालिउठै ॥ १ ॥ कालिंदीकेकूलकालिह
 कौनघेरकंदीआली कहैंतैंहौंगईदईदेहैंथहरतिहै ॥ कासों
 कहैंकसककरेजेकीकठिन कोऊहितूनाहमारोहियेहूकह-
 हरतिहै ॥ घरीघरीधूंधुटमेधूंधुटिधूंधुटिघटमेरो घटतिन
 नैननेहनदीछहरतिहै ॥ लकुटसोंसंतनपितंबरलपेटेवहै
 फेरनिहमारेउरअजीफहरतिहै ॥ २ ॥ कछुनसोहायबिन
 देखेतेंहोअजाय हियोअकुलायहायचेटकसोकरिगो ॥
 नीलकंठसचिरसुहातीचितवनवाकी थातीसीहंसनिमेरी
 छातीपरधरिगो ॥ पौनहूंमैपानिहूंमैचन्दहूंमैचौदनीमै
 फूलनिदुकूलनिदवागिनसोभरिगो ॥ कहैंतैंहौंआईदुख
 हाईपनघटमाई कहैंतैंकन्हाईमेरीआँखिनमेपरिगो ॥
 ३ ॥ भेदबिनजानेएतीवेदनयिसाहियेकां आजहौंगईसी
 घाटयंसोयटवारेकी ॥ कहैपदमाकरउटूहूँलोठपोटभ
 ई चिसमैबुभीजोचारुचोपचटकारेकी ॥ थावरीलौंयूक्त-
 तिधिलोकतिकहातूँधीर जानैकहाकोऊपीरमेमहठवारे-
 की ॥ उमड़िउमड़िवहैयरसैसुआँखिनहूँ घटमैवसीजो
 घटापीतपटवारेकी ॥ ४ ॥ मंजुलमुकुटकेनिकटघरोए-
 करहेरा उततैंउचटिलोनीलटनिमैलटिगो ॥ कहैवलभ-
 द्रलोनीलटतैंउलटि फिरिग्रीवाकलकंठकीनिकाईमैसिमि
 टिगो ॥ भूलोभूलोफिखोफेरग्रीवाकलकंठहूँतें नांभीसर-
 सोदिनपैपहुंचतरपटिगो ॥ अटिगोअनमेरोमनढटिगोत-
 हैंहैंआली कटिकेनिकटपीतपटमेलपटिगो ॥ ५ ॥ आ-

ईसैं। भधेनुवाकेमहठपिछोंहैंकटि दीरद्वारआइंकहिय-
 च्छाचोंखपारैना ॥ लकुटकैधोंहैंधरेमुकुटकुकोहैंसीसठा-
 रेवहुअंचलचहूँघैं। हगटारैना ॥ धूरमेधुरेटेदोऊरीकरहे
 घेनीकधि महलअटारीलोगझाँकतनिहारैना ॥ खरीको-
 रचोंतराकेटरतनचंदमुखी सौकरोगलीतैंलाएगायनंधि-
 डारैना ॥ ६ ॥ आवतहोकुंजनतैंवैं। सुरीयजावत पियू-
 पधरसावतसधनधनकारोहै ॥ पीतपटवनमालगुंजनकी
 हारहियें कुंडलमकरमुखसुधासिंधुभारोहै ॥ द्विजजूबिलो-
 कतहीधीरजधस्योसोजात हैंसोसोपरतकामकेतिकथिचा-
 रोहै ॥ सखनकेसंगउतमंगमोरपखनको कौनकोदुलारो
 यहजुलफनवारोहै ॥ ७ ॥ अटपटीचाललटपटीलालपा-
 गठटो पटीपीतखासीखोरकेसरकेगारैकी ॥ मनिमयभू-
 पनअखिलअवतंसआदि पहिरेयजावैयसीसबदपियारै-
 की ॥ देवकीनदनसिंहवड़ीवड़ीऔंखिनकी झलकतरंग
 मईअंगरंगकारैकी ॥ तकिरहीकान्हमगथकिरहीछकिर-
 ही जकिरहीजेवजोहिजुलफनवारैकी ॥ ८ ॥ अंगरंगसा-
 रपरसोभाकीबहारपर छूटेछूटेवारपरचितउरझागयो ॥
 गोरेभुजगोलपरसुन्दरकपोलपर अधरअमोलपरचितल-
 लचागयो ॥ मृदुसुकानपरहगनिमिलानपर ललितलजा-
 नपरसुमतिसुभागयो ॥ कटिअतिछोिनपरनागरप्रधीनप-
 र जोवननवीनपरमोमनविकागयो ॥ ९ ॥ स्यामलग-
 हीलोगातपटचटकीलोपीलो छैलअरधीलोइहिंगैलव्हेनि
 करिगो ॥ टरिगोहमारोबीरधीरजहियेसोंहाय लाजको

दिवालोहगद्वारहूँनिकरिगो ॥ भंचितकहतचितचितको
 धिचारेकौन रूपकेफलाफलसोंधूंचटउघरिगो ॥ सारी-
 सिरस्यामस्यामपूतरीनवसिगोरी हेरियोहमारोसोहमारें
 गरेंपरिगो ॥ १० ॥ आलीआजपहपहेगईहुतीजललेन
 आइगयोजदुनाधयमुनातटाऊकों ॥ सुकबिनरोतमनि-
 हारिमैनमूरतियों हूरहीचकितखोलिधूंधुटपटाऊकों ॥
 भूलिगघोगेहतेहदेहैंकोसम्हारछूखो छूटिछाग्योमेहनेह-
 नेननिलटाऊकों ॥ ऐसैंमिलिमोहनसोंबेच्योमोहिमेरेमन
 नैसैंठगठगहाधवेचतघटाऊकों ॥ ११ ॥ देखेअनदेखेदु-
 खदाईभयेसुखदान सूखतनऔंसूसुखसोइयोहरेंपखो ॥
 पानीपानभोजनसुजनगुरजनभूले देवदुरजनलोगलर-
 तखरेंपखो ॥ लाग्योकौनपापपलएकोनपरतकल दूरि-
 योगेहनयोनेहनियरेंपखो ॥ होतोऔअजानतौनजा-
 नतोइतेकव्यथा एरेजियजानतेरोजानिवोगरेंपखो ॥ १२ ॥
 जेनधलथीरहियिलोक्योहैनथीर तेचहैंसोकहैंयालकुटि-
 डाईमनमाखैंना ॥ ठाकुरबकैनकुलकाजधाजिआई प्रज
 जसाजमोहीकाजलाजहूतैराखैंना ॥ पीतपटकुंडलल-
 कुटग्रनमालधरें यैंसुरीधजावनिवनकधरनाखैंना ॥ भा-
 वैंसैंचसंगमनराखैंऔंखैंमेरी स्यामरंगरसचाखैंआनअ-
 पअभिलापैंना ॥ १३ ॥ बड़ेबड़ेलोचनसकोचनमदनमी-
 न रोचनतिलकधरवदननिहारेना ॥ कुंडललसनिधनमा-
 लधिलसनि पीतधसनसमेतस्यामरूपउरधारेना ॥ ध-
 नीरामदूसरेकीपीरवहजानैकहा भूलिजाकेपगनिधिधा-

द्विविधिपारेना ॥ वारवारबोलतीहोवैनधिपवारे धु
 धौसुरीकीपरीआलीश्रवनतिहारेना ॥ १४ ॥ इन्दी
 आभाअवलोकतीअंबनिवीच सजलघटाकीछटागग
 मैछाइगै ॥ सलिलजहाँलौलखोतहाँलौकलिन्दीरूप अ
 तसीकुसुमदुतिसुमनमैआइगै ॥ रघुराजचेतनअचेतनज
 गतयस्तु नीलमनिसोभातजिदूजीनादिखाइगै ॥ फिरतन
 फेरलखिपरतनहेरेओरी मेरीदोठिस्यामरंगसिन्धुमैसमा
 इगै ॥ १५ ॥ कुलकेकसाईकहूंकदननदेतनेक सासुरेकेसुर-
 तिकैकयहूंबुलावैना ॥ घोखेहीफ़रोखेएकवारहानिहा-
 खोलाल तादिनतेमेरोमनमूरतिभुलावैना ॥ कहँजौजँके
 सीकरीकासोंकहँरघुराज कैसेदिनभरोकाहँमोहिलैमि-
 लावैना ॥ जैसेतैंसंघाकीपदरेनुमेरेहीमैलाय प्रानवान
 देरीभीरचरचाचलावैना ॥ १६ ॥ कहतिकहंतूसुनिप-
 रतनमेकोंकछू धौसुरीसबदकलकाननमैभरिगो ॥ औ-
 खिनमैसाँवरोसरूपधनमालव्यंसी पीतपटकुंडलमुकुटध-
 रेंधरिगो ॥ देवकीनदनसिंहऔरअबलोकोंकैसे एरीआ
 जलाजगेहकाजनेहटारिगो ॥ चाहैसखिसोनाअग्रहोनार-
 होमोना वासलोनामोपैनन्दकीटुटीनाटोनाकरिगो १७
 मृगहूतेंसरसधिराजतयिसालहग देखियेनयरदुतिकौलहू
 केदलमै ॥ गंगधनद्विजसेलसततनआप्रपन ठाढ़ेदुमछो
 हैंदेखिहूगईयिकलमै ॥ यखचितचाहपरेसोभाकेसमुद-
 महे रहीनासम्हारवसाऔरीभहंपलमै ॥ मनमेरोगरुया
 गयोरीधूहिमैनपायो नैनमेरेहरुयेतरतररूपजलमै ॥ १८ ॥

मोहितजिमोहनैमित्योहैमनमेरोदौरि नैनहूँ मिलेहँदेखिदे
 खिसँवरीसरीर ॥ कहैपदमाकरत्योंतानमयकानभये हीं-
 तौरहीजकिधकिभूलीसीभ्रमीसीधीर ॥ एतोनिरदईदईइ-
 नकोदयानदई ऐसीदसाभईमेरीकैसेधरीतनधीर ॥ हे-
 तोमनहूँकेमननैननकेनैनजोता काननकेकानतीयेजान-
 तेपराईपीर ॥ १९ ॥ खेलनिहँसनिधिहँसनिहूयिसरिरही
 परिरहीजरदनिसरिरहीपाँसुरी ॥ सँसनभरतिहहरतिसी
 हरिननैनी नैननतेंग्रहतरहतनितआँसुरी ॥ ध्यानकीन्हे
 काननप्रधीनयेनीकाननवहै ताननकीउरमैरहीहैगरिगँसु-
 री ॥ सँवरीगईहैपरियावरोसीहोनचहै जयतेंसुनीहैअ-
 लि सँवरेकीघँसुरी ॥ २० ॥ इतउतहेरतहँसतहुलसतधी-
 र घँसुरीघजाघतकट्योसोआनिमेरीगैल ॥ जाकीलखें-
 लोयनलुनाईललकति रतिपतिहूललामजाकेतनकोलग-
 तमैल ॥ कहैहनुमानग्रजयालनिकोप्रानमंजु सुघरसँदा-
 हीकुंजकुंजनकरतसैल ॥ वारोकुलकानिकलकानिहूँरही
 रोजीन जापैमिलैआनिआलीपीतपटवारोछैल ॥ २१ ॥
 सखिनसमाजहूमैसोघतिसकानीरहीं तवहूँसुहावनासने
 हमोउघरिगो ॥ घरघरलागींघरहँडैनैकरनघर ननदजि-
 ठानिनसोवैरहूवगरिगो ॥ नाइनतूमेरीहनुमानकाछपा-
 जंतोसो चायनसमेतगृहकाजऊविसरिगो ॥ तौवरोसो
 आवैरीमहावरोदिवावैकीन सौवरोसलोनामनथावरो
 सोकरिगो ॥ २२ ॥

॥ अथ मान सङ्घन ॥

दोहा ॥ सूचकपियअपराधकी चेष्टाकहियतमान ॥
 भानुदत्तमतवृत्तिकै द्विजकविकरतवखान ॥
 सोहैतीनप्रकारको लघुमध्यमगुरुजान ॥
 मतिरामादिकसुकविहू इहिंविधिकियोवखान ॥

॥ अथ लघुमान सङ्घन ॥

दोहा ॥ परतियदेखतकंतकों मानकरैतियरुसि ॥
 ताहिक्हतलघुमानहै कविकोविदरसचूसि ॥
 घचननकीरचनानितें मिटतजहँहैमान ॥
 लघुकहिताहियखानहीं सकलसुकविश्रुधिवान ॥ यथा
 देखततमासोहरिओरैमृगनैनिके निरख्योहरिनैनै-
 नीरोसरसभीनीहै ॥ ताहीसमैआइगयोरासिकरसीछोला-
 छ छखतसलोनीकोंविरसमतिचोन्हीहै ॥ मानयिननि-
 तहमराखततिहारीमान यिनअपमानकहामानरोतिकी-
 न्होहै ॥ सुनिकैप्रग्रीनयैनमैनकीकमानसम चढ़ीतिरछों-
 होंभोंहैंसोंहैंकरिदीन्हीहै ॥ २३ ॥

॥ अथ मध्यममान सङ्घन ॥

दोहा ॥ पियमुखतेंजअकढ़नकहुं औरतीयकीनाम ॥
 घटैसुमध्यममानयों होतसुनेतनछाम ॥ यथा ॥
 फौलरहोचौदनीरुचिरचंद्रचैतकोट्यों केतकीसुग्रास
 मोह्योसहनअटारीके ॥ येनीकविद्रंपतिरमतारतिरंगन-
 मै पतिकेयदनकट्योनानगौरनारीको ॥ भोंहैंसतराय-
 तिरछोंहैंमुखनाय जगसोंहैंबड़ोघूंघुटफुकायोनीलछा-

रीको ॥ मानो एकवारगीअँध्यारीकोपसारभयो मूदिग-
योचंदद्वंद्वंछापोघटाकारीको ॥ २४ ॥

॥ यथ गुरुमान लच्छन ॥

दोहा ॥ करैजुकटुपरिहासपिय औरतीथकेसंग ॥

तासोंउपजैरोसजो सीगुरुमानउतंग ॥ यथा ॥

आजतुम्हेंदेख्योकहूँपौरिमेपरोसिनिहीं दीन्हेगलबो-
हौरहेजानिजियमेअनेति ॥ ताछिनतेतेहसोंचढ़ीहैतनता-
पमहा फरकतअधरउसासभरिभरिलेति ॥ कान्हजूउपा-
यकरोबलोपरोपै।इनपै नाइनहींरावरेकीकहतिस्वभाव-
चेति ॥ मोतिनकीमालसीगिरतिघनेघूँघूटमै बढीबढी
आँखिनतेँआँसूढारिढारिदेति ॥ २५ ॥

॥ यथ प्रथमविरह लच्छन ॥

दोहा ॥ पियकोयसअग्निदेसमै कहियतताहिप्रयास ॥

जातेँहोतअधूनके तनमैधिरहनिवास ॥ यथा ॥

रैनंदिननैननितेंबहतोननीर कहाकरतोअनंगकोउ-
मंगसरचैंपतो ॥ कहैपंदमाकरपरागयागयनकैसो तैसो
तनताइताइतारापतितापती ॥ कीयेजोधियोगनीसँजो-
गहूनदेतोदई देतोजोसँजोगतोधियोगहीनथापतो ॥ हे-
तोजोनप्रथमसँजोगसुखवैसो वहऐसोअथर्योनतोधिपो-
गदुखव्यापतो॥२६॥इति श्रीसुद्धारसुधाकरे द्विजकविकृते
पूर्यानुरागमानप्रयास वर्णनोनाम पंचदशनयूपः ॥१५॥

॥ यथ दया वर्णन ॥

दोहा ॥ प्रथमकहतअतिलापपुनि चिन्तादूजीजानि ॥

सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापवखानि ॥
 गुनवरननउन्मादऊ औरव्याधिउरआनि ॥
 जड़तानवईंयिरहमे लेहुदसापहिचानि ॥
 दसमदसासृङ्गारमै वरननकरीनजाय ॥
 मरनअवस्थाकेकहें रसाभासहूँजाय ॥

॥ धय भमिलाप सच्छन ॥

दोहा ॥ जहाँपरसपरदुहुँनकी मिलनचाहअभिलाप ॥

छकिमनमथकेमोदमै करतमनोरधलाख ॥ यया॥

अंजनहूँदेखियेरेंगीलेहगखंजनको कंजकलिकाधैक-
 रकंजनकोंगहिये ॥ केसरहूँअंगरागअंगमेअँगैयैआली
 घंसीवनबसिकैअधररसलहिये ॥ ऐसीजियआव्रतनिरं-
 तरनवीननित केलिकथासुनिसुनिधीतीव्यथाकहिये ॥
 हारहूँकैकीजियेविहाररीविहारीउर संकछोड़िअंकसोंल-
 गायेअंकरहिये ॥१॥ अतिरसऊखहूँतेंमधुरमयूपहूँतें अध-
 रपियूपवाहिपीजैऔरप्याइये ॥ जीधीउरमेठकरिहियोभ-
 रिमेठकरि भुजनसमेठगाढ़ेग्रीवसोंलगाइये॥ कहतमुकु-
 न्दलाललाजगुरुजनकीसो जियहूँकेसाटेदाटेकाहूनत्र-
 साइये॥ हैकोउउपावरीवापीतमकेपासलगि पीनहूँकैजै-
 येऔपरेवाहूँकैआइये ॥ २ ॥ जीयवेकोकहाचलीकहैब्र-
 पभानलली लालनकीगलीहैंतोलाखबारजाऊँगी ॥ को-
 ऊकरोमैलोमनमेरेतोयहीहैपन लालहिमिलैकैजयतथपा-
 नखोंऊँगी ॥ कासीरामईंठीहैंतोपठऊँगीचीठी कोऊक-
 रोनाथसीठीताहिनेकनडेराऊँगी ॥ कुयजाकुरैलकहाक-

रेगीभुरेल होंतोमरेहूचुरेलवहैकैस्यामैलपटाजेंगी ॥ ३ ॥

॥ यथ चिन्ता सञ्चन ॥

देहा ॥ कथमिलिहैमनमौवतो योमनकरैविचार ॥

चिन्तातासांकहतहैं जेकविचुट्टिअगार ॥ यथा ॥

प्यारेकेदरसविनअदरसभरीऔखैं दरसअँध्यारीसी
निहारैधरैक्षिखकै ॥ चिन्ताकेउदधिमेमगनवहैरह्योहैप्रा-
न औसूत्योंउमंगनतरंगरंगसिखकै ॥ मनतफयिंदरा-
तौदिनऐसीरीतिदेखैं प्रेमकेपरखैंकोसरखैंअनमिपकै ॥
अरेतैंचितेरेमोपैक्रपाकैचितरे मोहिदैरेऐसीसूरतिहितरै
एकलिखकै ॥ ४ ॥ भावैनासिंगारवासहासकोनआये
पास धोरीतेंउदासघोरलागेनहोरुद्रमै ॥ उयोंउयोंसम-
ताकीसीखदीजैनपतीजैहाय छीजैछाड़आतुरधिरहछल
छुद्रमै ॥ पूजिपूजिहारोगिरजारीऔगनेसतऊ मिलेना
विहारोमैप्रतीतयौधीउद्रमै ॥ भारीभट्टअकहसकेचके
समाजभरी मनकीजहाजबूडीसोचकेसमुद्रमै ॥ ५ ॥
गैललागोलाजहूचुरेलसीनछोरैसाथ फैलनितनूतनपरा-
सिनदुखारीको ॥ साससरकैनारहैनाहनिरखतनैना मै-
नाकैसोअयनाननदधजमारीको ॥ पारमैअपार्हतामैछा-
इरहैगोपवधू खोलननपैयेपटफटअठारीको ॥ पीजै-
विपघूंटसोपतीजैमनकाहूकोन फीजैकोनमौतिआछी-
दरसविहारोको ॥ ६ ॥

॥ यथ सुमिरन सञ्चन ॥

देहा ॥ मनभावनकीचांतको विचुरिकरैजयपाद ॥

सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापवखानि
 गुनवरननउन्मादऊ औरव्याधिउरआनि ॥
 जइतानवईंघिरहमे लेहुदसापहिचानि ॥
 दसमदसासृङ्गारमै वरननकरीनजाय ॥
 भरनअवस्थाकेकहें रसाभासहूँजाय ॥

॥ पय अभिलाष सङ्ग ॥

दोहा ॥ अहाँपरसपरदुहुँनकी मिलनचाहअभिलाष ॥
 छकिमनमथकेमोदमै करतमनोरथलाख ॥ यथा ॥
 अंजनहूँदेखियेरँगोलेहगखंजनको कंजकलिकाकैक-
 रकंजनकोंगहिये ॥ केसरहूँअंगरागअंगमेअँगैयैआली
 धंसीवनधसिकैअधररसलहिये ॥ ऐसीजियआवतनिरं-
 तरनवीननित केलिकथासुनिसुनिवीतीव्यथाकहिये ॥
 हारहूँकैकीजियेबिहाररीबिहारीउर संकछोड़िअंकसोंल-
 गायेअंकरहिये ॥ १ ॥ अतिरसऊखहूँतेंमधुरमयूपहूँतें अध-
 रपियूपवाहिपीजैऔरप्याइये ॥ जीवीउरमेठकरिहियोन
 रिभेठकरि भुजनसमेठगाढ़ेग्रीवसोंलगाइये ॥ कहतमुकु-
 न्दलाललाजगुरुजनकीसो जियहूँकेसाटेदाटेकाहूनप्र-
 साइये ॥ हैकोउउपावरीवापीतमकेपासलगि पौनहूँकैजै-
 येऔपरेवाहूँकैआइये ॥ २ ॥ जीयवेकोकहाचलीकहैप्र-
 पभानलली लालनकीगलीहैंतोलाखबारजाऊंगी ॥ को-
 ऊकरोमैलोमनमेरेतोयहीहैपन लालहिमिलैकैजयतयपा-
 नखैंऊंगी ॥ कासीरामईंठीहैंतोपठऊंगीचीठी कोऊक-
 रोनावसीठीताहिनेकनडेराऊंगी ॥ कुबजाकुरैलकहाक-

रंगीभूरेल हौं तो मरे हूँ चुरे लव्है कै स्यामै लपटाऊँगी ॥ ३ ॥

॥ यद्य चिन्ता लच्छन ॥

देहा ॥ कवमिलि है मन भौं वतो यों मन करै विचार ॥

चिन्ता ता सो कहत हैं जे कबि बुद्धि अगार ॥ यथा ॥

प्यारे के दरस बिन अदर सभरी ओखैं दरस अँधारी सी

निहारै धरै कि सिखै ॥ चिन्ता के उदधि मै मगन वहै रह्यो है प्रा-

न औ सूर्यों उमंगन तरंग रंग सिखै ॥ अनत कधि दरा-

तौ दिन ऐसी रीति देखैं प्रेम के परे खैं कीसरे खैं अनमि पकै ॥

अरे तैं चिते रे मे पैं कपा कै चिते रे मोहि दै रे ऐसी सूरति हिते रे

एकलिखै ॥ ४ ॥ भावै नासि गारया सहस कोन आयै

पास धोरो तें उदास धीर लागै न हो रुद्र मै ॥ उयो उयो सम-

ता की सीख दी जैन पती जै हाय छी जै छाड़ आतुर धिर ह छल

छुद्र मै ॥ पूजि पूजि हारी गिरजारी ओगने सत ऊ मिले ना

विहारी मै प्रतीत यौ धी उद्र मै ॥ भारी भई अकह सको धके

समाज भरी मन की जहाज बूझी सो धके समुद्र मै ॥ ५ ॥

गैल लागी लाज हूँ चुरे लसीन छोरै साथ फैल नित नूतन परो-

सिन दुखारी को ॥ सास सरकै नार है नाहनिर खत नैना मै-

ना कै सो अयनान नद अजमारी को ॥ पार मै अपाई तामै छा-

ताकींसुमिरनकहतहैं रसग्रन्थनिअविवाद ॥ यथा ॥

निरखतमालसुधिआवैस्यामसुन्दरकी तवतवसूखैम-
नहीमैअभिलापिकै ॥ लाजतेंसुनावैनासखीनहूकोंजीही
बोच मोहीसीरहतिहैविरहविपचाखिकै ॥ भनतकंधिन्द
जितैवसैपरदेसीलाल तितैउठैवैठैवालमनसिजसाखिकै ॥
उरजकरैनदुखदसैवानवेलीकसै सूरजमुखीलोंमुखवाही-
रखराखिकै ॥ ७ ॥ मोरकोमुकुटकटिपीतपटकाछे करमु-
रलीलकुठमन्दगीनज्योंगयंदको ॥ वृन्दारकयंदपदवृन्दा-
वनवासिनको देवसुखकरनहरनदुखदंदको ॥ वारियैगो-
विन्दपरपूरनसरदइन्दु सुन्दरबदनरूपमदनअमंदको ॥
गोपीवृन्दलोचनारविंदनिमलिन्दमोहि भूलतनआनद-
निधाननदनन्दको ॥ ८ ॥ आवतहीजमुनासौराहमैचि-
तेरेचित्र पसाख्योसोलखिवेकोंठाढीसंगकीभई ॥ तिनही
केसंगगुजरैटीआपठाढीभई जाकेउरधिरहकीउलहीनई
जई ॥ रघुनाथमित्रअनुहारिकोविलोक्योचित्र सुधिआ-
येविकलतातनमनमैछई ॥ प्रथमहींलीन्हेभरिऔंसूदेखि
लोगनकों जीमेढरुराखेफेरिआपुआँखेंपीगई ॥ ९ ॥

॥ यद्य गुणवर्णन लक्षण ॥

देहा ॥ मनभावनकेरूपगुन वरनैतियकरिप्रीति ॥

गुनवरननतासोंकहैं लैसुकविनकीरीति ॥ यथा ॥

आजगुनउनकेकहतिहैंविदेसगये मेरेलोभघरसोंन-
घरियोटरतहे ॥ मोहिराजीराखिवेकोंदिनदिनछिनछिन
मेरेहीमनोरथकेठरनिठरतहे ॥ जेठकीदुपहरीमेसीतलउ-

पायछोड़ि रघुनाथमोको देखि सीरिहूँ ठरतहे ॥ एरी भट्ट
 औरो सुनुरीति अलबेली मै सहेली सो रिसाऊँ तो वे आपकां
 रतहे ॥ १० ॥ ओझल हूँ आइ भुकि औँझ का झरोखे रूप झ
 सी झमक गई झलकन झँडों की ॥ पैंने अनियारे से सहज क-
 रारे दृग चोट सी चलाई चितवन चंचलाई की ॥ कौन जा-
 के ही उड़िला गै दीठ मोही उर रही अवरोही वेदनि धि की
 काई की ॥ अथ लगि औँखिन की पूतरी कसौ टिन मै ला-
 रहै लीक वाकी सोने सीनिकाई की ॥ ११ ॥ वाही भामिनी
 भावै तन के बिलास मोहि तन को न भावै तन को आनघ-
 तान को ॥ मिलियो सुहात मोहि वाही के हिये को हिये आ-
 मिलन जै संपर सपखान को ॥ जनत कबिन्द वाकी क-
 रै यखाने खूबो मूदी देह वाकी पेखि पेख पावै प्रान को ॥
 वहने मजो मनै दो वाही माननी को प्रेम था के सान को प-
 दो वाही मान को ॥ १२ ॥

॥ अथ उद्देग लच्छन ॥

॥ यिनमिलाप पिय के जहौ मन धिरतान लखाय ॥
 सुखद यस्तु लागै दुखद सो उद्देग कहाय ॥ यथा ॥
 सै भई बिप बि सवा सो भए वैरी नाह काल जयो काठा
 रैन भई राकसी ॥ अंग के सिंगार ते अंगार से भये हँसैन
 भुजंग भये चोकी भई चाकसी ॥ थोछी भये बिछुआ बि-
 ना गछी ना भये प्रथम बिछोहे छोह भूली छकछाकसी ॥
 पलंग भयो परदा पहार भये आँगन अँगोठी भयो भो-
 भाकसी ॥ १३ ॥ हल सम लागै फूल सूल सी सुवास लागै

यागलागैघाघसोतडागलागैडागसो ॥ भनतकविन्दमृग-
 मदलागैकरदसो खानपानवानसोटुकूलदेहदागसो ॥ प्या-
 रेकेवियोगतेंबिहालयोंनिहारीवाल बोलतमरालसोजला
 गैकूरकागसो ॥ चंदलागैचितासोअंगारसोअगरलागै घ-
 रलागैगरसोनगरलागैनागसो ॥ १४ ॥ ऐसोकोसनेहीहैंता
 हारीहैंहहारीहेर जसलैजियात्रैऔरप्यारैकोमिलावैफेर ॥
 छतियाँछटूकहूमैछोहतेंपरैदरेर दरसदयादकौनघावहि-
 भरावैफेर ॥ चंदग्रजचंदकेबिछोहतेंसुनैघटेर दोखीदुखि-
 यानकाहेअथतूदुखावैफेर ॥ कान्हहीकीकिरिनग्रसेतेंहोत-
 प्रानढेर टरजाकलंकीजिनमुखहिदिखावैफेर ॥ १५ ॥

॥ अथ प्रलाप सञ्चय ॥

दोहा ॥ धिरताहोइनचित्तमै बिरहव्यथाअकुलाय ॥

जोचाहैसोइअकिउठै बहैप्रलापकहाय ॥ यथा ॥

चलचलमोसोंकहैचलचलहोतकित धिचलधिचलपर
 परतउचकिचकि ॥ हैंसिहंसिरूसिरूसिरीक्तिरिक्तिआवैख-
 रीखीजिखीजिजायछबिछूटिछूटिछकिछकि ॥ काहिता-
 कितकिचितकितहींपठायोआज देवकहैरहीकौनव्यथा
 तेंविथकिथकि ॥ विनहोंविचारकेबचनविनधूँकेशीर च-
 हकिअहकिविनकाजउठैअकियकि ॥ १६ ॥ आमकोंक-
 हतिअमलीहैअमलीकोंआम आकहीअनारनकोंआँकि-
 योकरतिहै ॥ कहैपदमाकरतमालनकोंतालकहै तालनि-
 तमालकहिताकियोकरतिहै ॥ कान्हैकान्हकाहूकहिकद-
 नन भेटिपरिरंजनमैछाकियोकरतिहै ॥ सौअ-

रेजुराधरेयोंबिरहविकानोवाल यनवनवावरीलोंताकि-
 धोकरतिहै ॥ १७ ॥ प्राननकेप्यारेतनतापकेहरनहारे नं-
 दकेदुलारेब्रजवारेउमहतहैं ॥ कहैपदमाकरअरुक्तउरअ-
 न्तरयों अंतरचहेहूं जोनअंतरचहनहैं ॥ नैननिवसेहैंअंग
 अंगहुलसेहैं रोमरोमनिरसेहैंनिकसेहैंकोकहनहैं . ऊधोये
 गोविन्दकोऊऔरैमपुरामेइहाँ मेरेतोगोविन्दमोहिमो-
 हीमेरहतहैं ॥ १८ ॥

॥ यय उन्माद सङ्ग ॥

दोहा ॥ तरकिउठैगाधेहैंसे पुनिरोवैसुधिजाय ॥

भाजिचलैचितवतिरहै सोउन्मादकहाय ॥ यथा ॥

रोक्तिरोक्तिरहसिरहसिऔरहैंसिहैंसि स्वांसभरैऔंसू-
 ठरैकरतदईदई ॥ चकिचकिचौंकिचौंकिऔंचक्रउचकिंद-
 य तकिंतकियकियकिपरतघईघई ॥ दोउनकोरूपगुनदो-
 ऊधरनतफिरै पिरनपिरातरीतनेहकीनईनई ॥ मोहिमोहि
 मोहनकोमनभयोराधामय राधामनमोहिमोहिमोहनमई
 भई ॥ १९ ॥ जबतेकुंअरकान्हरायरीकलानिधान कान
 परीयकिकहूंसुजसकहानीसी ॥ तबहीतेदेखोदेयदेयता-
 सीहैंसतिहै रीक्ततसीखीक्तनसीरुमतिरिसानीसी ॥ छो-
 हीसीछलीसीछीनलीनीसीछकीसीछीन जकीसीचकीमी
 लागीप्रकीधहरानीसी ॥ बाँधीसीविधीसीविपबूड़तवि-
 मोहितसी बैठीबालकतविछोक्तविकानीसी ॥ २० ॥ सु-
 लेभुजमूलनडगडगडोलनसों यनवनभूलनसोंधूमनफिर-
 तिहै ॥ छोड़िसखिजालनकोंभेटततमालनकों उक्तकिन-

धीनभुक्तिभूमतफिरतिहै ॥ रीजैमनमाहिंखीजैखिनमै
 पसीजैतन भीजैअंसुधानसारीलूमतफिरतिहै ॥ मैनकी
 मरोरमातीमोरनमिलतडोलै चातकचकोरनकांचूमतफि-
 रतिहै ॥ २१ ॥ नाहींधनपाँतितनकाँतिस्यामसुन्दरकी ना-
 हींधकसेतमुकताहलहैमालके ॥ जनतकविन्दमुसुकानिसो-
 हैसाँवरेकी कौंधतनकाँधाधीजुरीकीजोतिजालके ॥ चाहि
 रहैचकीसीचकोरनैनीचारींओर गाहिरूपमोहवसमोहन
 गोपालके ॥ चंदनाहिंआलीनन्दनन्दनकीमुखहैरी हैंनअ-
 रविन्दयेतोलोयनहैलालके ॥ २२ ॥ छिनमैहैसतिछिनरो-
 यतिरिसातिछिन छिनमैखिसातरूपरंगनरितैगयो ॥ आ-
 पहीतैमानमानभीनमुरिवैठैकोन आपुहीमनावैऐसेबा-
 सरचितैगयो ॥ थंभनसोंडोलैपरिरंभनकरतछिन छपासों
 डरतचाहिचितदुचितैगयो ॥ देखिघनस्यामैदीरैभेटिवेकां
 स्यामै उठैलैलैपियनामैतोसयानपकितैगयो ॥ २३ ॥

॥ पद्य व्याधि लक्षण ॥

देहां । तचैतापत्रैग्रण्यंढै दीरघलेयउसासु ॥
 भूखप्याससुधिवुधिघटै व्याधिकहतहैंतासु ॥ यथा ॥
 आपतनजीकेअभिलापलाखपीके पवनप्रचंडसुरसा-
 खसीलुरीपरै ॥ चिन्ताहीअचेतसुखसुमिरैसकेतहित गु-
 ननिनिकेतनितनेहहीधुरीपरै ॥ देवजूसुखदसुखदाय-
 कभयेही सनमुखमुखयोलेडोलैमोहमैमुरीपरै ॥ फूलकी-
 सीमालवालसिथिलदुकूल भुजमूलनविथोरेंवीथीवीथी
 विथुरीपरै ॥ २४ ॥ वेदनएजानैकोनिवेदनयेमानैकोन वे-

दनउदोतहोतछेदनयेछातीहै ॥ पीकीबलियाँसुनिकैतो
 फीअतिऔसुनकी उमड़ीनदीसीवड़ीनदीसीसुहातीहै ॥
 सोकहैसुहातजाहिसोकहैविषमयात विषुविषुमेखकील-
 हरछहरातीहै ॥ घूमिघूमिगिरतिभुजनिभरैझूमिझूमि
 सखीमुखचन्दघूमिचूमिचिलखातीहै ॥ २५ ॥

॥ यथ जड़ता सख्यन ॥

दोहा । सुखदुखहोइसमानजहँ सुधियुधिकोनहिलेस ॥

तासोंजड़ताकहतहैं जेकविषुद्विषिसेस ॥ यथा ॥

यैठीवीरधैरीधिरहागिकीविसेपदेखि औररङ्गढङ्गकि-
 येपीरतनदाधेकी ॥ जकीसीयकीसीचकीसकीसीटकी
 सीलायें छकीसीपियाकेसुखआसवअगाधेकी ॥ पल-
 सोलगैनपलपूतरीअचलऐन चित्रकीसीचीतीगतिजीती
 हैसमाधेकी ॥ पूरतिहैप्रेमसोंत्रिसूरतिहूनाहिंदैया मूर-
 तिहाँसूरतिभईहैअवराधेकी ॥ २६ ॥ आइंसुधिदेनतो-
 हिलेनअलिगईचलि एरीभटूतेरेधुद्विषयपहिचानकी ॥
 जोहैकैनजोहैदेसुधकधकीहीमैमेरे प्यारीपियकीहैआपु
 तियसूधेयानकी ॥ रघुनाथकीदोहाईकीन्हेतोसांकह-
 तिहीं आनकीतोकहाहैनसुधिपानीपानकी ॥ धिरहव्य-
 थासोंऐसीजड़तावसीहैआनि भईसुखदानमानेपूतरीप-
 खानकी ॥ २७ ॥ डोलतिनहीठिनीठिबोलतिसुईठिन
 सों गुपतबसीठीपीठिवैठीमुखसेवीसी ॥ रलिगईरलक
 झलकजलकननकी अलकअरालछूटीनागिननिपेवीसी॥
 सूडसुनिएवाकेपरेवाछौंपरतप्यारी टूटिपरिवेकांपैनपे-

धीनभुक्तिभूमतफिरतिहै ॥ रीक्तमनमाहिंखीक्तैखिनमे
 पसीजैतन भीजैअंसुवानसारीलूमतफिरतिहै ॥ मैनकी
 मरोरमातीमोरनमिलतडोलै चातकचकोरनकांचूमतफि-
 रतिहै ॥ २१ ॥ नार्होघनपौतितनकाँतिस्यामसुन्दरकी ना-
 हींयकसेतमुकनाहलहैमालके ॥ मनतकविन्दमुसुकानिसो-
 हैसाँवरेकी कौंधतनकौंधाघोजुरीकीजोतिजालके ॥ चाहि
 रहैचकीसीचकोरनैनीचारोंओर गाहिरूपमोहयसमोहन
 गोपालके ॥ चंदनाहिंआलीनन्दनन्दनकीमुखहैरी हैंनअ-
 रविन्दयेतोलोयनहैलालके ॥ २२ ॥ छिनमैहँसतिछिनरो-
 वतिरिसातिछिन छिनमैखिसातरूपरंगनरितैगयो ॥ आ-
 पहीतेंमानमानभौनमुरिचैठैकोन आपुहीमनावैऐसेंघा-
 सरयितैगयो ॥ थंभनसाँडैलेपरिरंभनकरतछिन छपासों
 डरतचाहिचितदुचितैगयो ॥ देखिघनस्यामैदीरैभेठियेफाँ
 स्यामै उठैलैलैपियनामैतासयानप्रकितैगयो ॥ २३ ॥

॥ यद्यप्याधिकशब्दः ॥

देहा । तचैतापयैग्रण्यं ह्ये दीरघलेयउसासु ॥

भूखप्याससुधियुधिघटै व्याधिकहतहैतासु ॥ यथा ॥
 प्रापतनजीकेअभिलापलाखपीके पयनप्रचंडसुरसा-
 खसीलुरीपरै ॥ चिन्ताहीअचेतसुखसुमिरैसकेतहित गु-
 ननिनिकेतनितनहहीघुरीपरै ॥ देयजूमुखदमुखदाप-
 फभयेही सनमुखमुखयोलेढोलेमोहमैमुरीपरै ॥ फूलकी-
 सीमालयालसिधिलदुकूल भुजमूलनधिपोरेंपीपीपीपी
 यिपुरीपरै ॥ २४ ॥ येदनएजानैकोनिबेदनयेमानैकोन

दनउदोतहोतछेदनयेछातीहै ॥ पीकीबतियाँसुनिकैती
कीअतिऔसुनकी उमड़ोनदीसीबड़ोनदीसीसुहातीहै ॥
सीकहैसुहातजाहिसोकहैबिपमवात बिपुत्रिपुमेखकील-
हरछहरातीहै ॥ घूमिघूमिगिरतिभुजनिभरैभूमिभूमि
सखीमुखचन्दचूमिचूमिविलखातीहै ॥ २५ ॥

॥ यय जड़ता सखन ॥

दोहा । सुखदुखहोइसमानजहँ सुधियुधिकोनहिलेस ॥

तासोंजड़ताकहतहँ जेकधियुद्विसेस ॥ यथा ॥

यैठीबीरबीरोधिरहागिकोथिसेपदेखि औररहठठकि-
येपीरतनदाधेकी ॥ जकीसीथकीसीचकीसकीसीटकी

सीलाये छकीसीपियाकेसुखआसवअगाधेकी ॥ पल-

सीलगैनपलपूतरीअचलऐन चित्रकीसीचीतीगतिजीती

हैसमाधेकी ॥ पूरतिहैप्रेमसोंबिसूरतिहूनाहिंदैया मूर-

तिछाँसूरतिभईहैअबराधेकी ॥ २६ ॥ आइंसुधिदेनतो-

हिलेनग्रलिगईचलि एरोभटूतेरेधुद्विषयपहिचानकी ॥

जोहैकैनजीहैदेखुधकधकीहीमैमेरे प्यारोपियकीहैआपु

तियसूधेवानकी ॥ रघुनाथकीदोहाईकीन्हेतोसांकह-

तिहौं आनकीतोकहाहैनसुधिपानीपानकी ॥ धिरहव्य-

पासोंऐसीजड़तावसीहैआनि भईसुखदानमानोपूतरीप-

खानकी ॥ २७ ॥ डोलतिनडीठिनीठियोलतिसुईठिन

सां गुपतवसीठीपीठिबैठीमुखसेबीसी ॥ रलिगईरलक

कलकजलकननकी अलकअरालछूटीनागिननिपेबीसी ॥

सूलसुनिएवाकेपरेवालोंपरतप्यारी ॥ २८ ॥

हास्यपंचरत्न । इस में अनेक देशभाषाओं के कवि हैं और भंडोवा वः
हः के अनेकन प्रकरण हैं ।)

हास्यार्णव नाटक । इस के पढ़ने में हंसते हंसते पेट में बल पड़ जाता
ऐसा अपूर्व ग्रंथ है कि अगर मनहस भी हों तो वह भी हंस के मुसकुरादे ।

पद्माष्टक । इस में चानन्द पांच अष्टक हैं, विंध्यवासिनी, गंगा, जमु
राधा आदि वेदान्त के ।)

कालचरित्र । २ हैं बाण कवि और नंदलाल कवि छत दोनों ग्रंथ ब
लतीफे के हैं ।)

शुगुलकिमोदविश्राम । राधा कृष्ण के रसीले पट यह गोकुलनाथ का
का बनाया है, वम पढ़ने में ही इस का मजा मिलेगा ।)

शुगुलरसमाधुरी । राधा कृष्ण का मडली सझार बरगन अटभुत है ।)

सुजनावनाद । इस में १०८ किस्म बीरवल, चक्रवर और पंखी अफीम की
इत्यादि के हैं जिसके पढ़ने पर सिंहासन और बैतालपचीसी बगैरह सब की
कोड़ी जान पड़ेगी ।)

सुझारतिलक और सुझारविन्दु । ये दोनों ग्रंथ भाषा टीका सहित प्रची
न कालदास कृत हैं ।)

वेदान्तत्रयी । तीन ग्रंथ मकराचार्य कृत हैं जिस पर भाषा टीका ऐसी
उत्तम है कि बिना किसी के पूछे हुये आप ही लगा लीजिये और वेदान्त
का तत्व जान लीजिये ।)

मानसमकावली । गोभाई तुलसीदास के सातों काण्ड रामायण के संका
षी की टीका, जिस में एक २ चौपाइयों के दस २ बारह २ अर्थ और अपूर्व
भाष्य और बन्दन पाठक जी ने लिखे हैं ।)

भाषाभूषण और रासकमोहन । ये दोनों ग्रंथ एक में हैं, और १५० वर्ष के
प्रचीन जसवंतलाल कृत भाषाभूषण और रघुनाथ काव्य कृत रासकमोहन यह
सब सुन्दर रासकमोहन नहीं हैं जिस के काव्यों की पढ़ने हुये थोड़ा चाटते
रहिये निम्नादिह ऐसे रंगोले ग्रंथ हैं कि बिना इन ग्रंथों के पढ़े अलंकार
नहीं आनता चार अलंकार बिना जाने काव्यता बनाना और मजा उठाना
कभी नहीं हो सता इस लिये हम अवश्य देखना चाहिये ।)

रामास्त्रमेध । यह दोहा चौपाई छन्द युक्त तुलसीदासजी की श्री रामायण
का उभराई है और उगहीं की मादो के महात्मा का रचित है, ऐसा अनूठा
ग्रंथ है कि जिसे हाथ में रखने का मन नहीं चाहता यह प्रकरण जिसका द
खिये तो महाभारत में कम नहीं, इसी भांति अनेक सब गुण इत्यादि की
कथा देखनेही जाय है, मोटे चर पुट कागज पड़ी (जसद ई २५)

ये सब ग्रंथ बनारस जपुरभरनी पं० मवालास के पास डाक माध्यम स
हित मूल्य भेजने से मिलेगा ।

